

THE
HOLY BIBLE,

CONTAINING

THE OLD AND NEW TESTAMENTS,

TRANSLATED

FROM THE ORIGINALS

INTO

THE VIKANERA LANGUAGE.

BY THE SERAMPORE MISSIONARIES.

VOL. V.

Containing the New Testament.

Serampore :

PRINTED AT THE MISSION PRESS,

1820.

इंधरकी अगली कथा ।

अने आदम्यांके उबारवेई और बखनवेई सोई कस्योई ।

३

धर्म पुरूक ।

उंको उंडयो विराड ।

आ आके तारखवाला भगवान् यिजुन्हीएका पायदाकी

मंगलीक वातां ।

इम्री बोखीसूं बीकानेरकी बोखीमें पगत उतरती ।

बीरामपुरमें गयो ऊवो ।

संवत् १८७७ । अंगरेजी मन १८२० ।

टोपको घाने ।

मंगलको कथा माविउकी वखायोडी ।

मंगलको कथा मार्ककी वखायोडी ।

मंगलको कथा लूकी वखायोडी ।

मंगलको कथा योहनकी वखायोडी ।

विभुकी छत्रे मन्त्र जोर दिवतोडकी वा अठिरा काम वा
भरयो फेरउपडयो बाचारा चोपडीमें छोई दिव्योते ।

मेलेकीको ज्ञया ।

विभु कीडका चेला मंगलको कथा जोर तरें चोडेकयो
वा घरतोका चार विराडमें टोकी करो रंघोपडीमें रंघो
वखाव दिव्योते ।

माउखको कागद रम्याकने ।

माउखको पैलडी कागद करिंयाकने ।

माउखको दूजे कागद करिंयाकने ।

माउखको कागद मासातियाकने ।

माउखको कागद रफेसियाकने ।

माउखको कागद मिशिपीयाकने ।

माउखको कागद कलयाकने ।

माउखको पैलडे कागद तेसबोनीकने मासाकने ।

वा

पाउलको दूजे कागद तेसजेभीकनें नायांकनें ।
 पाउलको पैलडे कागद तिमोतियांकनें ।
 पाउलको दूजे कागद तिमोतियांकनें ।
 पाउलको कागद तीतसकनें ।
 पाउलको कागद फिलिमकनें ।
 पाउलको कागद यूनीयांकनें ।
 यभाकको कागद सगलांकनें ।
 पितरको पैलडे कागद सगलांकनें ।
 पितरको दूजे कागद सगलांकनें ।
 योहन्को पैलडे कागद सगलांकनें ।
 योहन्को दूजे कागद ।
 योहन्को बीजे कागद ।
 यिजदाहको कागद सगलांकनें ।
 लोगांके प्रसीव वर आसां वा संमकी छया लिखल करबी
 वा घावेजी आदमीको करबो दिवाजबनेई के रकीस पांता
 टोल्यानें लिखा गया न ।

संगलीक कथाकेलवाला योहन्कनें जकरे चोडे न ।

खोष्टको जकरे छाग्या आसियाकी सात टोल्यांकनें न
 उ इकी नेडली जेयडीका पैलडा विराडनें वा घरवीका
 नेवडाताई टोल्यांको जकरे असी उ उके नेडला विराडनें
 न ।

नामां नोसबसा आवदांनो विचार ।

कोरं अर आवरकें नीचे अर मिडी के तो उं आवरमें अर
नो ८ सरीयो बोल्यो जासी ।

अ बडाके नीचे अर कारं मीडी के तो ८ बोल्यो जासी ।

अ ससाके नीचे अर के तो ७ सरीयो ।

असाके नीचे अर कारं मीडी के तो ७ सरीयो । १

१ जीजागा पुज्जी विबठिफाके रं वरें सेनांन साजीमें अची
कोरं सेनांन के उ टीसामें साजी जागावेरं उ देवी पड
सी ।

मंगलस्य समाचारं मातुःपुत्रिणम् ।

१. यच्छब्दे पात्रो ।

आवरणस्योऽप्युक्तं दाउद उक्तेऽप्युक्तं विमुक्तो
 का वदेराकी घोषणी आ ।

- २ आवरणस्य विमुक्तो ज्ञातो और विमुक्तं यथाकुर्वन्
- ३ ज्ञातो और यथाकुर्वन् विमुक्तो और उक्ते भार्गवे ज्ञातो
- ४ यो और यहीदा फारेस् और मारुतं ज्ञातो और फारेस् खेसरोयन् ज्ञातो और खेसरोयन् रामिन्
- ५ ज्ञातो और राम् आनिवादनं ज्ञातो और आनिवादनं
- ६ नखनोयन् ज्ञातो और नखनोयन् ज्ञातो ज्ञातो और
- ७ ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो
- ८ ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो
- ९ ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो
- १० ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो
- ११ ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो
- १२ ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो
- १३ ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो
- १४ ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो
- १५ ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो
- १६ ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो
- १७ ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो
- १८ ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो
- १९ ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो
- २० ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो और ज्ञातो ज्ञातो ज्ञातो

- ११ और योनियाह याकोमने और उंका भारने जबायो और
 पिय बावेल्मे लेजावकी बेला याकोम यिकोनियाहमे जबा
 १२ यो । बाकी बावेल्मीसापने यिकोनियाह अजासिएरुमे
 १३ जबायो और अजासिएरु अरवानेसुमे जबायो । और अर
 बावेल् आविउदने जबायो और आविउद् शखियाकिमने
 १४ जबायो और शखियाकिम् आजुरने जबायो । और आजुर
 १५ सादेकने जबायो और सादेक आकिमने जबायो और
 आकिम् शखिउदने जबायो उंके पने शखिउद् शखियजरने
 १६ जबायो और शखियजर मतनने जबायो और मतन् यञा
 कुने जबायो और यञाकु यूसफने जबायो उ मारिया
 को यज्ञो के जीसं यिभुको जन्म जवो के जको खीर मासिक
 जवो ।
- १७ इकेर आबरहामसुं दाउदकोही सगला समेत चोदे
 पीछो और दाउदसुं बावेल्मे लेजावकोही चोदे पीछो और
 बावेल्मे लेजावसुं खीरकोही चोदे पीछो ।
- १८ यिभु खीरको जन्म इस्यो जे उंको माउ मारिया मुसफ
 कने करार कयोहीकर वी देवाके मिलबके पैसदा वा
 १९ घमांसासुं मरभवतो जीबीजी । उंको यही मुसफ संभेगी
 अवर और पीछामे उंके जावो समावबने व मरजी करद
 २० उंके नानीवरें जेइबकी मबने करी । और उ उंकेउपर
 धिता करतो देवो भगवानके इलकारें सुपनामें उंके दिवावो
 दोनो और कयो के हे दाउदका हावडा मुसफ आपकी वउ
 मारियाने लेबने मती बीहो कोस तिवमें जवो जयोने उ
 २१ घमांसासुं जे । औरपिय वा हावडो जवसी और उंको नाव
 व यिभु देसो कोस उ आपका लोगांके वांका पापसं उबार
 करसो ।
- २२ एा सगलो जवो के भगवानकी आ कथा परवारें के जबा
 निमित्तियासुं कयोहीजी के देव एक हावडी पेटसुं जवो

- २३ और डावडो जबसी और हैं उंको बाव प्रमाभुएल देही
 अथवा प्रभु नाके भेजा ।
- २४ इंपते भगवांनके घर उंने जिहो आया दीनो जी युसक
- २५ बीदसुं जागरु सिधो करहु आपकी वठने खीनो । और
 उंको पेंखडो डावडो जबसके अमाडी उंको वउग्यांन नही
 कखो उंपते उं अकडाको बाव यिजु दीनो ।

- २ दूजे पांनि ।— हेरोद राजाका कासमें यिजु यक
 दाह देनके बीतलेखेमें जम्बो भेजा देयो पंडित मूरव
- १ देअसुं यिदमाखमें आया और वा कयो के जको विजया
 को राजा जम्बोते उ वठेते कोस मूरव दिआमें उंकर तारा
 ने देवर के उंकी पूजा करवने आवांजा ।
- २ हेरोद राजा आकथा सुहर मोकको विराजी उंको और
 ३ उंके भेजा समखा यिदमाखमवासीपिब । इंपते समखा
 डावोडाघारखाने और कोमाने भबबवाखाने भेजा करर
 ४ उं वाने पुन्धो के खोट कठे जम्बो । वा कयो के विजदाह
 देनका बीतलेखेमें कोस विनिययासुं उयो विद्योते के
 ५ हे यिजदाह देनका बीतलेखेम् तू यिजदाहके सिखेदारके
 निचमें मोकको गानो नते कोस तेंसुं एक खोग सिखेदार
 ६ उपजसी के जको नाका विजराएल कोमाने पावसी । तद
 हेरोद पंडिताने शकतमें बुखाबर ताराका उदघकी कासमें
 ७ ठीकतरे पुन्धो । इंपते वाने बीतलेखेमें मेकर भोख्यो
 के आबर डावडाने काठो सीनो और जद उंने थायो तद
 ८ मने ठीक करी के अपिख आबर उंकी भजना कर । नें
 राजाकी कथा सुहर चाल्या गया और देयो वा ताराने
 वा मूरव दिआमें देयो जे उतारो जायर डावडाको जमा
 १० के उपर घेतबतोडी वाके अमाडीर गयो । नें ताराने
 ११ देवर मोटो राजीसुं राजी कवा तद वा भूपाने बडर उंकी

२ दूरी यथा मातृउरदिव ।

मातृ मातृबाबे भेलो उं डावडाने देखी और बनवा करे उकी भजन कयो इबेपने आपकी बनकी गांठी कोकर
 १२ उने सोना और सोनाम और सेबादस भेठ दीया । इपने
 येर हेरोदने मेहा बनाने सुपनामे भगवानसुं उपदेम
 कयोडा ऊपर वे दुषामाहसुं आपका देऊमे गया ।

१३ वे मयापने देवो भगवानके हलकरे सुपनामे युसफने
 कने पगठ ऊपर कयो वे उपड डावडाने और उकी
 माउने केर मिसरमे भाग और जठाकोडी अं तने न कने
 वलोडी उठे रे कोस डावडाने जोया मारखने हेरोद उने
 १४ सोभलो । उपने उ रातका उठर डावडाने और उकी

१५ माउने केर मिसरमे गयो । और हेरोदके मरखोडी
 उठे रयो वे निमिषासुं भगवान कया कयो नी के
 मिसरसुं मे आपका डावडाने मुजायेने सु परवारीनाम ।

१६ तद हेरोद जद देखी के आय पंडितासुं आरौ कयो
 डांठि तद मोकलो निराजो ऊयो और नीतलेखेसमे और
 कंकी सगली सीवमे ५२ मेकर जीवेना जावतसुं पंडिता
 ने पूज्योने तदसुं देयसासका और उंसुं गीना समलां

१७ डावडाने मारवाप्या । तद विरमियाह निमिषासुं
 १८ कयोडी कया जेठे ऊरे वे रामाने एक साद सुखो गयो
 आपका हाहाकार और रोवयो वा मोकला भूरवा राखेला
 आपका डावडाने ३ दिने यातरी मननेने कोस वे डावडा
 कयो ।

१९ हेरोदके मरखके पने देवो भगवानके हलकाराने मिसर
 २० मे सुपनामे युसफने दिवालो दोना वा कयो के उपड
 डावडाने वा उकी माउने के और विभ्रायन् देनामे जा
 कोस डावडाके जोया मारखने प्या सोज्यो वे मर गया ।

२१ इपने उ उपडर डावडाने और उकी माउने कोनी और
 २२ विभ्रायन्मे आया । केर जद सुखो के विजदाह देऊने

आखेकाउत्त जापका बाभा हेरोदका ठिगाममें बैठर
 राम करेते तद उठे गांभने बोधा सेर सुपनामें भगवान
 कुं उपदेश कयोडो अयर मुडर गाजिको देखने गयो ।
 १३ और गाजरेत् नांके एक बगदमें वधो के निमित्तियासूं
 कयोडी कथा परवारें के उ बाजरेत् नांभमें विघ्यात जसो ।

३ राजा पतिमा ।—उनेका बोहन् हुबोदिरावखवालो
 उठेरो देवार और बागकी राज नेंडो ते इंसं मनभेड धा
 ४ केतोए यज्जदाधे जोडमें जायो कीस ओ उठे के ओका
 ५ कायदामें विनाइयाइ निमित्तियासूं कयोडोते के जोडमें
 ६ विचबीमारकेबवाला एक लोगको ओ साद ते के विज्जको
 ७ मारन थार करी उको मारन पाथरो करी । उ बोहव
 ८ उठका यज्जमका गाभासूं बखाव कयोडो ते और उकी कडमें
 ९ कांसडीको कसरवधोपिब बंधोडे ते और उको कयो टिया
 १० और जोडकी सेत । तद विज्जकायम् और विज्जदाइ देव
 ११ का सगला लोग और यरदनके नेंडाइबवाला लोग उठे
 १२ कने जावर आपका पाण थारेकरर उंसूं यरदनमें हुबी
 १३ भायोडा अयर उकी हुबोदिरावखमें फारिभियाके और
 १४ सादुकिवाका मोखला लोग आवता देवर उं वाने कयो के हे
 १५ आपकापरवार होखहाररीससूं भागवने की थाने उपदेश
 १६ कयो । इनेइसन भेडको उचित फल फलाव और
 १७ आ मवने केखने मसो ठेराय के आवरधाम न्हाको बाभा ते
 १८ कीस अ थाने कउंउं के मगवान बां भाठसूं आवरधाम
 १९ के हावकीने उपजाव सकेंते । औरपिब छने कुवाडो रंवाकी
 २० जडमें बगायो जायते इंसूं फवेसो बंध भोवःफल न फलव
 २१ सूं बाखा जायते और नासदेमें नांथा जायते । मन भेडव
 २२ के अ थाने बायोमें हुबी दिरयउं उं सही सेर जको न्हा
 २३ पिवाडी आवेते उं भेसूं बजियेते के कीको जोडी उपहरने

- पिब जं जावक वटुं उ घर्मांजमं छोर वासदेमे घांनो दुबो
 १२ दिरासो । जीवें उजबो आपका हाथमें उँ छोर उ आप
 का लाठाने काठा साथ करसी छोर आपकी बोठीमें मोऊं
 भेजा करसी छेर बावबो वासदेमें बावसो के वको बदेई
 व बुझसी ।
- १३ तद विभु माबिबिसुं वरदवनें योवमके नेंडो उंसुं दुबो
 १४ हो होबनें आयो छेर वोवम उँनें आ बेर वरबो के घारा
 हाथसुं दुबोदिराबोडीहोबो मनें बाबिनो उँ छोर काई तूं
 १५ नारें नेंडो आवेंते । विभु उधयो देर उँनें कयो के कनें देयो
 होय देवो कीस समजा घरम हयो परवारबो नानें बाबि
 १६ पीते तद उ उँनें वरव दीयो । विभु दुबोदिराबोडो जबर
 उंधी बेला पांडोसुं कजो छोर देव उँनेंकेनें खगं वूयो उँ
 छोर पारेवाहयो उतरतो छोर उँनेंउपर आवीतोडो उँ
 १७ भगवानं आजावे देयो । छोर देवो खगंसुं आ केवराबो
 ह्य साद जवो के उ नारो मोटोनालो डावडो के जीसुं
 अंमोवबो राजीतुं ।

१ चोथो घांनो ।— तड विभु मोडासुं कीमत होबनें जोड
 २ में घर्मांसुं तखी गया । छोर चाखीस दिनरराव
 ३ पोवध करर उँनेंयते भूवा ऊवा । कीमतकरववाखाने उँनें
 नेंडो आयर कयो के छर तूं भगवानको डावडो उँ तो
 ४ आय्या कर के के समजा भाठा बाटा के । उ छेर उधयो
 देर मोखी ओ लिथीते के आदमी वाबो बाटोसुं न उवर
 ५ सी जेर भगवानका मुंडासुं कजोडो पावेंतो कथासुं । तद
 ६ मोडो उँनें निर्मल नगरमें लोयायर भगवानके देवराके हक
 कलसउपर बेंठायो छोर उँनें कयो के छर तूं भगवानको
 डावडो उँ तो आयनें तके पटक कीस ओ लिथीते के उ
 आपका घराने घारेंवेई आय्य करसी छोर के आपका

- हाथमें तनें बपटसी काजाया कीबिजा तूं आपकी पग
 ७ मठाउपर जगारें । विष्णु उनें कयो फेर को निब्योनें कें तूं
 ८ आपका भगवान् विजहकी परब मधी करे । फेर मोडो उनें
 मोटां उंचा एष परबतउपर से गयो और संसारको सग
 ९ को राज वा उंकी माया उनें देवाओ । और उनें कयो के
 से सगला जं तनें देख करे तूं बबला करर मनें पूजसी ।
 १० तद विष्णु उनें कयो के हे मोडा अजगो के कोस को विषी
 नें के आपका भगवान् विजहनें पूज और बाओ उनें सेव ।
 ११ तद मोडे उनें गियो आर देयो घरी आवर उंकी सेवा
 करी ।
 १२ विष्णु तद सुखो योहन भागसोमे राख्यो गयोनें तद गात्रि
 छिनें गयो और नाजरेतनें गेडर आवर दरियावके किना
 रेके जेबूखन् और नफतालीमके सीवमे कफरनखसनें रयो
 १३ के जका कथा विभारैवाह तिमितिये करेनी वा परवारी के
 के जिवूखन् वा नफतालीम देन और दरियावके मारगमे
 १४ सरदवके उं किराडे दूजादेनवालाके गालिनि अथवा जके
 १५ कोग अंधारामे नेडा ज वा मोटा पांखी देख्यो और मोख
 १६ वा देन वा गयामे बैठवाला कानी चानको मोडे जयो ।
 १७ तदसूं विष्णु छेरे करखनें और केबनें मायो के मन
 १८ मोड कोस खगको राज नेडेनें । विष्णु गालिनिनें दरिया
 वके नेडो चिरतो दरिवाके फास नभितो देव्या भा
 वाने देव्या अथवा पितर वावसूं वावीक ओमन् और
 १९ उंका भाई आनुनें कोस वें पारयो ज । उं वाने कयो के
 वारें पिन्गी कोयो और घाने जं आदमीकपडबवाला
 २० पारयो करसूं वा भट फास गडर उनें पिन्गीर गया ।
 २१ उं उंजागालू जातेर आपका बाभा जेवदिके मेखो नावमे
 कोसको सातर करता दूजा देव्या भायाने देव्या अथवा
 सेवदिका हावडा यकाजुन् वा उंका भाई योहननें और

- १२ बनि बुलाया और वे मठ ताव और आपका बामनें ठे
कर उके पीगाडी गया ।
- १३ इकेपनें यिमु वाके सिवगगामे उपदेश करवार और
राजकी मंगलीकथा छंडेरो करतोर और चोगाके विषा
के समजा रोग और दुबलाईके बोझमातेर गाजिलिके
सारी जागा भटकरे असुं उके यम सिरियाकी समकी
१४ बामनें गयो । और चावे औरके रोग वा पीडेसुं
भालोडा और भूतबामोडा और निरगोशका और अर्थ
गी रोमनाका समजा रोगकाचोगामे उके नेंडा कियाथा ।
- १५ और उ वाने चाराम कया इंचारब माजिलि और देका
पोबिस और यिबमालम और यिकदह और बरदनुके
उंकराडालुं मोटी घाड उके पिगाडी गई ।

५ पांचमे पानि ।—उंउं घडने देकर परबवउपर

- १ चलो और बेंठापनें उका चेका उके नेंडा आया । और
उं आपको मुंडा उघाडर का कथा करे वाने भयावा के
२ मनमे भयावा अके लोग के धन्य कौंस खगेको राज वाने
३ ने । लोग करबवाका धन्य कौंस के ठंडा जसो । गोका
४ लोग धन्य कौंस के करतीको केठार करसी । अके बघाव
५ के बेई भुवा कर विसाया के धन्य कौंस के आयोडा जसो ।
६ छयाकु लोग धन्य कौंस के दवा बाघती । साफमब
७ नाला धन्य कौंस के ईकरने देसती । सहा करबवाका
८ धन्य कौंस के भगवानका बावडा प्रतायदि जसो । ठोबनेई
९ बट बाघबवाका लोग धन्य कौंस खगेको राज वाने ने ।
१० जद लोग घाकी मोई करे वा बघावे और नरदेई घाका
कायदामे समलोतरेकी नीठीकथा कूडी के तद ये धन्य ।
११ उकेका राजीहवाका वा मोकका राजी मन को कौंस खगेने

चाँयो मोटो कसुं चाँके पेंबडा बिनिबिबाने इयापिब वा
साठबाफरीनी ।

- १२ ये घरतोका खुब ठो छेर घर सुब वेसायो केँ सी कुब
बससुं खाद कयो जासी तदसुं बारबे नगायो आबसुं छोर
आदम्याकेँ पमांनोकेँ बुंदो नांबविगर उंको छोर बुंदि
१७ काम नही । ये संसारका चानवा ठो परबतउपर नको
१५ नगर बसायो गयोउं उ लुकये न सकसी । खोत दीवो
बाबर पाबलीनीकेँ नमिलेउं छेर दीवडउपर उंसुं उ भूपा
१६ में सगला रेंबवाकरनेँ चानबो करेउं । चाँकेपिब चान
बो सगलाकेँ सामो इतो केँ केँ वेँ काँकी बोपीकरतत
केँ छोर सर्गमें रेंबवालो चाँका बुभाकी महिमा चोडे
१७ करे । ये श्री बोप मती करो केँ ऊं तौरेंव वा निमितिया
की कथा बोपबनेँ आयो उं ऊं बोपबनेँ न आबोउं छेर
१८ परवारबनेँ । कोस ऊं चानेँ साच कउंउं केँ जठलोडी
आकाम छेर घरतोका प्रकय न असो सबतेडी सबको न
परवारबसुं तौरेंवसुं एक मोडो वा एक टोमपिब बोप न
१९ असो । इवेहं जको कोहं इं आग्यामें एक बाँकी आग्यापिब
मेटसी छोर आदम्यानेँ उलोहं बरेखमें अबासी उ सर्गका
राजमें सगलासुं नांजा मान्यो जासी छेर नको उलो चाङ
सी छोर ववाँब करसी उ सर्गका राजमें मोटो मान्यो
२० जासी । कोस ऊं चानेँ कउंउं पहा चोकी यथाथं उपाया
चाँकेँ छोर पारिनियाकेँ यथार्थसुं जपि बनेँ तद सर्गका
राजमें न बडयो ।
- २१ ये सुब बुकाणे केँ आगवा बोमानेँ श्री कयो गयो ठो
केँ वृत्त मती करो छोर जको वृत्तकरेउं उ मंडोमें वामीदार
२२ उं छेर ऊं चानेँ कउंउं केँ जको कोहं आपका भायाउपर
विगरवेव रोस करेउं उ मंडोसुं वामीदार कसी छोर जको
Vikarna. B दे

आपका भाषाके राका करेते उ बाबाके उडकायक और
जका करे के हे मेका उ नारकोको बासरेके उडकायक ते ।

२२ हरेके करतू आपकी दाब करदोकीयका हेम धितरीके
रावे और उ नामा धितर के धारे भादेकी धारे धरेमे

२० खुदि ते । तद हेमयोकरके कामे आपके दाब करदोकी
वकामे राय और ना वेकडा आपका भादेके मित वते

२५ नावर आपको दान कर । तू सिरधकोके मेके मेकी मिक
मद माएमे उके मेके हे काबाबा सिरधकी वीतकरव

वाकाकेमे तने मकावे और वीतकरववाला उडकेवाका
२६ कने तने मकावे । और तू मेतासरमे रायो जाय अं तने

साय कउतू के अठावोडी तू दमडा चुकाव नदेसो तबतोडी
उसुं बाएके न जाव पासो ।

२७ सुयोडे के बागका लोगने कयो गयोडे के धारकी गुगा
२८ हरेके भाग सती कर और अ धामे कउतू के जको कीडे कउके

मेमवबवेरे उने देवेते उ आपका मगसुं तदरे उसुं कुसील
२९ सेयो मेदे धरयो जीवकी काम कर तने अटके तो उने

उपाठ और आपसुं वगाय धरयो समलो डोल नारकोके
कजायो बाबासुं धारा अंगामे एक अंगके बाजवाले पख

३० मोकले घोवो । कर धरयो मीधयो धास तने अटके तो
उने वाठ और आपसुं वगाय केलस धरयो समलो डोल

नारकीमे जावसुं धारा अंगामे एक अंगके बाजवाले
धरयो पख मोकले धीमे ।

३१ कयोडेके के जको कोई आपकी वउने गेहे तो उ उने
३२ तकाव नवा देवे कर अ धामे कउतू के जको कोई कुसील

सेबाधितर आपकी वउने गेहे उ उने कुसील करावे और
जको कोई उ गेयाकी राउके मेका थाव करेते उ कुसाव

करेते ।
३३ औरयिव आगका लोगने कयो गयोडे के कूडीसुंस

- २० जसोपाठ केर अन्तर्गत संसर्ग भगवतोपाधे, तद्वार केर
 कं धर्म कउनु के कोरपिब संसर्ग मसी पाठ, तसोसु मती
- २१ कर सोसि उ भगवतोपाधे मकथि । कर श्रीसुविब मसी कर
 कोस उ उके मकथि । तद्वारभाषासुविब मसी, कोस वा
- २२ अन्ताराधनी मसी । करयक माससुविब संसर्गो पाठ
- २३ कीस-रक केमने सोसो वा करपी करके न ससो केर धापी
 कसो करे, मसीर केकोस इ सुं कसो कसो के सु कससु ।
- २४ सुकोडे के करेत्सोके कोसकेके, धांय कोर दसावेई
 २५ दास । केर कं धर्म कउनु के प्रियाने मसी कर म केर
 मको कोर धारा मीकसा गा कउनु तने मरे उके कापी
- २६ दूकोपिब मोड । कर केर मकीसे प्रार उपर कने कोर
- २७ धारी दुपठे केवे तो उने दोवडमिब केके कोर कर केई
 केरारसीसु, तने प्रककोस जेधाय मद उके मेको दोवकोम
- २८ आ । तसुं मांगककनि दे तसुं मको उपारी सीया पावे
 उके मुंडो मधी मोड ।
- २९ सुकोडे के कयो गयो के आयका नेडावासीसु धारकर
- ३० धार आयका नेयाने निभंउनाकर केर धाने कं कउनु के
 ये आयका नेयासु धार करे धार मने धाने मिठकार
 दे, तने आयको दे धार मको धाने निभंउे वको धोको
 करे, धार धाने धीदिकरकवासाको वा कडदेकवासाको
- ३१ इमकयक मनातो के छे खर्गवसी माभाका आवडा को
 कोस उ आयके सुरकने बोडा वा कोसउपर उमावेके
- ३२ धार मीवावीठउपर नरवाकेके । कोस धर आयसुं
 धारोकरकवासु धारी करेगे तो धाको काई कसकेके
- ३३ कानुगा काई इयो न करेके । कर आयका मसी भाईने
 वनबा करे तो मती काई करेगे कानुगा काई इयो न
 करेके । इवेई धे परवारो जिया खर्गवसी धाको मसी
 मरेके ।

- ६ ठो पनी ।— निवेदान आदम्याके सांभा बासुं दे
 का आदम्याके आपनी दान मसी करव्ये अरे करयो तो
 घांता बाभेके अकी खर्गमें उं उंके जिंठासुं धांता कुहि फल
 र नही । अरे आपकी दान करे तो आपके सांभा बांको
 मनी वजाव वै जिंथा उकर चठ जोम आदम्यासुं भवाना
 वेई सिनगगमे अरे मकरमें करेउं अरे उं सांभा अउनु
 ७ वे वे आपका फल जाये उं । अरे अरे दान करव्ये अरे
 जीवकी हाथ अकी करेउं उ घांता दावो हाथ न जायेके
 ८ घांता दान जगमें के जो जगमें देवबवाला धांता धांता
 जोठमें तर्न फल देसी ।
 ९ अरे अरे याचना करेउं तद अवरचटा इया मतो जो
 कोस वै सिनगगमे वा राजमारगका मुंघामे उभा अवेर
 याचना करेउं के आदम्यासुं देव्या जाय घाने साच उं
 १० अउनु के वै आपका फल जायेउं । अरे अरे याचना
 करे तद आपकी घांताके विचमें बडे अरे बांघाने अठर
 आपके बाभाके अकी जगमें उंकी याचना अरे अरे
 जगमें देवबवाला घांता बाभा जोठामे तने फल देसी ।
 ११ याचना करता देवपूजबवाला इया निकमा मोकला मती
 बकी कोस वै समझके वैके मोकला बैणसुं सुखो जासी ।
 १२ इवेई वैके इया मतो जो कोस धांता अकी अकी निखेउं
 १३ उ घाने याचनाके पैलडा धांता बाभा जोठेउं । इंसुं इसी
 याचना करी के हे खर्गमें देवबवाला न्हाका बाभा घांता
 १४ नावो निर्मल के घांता राज आवे घांता मनमाफके खर्गमें
 १५ जिखो तिखो संसारमें इया जाय । न्हाके जीवबजायक
 घृणाक आज न्हाके देवो अरे न्हाके अख न्हाके माफ करे
 १६ जिखो न्हा आपका लंकायतनि माफ करीगा । अरे
 १७ परधमें न्हाके मतोवे अरे बांठाइसुं न्हावो कोस राज अरे
 वल अरे महाक रोजीनी धांता उं । आदिम् ।

१०. कोसुअर ये अदस्योउपर कंको वांमी भापा करो तो
 ११. योको वांमी वांमी योको माक करसी । अर ये अदस्योउपर
 १२. योको वांमी माक न करो तो योको वांमी योको वांमी
 १३. माक न करसी ।
१४. जद योवध करसी तद कर करटी असा दोहे मुंडो मती
 १५. यो कोस वें मुंडाने दोरो रावेणे के शीमासुं पोसावाक
 १६. देखा बावने सरासी योने कउनु के वे आपका फल वाध
 १७. ते । केर योवध करता आपका मायणे शीकके कर केर
 १८. मुंडाने केके । के अदस्योउपोसावाका न देखा जाय
 १९. केर कारा वाभाके के अको जनेमें देणे केर थारो वांमी
 २०. के अको जनेमें देवेणे उ योवधने तने फल देसी ।
२१. आपकेवेहे करवीमें मावा भेयो मत अहो के जठे काठ
 २२. का मकोटा योवधमावेणे केर योवध वात के केर जोरी
 २३. करेणे । केर ये आपकेवेहे कर्गमें सावा भेयो करो के जठे
 २४. काठ केर मकोटा जोका न अमावेणे वा जठे योवध वात
 २५. न देवेणे कोर करी कुरावेणे कोस जठे योको मावा
 २६. के जठे योवध योको मन असो । केराको दीये अय्याणि
 २७. इवेई अर थारो आया एक विअरने तो थारे सगजे
 २८. डोव चानको असो । केर अर थारो आया वीठीने तद
 २९. थारो सगको डोव अंधारो असो इवेई थारेमें अको चानको
 ३०. ते उ अर अंधारो तो उ अंधारो कितोक बडाणे ।
- कोर देव योवधने सेव न सकेणे कोस उ एक धराने निभ
 ३१. उर दूजासुं प्यार करसी अथवा एकने सरासी वा दूजाने
 ३२. निसरासी ये भगवानको अर मायाको सेवा कर न सको
 ३३. ते । उंसुं अ योने कउनु के आपका जीववेई चिंता मती
 ३४. करो के काई योको काई पोखो अर आपका डोववेई योवध
 ३५. काई येराको जीव काई योवधुं मेढो नते वा डोक काई गा
 ३६. भासुं मोटी नही । आवाअका यथाने देवे कोस वें वावे

६ भार्गवो शंभुं चारुं काठकवेरं केकीतरे देवती । निर्मल
वक्षःशरणां नली रे खेर शंभो भेकी सुराणे फाडो
कयो वजाव फाडवांशे काफका धारणु उ कुंदे खेर मुकर
शब्दे खेरमणि ।

७ शबो कर धारं विरातो आवतो बरो नर पायो करवा
८ में कृष्ण तद धारं शोभा शाली शोभ नवी मार्गे सी धारं
जावती करवावावापिण धारं वा शोभा वृष्णि उकेभरे बुलो
९ शाली । शोभ धारं विषने कुल सादधो जेके शोभा कर शाम
को डागहो वाडो मार्गे तो उमें भाडा दिती । वा धरि मण्यो
१० शार्गे तो उने काव दिती । इंसुं धर धे नीच ऊबर कायके
११ काफकावे केकीवका योन करबने शब्दे जो तो शंभो शब्दो
के शब्दे शब्दे जे उ धारं वाचनकरकावाकावे उंसुं वती
१२ कोकोवका न देती । ये शबो धर शब्देके के सादमी धारं करे
के उके इका संके शबो कोस वैरेव शेर विमिषिजाको
क्या था जे ।

१३ शंभुवाकरवांसुं शब्दे शोभ नवी करवा संभवाशोभने
जावने सु शोभा शेर मादमपिण मेळो शेर उंसुं नेफला
१४ वहेजे । शेर श्वे करवा जीवतयमें जायजे उ शिरो चोडी
शेर मादमपिण साकरो शेर उने काधकवाका शोभने ।

१५ शूनामिषितिकीसुं शिखेकांन को के जरे माडराका मेषसुं
१६ धारं नैडा धारं जे । शेर मनमें काठकवाका शम्भो जे
वाका फलासुं वनि शाखयो काम धारं शोभानोरासुं दाव
केरुजे शवका शोलीमें धारं गूलर भागेजे तिकोदं धारंसे

१७ शिखेकांन केकीफक फलेजे शेर शीठारव वीठाफक फलेजे ।
१८ शोभेकांन शीठाफक नक्षत्र संकेजे का शिठोदंय चोषाफक
१९ शम्भो न शकेजे । शोषाफक न फलकवाली धारं सी वधे
२० शोभा शाली शेर वासदेमें वगारणे शाली इवेरं धारं काका
सुं शब्दे शब्दो ।

- २१ जको आवेसो छाम मने करेउं के हे भगवान हे भगवान
 उ सगेके राबमें व कडसी छेर जको नटिउ कामो के जको
 २२ खममेंउं उंकी दख्ख जको करेउं उ कडसी । वांदिनामें मोक
 खा मने वेसो के हे भगवान हे भगवान के काई धरिउ वाव
 सुं निमित्तवाको कया कयो नही वा काई धारा नावसुं
 भूताने लुहाया कयो छोर धारा नावसुं काई मोवका अउरा
 २३ कर्म कया नही । तद वाने अं केसुं के कदिउं में धाने वांधी
 २४ नही हे मोटा कामकरववाका मेंसुं अथमा जो । इंसुं जकोर
 नहारी का कथा सुबेउं छोर उ करेउं उनें अं कियो बुब
 इंत भेजे ओपमा देसुं के जीने भाठानी वावउपर आव
 २५ को भूयो उपायोउं । उंपउं से आयो वर देल आयो वा
 आधी वाजी छोर उं भूयामे जागे तौपिउ उ नमसी कोस
 २६ वावउपर उपायो गयोउं । छोर जका नहारी का कथा
 सुबेउं छोर वई करेउं उ डोफामेको ओपमा दीनी वासी
 २७ के जीं आयो भूयो वेककुउपर उपायो । छोर से वरयो
 वा वेक आयो वा आधीवाजी छोर उं भूयउपर जागी
 इंसुं उ पयो छोर उंको पडके मोटेर कवे ।
- २८ इयो जवे के जद यिउ अं कया परवासागे तद अ
 २९ मात उंकी सीवत्तबमें चमत्कार पायो, कोस उं आगा
 करखाजाके इयो वाने भखरव छेर उपथायाने इखे
 नही ।

७ आठमो पीपी ।—उ परवत्तसुं उवसायने सेवकी
 जमात उंके पिनाकी गई छोर देवे इक कोछिआपर
 १ उंकी पूजा करी छोर कयो के के प्रभु अर धारो मन के वो
 २ मने निर्मल कर सकेउं । यिउ कांथ पसांर उंनें भीठो
 छोर कयो के धारो मनउं के तूं निर्मल के उंईवेका उंको
 ३ कोछ पोषो जवे । छोर यिउ उंसुं कयो देव किनेई मयो

जेजे खेरजा आप धिहितकने देवाक खेर उ दीन कर
के जको मोसह वाने नेडा सायदी होखनेई निखे कयोते ।

१ विभु कफरनखममें बधा पते सो सिखेदारके नमा
६ दार उकेकने आयर वीनती करर कयो के हे प्रभु नारी
घडयो अरधंगमें मोकलो कलवंत अयर भूपामें सुतेरेते ।

७ विभु उंसू कयो के अ आयर उने ताजे करखु । सो

८ सिखेदारके ठाकुर उधको देर कयो के हे प्रभु अ जायक
वतु के वृ नारी गम नीते वडे खेर याखी कथा के उंसू

९ नारी घडयो ताजे कसी । कौंस अयिब आग्याके नीचे
आदमो नु नारे आधोन डोडवाण्याके अ इने कउनु के

जा खेर उ जायते खेर उने आखने कयासू उ आवेते
१० खेर नारे घडयाने आ कर कयासू उ सुई करेते । विभु

सुखर विखय जवे सो पिगडी आवयवाकाने कयो के अ
साय धामे कउनु के विभुराखमेंपिब में रसी प्रतीव न

११ याखी खेर अ धामे कउनु के मोकलो लोग पूरव खेर
पजिमसू आसी खेर आवरहाम् वा मिखाक् वा यधर

१२ कुके भेजा खगेके राजमें बडसी । खेर राजवा डावडा
वारखे अंधारामें गाव्याजासी उठे रोवको वा बतीसोको

१३ पीसको कसी । विभु सो डोडवाण्याके सिखेदारने कयो के
जा खेर ते जिती प्रतीव करीते जिती तने के उंसू उको
घडयो उडे घडीमें ताजे कवे ।

१४ खेर विभु पितरका भूपामें बडर उको सासूकेसूती

१५ वा वावसू कही देवी वा उको हाथ भीयो उंसू वाव उने
जेको पते वा उगडी खेर वाको सेवा करी ।

१६ सिंजा होबसू वा उके नेडा मोकला भूतनागोडान
ल्यावा खेर उ कथासू भूताने नुडावा खेर समजा रोड

१७ बाने वाया कया । के उ परवारें के जको विभारयाह

Vikarna.

C

मु

- त्रिमितियासुं कयोडोणे के उं न्हाको मादगीने लीनी वा
 १८ न्हाके पीडने बुद्धाई । उंपणे यिमु आपके आपतोपावती
 १९ मोकलो जनासन देवो वा पेँतोर आखने आग्याकरी उंपणे
 एक उपाध्याय आयर उने कयो के हे उपदेश करबवाला
 २० तू अठे जातो उठे जं धारे पिगडी जायुं । यिमु उंसुं
 कयो के फावडोका बिब और आकाजका पंध्याका माकाणे
 २१ केर आपको मायो राखने आदमीके डावडाकी जगा
 न्हे । उंके चेलाके निवमें और दूजेक चेला उने कयो
 २२ के हे प्रभु आप वाभाने बुरबनेई पैलडा ज्ञाने मने दे ।
 केर यिमु उने कयो के न्हारे पिगडी आ और मुद्धा
 आपका मुद्धाने गाडे ।
 २३ वे नवउपर चलापणे उंका चेला उंके पिगडी गवा
 २४ केर देवो मोठी आंधी दरियावने ऊरे । इनेई किलोलासुं
 २५ नाव छकीजी केर उ सुतोणे । केर उने चेला नेडा
 आया और आ केर उने जगायो के हे प्रभु न्हाको हवाकी
 २६ कर ने नाम ऊवा जावां । उं वाने कयो के हे घोडी
 प्रतीक करबवाला बीनेई बीहोणे तद उं उपडर वायरा
 २७ केर दरियावने डरावो तद मेंटे विनरवायरा ऊवो ।
 केर वा अरभे अयर कयो के को कियो आदमी कोस
 वायरी और दरियावपिब उंकी आग्या मानेणे ।
 २८ वे पेँतोर अयर मगसेनाके देअमें पोसापणे भूसागी
 डा दोय आदमी केरसुं कहर उंसुं मिल्वा वे इमा मोटा
 २९ डाराववा के उं मारसुं केरपिब जाब न सकवो । केर
 देवो के आकेता पोसकी मारी के हे यिमु भगवानका
 डावडा धारे भेलो न्हाको काई काम बेलाके पैलडा तू
 ३० काई नाने करु देअने अठे आषोणे । तद वांसुं अजगी
 ३१ मोकलोसुराके टोको चरतोणे । उंनेई भूता उने आ केर
 थापना करी के अर नाने नुहावे तो सुराका ठोकाके न्हावे

१२ जांबदे उंवांने कयो के जाबो उंसूं के वारखे कहर सूरुका
 टेकामें ब्या और देवो सूरुको सगलो टेको किराका
 उपरसूं भठ दरियाघमें मोकलो देखो और यांबीमें मर
 १३ गयो । उबेई वांका एवाल्या भागर नगरमें आघर सगलो
 २० विरतंत और भूताके बवाख कयो । और देवो सगलो
 बमर यिजुसूं मिलखने चाल्यो और वां उके देवर आपकी
 सीवसूं जांबकी बीगतो करी ।

८ नवमो यानो ।—उ नावउपर चहर पेंलेतीर मखी
 २ और आपका नगरमें जाबो और देवो वां उकेकने मांचा
 उपर सुता एक अर्धंगो रोगकाने ल्याया यिजु वांको प्रवीत
 देखर अर्धंगीमें कयो के से डवडा जमावाघर राघ घारा
 पाप नुटकारोऊवो और देख उपाध्याके विचारें और आप
 ३ का मनमें कयो के सो उखंठाई करेई । और यिजु वांकी
 ४ चिंता जांबदे कयो कबेई ये आपका मनमें बौठी भावना
 ५ भवोने । सोस घारा पाप नुकोडेऊवो और उपडर पाक
 ६ आ केवसूं आसान कुबने । और ये जाणो के धरतीउपर
 पाप नुबावबने आदमोका कखडाकी पोषने इबेई उं अर्धंगी
 ७ रोगाने कयो के उपडर बिजावखा उपाठ और आपके भूषे
 ८ जा । और उ उपाठो का आपके भूषामें चलयो गयो ।
 जमात आ देखर अउरे मई और भगवानकी प्रभसा करी
 के जी इयो बल आदस्थाने दीनो ।

९ और यिजु उठासूं चालये मातिउ नावे एक लोग कांकु
 गाकी मंडीमें बैठतो देखो और उं कयो के हारें पिज्जडी
 १० आ उंसूं उ उपडर उके पिज्जडी गयो । यिजु भूषामें
 जीमखने बैठोपने इयो ऊवो के देख मोकला कांनुग
 और पायी आघर यिजुके और उंका चेनाके भेला बंठा ।
 ११ और फारिमिया देखर उके चेनाके कयो के धाकी गुरा कांनु

- १२ गावें वा पाविवावें भेला कों घायलें । विजु मुबर वानें
- १३ कवो के ताजावें वेदको मरजे नही खेर रोमखानें । खेर
 ये जायर क्रीवा इको चारद बाई के जं कथा जंउंउं हीम
 नही क्रीस यथार्थीवानें मममोउखवेई नुजायबवें जं न पावो
 खेर पायानें ।
- १४ तद उंके नेंडा योहनका पोला आयर कवो के ने खेर
 फारिमि क्रीकर खेर योषध करीजं खेर थारु चेला
- १५ योषध न करेजें । यिमु वानें कवो के जठावोही बांद खारें
 रेंजें तदतोही बाई योषधी जोगभेष करख सवेंजें खेर के
 दिव आसी जद बीद वासूं व्याही कखो जासी खेर तद
- १६ के योषध करसी । हरगा खोई नवा गाभापी कारी
 बोदावखावमें न लागवेंजें क्रीस कारीको कपडो फाट जाय
- १७ जें वा फाटोपिख कतो बीदि केजें । खेरपिख बोदाकूडा
 में नवीदावाको रस खोई न राखेजें अर रावें तो कूडा कूट
 जासी खेर दाखको रस कूडासूं वेंजें खेर कूडापिख बाँठ
 केजें खेर नवाकूडामें के नवी दावाको रस राखेंजे इंसूं दोखुं
 योषीवरे रेंजे ।
- १८ वें वाने आ कहेजे इके विघाले देवा एक सिवेंदार
 आयर उंके पूजर कवो के नारी डावठी अवाह मर गई
 खेर अने आयर आपकी हाथ उंकेउपर मेवो उंसूं वा
- १९ नचसी । तद यिमु उपयो खेर उंके चेलापिख उंके खारें
- २० गया खेर देवा एक लुगार के जीके वारे वरसासूं खोई
 मरतो जे वा उंके पिन्हाडी आयर उंकी पांगरखीको मुबो
- २१ भीयो क्रीस उं आपका मनमें कवो के अर जं धाळी उंको
- २२ गातो भीटुं तो ताजी ऊष्यायुं । खेर यिमु मुबर उंके
 देखर कवो के हे डावडा सुसताय धारें भतीव वने ताजी
- २३ करी वा लुगार उंके घडोसूं ताजी ऊई । खेर यिमु उं
 सिवेंदारका भूंयामें आयर जामखानें खेर कूवा करख

- २० बाको बाहने देखो और वाने कयो के उवके को कीस डावडी
 २१ मररी और मोदने उं उं सुं वां उंकी क्यारी करी और जद
 २२ जमाव बारबे करी गइं तद उं बडर उंकी हाथ कपयो
 उं सुं डावडी उपडी । और वानामको चोषोनाव वां सगबा
 देनामें गइं ।
- २३ जद विमु उठासुं जयो तद दोव आधा नीसकी मारवा
 उंके पिठाडी गइं और की कयो के हे दाउदका डावडा
 २४ वाके उपर छवा कर । उ भूपामे आधापने आधा उंके
 नेक आधा और विमु वाने कयो कांरे धे मतोत करो
 २५ के उं को काम करके सकुं सुं वां उंके कयो के हां
 २६ प्रमु । तद उं आधाको आध भीठर कयो के जिसे चाको
 २७ प्रवीत बिखी के उं सुं वांकी आंका युज गइं और विमु आ
 कथा के वने काडी आया दीनी के जिसे वान कोरं लोग
 २८ आ न जाके । और वाने बारबे मथां यने उंकी सुध्यावी
 उं सगबा देनामें पसरी ।
- २९ वाने बारबे जाककोवेडा देखो लोग उंके वने भूतवागे
 ३० डा एक गुंगाने स्यावा और भूत नुटापने गुंगो बोल्यो और
 जमाव अत्रमें जइं वा बोल्यो के कदेरे विमुरायने दयो
 ३१ देषने नही जायो । और कारिनिया कयो के भूवाका
 रामासुं उ भूवामे नुहावेने ।
- ३२ और विमु वाने सिनगमामे भबतो और राजकी मंग
 कीव कथा छंटेरो देतो और लोगाने विधली चावे सो
 पीठ वा चावेसो रोग कसगी करतो सगबा नगरामे और
 ३३ केठामे भटको । और जमावने देखर उ वाने उपर छपासु
 जयो कीस के मांदा उं वा यवास्याविगर माडराइसा
 ३४ कसमार केने । तद उं आपका चेजाने कयो के साख
 निसे मोटोने और नगर थोडाउं इवेरे साखका प्रवीसुं
 त्रिकयी करो के उ आपको साखामे नगराने मेव दी ।

- १० दसमो पांनि।—ओर यिभु आपका नारें चेजांमिं
 बुझावर भिछ भूताउपर वनिं बुझावखमें ओर चारेंजां
 तरेंका आजार ओर चारेंसो रोग अलगा करहनें पांनिं
 २ पांघ दोबो। नारें हलकारांका नांव सेंजें पेंजडो ओमन्
 के अको पिपर नांवसुं विख्यातजें ओर उंजो भाई आंनु
 ओर जेवदिको डावडो बझाकुव ओर उंको भाई घोहव
 ३ ओर पिछिपु वा बार्तेलानी ओर तमा वा मातिउ कानुंगो
 ओर खाच्छिको डावडो यझाकुव ओर तदिकि बांधो विख्या
 ४ व नाव जरी ओर ओमन् कन्झानी ओर यझदाह खारि
 ५ ओटा जी उंके उपर तोत बख्यो । यिभु यां नारें चेजांमिं मेक
 दोबा वा वनिं आ आग्या दोबो के ये दूजादेमवालय के देभके
 ६ मारगमें मती जावो ओर अमरोनीवाके नगरमें मती
 बडो लेर यिभुराएलके कुलके रामोयोठा गाडराके नेंडा
 ७ जावो। जार्तांर छंटेरो देवो के सर्गको राज नेंडा जे ।
 ८ मादाने ताजा कया ओर कोछोनिं निर्मेज करो ओर मयांमिं
 जीवता करो ओर भूतामिं बुझावे अनुयहसुं ये जाघोजे
 ९ अनुयहसुं देवो। बडसंगमें सेना वा रूपो वा पैसा राघे
 १० मती ओर मारगमें खायमें बोघजो अघवा दोब गाभा
 अघवा अती अघवा लकडो मती ख्यो कोस नगर जायको
 ११ घुराकलायकजे। ओर जीं नगरमें वा गांभमें ये जावो
 उंमें सेभो के जायक कुलजे ओर अठातोडो उठासुं बोकलो
 १२ तवतोडो उंकेकनें रंघो। ओर ये कीकाई भूंपामें जायसुं
 १३ उंमें आजीव देवो। अर उ भूंपो जायक सेंते। थांकी कूमब
 उंके उपर आसी लेर अर उ नासायक के तो थांकी कूमब
 १४ थांके कनें मुडधासी। अर कोर थांकी मनवार न करे ओर
 थांकी कथा न सुये तो ये उं घरसुं अघवा उं नगरसुं जावर
 १५ आपका परांकी पेभडकावो। जं साच थांमिं कउंउं के उं
 बमरकी दमासुं सदम ओर अमरुह देभकी दमा कीवके

- १६ दिवसें सोरो कसी । देखो जिया माडरा ल्याखीके विषमें
 विखा कं धाने मेकुनु ईवेई सायके इया अकलनस को सोर
 १७ पादेस इरुअहिंसक को । खेर आदर्यासुं निषीन रडो
 कोस वें पंचायसोमें धाने भजासी खेर आयके सिनजगामें
 १८ धाने मारसी । खेर ये वाके वा दूजादेभत्रान्यांके सायदी
 होखनेई हाकमाके खेर राजाके सामे नारिनेई लोगवा
 १९ जायो । खेर वें अद धाने भजावे वद धिंता मनी करी
 वें कीतरे अघा वाई केखो कोस उई घडी चसकावक
 २० कघा धाने द्रोवी भासी । कोस अको केखो छो से दही
 २१ खेर धाने व.भाको आजा के जवा धाने विषमें केंगे । भाई
 भाईमें मोतवेई भजासी खेर बाभो डायडामें खेर डायडा
 अघकार माउ बाभाके वेदमें उपकसी खेर वंकी हवा
 २२ बरसी । खेर नारें वावकेवेई धाने सगला लोगसुं निषं
 ज्योडा कयो खेर अके जेवड.ते.डी सेंसी उ उखार लावसी ।
 २३ वेद अद वें धाने ई नगरमें संतावे तो दूजालगरमें भागो
 कोस कं धाने साय कउनु के अठ.तोडी आदर्याका डायडा
 कई जावे वदतोडी से सगला विमराखलके नगरमें जायो
 २४ परदारयो नही । जेलागुरीउपर नही खेर पाकर घडी
 २५ के उपर नही गुर चेला इयो खेर पाकर घडी इयो अर
 के तो उही मोकखो उ अर वें बाभलजवव वावसुं भूपाका
 घडीमें कहे तो भूपाके माबसामें कियो कपी केंसी ।
 २६ ईवेई वासुं मनी बीहे कोस इयो कंधि लुकोडो नउे के
 कयो चोई मजसी खेर इयो कंधि लुकोडो नही के जली
 २७ जायो नजासी । के अंधारामें कयो धाने कउनु ये उने
 चांवडामें कयो खेर ये कयो कंधी कनेमें सुलोडे सु घर
 २८ उपर चोवे । खेर वासुं मनी बीहे के अके डीलने
 मारे खेर बीधके मौर न सकेने खेर कयो डील वा आजा
 वा दोषाके नारकोने विगाडने चोपनीने यय उंसु

- २८ बोधो । कोई एक दमडीमें दोय मुनीया नई विवेडे कोई
 घारे बाभाबिना वा दोयाके विधाके एकपिख धरतीउपर
 २९ न पडेडे । कोर घाका माघाका केमपिख सगला गिब्या
 ३० गबाडे । इविई मतो बोधो मोकली मुनीयासुं से घोषा
 ३१ मोषा जे । इंसुं जको कोई मने आदम्याके सामो घारे करेडे
 ३२ उनें अं आयका बाभाके सामो घारे करखुं के जको सर्गमें
 ३३ जे । कोर जको कोई आदम्याके सामो मने फिटकार करेडे
 ३४ उनें अंपिख आयका बाभाके सामो फिटकार करखुं के
 ३५ जको सर्गमें । ध्यान मतो करो के अं संसारमें सखा देख
 वेई आयोडुं अं सखा देखमें आयो नही कोर पातोमें ।
 ३६ कोस आयका बाभाको दुसमडीमें आदमीने वा आयके
 माउके दुसमखोमें डावडोमें वा आयको सासुका बेरमें वउमें
 ३७ राखवेई अं आयोडुं । वा आदमीका बेरो उंका आयका
 ३८ कबीलाका लोग ऊसी । जको कोई बाभो वा माउमें मेंसुं
 नतो प्यार करेडे सु नहारे जायक न जे कोर जको कोई
 डावडो वा डावडोमें मेंसुं नतो प्यार करेडे सु नहारे जायक
 ३९ नही । कोर जको लोग आयको इलवाखो न लेवे कोर
 ४० नहारे पिडाखी न आवे सु नहारे लायक नही । जको
 आदमी आयको जीव जावेडे सु उनें गमासी कोर जको
 कोई नहारेवेई आयको जीव गमावेडे सु उनें बाधसी ।
 ४१ जको घाको संविभाग करेडे सु नहाने संविभाग करेडे
 कोर जको मने संविभाज करेडे सु जी मने मेखोडे उनें
 ४२ संविभाग करेडे । जको कोई निमित्तियामें निमित्तियाका
 नावसुं संविभाग करेडे सु निमित्तियाको कब जायसी कोर
 जको कोई यथाधिक्क आदम्याने यथाधिक्क आदम्याका नाव
 सु संविभाग करेडे सु यथाधिक्क आदम्याका कब जायसी ।
 ४३ कोर जको कोई से नाकका एक डोगमें जेकाका नावसुं
 वाकी एक बाटको सोको याकी याकी सासु अं घाई वउडुं
 के उ आयको कब गमासी नही ।

११ इग्यारमो पानि ।—इहो जवो के जद यिमु आप
वा नारे चेकाने आग्या देवने परवाखोने तद उ उंजागासूं
जाका नगरामे सिवाखने वा छेरेो करखनेई गयो ।

१ बद बोहन अटकने खीरका बांमाकी कथा सुयो नी तद

२ उं आपका दोय चेकाने मेल्या । और वनि कयो के जके

लोग आवखवाला ते तूं काई उरेंते अथवा के काई और

३ कीकीई वाठ जोखी । यिमु उधयो देर वनि कयो के जावे

४ ये जकोर सुखोने वा देवोने सु योहनने गुदरावे । बांध

देवके बाधेते वा मोठा बाधेते कोही निमेषपयो बाधेते

नोख सुखने बाधेते मुहदा उपाया जावने और भाखाबने

५ संगखीज कथा छेरेो करो जायते । वा जका कोरं नखि

वेई अटक के नही सु धन्यते ।

६ वनि मयापते यिमु योहनको वासवेधीमे जमावकने केक

बामे के चे काई देवखनेई जोठमे वारखे गयोने काई वाय

७ रासूं हाखतोही एक सरकने । और ये काई देवखनेई

वारखे गयोने काई मीगभा पेंखीखा एक आदमोने देवो

मके लोग मीगभा पेंरेते के राजाकी मेलायतमे रेते ।

८ और ये काई देवखनेई वारखे गयोने काई निमित्तियाने साथ

९ अं धनि कउंउं और निमित्तियासूं पिख होडे । कोस और

उते के जीका आयदामे जो बिथो मयोते देहो अं आय

जो घर धारें अगाडी मेहुंउं के जकी धरो मारग धारें

११ अगाडी धार करसो । अं साथ धनि कउंउं के जके

कुगासूं उपख्या ते वाने विप्रमे योहन कुपीदरावखवाला

सूं मेटि कोरं उपडे नही और सर्गया राजमे जकी जनि

१२ ते सु उंसूं मोडेते । और बोहन कुपीदरावखनाकाकी

वकासूं अमनोठी सर्गयो राज जोरावरो बाधेते और कधी

१३ केरावरोसूं उ लेवेते । कोस समग्र निमित्तिया वा नो देव

Yamara

D

ह

- १० योहमबोडी शेकहार कथा कहेंगे सोर से जको उ चारे
 ११ कथां जवोने तो सो आवबवाको रखोवाहें । सुख
 १२ नेहें जौबें वावने उ सुखें । सोर अं धीके भेजो वां जोहाकी
 १३ आपसा देखुं वें डावडाइखा नें वें जके जोहामें बैठेंगे न
 १४ आपका संगेत्या भेजा हेजा करेणें वा केंगे वें नें धीकेवने
 १५ नवाखेणें वा ये न नाचो ने नें धीकेने रोयाज वा ये
 १६ भूरया कथा वही कीस योहन् वातेर वा पितोर न
 १७ आयो सोर वें कहेणें वें उंको एक भूवने । सोर कदमी
 १८ को डावडो वातेर पितोर आयो सोर वें कहेणें वें देखो
 १९ सुराकी वा मझावां कानुंगा वा पापका संगेत्या नें सोर
 २० ग्यां आपका डावडासूं सिद्ध कयो जायने ।
 २१ वद उ वां नगरनें मखामत् करखनें जागे वें ज्यमिं उंरा
 २२ कथा अनेरा काम कथा गयनें कीस वा खामया न कथा ।
 २३ वें हे सुराकीन् अपसोच वनें वें वीत्सिदा अपसोच वनें
 २४ नें कीस जको अनेरा काम धारे विचमें कथागयाज वें अर
 २५ सोर वा सीदनमें कथा जाता तो वें मोकका दिनसूं सिख
 २६ टो वा भसममें खामया करवा । सोर अं धानें कउंनु वें वी
 २७ तकें दिनमें सोर वा सीदनको हवाज धारा हवालसूं सोरे
 २८ असी । सोर हे कफरनखम वें जको सर्गेतोडी उपायो गयो
 २९ तं नारकीमें उवायो आसी कीस जको अनेरा काम वनें
 ३० कथा गया सु अर सदममें कथा जाता तो उं घावबोडी
 ३१ रेंता । सोर अं धानें कउंनु वें वीतके दिनमें सदममुक
 ३२ को हवाज धारा हवालसूं सोरी असी ।
 ३३ उं नेजा यिनु उधवी देर कयो वें हे वाभा खर्ग वा
 ३४ धरतीका वही अं धारी सुतो कउंनु कीस वें वें वाभती
 ३५ अकबदारीसूं वा सावघावांसूं कुत्रायेणें वा टावराकनें
 ३६ चोहें कयोणें हे नामा वें इखा वें कीस इतो धारो म
 ३७ नें । सगकी वस नारा वाभासूं मनें भखार्ह महेणें सोर

११. श्रीरामदासजी डाकघर में जावे नहीं कामपिगर और श्रीराम
 १२. श्रीरामदासजी डाकघर में जावे नहीं कामपिगर वा श्रीरामदासजी डाकघर
 १३. श्रीरामदासजी डाकघर में जावे नहीं कामपिगर ।
 १४. श्रीरामदासजी डाकघर में जावे नहीं कामपिगर वा श्रीरामदासजी डाकघर
 १५. श्रीरामदासजी डाकघर में जावे नहीं कामपिगर वा श्रीरामदासजी डाकघर
 १६. श्रीरामदासजी डाकघर में जावे नहीं कामपिगर वा श्रीरामदासजी डाकघर
 १७. श्रीरामदासजी डाकघर में जावे नहीं कामपिगर वा श्रीरामदासजी डाकघर
 १८. श्रीरामदासजी डाकघर में जावे नहीं कामपिगर वा श्रीरामदासजी डाकघर
 १९. श्रीरामदासजी डाकघर में जावे नहीं कामपिगर वा श्रीरामदासजी डाकघर
 २०. श्रीरामदासजी डाकघर में जावे नहीं कामपिगर वा श्रीरामदासजी डाकघर

१२. बारमा पानि ।—उं नेला यिबु अदीतवारनें वान
 वा खेतसूं गयो और उंका चेला भूवा ऊपर धानका सिठा
 १. में औरवा वा पांवा जागा । और अद फारिजिया देखो तद
 वा उंमें कयो में देयो धारा चेला में वान करेते में कयो
 २. अदीतवारनें करबो नहीं । और उं वाने कयो में दाउद श्री
 नेला भूवा गे तद उं वा उंका संगोव्या होगा अने वान
 ३. कया ये काई में भया नगे । में उं जीतरे भगवानके
 भूंपामें गयो वा देवालयवेई अका वाटी जी सु खार के अका
 उंमें वा उंके संगोव्यानें खांकी ठीक नहीं और खाकी प्रीक्षिता
 ४. में जावोते । अथवा ये काई तौरतमें न भयागे के दित
 वारमें प्रीक्षित देवदामें त्रिशा अदीतवारनें भए करेते
 ५. वा निगरखामीते । और ऊं वाने आ कउंटे में ई जागा
 ६. में देवदासूं मोटो एक लोगते । और अर ये जांयता में
 इको संत काई में ऊं कया पाउंटे वा बलिदान नहीं तो
 ७. ये निगरखामीवाकामें वामीदार न करवा । श्रीरामदासजी
 को डाकघर अदीतवारकोपिब घबोते ।
 ८. और अद उं उं कामासूं गयाग तद उं वाने सिनमगी
 ९. में कयो और देखो उंमें एक लोग गे में जीवो हाथ लुक
 गयोले और वा उंमें टंडो करबवेई आ कया और पूंगो
 ११. में अदीतवारनें वैन करबो काई ठीक ते । उं वाने कयो

११ कें धरिं विनाकें बोरें बोग देउं कें बीरो इव गहरौउं
 १२ बोर उ प्रको अदीयवारनें बोटामें फरें मेर उ बोरें उनें न
 १३ कपडसो वा उपाडसो । तो आदमी गहराछुं शिरो बोखो
 १४ उं इवेईं बदिनवारमें सेबाबाम करबो ठीक उं । उंपउं उं
 उं आदमीनें कबो कें चारो चाप जानि कर उंपउं उं कें कानि
 कयो बोर उ दूजाचापसरीयो बोखो कबो ।

१५ तद फारिजियां नारबें जायर उंका बेरमें सफा करी
 १६ कें कें उंको बाज बीनरें गमासो । बोर विमु बाबरो उं
 जागतूं गयो बोर मोटी जमात उंकें पिनाडी गइं बोर
 १७ उं वा सगलामें ताजा कयो । बोर वानें आग्या दोनो
 १८ कें कें उंकें चोडें नकरें विनाईयाच निमितियासूं जका कयो
 १९ करे गइं वा परवारकबेईं कें में जोनें सराबोउं उ नार
 सडधानें बीकें उघर नारो भन मोटी राओउं उं नार
 वाकाने देवो अं आपकी आजा उंकें उपरदेसुं बोर उ दूजा
 २० देनवाल्यानें सासो बतासो । उ भिकर न करसी बोर
 देवा न करसी बोर बोरें बोग उंको सेवो मारगमें न
 २१ सुगसो । उ जठातोडी न्यानें फतेवोडी न सेकें तबोपुडी
 पियटो सरकनो न भाजसो बोर सुवावाकी अमावाडी न
 २२ बुभासो । बोर उंका नविसें दूजादेनवाला प्रतीत करसीं ।
 २३ तद भूत स मोठा आधा वर मुंगो इव लोग उंकेककें
 न्यायोगबो बोर उं उंकें इखो आराम कयो कें आधें वा
 २४ गुमें कबो वा देख्यो । उंखूं जमात सगली मोटो अठेरो करे
 २५ वा बोल्यो कें सो बोरें दाउदबो डावडो बहो । बोर फारि
 मियां सुबद कबो कें विमरभूवाकें घषो बासुजववसुं की
 २६ भूतानें नुडानें बहीं । बोर विमु बाबो चिन्ना बाबर वानें
 कबो कें कानेसो राज आपका बेरमें न्यारा अवर उजड बाव
 उं बोर चारेंसो नगर वा भूयां आपका बेरमें न्यारा अवर
 २७ न रेंसी । बोर मोटो अर मोडाउं नुडावें वेर उ आप

- का बेरमें चारी जवेलें इविहं उंकी राव बीतरें रीसी ।
- १७ ओर अं जको बाघलजववसूं भूतानें तुडावुनुं तो घकिं डाव
 हा बीसं वानें तुडावेलें इं कारख वें धाका विचार करेख
 १८ नावा जसी । बेर अर अं भमवामकी धाम्मासूं भूतानें
 १९ तुडावेलें तो भमवामकी राव घकिं कवें धायेलें । ओर
 पिय कोरें जोग बीतरें बलिवा आदमीका भूयामें नडवें
 वा उंकी नखवीवाने विगाडके सकेलें पेंसडा उं बलिवा
 वीममें मुंघाविवा उं करर उं उंकी भूया विगाडसी ।
- २० जकी चारी बानी नधी सु चारी बेरीलें वा जकी जोग
 २१ चारें चारें भेवा बरेलें नधी सु विंडावेलें । इंसूं अं घानें
 कउंनुं वें समखा पाप वा उखंडपयो आदम्यांकवें माफ कयो
 वाली बेर धर्मआके बेरमें जके उखंडपया वें आदम्यांकवें
 २२ तुडावा न चासी । ओर नके कोरें आदमीके डावडा
 वें बेरमें कृषि कथा वेंसी उ उंकेकवें माफ कयो जासी
 बेर जको कोरें धर्मआके बेरमें कथा कहेलें वा धामो उंके
 कवें माफ करी जासी नधी इं संसारमें वा परभवमें ।
- २३ रंघमें वा उंका फलांमें घोष करी नधी तो रंघमें विगाडो
 वा उंके फलांमें विष बीठा करी फींस रंघ आपका फलांभूं
 २४ जांथो जायेलें । वे सायका कुल घे बीठा ऊपर किरिरे घोषो
 कथा कें सकोने कींस मनका परवारणसूं मुंडो कथा केलें ।
- २५ घोषाआदमी मनका घोषाकोठारसूं घोषो बख काहेलें वा
 २६ बीठाआदमी बीठाकोठारसूं बीठीवख काहेलें । बेर अं
 घानें कउंनुं कें जकाचारवेंसी दोवडी कथा जोग केलो वें
 २७ उंकी उयलो ध्यातके दिनमें देसी कींस चारी कथासूं मू
 सिद्ध जलो वा चारी कथासूं वूं तेसीसयोग अ. आसी ।
- २८ वद उपथायाके वा चारिभियाके सिद्धो जोग उयलो
 देर आ कथा नधी कें वे बवांछपरकवावा दे-वेसूं क
 २९ सेनाके देयां चांवाली । बेर उं उयलो देर वासिं कयो

- के नीठा वा जारो अनादका लोग एक सेनाख सोभते केर
 याना निमित्तियके सेनाखबिगर कोई सेनाख वाने दोना न
 ७० जासी । कोस याना जिखे मोठी मन्हीका पेटमें वीज दिन
 वा तिन रात ठे तिखो आदमीको डावडा तीनदीन वा तीन
 ७१ रात घरसोका पेटविचाले रेसी । निनिबिका लोग धोव
 का दिगमें आनदका लोगा भेला उभा कसी वा उने घामो
 वार करसी कोस वा योनाके छिरासुं वामका कया ओर
 ७२ देखो योनासुं मोठी एक लोग अठे । दक्षिणदेअकी रांभी
 अनादका लोगाके भेबी खोतके दिन उभी कसी वा उने
 वामोदार करसी कोस उ संसारकी मोठी अथमी नामासुं
 अथमनको ग्याम मुखबवेरे आई ओर देख अथमनसुं मोठी
 ७३ एक लोग अठेते । अद धर आजा आदम्यासुं मवेर तद उ
 ७४ सुजो जागामे वेंब सोभतार फिरते वा कहि नसाधर कुंते
 के अं आधके भी मूपासुं आवीउ उं मूपामे फेर बाखु
 ओर आवर उ उने खाली वा नबाखी वा सोभित जाधेते ।
 ७५ तद उ जायते ओर आपसुं नीठी दूजीसांत आत्माने आपके
 कारे लेवेते वा वे बडर उमें रेते ओर उं आदमीको उवडा
 उंका पेंलडा हवालसुं बोढे केते इं माफकपिण इं बैडा
 गेहीकी हवाल कसी ।
 ७६ उ लोगाके कहते इके विचाले देउ उंकी माउ वा उंका
 ७७ भाई उके भेला कया चायर वारखे उभागा । तद एकलोग
 उने कयो के देख जारो माउ वा भाई धारे भेला बोल्या
 ७८ चायर वारखे उभाते । केर उ उयको देर जी लोग उने
 कयो ठे उने कयो के देख जारो माउ कुल वा जारो भाई
 ७९ कुल । ओर उं आपको हाथ आपका चेलाकानी खाये
 ८० करर कयो के देयो जारो माउ वा जारो भाई । कोस अयो
 कोई जारो नामाको मन रावेते के कयो जगामे ते उ जारो
 भाई वा वेंब वा माउते ।

१२ बेरमे प्राणि ।—उं दिन किमु भूपसूं जायह दरि
 २. बलके कोर देठो । वा सोटो जमाव उंकेपठे मेको कई
 ३ उं उं जायके प्रवि वा मेटो कोर सगलो जमाव विराठे
 ४ उयद उमेमे । कोर उं बाकेके मेकका विषयका परया
 ५ कोर कोर कोल्या के देखो एक बाववगलो वोन बाववके
 ६ जायके गयो । कोर बद उं बाया बद कुंश्चि मारगके
 ७ के प्रथम कोर चिदिवा कायर वामे सुग मई । कुंश्चि
 ८ भाडाको जगामे मया जठे मोकली मदी न जाओ कोर उं
 ९ वेमा उगम कीस वं मोकली मदी जाओ मयो । कोर
 १० बद सुरज उगो बद वें सुक गगा वा वाओ वजन करेओ
 ११ उं कारज वें सुक गया । कोर कुंश्चि कांठीमे मया कोर
 १२ कांठा मया वा वामे पाववांका । कोर कोर कुंश्चि मेकी
 १३ मठीमें यथा वा कल यस्या कुंश्चि सो गुया कुंश्चि सठ
 १४ गुया कुंश्चिपिय वीसगुया सुकयने वीक वामे उं सुके ।
 १५ इपठे वीजा कायर उंके कयो के वं वामे न्यामई घर
 १६ वासुं कहेंते । उं उयलो देर वामे कयो उं कारज के
 १७ वामे वामे राजकी भेद वायने दोनो गयोते केर वामे
 १८ दोनो न गयो । कोस जीकोदोरे उंके दंभे काओ वा
 १९ उंके मोकली बनो जसो कोर जीकोदोरे नचो उंके जयो
 २० कुंश्चि उं उपिय उंसुं वामो घडसो । इवेरं कांयरवासुं
 २१ वामे कउनुं कोस वें देवेपिय देवे नही वा सुवेपिय सुवे
 २२ नही वा कमभेपिय नही । कोर वामे देभाई व ह निमि
 २३ निजाको कया परपारी जयते के जयो केते के सुकयसुं के
 २४ सुकयो कोर न समभयो कोर देवसुं ये देवयो वा जाय
 २५ को नही कोस या कोरगमि मल मोटो जगयोते वा धारा
 २६ कांम सुकने भारी जगयोते वा वा कायको कांया जीपे
 २७ काजाका का कांयासुं देखे वा वांजासुं सुके वा मकसुं सम
 २८ में वा मुदायोडा जाय वा जं वामे मोखा कयं । कोर धारी

- आख्यां घन्ये कोस वें देवेणें वा घांका बांभ कोस वें सुखें
 १७ ॥ कोस साच ऊं घांके कउंनू के घे जके देखे पावेणे उ
 मोकषो निमित्तिका वा सिम आदम्या देखे पावेो वा न देखा
 ओर के जके सुखेणे उ सुखापिब बावो घब न सुखे ।
 १८ इतूं घे वावखवाकाको घरको सुखे । मरु कोरें राम
 १९ को कथा सुखेणे वीर न समभेणें तद उ घायोपुरव बावे
 २० ॥ वा जके उके मगमें बावो गबोणें उ उभांटी मारर के
 २० जायणें उ ओ जी मारगके ठेवके बीज लोना । वीर जी
 भाठांको जागमें बीज बाधा उ ओ ॥ के जके कथा सुखेणें
 २१ वा घोडापणें हर्षसुं लेवेणें । इवेई आपके विचमें उके
 कुंदि जड नही लेर घे डीदिखा रेणें कोस मद कथाके
 कारख कल अथवा सोसोस उठेणें घोडापणें उ अटक जाय
 २२ ॥ जी भीठोरके विचमें बीज बाधा उपिब ओ ॥ के
 जके कथा सुखेणें वा इ संसारको चिंता वा मायाको कपट
 २३ कथामें घामावेणें वीर उ अकल अजायणें । वीर जी
 पोषीधरतोमें बीज लोना उ ओ ॥ के जके कथा सुखेणें वा
 समभेणें वीरपिब फल कलेणें वा कुंदिक् सो गुहा वा कुंदिक्
 साठ गुहा वा कुंदिक् तोस गुहा उपजावेणें ।
 २४ उं दूजेयक घरको बावेणें कथो वा कथे के कंगको
 राज एक लोमसुं ओपमा कयेे अवे । के जी आयका खेतमें
 २५ पोषाबीज बाया । वीर जी वेला आदमी सुकांग उके बेरी
 आये वा गोवाके विचमें जोड बाई वीर चाखो गये उठे
 २६ मद हंघ वारखे अवांग वीर फल फलयांग तद अडपिब
 २७ देखो गयेणे । इवेई घरकारीका घड्यां बाबर उके कथो
 के के घणी लें काई आयका खेतमें पोखा बीज नमासा तद
 २८ कठसुं उमें जोड ॥ उं वामें कथो के बिबी बेरी ओ कथो
 २९ ॥ घड्या उमें कथो वे ओ काई घारे मगणें के के बाबर
 ३० उमें उपाडः । वीर उं कथे के उ मही कथावांवां बीदिखा के

- १७ जितमें उपाडे तद घे जिहानेपिख उपाडे । दान्यु साखकी
 नेवा तोडि बधे कोर साखकी नेवा ऊं नाछववाजनि बेसु
 नें छे येतडाजोड रंभ भेवा करे कोर बालखवेई वनि
 भारीमें बाघो वेर जोऊं नरें कोठीमें भेवा करो ।
- १८ दजोएक परचो उं बाकेकनें काळो वा कयो के संगकी
 हीन एक दाकी राहेसरोवा के नबे किरी आदमी खीयो
 १९ वा आपका खीवमें बाघे । क वकी संगका बीजासूं ननि
 साव वेर उं नद बधो तद उं समजा सागीमें मोटेनें वा
 इयो रंभपिख जजायनें के आकासकी पिडियां आवेनें वा
 उंका डाखाउपर रेंने ।
- २० उं दजोएक परचो वाने कयो के संगकी राम वाटरके
 इयो के नका किछी रांड खोना वा तीन पायकी आटामें
 राखी जदतोडो संगकी घाठो न ऊवेने ।
- २१ यिनु के समकी कथा जमातनें परचासूं बडे कोर निगर
 २२ परचासूं उं वाने न कयो । जिनितियासूं नका कथा कयोडी
 ने वा परचारी जाय के ऊं परचासूं आपका मुंडो वाळसु
 संसारकी नीव करखकीनेलासूं नका कथा लुकायोडी राखी
 २३ मईनें के कथा ऊं पोडे करयु । तद यिनु जम तनें विदा
 करी कोर भूयामें गयो उधनें उंका चेला उंककनें बायर
 २४ कयो के ननि बेतका जोडकादंभको परचो पोडे करो । उं
 उधकी दीना वा वाने कयो जी घोषाबीज बाया उ आदमी
 २५ को डावडोनें । खेव संसारनें घोषाबीज राजका डावडांनें
 २६ कोर जोडका रंभ पापपुदवका डावडांनें । जी नेरी वाने
 बाया उ मोडेनें सावकीभेखा संसारकी नेवडोनें कोर नाड
 २७ बवाला हलकारांनें । इवेई भिया जोडका रंभ भेवा कया
 जायनें वा बासदेनें कथा जायनें तिछो आ संसारके नेवडा
 २८ में कसी । आदमीका डावडा आपका हलकारानें वारये
 मेख देखो वा नके समकी नका घटकेनें वा नके संगकी
 Vikara.

- ७२ जयघाघे करेते ता समजाते ते भेका करर जेका रामसुं
 ७३ बारबे वगाय देसी । ओर वाने वासदेका ठाकामे जाव
 ७४ देसी उं जागा रोखो ओर दातबो मोसबो जसी । तद
 सिम आमका नाभाका राममे सुखखरोबो जमिबो जसी
 सुखवने जीके कावने उ सुखे ।
 ७५ ओर खगको राज जेतके बुकायोबो मायासरीबो ते के
 जको समजा आदमी जाधेते तद उ बुकावनेते ओर उं
 जको आमंद उं आमंदसुं जावने ओर आपकी समजी संप
 दा वेचेते मा उं वेवने मोख वेवेते ।
 ७६ ओर खगको राज एक बोपारी हयो ते के जको बोवा
 ७७ मोली सोभते । जी जद ज्ञायीपरव एक मोलीमे जायो तद
 जको वा आपकी समजी माया जेची वा उने मोख बोनी ।
 ७८ ओर खगको राज एक माससरीबो ते के जको दरियावने
 ७९ बगावो जको ओर समजी तरेको भेको बयो । जको जद
 परवायो तद वा उने किराडे ताबर वेठा वा बोखाने
 ८० ठाकेमे भेला कया ओर बोठाके बगाय दोना । इतरे संसार
 के जेवठामे जसी ह जकारा बारबे जसी ओर सिमके विषा
 ८१ कासुं दुष्टाने गारा करसी । ओर वाने वासदेका ठाकामे
 बगाय देसी उं जागा रोखो वा दातबो मोसबो जसी ।
 ८२ किमु वाने जयो के जे काई के समजा परवा समजा वा
 ८३ वाने जयो के वा प्रभु । तद उं वाने कयो के इवेई जके चाहे
 सो जपाव्या खगको राजवेई भयायोका ते उ बोधी लोग
 खरबारीके हयो ते के जको आपका ओरासुं बवो वा मोदी
 ८४ कस काठेते । ओर इतरे जे जद यिमु श्री परवा वर
 वायो जे तद उ उं मावासुं जको ।
 ८५ ओर जद उ आपका देजमे जायो जे तद उं वाने सिम
 मजामे वयाव जयो के बीसुं ते विमय जे ओर बोखाने के जे
 कोम के समजा जाव ओर के समजा खचमा काम कठासुं

११ चायो को काई वालीको डावडो नही उकी माउको बाब
 काई मारिया नही और उका भाई काई बचाकुव वा सुसफ
 १२ वा मोनन वा यिकुदाह नही । और उकी बेन समखी काई
 १३ बाकेबने नउं तो हको को समखी कठासुं नै । और वै
 उमें बका बेर विमु धाने कयो के निमित्तिया विगर आपका
 १४ देभने और आपका भूपामे आदरविगर न उं और वाने
 विगरइसाबने उं मोकवा अउेरा काम उठे कया नही ।

१० चवदसे पानो ।—उंका केघारेको धखी हेरोद

१ विमुकी प्रमसा सुखी । वा आपका घडखामे कयो के को
 को हक कुनीदिरावबवाखी उं उ मोतसुं उपखोउे इवेई अउे
 २ रा काम आपामे उंमे धोडे करेउे । कोस हेरोद आप
 का भाई फिबिगकी नउ हेरोदियाके कारख घोहनने बप
 ३ हर बुद दीनो नै वा नेतासरमे दोनो नै । कोस घोहन
 ४ उंमे कयो नै के उंमे वेंको तने ठीक नही । और जद
 उं वने मारबे चायो तद धोगासुं कीशो कोस वा उंमे
 ५ निमित्तियाइयो जाखो । और जद हेरोदकी बरसगाक
 करो मई हेरोदियाकी डावडी वाने सामो नाचो वा हेरोद
 ६ नै दानी कयो । उंकारख वा अको चायो सु उंमे देबने उं
 ७ सुखकाउर कोस कयो । और वा अगाडी आपकी माउसुं
 सोखीःडो अबर कयो के अघाहं दक ठावने घोहन कुनी
 ८ दिरावबवाखीको माओ मने अठे दे । और राजा दुखि
 ९ कयो धेर सुंसवेई वा अयो उंमे भेजा सोमयने वेठा वाने
 वेईपिख उं उ माओ देबने चाम्या दोनो और उं आदमी
 १० मेबर नेतासरमे घोहनको माथी बाखो और उंकी माघो
 ठावने ल्याया गया वा डावडीने दीनो मयो और वा आपको
 माउकने उं ल्यार ।
 ११ और उंका केका आवर डीखने कोनो वा और कोनी
 १२ और गया वा विमुने कयो । विमु सुबर उठासुं वाव

- उपर जोडमें एकलो गयो और बोली जद सुंयो तद वै
 २० जमरसुं उके पिडाढो पोला गयो । और विमु बारज
 अवर सोटी अमात देवी और वके उपर जपाकु कवे वा
 बाकी मांदयो बोखी करी ।
- २१ जद सिज्जमं यदो उके चे वं उकेकने आयर कही के या
 जोडको जागणे वा दिन अके गुदा अवे नैठामे जांयने
 वा आपनेर वेई बायो मोज लकने जमावने विदा कर ।
- २२ और विमु वशि कयो के वाने जाखको गरम नही धेवांने
 २३ जांयने देवा । और वा उने कयो के नके अठे बाकी पांच
 २४ वाटी वा दोस मण्ठीने । उ कवे के उने अठ नारेंदके
 २५ ल्यावे । और उं दूबउपर नैठको जमावने जाग्या दीनी
 और वै भांघि वाटी वा दोस मण्ठी और करीकी देखर
 आमोष करी वा भांघी वा वाटी धेव के दीनी और चेला
 २६ अमावने दीनी । और वै सगली घाई वा घांया उंयने
 जको मूवाभयो कयो उंयुं वा वारें घारीबोही भेजा
 २७ कयो । और अके जोम्याने वै घांघनार अठकवा
 मोव्यार वा विगर रंडि वा डावडा ।
- २८ और अवेला उ अमावने निदा करतोणे उवेला व्याज
 २९ उपर जांयने वा उके अगाडी दूजेकराठे जांयने विमु घोप
 वा चेलांने जाग्या करी और जद उ अमावने विदा करिणी
 तद उ याचना करयने एक परवतउपर एकलो गयो और
 ३० जद सिज्जापडी उ एकलो उठे ने । केर नाव उवेला बिलो
 कांसुं शलताडी दरियावमें नी कीस वावरो सांमलो ने ।
- ३१ और रातका घोषा घोरकी विमु पाणीउपर पावतो घको
 ३२ वकेकने आयो । और जद चेलां उने दरियाकउपर पावतो
 देखो तद वै हदियायाणे वा कयो के जो भूतने और वा बोह
 ३३ सुं देला कया । केर उं हवेला विमु वनि कयो के अमावातर
 ३४ दोगे की अंन मवी बोहो । और पितद उने उयको देई

- १८ उबरसुं चावयकी आग्या नर । और उ कसेर के काव
 उघटे इद पिअरे बाजसुं उघयो तद उ विमुकनें जांरुं
 १० यांखीउपर गाल्यो । और इद उ बावरी भारी देखो
 तद वीयो और बुद्धु कायर होला कया वा बोख्यो के हे
 ११ मम मनें उबार । तद उरुंवेवा विमु हाथ प्रसाख्यो वा
 १२ उनें कपको और उनें कयो के हे घोडा प्रसीतो तें कियो
 वेसास कयो और जद के नावउपर कया तद बावरी
 १३ ययो । उघटे कसे नावउपर ज वें काया वा उंडो मजन
 कयो वा कयो के मुपर तूं भगवानकी बावडेते ।
 १४ उघटे वें प्रबेतोर नावर गवसरव देमनें योता । और
 १५ इद उं नामका आदम्यां उनें कायशरुं कयो तद वा
 चारुंवातो उं सगका दीकनें मेख्यो वा सगका रीगका
 १६ जोमाने उनें कनें ल्यावा । और वीगती करी के वें कजो
 उनें कयाकयो कयो खीठनें पावे और किल जोगा भीखि
 विता वावा कया नया ।

१५ पनरमो यानो ।—उवेना यिहनाकामनें देववाका
 २ उघं काय वा कारिनि विमुकेकनें काया वा बोख्यो के काहे
 केला बडेराकी रीत को उलंधेते कोस वें बाटो जोमयकी
 ३ वेला हाथ घोवें नही । और उं उघयो देर नाने कया के घे
 पिह कायकी रीतसुं को भगवानको आग्या उलंधेते ।
 ४ कोस भगवान आग्या देर कयो के कापके माउ बाभाकी
 मवादा कर और जको लोग बाभाके अघवा माउके किल
 ५ कार देवेते उ निसें मायो पडसो । और घे कयोने के कोरुं
 कापके माउनें अघवा बाभाके के सकेते के जीकियो वस
 ६ सुं तनें मेसुं नयो कयो उ भगवाननें दीना गये । और
 उ कापके नाभा अघवा माउकी मवादा न करेते इतरे के
 ७ कापकी दीवसुं भगवानकी आग्या निपामी करी ।— हे जन

- रघट ईसाईयः ने आ कथा बर घंका फायदामें फीकी
 ७ सरें निमित्तियाको कथा कही के से लोग आयका मुंडासु
 न्दरि नेडा आवेंगे वा धीपका होठःसु मने मधादा करेंगे
 ८ लेर वाको मन मेसुं अलगे रेंगे। लेर तू नीतबई आदम्याने
 ९ आग्या भणायर निकमो न्दरो भजन करेंगे। और उ जमात
 १० नें बुझाई वा बनि कयो के सुखो वा समझो। जका बस
 मुंडासु जोकले वा बस आदमीने भिसट करे वही लेर मुंडा
 ११ सुं जतो कहेगे वा आदम्याने भिसट करेंगे। तद उका चेला
 आयर उने कयो के तू बाई जाके उने के फारिजि आ कथा
 १२ सुखर अटेका। और उ उचको देर कयो के पावेसा बस
 १३ न्दरि सर्गी वरने मिया बदी के उपाया जाली। वाके
 ठोड दे के सुखाने सुखा मारग बतावहवाला उने और
 सुखो सुखाने मारग बतावे तो दीधुं घोडामें पडसो।
 १४ तद पितर उचको देर उने कयो के से परथा न्दरेकने
 १५ सोडे कर। और यिनु कयो के काई घेषिण अनाबतोडी
 १६ अम्यानगे। ये काई अनाबतोडी के समझोगे के जयो क्यहि
 मुंडासु बडेगे उ घेटमें जायगे और ठकासे बगाधो जायगे।
 १७ लेर मुंडासु अकोर कहेगे के मनसुं आवेंगे और आदमी
 १८ नें भिसट करेंगे। कोस मनमें नीठोफिकर वः खून वा
 जारी वा कुनोल वा चोरी वा कूडीसायदी वा उखंठपखो
 १९ कहेगे। से वे के जके आदम्याने भिसट करेंगे लेर बिगर
 घोर्या हाथासु जोमखो आदम्याने भिसट बई करेंगे।
 २० तद यिनु उ जागासु गयो और सोर वा मोदन्की सीव
 २१ में पाव्यो। और देवो वनअानी एक रंड उ सीवसुं वारके
 आई वा देला करर उने बोली के हे धखी दाउदका डावडा
 मेसुं छपा कर न्दरो डावडी एक भूतसुं मोठो कट बाधेगे।
 २२ लेर उ एक कथापिब उने उचकी न दोनो और उका चेला
 उकेकने आयर आ कथा बर वीनवी बरी के उने पिदा दे
 २३ कोस वा न्दरे पिनाडी देला करेंगे। और उ उचको देर

- कयो के अं विजराहलके कुकके गमीयोडा गाहरके विमर
- २१ दूजो कीवने मेस्वाडे नही । तद उं आवर उंको भयम कयो
- २२ ओर कयो के हे घबो न्हारे उपमार कर । उं उघको देर
कयो के डावडाकी बाटी लेखी वा ऊचसाने देवी पोषी वही ।
- २३ उं कयो के सात घबो लेर जको भुषा भावो घबोकी बाजो
- २४ ठसुं पडेउं ऊचसा उं वायने । तद यिमु उघको देर उंने
कयो के हे रंड धारी प्रतीत मोठी ते तू जियो चावेने
तियो तने के ओर उंकी डावकी उंही बेका ताजी कर ।
- २५ ओर यिमु उं जागासुं जावर गाविजीके दरियावके नेडे
- २६ आवो ओर परबवउपर चहर उठे नेडे । ओर मोठी
जमात घोडा वा चांझा वा गुंगा वा टुंडा वा दूजामोकाकी
के आपके धार लेर उंके नेडा आवो ओर वाने यिमुके प्रगा
- २७ उपर बाप्या ओर उं वाने ताका कया । इंसुं जमात गुंगाने
मेखके वा टुंडामे पोषाडीक वा घोडाने चाकये वा चांझा
के देखता देखर विस्व कयो ओर विजराहलके भगवान
- २८ को सुती करी । उपने यिमु आपका चेकाने दुखायर कयो
के अं जमातउपर सपालु नुं कीस के अने तीन दिनसुं
नारेकवे रेने ओर वाने खाखने कुरिह नही वाने कडाका
के विदा करएके नचाउनुं काजाबा के मारगमे कायका के ।
- २९ ओर उंके चेला उंने कयो के इती जमातने घपावखने जाड
- ३० ने हे कीवरे इती बात्या काधसा । ओर यिमु वाने कयो
के घबेकने कितिबाठी ते वा कयो के सात ओर चिनसी नानी
- ३१ मच्छीपिख ते । ओर उं जमातने माठीउपर बैठवकी
- ३२ आया दीनी । ओर वा सात बाठी वा मच्छी लेर सुती करर
माजी वा आपका चेकाने दोनो ओर चेला जमातने दोनो ।
- ३३ ओर समला खार्डे वा घाप्या ओर वा उवयोडा भूषाभावा
- ३४ के सात धारी भरर भेला कयो । जके जीम्या के चार
- ३५ हजार मीठार विमररंड वा डावडा । ओर उं जमातने
विदा करर बावउपर चखी वा भाग्दलाकी सीवने गयो ।

- ११ सौभाग्य वार्ता ।—घोर कारिभियां सादुधियां
- १२ कारें आवर कीमत करर उरु विजता करी के उ वंकेकी
- १३ र करीक एव संभव विषयों । उरु उ उचछो देर वाने की
- १४ के विजयों केवहीने के साथ जसो कीस आकाम रातो
- १५ उरु कारें वैभव जवसु ये कहोते के आज मिरमिराटे
- १६ जसो कोसि आकाम रातो वा गेरो । ये लवरपटां ये
- १७ आकामकी मुडो खोत करर जसोने देर काकका सेनाकी
- १८ ने कारें न जाके जसोने । दूध वा कभिल्या एक गौती सेना
- १९ करे सेनाके कोर कोना विमित्तयाने सेनाखविगह कोर
- २० सेनाक वाने । दीने न जसो जसोने उ वाने गेहर गयो ।
- २१ कोर उका सेना कोर देर जवसु वाटोकेकी भुष्या । उ
- २२ वेना विजु वाने खोने विषेवांष फारिभियांका वा सादुधियां
- २३ वा वाटासु वाकाम को । कोर वा आवकोर विषयें अद
- २४ कोरकी करी वा कोर के ये नखा नखोनी इनेर केते ।
- २५ कोर विजु जसोपरे करी के ये घोडाप्रतीको बाढी न केव
- २६ सु कोस आवके विषयें यकादोकी करीने । ये कारें
- २७ समझोने करी कोरपिख के यप्रहजार कोर में प्राचवाटो
- २८ वा ये जिली करी भेखा कया कारें के चितारे नगे ।
- २९ यप्रत जवसुप्रहजारके साथ बडी वा किती वारी भेजे करये
- ३० कारें उचछो करी । कोस न समझोने के में वाटोउपर
- ३१ फारिभियांके वा सादुधियांके वाटाम विषेवांष होरने
- ३२ यने करी करी । तद के समझा के उ वाटोका वाटासु
- ३३ निसेवांष कररने नई करी केर कारिभियांके वा सादुधियां
- ३४ के खीवाणउपर करी ।
- ३५ विजु कारेंसारिय फिलिपिंके सीवमें आवापते यप्रता
- ३६ येनाके वृत्तो वा कयो के सादनी कारें कहेते के ऊं आवकने
- ३७ को कोरको वृत्तु । के कयो कोरें केते के कोहन डो

विशेषतया चो रोरि रोरिं नै प्रतीत्या चो रोरिं रोरिं
 १७ नै विरमिवाद् यथा निमिषिकामि रोरिं वा । उं वने
 १८ ययो रोरिं चो रोरिं रोरिं नै नै नै । नै नै नै नै
 उच्यते रोरिं नै नै नै नै नै नै नै नै ।
 १९ नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै ।
 २० नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै ।
 २१ नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै ।
 २२ नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै ।
 २३ नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै ।
 २४ नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै ।
 २५ नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै ।
 २६ नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै ।
 २७ नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै ।
 २८ नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै ।
 २९ नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै ।
 ३० नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै नै ।

रिती । कोस आदमीका हावडा आपका सबकारनि कारालेर
आपका बाभाका प्रतापस आसी और सद चाहे जे आदमी
ने आपका बामदसा सब देतो । सं याने साप्र कउंउं के
जिगाह लाग अठे उभाउं के जको आदमीके हावडाके
आपके राजमें जाता देखबतोडो मोतने न चावसी ।

१७ लकरमो याने ।— और उदिनीपठे विष्णु कियकाने
वा बजावकुने वा उकर भाई होइवने सारे लखिवा सब
र उभा परबतउपर नारी कछाथि । वा बाके समिहपूजे
सदप जवो और उको मुडि सुदबदको नियंत्रण जवो
वा उभा बजाव बाबकोलरिबो धिखो जवो । और जवो
मोमर वा रलीवाह उके भजा कथा केसका आदिबने
६ देखा गका । रिताद उचली देर विष्णुने कथा के होअमु
वाके अठे होके विविगे अर कारो मक के हो के अठे प्रीव
उरा बजासा सब चाहेने हे के सब मोमरवेहे वा सब रली
वा बजावेहे । उ बा कथा कहेने उके विष्णुने देयो सब भावा
कोस मो वाउपर चरिआथि और देयो मोसु सब जवर
उको के को नदरि बजा हाथि उ के मोसु अजोहा लखी
उको उकी कथा सुनी । और केका सुखर आपका मुडि बरेतो
उके नैकर यथा प्र मोमरक कीहा । और विष्णुने हो
अकिर रनि भीषी वा कथा के उचले मकी कीहा । वा
आपको जिया उचावर वाकी विष्णुकिर और विवेहे न
किहा देखा । उके परबबस उतरता विष्णु वा कथा दोकर जाने
उके उचले करी के कठजोडी आदमीका हावडा सुझावु म उ
के उचले करीके ओ देकाजे नीनेद मकी करी । और उके
उके उचले करी के उपायाय कनिहे उके के उचले
उके उचले करी के उपायाय कनिहे । विष्णु उचले हेर जाने कमे
उके उचले करी के उपायाय कनिहे । उके उचले करी के उपायाय
१८ और सं याने कउंउं के रलीवाह अने आयोउे वा वा उने न

११ प्राणो देर माय विद्यो जयो विद्यो उने कयो प्रादुमीका
 १२ इत्युवाच वासु उयो कथं वाचसी । तद विना समजां वै
 १३ उं वाचुन हुनीदिरविशवाकाके प्रायदामे वाने कयो ।
 १४ शोर जद उ जमातवने कायो तद एक लोग उनेवने
 १५ कायो वा गुडोल्यां अवर नेठा वा कयो क हे धयी शारे
 १६ हावडाने जया कर कीस उ गेयो उं वा मोटा कथं वाचसे
 १७ कीस उ शारर वासदेने प्रवेने वा वाहर प्राणोमे । शोर
 १८ शारे वेवाचने अं उने ल्यायो देर वे उने साजे पर न
 १९ सका । मिश्र उधयो देर कयो के हे अमयो वि मु कुमार
 २० मोयोगी कं जिना दिन पाके भेयो रेणुं कं जिना दिन
 २१ कायो सेणुं उने कथे शारेइने ल्यायो । शोर विमु भूतवे
 २२ शुरवायो शोर उ भूत उंमं कयो वा उ वाचयो उंरे चरी
 २३ कयो कयो । तद विना यारी अवर विमुके मेणुं शायर
 २४ कयो के हे उने की लुबास न सका । मिश्र तमि कयो के धाके
 २५ अमयीवनेहे कीस अं धाने साच कउंटुं के शर दारंका एक
 २६ कीजरयो धाकी मवीत जतो ते । इं प्रवतने बोच के इं वा
 २७ वासुं उं जागा वा शोर उ मसो शोर प्राणे अस्वय कधि
 २८ न जतो । शेर विमरमाचना वा पोषद इतरयो कथे नही ।
 २९ वे गजिबीमे रेते उनेक विमु वाने कयो के प्रादुमीको
 ३० हावडे वावसुं आदम्यके हाथाने अकयो जसो । शोर
 ३१ के उने मारनावसी शोर तीजेदिन उ शेर अमयो प्राणी
 ३२ उंमं वे मोटा गदगदा जवा ।
 ३३ वे अमरमममे धीरापने वाव उजावतावाकी पितरवने
 ३४ अमया वा वेत्या के धाके धाकी शारे मत्व न देखेते । उं
 ३५ कयो के ही शोर जद उ कुंमामे कायो तद मिश्र उने
 ३६ अमयो अवर कयो के हे जीमन्तुं शारे समजेने सतारवा
 ३७ रावा कीसुं वाव अमया हाव केवेते अमया हावडीसुं अच
 ३८ वा दूजादेनवात्यासुं । शिर उंमं कयो के अजादेनवात्या

२७ सुं यिनु उंसुं कयो वद आवडा मुसरफणे खेर ने वनि न
अटकवेदेतु हरिवावकने आवर सर वगाय खार वका
मनी येवडा लपडे उने वगड वा उवी मुंडो फाडर देवीवा
वापसी वे खेर गारे वा चारवेदे वनि दे ।

१७ अठारमे यनि ।—उनेवा येका विमुवने आवर

२ पोळा वे सनेके रामने कुब मीडे उे । विमु हव आवडा
३ ने कुआवर वीके विवासे राव्ये वा देखो । वे अं साव
कडेनु वे अर से व मुडे वा डावडाके दख न हो तो खेगा
४ रामने न कडयो । उनी कोडे चापने डावडाके निचे
५ वेदे उे उ खरेवा रामने मोळये मीडी जली । खेर वयो
६ कोडे गारा वावसे अठारकाडेखा हव जोगने मर्ववा
७ करणे उ मने मगवादे करेने । खेर मने यवीतकरवाका
८ वा वावाडावडाके हव जोगने अर कोडे अडेने उे वी अ
९ सुं वीयो वव उंको वा उनी वे अरठी उवी गावडने वांधी
वाय वा उ हरिवाववा उंडामे वगायेवाव ।

६ अठारवेदे संसारने उदेवणे कोस अठार विडीं काडी
७ खेर उदेम उं जोमने हे वीस अठार आवेते । खेर अर
८ खारो हाय अगवा पज वने अठार वे वनि वाठ नांव वा
आपसु वगावदे घोडे वा ठुडे अवर जीवतयने वडवी
९ दाय हाय वा दोव यगाशिले अवर अनंतीवासदेने वगाये
१० नायसुं जोगे उे । खेरपव चारो आव्यां तने अठार वे तो

उने काठ वा आपसु वगाय हव अधिवासी अवर जीवतय
ने घसयो दाय आवावा अवर गारेको वासदेने वेगमि

१० नायसुं जोगे । विवेवीन हे नांवाके हव डावडाके तिर
खार मनी करे कोस अं वने कडेनु के लीने वाका हल
कारु वायु वाभायो मुंडो रोपीवा देखेने वे वकी खरने
११ उे । कोस आठमोवे उखडे मीळिने उगाव करवने

१२ काठमा । ये बाईं समझोछौं अरु कोषीं काठमाको हलको
 गाढहाँछौं वा वासु हुन रामझोछौं को उ बाईं निमःसुको
 न होदिउं वा परपंतउधर बायद उं मभियोबाभै बाईं सोभो
 १३ नो । बाय अर उभै जाईं सौ अं सभिय यभै बसुं नै नवे
 नोनाखवै गमगया नही वभै उधर जको हवै उलुं नोठो हवै
 १४ उ उभै उधर करेउं । उं भाषकपिब चाईं सभै मभियो बच
 १५ नो के उं जामावी हक कोगको विमलुं नै । चारो भाभै अर
 चारैउधर पाय करै तो भा बा बाकी पाय बा उं बसव
 उधर उभै के अर उ चारो बघी सुई नो नू बाभवा भाभै
 १६ नै काम बसोउने । कोर अर नसुवै मभयो बायदेव
 बायदाभै बाईं कोर के दोकहीन सभयोको सुहासुं पावैसा
 १७ मभै बाईं अभाव । कोर उअर बनि म भाने सौ ठेकहीन
 मभै कोर उअरको मभयो । कोर उअरको व बा बांगूमा
 १८ मभैको बाईंको के । साय के वभै नसुं के यि संसार
 उधर जको बाईंको उं जनें सुभै भासी कोर यि संसारने
 १९ जको को बसो उं जनेंको बायो बायो । कोरपिब अं यनि
 नसुं के संसारउधर चाका दिय जोम जको विमो के सभै
 सुदरासो उभै अर नै तो कोर कोभा नि भो कोभै
 २० उं उलुं उ वभैने के को बासी । कोर उअर के व वान
 कोर भास भाभै मेका के उं उं को वभै विमलुं ।
 २१ अर पियर सुभैको काभक वभैको के धकी बाईं भाभै
 मिमोभाउ भाभै उधर पाय करेको वा उभै अं मभयो उं
 २२ बाईं सातवारतोडी । यिनु उभै जको के अं सभयो तोडी
 २३ वनें बसुं नही कोर सितरगुवा सात नरेतोडी । दसुं
 जनेंको राम हक कोर पायवाभै मभयो उं नै नवो पाय
 २४ वा अउकोभेको कोको कसले बाभै । कोर उं कोको करेव
 कायपते अर कोको उभैको मभयो । कोर के वभै उं नै
 २५ अउर बाभैको कोको । कोर उभैको मभयो उं नै

७५ आरि कारीजया उने परखबने उने नेका चीरि उने
 ७६ कयी के वज कहे कारबस आदनीने चापकी बड उठकी
 ७७ की ठीक ही। आरि उं उचकी दिर उने कयेसि जाई न
 ७८ भयति के जो येकेडा उने उपजोके उ वनि मोखार प्र
 ७९ गीरि केरपरि उपजावा। वा कयो के इवेके खेस चापका
 ८० माउ चापकी उठसा वा चापकी नउकने रेखी वा वे शेखु
 ८१ एक बाखि कुसी। इसू वें उ विरिखसू दोन्य व उं वेर
 ८२ एक बाखिजे तो भावनि प्रयो एक जेडा कया आदनी उने
 ८३ नारी न करे। वा उने कयो सी मोखर उने कडाकपज
 ८४ देखे वा वनि उठकी चापकी कसी। उं वनि कयो के
 ८५ मोखर चापके मनके करडकेने हे चापकी चापकी बड उठके
 ८६ दीनी कीर पेखजसू इखो नली। क पिब पाके कउनुं के
 ८७ नारीविगर प्रयो कीहे माखर दूजा कारबसू चापकी
 ८८ वउने उठेवा दूमी परसे उ नारी करे उं कीर प्रीर
 ८९ बीग उं उठनीने परसे उं नारी करे उं। वेसी उने कयो
 ९० के कर वउके भेजा मोखरको इमति उं तो यहबीजिय
 ९१ विधि नउे। उं वनि कयो के सगका आदनी का कया जेब
 ९२ कही सवेउे कीर खाने उ दिये प्रखउे उं सवेउे। कौच
 ९३ गवरदा उं के प्रयो माउका पिटसू इखा उपजाना वा
 ९४ गवरदा उं के वकी आधीसू गवरदा कया गयाना
 ९५ कीर गवरदा उं के वी सगका राजवेई चापने गवरदा
 ९६ कया प्रयो कीर उं देख सके सी लेवे।

११ तद उठका उनेने स्याया गयना के उ वाके उपर हाथ
 १२ घरे वा याचना करे कीर वेसा उने बोहायो। कीर यिनु
 १३ कही के उठकाने नारेकेने चाप कीर वनि वरजा मती
 १४ कीरिनी उठकारिनी सगको रकउे। आरि उ वाके उपर
 १५ उं कय वरद उठसू कयो। उं कय वरद उठके उं
 १६ कीर दिखे प्रयो वेसा उं कयो वरद कयो के उं वेवा

१७ वषाधीव कं अमन्त-आउखामे ज्ञाघये कुब पुन्य करसु । उं
 उनं कयो क्यो मने पोखो केने कोरं पोखो नही हकविउर
 केअदी भंमवाने ने छर कर तं आउखामे वषाी पावे तो
 १८ आग्याआदीप्रयो कर । उं उने कयो के कुकर विनु कयो के
 कर खून मती कर जारी मती कर पोदी मती कर कुडी
 १९ सायदी मती दे । आप्रव वाभा माउकी मर्यादा कर पीर
 २० आप्रके नेडरे अनासवे आउकेअदीपो प्यर कर । उं मोय्यार
 कयो के कं दावडाइसुं आ समजाकी पावना करी नारी
 २१ हसुं कोरं पाखी ने । विनु एने कयो के कर तं परपायो
 यवि तो जा आरे सरंमामने वेचवा नूवराने दे कुणुने
 २२ तं कामने मावा पार्मी कोर नारे पिनाहीआम । उं बाय्यार
 आ कथा सुंयपरी वेदिव अयर जालो पोस उकी
 २३ मोखवी मावा नो । उंसुं विनु आपके वेचने कयो उं
 धाने साध कउंनु के मावाआके काने रात्रने घसवी बढो
 २४ करतो ने । कोर अयिब कामे कउंनु के मावाआका आदमी
 ईअरके रात्रने घसवसुं सुंरंका मावासुं तोआयो जावे
 २५ पीरोने । उंकापेवा कुबकरा मोटा चनेरो जवा वा कयो
 २६ के तो कुब उजार पायवे लयेने । कोर विनु देवपरी जने
 वे कयो आदम्याकने अम अवाअने कोर भमवावकने सगला
 २७ काम साधने । तद विउर उचवी देर उने कयो के देख
 श्री समजामे जेथा का आरे फिलरही पावामि आओ कोरं
 २८ हसी । विनु वाने कयो के साध उं धाने कउंनु के अर
 आदम्याका दावडा आपके देवयने तसुप्रउपर बैठसी तद
 प्रे के जयो नवा मनसने नारी पिनाही आबववखा की
 विंमरायलने कोरं पोछिने पोस करता नारे कुबतउपर
 २९ बैठसी । कोर कुज कोरं माखव के भी मूषी वा भावने
 वा वेचने वा वाभाने वा माउने वा वउने वा दावडामे वा
 अरतो नारे वाचनेनेआपाने उंसीमवा साधनी कोर कबल

२० मोवडी उमरास बरली । खेर मोवजा के जके पेवडा
उं नें साराके पिगडी जली वा बिगडी बने उं नें नें
बडा जसो ।

२० बीसमो पानो । — खगोती राज एक बीस भूपाका
बडी रेखा उं के जको आयका खंगोर के पेवका मुजर नि २
२ आरो करबने प्रभा रे बारके गयो । खोर उं मुजर मेजे
एक पावजा दिनको पुकापर आयका खंगोरका पेवके ४के
३ मेल्या । खोर दिन एकपौर कासरेकी बिधा उं बारके
आय परो दूजाबोगीने कोठामे निगरबाख उभा रेकाभ
४ खोर बाने खोके के पेपिख खंगोरका खेवने जावे खोर बडी
५ ठीकउं उं पाने देगु खोर के गवा । उंपउं दोपार वा सिजा
पोर कासरेकोमेका उं खेर बारके मायपरो उं खरे
६ कयो । मुंशी खोरखोरकीनेकापिख उं बारके जावद
दूजाभावपाने निगरबाख साधा वा बाने कयो के कुं
७ खगले दिन एके निगरबाख रोखे । वा उंने कयी रेका
दब के कोरे कादमी नाने खजूदेा सिधी मही उं बाने
कयो के पेपिख खंगोरका खेवने जावे खोर बडी ठीक उं
८ नें पाखी । सिजा मडापने केवने कयी कासका दिनमने
कयो के मुंराने कुजाय वा उंपडावाकासुं मोडर पेवडी
९ मखानिडी बाने रोमीने दे । खोर मुंशीकापरपेदकी
नेका कासकाका कुं खोर जात्रवा एकर प्रावलि पारें ।
१० पेवडाकासा कापर भमज्ज के नें मजो पाओ खेर नें कुं
११ खोर मखमखिख एकर पावको पारें । खेर पावर
भूपाका खोसुं एकचक करि वा कयो के वा पिगडि
बाबा काको देव घडी काम कीने खोर वं बाने नाने
१२ मखिपर कयो के का दिखी भाद वा वावडी लयो । उं

Yamra

G

वा

१३ उधलो देर वधिं हक कोमाने कयो के हे संतो-पाने कं कर्हे
उपर विगारठोक व कदंठुं तें कर्हे नारे भेको हक पाव

१४ हो सुवास कोको नई थारो आपकी से वा जा । विखो

१५ वनें पुनं विखो से उवडावाकानें पिब कं हंसुं । कं विखो
चाउं विखो आपकी वससुं करको नारे ठोक-नई कर्हे कं

१६ दातोर होवसुं धासी धापी विठोडह केउं । इकरें नके
संगवासुं पाठकवाका व देवडावाका असो वा येवडावस
का नके सी संगवासुं पाठकवाका असो कोस मेवका मुक
वा बावनें केर कोका नराको केउं ।

१७ कोर विदभासुं नमें जिकी विरिया विभु मोरमसुं
१८ आपका वारें केकानें थारा कोका वा वधिं कयो के देतो ने

विदभासुं नमें जीवधिं कोर कदमीका ठोवडा कदापि वि
ताके वा पाठकके हाथमें अपडाया कानी क वें उं नारक

१९ नें क गया देसी । वा निंदा करवनें वा कामके जाकवनें
वा कुमउपर मोरबावनें दुजादेखावनें अपडाको कोर
वीजे दिव उ कोर उवसी ।

२० तद जेवदीके हाकडाकी माउ आपका हावडा भेकी करर
उकेवनें कोर वा उकी पूजा करर हक व सवेकी चार्हे ।

२१ उं उं कयो के कं कर्हे कर्हे उं उं कयो कया कर के
नारा कं दानुं हावडा हक कोम चारे जीवकी हाव व

२२ दुजा थारो हावडा कचारे राजमें केवक पासी । केर विभु
उधलो देर कयो के से कयो जणेणे उ के नहीं क योणे

कं जीं वाठकासुं पोसुं से कर्हे उं वाठकासुं पोव सवेणे
कोर नमें जीं कुनीसुं कुनी दियोडि उवा से कर्हे उं कुनीसुं

कुनीदियोडी के क सवयो वीं उं के कयो के से सवका ।

२३ कोर उं उं कयो के साच-ये थारो वाठकासुं पोसो कोर वीं
कुनीसुं कं कुनीदियोडी कर्हुं उं कुनीसुं से कुनी दियोडा कयो
केर नारे जीमके वा कामे केवकी चारे देवेम के विमर

१३ वीसमें आदिदेई चारें बाभासुं चार कयागयाजे । चार
 १४ इस वेषीं सुखपरी दोयो भायाउपर विराजी ही । चार
 १५ विष्णु वनिं बुजापर कयो के से भाबोणे ने दूजासुख
 १६ बाबाके जकमदेववाजा बाबे उपर आया करेने चार
 १७ फोसू मीठा खादमी बाबे उपर चार करेने । चार पावे
 १८ विवाले दया नही कृती चार पाके विवाले जयो खादमी
 १९ मोठो ज्ञां चावेने सो पाबो बडयो जवे । चार जका चार
 २० पावे विवाले जे जयो ज्ञां पावेने सो पाबो मोठो के । जियो
 खादमीका डावडा चोयो बेंबने करे जाया चार चोयो कर
 जने वा मे कजा खादमावे दुहायवे प्रीतम उचिपारे भाव
 को प्रीत देवने जायो ।

२१ चार वकि विरिसुसुं भायकोवेजा मीकको यमात उके
 २० पिनाडि पाई । चार देखा मारगके उके बेंबडा दाय सुदि
 वा खादमी सुखी के विष्णु उं मारगसुं जायने चार सुखपरी
 वेजा कया वा कयो के से भगवान दाउदका डावडा नाबे
 १९ उपर जया दर । चार यमात वनिं डरावा के से बोल्या रे
 चार वा यमा वेजा कया वा कयो के से प्रभु दाउदका
 १२ डावडा चाउवर जया दर । चार विष्णु उमी जयर वनिं
 १३ बुजाया वा कयो के पाई पविठी के जं पावे करे । वा उने
 १४ कयो के से भगवान ने देख सया । चार विष्णु देवजीक
 जयर वीती कया भांटी चार उधीवेला वकी बाबा
 हेव सया वा के उके पिनाडी गया ।

२१ इकोसमो पाणि ।—चार जद ने विह माखमके
 जेडा जाया वा जेतानके परवतके बेंडा चार पाजमे योमा
 २ तद विष्णु बापका दोन्या चेलने देखा । वा वीने कयो
 के जयो मीक वकि सांमि छे उने जायो चार वेगा के एक
 पाबोका गयो वा उके मीको एक गधियोपिक बापयो वावे

- ३. सोरर भारेकने ल्यावे । सोरर कर-कोरं यामें कृदि करे वो उमें करे के भगवानमें वांकी चायते उमें उ वेगा वा
- ४. में मेकसी । जें समजा कयागवाते के दा कया पूरी अणव
- ५. के कया निमित्तियासुं कयोडीके । के वे श्रीश्रीमती हाऊके देख चारो पातया धारेंकने चावेते उ गीष्ठी मनेजे वा
- ६. गधाउपर वा गधियाउपर चढियो ते । तद केहा गवा वा जिया विजु कयोते तिसो करपरो मधान वा गधियनि
- ७. जायत चापर का माभा वानें उपर दिया वा कीरें उपर
- ८. वानें बेंडाका । सोरर मोठो जमल चायत का नाम मार जमें विजावा सोरर बोमा इवासु डाकी बाढी वा मारगमें
- ९. विजावी । सोरर अणवीमळवाळी वा पिणवी कायवाळी जमात देवा करर कयो के होमावा दाउरमें डावडाने कमु वा नावसुं चाक्यवाका अणवे समखेंसुं उंचामें शिअंखाते ।
- १०. सोरर में विहजाकामें पोतापते संयका मार के कृणवे
- ११. केवा कोलाइक कयो । सोरर जमाव रुषी के उगा विधीके नावरेवको विजियो विजुते ।
- १२. सोरर विजु अमवांगका देवरामें गयो वा देवरसुं वेचक वाका वा मेरुकेकयाला सगका चाइस्यनि काया वा मुडपरी की मजिद वा कडुकरनेचकयलाका वाकेस उंचा कया ।
- १३. का वानें कयो के उ विजोते के नासे भुयो वापकयो भुंये
- १४. कयो नासी सोरर ये उमें चोराचो सोवरो कयो । सोरर सुखा वा कुखा उंकेवने देवदामें अया वा उं वानें वाका
- १५. कया । उं वके अठेरा काम कया उ सोरर देवरामें डावडा देवा करमा वा वेकता के होमावा दाउरमें डावडानें के विह देकर बडापोहित वा उपायाया मेठा रीसमें जा ।
- १६. वा उमें वेव्या के के वने करेते वू कारें उमुवे वते सोरर विजु वानें कयो के हां वे कारें भका कधी के कवरामें वा
- १७. उवजीकयाका डावडामें मुंडामें के सुविपूरी कयी । सोरर

एतेऽप्येवमस्मिन् वसन्ते वारुणे वितापीयानि इति शीर उच्यते ।

१७ - अभावेऽस्मिन् प्रायश्चित्तोक्त्या उच्यते । शीर इव

१८ शीरको इव मारुते देव उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

विना शीरं न शीर उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

१९ न शीरं शीर उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

२० शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

२१ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

२२ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

२३ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

२४ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

२५ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

२६ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

२७ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

२८ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

२९ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

३० शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

३१ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

३२ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

३३ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

३४ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

३५ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

३६ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

३७ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

३८ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

३९ शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

४० शीरं उच्यते । अत्रैव वा उच्यते ।

- १८. विद्वेगं धीम कर । अ उच्यते देह बन्धो ज्ञेयं नरं प्रथिं विद
- २०. यत्तं कृत्वा करत गयो । शिर दूनाकने उ अयत्त उंभोवदे
- ... कयो उंउपयो देह कयो ज्ञेये धयो अं प्राणुं कौर न गयो ।
- २१. मंदिशामिं त्वां अपवा मभक्तो जन दायो न उंने कयो उंने
- ... सुंको विदु वाने कयो ज्ञेये अं धाने साय कयो उंने पठेन
- २२. मा भगवत्यां प्राये प्राये भगव वयो दामने सुंसेते । कयो अ
- ... यो जन् अरमवा मारमने धाने मभक्तो कौर ये उंनी पयोत
- ... न करो कौर यदेवा वा भगवत्यां उंउपय पयोत करो कौर ये
- ... उ देउपरो पितामो उंउपय मतीव मरयवेदे कृत्वा न कयो ।
- २३. दूनाएक परधो सुबो वक्यो म भूयावो कयो जे जे जी
- ... प्रश्रीरको जेन दायो वा उंने चारुंदायो मरु करि वा उंने
- ... अं कौरको सुंउ खेधि वा उंने वायो करि वा उंने मं दूनाको
- २४. कोना वा दूनामुककने मयो । कौर कय कयो वी म
- ... ने उंने कौर तद उं कय उंने मं प्रायवे कयो मं ऐतं कये
- २५. मेक्या । कौर देवा उंना कयो मं कौर इने कयो वा उंने
- २६. मारनायो वा उंने विदु मठासुं मयो । कौर उं
- ... येन कयो कया दूना कयो मं मेक्या कौर वा वाने विदु
- २७. उकोतदे कय । कौर मगयो सुं पितामो उं प्राययो
- ... कयो मं वा कये मेक्या कौर कयो जे जे चारा कयो कौर
- २८. मारु करती । कौर देवा कयो मं देवर प्रायवे विचने
- ... कयो उं कयो मं कयो प्रायो उंने मारनाकयो कौर उंने
- २९. मीठार खेस मेक्या । कौर वा उंने कौर चंकोरवा कय
- ... जे मारये मगयो वा उंने मारनायो । उंने मरु चंकोर
- ... जे खसको कयो मयो तद उं देवा मं कौर करती ।
- ३०. वा उंने कयो जे उं मीठाकयो वा मंगराको वा क कर
- ... यो वा अंभोरवा खेस दूनी देवा मं मारो देसी जे जे प्राय
- ३१. वा रियने उंने कय देवा । विदु वाने कयो जे जे वाने कयो
- ... जे कौर कये मभक्तो जे विद्यायके कयो मठा कियो मया

- १६ देवी के नीचे उपर जानीगामा बही जा । और उ
- उने कयो के हे कगिताया तू जानीगामा न पैया बीवरे
- १७ कहे कायो और उ विगए उचकी टो । एक रामा
- आपका बड्यानि कयो के उका हाथमग बासर उने केजा
- पर बारहे खंराधामे वगाय के जठे दीवडी वा पाबायो वो
- १८ खोले । कोस मेकला बुक या फायडे केर छोडा सराईमे
- १९ ठे । तब फारिभिया जत्यर सखा करो के मोवरे उने उकी
- २० बघामे अपठयो । और वा उके जामना केजामे हिरो
- दियाके मेयो वा बेबने मेयो के हे कयो के जाबाजा के वू
- सायो ठे वा सापवासु मंगवाकयो मारग भयावेठे और
- तू को आदमीकी गरज नही राबिठे कोस वू आदमीको
- २१ मोरे न करेठे । तद बाणे धं के वू बार्दे समखेठे बार्दे
- २२ सखामे वात्र देयो ठोबने क नही । बिजु उकी जिये
- बार्दे जावर कयो के हे लवरबटा के मने की प्रदयोने ।
- २३ मने वाकयो दममासो देवस्य उंसुं के उकने एक दममासो
- २४ हयाया । और उ उने कयो के उ जेहे वा दममासो
- २५ बीकोठे । वा उने कयो के बार्देसरयो तद उं कने कयो
- के मने बार्देसखामे ठे के बार्देसखामे देयो वा जने देवरया
- २६ ठे के देवरने के । और वा लुबबरी बिसमत्र कखा वा
- उने टोकर चालो ।
- २७ उही दिन सादुको के कयो बहेठे के पुवदघोब कहे उ
- २८ कने आवा वा उने आ कजा केर पुज्यो । के हे कयो मेकह
- कयो के कयो और कजुयो महेतो उका भार उंको कउ
- २९ के परबीजसी वा आपका भारवेरे बुक उपमासो । वा
- कने सात भारे जा और केकजा परबीकेर वरजायो वा
- ३० कपुयो ऊवर आपकी कउ आपका भारवेरे रायो । उहीतरे
- ३१ दूजोपिय वा तीजे सावमापिडी । समखायुं पुने राड
- पिय मरो देवेहे पुवदघोबने क सावामे पित्रने वा बीको

- १० हेउ उज्जे कोच समक उने परबो गो । विनु कपका
- ११ हेर वनि कयो वे ये कर्मनाखव चपवा भजवाक्यो गोचने
- १२ कोभावर भुवोग । कोच फेरउडकमे वे परबोने कने
- १३ वा वे अहनाके नने केर वामे कने भजवाक्यका चपवारा
- १४ वनि कथा ते । वेर मुकवाके फेरउडकमे कायदामे भग
- १५ वनकुं कथा कथा पावने कनेमरंजी । वे क आवरहामके
- १६ हेर का विमवाक्यो रंवर वा कथाकुतो रंवर तु वे
- १७ पादेके भवा बदे भजवाक्य मुकवाको भजवाक्य कने केर बोह
- १८ वाके । कोर भवाक्य कुववरी उनी माचामे कनेरो ग ।
- १९ कोर उ सादुकिवामे कनेका रवावा कारिनि या सुवर
- २० मेका कथा । कोर वनि विवाके कथ कोर तौरेंक माचक
- २१ कथो उने परकथके का केपरो उने युजी । वे वे कथी
- २२ कोरकेमे सादाकुं कथी काका वादे । विनु उने कयो
- २३ वे धारा समका कथुं वा धारा कथवा कोचुं वा धारी
- २४ कथकी समकतुं विजह धारा भजवाक्युं पार कर का
- २५ काकथी का मेठी काकाते । दूमेपिब उदिवरे उने के
- २६ तु काय कथी कायका वाडोलीवाकुं पार कर । कथकी
- २७ कोरेंक वा निमित्तिकाको कथा या देव्या काकाउपर
- २८ देव्या ।
- २९ कारिनिवाके मेका कायकको विरिका विनु वनि का वेर
- ३० युजी । वे वे कोठके कायदामे काई समकोगे क
- ३१ कोचो डावडो ते । वा उने कथी वे दाउदको उ वनि कथो
- ३२ वे तद दाउद या वेपरि कोचके काकाकुं उने भजवाक्य कने वे
- ३३ विजह धारा भजवाक्यके कथी के क काकावादे धारा वेरि
- ३४ कनि कथिं यगा न कमाउं तठावादे वारे कोचको वेठ ।
- ३५ इने कथो दाउद उने भजवाक्य कने तो क कोचके उनी
- ३६ डावडो ते । कोर कोरे उने कथ कथापिब उधको देव नकथा

Vikisource

H

६

कोर उं दिमसुंयिब पिबो कोर उं नूजोवना पुंजवपी
दिमस न करो ।

- २२ केरुसो पावे ।—एवं विषु जमसने वा आपवा
३. केवाँनै का कवा करे । वे उपाध्याय वा कारिनि मोमवपी
 ४. कोरुउवर वेठे । इंसुं वने सगवा वे घाँने करुवे वेठे
 ५. वा मानो का करो कोर वाँने बाँसोरिया मलि करो कोँस वे
 ६. वेठे वा न करेठे । कोँस वे वेमल वा वेसेव मार वाँने
 ७. वे का आदयाँने काँषाउपर नेठेठे कोर आपवा इव काँनु
 ८. कोसुंयिब वाँभाराने भीकापिब न करेठे । कोर आदयाँ
 ९. सुं देवाजालने वे आपवा सगवा काँन करेठे वे आपवा
 १०. पिबसुरियाँने केठि करेठे का आपवा मयाँपी कापो
 ११. मोठे करेठे । वा वेवाध्याय सिनेदार वेठवपी माव
 १२. वा सिममगामे सिनेदारि कापोठ वा वेठामे मुवार वा
 १३. कोराँसुं दलि बुवाध्यायवे पार करेठे । कोर वे रनि
 १४. मीपी बुवायोडे को कोँस एव थाँपो थयोठे उ खीर कोर
 १५. वे सगवा भारे ठे । कोर संसारने कोनेट आपवा वाभ
 १६. केर सपी बुवायो कोँस एव थाँपो वाभेठे वे थयो
 १७. जमने ठे । थवीपिब मपी बुवायोडे को कोँस एव थाँपो
 १८. थवीठे वे उ खीर । कोँस थाँके विषने जको सगवासुं ने
 १९. ठे उ थाँके थडयो जसी । वा जको कोर आपने मेठे
 २०. करेठे उ वाँना कपो जसी वा जको कोर आपने वाँने
 २१. करेठे उ मोठे कपो वासी । वे उपाध्याय वा कारिनि
 २२. खवरपटी वाँने जपतोस जसी कोँस वे आपयाँने समो
 २३. सगवो राज जठेठे वे गही थठेठे वा जके थसेठे वाँने
 २४. वे थठेठे न थो ठे । वे उपाध्याय वा कारिनि खवरपटी
 २५. वाँने जपतोस जसी कोँस वे वेवाका भुंयठाने वाँकावे
 २६. ठे वा उववेठे संवीनु पाँवना करेठे इंसुं वे थपी वेठेठे
 २७. थाँके । वे उपाध्याय वा कारिनि खवरपट वाँने जपतोस

- असौ सोस एक लोगने धर्मिणांवी परवनेदं ये परिवाव
 वा परतीउपर क्रिदोने सोर मद वें कला कलाता मद
- १९ धासूं वें दुबा नारकीका कवका उमें करोने । हे सुखा
 मारगवाकवाका वें कको कोने वें कको कोरे देवरा भी
 डर सुंसकाठें तो उ क्कहि नही डेर कको कोरे देवराके
- २० सोना भीठर सुंस काठि तो उ बंधी क्योने । धासूं अप
 सोस असौ हे मेका वा सुखा कुब मोटाठें सोना वा सोना
- २० निर्मकवरववाको देवरो । सोर कको कोरे सोमचोतरी
 भीठर सुंसकाठें उ क्कहि नद डेर कको कोरे उमें उपर
- २१ दीयोडी वक्षामें भीठर सुंस काठें उ बंधी क्योने । हे
 नेका वा सुखा कुब मोटाठें दियोडीवक्ष वा दीयोडीवक्ष
- २० में निर्मकवरववाकी सोमचोतरी । सोर कको सोमचोतरी
 भीठर सुंसकाठें उ उमें भीठर सुंसकाठें वा उमें
- २१ उपरकी लगती वक्षामें भीठरपिब । सोर कको देवरामें
 भीठर सुंसकाठें उ उमें भीठर सुंसकाठें वा उमें
- २२ बेंठववाकाको नांव डेरपिब । सोर खर्गकी नांव डेर कको
 सुंसकाठें तो भगवांकको तद्वत वा उमेंउपर बेंठववाका
- २३ में भीठरपिब सुंसकाठें । हे उपाध्याय वा कारिनि
 कवरपटी धामें अपसोस असौ सोस वे पुदिना वा सिंधु
 सोवा वा विराको दसमोपावी क्येने सोर वौरंतको मोटो
 कवरकाम क्योत यथाय वा दया वा प्रवीतमें गेडेने
 वाको करयो वा दूजाको न क्योत राखयो वें धामें निसेने ।
- २४ हे सुखा मारगवाकवाका वें कको मानरवे गंकाकोने
 २५ वा उंठमें गिटजावेने । हे उपाध्याय वा कारिनि कवर
 पटी धामें अपसोस असौ सोस वे काठका वा धानिके
 कारणे उजसी करोने डेर माय ठगरा वा उचंठमईपकासूं
 २६ वेलां ने । हे सुखा कारिनि येकडी काठको वा धाकीके
 २७ माय उजका कर कें मारवेमिब उजका क्योत । हे उपा
 ध्याय वा कारिनि कवरपटी धामें अपसोस असौ सोस

२० ये पुनी केरोली धारसरीया ले में कभी बारवसुं धीकी
 दीसेते सही लेर त्रिषासेमें मुबदाकर हाडासुं श्री संगसा
 २१ मेंवसुं भरीते । इउविहारे सेपिब आदम्याकेने बार
 कसुं साकी देवीमेंते लेर विचमें कबरचटपडासुं वा
 २२ लेरवापकीसुं मखा कोणे । हे उपाध्याय वा कारिभिखबर
 चटा धाने कपकोस असो नीस ये निमित्तियाकि धोर सी
 २० ठेगे धोर ठोकबरबवासाकी धोर सिबगराणे वा कहे
 ले में धर ने आपका बाभासे विरिधाने कते तो निमि
 २१ तियाके खजवरसमें ने वाका भेषपी नकवा । इंसुं ये
 २२ आपकर पायहाने सायदी कोणे के ये निमित्तियाकि कुट
 कवासाका कवडाणे सेपिब आपका बाभाको मोख पुरो
 २३ करे ले । हे साय वा मोबरा सापका कुल ये बारकीकी
 सेउकायसुं कीकरे भास जाब सुकस्ये ।

२० इंसुं देखो अं धाकेने निमित्तियाके वा कजकदाराने वा
 उपाध्यायाने मेकसुं धोर वाने कीनेइं ये मारबायस्ये वा
 कजवासीउपर मारबायस्ये वा वाने कीनेइं पिब आयक
 २५ निममनीमें मारबायस्ये वा ये नगरमें कल देखे । के
 मारविश्राहके डावडा जाखरियाच जने दवरा वा होमधी
 वरिने विचमें मारबायस्ये उंका खूनतराई सादिबहानेकदा
 खूनसुं जो समसा निमरकासिवासाको छोई धरतीउपर
 २६ पटको मघोने उ समको धानेउपर आसी । अं धाने
 साय कजंतु के वे समसा या आदम्याउपर पडसी ।

२७ हे यिरभासम् हे यिरभासम् के जका निमित्तियाकी मार
 खवाकी वा जका धाकेने मेखो आयते भाठासुं वाने मार
 सायबवावि ते कुबडो जिया आयका वचाने आयका पांसी
 निवे भेला करेते तिया अं कीतीवार धारा डावडाके भेला
 २८ कसा वासा लेर ये न पाया । देखा धाने नेखोडा भुंधा
 २९ धाकेवेईं जाड के ते कीस अं धाने कजंतु के ये जडावेडी न-

... कही के मगनीनका नावमें जके आवखवाकाउं उ वृको पठा
तेकी के चमारसूं मने नदेखयो ।

२० किरीसमी पानो ।—ओर यिमु निवखयरी देवरा
सूं मयो ओर उंका चेला उमें देवराकी साउनेदिषअख
१ केई जाया । ओर यिमु वाने कयो के ये काई उ सरलो
२ देवराके कं धाई साव कबनु के भाठी भाठउक न
३ रेंसो के जयो नई पायो जासो । उमें जेतानके परवत
उपर बेंठकबीवेसा चेला उंकेमें बकाव ऊयर जासो वा
कयो के नाके केदे के के संगसा कद कसी वा धाई आवख
४ यो वा दुनियाके जेवडाको सेंगाथ काई जसी । ओर
यिमु उंका देर वाने कयो के पोवस के कोरे रावे नई
५ भुगावे । कोस चारे नावसूं मोकली का केवा भासी के ज
६ बीछ नु ओर मोकलीमें भुलासी । ओर नद ये वाराकी कथा
वा काराकी कथावाती नद सुवयो तद केसा मती हल
कला को कोस के संगजी होयो निसे उं के जेवडा अमें
७ नहीउं । कोस जेत जेतके बेरमें उसी वा राज
८ राजके बेरमें ओर मुंगार के मरी वा चरवीजबी जागर
९ जसी के समसा कछाका कल उं । तद धाई कलमें
अपडासी वा धाई नारबीवसी ओर नरा नावसूं जे
१० समसा कोमासूं विनायोडा कसी । ओर वर मोकला अठके
सी वा तोतसूं एक जोग दूजाने अपडाके वा एक जोग
दूजाकी चिना करसी ओर मोकला कछाकिसिखा उठसी
११ वा मोकलाके भुलाओ वा विगरसाचारै मोकल हावसूं
१२ मोकलाको प्यार चटजासी । ओर जके जेवडाकाइ जैसी उ
१३ तिर भाजी । ओर सारा कोमाकमें आवदी बीबनेर राज
१४ को के मंगखिक नातो समसा संसारमें छंटेरे कियो जानी
१५ ओर तद जेवडा कनी । नद ये जेवडाकरववा विनायोकी

- एक चरमजायामे उभाउा दिखसी कें श्रीकें प्रायदामें दावि
 १६ एक निमित्तियांसुं कयोगयोतें जरा भवेतें तो समझे । तद
 १७ ज्यो बजदाहमें तेतें उ परवसउपर भाग जाय । और ज्ये
 १८ मूंगडाउपरतें के जायका भूपासुं कुंही खेदमें नरें उपर
 १९ और ज्यो भोडामें तें उ जायका गामा खेदमें केर करे
 २० जाव । और उ विरियां जका वेठसुंते वा जको दुष जावेतें व. में
 २१ अक्षोस जसो । और जायका करो कें धर्मि भागडो
 २२ सीबाजमी विरियां वा जदीसवारतें न कें । जो स तद मोडो
 २३ जसो कें जितो संसारके पैलोसुं सवारवारें करेते
 २४ और विष कवे न जसो । और जके कें दिन घटता न
 २५ जावे तो कीसी मानसको उकार करे अरे लेर सरा
 २६ केसवेवेरे उ दिन घटतो कया जसो । तद जको कोरे
 २७ जमें कहे कें देख कहे खीटतें वा उठेते तो प्रतीच मतो
 २८ करे । जोस बुडा खीट वा बुडा निमित्तिया उठपी वा
 २९ मिठा कक वा अउेरो काम दिवाखसी मीसुं अर बखियाके
 ३० तो सराखानें भुजासी । देवो में कामे धर्मि दिवाखीजे
 ३१ और अकोरे कहे कें देव उ जोडमेंते तो बारबें मती वा
 ३२ देव उ कृपेडी नाममें ते तो प्रतीच मतो करी । जोस
 ३३ जियो पाबो पूरवसुं जावेतें वा यक्षिमवारें जानयो करेते
 ३४ तियो कीके डावडीको जावके जसो । जोस बठें मुडदा
 ३५ तें उ गी सेबा जसो ।
 ३६ वा दिनयते भठ सूरज संवारी जखसी वा पारी अरय
 ३७ की पानयो बदेसी वा वारा जाकामसुं पडसो वा करे
 ३८ की पिय हिलारें जसो । और तद आदमीका डावडी
 ३९ वा उदर आकामसुं चोबें जसो और तद संहारका
 ४० सगला कुष जोग करसी वा पौचसुं वा मोटातेअसुं
 ४१ धान्याके ममें जाबवाखर आदम्याके डावडीने जाता
 ४२ देखसी और उ जायके बसवारके नांसाका बडा बुडासुं

मिहसी वा आपका सराफकाने चोवावाछुं बनेवे वय छेव
सुं दूजोसीववाहं मिजा करसी ।

- १५ ईसुं अंजीरको एक घरको भयो बढ उंचा छको गोक
१६ तेना प्रानि बाहेते तद ये प्रकियोने के गरमी नैहो कर्ने
- १७ ते इउविचारैपिब बढ छे सगका देखेने तद जाबजो
- १८ वे उ नैहोते विवाडाकनेपिब । अं घाने सच बउं
- १९ के छे सगका पूरा बडाकारे न के यडाकारे वा ठोगाति
- २० जेवहो नकसी । कर्म वा घरनी जायो छेर नारी बच
- २१ बजानी । छेर उ दिन का उं जठोकी त्रियस कोहं जाके नो
- २२ कर्मका बचकारपिब बहो । छेर बखी नारी काने
- २३ कर्नेते छेर नूबे दिनेने निखोते तियो आदम्याने
- २४ कर्मकाको बचको मडसी कोस पालीका बचकके येवी जने
- २५ दिन वां दिनेने त्रियस आदमी यस्ता वा मोला क घरक
- २६ का वा बदरवडाता वा नीं दिन नूब आजने ययो न बलम
- २७ कायो वा वा सगकाने बुवाया उं दिनकारे वा त्रियो
- २८ कर्मको विद्यापिब आदम्य के बचकारके आवहो कसी ।
- २९ तद दोव लोग खेतमे रेसी एक कर्मको जसी वा दूजो
- ३० जेयोवासी । देखो घरकासुं पीसवा रेसी एक ची
- ३१ जाची वा दूजोदानी जानी । ईसुं चोवी यो कोस ये
- ३२ जायोने के नीं बडी योने बडी कासी । छेर का जायो के
- ३३ घर भूवाकी बडी जानको के भीपर छेर कासी से उ
- ३४ चोवी देतो वा आपने भूमी मायो जायो न देतो । ईसुं
- ३५ ये विद्याकार को कोस ये जीवडी कर्मका न रहेने
- ३६ आपम्याका डावडा कासी । तद वे पारीयो वा ग्यावी
- ३७ दिवाव बुब ते के भोने उंको धनी आपका सगका भूप
- ३८ उपर ठीक मुखने घाने खरिब देवनेरे राबसी । उ बरको
- ३९ बचते के भीने बयो आपर इसा बरसा यासी । साच अं
- ४० घके कर्नेते के उ आपका सगको मावाउपर उने राबसी ।
- ४१ छेर घर उ मोहोबडयो आपका मनने के नारी बडी

- १६ आँखकी छील करेउ । वा आयका भैरवी चढ्यानें मारबनें
 १० वा मछीनां भेडो खाइपिब जागो । तो यी दिन उ बढी
 बाढ देवेउ वा भीषडी उ बढेनेउ उंहीनेवा उ चढ्या
 ५५ को धडो आसी वा उनें बाठनाइसी कोर उनी यात्री
 खबरपटी भेवी करसी उठे टापबो वा कपोसीको घोसबो
 जसी ।

- २५ यथोसमा यात्रा ।—सदं जर्मको राज दम बडांखा
 इयो जसो के थां आयको दीयो खेर बीद भेवी मित्रक
 १ के गरे । खेर वामे पांच सांखी जी वा पांच शिवाकुली
 १ जी । शिवाकुलीं आयका दीवा खेर आयके साँके तेज
 १ न खीने । खेर यांखा आयका ठीवनें आयका दीवा भेवी
 ५ तेज खीने । बीदको छील शोखसूं सगखी उंचबखामि वा
 ६ जुतो । दोपोरी रासको कुफा जवे के देवी बीद यात्रेनें
 ७ उनें भेवी मित्रकनें जाबो । तो के सगखी बडांखा उठो
 ८ वा आयका दीवा सख्या । खेर शिवाकुलीं सांखाके कयो
 के घोका तेजसूं नदिनें छेको घो कीस नुका दीवा बंदग्य ।
 ९ सांखां का खेर उचबो दीना के इयो गरे काजाखां यात्रि
 वा यात्रो बस गरे के खेर उंचुं घोवा के के चढवांखाकेनें जावे ।
 १० वा आयके वेई मोल खो । के मोलखेबनें गवापनें बीद आया
 खेर जवे खारजी के उनें भेवी बंवरिभूपाके मांय बडी
 ११ वा मलसो जयो । उंचनें दूनी बडांखापिब खार वा
 १२ जोको के हे धवी के धवी नाबेवेई मलसो उधाड । उ
 उचबो देर कबो के खं घामे साच कउनु के खं घामे नजा
 १३ बुनु । इंसू चाकी राघो कोस जी दिन वा भी बडो
 कादर्याका ठांखा आसी उ छे न जाबो ने ।
 १४ कांस खर्गको राज परदेजजांखाका विधीं होम इयो
 ने के जी आयका घडसामि बुलाब वा आयको माया वाके

- ११ मखायो । वा एक खोममें पांच ताखंत दीनी वा दूजामें
 दोस वा दूजा एकमें एक कुजखोर आदर्यामें उकी पांच
 १२ माकस दीनी वा मठ चाखोगयो । उधमें जी पांच ताखंत
 चाधी उं उंसु विखनकी करो वा दूजीपांच ताखंत नपेकी
 १३ नी । तिया जी दोस चाधी नी उं दूजी दोस नपेकीनी ।
 १४ खेर जी एक चाधी उं जावर घुड घोदी वा जायका खकी
 १५ की माया खुकारे । मोकला दिना यते उं घडखाको खकी
 १६ आया वा वार्के भेखो खेयो कयो । खेर जी पांच ताखंत पाई
 नी उं खेर पांच ताखंत ख्यायो क कधी के हे खकी ते मने
 पांच ताखंत मखारें देव में वामें दूजीपांच ताखंत नपेकी
 १७ नी । उके खकी उने कयो के घोधा हि खाना वा मसीनी घडखा
 ते घोडाउपर विखासी खकी अं मोकलाउपर तके निखे
 १८ करखुं जायका खकीके खमेमें घस । खेर जी दोस ताखंत
 पाईनी उं जावर कधी के हे खकी ते मने दोस ताखंत
 १९ मखारें देव वामें मै दूजीदोस ताखंत नपेकीनी । उके
 खकी उने कयो के घोधा के खाना वा विखासी घडखा ते
 घोडाउपर विखासी नी अं मोकलाउपर तके निखे करखुं
 २० जायका खकीके खमेमें घस । खेर जी एक ताखंत चाधी
 नी उंविख जावर कधी के हे खकीमें माखो के वूं करडे
 खोम में अठे नरं बायो उठे बाठेने वा अठे नरं विखेया
 २१ उठे वूं भेखा करेने । इंभूं अं नीजे वा जावर घारहे ता
 २२ खंत घुडमें खुकारे उठे देस घारो सागीने । उके खकी उध
 को देर उने कयो के हे मोठा वा मभुखघडखा ते जाखो के
 अठेमें नरं बायो उठे बाठुंगूं वा अठे नरं पिंहाया उठे भेखो
 २३ करदंगूं । तद न्दारी माया खेरामें खरकी तनें ठीक नी ते
 २४ जावर अं जायकी सागो जाजसुधी जायती । इंकारख उंभूं
 २५ उं ताखंत के वा जीकी दस ताखंत नी उने दे । खोस जी पांच

- जीको उँ उनेँ देवो जाको वा उँको मोवकी जकी खेर
 जीको नउँ उँको जको उँ उँपिख उँसुँ लोको पडकी । और
 १० निर्वना घडधाने वारयाका बंधारामे घटको कँ मठे रोवखा
 वा बचीमीको पीसखो ऊको ।
- ११ तद आदमीका डावडा आयका प्रतापने अमी वा सगखा
 धर्म हलकारा उँके भेका तद उँ आयका प्रसायका तबव
 १२ उपर बँदकी । वा सगखा योत्थाने उँके समो भजे कयो
 जाको और जियो दखालो मिफान वा बकरोथाने न्यारो
 १३ करेँ तियो एक दूजासुँ न्यारो करकी । और गडरा
 १४ ने जीवखो राखकी वा बकरियाँने डावी । तद राजा अय
 का जीवबांवालाँने कँसी कँ हे न्हारा बाभसुँ धन्य जखे
 राज दुनीयाकी विसायतकरखसुँ घकँवेद त्यार काखाँने
 १५ उँ राजको कोठारीपखो करो । को स ऊँ भूवेणे वा अ
 बांवखनेँ द्रोयो ऊँ तिसयो ने वा घेँ मनेँ पाखो ऊँ परदेकी
 १६ ने । वा न्हारी मनवार करी ऊँ जागेने वा अ याभ
 पैराया ऊँ माँदेणे वा घेँ मनेँ देवखनेँ आया वा ऊँ भाक
 १७ जीमेणे वा घेँ न रेकनेँ आया । तद सोद आ कर उघखो
 १८ देसो कँ हे भगवान ने तनेँ कद भूजे देव्यो वा मनवार क
 अथवा तिसयो वा पायो अथवा कद तनेँ परदेकी देव्यो वा
 १९ मनवार करी अथवा जायो वा कपडाँ पँराया । अथवा कद
 तनेँ माँदे अथवा भाकनीमेँ देव्यो वा धारेँ नेहा आया ।
 २० और राजा उनेँ उघखो देर कँसो कँ ऊँ धानेँ साब ककंनुँ
 कँ घेँ न्हारा सगजासुँ नाँना भाईकेँ हक लोगनेँ को कयो
 २१ हंसुँ घेँ न्हारेँ सायदामेँ कयो । तद पिख डावात्राखनेँ कँसी
 कँ हे फिटकारी घेँ न्हारा कतासुँ अनंती वासदेमेँ जावो कँ
 २२ जको मोडो वा उँके हलकारावेई त्यार कायागयाँने । कोस
 ऊँ भूवेणे वा घेँ बांवखनेँ नई दीने ऊँ तिसयो ने वा घेँ
 २३ जीवखनेँ वईदिने । ऊँ परदेकी ने वा घेँ न्हारी मिजवात्रि

७३ नई करी नागडो जे वा घे मने गामा न पौराया मादो वा
 ७४ भाकसीमे जे वा घे मने देवलेने नई खाया । तद वापिण्य का
 ७५ कथा कपरी उने उचलो दीदी के छे भगवान् ने तने भूवा
 ७६ अथवा तिसाथो अथवा परदेनी अथवा नागडो अथवा मादो
 ७७ अथवा भाकसीमे कद देवपरो धारी पाकरी नई करी ।
 ७८ तद उवने उचलो देर कसी के छे घने साच कऊने के छे
 ७९ का नांका एक लेगेने का नकरी इकारण मनेपिब न
 ८० कयो । और के अनंत दंडमे जासी केर सिद्ध अनंत
 ८१ जीवनमे जासी ।

२६ नईसमे यागो।— और इमो जे के जद यिजु
 २७ के संगली कथा परवायो तद आपका चेलने कयो छे जाओ
 २८ जे के दोय दिनपने पेशाख ऊसी और आदम्याका डायडा
 २९ कान्तर उपर मारकाषणवेई तो तसु का डाय जासी । तद बडा
 ३० प्रोहित वा उपाध्याय वा लोगके पुराथो कायाफा नाववासी
 ३१ बडा प्रोहितके तिवारामे भेला ऊवा । और मनसोने कयो
 ३२ के यिजुने जेतु अपदा वा उने मरनाया । और वा
 ३३ कयो के तिवारके दिन नई काजाया आदम्याके विषमे
 ३४ नयो के ।

३५ यिजु विसानिधामे सोसन कोलीका भूपामे देखसु एक
 ३६ रंड कर्मीको बने कोमत लेसु बेही एक धोकाभाठाको
 ३७ डवो जे उकने काई और बठणकी विरिया उका माघा
 ३८ उपर कणी । और उका जिला देवर रोसमे कयर कयो
 ३९ के सो बिगाड कबिई जे । कोस उ लेख मोकसी कोमत
 ४० मे विकतो वा भाजणने दीना जातो । केर यिजु जाब
 ४१ परो वने कयो के रंडने का दुख घोडा कोस उ नारे
 ४२ उपर चोषो काम कयो । कोस भाजणा रोजीना धामे जे
 ४३ केर कं रोजीना धामे ननु । कोस उ बी लेख नारा डोख

- १३ उपर कुरुर मने धारसें देवकी विरिवादेई कयो। जं धाने साय कज्जुं के के मंगलीकनायां सारा संचारने जठे छंटे-
रो कयो। भासी उठे इं दंठ कयो कयो उचिब उंका बाद मेई कयो नासा ।
- १४ तद वाराके विचमें एक लोग के जीको नाम यिऊदाइ
- १५ प्यारिदोठा बडापोहिताकेकने जायर कयो के मने कारे दिया चायेगे और जं उने धाके हाथमें कपडासूं और
- १६ वा उके भेला तोस दपिया चुकाय लीना । और उं विरियां वूं उं उने तोतसूं अपदखकोठाकयो छीत करी ।
- १७ और विगरवाटाको बाढोके पेंखडे दिव पेला विभुके पायर उने कयो के वूं कठे चावे उं के नै पेलाक जीमब
- १८ वेई धारिदेई धार करी । उं कयो के नगरमें हीमकाकने जाले वा उने कयो के बडाधवां चकवाले केने के नारी कमे नैहोने जं कापका पेलाभेजे धारा भूधामे पेलाख
- १९ करसूं और जीतरे विभु वाने कयोने विखो पेला
- २० कयो और पेलाख प्याइ करी । संजा पयापने उ काय
- २१ वा पेलाभेजे नैठो वा उने वाबकी विरियामे उं कयो के साय जं धाने कज्जुं के धाके एक लोग मने तोतसूं अप
- २२ हासी । और वा मोकको दुबीकर कुरकोई लोग उने
- २३ केवलगी के हे भगवान उ कारे जं । उं उधलो देर कयो जको धारे भेजे ठावमें हाथ डूबीवे उ तोतसूं मने सुंध
- २४ सी । आदस्थाके ठावडाके कायदामे जियो वियो मयो विखो उ जारने सही और जी लोगासूं आदजीका ठावडा अपडावा जीसी उने संसाय जसी धर उ आदमी
- २५ उपजतो गरी तोपब उको चोयो जतो । और बज्जदाइ तोतवाले उधलो देर उने कयो के हे मुदा उ कारे में उं उने कयो के वूं कहेने ।
- २६ धाके भेजे मोमकेकी विरियां विभु कयो और वा

कुत्रि करर सोढी वा चेलानिं दीनी वा कयो के ल्यो खाषी
 १७ को नारो डोळो । ओर वाटको लेर वा सुति करपरो आ
 १८ वेंर वनिं दीनी के से सगला इंसूं पोत्रो । कोस नवा सर
 तंतको नारो जोरं को के जको पाप गेइलवेर मोकली
 १९ के कारर धीबीयो आवने । लेर ऊं धनिं वउंउं जको
 अंबोरसूं पेदासकेने उंके कुंशी ऊं अवारसूं ओर नपीयुं के
 जी विनतोडी अद ऊं धनिं भेला आपका बाभाको राजमें
 २० उनें कयो नरं पोखूं । ओर तदन गन्नापनें के जेतानके पर
 २१ वसउपर निकल गया । तद यिमु वनिं कयो के इरात से
 सगला नारें फायदामें अटका जालो कोस लियोने के ऊं
 इकाजनिं मारखूं वा पाखाका गाडरा विवरविवर ऊंवा
 २२ सी लेर ऊं केरउकापनें धनिं अगाडी माविखीमें जायूं ।
 २३ पितर उचलो देर कयो के जके सगला धारें फायदामें
 २४ अटके तोपिख ऊं अदेरं नरं अटकयूं । यिमु उनें कयो के
 ऊं तनें साप कउंउं के इरातका कुकडा वाम देवके अगा
 २५ डी नूं तोनवार नारे फायदामें फिटकार करसो । पितर
 उनें कयो के जको धारेंभेजे मनें मरखी के तोपिख धारें
 फायदामें वरं फिटकार करयूं उसोइं सगला चेला कयो ।
 २६ तद यिमु वनिंभेला यक्ष आगा गयो कै जीको नांव गद्
 सिमानी ओर उं आपका चेलानिं कयो के जीविरियां ऊं
 २७ आवर उठे वाचना करं तदतोडी अठे बैठा । ओर पितर
 ने वा जेप्रदीके दोयडावडाने भेला लेपरा उ दुखी वा दल
 २८ मोर होषजागी । तद उं वनिं कयो के नारो आत्मा मरख
 खरीयो मोकलो दुखीने अठे रो वा नारें भेला जोको थो ।
 २९ ओर घोडे अजगो जायर उं धूलउपर माघो अटकायो वा
 आ कैर वाचना करी कै हे नारा बाभा अर के सके तो ओ
 वाटको नारेंसूं आय तोपिख ऊं जियो चाउंउं उ नही
 ३० लेर नूं जियो चलेने । ओर उ चेलाकनें आयो वा वनिं

- सुता देव्या वा पितरने कथो के के काई एकघडी पितृ गार
 ६१ भेला पोरो देण सख्या । पोरो दे वा याचना करो के के की
 ६२ मतमें न पडो मन धारणे सही खेर डोल दुबलो । दूजा
 वार उं जावर का कैर याचना करो के हे नारा बाभा मने
 उन पिबयविगर जको उ बाटको मस्तुं जाण व सक तो
 ६३ धारो मन के और उं धारणपरं वाने दूजिवार सुता देव्या
 ६४ कीस वको अर्या बेमं तनी और वाने गार दूजावार
 ६५ जावर उं तोजीवार वार कथा कैर याचना करो । उपणे
 उं आपका देलाके अर्य व ने कथो के वाणी नोद पु री
 करो वा चन करो देवो वा साथत आवेने और लोगका
 ६६ डाडा पायाके हाथमें तोतसुं अपडया जावे । उठो
 जाया देवो जको तोतसुं मने आपडासी उं नोदो ।
 ६७ उं केतोने इके वचने देवो वराको एक लोग यजदाह
 आयो वा उंके भेला मैटो जमात पाती ना डोग हाथमें के
 धरो बडाप्रेक्षिताकनासुं ना लोगके बडेराकनासुं आयो ।
 ६८ और उने तोतसुं अपडयावाला आ कर वाने सानो बताई
 ६९ के ऊं जीने वनसुं सो उं उने काठोकरर अपडो । और
 भोट उं यिन्नुके नडे अर्य कथो के हे गुरा वनया वा उने
 ७० चया । और यिन्नु उने कथो के हे लोगाया तू की आयो
 उं तद वा नडा अर्य यिन्नुउपरं हाथ चलायो वा उने
 ७१ अपडो । और देवो यिन्नुके भेजयके एक लोग हाथ
 पसारर आपकी पाती काठी वा बडाप्रेक्षिताके एक लोग
 ७२ उपर चलाह वा उलो कान काटनाया । तद यिन्नु
 उने कथो के आपकी पाती उको जगामे पोर राखी कीस
 ७३ पातीकेवला सगला पातीसुं माया जाती । तू काई सम
 ७४ के ऊं आवाह आपका बाभके याचना करके नसकुं
 और उं हलकारके वारे दलबलसुं बता वारेके मने
 ७५ सो । और तद घनेआसुं कीसीवरं पूरो कथो जाती के इभडे ।

१३. हाथो निखें ठे । उंइ बिरियां यिअु जमातनें कथो कें
 १४. शिखो चोर अपडहननें तिछो पातीसूं वा डांगसूं मनें
 १५. काई छे अपडहननें आया ठे ऊं सदा धांकनें देतरामे भूषा
 १६. वा बेटो ठे वा ये मनें न अपयो । छेर ओ सगलो कथो गथो
 १७. के निमितयाका काख पूरा कथ्या ज्ञासी तद पेका सगला
 १८. उनें ठेडर भागो ।

१९. तद यिअुके अपडहनवाला उनें कायाका नभे बडाभोदिस
 २०. कनें ख्याया के जठे उपाध्याय वा बडेरा भेजाण । छेर
 २१. पितर अलगो रेंर वाके पिआडो बडाभोदिसके भूषा
 २२. ताई गयो वा माश्रबडर ठेवठो देवहननें सडयाभेजा ठेठो ।

२३. छोर बडाभोदिसा वा बडेरा वा सगलि प्रपायति यिअुनें
 २४. मारनावाहननें उके वेरनें कुडासायदी सोज्या वा जलाधा ।

२५. नाकवा कुडासायदी आया सो प्रिय नई काथा सडो ठेवठे
 २६. दो कुडासायद्यां अयर कथो के इ कथो ठे के ऊं भगवानको
 २७. देवरो तोडहननें छोर तीव दिनमें उनें छेर बहाय सकुं ।

२८. छोर बडाभोदिसा उठर उनें कथो के तूं काई कुत्रि उच
 २९. को नदेवेनें के धारा बेरनें काई सायदी देवेनें छेर यिअु
 ३०. अनेन्यो रयो । छोर बडाभोदिस उचलो देर उनें कथो के

३१. ऊं जीवतो ईश्वरको नांव छेर तनें सुंस कटाउं के नभे
 ३२. के के तूं भगवानको डावठो खीछनें अपवा नई । यिअु उनें
 ३३. कथो के तूं केनें छोर ऊं धामे कउं के इपनें के कादम्याके
 ३४. कावडामे पोचनें जीवया बेटो वा आकादयो म्हेउपर आवतो

३५. देसयो वन बडाभोदिस आपके सिखगार फाडर कथो के
 ३६. उ उखंठाई करी सायदीयांको छोर काई मरजनें देसो

३७. अवे छे उंकी उखंठाई सखी । ये काई समझो ठे वा उच
 ३८. को देर कथो के ओ मारखजाणनें । तद वा उके मंडा
 ३९. इउ उयर शुको वा कुळो वा आ कै मरी छयेठो मायो के ई

४०. खोइ निमितियांको कथा के नीं वनें मायो उ कुंथ ठे ।

- ६८ शीरं पितरं नारसाधीमें नारखें बैठोने वा एक मौखीं
 उंरनें आई वा नरो के संपिख गाखिजीके विभु भेजो ने ।
 ६९ शीर उं आ कथा कैपरो सगजाके समो फिटकाखो के ऊं
 ७० नई नानुं के तूं जज्ञा कैने । उंपतें नरोवामें गजापतें
 दूजोएक उंनें देखो वा उठे रेंखवाखाने कयो के उपोख
 ७१ विभु नानरेके भेजोने । शीर दूजोवार उं संसकाछर
 ७२ फिटकाखो के ऊं उं आदमीने नानुं चोडीपतें उठे
 रेंखवाखा मेडा आयर पितरनें कयो के साथ तूं वानो एक
 ७३ जोग ते वा घारी मेखी तनें चोडे करेते । तद उं सराख
 देखनें वा संसकाछख जगो के ऊं उं आदमीने नानुं
 ७४ शीर उंहिविरियां कुकडं वांग दिनी । शीर पितर
 विभुको कथा यादकरी के जी उंनें कयो के कुकडाका
 वांगधीती तूं नारे फायदामें तीनवार फिटकार करयो
 शीर उं नारखें जाबर मेकलो रेयो ।

- २७ सत्ताईसमी यज्ञो ।—यभाय जवापतें सगख
 बडाभोहीता वा जोगाके बडेरा विभुनें नारवाकबनेई
 १ उंनें फायदामें जानावाती करी । वा उंनें वाघर के मवर
 २ वा यन्तोयस् पीजात् मनसोवीकनें अपडावो । उंनें
 नारनें आग्या जज्ञा दिनी गई यजदाह दगाधोर तद अर
 दिवपरी कुजा करपरा के तीस दसमासा बडाभोहिताके
 ३ वा बडेराके घाना दीना । वा कयो के नारे बीगरवामी
 शीरें संपखसूं माप कखो शीर वा कयो के उं नारके वांर तूं
 ४ उं देख । शीर उं उरपी देवरामें नगावर नीकल्या वा
 ५ जाबर आपनें कासी दीनी । शीर बडाभोहीता उं रूपो
 शीर कयो के उं नुरवारयके वीचमें देबो ठोन नही नीस उं
 ६ शीरको मेकते । शीर वा जानावाती करर परदेजोयाके
 ७ शीर देखनेई उंसूं कुंभारको खेव मोड खोने । इंसूं उंवेवको

१६ प्रांति यान्ताद्यं भोगं चो ज्ञेयं सखीरु तवेर । सखं निहंति त्वयि
की यां यत्रा यदसखी वे श्रीं वे श्रीं किं प्रकरसखीं उवडा
प्रायः उंति महीतोरिणस उ श्रीं प्रकृत्या वे श्रीं वा ।
१७ न सिद्धेन विदुषः सखे प्रकृत्या दीक्षी विदुः सुभारणः वे ल
वेई वेनि ।

१८ चोर विदुः मन्तिवने समी कृतिः जी वा मन्तिवणं
का क्या वेर उने मणी वे वे श्रीं यकरिद्विशा हाहा उे

१९ विदुः उने कषो वे व वेने । चोर यदापि विदुः वा

२० वेदोदात्तं यद्यप्यो डवर उं श्रीं उषयो न हीने । सखे
वीकात् उने कषो वे व श्रीं सखे वे वे वे श्रीं साखे

२१ कां चोर वेरमे देवेने । चोर उं व व वेयेपि उने
उडकि व श्रीं उषः मन्तिवणं मेस्वका सखेरु जाका १

२२ उं विदुः मे श्रीं श्रीं मे श्रीं यदा सखं श्रीं वा मे श्रीं

२३ यदा सखे मन्तिवणं मन्तिवणं यदा श्रीं उं । श्रीं विदुः
वा श्रीं व मे श्रीं वा मन्तिवणं मन्तिवणं श्रीं श्रीं वा व

२४ प्रायः । श्रीं मेका ज्ञेयं साक्षात् श्रीं वा श्रीं उने कषो वे
श्रीं मन्तिवणं श्रीं श्रीं मन्तिवणं मन्तिवणं श्रीं श्रीं

२५ श्रीं वा श्रीं श्रीं श्रीं उं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं
मन्तिवणं ।

२६ उ मन्तिवणं मन्तिवणं मन्तिवणं उं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं
वा श्रीं मन्तिवणं श्रीं श्रीं उं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं

२७ श्रीं श्रीं मन्तिवणं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं

२८ श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं

२९ श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं

३० श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं

- २३ उनी कयो के उ हलवाबीउपर मायो जाय । ओर मन कोबा कयो के उ मादे दिस कयोके छेर वा बत्त बेला
- २४ कयस के उ हलवाबीउपर मायो जाय । अर प्रोकात् देखेर के प्राप खुबि करबे न सको पब बेतो के उ तद पाबी छेर जमात सोमो प्रापको प्राथ घोबर कयो के के उ
- २५ सीवका केरकेर फाकदामे निमरधामी तुं धे देवो । ओर समयालोगां उपबो देर कयो के उको खुब नाबेउपर वा काका डावडीउपर के ।
- २६ तद उ वाकने बारबाके ओओ ओर यिमुने कामयो
- २७ गारर हलवाबीउपर मारवायबने जयदायो । तद मनसोष के सिजेदारी यिमुने बारसाबीमे छेर समकी कोल
- २८ ने उकेरने मेकी करो । ओर उका गभा खोखर राते
- २९ बबाव पेराके ओर भीडाराकी एक ठोपो बबावर उका माकाउपर मेकी ओर उके नीबबाहयमे एक भुमकी
- ३० कोकी ओर उके साका गकोका केठर वा केर उकी मसक
- ३१ करो करो के के निमिदिवाका राजा बनवा । ओर उके
- ३२ उपर खुब वा भुमकीने छेर उका माघामे हीनो । ओर उकी मोरकरर ब बबाव उके खोखो वा उका प्रापका गभा
- ३३ पेरासा वा हलवाबीउपर मारखवेद उने ले गया । ता निमलर सोमव किरेकीने बाओ वा उके नेगर अपओ
- ३४ के उ उकी हलवाबी उपबे । ओर नी जागाके प्राव
- ३५ मलमता के वा खपरे बाकी प्राजा उ जागा पेचर वा ओखवेद पितसु निमिदिवाके उने हीने ओर उ काषर
- ३६ हीया नवायो । वा उने हलवाबीउपर देरर मेकोवाड करर उका माभाके पति करो के निमिदिवाकी वा कथा परोकरी जाय के वा नारी बाबाव प्रापके विचमे पाओ
- ३७ वा नारा गभावेद मेकोवाड करो । ओर उके केठर वा
- ३८ उकी पोकी दीनो । ओर उके साघाके उपरबी हलवाबीउपर

वा उके देवावको सोल्यो चोको के उ विजदिवीको राजा
 १८ विजुते । तद उके भेजा दीव चौर हलवाकोउपरं माया
 १९ गवा रकबको जीवको वा दूजे डयो । चौर उ जाग
 जाबवाका चापको माघो धूबता चा कथा केर उको गोरे
 २० करी । के हे देवराने भाजबवाका वा वीवदिनने उने
 उपाडबवाको चापने उबार कर तू अर भगवानको
 २१ डावो ते तो हलवाकोसु उतर । उहेतरे बडाभाहिवा
 वा कातविवा बडेरा भेको गोरे करर कयो के उ चौरा
 २२ कोमाको उबार कयो चापको उबारकरके व सकेते उ
 अर विमरादेको राजा के तो अबाव हलवाकोसु उतर
 २३ का के उसु प्रतीत करयो । उ भगवानउपर यातवार कयो
 उ अर उने चावे तो अवे उने गेहे कोस उ कयो के ज
 २४ रेकरको डावो नू । चौर जको चौर उके भेजा हलवाको
 २५ उपरं माया जावाजा वा उका गोरे करी । चौर दोपारासु
 २६ कीजापारविाडो संगधा देखने चिचारी गी । चौर तीव
 पोहकोपका विजुमोटा देखासु चा केर बुलायो के रविरे
 २७ जामा सवाकृतनी उको तव को ते के हे चारा भगवान हे
 २८ चारा भगवान को भजे गेयो । उहे रेबवाकाके चौर
 २९ चादमी सुबर कयो के उ रविवाहेने बुलावे ते । चौर
 वामावसु रकबको दाडर वा सिरकासु बाहर एक अंग
 ३० छेद एक भुंगकीने माघाउपर बाधर उने पोबयने दोनो ।
 ३१ दूजी कयो के हे देवका के रविवाह उने उबार करयवेहे
 कासी जा नर ।
 ३२ चौर विजु दूजीवार मोटी बुको करर बोलायर जीव
 ३३ दीयो । चौर देवो देवराको पठदो उपरासु बोचामोडी
 ३४ काठ गयो वा अरतो बुजी वा परवत फाटा । वा चौर
 बुलागरे चौर सुधबवाका पुन्यवतिका मोकवा डोष उप
 ३५ था । वा उके चौर उठबकेपते चाप चौरासु नोकल्या वा
 ३६ विनेकनगरने गया वा मोकवासु देवीका । तद उ सो

१३३. लीक्यापीको लिबेदर वा उके मेवा लिबुउपर योरो देह
 बाबा बंदरो सुनयो वा जके बयनेटा वैपिय देहद मेकक
 १३४. वीहर कयो के उ ठोक भमवांनको हावहीने। चोर मेककी
 लुगोवापिय अचगासू देखबने उभोठी दे मखिबिसुं थिबु
 १३५. के पिगठो १ गदे वा उकी यकरो कसी। बाके विधाने
 मारिया मान्दखिनी वा यकाकुबली वा योलीको माउ मादि
 वा नेवदीके हावडाको माउ।

१३६. संजा यकापडे कारिमासेवाको देह मावासीबहोग कावे
 १३७. के जोको नव युसपडे अपिब थिबुयो चेबा न। उ योकाप
 कने बसद थिबुयो ठोक सायो सर योकाप उने उदेबने
 १३८. चर्या दीनी। चोर युसक उ ठोक वेद बाब गामासू कने
 १३९. ली वा चारको नवे चोरने राखो के जका मोहावा खानने
 कोदी गदने वा मोहोसाठी चोरकर मंकेउपर सुभरजयो
 १४०. मारिमा मान्दखिनी वा दूजीसारीवा चोरने यमाडी वेंठीने १
 १४१. दूजेदिन के बयो चारोकेपडे राज बयो गेदिय वा कारि
 १४२. जिनी योकातकने चावर कयो के हे बयो के काद कराने
 के उ भुकावयेकाके जोषयेनीनेका कयो के तीर रिजपडे जं
 १४३. चोर उठयूं। इतं तीजेदिनयोडी चोरको योरोदेहकी
 चोरने वद कांमावा उका चेबा चावपरा उने रावप
 चोरो बंदर केबाव वा चोराने के उ मुंडासू उठियो वा
 १४४. येइकी भुल्यो वेंकडासू नीठा के। योकात वाने कयो के
 योका चोरिया उं जोगे जिनी योके लेखे योरो थो।
 १४५. चोर के अयपरा भाठउपर जोग देर वा योरो देहद
 चोरको निषेवाकी करी।

१४६. चोठेदिनको पांगो।—अदितवारकेपडे प्रमाले केउ
 चंमने वेंकडे दिव जद चानेको होखे जोगे तद मारिवा
 के मारिवाको वा दूजीमारिवा चोरने देखबने चोरे। चोर

६३. मोक्षोपहातीयुक्तकोशकर्म कौशलं देवदत्तान् इत्यन्तरेण कर्म
सुं उक्तः प्राक्सः कस्मिंस्तुं कर्मो येषां का उक्ते उग्ररं वेता ।
६४. उक्तं प्राक्सः नीजकसारं त्रिदोषं का उक्तेः कर्मो येषां का उक्तेः उग्ररं वेता ।
६५. ये येनो वेतं । उक्तं नीजस्तुं योराणां कर्मो वा मुददां
६६. कर्मो वा कर्मो । योराण इत्यन्तरेण उक्तेः देवः शीघ्रमेव कर्मो
के मनीषीयो कौशलं कर्मोस्तुं के वे इत्यन्तरेण उपरं मन्त्रोः
६७. यो विष्णुने सोमो जे । उक्ते कर्मो कौशल उक्तेः वे वे उ
६८. त्रिदोषं कर्मो कर्मो यीभाना प्रभु सवेने सो देवो । योरा
वेना प्रावर उक्ता चेकामे कर्मो वे उ मुददास्तुं उक्तेः वेने
देवो उ यामे अगाठी माविदितमे कर्मो उक्ते उक्ते देवयो
६९. देवो जे यामे कर्मो । योरा वे मवस्तुं वा मोठी रासोस्तुं योरा
७०. वे कर्मोस्तुं वेना गया वा उक्ते चेकामे कर्मो देवदेवदेव देवो ।
जे उक्ता चेकामे कर्मो देवदेवदेव देवो जे वे विष्णे देवो विष्णु
यामे मेवे मिदर कर्मो वे कर्मो वा नेने प्रावर उक्ता यग
७१. अगण वा उक्ते पूजा कर्मो । तव विष्णु यामे कर्मो वे मती
कोठी कर्मो यामे मायामे कर्मो यो वे जे माविदितमे कर्मो
उक्ते मने देवयो ।
७२. यामे माविदितमे देवो वेदे२ योराणां कर्मो प्रावर
७३. कर्मो कर्मो उ कर्मो विदितमे कर्मो । योरा वा मेवा
योराण पुराविदितमे कर्मो कर्मो मोक्षका इत्यन्तरेण सिद्धे
७४. दारामे देव कर्मो । वेवे कर्मो के रासका यीनेका ने कर्मो
७५. जे उक्ते उक्ता चेका प्रावर उक्ते योराण वे कर्मो । योरा
कर्मो वा कर्मो मवतोः कर्मो कर्मो जे जे उक्ते कर्मो
७६. वा यामे योवीतदे देवयो । योरा वा इत्यन्तरेण योरा विद्या
सिद्धावाक्या तोया कर्मो योरा कर्मो वा कर्मो विदित
दिवावे विदितमे कर्मो कर्मो ।
७७. योरा इत्यन्तरेण वेना माविदितमे कर्मो योरा कर्मो कर्मो वे
७८. कर्मो विष्णु विदितमे कर्मो कर्मो । योरा वा उक्ते देवयो

- १८ भजन कयो खेर वींयो२ उत्सवास कयो । खेर विनु बंडो
 खायर आ कथा बेंर वरिं कयो बें बर्गमें वा संसारमें सगली
 १९ घोष समें अजाई गईं हैं । हंसू जावपरा बाभो वा डावडा
 वा धर्माभावा नावसूं सगला मोखानें कुबो दिराधपरो वा
 अं अके-धानें आग्या करी वें सगली पावबनें भवावर
 २० चेजा करो । खेर देषो अं रोभीवा दुनियाके उवडातारि
 घाबें भेजे नूं । अतिमम् ।

मंगलिक वातां मार्क रचित ।

१ पैला पानि

- भगवानको डावडी यिमुखीउ जीकि मंगलिक वाताकी
२ पैला बो घो । कैजीमयो नीमिवाकि पोथिमें लोपयोने के
द्वेषे ऊं आयका दलकारने घारे अमि मेनुनु के जको
३ घारे आमो घारे मारग घार करनि । जोडमें हेला
करवाला एक बीगकी बोल घोने के भगवानको मारग
४ घार करी उका मारगने सुषो करो । जोडमें योहनने
हुनि दिराईउ और पाप गुडावखवेइ मनघेरखेकि हुनि
५ प्रमट करि । तद उकेवने यिऊदा देमका मगला योग
और यिबभाजमका पिब बारखे गया और आयका पाप
६ घारे करवाकरता यरदन नदिमें योहनता हुनि दिराई
गइ । योहन छठके केजाका कपडा पेया घका और
उके कडमें यिब भायजाको कमरनघो बंधोगयो और उं
७ टोडियाने और जोडकि जेत घाई । और उं छठेरो
करर कबो के नारे पीनाडी नाराजु पीचवाला एक कोग
आवेने कै जीका मेजाडको कुंटे ऊं नीधो जयर खे
८ लबधोग्यमनुं । ऊं घाने पाखिमें हुनिदिराउनुं अहि
केर उथाने बमोआजुं हुनि दौराजि ।
९ उदोरोयां इखोने के यिमु गाखिखिके नाजरेतनुं
१० आयो और योहननुं यदममें हुनि दिराई ऊई । तद
उं पाखिनुं उपर आयर करन पुलि और भगवानके
११ आत्मा अपके उपर कनुतरजीयो उतरतो देषयो । तद

- एक बोल आकाशम् मुखो गयो कं तूं न्हारो वाजोडाव
 १२ डो चै कं जीकै उपर न्हारो मोटो राजिप्रयोत्तै । और
 उवेला आत्मा उने जोडमें लेगयो और उ चाक्षिभ दिन
 १३ उठै जोडमें मोडामुं अजमायो और जोडकै जिवाकेभेलो
 ठे और हलकारां उकि सेवा करि ।
 १४ यो हननें रोक्करीयां पत्तै यिमुं ईअरका राजका मंगलिक
 १५ वार्ता छटेरो फेरताफेरता और वीरीयां पूरिऊई वा
 भगवांनको राज भेडोहै ईवेई बवमोड वा मंगलिक वातामें
 इतबार करो आ कथा कैताकैता मंगलिकमें आया ।
 १६ उके पीठे गालिके दरीयावके नेंडे यिमुं जातीजातां
 मिनम और उका भाई आंजुनें दरियावमें फाम-नाधमो
 १७ देवो कौम वै धिवर हा । और यिमुं वाने कयो कं
 न्हारे पीठडि म्पर और ऊं तनें आकसिको अपडववाको
 १८ करयुं । तन वै भठ आयको फाम-गेडयरो उका
 १९ पीठडि गया और उं जागसुं घोडा अलग जावर जेव
 दिको डावडो याअकूड और उका भाई योहन्नें देव वै
 २० पिण जालकि मांतर नावउपर करता हा । तद यिमुं
 भठ वाने बुलाया और वै आपको वाभो जेवदीका घडसां
 भेलो नावमें गेडर उंनें पीठडि गया ।
 २१ और वै कफरनखममें गया तद यिमुं आवता दीबमें
 २२ मिनगगके वीचमें भठ जावर भयायो और लोग उंके
 भयावणम् वीममय ऊआ कौम उं पोषवाले मरिषा वां
 २३ आदम्भाने भयाया वा कातनिजिष्या नहिं उंवीरियां वंके
 मिनगगमें भूतलागोडो एक आदमि ह्ये और उं मेकला
 २४ हिलाकर कयो के जाखदे जे नाजरेतके यिमुं धारे न्हामुं
 काई कामठे काई तुं न्हारो घोअगमाववनें आयोहै कं
 तनें जांयूं कं तूं कुणठे तूं भगवांनको धरममूरत हं ।
 २५ तद यिमुं उंनें विहायर कयो कं बोल्यो रं और उंनुं

- २६ करिबै आग्या और भूस उने फाडर मोटा देलाकर उने
 २७ काबो और सारा लोगाने अठेरो ऊवे और आपके आपके
 वीचाले पूर बोल्या के उ काई उ उ कुण नवावधानीकले
 कौन पौचनु उ भूताने आग्या देवे और वे उने माने ।
 २८ तद वेगो उको नाव गालिके चारांकानि वीघीयात ऊवे
 २९ उ बीरीयां वे अिनगगनु नोकलर योजकुब और योहनके
 ३० भेला अिनम और आमुके भूपामे गया । तिर अिनमकि
 आमु तावनु मादि ऊयर मूति हि उके पडे वा उके वात उने
 ३१ कबि और उ उके आयर उको हाथ अपड उने उठाई
 तद ताव उने भाट डेडे और उ वांकि सेवा करि ।
 ३२ उ पडे अिमियाकिवोरीयां अरज आघमवे वा अगला
 ३३ रोगखानि और भूतलागोडाने उकने लाया और नगरका
 अगला लोग बारखाकने भेला ऊवा । और उं मेकला
 ३४ रोगानुमादाने ताजा करिय और भेकला भूताने लुडा
 या और भूताने कैय न दिना कौन वा उने ओलघीयो ।
 ३५ और दिन न उगामे वडि परभात उठर उ बारखे जायर
 ३६ जोडजागामे गयो वा उठे जाचना करि और अिनम वा अके
 ३७ उके भेलाग वे उके दीडाडि गया और उने लाधर
 ३८ कये अगला लोग तने भेले । तद उं वाने कयो के
 ३९ न्ह नैडाडा गांवमे जवां के ऊं उठेपोख छठेरो भेरी
 कौन हंवेई ऊं आयोनु और उं अगलि गालिके वांके
 अिनगगामे छठेरो पोरौयो और भूताने लुडाया ।
 ४० तद एक कोछिये विनति करपरि उके नैडा आयर वा
 दोनुगुडोलीयां बैठर बोलीया के अर धारो मन हवे
 सो मने नीरमलो कर अके उने तद यिनु छपाकर हाथ
 ४१ पमार । और उने भिटर कयो के न्हारो मनवे तू
 ४२ नीरमलो हवे और उके कयानु भाट उको कोठ गया
 ४३ और नीरमलो ऊवे । तद यिनु उने आग्य दि वेगो

- ७९ विदा कियो और उने कयो के चोकरन काने कहे मवि.
के लेर जा पुरोहितके आघने दीखाय और मोनह
वाकने आयदिवेई बके आगिया करि ओ ताजे होखको
८५ दान कर । और उं बारखे जाबर घोषीयात करखने
और वा कथा चोडेकरख लागे इंसु यिमु प्रगटमु नगरके
वीचमसु और जाय नमकियो और बारखे ओडमें रयो
और नगलि क'निमु लोग उंकरने आया ।

- २ दूजे यानि ।—और कित्ताकदिना पडे यिमु कक
रनघमके वीचने गयो और चोडे ऊवो के उ भूपामे ठे ।
३ तद वेगा मोकला लोग भेला ऊवा के जीनु फलभाके
पिय नैठा आवबकि जागा नलि और उं वाकने भगवा
३ नकि कथा चोडे करि । तद वां उंकरने एर अरधंगि
४ लोगने लाया के जको चार माखनांमु उपाडे ऊवो ।
और जद जमातवेई उंकरनेडा आंख न नकिया तद जी
भूपामे उ ठे उं भूपको डागलो भाजि और उ भांजर उ
मांघो उतारीयो के जीउपर उ अरधंगि भूतो ठे ।
५ तद यिमु वांको भरोओ देवर अरधंगिने कयो के हे
६ डावडा थारो पाप गुटे । उवेला कोताक कातनि
नेठाहा और मनमें वोचारता हा के ओ कं उठंठाई कथा
७ कडे भगवानविगर कुछ पाप ठेड भकेडे । तद वे
८ आपके वीचमें इओ वोचारता हा यिमु मनमें वा जाख
९ परे वाने भट कयो कुं ओ नगला आघके मनमें दीच
१० रो हो । अरधंगिने आ केखि के थारा पाप तेसु गुटा
वा उठ आपको मांघो उपाड और चाल यां देयामिं कुछ
११ ओरोडे । और आदमिके डावडाने धरति उपर पाप
ठेडबकि पांच जका ठे ये आ जाखवेई यिमु अरधंगिने
कयो के तने ऊं कउ ठे के उठ आपको मांघो उठाय वा

- १२ आयके भुंघडामें जा । तद उ भाट उठो और मांधो
उपाहर मगलके आगे बारखें गयो इन्नुं मगला जो
गानें अठेरो अबो और भगवांनकि चरावणिकर कयो रें
हे इतरें कदेईपियं न देयो ।
- १३ और यिन्नु फोर दरीयावके नेंडो नीकलर गयो और
मगलजमाथ उंके नेंडि आई वा उं उंके भणायो ।
- १४ आतां उं खलफके डावडें लेबोने मंडिमें बेंठोयको देयो
और उंके कबी के हारे पिन्नाडि आ और उ उठर उंके
- १५ पिन्नाडि गयो । और इमो ऊवो के अद यिन्नु उंके भुंघामें
बेंठो तद मोकला जगति और पापिलोग यिन्नुके भेला और
उंके चेलानके बेंठा कुंम वें मोकला हा और उंके पीन्नाडि
- १६ गया । तद उपाध्याय वा फारमि उंके जगति वा पापि
यांभेला जिमतो देघर उंके चेलाने कयो के कुं जगति
- १७ और पापियाके भेला जिमें और पिंवेने । तद यिन्नु मुणर
वांके कयो के अके तागहें वाने वेदकि बांही गरअ नधिं
पालि अके मांदाहें मनमोडख वेई ऊं आदक आदमियाने
- १८ बुलावणमें न आयोनुं पीण पापियाने । और योहनके
और फारमियाके भेला पीण पोषध करता हा उंवेइ वां
आयर उंके कयो के योहनके और फारमियाके भेला कुं
- १९ पोषध करेने और धारा भेला नकरेने । तद यिन्नु वंके
कयो के अठातोडि वीद वानेकन रेने सठातोडि वीदके
- २० भेलापि कंई पोषध कर अकेने । और दीन आवेने के
यामें वीद वाने भेलांनु लोगयो जाति तद वां दीनामें वें
- २१ पोषध करति । और हरगा कोई नवा गाभाति
कारि बोदावखावमें नरेवेने अर देवे तो कारि बोदागाभानें
- २२ फाईने और उ वसो वीठा कैने । कोई बोदाकूडामें
नवि दाषको रन नई रावेने अको राखेंतो नवोरन कूडामें
फाईने और रअपीण पडति और कूडावि वीठा ऊयाति

- लेर नवि दाघको रत्न नवाकूडामें र.खलो जहरने ।
 २३ और उ ऊवे के उ मात्रता दिनमें धानके घेतमें गयो
 २३ और उंका चेला जाता जाता धान ते डख लागत । लेर
 फारकीयां उंमें कयो के देघ जको काम आवता दिनमें नइ
 २५ ठिक उ काम थारा चेला कुं करेने । उं वाने कयो के
 थे काई नई भयागे के दाउद काई करियो जद उने गरज
 २६ हि और उ वा उंका भेलपि पीख भूकाना । वें जीतरें
 घाबीयातार वडापोधीतके धोरीयामें भगवानके भूपामें
 गयो वा दीवालणकि बाटि घाई के जतो प्रे हीताके घावके
 वोगर और किनेई ठिक नई और आपका भेलपियांने पो
 २७ ख घवाई । और यिमु वाने कयो के मात्रता दिन आद
 २८ मीयावेई करीयोने लेर आदमि आवता दिनवेई नई
 इंजु आदमिका आवडा आवता दिनका घलीने ।

- २ तिजो पाने । और यिमु दिनगगमें फेर गयो और
 २ उठे एग लोग ने के जीके हाथ मुन गयो हो । और
 यिमुने टटो देखवेई उंकि तजानमें रय के उ उंमें मात्रता
 ३ दिनमें तजो करमि वा नहिं । तद यिमु मूकाघाघालाने
 कयो के दीवालें उभरेने औरपीख उं कयो के मात्रता दिनमें
 ४ पोघे काम करयो ठिक वा वंठो काम करयो जिवने राघलो
 ५ वा गमावयो ठिक ने लेर वें अशेला रया । और वाने
 मनकि करडाइंजु दुषी ऊयर उं रिमजु वा उपर घाराका
 वि दोनट राखर उं आदमिने कयो के आपको हाथ पमार
 तद उं उ पमारियो ओ उंको हाथ दुवाघाघजीओ तजो
 ६ ऊवे । और फारकी बारयें जायपरा हेरे दिया भेलि उंके
 ७ वेरमें कानावाति करि के कातरें उंको खोज गम वा । लेर
 यिमु आपका चेला भेली दरीयाके केराने गयो और गालि
 ८ यिमु ओग यजदानु और यिहनालमनु के र इदुमीयां

- और बदनके उकीर डानुं मोकलि जमात उंके पीगडि
 पीगडि गयो और मोदनु वा औरके चारांकांनिशुं
 मोटि जमात उं जके मोठा काम करिया वे मुखर उंके
 ९ आया । और उं अपका चेकानि कयो के एक नाव उंके
 वेई तयार रहे के जमात उंके नाघये कौज उं मोकलाने
 १० ताजा करीया । इवेई जीसा लोग मांदा हा वा रुगलां उंके
 ११ भौंठखवेई गोतागोव करपरि उंके नैडा घाडकरि । और
 भिमटआत्मा जद उंके देघा तद उंके नैडा परीया और
 १२ कूकमार कयो के तू भगवन्को डावडेहें । तद उंके
 घाडे नइ करखवेई उं वाने करडि आगिया दिनि ।
 १३ और उ परवतउपर गयो और उं यनि चया वाने
 १४ बूलाया और वे उंके आया । और उं नारेने ठिक करा
 १५ के वे उंके भेला रे और उं वाने छेरेदेखने और मंदगि
 १६ अलगिकरणे और भूतबूडावहने दोष दिन वा वाने
 १७ भेलिया । और भिमन्को नाव उं पीतर दिने और
 जबदिने डावडे या अकुबने और या अकुदके भाई योहनने
 ठिक करियो और व को नाव बोझानगिअ दिने अथवा
 १८ वादलागजका डावडा । और अंनु वा फिलिफ् वा
 वंतेलमि वा माविउ वा तमा वा खल्फोआको डावडे
 १९ या अकुब वा तादि वा भिमन्कनआमी वा यऊदाहखारी
 ओटा के जी उंके अपडायो और वे एक भांया मे आया ।
 २० तद और जमात इकिभेजि ऊई के वे नाटि घांश नऊकीया
 २१ और उंका लंगीठीयां मुखर उंके अपडखने बारके गया
 कौज वा कयो के वे डोपारहे ।
 २२ यहकालमनुं उपाध्यायी आयर कयो के उ बालजबबने
 राधेने और भूतके इंदरनुं भूताने बुडावेने तद उं उंके
 २३ बुलायर घरघानुं कयो के कौतरें मोडे मोडाने बारके
 २४ काठ नकेने । और जके राज आयका बरने जदा केने

- २५ तो वें राज न रें मकेठें । और जको भुंया आपका
 २६ वेंरमें जुदाजुदा ऊवेंठें तो वें भुंया नरेमकेठे । और
 मोडा जको आपके वेंरमें उपडें और वारोठीयो ऊवे तो
 २७ उ रेंमके नई लेर उ जेवडे ऊवेंठें । पेंलि बलीयाआदमिने
 वुंदीयाविगर बलीयाआदमिके भुंयामें कोई जायर उंकि
 वज्रतने वीगड करण मकेठें करियासुं उंको भुंयो वीगड
 २८ कर मकेठें । ऊं यानें आपकउंठुं के जके मगला पाप
 और उलंठाईपणसुं आदमिका डावडा उलंठाई करे उ
 २९ वांके उपर जेठोयो जामि । लेर जको आदमि धर्मा
 आके वेंरमें उलंठाई करे उ उंके उपर कदे जुटमि नई
 ३० लेर अनंतिमिअन्न लायकउं क्यो वां कयो के उंको भोसठ
 आआवे इके वेई आ कयो ।
 ३१ उंकेला उंको भाई और उंकी माउ आई वा बारखे
 ३२ उभारे उंने बुलावणने उंकेने मेली । और जमात उंके
 चाराकांनिसुं बेठीही तद लोगां उंने कयो के देव धारी
 ३३ माउ वा चाराभाई बारणसुं तने जेभे हें । लेर उं
 ३४ उंने उघलोदेर कयो के न्हारी माउ वा न्हारा भाई कुणें
 और जके लोग उंके चाराकांनो बेठा वा वां कांकी उं
 ३५ देघर कयो के देघो न्हारी मावा न्हारा भाई क्योअ जको
 कोई भगवानकी रजा करेठें उ न्हारो भाई वा न्हारी बेंव
 वा न्हारी माउ ।

४ चेधो यांनि ।—और यिसु दरियावके नेंडो जेर
 मिवावण लागो वा मोटी जमात उंके नेंडो मेलीऊई इवेई
 उ नाउउपर जायर दरियावउपर बेठो और मगली
 २ जमात दरियावके नेंडो धरतीउपर रई । और पर
 पसुं उं वानें मोकला जिखाया और आपके जिखावणमें
 ३ वानें कयो के मुषो देघो एक वावणवाला वावणने बारखे
 ४ गयो और जद उं वायो तद क्यो क मारगकनेउडी तद

- ४ आकामका पंथीयां आयर उंने वाया । लेर ओर कितक नीज भाठाको जामा पडोया केँ जठेँ वां मोक्को माटी
- ५ नपाई ओर मोक्को माटी न होखनु उं भाठ उमो ओर जद मूरज उमो तद वेँ मूकगया वा वांकी जठ न ऊई
- ६ जो इंजुं वेँ मूक गया । ओर कुंइक भोटोरामेँ पडिया ओर कांटा वघर उंने खायगया इंजुं वेँ फल न फलीया ।
- ७ लेर ओर कितक घोषो माटीमेँ पडिया ओर गडर फल फल्या कुंइक तीज गुषा ओर कुंइक आठ गुषा
- ८ ओर पिण कुंइक की गुषा । ओर उं वांने कयो केँ मुंखनेँ जीकेँ काम है वेँ मुखेँ ।
- ९ लेर जद उं एकलो हो तद वारेँ घेलां भेलो उंकेँ चारां
- १० कांनो रेंखवाला उंने परचाकी अरथ पूजियो । तद उं वांने कयो केँ भगवानका राजकी जंजीवातां घांनें जांखनेँ दोनीकेँ लेर १.६जके वारखेँकेँ वांनें अगली वार्ता पर
- ११ यानु' कही जायतेँ केँ वेँ देवतादेवता देवेँ ओर न जानेँ ओर मुखतामुखता मुखेँ ओर नहीं अमभेँ काईजांखा वेँ
- १२ बिखीविरियां मन मोडेँ ओर वांका पाप नुटेँ । इंपतेँ उं वांनें कयो थे कांइ उ परमेँ नजांयोतेँ तो अगला परचा
- १३ किमीतरेँ जांखमेँ । नीज वांखवालो भगवानकी वातां
- १४ वावेँतेँ जके नीज मारगकेँ पत्रवाडेँ वायाहा वेँ केँ लोगतेँ केँ वेँ जद मुखेँतेँ उंइविरियां मोडेँ आवेँतेँ ओर जका कथा
- १५ वांकेँ मनमेँ वायोगयीजी वा लेजायतेँ । ओर जकेँजकेँ भाठा उपर वायाहा वेँ केँ लोगतेँ केँ जकेँ मुखर वेगा रा
- १६ नीजुं लेतेँ ओर आपाकेँ विचमेँ जठ नतेँ लेर घोडीविरियां रेंतेँ कोम जद वासवेई कइ ओर बजराख उपडेँतेँ तद
- १७ उंइविरियां वेँ अठकेँतेँ । ओर कांटाकेँ विचमेँ जके
- १८ वाया गयाहा वेँ विइ लोगतेँ केँ जका वात मुखीयां पतेँ

- ई अंभारको चिंता और धनको भरम और दूजीवसकी
 रूप धमर कथाने चावजायते इवेई वे कुंदि नफलेते ।
- २० और जके बीज बोखीधूड उपर वायाहा वे अं लोग ते के
 जका कथा मुखर मनमें राधेते और फल फलेते कुंदि ।
- २१ तोमगुया कुंदि क आठगुया कुंदि क भोगुया । और
 उं उने कयो के दीवो पायली नीधे वा मांघानीधे मेलेो
 जाधने काई ल्यायोजायते और दिवटउपर मेल्यो जांखवेई
- २२ काई नहीं । क्योम काई वस पालोकड नहीं के जका
 पोते नकरी जाओ और कुंदि छकी नहीं के जका घोडा
- २३ में नआओ । जीके मुखने कानहे वे मुखे और उं वाने
- २४ कयो के चोकर के जके मुखेओ जी पायलीमुं घेमा
 पोओ उंमुं घाकने मापा आओ और मुखनेवाला घांने
- २५ वला दीयाजाओ । क्योम जीकाते उंने दियाजाओ
 और जीको नहीं उंकेने जको कुंदि ते उंपिख उंमुं लेयो
 पडओ ।
- २६ पते उं कयो भगवानको राज इस्यो ते के जिखो काई
- २७ आदमी धूडमें बीज वायर दिनरात मुतो वा उठेते और
 बीज घुंठ काठेते और वधेते लेर किंतरे आ उं नहीं
- २८ जानेते । क्योम धूड आपेइ फल फलतीहे पेली पांन पते
- २९ ठाली पते मिरमें पाकाफल । लेर जद फल फलेते तद
 भाठ दांतली लागवेते क्योम काटणकीवेला आई ।
- ३० और उं कयो के अं भगवानके राजने कीये बरोबर
- ३१ करसुं वा कुण वानगीमुं उंकी वानगी देसुं । उं राईका
 बीजने बरोबरते के जके धूडके वावखेकी वेला धरतीका
- ३२ अगला बीजांमुं देदेते लेर जद वायाजायते तद वधेते वा
 अगला आगांमुं मोटो ऊवेते वा मोटी मोटीडाल्यां मेलेते
 के जीधे आकासकी चिडिया उंकी जायानीधे रेअधेते ।
- ३३ और जिखो वे मुखनके तिमा मोकला इओतरें परवांमुं

- ३४ उन्हें कथा कही वा परचा विगर उं वानें नकथी और जद
 उ एकजो है तद आपका चेतानें अगली वावां अमभाई ।
- ३५ और उंदिन अंभिया होखमुं उं वानें कथो कें हे
- ३६ उंपार जावां तद अमातनें विदा करपरी उ जीतरें जेवें
 उजीतरें उंनें नावउपर ल्याया और दुजी नानोर नावां
- ३७ पिख उंक् भेलीही । तद मोटी आंधी ऊई और
 विलोलांमुं नाव इजी छकीजी कें पांणीमुं तदो बोलीजी ।
- ३८ और बिनु नावकें पिनाडी उजीमा उपर माथो देर मुत्तो
 हो तद वां उंनें अगायो और उंनें कथो कें हे वषाखोक
- ३९ तनें काई चितानहीं कें श्वांको नाम ऊवोनें । तद उठर उं
 वायरेनें डरायो और दरियावनें कथो कें अवेल्पोरे
 धीरो रो तद वायरो धोमा ऊवो और दरियावपिख
- ४० धोमा ऊवो । और उं उंनें कथो कें क्युं ईसा उरोने क्युं
- ४१ नहीं भरोओ रावोने । और वें मोकला बोहा और
 आपतमें केंब लाग कें उ कितरेंको आदमी जें कें वायरे
 और दरियाव उंकी आगिया मानें ।

५ प्राक्को पाँजे ।—और उ दरियावकें पार गदरि
 २ बियोनें काकडमें पोतो । और उ जद नावमुं उतये
 उंही बेला भूतजागोडे एक लोग कें अको घोरमुं निकलतो
 ३ उंकें भेलो मिल्यो । उं आदमीको रेंखकीजागा
 घोरठिकावोने और कोइ उंनें अंकलमुं बांध न
 ४ अकियो कौअ उ बेडीमुं और अंकलमुं अकडियो गयो
 ने और अंकल उं पोखो और बेडी कट्काकट्का ऊई
 ५ और कोइ उंनें वन कर नमकियो । और उ कूका कर
 और आपनें भाठामुं काटर रोजीना रातदिन यरबतमें
 ६ और घोरठिकावें हेंतोने । उपनें उं जद यिमुनें
 ७ अलगामुं देख्यो तद भागे और उंकी पूजा करो और

- विमलसीमार कयो के हे यिमु सगलासुं मोटा डावडा मेंसुं
 धारें काइ कामनें तनें मगवांनको नांव लेर जं सुंन कछाउं
 ८ लुं के मनें मतो अदाय । कौंन यिमु उंनें कयोणे के हे
 ९ भिमट आत्मा उं आदमीसुं निकल । फेर उं उंनें पूंने
 धारो काइ नांवनें उं उचलोदेर कयो के न्हारे नांव लेजि
 १० ओन् हे कौंन न्हें मोकलागं । ओर उं उंकी मोकली
 ११ वीनती करो के वामें इंदेसुं अलगे नकरें । ओर उंनें
 १२ परवत्के नेंडा सूरको एक मोकली टोलो परतोहे । ओर
 अगला भूतां उंकी विनती करर कयो के सूरके टोलामें
 १३ न्हाने मेला के न्हें वामें धर्मा ओर यिमु उंनियेला वाने
 धमख दीना ओर वें भिमट आत्मा उंसुं काठ सूरामें बसां
 यनें उ टोलो कडवामें होयर भूर दरियावमें पडिया वें
 दाय हजारके आनरेंग ओर दरियावमें बुडर मरगया ।
 १४ ओर सूरके परावखवाला दोडा ओर नगरमें वा चारं
 कांती ठीक दीना ओर जके करियापा वें देखवेई लोग
 १५ निकला । ओर वें यिमुके आया ओर भूतलागोडा
 लेजिओन् राघोडा उं आदमीनें बेंठो वा पैयां ह्वो वा
 १६ होअमें देयो ओर वें डया । ओर जियां देयोणे वा भूत
 १७ लागोडांकीं ठीक वा सूरको बषांन कयो तद उंकेनें वें
 १८ गुदरांख लागो के उ आयकी सिंभमें जावे ओर जद उ
 नाव उपर गयो तद उं भूतलागोडा आदमिनें उंनें गुद
 १९ राइके उंके मेला रेजि । ओर यिमु उंनें रेख मदिनां ओर
 उंनें कयो के भूपें जा आयके जंगुटियांके जे जा वा भगवान्
 धारेवेई जके मोटा काम किया ओर करिया धारें उपर
 २० करि वाने ठीक दें । ओर उ चलोगयो ओर जके मोटा
 काम यिमु उंकेवेई कीयाग उंकी ठीक देकापोलिअमें
 छंठेरो देखलागि ओर अगला अठेरे हया ।
 २१ ओर जद यिमु नावसुं फेर पार आयो तद मोकला लोग

- २२ उकेंकनें भेलाऊआ और उ दरियावकें नेंडो हो और देवो
 भिनगगको धखी एक लोग कें जीको नांव यायरभूओ उ
- २३ उकनें आयो और उनें देवर पगां उपर पडियो और
 उकी मोकली बोनतीक रकयो कें न्हारी नांभीडावडी मरख
 उपरउं केर आवर आयको हाथ उकें उपर राष तद
- २४ वा ताजी ऊनो और जीनी । तद उ उकें भेलो गयो
 और मोकला लोग उकें भेला ऊआ और उं उपर भूका ।
- २५ तद एकरांड कें जोंकें वारें वरनांसुं छोई भरतोहो और
- २६ जी मोकला बेंदासुं मोकलो दुष पायोओ । और जी
- २७ आयकी अगलीमाया बरच कीनीही केर कुंछि आराम नई
- २८ पावतीही और वींठीतरें ऊई जी उं यिमुको ठीक सुखर
 जमातमें उकें पिडाही आयर उका गाभानें भींटीयो क्योम
 उं कयो अर साखी उका गाभा भींटीसुं तो ऊं घोषो ऊसुं ।
- २९ और भट उको छोईभरतो घमगयो और उं आयका
- ३० डोलमें जायो कें इंरोगसुं ऊं घोषो ऊई और आयसुं बल
 नोकलो यिमु भट आयमें आ जांखर जमातकानी घिरर
- ३१ कयो कें की न्हारा गाभा भींटीया तद उकें धेला उनें
 कयो कें तू देवेंउं कें जमात चारें उपर भीर करेंउं
- ३२ और तू केंउं कें मनें कीख भींटी तद जी ओकाम् कयोओ
- ३३ उनें देवखवेई उं आयतीपाघती देवो । केर ईं रंड
 आयबें विचमें अको कयो गयोओ आ जांखर बीहती और
- ३४ धूवती आई और उकें अगाडो पडी और अगखो नाथ
 उनें कयो और उं उनें कयो कें हे डावडी धारी प्रतोत
 तनें ताजी करो राजीसुं आ और आयकी मांदगीसुं
 ताजी हो ।
- ३५ आ जद केंतोहो इकें विवाले सिनगगधें धखीकें भूपा
 का कित्तक लोग आयर नेल्या कें धारी डावडी मरगई
- ३६ अने तू वखांकीकनें और लोनीम क्यु देवेंउं । यिमुआ

कथा सुखर सिनगगके कोठारीने कयो के मती बीह कोरी
 २७ प्रसोत राघ । और उ पितर और यथाकूब और यथा
 कूबके भाई योहन् विगर किनेई आपके भेलो जांख नदीने
 २८ और उ सिनगगके कोठारीके घरमें आया पने भोडने
 २९ वा रोखवाखाने वा भूरखेवालाने देविया । और उ
 विषमें आयर कयो के क्यु गेलाई करोगे और रोवागे
 ३० डावडी मरी नहीं लेर सूतीहे । और उ उंसु मन्नकूकरी
 करी लेर उ अगलाने वारखे काफर डावडीके माउ वाभाने
 और अके उके भेलागे वाने ल्याया और अठे वा डावडी
 ३१ पडीगी उठे धयो । और उ उं डावडीके हाथ पकडर
 कयो तालीता कुमी अथवा डावडी ऊं तने कउंनु के उठ ।
 ३२ और वा डावडी वेगी उठी और चालख लागे कौन्न वा
 ३३ बारंवरमांकीगे उंसु वे मोटे अठेरे हया । और उ
 वाने करडि आया करी के कोई वा नई जाखे और उ
 डावडीने क्युही घांखाने देखने कयो ।

६ ठो पांनो — इके पने उ आपके चेलभेजो उ
 जागासु आपका देअमें आयो और उंका चेला उके पिग
 २ डी पिगडी गया । चाबतो दिन आंखसु उ सिनगगमें
 मोषकरावणलागे और मोकला लोग सुखर अठेरो ऊवा
 और वा कयो के उने आ अगली कथा कठासु ऊई और
 ३ आ काई ग्यानने के अको उने दीनेहे के इमा अठेरा काम
 उंका हाथसु कथा जायने से काई मारियाका डावडा
 और यथाकूब वा योमी वा यजदाह वा मोमनको भाई
 घाली नहीं उंकी बैन्पिण काई न्हके उठे नहीं और वे
 ४ उंसु अटक्याहा । लेर यिनु वाने कयो के आपका देअ
 में और आपका भावाके विषमें और आपके भूपविगर
 ५ नही गेरचाबह नहीं । इंसु उं थोडा मांद आदमिया

- उपर हाथदेर ताजाकरखविगर उजागामे और कृष्ण
 ६ अठेरो काम करनअकियो । और उ बाके गेरप्रतीतसु
 विअमय ऊआ उपठे गाथा केतिकेता गावारमें भठक्यो ।
 ७ उपठे उ वारें बेलाने बुलाथर दोयदोय मेलख लागो
 ८ और वाने भूतां उपर पौच दिनी । और लाकडोविगर
 मारगवेई और कृष्ण नलेखने आग्या दीनी अथवा औरा
 ९ वख वा बांखकी वख वा कोथलोमें पइआ । और पावडी
 पेरखकी आग्या दीनी और दोय बगतरौ नपेरखकी आग्या
 १० दीनी । और उ उने आ पिण कही ये अका कीजागाके
 ११ कोई भुंयामे जास्यो वा जागा ठोडखतोडी उठे रधो । और
 अको कोई घाने संबिवाग कीया नईघावे वा घांकी कथा
 सुखोघां नघावे उ जगासु जांखकीवेला बाके उपर आयद
 वेई आपका पगकी वेभाडर वमावे । अ घाने आप कउठुं
 के विचारके दिनमें उ नगरकी तोअनीअसु अदमकी और
 १२ अमरकी तोअनीअ औरी अनी । उ पठे वा जायर ठठेरो
 १३ केरियो के आदमी मनघेरे आ ठोक ठे । और वा मेकला
 लुडाया और मेकला मादाने तेज चापडर ताजा भूतां
 ने करिया ।
 १४ उको नाव "मेकली दूरविषियात ऊवे इवेई
 हेरोद् राजा उकी ठोक सुखर कयो के योहन हुबो
 देखवालो मतसु उपडियो इंसु अठेरो काम उमें देवा
 १५ जायठे । और कियोकियो कयो के उ यकीयाइहे
 और कियोकियो कयो के उ कोइ निमित्तियो वा कीणी निमि
 १६ तिग्रामरोषो अनी । और हेरोद् वा सुखर कयो के उ
 योहनके के जीको माघो में काटनावियो ठे उ मुडदासु
 १७ उठियोठे । कोअ सागोहेरोद् आपका भाई किलपकी
 वउ हेरोदियाने परखाई इंसु इकेवेई आदमी मेलर यो
 १८ इने अपडियोठे और अटकमें बांधर मेल्योठे । कोअ
 योहन हेरोदने कयोठे के अपका भाईसी वउने तने

- १८ परखीअखी ठोक नहीं । इवेई हेरोदियाकी उके भेजे
- १९ भगडे अवे और उने मारनायती केर मार नसको कीम
योहन सिध और पादरी आदमीने हेरोद् आ जाखपरी
उसु' बीयो और उने मान्यो और उकी कथा सुखर
मोक्ली कीरिया करी और मनकीराजीसु' उकी कथा
- २१ सुणी इपने अद ठोकविरिया ऊई हेरोद आपने जगम
दिनमें मोटा आदमियावेई और कसकरका सिलेदार
- २२ देई वा गालिलिका मोटाभेमियावेई मगवार करी और
अद हेरोदियाकी डावडी विषमें आयर नापी वा हेरो
दने और अके उकेभेला नैठाहा वानेपिख राजी कथा उ
वेला राजा उ डावडोने कयो अको घारी मग अवे उ नारी
- २३ कने मांग तो अ तने देखु । और उ उकने सुंसकाणे
के तू अको चावे उ नारी आधाराअतोडी अ तने देखु ।
- २४ उ इवेई नारखे जायर अपकी माउने कयो के उ काद
मांगु' उ उघको देर कयो के योहन बुबोदिरावखवालावे
- २५ माथे मांग । तद उ वेगो राजाकने आयर कयो के अ
चाउनु' के तू अवार मने योहन बुबीदिरावखवालाकी
- २६ माथे ठावमें मेलर दे । तद राजा मोक्ली दुखी अवे
केर आपकी सुअवेई वा उके भेला अके नैठाहा वानेपिख
- २७ उ उकने तिरअकार करखने नई चायो । इवेई उवेला
राजा घारीने बूलायर उके माथे ल्यावखकी आग्या दीकी
तद उ जायर भावमीमें उकी माथे काटर ठावमें मेलर
- २८ वा ल्यायर डावडीने दीने और उ आपकी माउने उ
२९ दीने । तद उका चेला आ सुखर आया वा उके
डील केर औरमें राधियो ।
- ३० उपने मेल्याडा पिमुकने मेल्ला अया वा आपने अके
करोयाला वा भखाया हा उ अगलो उने कयो तद उ वाने
- ३१ कयो के घे जोअनागामे न्यारा अयर आवो वा क्युधिक

वेला येनकरो कौम उं जागा मोकला आदमी जाला आताहा
 १२ उंसुं वाने वांखकीपिख ठालपो नइजी । इवेई वे
 १३ न्यारा ऊयर नावसुं जोडमें गया और जमात वाने नावला
 देविया वा मोकला उंनें ओलविया और जगला नगरसुं
 पूला उंजागामें वाने जगाडी भागा और मेला ऊयर उंके
 १४ नेडा आया । उंयनें यिणु नीकल मोकली जमातनें देव
 वाने उपर छपावानगे कौम वे विगररुवालीकागाडरा
 जेलाउ इवेई उ वाने मोकली कथा निवावख लागे ।
 १५ मोकली वेला जांखसुं वेला उंके नेडा आयर कयो के आ
 १६ जोडकी जागाउं अबे मोकली वेला गडे और चारुकांनीकी
 देम और गावमें जायर वावखनें क्युहि मोल खेखवेइलोगाने
 १७ निदा करो कौम वाने वांखनें क्युहि नहीउं । उं उघला देर
 वाने कयो के ये वाने वावखनें देवा और वा उंनें कयो काइ
 ने जायर दोयमेंपावलाकी वाटी वरीद करर वाने वावखनें
 १८ देवा । उं वाने कयो के घाकनें कितो वाटीहे जायर देवे
 १९ वा जांखर कयो के पांच वाटी वा दोय मजी । तद उं
 २० आदम्यानें पांतपांत जिखाघामउपर नेठबकी वाने आग्या
 दोनी तद वे पांतकीपांत नेठा सोला और पघाम
 २१ पघाम । इयनें उं वा पांचवाटीनें वा दोमनें केर
 आकासकी दिमट करी और आकीम करी वा वाटी
 तोडी और आपका पेखाने वाने आनी मेखखवेई दीनी
 २२ और वा दोय मजीपिख विराडकर जगलानें दीनी और जगला
 २३ लोग वायर धापिया । उंयनें वा वाटीका बिरका और
 २४ मजीकी भूकाभाकी वारे ओडीभर मेला कियो और वा वे
 २५ वाटीयां वाइजी वे पांचहजार आनरे आदमी ज । उं
 वेला जठातोडी आय उं जमातनें निदा करतीहे तठातोडी
 नावमें पार जायर नीत्नीदामे उं जावनें आपका पेखाने

- १६ आग्या दौनी तद उ वानें विदाकर परबत्उपर याचना करखनें गयो ।
- १७ और भिभियावेला भाव दरियावके विचमेंठी खेर उ धरतीउपर एकजोणे । उवेला मामावायराजुं वेवखनें निबला वानें उं देषिया और तीजीपेर रातका उ दरियावउपर पाखो वाकनें आयो और वानें ठोडर १८ जांखको वेंत कियो । खेर वां उनें दरियावउपर जातो देवर मनमें जांखियो के उ भूतठे और वां चीमजो माखि ।
- १९ कौम मगलां उनें देषियो वा हृदियाया और उवेला उं वाकें भेकी कथा कही और वानें कयो के घातरजमा राधो २० उ ऊं नुं मतीबीहो । उ उकेंपठे वाकनें नावमें गयो वा नायरो रयो उंजुं आपआपका मनमें वै मोकला अठेरे २१ न और वां भावना कियो कौम वांकी मन करडो ऊवो कौम उ बाटोको अचभेकाम वां याद राधियो नहीं २२ और वें पार ऊयर गनमरत् देनमें गया वा पौचर कडवें २३ लागे । उकेंपठे वें नावसुं उतरता लोगां उनें जांखियो २४ और जीं जागामें न उको ठिकाखो जांखर उं मगला देनजुं भामताभागता आजारो लोगानें विगवखामें मेलर २५ उं जागामें लेजामे लागे । और गांवमें वा नगरमें वा देनमें जींकी जागामें वें गया उं जागामें वां आजारोयानि मारगमें राधिया और उको गाभो भींठखको याचना करो और जितालोगां उनें भींठीवे विवालोग चेवा ऊवा ।

७ मातमी पांनि ।—तद फारजि वा कित्ताक उपाध्याय विरुजलमसुं जायर उकें बेंडा भेला ऊवा और वाकें से लाकें कित्ताक लोगानें भिजठ वा निगरघोयाहाथसुं २ जीमता देवर घामिदार कियो । कौम फारजि वा सगला

३. सुखे नहीं। वा चोटासुं आयर विगरेसिनां कियसुं
४. सुखे नहीं और वे जको मानेने इसि और मोकलि रोत ने के वे करबने मानेने थववा वाटका वा लोटा वा पोतलका
५. ठाँव वा बाजोट घोवखो। इवेई फारमिवा और उपाध्यायीं उने पुनिषी के घाँका घेला पुराँका लोगीकी चाल खी करे नई लेर विगरेहाथधोया वायने। उं
६. उघको देर वाने कयो के विभाइयाइने घाँ कबरघटाके फायदामे घोषीतरें कयोहे के जिभियो लिधियो ने के घे लोग मुंडासुं न्हारे आदर करेने लेर वंकि मन न्हारासुं
७. अखगोने। लेर वे वालीमके बदजे आदम्यानें आयर
८. निषावता निकमी न्हारि पूजा करेने। खोअ भगवानकी आय्या ठाँवर घे आदमीयाकी चाल करेणे वा लोटा वा वाटका घोवखा और इआइआ घे मोकला करेणे।
९. इंपने उं वाने कयो के घे आयकी रकाने पालबनें घोषे
१०. उखीहारे भगवानकी आय्या लंघोने। खोअ मोआइ कयो के आयकेआपके माउवाभाने आदर करो और जको कोई माउवाभाने फिटकार करेने उने मुकर मारयो
११. पडमी। लेर घे कोणे के कोई जोग आयका माउ वाभाने के सकेने के जीसुं घाँके न्होवरेय मेसुं जवे उ अगलो
१२. बुद्धाण करियोने अथवा दोनो मयोणे उंपने आयका
१३. माउवाभाकी उपगार और उने करब नदेवोने घे जका रीत ठीक करीणे उंअ भगवानकी कथा बिकमी करीणे और घे इआइ मोकला काम करेणे।
१४. तद उं अगलो जमातने बुजायर कयो के न्हारी कथा
१५. सुखो और अममो आदमीके बारबे इमी कुधि अवत नने के जका मांय वडर उने भिमट करे लेर जका उंअ जोककेने
१६. वा आदमीयांने भिमट करेने। जोक सुबनें कौबे

- १७ उ मुर्षी । उ वेला जद जमातकनामुं उ भूपामें आयो
 १८ तद चेला उनें आहितमिषिया पुजो । और उ उनें कयो
 के ये पिष काई इभा डोफा हो ये काइ ममभो नही के
 जको वरखेउं उ आदमीके मांय वडर आदमोनें भिअट
 १९ कर नमखेउं । कौअ वे उके मनके मांय वडे वही खेर
 घेटमें आयनें वा ठकामें नीकखेउं के जी मजली खारधकी
 २० वमतनें पाषक करेउं । और उ बोल्यो आदमीमुं
 २१ जको नोकखेउं उ आदमीनें भिअट करेउं कौअ मांय
 २२ अथवा आदमीका मनमुं वीठीचिंता पारकोवजा मारी
 कुन चोरी खोभ वीठारै कपट जोवत इअद उलंठाइपखो
 २३ मांन मेंखारपखो नीकखेउं से मजली वीठारै मांयसुं नीक
 खेउं वा आदम्यानें भिअट करेउं ।
 २४ इंपनें उ वा जागा गेडर सार और सिदन्के सीवमें
 गयो और भूपामें आयर चायो के काई आदमि वा मजबे
 २५ खेर पालोकड रेनें नमकीया । कौअ एक रंड उकी
 २६ कथा मुखर उकनें आई और उके पगाउपर पडी । उ
 रंडकी डावडी भूतलागोडी जी वारंड युमाजी वा मिरोफि
 निकोने और उ यिसुनें विनती करी के उ भूतनें आयकी
 २७ डावडीमुं गुडावे । खेर यिसु उनें कयो के पेंसडा
 डावडीका घेट बोछख देवो कौअ डावडीकी बाटी लेखी वा
 २८ ऊचयाने देखी ठीक नही । खेर वा उचलो दीने और
 कयो के माष प्रभु खेर डावडीमुं पडगयोडी बाजोटको
 २९ नोचलो भुषोभावो ऊचरीया वायनें । और उ उनें
 कयो के इ कथावेइ जा चारी डावडीमुं भूत निकलियो ।
 ३० और उ आपका भूपामें आयर देधी के भूत निकलियो
 और आयकी डावडी मांषा उपर मुतीनें ।
 ३१ उ और वा सिदन्की सीवसुं खेर निकलर देकापोखेन्के
 ३२ सीवके नेडो गाबिअके दरियावके भेंडे गयो । और वा

एक धोखो वा तोता आदमीनें उकनें जाया और उंमुं
 २३ निनती करी के उ उकें उपर हाथ मेके । और उं जमा
 तके विषमांसुं उनें एकबकांनो एकखो जायर उंका बांननें
 २४ आंगखो दीनी वा घूकर उंकी जीभ भौंठी और आकाजके
 खानी देवर उं हाथ मारी और उनें कयो अफ्ता वा
 २५ मुज्जा । और भट उंका बांन बुलिया और जीभका
 २६ बंद मुज्जा और उं उं ही वेला धोखरकथा कही । और
 उं वाने आगिया दीनी के वे किनेई नई कहे और जीतो
 २७ उं आगिया दीनी तोता वा उं केहे करिया । और वां
 मोकला अउरा होयर कयो के उं जगला घोषीतरें
 करियाउं उं बोखाने मुबनें वा गुंगाने कथा केखी देवेउं ।

८ आठमो पानो ।—उं दिन मोकला लोग भेलाहोखमुं
 वा कुंदि घांनेनें न मिलखमुं यिमु आपका चेखाने बुजायर
 १ वाने कयो के जम तउपर नारी किरपाहे कौंज के नारे
 नेंढा तिनदिनमुं रेउं और वावखे कुंदि नई मिलियोउं ।
 २ और अर उं वाने भूपडे भुषा मेखू तो वे मोकला कायखा
 जमी कौंज वां वीचमांमुं केतेक लोग मोकला अलगांसुं
 ३ आयाउं । और उके चेखी उनें कयो के इजा जोखनें इता
 ४ लोमांको घेठ भरखखी बाटी कठासुं मिखनी । तब उं
 वाने पुणियो के घांके किती बाटीउं वा कयो के जातउं ।
 ५ तद उं जमातने धरतीउपर बैठखकी आगिया दीनी और
 के जातबाटी खेर आजीभ कर तोढो वा आपका चेखाने
 जमातनामी राखखेई दीनी और वां जमातके नामी मेखी ।
 ६ और वांके घोडी नांनोमणीपिख नी और उं आजीभकर वा
 ७ पिख जमातनामी मेखनें कहे वे जीमर घापिया और उं पडे
 ८ वां जात वारी भुषोभाषो भेजो कयो । और अके जोमाथा
 वे चार हजारके आकरे न और उं वाने विदा करिया ।

- १० और भट् आपका चेलाभेलो नाव उपर आयर दक्ष
 ११ मुताके देममें पोतो । और फारनि बारखे आया और
 उको परवकरखवेई पुण्य लाग्य और आकासमुं एक
 १२ अउरो देषके पाया । तद उ मनमें हाय करर कयो के उ
 मोती का अउरो काम चावेउं थाने जं आप कउंउं के ई
 १३ गोतीने कुहि अउरो देवाखो न पडनी । और वाने ठोडर
 १४ उ नावउपर फेर आयर उ किराडे पोतो । और वे वाटो
 लेखो भुजाज्य और नावमें वाके भेलि विगर एक वाटो कुहि
 १५ नहीगे । और उ वाने आमिया करर कयो के देवो फारनि
 १६ और हेरोदियाके वाटासुं निषेवान हो । और
 वा आपके विषमें मनमोवो करर कयो के नै वाटो नलीनी
 १७ इवेई केउं । और थिमु आ जांवर कयो के वाटो नहीं
 लेखमु का आपाके विषाले मनमोवो करोगे आजतोडी
 काई न मनमोवो आजतोडी काई थांको मन करडेउं ।
 १८ थांकी आवरेखमु पिण्य काई नदेवोगे वा कानरेखमु पिण्य
 १९ काई नसुणोगे । ये काई आ याद नकरोगे जद में पांच
 वाटो पांच हजार लोगवेइ भांज तद भुषोभाषो कितो
 २० घारी भेलो करियो वा कयो के वारे । और जद घार
 हजारवेई में जात वाटो भांजी तद कति घारी भुषोभाषो
 २१ भेलो कियो वा कयो के जात । और उ वाने कयो
 के ये काई न मनमोवो ।
 २२ और वे वीत्सोदामे आया और लोग उकने एक मूरि
 २३ याने लाया और उंमु विनतीकरी के उ उने भीटे । और उ
 आंघाको हाथ अपडर उने गांवके बारखे लेमया और उके
 आंघउपर घूरर हाथ उके उपर मेलियो और पुण्डो
 २४ के तु काई कुहि देखेउं । तद उ आपकी आविषा उंचापर
 २५ कयो के जं आदमियांने हंघजिनिया फिरता देखुं । तद
 उ उको आंघउपर हाथ फेर मेलियो और उने फेर आंघ

उठावखने कयो तद उ ताजो ऊयो और भगता आदमियाँने
 २६ ठीक देविया । और यिमु उने आयके मुपे मेखर उने
 कयो के बेंडामें मतीजा और बेंडामें किनेई मती कहे ।

२७ तद यिमु और उंका चेला बारखे ऊयर काइआरिया
 फिलियके गावनि गयो और मारगमें आपके चेलाके पुनर
 वाने कयो के आदमी न्हारा फायदामें काई केने के ऊं

२८ कुल नुं । वा उथलो, दोनो के दोहन हुबीदिरावख
 वाले और दुजा काई केने के रलियाए लेर और काई
 केने के निर्मितयाकी एक लोमठै तद उ वाने कयो के ये
 न्हारे फायदामें काई कोने के ऊं कुल नुं पितर उथलो
 २९ देर उने कयो के तुं खीछे । तद उ वाने आगिया
 दोनो के वे उंकी फायदामें कुंहे नइ कहे ।

३० और वाने भखाय जानी के आदमीका डावडाने मोफलो
 ३१ कमठ घावखो और पुराखोडामुं वा बडाआहितामुं वा कास
 नियांमुं रंद्दिखो वा मारो जाखो वा तीजे दिन फेर उय
 ३२ उखो निमेंहे । और उं आ कथा चोडेमुं कही तद पितर

३३ उने लेर डाठक लागो। लेर उ फिरर आपका चेलाने देवर
 पितरने ठरायो और कयो के हे मोडा न्हारे पिगडी
 आ जकोजकी भगवानमुंने वे तने नई भावेने लेर जके
 ३४ आदमियांमुंने । और आपका चेलाभेलो जमातने बुला

वर उ वाने कयो के जकी काई न्हारे पिगडी आयां चवे
 ३५ ने उ आपनि अटकेवा आपकी हस्तबाखी लेर न्हारे पाणे
 आवे कोअ जकोकाई आपकी जीव रावखे चवे उ उंका वेअ
 ममात्री और जकोकाई आपकी जीव न्हारे वा मंगसोकवा

३६ तावेई वेअगमावेने उ उने काधजो । कोअ आदमीने
 काई फायदोठै अर भगखो अंजार मिखे वा आपका
 जीवने गमावेने और आदमी आपका जीववेई काई देमी
 ३७ कोअ जकोकाई न्हारे वा न्हारी कथावेवेई अंजारी वा

३८ पापी मोतमें लाजा मरेंतें उंमुं आदमीका डावडापिह
लाजा मरती जद आपके वाभाकी मोभामें घरम हल
कारके भेला आमी ।

९ नवमी पानो ।—ओर उं वानें कयो के ऊं घानें आप
काउंउं के अठें उभारैबवालाका कितक लोगतें के जके
जठातोडी भनवानको राज योचमुं आवतो नदेवें तठातोडी
मोतमें न आवती ।

२ ओर ७ दिन पतें विष्णु पितर वा यन्नाकूह वा योहनने
भेला लीया वा वानें ब्यारा कर भोठा परबतउपर चढाया

३ ओर वानें आमी दुजेउखिहारें जगयो । ओर
उंको बहाव पासाभरोवा भलाभोल मोटाघोला होगयो
के जीतरे घरतीउपरलो कोरें जीयो घोला कर नजके ।

४ ओर मोआइभेला रलियाह वाकने देवा गयो ओर वें विष्णु
५ भेला कथा केवाजा । तद पितरने उषला देर विष्णुने

कयो के हे गुरी अठें रेखा न्हाके घोषातें ओर ने तिन डेरा
बहावां एक घादेंवेई एक मोआइवेई वा एक रलियाह

६ वेई कौम उं नजायो के आपसे जको कयो कौम वें
७ मोठा बोहा । ओर एक मे आवर वानें गया ओर

मेमुं वांसी निकलर कयो के उ न्हारे वालोडावडोतें उंकी
८ कथा सुलो । ओर अठ जद वां चारिकांनी देविघो

तद किनेइ न देखपायो वांसी विष्णुविगर आपां भेला ।
९ वें परबतमुं उतरिया पतें उं वानें आगिया दीनी के

किनेइ आ देवालाकी कथा नकहे जठातोडी आदमियाका
१० डावडा मरियांमुं न उपडे । ओर मरियांमुं उपडबकी

तंत काई आ आपतमें कौत करर वां आकथा आपामें
११ राखी । ओर वां आ कर उंने पुणियो के कातनी कितरे केतें

१२ के रलियाहवा आबो पेंडो विजे तें । उं उपलो

- देर वाने कयो के रखीयाह् पेंलडा आयर जगदीने ठीक करनी माच और जीतरें आदमिकें डावडाके फायदामें लिखियोके के उ मोकलो कनठ यामी वा नानि करियो १३ जानी। लेर ऊं थाने कउनु के रखीयाह् आयीके और वा जके चाया उ उने करियो के जिना उंका फायदामें लिखि योके।
- १४ और उं आपका चेलाभिलो पीतर वाने चारांजानि मोटी जमावने और उपाध्यायाने वाने भेली अदलोबदले १५ करता देखा। और भट जगली जमात उने देवर अठेरो १६ करियो वा उंके कने भागर वनबा करी। और उं उपाध्यायाने कयो के ये उंके भेला अदलोबदली करखनुं १७ काई करोके। और जमातनुं एक लोग उघलो देर कयो के हे धयी ऊं नारा डावडाने धारेंकने लायो के जीके १८ उपर एक गूगीआमा के। और जठे उने लेजायके उठे उने फाडके और उ भाग काठके वा बतीनी पीजर मांदि जयजायके और में धारा चेलाने कयो के उने नुडावे १९ लेर वे वनकिया। उं उघलो देर वाने कयो के हे अभ रोसीलोग कठाताइ ऊं धारेंकने रेनुं कठाताइ धाकी जैनुं २० उने नारेंकने लियावे। और वे उने उंके लया और उने देवर आत्मा भट उने फाडियो वा उ धरती २१ उपर मठर भाग काठर गुडियो। और उं उंका बाभाने पूजियो के उंके औ कितान दिननुं ऊवोके उ कयो के २२ डावडाईंनुके। और मोकलीवार उं उने वाजगमावखने बान्दमे वा पाखीमें वगायो लेर अर न्हाकी भीर क्खुंइ कर २३ नकेके तो न्हाके उपर किरपा कर वा उपकार कर। और यिनु उने कयो के अर तूं भरोजा करने नकेके तो भरो २४ जो करखवासा उपर जगलो जय नकेके। और भट उं डावडाके बाभाने आनुं पठकर हेला करर कयो के हे धयी

- उं भरोओ कहेउं न्हारे भरोओ उपर उपकार कर ।
- २५ खेर यिमु देघियो के जमत भेलो भागोहें तद उं भिमठ
अमाने आ केर डरायो के हे गूंगा वा बोल्लाआमा
ऊं तने आगिया कहेउं के उंमुं कठ वा ओर उंमें मती
- २६ घम । ओर उ हेला करर वा उंने मोकलो फाडर
कहियो ओर उ मुडदाभरीघोणे के जी मोकला कयो
- २७ के उ मरियो ओर यिमु उंने हाथमुं अफडर उंवायो ओर
- २८ उ उभो जवो । तद उ भूपामे आयापणे उंके चेला
नियारा जयर उंने पूणियो के न्हे उंने नुडाय को नन्नकिया ।
- २९ उ वाने कयो के विगर याचना वा पोषधमुं इं उखिहा
रका भूत नुडाया जाय नन्नकेउं ।
- ३० ओर उठामुं जायर उ गालिकि जयर गयो वा नपायो
- ३१ के कोरे जाये । कोम उ आपका चलाने भणायो वा
वाने कयो के आदमी वा डावडा तोतमुं आदेमीके हाथमे
अपढाया जानी ओर वे उंने मारनांघनी वा मारनांघियो
- ३२ पणे तीजेदिन उ फेर उपडिनी । ओर वे वा कथा नइ
- ३३ नमभिया वा वे उंने पूणखे बोहा । उपणे वे कफरन
खममे आया वा भूपामे बडर उ वाने पूणियो के मारगमे
- ३४ धाके आप आपके विघाले काई अदलीबदली करीयो । ओर
वे अनोखिया रयाग कोम मारगमे अदलीबदली करीगे
- ३५ के कुख अगलांमुं मेटो जनी । ओर उ बेंठर वारे चलाने
बुलाया वा वाने कयो के जकोकोइ पेलडो जवां पावे तो
- ३६ उ अगलांको डेवडे वा अगलांका घडनीयो जनी । ओर
एक डावडाने लेर उ उंने विघाले बेंठायो ओर उंने घोलामे
- ३७ लेर वाने कयो के जकोकोइ इं डावडाके विघाले एक लोगने
न्हारा नवमं अंविभाग करेउं उ न्हरो अंविभाग करे
हे ओर जकोकोइ न्हरो अंविभाग करेउं उ कोरो मने नइ
- ३८ अंविभाग करेउं लेर न्हारे मेलखवालाने विख । घोहन

- उनें उघबो देर कयो के हूधयो ने धारा नावम् भूताने
 टुडावषवाला एक आदमीने देषियो के जको न्हाके पिण्ड
 ३६ डो मइ आये और ने उनें वरजियो कौम उ न्हाके पिण्ड
 डो न आये । और यिन्नु कयो के उनें मवी वरजो कौम
 कोइ नउ के जको न्हारा नावम् अउरीकाम करेउ वा न्हारे
 ३७ फायदामे वेगी बोटीकथा के नकेउ कौम जको न्हाको बेर
 ३८ नहीं उ न्हाके कानीउ । कौम जको धाने एक वाटको
 पांसी न्हारा नावम् पांसी कौम थे खीष्टका ठे कं धाने माघ
 ३९ कउंउं के उ आपको फल न गमाओ । और न्हारे उपर
 प्रतीत करखालाके विचाले एक नांवा आदमीने जको अट
 केउ प्ररटी उकी गावडमें बांधी जानी वा उ दरियावमें
 ४० वगायो जानी लेर उ उकी घोषेउ । और अर धारे
 हाथ तने अटके तो उनें काटनाइ हाथकटियो ऊयर जो
 वतामें जांयो दोय हाथवाला ऊयर नारकीमें वा अनंत
 ४१ बाजदेमें जांखम् लेर धारे घोषेउ के जठे उकी लटा
 ४२ न मरेउ वा बाजदे नई बुभेउ । और अर धारे पग तने
 अटके तो उनें काटबांघ घोडोऊयर जीवतामें धमखे
 दोयपगांवालो ऊयर नारकीमें वा अनंत बाजदेमें
 ४३ वगायो जांखम् लेर धारे घोषेउ के जठे वाके लटा
 ४४ नई मरेउ वा बाजदे नई बुभेउ । और जका धारे
 आंघ तने अटके तो उनें काठ एकआंघवालो ऊयर भग
 वानके राजमें धमखे दोनुआंघवालो ऊयर नारकीकी नाम
 ४५ देम वगायो जांखम् लेर धारे घोषेउ के जठे वाकी लटा
 ४६ न मरेउ वा बाजदे ननुभेउ । वा बाजदेम् अगलि
 सलखी करी जानी वा अगला होम लूखम् सकूखा
 ४७ करिया जानी । लूख घोषेउ लेर जकी लूख विगर
 लूखके तो किंनु सलखी करियो जानी आय आपके
 निवमें लूख रायो वा अ.पके आपकेविचें भेस रायो ।

- १० दसमो पांनि ।—उपणें उठामुं उठर वरदनकें उं
 किराडामुं यिउदाहको सीवमें आयो और जमात उंके
 नेंडो फेर भेली जई और जिन्नियो उंको रकानो तिजि
 यो उं वानें निषायो ।
- २ और फारिन्नियां उंने परवता नेंडा उयर उंने पूजि
 यो कें जका आपकी लुगाइनें जेडणी आदमीनें ठोकजवें ।
- ३ उं उघलो देर वानें कयो कें मोमह काइ थानें आगिया
 ४ दिनी और वां कयो कें मोमह तलाकलो निषणनें वा उंने
 ५ जेडणनें आगिया दोनी । यिमु उघलो देर वानें कयो कें
 थानें मनकी करडाइमुं उं आ आगिया थानेंवेई लिषी लेर
 ६ संसारकें पेंडडाता भगवान वानें मोटियार वा लुगाई
 ७ करर उपजाया । इंमुं मोटियार आपका बाभा माउ
 ८ नें जेडनी वा आपकें लुगाई भेलो रेंओ । और वें दोनुं
 लोग एकडील जमी इंवेई वें उंघोवेलामुं दोय नहीं
 ९ केर एकडील जे । इंमुं भगवान जीनें भेलीया आदमी
 १० उनै नीयारा नई करें । और भूपामें चेलां दुजीवेला
 ११ इंके फायदामें उंने पूजियो और उं वानें कयो कें अर
 कोई लोग आपकी बउनें जेडें वा दूजी परखें तो उं उंका
 १२ वेंरमें जारी करेंजै । और अर लुगाई आपकी धली
 नै जेडें वा दूजानें परखें तो वा जारी करेंजै ।
- १३ और वें उंकनै डावडाबै लाया के उ वानें भीटै और चेलां
 १४ ल्यावखवालानै डरायो । और यिमु उंने देवर मोकलो
 विराजो जे वा वानें कयो कें डावडानें न्हा रेंकनें आणें
 दो वा वानें सती बरजो कींअ कें भगवानको राज याइ
 १५ उखिहारो जे । अं थानें आच कउंनुं कें जकोकोई
 लोग नाना डावडामरीवे भगवानका राजबै नइ लेंअ उ
 १६ उंमें नइ धमनी । और उं योलामें लेर यांके उपर
 हाथ धर वानें अनीअ करो ।

- १७ और उ मारंगनुं जातोहो उंके विचमें एक जखें भागर
वा दोयुंगुडोलियां बेंठर उंनें पृढियो कें हे भलाघणी ऊं
- १८ अनंतजीवतयको कोठारीपखी करणनें काई करनुं । और
यिनु उंनें कयो कें मनें क्युं भलो केंगे एक भगवानविगर
- १९ कोई भलो नठें । तूं जागिया जाखेंगे कें जारी मती
करो खुन मती करो घेरी मती करो कूडीआयदी मती दवो
ठगाई मती करो आपका बाभा वा माउको आदर करो ।
- २० उं उघलो देर उंनै कयो कै हे घणी यां भगलानै मै डावडा
- २१ यणामुं यालियागे । और यिनु उंके उपर दिमट करर
उंनुं प्यार करियो वा उंनै कयो तनै एक काम करखो
नाकीगे जा थारें जकेजकेटै वें वेंच वा थारियांनै हे और
खर्ममें माया मिलनी और आ थारि हलवांखी और न्हारे
- २२ पिण्डो आव । और उ उंकथा उपर दोरोगे वा गल
गलो ऊयर घालियो क्योअ उंको भोकली मायागे ।
- २३ और यिनु चारांकानो देघर आपका चेलाने कयो कै
भगवानके राजमें घमणे मायावाखाने किओ करडे हे ।
- २४ और चेलो उंको कथा उपर अठेरो करियो जेर यिनु दुत्री
वेला उघलो देर बाने कयो कें हे डावडा माया उपर प्रतीत
राखवाखाने भगवानके राजमें घमयो किओ करडेगे ।
- २५ मूईका नाकामुं टोडियाको घमखो भगवानका राजमें माया
- २६ वालासुं घमखो ओरोगे । और वा वतो अठेरो करर
- २७ एक आदमी दूजाने कयो कें तो कुख उधार पाओ । जेर
यिनु वाके उपर दिमट करर कयो कें आदमियाकनें ओ
विगरमुंठेगे जेर भगवानकनें नह क्योअ भगवानकनें अग
- २८ लो मुंठेगे । और पितर उंनें केंख लागो कें देघ न्हे अग
- २९ कनिं गेठीया वा थारें पिण्डो आव । और यिनु
उघलो देर कयो कें ऊं घानें आप कउंनुं कें न्हारें वा मंगलीक
वातविई जीं भूयो वा भाई वा बेंन वा बाभो वा माउ वा बउ

- ३० वा डावडानें वा घरती गेडोनें इमो कोई आदमी नही के
जको ईं वेला एकमोगुखा भूपानें वा भाइनें वा बेंननें वा
माउनें वा डावडानें वा घरतीनें वेदभेली न मिलनी और
३१ आवखवाला, संसारमें अनंत जीवतथपिख । और मोकला
पेंलडावाला पणला ऊमी वा पाणलावाला पेंलडा ऊमी ।
३२ वें मारगमें यिरुअलममें आवताहा और यिमु वानें
अगाडी जावतोणे और वां अजेरो करिवो वा पिगडी
३३ जावाजाता बोहा और उं वारेंनें दूजीवेला और आपके
उपर जकोजको पोंचतोणे वें अमला वानें केंख लामो के
देवो ने यिरुअलममें जावांणं और आदमियांका डावडा
बडा मोहिताने वा उपाध्यायांकैकनें भलावखो पडनी वा वै
उंके मारखवेइ मनजेवो करनी वा उंनें दूजामुलकवाजां
३४ कनें भलायी । और वें उंकी गोई करनी वा कामडी
मारनी वा उंके उपर युक्ताघनी वा उंनें मारनाघनी और
बोजे दिन उ फेर उठनी ।
३५ और जेबदिका दोय डावडा बाणकूत्र वा योहन उंकेकनें
आया वा आ कथा कही के हे धखी ने चावांणं के ने जका
३६ वीनती करी जकिवेइ वं उंनें करनी । उं वानें कयो
३७ के काई चावेणे के ऊं थानेवेई कहे वा उंनें कयो नानें
देवो के न्हाने एक लोग थारें जीवखें वा दूजा थारें डावामें
३८ थारी प्रतापमें वेंठा । और यिमु वानें कयो के थे नजा
खोणे के जको चावेणे ऊं जी वाटकाभुं पोउं थे काई उंमुं
पोख सकाणे वा ऊं जीं दुबोमुं दुबी दिरावेजांउंनुं थं काई
३९ उं दुबोमुं दुबी दिराई जाअकखो । वा उंनें कयो के ने अकां
णं और यिमु वानें कयो के ऊं जीं वाटकाभुं पोउंनुं उं वाट
काभुं पोखो नही वा ऊं जीं दुबोमुं दुबी दिराये जाउंनुं
४० उं दुबोमुं दुबी दिराया जाखो नही और न्हारें जीवखें डावें
४१ बैठखो न्हारें देखमें नही वाखो ज्यकिवेई थारणें । और

- दम चेला आ मुनर याकुब् वा योहन उपर मोकलो
 ६२ रिन्न करख लागो । लेर यिमु वाने बुलायर कयो घे.जं खोणे
 के जको दूजादेमवालीयां उपर आया करखने निभेने वे
 वाके उपर मनमोबाई करेने और मोटा माखव वाके उपर
 ६३ तेज करेने । घाके विचाले रभा नई ऊसी लेर घाके
 विचाले जकोकोई मोटा ऊवां चावेने उ घाको घडयो
 ६४ ऊसी । और जको पैलडो ऊवां चावेने उ सगलाको
 ६५ घडयो ऊसी । कौस आदमोका डावडा ओधो लैखने
 आया नहीं लेर ओधो कमावखने और मोकलावेई आय
 को जीवहुडावखकामोल देखने आयो ।
 ६६ और वे यिरिखुके नेदर पोता और उ वा उंका चेला वा
 मोटो जमातपिख जद यिरिखुने गयो तद तिमाईयका
 डावडा मूरियो बारतिमाई गोचरी करतो मारगके नेवडे
 ६७ नेठलेने । और उ यिमुनाअरेनहे उं आ मुंखपरी हेला
 करख वा आ कैल लागो के हे दाउदका डावाडा यिमु नारे
 ६८ उपर किरपा कर । और मोकला उने डरायो के हे
 अबोल्या रये लेर उं मोकला वसा हेला करिया के हे दा
 ६९ उदका डावडा नारें उपर किरपा कर । और यिमु
 मुसवायर उने बुलावखने कयो और वा मूरियाने आ कथा
 ७० केर बुलायो के जमावातर राव उठ उ तने बुलावेने और
 ७१ उ आपको वखाव वगाथर उठर यिमुकने आयो । और
 यिमु उचलो देर उने कयो के वं.बाई चावेने ऊं तने कहे
 ७२ मूरिये उने कयो के हे घणो ऊं देव खकुं । और यिमु उने
 कयो के चाल धारी मतीव तने ताजो करियो और भट उ
 दिख सखी वा मारगमें यिमुके पिगाडीपिगाडी गयो ।

११ इयारमो पानो।—वे यिरुअलमके नेडा जेतान्
 परवतके तलेटो नीत्फ'ज् वा नीतानीयाने आयापने

- २ उं आयका चेलामें दोय मांखयांनुं मेलिया वा वानें कथो कें छे सामला वैडामें जावो और भाट उमें बडर जडीयो एक बचियो लाधसो कें जीकै उपर कोइ आदमी कदेई
- ३ नई चढियोउं उंनं घोलर ल्यावो । और जोकोइ घांनं के कें क्युं उ काम करोगे तो कहे कें प्रभुनं उंको गरज
- ४ हें और उंइवेजा उ उंनं अठें मेलनी । और वें गया वा जठें दुवाटो मिल्यो उठें बारखाकनें बारखें बांधोडो
- ५ बचियो लाधो वा उंनं घोकियो । और जके लोग उभा ग वाकें विचालें किखीकिखी लोगां कयो कें छे बचियानें
- ६ घोलर काइ करोगे । जमो यिमु आगिया करीगे
- ७ तिसो वां वानें कयो और वां उंनं गेड दीनो और वां बचि यानें यिमुकने लाया वा आयका गाभानें उंके उपर नांघियो
- ८ और उ उंके उपर चढियो । मोकजा लोगापिख आयआयका गाभा मारगमें विजाया वा दूजानें हंवाको
- ९ डाली बाणे वा मारगमें विजाई । और अगाडी जां खवाळां वा पिडाडीआंखवाळानें हेला करर कयो कें होसा
- १० ना भगवानका नांवसुं आंखवाला धन्य । भगवानके नांवसुं आवखवाला जाके बाभो दाउदको राज धन्य सग
- ११ खांसुं उंचामें होसाना । और यिसु यिदुन्नलममें देवरामें गयो और सगलां उपर चारांकानी देघर उ संभिया पडखसुं वारें चेलां भेलो बीतानीयामें गयो ।
- १२ उंके दूजे दिन बीतानीयामें आवखको वेला उ भूकोडे
- १३ और अलगासुं दूजा घांनभरियो एक अंजीर हंघनें देघर उ गयो के काइंजाणा उमें क्युंही लाधै लेर उंकेकनें पोघंर वाखी घांनडा क्युंही नई लाधो क्योस अंजीरकी रित
- १४ नईगे । और यिमु उघलो देर उंनं कयो कें इं रितसुं कोइ लोग कदेई तैसुं फल नघासो और उंके चेलां सुणीयो ।
- १५ और वे यिदुन्नलममें आया और यिमु देवरामें जाघर

- मोक्ष लेखवाला वा वेचखवालानें देवराजुं अजगा करख
 लागो और किराडीकी बाजाट वा पाठावेचखवालाका
 १६ पाटा उंधा करदिया और नई दोवो कें कोई लोग कुंही
 १७ ठांवे देवरामें उघलें । और उं आ कथा केरवानें क्रियाया
 कें आ काई लिखीयो नउं कें सगला गोतीवेई न्हारो भूंयो
 याचनाको भूंयो नांवजादीक ऊसो लेर ये उंनं घोरानो
 १८ घोरानो करियो । और पटैला वा बडा प्रोहितो सुणियो
 वा उंको घोत्र गमावणको वीत कीयो लेर उंसुं डरिया
 कौंस सगली जमात उंके शिवावणसुं अठेरो करियो ।
 १९ और संभिया पडियासुं उ नगरके नारखें गयो और
 २० प्रभाते उंमारगसुं जयरे वां उं अंजोर हंघनें जडसुं सूक
 २१ गयो देवीयो । और पितर चितार उंनें कयो में हे
 घखी देख तें जीं अंजोर हंघनें फिटकार दीनी उ सूत्र गयो ।
 २२ और यिणु उघडो देर वानें कयो कें भगवान उपर भरोसो
 २३ रावो , कौंस ऊं धानें झाच कउंनुं कें जकोकोई हं
 परबतनें केंसी तू रिगस वा दरियावमें वगाथो जा वा
 मनमें सोचसी नहीं लेर भरोसो करसी कें जको कौं उ
 २४ ऊसी तो उ जको कौं सोइ ऊसी । हंसुं ऊं धानें
 कउंनुं कें धाकें याचना करखसुं जको घासी भरोसो करो
 २५ कें लाघसो और धाने वें ऊसी । और जद धाकें याचना
 करखकी बेला उभा जवो तद जको कीकिं वेरमें कांइ ऊवै तो
 उ माफ करो और धाकें बाभो जको खरगमें उं उ धाकें
 २६ धामीनें ठोडदेसी लेर जका ये मइ ठोडो तो धाको
 बाभोके जको खरगमें उं उयिण धाकी धामीनें नठोडसी ।
 २७ और उ दूजीवेला यिरुणलममें आयो और देवरामें
 उंको मुडखकीबेला बडा प्रोहित वा कावबी वा बोदामाख
 २८ उंकेकनें आया वा उंनें कयो कें तू कीं योत्सुं की

- काम करेंगे और तने से सगलीकाम करखकी चीज की
 २६ दीनी। विष्णु उचलो देर वाने कयो के अंपिख धाने
 एक कथा पण्डसु और मने उचलो देको तद धाने कसु के
 २० जो पोचसु के काम कइनुं। योइन्की हुकी दिरावकी
 काई खरगसु काई आदमियासु ने मने उचलो देवो।
 २१ और वा आ केपरी आपके विचाले सोचियो के अर ने कहां
 २२ खरगसु वो उ केसी को उंउपर भरोसो न करियो खर
 अर कहां के आदमियासु वै लोग बीह कोस सगलासोग
 २३ योइनने मनेके उ ठोक निमित्तियो के और वा
 उचलो देर विष्णुने कयो के नेजाबा नग और विष्णु उचलो
 देर वाने कयो के अंपिख धाने कइ कउनुं के की पोचसु
 के काम कइनुं।

- १२ नारमो पांनो।— और उ वाने परचासु केबलागो
 के एक आदमी अंजीरको खेत बाधो वा उके चाराकाजी
 बाड करो वा कुंड घोदियो वा बाढियो कंधो वा परजाने
 २ इजारो दीनो वा परदेष गयो। और रितकीनेलो
 उं परजाकने घडसियाने मेलिया के परजासु अंजीरके
 ३ बंधकानुही फल मिले खेर वा उने कपडरं ठाकियो
 ४ वा घालीहाथी पाणे मेलियो। दुजीवार उं वाकने
 दुजा घडसीयाने मेलियो और वा उके उपर भाठा बायर
 उके माथो फौड नाधियो वा गैरआबरसु पाणे मेलियो।
 ५ और उंउके उं दुजाने मेलियो और वा उने मार नाधियो
 और और मोकलानेपिख किनेई मारपरो वा किनेई मार
 ६ बाघर पछे उके बालो एक डांवडो रेंसु उं सगला पाणे
 उनेपिख मेलियो और कयो के वे न्दारा हावडाकी भगत
 ७ करसी। खेर उं परजा आपके आपके विचाले कया
 के आ थखीने आवो उने मारनावा खेर काठारोपो न्दको

- ८ जनासी और वां उनें अग्रडर मारनांघियो वा
 ९ अंजीरका खेतसुं वगयो । तर अंजीरके खेतको
 घणां काई करसी उभासी वा उं परजाको वाजगमासी
 १० वा अंजीरका खेत दूजनें देसी । खे काई आ पोधी व
 ११ भबिया के सितावठां भी भाठाने निकसे करियो उ वुणाका
 १२ सीस ऊमयो आ चिकुहूनुं करियो गयो वा काकी
 आधियांमें अठेरोनें । और वां उनें अग्रडखें चायो
 खेर खोगांनुं मोहा कोम वां जाखियो के उं वांके बैरनें
 इना परमा कयाग और उनें ठोडर पाखिया ।
 १३ उंपनें वां पारिषिषां वा हेरोदियांके काई आदमीयाने
 १४ मेखिया के उंकी कयागुं उनें अग्रडां । वां आयर उनें
 कयो के हे घनी ने जाबांठां के तूं माथोनें वा किंमुई
 नहीं बीहेनें कोम आदमीको जाणदारी तूं नकरेनें खेर
 साचनुं भगवानको मारग सिधावेनें काईअरियांनें वल
 १५ देखी ठीक वा नहीं खे देखियां वा नदेखियां । खेर उ
 वांको उलंठपखो देवर वाने कयो के कीं मनें परघोणे एक
 १६ राद न्दारेकनें वावो के ऊं उनें देधुं । और वै उनें
 लाया तद उं वाने कयो के आ पितराम वा उंके उपर लिखो
 १७ कोको ठै वां उनें कयो के काईअरको । और थिणु
 उद्यलो देर वाने कयो के जकेजके काईअरकाठे वें काई
 अरियांनें देवो वा जकेजके भगवानकाठे वै भगवानके देवो
 १८ और वां उंनुं अठेरो करियो । उंपनें शादुकी के
 जके केनें के फेरउपडखो नहीं उंकेकनें आया और वां उनें
 १९ आ कयापूणि के हे घनी मोअह् न्दकेवेई लिखियो ठेके
 अर कीकोई भाई अपुथो ऊयर मरे वा वउनें ठोडे तो
 उंकोभाई उं वउनें लेवै वा आपका भाईको कुल उंपजावे ।
 २० सात भाईग और पैखडी परखियो वा अपुथो ऊयर
 २१ मरजयो । उंपनें दुजे उनें परखियो वा मरंगयो

- उंकापिण्ड डावडा नईंन इन्ना तीजेपिण्ड । और सावां
 २२ उंनै परखी वा कूल नराधियो अगलांनुं पणै रंडपिण्ड
 २३ मूंई । इंनुं फेरउठननै अद उठनी तद वामै वा
 २४ कांकी वउ जमी क्वांन सावां उंनै परखिही । यिनु
 उधलो देर वानै कयो कै थांके अरमपोधी वा भगवानकी
 २५ पोषनै नजाखरं कांई न भालोणे । क्वांन अद मोतमुं
 उपठनी तद वं परखनी नही इधलेपो नदेनी खेर खरगमें
 २६ नलकारा अरीषो जमी । खेर मुठदांके फायदांमै कै
 वै उपठनी थे मोऊइको पोधीमै नईं भखिया कै जांतरे
 मोडमै भगवान उंनै आ कथा केर कयो कै अं आवर हामको
 भगवान वा यिखाकको भगवान वा याअकूबको भगवान
 २७ नुं भगवान मुठदांको भगवान नै खेर जोवतांको भगवान
 नै इंनुं थे मोकला भूलोणे ।
 २८ वा उपाध्यायंकै एक लोग आये वा वानै कथावारता
 करता अखर वा उं अका वानै चोषोउधलो दोना आ देवर
 २९ उंनै पूणियो के अगली आगियामें पैलडी किमो । और
 यिगु उंनै उधलो दोना कै अगली आगियामें आ पैलडी
 कै हे यिअराएली तूं अख कै न्हाको भगवान यिअइ एक
 ३० प्रभूजे । और धारै अगला मननुं वा धारै अगला
 जोवनुं वा धारै अगली अमभानुं वा धारा अगला बलनुं
 आपका भगवान यिअइनुं पियार कर आ पैलडी आगिया
 ३१ नै वा दूजे उंकेअिनीयेनै के आपका नंडारैण
 वालनै आपअरीषो पियार कर यां आगियानुं मोटो और
 ३२ कांई आगिया नै । और उ उपाध्यायां उंनै कयो के
 मोकलो चोषो हे गाथा किंखवाला तें आच कयो क्वांन भग
 ३३ वान एकनै वा उंके विगर कोई नै । और अगला
 मननुं वा अमभानुं वा अगला जीवानुं वा अगला बलनुं
 उंनुं पियार करणे वा आपकोइआ आपकं नंडारैण

लाने भियारकरखो अगला होमांनुं वा वारखानुं भोटांने ।

३४ ओर उं कांइ गियांननुं उचलो दोनो यिनु का देवर उंने कयो
के तूं भगवानका राजनुं अलगो नने वा उं बेलांनुं कियो

३५ जोग उंने ओर कुंइ पूछखी हिमत न करी । ओर
यिनु देवरामे निषावणकोबेला उचलो देर कयो के उपाध्याय

३६ किन्तोतरे केने के खोछ दाउदको डावडेांने । क्योअ दाउद
आगो घर्माआनुं कयो के यिअइ न्हारे भगवानने कयो
के अठातांइ ऊं थारे वरियांने थारे पगां न लगाउं तठातांइ

३७ तूं न्हारे जीवये हाथ बैठ । इंकारख दाउद आगो अर
उंने भगवान के तो उ कीतरे उंको डावडेांने । ओर
नांना बादमीयां राजीनुं उंने मुणिया ।

३८ ओर उं आपक निषावणमे वाने कयो के उपाध्यायांनुं
निघेवान के अके लांवागाभा येरर फिरियां चावेने वा

३९ चोटांने मुजरामे वा सिनगम् मे मोटी बाजोटांने वा जीमखमे
४० भिरायत बाजोटांण्य चावेने के अके वेवांका भूपा

घम जायने वा मिअकेवेइ लंबीजू याचना करेने वे नती
४१ तोकीअ पाओ । ओर यिणु कोठारके भूपाके आमो बैठर
देणियो के लागी जीतरे नाबकके भूपांमे पईआ वगाया

४२ ओर मोकलांनुं मायावालां मोकला व गया । ओर
एक भियारखीवेवो दोय नांना पईआ वगाया के जींनुं

४३ एक पईआकी पावली ऊवेने । ओर उं आपका
पेलाने बुलायर वाने कयो के ऊं थाने आच कउंनुं के इं

भियारखीवेवो वा अगलांनुं बतो उंमे वगायो के जीं
४४ बानका भूपांमे वगायोने । क्योअ वां अगलां आपकार

मोकलांनुं उंमे वगायो ओर इं आपका भियार पणांनुं
आपकी अगली मायाने वा आपका अगला निभाव ने उंमे

वगायो ।

- १३ तेरमो पानो ।—ओर उ देवराभुं निकलियां पनें
 उंका चेलांमायलां एक जेणे उंने कथो के हे बघावकरख
 २ वाला देव के ओं काई भाठा वा काई जंठनें । ओर यिष्टु
 उघजो देर उंने कथो के तू काई यां अगली मोटो आंठनें
 देवेनें भाठा उपर भाठा न रीनी के जको भांजो न जाओ ।
 ३ ओर वे जेतानके परबत उपर देवराके नामा बैठतो पितरनें
 वा याअकून्ने वा योअन्ने वा आंभुनें नियारां जयर वाने
 ४ पुणिया के न्हाने के आ अगला कद जमी वा काई
 ५ भेनाखनें कंओ अगला जद पूरा ऊजाओ । ओर यिष्टु
 वाने उघजो देर केख लागो निघेवान के कोई धाने नई
 ६ चुकावे । क्योअ ऊं खीरुं आ कथा केर मोकला न्हारा
 ७ नांवनुं आओ ओरयिख मोकला चुकाओ । ओर थे
 जद काराको कथा वा काराहोखको कथावारता मुखो
 तद मतो हृदियावो क्योअ इनी शिखको गरजई खेर उंवेवो
 ८ अबे नणे । क्योअ गोतियाके वठनें गोती वा राजके
 बैरमें राज उठओ वा ठोडठोड धरतो धूजओ ओर काल
 ९ वा बैधो जमी ओं कअटाका अरुणे । खेर थे निघे
 वानको क्योअ वे धाने पंचावतीमें भलाओ वा सिब
 गगमें थे मारवाओ वा न्हरें फायदामे वकिंवेई आयदी
 होखनें हाकसके वा पातओयाके आंमो लेआयाजाओ ।
 १० ओर पेंजो अगला गोतीयाके बिचाले मंगलीकषातां हंठेरो
 ११ करियो जाओ । ओर जद वे धाने भलावखनें लेजाओ तद
 काई केओ आगे आ मतो विचारे वा मतो फिकर करो
 खेर उंहेवेला जको धाने दियो जाओ उ के क्योअ जको
 १२ केनें ओ धाके नणे खेर धर्माआ । भाईयिख भाईनें
 मोतमें भलाओ वा बाभो डावडाने वा डावडा माउ
 १३ बाभाके बैरमें उघडओ वा वाने मार नांवनो । ओर
 न्हारा नांवनुं थे अगलांभुं घिनाया जाओ खेर नके उंवेवो

- १० तोडो जेजो जो उषार पाओ । और ये जद वेरान
करखवालो घिनायोडो वसतने विगरविजेज ठोडमें देघो
के अकेफास्यदामे दानिएल् निमतियांभु क्योणे जको भजे
जे सो जमभे तद जको यिज्जदाइ देजमेंजे वे परबत उपर
- ११ दोडिया वं जको भूंफा उपर जे उ भूंफामें न उतरें
- १२ वा आपका भूंफासुं कुंहे लेखवेई न धने और जके
- १३ वेतमेंजे उ आपके गाभा लेखने न भटकें । लेर संताप वाने
जे जका उं वेला पेटमुंजे वा जका दूध पावेजे और याचना
- १४ करो के धकी दोडने जौयालामें मतीजवा । कौंज भग
- १५ वान जका जिमट करी उंके पेंलडाता अवारतोडो जिनी
तोओज कदेई नजी वा कदेई बई जनी तोओतोसीज वां
- १६ दिनामें जनी । और अर भगवान वे दिन जेठा न किया
जता तो कौंजोववालाको उजार नजतो लेर अरावख
वालाविई के जियाने उं सरायाज उं वेदिमाने जेठा
- १७ करिया । उं वेला अर कोई धाने के देघो अठे
- १८ खीचजे वा देघ उठेजे तो भरोओ मतो करो कौंज कूडा
खीच वा कूडानिमतिया उपडनी वा अठेराकाम वा विज
मयकरखवाला कामाने देवानी के अर होणहार जवे
- १९ तो अरावणियाने भुजाओ लेर ये निर्वेवान देघो में
- २० पेलडे धाने जगलो कयो । लेर वा दिनामें उं
तोओज पजे सूरज अंधारो जजासी वा चंजमा आपकी
- २१ घानयो नदेसी वा आकाजका तारा पडसी वा खर
- २२ गकी बल हिलायो जासी । वा तद आदमीओ डावडो
आकाजका मीमें मोटो बल वा वेज भेलो करियो अरपतोडा
- २३ देघिघो जाओ । और तद उ आपके हलकाराने मेवसो
वा चेवायो वायरो वा धरसीकी सौवमुं खरगको सौव
- २४ तोडो सरावणोयाने मेला करसी । अने अंजोरका हंसुं
यक परओ सौघो जद उंकी डाकी गौली जवेजे वा घुंठ

- २९ काठेँ तद जांखेँ केँ उभाकाको रित नैडोँ । छेपिख जद
वाफो होखो देवो तद जांखो केँ उ नैडो बारखाकनेपिखेँ ।
- ३० ऊं घानेँ साच कउंनु केँ इँ बेलाक लोग वें नजासी जठा
- ३१ तोडीं आ सगबो नजवोले । आकाज वा घरतो वें जासी
लेर न्हारी कथा वें नजासी लेर छंदिन वा उं बेलाकी
- ३२ कोई नजांखेँ खरगका हलकारा वा डावडापिख नजांखेँ
- ३३ लेर घाली जाभो जांखेँ । निघेवान घोरो राघो वा
याचना करो कौस छे नजांखेँ केँ वा बेला कद जसी ।
- ३४ जिसो परदेस जाणवालोआदमी आपको भूपो गेडेँ
वा कोठा आपकेँ घडसियाकनेँ भलावेँ वा कुजकोई लोगानेँ
आपकोआपको काम देवेँ वा योलियानेँ घोरो देखनेँ आगि
- ३५ या देवेँ उ रोजीना तिसो । इवेँ घोरो राघो कौस छे
नजांखेँ केँ जी बेला भूपोको धखी आसी काइ संभियानेँ
वा दोषघोरारानेँ वा कुकडाकी भोखखकीबेला वा
- ३६ परभास काई जांखेँ केँ अकसाय आयर घानेँ सूतो
- ३७ लाघो । जको ऊं घानेँ कउंनु सो सगबानेँ कउंनु क
घोरो राघो ।

१४ चौदमो पांनि ।—दोयदिन पठेँ पेमाख वा विगर

घाटाकी बाटीकी बेला जी वा बडाप्रोहितसुं वा कानुगांसुं
सोभना करी केँ जीकरेँ तोतसुं उनेँ अपरमार नांघा ।

२ लेर वांकयो केँ तिवारक दिन नहीँ काई जांखा लोगानेँ
विचारें वेदो जसी ।

३ और वें बोतामोयामेँ शीमन्कोलीकेँ भूपामेँ रेत वा
वावखनेँ बैठता एक रंड आई केँ ओकेँकेँ घोलाभाठाकी
एक डकी घोषीपरषकी सियारावाणीका तेजसुं बोलीगे
आर उं उंघोलाभाठाकी डकी भंजइ उकेँ माथाउघर
४ कुटी । और कियी लोगां आपकेँआपकेँ विघनेँ

- रीस करी वा आ कथा बोलीया के तेसको ओ मुकमान खुंने
१. कोस ओ तेस तीन से पाववासिं भेषियो वा भियारियांने
दीने जाय सकतो ओर वा उंके कायदामे चकर करी ।
२. ओर यिन्नु कयो के उंने जाबदेओ को उंने वोसीस देवे
३. ओ उं न्हारे उपर साउकाम करियो । कोस भिया
रिया रोजीना धांके भेलाने वा जद चावे तद बांको भलो
४. कर सकथो ओर ऊं धांके भेलो रोजीना नहुं । उं जको
अकियो सो करियो उ घोरमें देखवेई न्हारे डोखमें मसलख
५. के अगाडि आई । ऊं धाने साध कउंनु के सगला संसार
में जठेजठे ओ मंगलिकवाता हंडेरो ओरियो जासि हं जको
करिया के उंके यादवेई कया जायो ।
१०. ओर यिजदाष्ट खारिओटा न्हारे चेलांमे हक लोग
११. उंने सोतसुं भालावखवेई बडाप्राहितांकेने गयो । के
सुखर राजीग वा उंने हपया देखने चुकाय खोने ओर
उं उंने सोतसुं भालावखवेई ठालपी सोभी ।
१२. ओर निगरवाठीनाटिके पैलवेई दिन येनाख्के मारखकी
वेला चेलां उंने कयो के तू कांई चावेने के न्हे जायर घारे
१३. वांख वेई येनाख् तयार करां । ओर उं आपका दोय चेला
न मेलिया वा वाने कयो के नगरमें चालो ओर पांगीको
मंघलीयो उघखवाको एक आदमी धांके भेलो मिचसी
१४. उंके पिनाडिरे जा । ओर उ जठे धसें भुंयाके धखीने
कहो के वधांखोक केने के जोमखको घर कठे के जठे ऊं
१५. आपका चेलांभेलो येनाख् वासुं । ओर उं धाने
घुटियोडो वा तयारकरयोडो एक मोटो माखियो देवासी
१६. उठे न्हके वेई तयारी करी । ओर उंका चेला गया वा
नगरमें पोसा वा उं जिसियो वाने कयोने तिसो पायो
१७. वा येनाख् तयार करी ।

- १८ और सीभिया होखसुं उ वारें घेला भेलो आयो । और वें
बैठता वा जोमता यिमु कयो कें अं घानें साध कउंउ कें न्हारें
भेखो सीमखवालो हक लोग मनें सेतसुं अघडासी ।
- १९ और वें दुःखीहोख लागो वा आपतमें उनें केंनलागा कें उ
२० काई अं वा दूजानें कयो कें उं काई अं उं उघयो देर वानें
कयो कें वारें जनाके विचाले जके न्हारें भेला थाखमें हाथ
२१ घालें उं अदमी । आदमीका डवडा जिसो उके
कायदामें लिखियो उं तिसो जाखें सही लेर संताप उं
माखधनें कें जीसुं आदमीका डवडा भूलाया जायउं उं
आदमीको घोषो ऊतो कें अर उं जनम नखेतो ।
- २२ और वानें जिमनेसुं यिमु बाटो लेर सुत करर भांजी
२३ वा वानें दोनो वा कयो कें जेवो घावो ओ न्हारो डीलउं ।
२४ और बाटको लेर उं सुतकरर वानें दोनो और वा सगला
उंमु घोये और उं वानें कयो कें ओ नवोसरवत ठिकाळी
करनि न्हारो जोईउं कें अर मोकलाविई कुठियो जायउं ।
- २५ अं घानें साध कउंउ कें ईबेलासुं अठातोडि भगवान
कें राखमें उनें नवो नपीयुं उं दिनतोडीं अं अंजीरसुं
२६ उपजोडि कियोवसतनें न पीसुं । उं पउं वें त्वब गायर
जंतानकें परवत उपर गया ।
- २७ और यिमु वानें कयो कें इं रातमें घे सगला न्हारें
कायदामें अटकसो कोअ लिखियो उं कें अं घोरतिया
२८ मारनुं वा गाहरा धिवरबिघर अजासी । और न्हारो
केरउठखकें पउं अं घाके अगाडी गालिजिमें चालसुं ।
- २९ और पितर उनें कयो कें अर सगला अटकै तोपिख अं न
३० अटकसुं । और यिमु उनें कयो कें अं तनें साध कउंउ
कें आअ इं रातका कुकडाके देबेला नेखबकें अगाडी सुं
३१ न्हारें कायदामें तीनवार फिटकार करनी । और
उं औरपिख करडे ऊयर कयो कें अर धारें भेली न्हारी

मोत जवै बोपिख धारें फायदामें कदेई नहीं फिटकार करमुं ईसो सगलापिख कयो ।

- २२ ओर उ एक जगामें पेंतो कें जीको नांव गेत्सेसो ओर आपका चेकानें कयो कें जं याचना कर्द जठाताई
- २३ अठें बैठो । ओर उ आपके भेली पितर वा ग्राञ्जकुव वा योहन्में कोने ओर अन्देआकरख वा मोकलो दुगि होख
- २४ जागो । वा वानें कयो कें नारो मन मरखयोडी मोकलो
- २५ दोरीठै अठें रही वा पोरो देवो । ओर घोडा अलग जायर उ माटोउपर पडियो वा याचना करि कें धर जब
- २६ सके तो इधडी उंसुं आवें । ओर उं कयो कें हे आवा अर्थात् हे नाभा सगला तनें केसके उें ओ वाटको नारें सुं जेजवो जेर जं जको चाउंनु सो नहीं जेर तुं जको आवे
- २७ उें सो होवे । ओर उ आयो वा उंनें भीदमें लाधो वा पितरनें कयो कें हे जीमन् तुं काई भीदजावेउें काईं एक
- २८ छडोपिख पोरो देख न सकियो । पोरो दे वा याचना करके तुं किमतमें नधसें मन धार उें साध जेर डोल दुब
- २९ जो । ओर उं दुजीबेजा जायर वें ईबादा कौर याचना करी उं पनें उं मोडर वानें फेर मोदमें सुतो लाधो
- ३० कौस वाकी आधिया घुटरइजी ओर वा नजाखियो कें उंनें काई उधलो देवा ओर उ तीजीवार आयो वा वानें कयो कें
- ३१ बाकीनीद पूरो करो वा चैक गुजारो कें सगला मोकलाउे वा बेला आइ है देवो आदिमोका डावडा पापियाके हाथमें
- ३२ कपडाया जायउें । उठो नै जावा देवो मोतवाला भेडाहें ।
- ३३ उंहि बेला उंके कैखनें नारै चेकानो एक कोम यचोदाह आयो ओर सरवार वा लाकडी भेली जेर बडामे हितो सुं वा कानुगासुं वा बडेरसुं मोटो जमातपिख उंके भेली
- ३४ काईं । ओर उंनें भालावखवाला आकर वानें गांधी करी कें जं जीनें चुसू जो उ उें उंनें कपडो न जिचे

- ७५ वानीसु' लेजावो । चोर चायर उ बेगो उकेकने चायर
 ७६ उके कपो के हे गुरा हे गुरा वा उने चुसो । चोर वा
 ७७ उके उपर आपको हाथ दीना वा उने कपडो । चोर बँडा
 दखवावा एक आदमी पाती घोसर बडाप्रोहितके एक
 ७८ चाकरने मारियो वा उको कान काटनाधियो । चोर
 यिमु उघली देर वाने कपो के जिसो चोर उपर विसो
 चाके काई पातीसु' वा लाकडोसु' मने अपडखने आया
 ७९ गो । जं सदाई चाके नँडो देवरामे भखातो हो लेर
 ८० ये मने न अपडो गो लेर जो ऊवोने के घरमनाख पुरो
 ८१ होजावे चोर सगला उने गेडर दोडा । चोर एक
 मोटियार लोग उके पिगडीर आयो के जीवा मागा
 डीबउपर एक गाभा पकटियो गो वा मोटियारां उने
 ८२ अपडियो । चोर छ गाभा गेडर उ वासु' नागो
 दोडियो ।
 ८३ चोर वा यिमुने बडाप्रोहितकने आया चोर सगला
 बडाप्रोहित वा बडेरा वा कामुगा उके भेला जमाग ।
 ८४ चोर पिवर अखगासु' बडाप्रोहितके भुंपातोडी चाके
 पिगडि२ गयो वा वासदेके नँडो घडसियो भेलो बँठर वा
 ८५ सदे मेकख लागो । चोर बडाप्रोहिवां वा सगला चांधिया
 ८६ यिमु उपर मारखवेइ सोभियो लेर कियोने नखायो । मोक
 खाने उके बेरमे कुडी आयदी दीनी सही लेर वाको आयदी
 ८७ एक मरघो नगो । चोर कियो२ उभा ऊयर आकेर
 ८८ उके उपर कुडीआयदी दीनी के नै उने आ केतो
 सुखियो के जं यां हाताका वखायोडा देवरामे भांजसु' वा
 तिन्दिनमे विगर हातसुं वखायोडा दूजेदेरो वखामकसु' ।
 ८९ लेर तोपिख चाके आयदी एक सरीघो नगो । चोर
 ९० बडाप्रोहित विमाले उभा ऊयर आ कथा केर यिमुने
 पुणियो के हू' काई क्युहि उघलो नदेवेने के घारे उपर

- ६१ काई आयदी देविउं । और उ अनेलो रयो वा कुंछि
 उघलो नदिने दुजीबेला बडाप्रोहितां उंने पुञ्जियो वा
 उंने कयो के तू काई घनको डारडो खीछुं और यिनु
 ६२ कयो के ऊं उं और ये आदमीका डारडारें बसके जीवयो
 ६३ बैठता वा आकारके मेमें आता देवसो । और बडा
 प्रोहित आयको सिणगार फाडर कयो के न्हानें आयदीयांकी
 ६४ और काई गरजते ये उंको उलठपयो सुणियो ये काई
 बिघार करीगे और वा सगलां उंने कयो के उ मरखें
 ६५ खायकते । और कोईर उंके उपर धूक नांखने वा उंको
 मूढो छकखने वा घमेड मारखने वा आ कथा केख लागो के
 निमितियांकी कथा के फेरपिय घडसियां उंने थपेडो
 मारियो ।
- ६६ और पितर चेठे बारनालीमें रेखसुं बडाप्रोहितांकी
 बडारखमांसुं एक आई वा पितरने वासदेकने सेकतो
 ६७ देवर उंके उपर दिमठ करो वा उंने कयो के तूपिय यिनु
 ६८ नाजरेके भेजागे । और उं आ केर फिटकार करियो के
 जीके फायदामें तू केउं उंने ऊं नजांयुं उं और उ गोवामें
 ६९ बारखें गयो वा कुकडे वांग दीनी । और दूजीबेला
 एक बडारख उंने देवर नेडारैखवालांने केख लागी
 के ओ वाकी एक लोगे उं दूजीबेला फिटकार
 ७० करियो । घोडाबेला पने दूजीबेला नेडारैखवालां
 पितरने कयो के ठोक तू वाकी एक लोगे उं कोमं
 तू गालिबिको लोगे वा घारी कथापिय उसीगे ।
 ७१ और उ फिटकार देख वा सुंस काछण लागो के ये जी
 ७२ लोगकी कथा कोगे उंसुं ऊं जांयकार न उं । और
 दूजीबेला कुकडे वांग दीनी और यिनु पितरने अको कथा
 उं के कुकडाके दायवार वांगदैखके पैबडा तू मने तीनवार

फिटकारभो उंकी आकथा वितर चितार खोर उ उंके
चितारर रोंयो ।

१५ यनरमो पांजे ।—खोर भट्ट प्रभाते बडाप्रोहिवा
का बडेरा का कानंगा वा सगला पांचियाके भेची सला
करी खोर यिन्नुने जडर लेगया वा पीलात्कने भला
२ ये । खोर पीलात् उंने पुणियो के तू काई यिन्नुदि
३ याको राजाउं उ उचलो देर कयो के तू के । खोर बडा
प्रोहिवा उंको चाडि करी खेर उं क्युहि उचलो नदी
४ ने । पीलात् दूजीबेला आ कथा केर उंने कयो के तू
काई क्युहि उचलो नदेवेने देखे क्तिती नायदो धारा बैरमें
५ देवेने । खेर यिन्नु तोपिय क्युहि उचलो नदोने के जीसुं
पीलात् खेरे करियो ।

६ उं तिकारसुं उ वाकने एक बंदीवानने ठोडखकि रीत ने
७ के वे जी किनेई घाँ खोर बारन्वा नांभे एक लोग ने के
जिया उंके भेला बैधो करियो ने वा बेधामें पुन कोधोने
८ वाके कने केदने । खोर जमात होलाकरर विक्रित
९ करण लागे के उंरकाणा माफिक वाके कने करे । खोर
पीलात् वाने आ केर उचलो दोने के छे काई चावोने
१० के ऊं थाके कने यिन्नुदियाके पातभाहने ठोडु । क्योस
उ जाणगयो के बडाप्रोहिवा मोटे सुभावसुं उंने भलायो
११ ने खेर बडाप्रोहिवा लोगाने मिषयो के उं वाके कने
१२ बारन्वाने ठोडके । खेर पीलात् दूजीबेला उचलो
देर वाने कयो तो काई चावो ने के ऊं उंने कहे के जीने
१३ ये मडदियको पातभाह कवोने । वा फेर होला करिया
१४ के उंने हलवाखी उपर मारनांष । खोर पीलात् वाने
कयो के क्यो उंने काई घामी करी खेर वा फेर होला
१५ करिया के उंने हलवाखी उपर मारनांष । खोर पीलात्

सोमाने रात्री करणने चायर वाके कने बारजाने ठेडिओ
वा यिमुने मार खुवायर हलवाणी उपर मारनवेइ
म्वलायो।

- १६ ओर डोडवाशिया उने बारनालीके बिपाल लेमया
के ओको नांव प्रेतोरियम् ओर सगलो लसकर वा भेले
१७ बुलायो । ओर वा नेगशिया रंगका गाभा उने पैराया
वा भिंटेरस्की टोपी बणायर उके माथा उपर मेळी
१८ वा उके कने वनवा करण लाग के हे यिहेदियाका
१९ घातनाइ वनवा । ओर वा उके माथा उपर कामडी
मारो वा उके उपर थुकियो वा दोनु गुडेलीया ऊयर
२० उने पूजीयो । ओर अद वा उने गार्डे क्रीये सब उनु
वे वैगशिया रंगका गाभा बोशिया वा उको पोताकी वखाव
उने पैरायो ओर उने लेग्या के उने हलवाणी उपर मार
२१ नावा । ओर आलेक्सान्दर वा रुपसकी बाभा ओमन्
किरिनी एक लोग चौडासुं आयर उ मारगसुं जायने
वा उको हलवाणी उठावखवेई उने बेगार कपडियो ।
२२ ओर वे उने गल्गता नामे जागामे लाया के ओको तंब
२३ माथाकी घोपरीकी जागा । ओर वा गन्धरस आमेअ
दापको रस पोवखवेई उने दानो लेर उ उने नयोयो ।
२४ ओर वा उने हलवाणी उपर टेरेर उके गाभावेई गोली
२५ वाटोकर बिराड कोयो के कुण आदमी कोने लेसी । ओर
कोजीबेला ऊहे तद वा उने हलवाणी उपर टेरियो
२६ ओर उको ओ घामीनामा उपर लिष दानो के ओ बिह
२७ दियाको राजा । ओर उके भेला दोय चेरपिण टेरीयर
२८ गया एक उके ओमलो वा दूजे ठावे । ओर अको
गिरधमे ओ लिषियो ठे के बिगरबैनभेला उ गिणीयो
२९ ठे उ परवारियो । ओर उ मारगसुं जाखवाला
आयकोर, माथा खुयर ओ कैर उकी गार्डे करो के हे

- देवराका बिगाडकरखवाला वा तीनदिनमें उन्हें क्रूर
 २० उपावखवाला तूं आपको उधार कर वा हलवाखीसुं
 २१ उतर । उंइतरें नडाघोहितोपिख कानुंगा भेलो आपके
 बिचालें गोइ करर कयो के उं औरांलोगांन उधार
 २२ करियो आपको उधार नकर सकियो ॐ । धिअराएल्लो
 पातभाह् खीए आनाए हलवाखीसुं उतर के ने देवां वा
 प्रतीत करां और अको उंके भेला हलवाखी उपर टेरिया
 २३ ग वांपिख उंकी गोइ करी ।

- ठो घडी होखसुं नो घडीभोडी सारादेअमें अंधारो
 २४ ऊवो । नो घडीकेबेलांमे धिसु आ क्रूर मोकला हेंला करर
 कयो के हेएलाहीर लामा सावाखतनि अर्थात हे न्हारा भअ
 २५ वान हे न्हारा भगवान तें मनें क्युं जेठियो । और मंडा
 रैखवाला किसी लोगां सुखर कयो के देव उ एलीयाह् नें
 २६ बुलावें ॐ । और एक अखो भागरं सिरकासुं संअ गडियो
 वा भुंगलो उपर देर उंनें पायो आकरं के रैखदे ने देवां
 २७ के एलियाह् उंनें उतारखवेई आसो क नहीं ।

- २८ और धिसु मोटी घिसली मार जीवदोने । और
 देवराको सिघर निचासुं उपरतोडी फाठर दीय टुकडा
 २९ ऊवो । उं इसा हेला करर जीव दीने एक सोसिलेंदारां
 को धनी के अको उंके अगाडी रयो उं आ देवर कयो
 ३० के साच ओ आदमो भगवानके डावडो ॐ । अलामासुं
 देवखनें कोइर रंडपिख उभोही वामें मारिया माम्दालेनी
 वा नांना यझाकुब् वा योनीकी मा मारिया वा सबोमी
 ३१ के अद उ गालिजिमें ग तद उंके पिनाडी गइ वा उंकी
 चाकरी करी और मोकली रंडपिख के अके उंके भेधि
 यिरोअलममें आइ ।

- ३२ और त्यारीकरखको दिन ऊवो के अको अदीतवा
 रके अगाडी हंसुं संभिया होखसुं आरिमातियाका बुसख

- ७२ आबहवाका प्रधान के जी भगवानके राजकी वाडभोवाहा
 उ आयर निडरसुं पिजाव्कनें थयो वा विभुको डोस मां
 ७३ यो । और पिजाव् अनेरो करियो के उ तबो मरीयोनी
 और एकसोसिलेदारका थयोनें आयके नेंडो बुखावर
 ७४ पुजियो के उ कितीवारसुं मरियोनें । और एकसोसि
 लेदारका थयोसुं वा जाबपरी बुसफनें उ डीस दिवो ।
 ७५ और उं मोंगाभा मोलकीया वा उनें उत्तर गाभासुं पबे
 टियो वा भाठामें वेदियोही एक घोरमें उनें राखो वा
 ७६ घोरका मुंडाउपर एक भाठो चेपियो । और मरिया
 मारुकीनी वा बोझकी माउ मरिया देखो के नठे उ रा
 ख्योने ।

- १६ सोखमो पानो । और अदीतवार दोबसुं
 मरिया मारुकीनिनें वा यभाकुवकी माउ मरिया वा
 छलोमी मसाका मोख खीना के आयर उनें लगावा ।
 २ और मोटेप्रभात अदीतवारके पैखडा के सुरजउगबकी
 ३ बेखा घोरकेनें आई । और वा मोंभोमाय केब लागो के
 ४ घोरका मुंडासुं भाठानें श्वाकेनेई कुब गुडासी । और
 दिमट करर वा देखो के भाठो घोरका मुंडासुं गुडाबेके
 ५ नें उ भाठो मोखलो मोटोने । और घोरमें उत्तर
 के जीमगीकानी नेंठी वा खीनाजु थोसोसिलगार पैरोडा
 ६ एक मोटियारनें देखो वा बोही । उं वाने कयो के
 मतोनीहे ये हलवाबीउपर माचोगयो यिषु नाजरेन
 नें सोभोहे उ उपडियोनें उ अठे नठे जी जागा वः उं
 ७ नें राख्योने उठे देवो । और जावो उंका चेकाने वा
 पिवरनें कयो के उ गालिलिमें थाके अगाडी जावेनें उं

Vikners.

0

ने

८ जियो घने कयो ते उसो उनें देवयो । और वें
भट बारखें आई वा घोरसुं दोडी क्योस वै बुझी वा
छट्टेरो करियो वा किबिकिनें क्युं नहीं कयो क्योस वै
बिहीगी ।

९ अठवादाके पैलडा मभालकी बेला यिन्नु उपडख
पठे पैलडा मारिया माम्बलिनिकेकनें देखाइदियोगे के

१० जीसुं सात भूतानें लुटायाग और जके उकेंभेवा

११ रोताग वा भुरताग वानें उं जहायो । और
वां जद् सुखर कै उ जीवतो ते वा उंसुं देवोले तद् प्रतीत
नकरो ।

१२ इं पठे उ दुजाउखिहारासुं वाके विजा देय आदमियां

१३ कनें देवोले के जके देममें जावता ग । वा वां जायर

१४ दुजानें जहायो खेर वां वांकी कथापिष न प्रतीतकरो । उं
पठे इगारे केला जीमयनें बैठखसुं उ देखोले वा वांके
गैरप्रतीत वा करडाईनेइ वानें बोहायो क्योस उकें उ

१५ ठख पठे उनें जीयां देखोले वां वानें प्रतीत नकरो । और
उं वानें कयो के सगलासंसारमें जायर मंगलीकवातां

१६ सारोपजकतमें छट्टेरो केरो जको प्रतीत करे वा कुवी
दिरायोडा कसि सो उधार पासो और जको न प्रतीत

१७ करसि सो नारकीमें तोसोस पासो । और प्रतीत
करखवालाके पिगडि औ लवण आसो वें न्दारा नांवसुं

१८ भूतानें लुटासो वें नबीबोली बोलसो । वें सायांनें
उपाडसो वा जको मरखकी कियो वसतनें पीसो तो
वा वांकी बुरोहवाल नकरसो वें मांदा उपर हाथमेलसुं
वा वें ताजा कसो ।

१९ और प्रभु ओ सगलो वाने कया पठे खगमें लोग

२० बोडा कसो वा भगवानके जीमयो बैठो । और प्रभु

वाक्ये भेदो कामकर वा पाठो प्रावणवाक्का लघुयांसु कथा
 निवृत्त्यकर वा निवृत्त सारजागा छन्दो मरिचो ।
 आम्नि ।

मंगलसमाचार लूकरचित ।

१ पैलडो पाने ।

- १ यलडो पाने ।—हार्के विपलै मोटीप्रतीतकियोडो
मन्ना कथा वा कथा जितो हार्केकने वासुं भलायोडो नै
के जका पैलडासुं कथामे आंवासीसायदी वा हुंफेरे। फोरख
- २ वाकाहा वीसा रितके लागक मोकलाजोग कियख लाग
- ३ इमें कै तेयोफिलस महाराज ऊपिय पैलडासुं यांसगनामें
काठो जांखकर ऊये तने रीतसुं लियखो ठोक जान्थो के
- ४ तुं जी कथामें सिषायोडोने उंकी हारद जांथे ।
- ५ यिऊहाइ देअमें हेरोद यातसाके दिनमें आबोयाहके
वारिके जाखरियाह नांवादीक एक चारख ने ओर उंकी
बउ आहरखको डावडियामें छी उंको नांव एकोसबाया ।
- ६ वै दोनुं भगवानको सगली आग्या वा नोसने बिगरषामो
- ७ अं रावर भगवानके सांमा सिध ज । ओर वार्के
कोई डावडो बने कोंस एकोमवधा बांभनी वा दोनुं
- ८ मोकला दिनका लागज । ओर आयकी वारीधोग
भगवानके सांसा, चारखका काम करखसुं चारखके काम
- ९ अरोषो यिऊहका देवरामें बडर उंके धुप सेवखको काम
- १० ने । ओर लागीकी अंगली जमात धुपकीबेसा
- ११ वाचना करवा घका वारखें ज । यिऊहको एक
हलवारो उंके देषियो ने के जकी धुपके चवरीकी
- १२ नोवणीकानी उभोने । ओर जावरियाह देवर बोहो

- १३ वा रिग्या उंके उपर पहियो । लेर हलकारे उंने कयो के हे जापरियाह मतो बीह कोम घारी याचना मुखोत्री वा धारी बउ एलोमबआ डावडो जखसो वा उंको नाब
- १४ तुं योहन देत्री । औरपिण तने राजो वा आनंद जत्री
- १५ वा उंके जखसुं मोकला लोग राजो जत्री । कोम उ यिजहके सामे मे.टेा जत्री वा दापकी मोख वा दाब नयोत्रो वा आपकी माउकर पेठमें रैखकीबेखामुं धमोआ सुं पुरो जत्री । वा यिमराएल्का डावडाके मोकलाने
- १७ उ वांके भगवान यिजहकानी मुडासी । और वाभाका मनने डावडाकानी वा नईमानखवालाने सिधाके ग्यान काको मुडावखबेई वा धारकचोडालोगाने भगवानबेई धारकरखबेई उ एखीयाहकी आत्मा वा पोचमें उंके धामे
- १८ घालसी । और जाखरीयाह हलकाराने कयो के ऊं कोतरें आ जाखसुं कोम ऊं डोकरोनुं वा न्हाकी बउ मोकला
- १९ दिनाकी ऊईने । और हलकारा उंने कयो के ऊं भमवान के सामे उभखवालो गात्रिएलनुं वा तने केखने वा खे
- २० मंगलिकवातां तने देनने मेल्योडो नुं । और देख जठर तोडी खे काम पूरा नई जवे तठा तोडी तू गुंगो वा नकेख सकखवालो जत्री कोम तें न्हारी कथा उपर प्रतित बकरी
- २१ के जका आपका बेजामे परवारी जसी । और लोम जापरियाहकि बाडजोताज वै वा उंके इति बेला देवरामे
- २२ रैखकी अठेरो करियो । और उंजिककर वाने कथा केख ब सकियो और तें जाख गया के उंने देवरामे दरमन
- २३ दोषोणे और उं वांके सामे करो वा गुंगो रयो । और उंके पूजाका दिन पूराऊवां यणे उ आपके भूपे गयो ।
- २४ इंपणे उंकी बउ एलोमबआ आधानसुं ऊई वा आ कथा
- २५ केर आपने पांडव माम ङिपि । के भगवान जादिना न्हारी निबंनना लोगाके विघाले उपाहखबेई न्हारे उपर इसी

- २६ टुडकरो । उठे मास गात्रियल हलकारो भगवाननु
 नावरेत नांवजादीक गालिलिके एक नगरमें दाउदको
 २७ परवार युसफ नांवजादीक भेलो सगाई कथोडो एक
 डावडीकने मेलियोडो ओ उं डावडीको नांव मारिया ।
 २८ ओर हलकारे उंकने आयर कथो के हे मोकलीकपा
 मिलखवाली जुहार भगवान थारे भेलो उं तूं लुगायेके वि
 २९ घाले धन्य । वा उंने देवर उंको कथासुं मोकली बोधी वा
 ३० लोत करी के उ कौतरेको जुहार । ओर हलकारे
 उंने कथो के हे मारिया तूं मती बोह कौस ते भगवान
 ३१ कने छया लाधी वा देव तूं आधानसुं ऊसी वा डावडो
 ३२ अखसी वा उंको नांव विनु देसी । उ मोटो ऊसी वा
 सगलांसुं मोटाके डावडानांवसुं प्रतापीक ऊसी वा यिऊह
 ३३ भगवान उंका बाभा दाउदको तवत उंने देसी । वा
 उ याअकुनके कुलमें रोजीना राज करसी वा उंके राज
 ३४ को पार नऊसी । ओर मारिया हलकाराने कवी के ओ
 ३५ कौतरे ऊसी कौस ऊं मोट्यारने न जाणुडुं । ओर
 हलकारे उधलो देर उंने कथो के धर्मात्मा थारे उपर
 आसी वा सगलांसुं मोटाके पोंच थारे उपर गया करसी
 इंसुंपिख अको पवित्र पुरुष थारेसुं उपजसी उ भगवा
 ३६ नको डावडो प्रतापीक ऊसी । ओर देव थारी गुतखो एलि
 शवआपिख डोकरीपखामे डावडो पेटमें राख्योने वा
 ३७ अका बाभ केताग उंके उठोगास ओने कौस भगवान
 ३८ कने काई कथा न सकखवाली नने । ओर मारिया
 कथो के देव ऊं भगवानकी बडारखनुं थारे कथा
 सरीषो थारे उपर जो ओर हलकारा उंकनासुं गया ।
 ३९ ओर उंदनसुं मारिया उठो वा परवतीदेअमें बेगी
 ४० यऊदाइका एक नगरमें गई । वा जाखरियाइके मूपामें
 ४१ बढी वा एलिशवआने जुहार कथो । ओर ऊसीने के अह

- १२ शरीरबन्धा मारियाको मुजरी सुखियो तद डावडो उंचा
 पेटमे कुदियो वा शरीरबन्धा धर्मात्मासुं परवारो गई ।
 १३ वा मोटा सादसुं जेला करर बेली के सुमांवाके विचार्ले
 १४ तूं धन्ये वा धारा पेटको गर्भपिब धन्ये । ओर
 मने ओ कठसुं जवो के न्हारे प्रभुको माउ न्हारेकने न्हारे
 १५ ठे । कोस देव जद धारे जुहारकी बेली, न्हारे कानने
 १६ भीठ्यो तद न्हारे पेटमे डावडो राजीसुं कुयो । वा प्रतीत
 करखवालोपिब धन्य कोस विअहसुं कयोडोनाता सगळी
 ऊसी ।
 १७ ओर मारिया कयो न्हारे जीव भगवानने मोठो जाखे ।
 १८ वा न्हारे आत्मा न्हारे उधारकरखवाला भगवानने
 १९ चैन मुजारे । कोस उं आपकी बढारखके गरि
 बार् उपर देवियो कोस देव इवेकासुं सारी पीछि मने
 २० धन्य कैसी । कोस जको पोचवाने उं मने मोटो काम
 २१ करियो वा उंकी नांव निरमखे । वा जके उंने बोई
 २२ ने वानेउपर उंकीछपा पीछीदरपीछी ने । उं आपका
 हाथसुं ओर देवियो उं गुमानोआदम्याने वाना मनका
 २३ मनमोवासुं विवरविधर कया । वाने पाठसुं उं पोचवालाने
 २४ बगाया ओर म्यारियाजोगाने उंचा करिया । उं भुवाने
 पोषीवस्त्रासुं धयाया लेर मायावालाने वाखोहाथा गेडि
 २५ या उं जोसियो न्हारे पितरलोगांकेकने अथवा आवराइम्
 २६ वा उंके कुलने कयोने तीसी आपकी छपा रोजीना
 पितारखनेई आपका घडशिया यिनराइलने उपगार
 करियो ।
 २७ ओर मारिया तीनमासके आसरे उंके भेली रई उंपने
 २८ आपके भूपे आई । ओर शरीरबन्धाके थावखको बेला पूरी
 २९ ऊई ओर उं डावडो उपजायो । ओर उंके चाबकांनो देख

- वाणी वा कविणी सुखियो के विजह उके उपर आपकी
 ३८ किरपा मोटो करी वा वा उके भेकी राजी करी । ओर
 इसो ठो के वे आठवे दिन डावडाकी सुमतकरखने आयर
 उके बाभाके नांवइसो उकी नांव आखरियाह दीना ।
 ३९ ओर उकी माउ उघली देर कयो के ओ नहीं खेर उ
 ४० बोहन् प्रतापीक ऊसी । वा उके कयो के धारे कनी
 ४१ खामे कोई आदमी ओ नांव नरावेने । ओर वा उके
 बाभाने सानी करी के उ उकी कोई नांव राख्या आवेने ।
 ४२ ओर उ एक पाठी मांगर आ कथा बीवी के उकी नांव
 ४३ बोहन् उं उंसु सगली यणेरो करियो । ओर उंहीं
 बेजा उकी मुंडो वा जीभ चुकगई वा उ कथा कई वा भग
 ४४ वांनकी वीनखी करी । वा आराकानौरैखवाखा सगली
 उपर भय पडियो वा आ सगली कथा विजहदाहके पर
 ४५ बतीदेहमे कधी गई । ओर उ कीतरैकी डावडो ऊसी
 सुबखवाखा सगली ओ केर आपकेर मनमें आ कथा
 रावी ओर विजहको हाथ उके भेजेगे ।
 ४६ उकी बाभे आखरियाह धर्माआसु पूरोगे वा आ केर
 ४७ निमितियाकी कथा कधी के विहराएलका धखी विजह
 घन्य कोसःउ आपका ओगा उपर दिसठ करी वा वांने
 ४८ उकार कीयो । संसारके उपजहपी बेलासु आपके जके
 ४९ सुबनिमितिया वा वाके मुंडासु भगवान जिसो आपको
 घडःसया दाउदके कुलसु उं न्हाके कारख उधारको सींग
 ५० हो उपाडियोने तिसो कयो के न्हे आपका बैरियासु वा
 ५१ जके न्हाकी गोई करेने वाके हाथसु बवाली जने वा न्हाके
 ५२ पितरलोगाकने छया करे वा आपको धरमसरतंत्र पितारे
 ५३ अथवा न्हाके बाभा आबरहामकने उं जके सुंस काछिने के के

- जाने देखो के ने आपका बैलियां सुं लुडायर ने सगलोवयस
 ७५ तोडो उके अगाडी पवित्रतासुं वा सिधतासुं उकी सेवा
 ७६ निठरं जयर करी। और हे डावडा तूं समजासुं
 मोटाका निमित्तिये प्रतापीक जसी क्योस उधो मादग
 ७७ प्यार करखबेई और भगवानके अको मोटोछपासुं
 आधारामे वा मोतकीग्यामे बैठखवाखाने चांगरी देख
 ७८ बई वा न्हके पगाने सजाकेमासंग बतावनबेई प्रभात न्हके
 ७९ उपरसुं देखो उं प्यारसुं आपका लोगके वामीके माफसुं
 वने उधारकेग्यान देखबेई तूं यिऊके अगाडी जसी।
 ८० और डावडो नथो वा आभासुं बलवंत ऊधो वा बिहरा
 सज्जन के आप घोडे होखतोडी जेडने रयो।

२ दूजे पाने।—वा दिनामे इसो जे के सगला
 देशमे सगलाने पटोबिषयकी आगवा काईसरआगदसके
 २ पाठसुं निकली। किरिबिया जीनेका सिरियाको शकम
 ३ जे उनेका आ पैजडा समजाने पटीबिषयोजे। वा पटो
 ४ बिधोआखबेई समजा लोग आपका नगरमे गयर। और
 युसफपिष सगार करयोडी आपकी आधानवाकी बड
 माशियाके भेको पटामे बिधोआखबेई गाणिलिसुं नाम
 ५ रेत नगरमे बज्रहाद् देशमे बोलकेसेम् प्रतापीक दाउदके
 नगरमे गयो क्योस उं दाउदके कुल वा परवारसुं जे।
 ६ और वाके उठे रैखसुं इसो जे के उके जखेका दिन पूरा
 ७ जवा। वा उ आपका पैलडाडावडाने जखी वा उने
 गामासुं पलेखी वा उने कुंडामे मेल्यो क्योस रांधयके वा
 बेई जागा नगी।

८ और उदेशमे रखाका घेतमे रेंताग वा रासका आपके
 ९ मालामे पोरु देवाग। और देमे यिऊके इव

- १० कादो वार्केकनें आधो वा यिऊहकें देज वार्के चारो
 कादो चानयो कथो खोर वें मोकला मोहा । खोर हक
 कारे वार्के कथो वें मती मोहा कीस देधो जं मोटो पैज
 देबवालो मंगलिकवाता थार्केकनें ल्याउंनु वें जयो सगला
 ११ लोगावेई पिख जसो । कीस जसब दाउदकें नगरमें थायो
 १२ उधारकरखवालो खीठ प्रभु उत्पन्न जवो जे । खोर
 जो थार्के कारख सेनाख जे थे उं डावडावें गःभावें पल्लियो
 १३ वा कुंडांमें सुतो जाधयो । खोर भद्र हककारा भेलो
 खरगका लूकरका मोकलायोग भगवानकी धीनती
 १४ करता वा थो कथा बेताज के सगलासुं उपर भग
 वाननं सुतो वा धरतीउपर सजा वा आदम्याकानी
 १५ प्यार के । खोर ईसोजे के जीवेखा हककारा वार्के
 कवासुं खर्गमें गयाना पोरायो मांझेमाय कथो के
 जव चालो जे बीतलेखेम्में जावा वा जयो जवो अथवा
 १६ यिऊह जके न्हाने जकाया वे काम देवा । खोर वें
 जेगा आया वा मारियाने वा बुसफनें वा कुंडांमें सुवेडो
 १७ डावडो जाधो । खोर देवर जका कथा उं डावडाकें
 १८ फायदामें वार्के कहेगी वार्डे कथा वा जेवे करी । खोर
 जका कथा पोरायो वार्केकनें कहेगी उं कथाकें फायदामें
 १९ सगला सुखेवाला जनेरो कथो खेर मारिया आपका
 २० मवमें आ सगली कथा रावी वा मनसोबो कथो । खोर
 योइयाकनें तिसो कथो जे तिसो वां पोरायो जको सगलो
 सुखो वा देखो उंसुं भगवानकी सुतो करतार वा धनर
 करतार मुडगया ।
 २१ खोर डावडाको सुनतकरखनें जद कठवाडो पूरे जवो
 तदं घेटमें उत्पन्नहोखकें पैली जीसे हककारासुं कथेजे
 २२ तिसो उंको नाव यिऊ दीना गवो । खोर जद मोमहको
 वारैत माफिक उंकें नुतकां दिन पूरा जरा तिसो यिऊह

- २३ को तैरितम लिबियोके के प्रके कुजकोई लोग आधरनको
 २४ मारग घोलेके उ यिऊहके पबित्र जसी तिसो उने
 यिऊहके समो देखवेई वा जिसो यिऊहकी तैरितमें
 आग्न करीके के रातकाराजके जोडाने वा दोय कबुतरका
 बघाने तिसो बाकला देखवेई वे उने विरुजलममें ल्याया ।
- २५ और देव विरुजलममें श्रीमीशाननाम आदोक एक लोग
 ने उ आदमी सिध वा धर्मवालोने वा विभरराएलके जमा
 २६ घातरोको बाडजेई वा धर्मात्मा उके उपर रघो । वा
 धर्मात्मासु उकेके चोडे कथोने के उ यिऊहके खीरने
 २७ देव्यां निगर नमरसी । उ आत्मासु देवरामे आयो
 वा यिणु डावडाके माउ बाभा उकेवेई तैरितके रकाना
 माफिक करणके राएणु उने देवरामे ल्यावसुं उ उने
 २८ घोळामे लीला वा भगवानकी स्तुती करो वा कथो के हे
 २९ घणो अने आपकी कथासरियो सु आपका गोलाने वार
 ३० खासि निदा करेके क्योस धारोसु कथोडा उधारने न्हारो
 ३१ आंध्यां देखो के जको ते सगलाजोगतके अगाडी त्पार कथो
 ३२ अथवा दूजादेशवासाफेकने चोडे करणको चानलो वा
 ३३ आपका यिभरराएल सीगाकी स्तुती । और जका कथा
 उके फायदामे कहिजे वासु युसफ वा उकी माउ अनेरी
 ३४ कथो । और मिमीशान वाने दवा दीनो वा उकी
 माउ मारियाने कथो के देव यिभरराएलके विचाले भोक
 लाने पटकखवेई वा फेरउठावखवेई वा बैरमें कथो जाय
 वा फासेनाख होखवेई ओ डावडो निखय कियोने । एक
 ३५ पासो धारी आपकी मनीयख उरेपदे जशी खशी के
 भोकला मनाको सोच फेडे के ।
- ३६ और विख आशरको परवार मानुषकी खडी आना
 नबी जो वा भोकला वरखमें ली वा कुंवारीपसासु खबीके
 ३७ भेजी सातवरस दईजे । वा बेरासो वरसके सडकवा

- द्वितीया और देवरो नटोडती लेर धायध वा याचनासुं
 १८ रातरदिन भजन करती । और उं उंईनेका प्रसर भग
 वानकी खुतिकरी वा यिरुषलममें जिता जोगी उमरकी
 १९ बड जारे वाकने उंके फायदामें कयो । और यिऊइकी
 सौरेत माफिक जद वा सगकी काम परवाका जे तद
 २० वे गाखिळिमें आपका नगर मात्रेतमें मुडगया ।
 २० और डावडो म्यानसुं पूरो जयर बथो वा मनमें सबको
 जगयो और भगवानकी कृपा उंके उपर जे ।
 २१ वरसावरस पेशाम्ने तिवारुमें उंका माउ नाम यिरुष
 २२ लममें जाताग । और जद उ बारेंवरसको जे तद
 २३ वे तिवारुके रकना माफिक यिरुसलममें गया । और
 दिन पूरा कयासुं वंके मुडजाखकीबेला यिमु डावडो यिह
 २४ मलममे रयो और युसफ् वा उंकी माउ नजान्नी । और
 उ खंगोत्याभिलो रयो का समभर आपका कबोलाके
 वा गीतोयाके विचाले उंने सोभातार एक दिनकी मारग
 २५ गया वा उंने नजाधर उंने सोभातार यिरुषलममें मुड
 गया और ईसोरो के तीनदिनके पठे वा पंडिताके
 २६ विचाले बैठर वा वाकी कथा सुखतो वा वामे नुभतो देव
 २७ रामे उंने जाधो । और सगलासुखलवाका उंजो
 २८ समभसुं वा उथलासुं अठेरो कयो उंने देवर अठेरो
 कयो और उंकी माउ उंने कयो के हे डावडा ते ज्ञाने कुं
 इसा कथा देव धारें वामे वा में दुःख पायर वने सीमितो
 २९ उं वाने कयो के कुं ये मने सीमितो आपका वामको काम
 ३० करखो के मने बिसेठे थे कहे उ नजाखियो । और उं
 ३१ जका कथा वाने कहे वा वे ननुभिया । और उ वंके भेजे
 ३२ गयो वा मात्रेतमें धोतो वा वंके वध रयो और उंकी माउ
 के सखलीकथाने आपका मनमें रावी और यिमु ज्ञानमें
 वा उंचामामे वा भमवान वा आदम्याकने कृपामें बथो ।

- ३ तीजा पांजा ।— तिबेरिअस् कार्दसरकी पातसाई करखके पभेरवरममें पंतिअस् पिजात् विज्जदाइको हाकम कतो वा हेरीद गालिबिके घोघाईको हाकम वा उंको भाईफिलिप यितुराईया वा चाधिनिसिस् देमकी घोघा २ ईको घणी वा लसानिअस् आवलेनिके घोघाईको घणी वा खात्रा वा कायफा नहापोहित कता भगवानकी कथा ३ जाखरियाइके डावडा वोहमकने असरमें आया । और उ वामो माफवेई मगमोडनकीहुवी छंटेरो किरतार यर ४ दबने चारकांनो सगला देममें आया । विण्णारियाइ निमित्तियाके घोघामें जिन्नी आ कथा खिमीने के जोडमें धिलाकरवा यके लोगको आ कांखिणि के विज्जइको मारग ५ त्पार करो उंको गछारा पाधरी करो समली नीची जागा पूरभरोजासी वा सगला परवत वा घोरर नीचा कथा जासी वा बांकीजागा पाधरी करो जासी वा उंची ६ नीची जागा घोघुणी करो जासी वा सगला लोग भगवान को उधार देवती । तद उंसु हुवीदिराई आधवेई निन्दल्योडो अमातमें उं कयो के हे सायका कुल आवड वालारीससु भागजांठको सल्ला की धामे दीयो । तद ७ मनमोडनको लायक फल फलो वा आपके विचाले रूबने मती टिको के आवरहाम् हाको बाभोने कोस ऊं धामे कउंठ के भगवान या भाठासु आवरहाम्का डावडा उप ८ जाख सहेने । और अवार कुवाडो रूबको अडामें मेल्यो जायते ईंसु घोघाफल नकसखवाला हरजके रूब काट ना ९ आजासी वा वासवेमें वगाया जाती । और अमात उने पुणियो के तद ने काई करणी उं उधलो देर वाने कयो के १० जीकी दोयवगतरीने उ उने देवा के नीके नणे वा जीके ११ जोमखी वखने उपिण उसोई करी । और पदैव पिब हुवीदिराई हायने आया वा उने कयो के हे वषांयोक ने

- १९ काई करखां उं वाने कयो के धानेवेई जको ठोक कयोउं
- २० उंसुं वतो बलकर कुंइ मतो लेवा । ओर डीडवानां
आ ओर उनें पुणियो के के काई करखां उं वाने कयो के
ओरावरो मतो करो वा कूडोठंठो मतो देवा वा आयका
महीनामें राजो रो ।
- २१ लोग बाडवाग्साग वा संगजा लोग आयकेर मनमें
योहनका फायदामें व्योत करताना के उ खीर वा बहो
- २२ इंके विवाले योहन उधलो देर सगजामें कयो के ऊं साच
धाने पाकीमें दुबीदिराउंउं ओर नारेंसुं पोचवाओ एक
जोम आवेंउं के जीकी मोजडोको कुंठो वाकललायक
ऊं मनुं उ घर्माकामें वा वासदेमें धाने दुबी दिरासी के
- २३ जोको गजलो वाने हाथमेंउं ओर उ आयका खलाने काठो
चोवा करसी वा गोऊं आयका कोठलियामें भेजा करसी
- २४ ओर व कुम्भखवाओ वासदेमें चारो बालसी । ओर उं
सेवाकनें दुजि मोकली कथा छठेरो केयो ।
- २५ ओर चोघाईको बहो हेरोद आयका भाई किलिपकी बउ
हेरोदीयाने फायदामें वा हेरोद जके दुजा घाटा काम
- २६ बीनाग उके फायदामेंपिख डरायो ऊयर उ संगजा वयो
ओपिख कयो के योहननें अटकमें राव्या ।
- २७ ओर सगजा लोग दुबी दिराई ऊवा पउं हसोणे के
विभ्रपिख दुबीदिराईधायसुं वा याचना करनसुं खगे सुब
- २८ गई । वा उ घर्माकामें उतरतो घकी रातराजा
सरीयो पिचाम देयो वा आकानसुं एक वंखी ऊई के ओं
कयो के वुं नारो वाओडा डो नै धारें उपर ऊं मोकली
राजीमनुं ।
- २९ ओर यिनु आय तीसबरसके आसरे होखलागो जिओ
- ३० समभियोडेणी युसफको डावडेणी उ हेजिको उ माला
- ३१ को उ विनीको उ मेककोको उ यत्रो उ युसफको उ

मातलीयको उ आमेसको उ नाउम्को उ एस्लिको उ नागा
 २६ यको उ माअतको उ मातलीयको उ मिमईको उ युसफको
 २७ उ यिऊदाहको उ योहन्नाको उ हेसाको उ जरबबेल्को
 २८ उ अलातीएल्को उ मोईको उ मज्बिको उ आददिको
 २९ उ कोसम्को उ आल्मेर्दम्को उ इरको उ योनीको उ
 एलीएन्रको उ योरिमको उ मातात्को उ सेबिको उ अम
 ३० आउनको उ यिऊदाहको उ युसफको उ योानन्को उ
 ३१ एलिआकिम्को उ मेलेबको उ मार्लनको उ मासाताको उ
 ३२ नतनको उ दाउदको उ यिभिको उ अर्नेदको उ मोआज
 ३३ को उ अलमनको उ नडासन्को उ अमनदाबको उ
 आरम्को उ हेस्टोम्को उ फारस्को उ यिऊदाहको ।
 ३४ उ बणाकुबको उ यिष्खाकको उ ओवरहामको उ तीराख
 ३५ को उ नाखारको उ सारगको उ रागीआको उ मोखेकको
 उ एवरको उ आलाको उ कार्लनको उ आरफाकम्को उ
 ३६ नेम्को उ नूखको उ जामैखको उ मतसबाहको उ खनीक
 ३७ को उ यारदको उ मानजीएल्को उ कार्लनको उ एनोम्
 ३८ को उ मोतको उ आदम्को उ भगवानको डावडो ।

६ चोथो पानो ।—ओर यिन्नु घर्माकासुं परवारर घरदन
 २ सुं फेर गयो ओर आकासुं जुसरामे ल्दायोआवखसुं
 च. सोसदिन जीदसुं अजमाएस करीयोडागे ओर वीदिवा
 ३ में उं क्युहि न थयो वेदिन पले उ भूवे अओ ओर
 जीद उने कयो के अर सुं भगवानको डावडोले तो के से
 ६ भाठा वाटीया जमाय । ओर यिन्नु उने उथली देर कयो
 के ओ लिथीले आदमी वाली वाटोसुं न उबरसी वेद
 ५ भगवानकी सगली कथासुं उबरसी । ओर जीद
 उने एक उंचापरवतउपर जमायर एक समेमें संसार
 ६ की सगलो राज उने देवायो । ओर जीद उने कयो

- ० कं वा समबोधोप वा वाको प्रत्याप तने देयुं कीसं
 ० मने दीधोडोने वा भीने कं देववाउं उने देवुं इमुं
 ० कको तं नारी पूजा करमी तो समबो धरिने । ओर
 यिमु उधलो देर उने कयो के हे जीद नारेंसु अथमे
 के कीस विधियोने के यिज्जु धारें भगवानने समर वा
 ११ वाकी उकी सेवा कर । ओर उं उने विरोमवामने केमयो
 वा देवराका इक कस उपर बैठाये वा उने कयो के धर मुं
 १० भगवानको डावडो छे तो आपइज निधो यड कीस की वि
 धियोने के तने दवाकीकरने उ धारें कायदामे आपका
 ११ इककारनि आया देसी ओर के आपका हाथसु तने
 उपाडसी के तूकी वेंका आपका परा भांठा उपर नकगवे ।
 १२ ओर यिमु उधलो देर उने कयो के ओकियोने के आपका
 १३ भगवान यिज्जुने मती अजमाय । उं यने जीव समबो
 अजमास घुरीकरर घेडी वेंसाने उने जेऊ ।
 १४ ओर यिमु आत्मकी पोचसुं गालिजिमें ओर गयो वा
 उके मोटो यत्र उं समजा चाराकाबीका देजमें गयो ।
 १५ ओर उ समबासु नेटो नापलाधर वीधे सिनगामे वि
 धाये ।
 १६ उं यने उ नाजरेतमें पोता के जठे पस्तोने वा आपका
 रकाना माफक अदोतनारने सिनगामे गयो वा भयखने
 १७ उमे ऊवे । वा इसारयाह निमित्तवाकि पोथो उने
 १८ दोमो जे ओर पोथो वाकर उं उंजागां खाधो के जठे लिध
 योने के यिज्जुकी आया नारें उपर उं कीस उं मूनरी
 कने मंमकीकवाता हठेरो फेरने मने भोलावख दिजि उं
 उं भोगामनवाखाने धडने वा केदीयनि लुटखो वा सूर्या
 की आयां मेखयो हठेरो फेरने वा विचयोनि लुटावख
 १९ ने वा यिज्जुके कयसायकरसांने हठेरो फेरने मने

- २० मेल्यो । उं पठें उघोथी नडर वां सेवानरखवाजानें फेर
 देर बैठो और अिनगगमें जिखा लोमगा वां समजाकी
 २१ आया उंके उपर देवनवाजीने । और उ वानें कैब बागो के
 २२ धाज के लिमोडो धांके कांगामें पूरो ऊवो । और सग
 खां उंके पायवामें सायदी दीनी वा उंका मुंडासुं निकल्या
 डो छपाकी कथासुं अठेरो करियो वा कथो के को कांई
 २३ युसफो डावडो नये । और उं वानें कथो के ये ओ पर
 चो मने निसं कैयो के हें वेद आयानें ताज्ज करं कफरन
 खममें कथोडा आं कांमांकी कथा है सुणी वाने अठें आय
 २४ का देनमें कर । और उं कथो के ऊं धामें साच कउंनु
 के कोई निमित्तियो आपका देनमें आगतभाव कथो न जा
 २५ यें । ऊं धानें साच कउंनु के यकीयाहकी वेजामें
 अद आवास लीनवरस वा उमहिना जडो ओ वा मोठी
 मुंगाई संगला देनमेंगी तब मोकली लुगाया यिनराएलमें
 २६ ओ लेर भीदनको एकनगर सारेभामें एकलोग लुगाई
 कने विगर यकीयाह वाके औरकियोकने मेल्योडो न
 २७ ओ । और यकीअबआ निमित्तियाकी वेजा मोकला
 कोओ यिनराएलमें ओ छेर वकामन आरामोविगर
 २८ तांको औरकोईमांखष ताजो कथो गये नहीं । और
 अिनगगमें जके अगलाज वें आ कथा सांभवर रोमसुं
 २९ भरगया वा उठर उंने नगरसुं काठियो वा जको परबत
 उपर वांको नगर वसायो ओ तके वगावदैखवेई उं
 ३० परबतके किनारे उंने ल्याया लेर उ वाके विचालेसुं
 ३१ चाले गयो और उ गालिकके एक नगर कफरनखममें
 ३२ आये वा अदीतवारने वानें भणायो और वां उंके भण
 वखसुं अठेरो कथो कोस उंको कथा पोचसुं ओ ।
 ३३ और सिनगगमें भिसट जीदसुं लागोडो एक लोग ओ ।
 ३४ वा उंने मोटा छेलाकरर कथो के ये यिमु नाजरेन रेण दे

- २५ तने जासुं काई काम तू काई न्हियो किजगमाखनें आयो
 २६ तें जं जाणुं तू कुणें तू भगवानको घरमरुपे
 ओर यिनु आकथा कैर उनें डरायो किं भाल्यो रं बा उंसुं
 कठ कैर जीद उनें विचालेवगायर उंसुं कठियो वा उकी
 २६ क्युंहे विगडो नकयो । वा सगलां अउरो कियो वा
 आपतमें आ कैर कयो के आ कीसरेकी कथा क्योस उं पोच
 वा अकमसुं भिसटआखाने आग्या देवेनें वा वे कठेनें ।
 २७ और उके फायदामें मोटासाद चारिकातोका सगला
 २८ देअमें चोडे खयो । और उ सिनगसुं उठेर मोमनका
 भूपामें घयो वा मोमनकी सासु मोटासावसुं मोदीगी
 २९ वा वा उनें उकी कथा कही वा उके सामो उभा जयर
 तावनें डरायो वा उ उके गेडियो वा उ मट उठेर
 वाकी सेवा करी ।
 ३० सूरज अख होखसुं जके सगला भिकसाभोग्यासुं मा
 दाअ वे वनें उकनें ल्याया वा उं सगला आदम्या उपेर
 ३१ हाथ दीना वा वनें ताजा कथा । औरपिय तू भगवान
 को डावडो खीछे तें आ मोटासादसुं कैर जीद मोकेसासुं
 कठिया वा उं वनें डरायर केब नदीना क्योस वा उनें
 ३२ खीछे जाख्यो । दिन रैता उ कछर मोडको जगा गयो
 वा जमात उनें सोभियो वा उके नैडा आया वा उनें अट
 ३३ क्यो के उ वाने कनासुं नजाय । कैर उ वाने कयो के
 दूजादेअमेंपिय भगवानके राजकी मंगलीकथा छिरो
 ३४ फेरखे निसैनें क्योस कं ईवेई मेल्योडे । वा उं
 गालिलिकी शिनगामें कथा मगट करी ।

५ पांचमो पांनो ।—जमात भगवानकी कथा सुणखनेई
 उके उपर मोटागातागत करणसुं उ मनअरतके दरियावके
 २ तीर उभा जयो । और दरियावके तीर लागोली देख

- १४४। देवी और पारदी वासुं गयाए वा नाम शिवताए।
- १४५। एक नावके अका श्रीमदक्रोडी उं उंके उपर चक्र
वीरसुं कृंहि अखगो जाखने उंसुं वीनती करी उं यणे वै
- १४६। ठर नावज्यरासुं खोगाने भखायो। और अद केबने
पूरो कयो। तद श्रीमनने कयो के तू उंडाभिं नाव के आ हा
- १४७। वेपनेई फास वगाय। और श्रीमन उयजे देर उंने कयो
के हे धखी ने समखोरात मेंत करर कृंहि पिख न
- १४८। अययो छेर घारी कथावेई फास वगासुं। और उं वा
शिया यणे वा मोकडी सगीया अयडी वा वकी फास फास
- १४९। जागे। वा अयका जके विराडी दूमी नाव उपर न
वाकने आयकी उपर करखनेई आवखने वा हांगी करी अ
- १५०। वा अयद देस नाव केडी के वे दुबख जागा। श्रीमद
पिखद आ देवर यिमुकने दानू पर्गा उपर पडर कयो के हे
- १५१। भगवान् नारेकवासुं वा कोस अं वामीदार आदमोनुं।
- १५२। कोस उं वा उंका अेकपोसगता वै सगी अययोडी वेप
सुं अनेरो कयो। उंहितरोपख जेवदिका दाय हावडा
- १५३। आअकुव वा वेहनने कयो के जके श्रीमदका विराडीग।
और यिमु श्रीमनने कयो के मती बोह ई पणे तू खोगी
- १५४। ने अयइसी। उं पणे वे नावने धरती उपर खगायक
संगेले ओइर उंके पिगडी गया।
- १५५। और वे एक नगरने जवांसुं इसीने के देस कोठ भयो
ओ एक खोग जो उं यिमुने देवर आप उंघो पडर उंकेकने
- १५६। आ केर वीनती करी के हे भगवान् अर तू पावे तो मने
- १५७। पवितर करसकेई। और उं हाथ पजार उंने भीटर कयो
के अं चाउंनुं तू पवितर जो और भड उंको कोठ उंसुं
- १५८। गयो। और किनेई न केखने उं उंने आया करी
छेर कयो पारखाकने मिला वा वाकने सावदी होखनेई
- १५९। श्रीमद इसी आया करी तिसो आपके पवित्रकनेई

१३ वाकला कर । और उके फायदामे वलि कथा चोडे
 करे और सुखबने वा आपकी मादगीसु ताजा होबने
 १४ मोटो जमाव भेजी करे । और उ जोडमें गयो वा
 याचना करी ।

१७ और उं दिनके एक दिन उ प्रियातोटी वा गालिकिका
 सगला त्रांवासु वा बऊदाहसु वा यिबनलमसु आयोडा
 कारिनि वा सिजाती नेठाग वा वाने ताजाकरबनेके

१८ भगवानकी धिंको । और देवो आदर्या आधासीसीवाला
 एक लोगने किंगबामिं उषकर वा उने यिमुके समो

१९ मेखबने सोभयो वा उने कीतरे वाडावा जमातसु आ नवा
 घर भुंयाउपर श्रुफिया वा हागवासु उने संघारा

२० समेव यिमुके समो वाने विधि उतायो । उं वकी
 धरती देखर उने कयो के हे आदमी धारा पाप नूटा ।

२१ और उयाथाया वा कारिनिवा आकरे अदलीबदल करर
 कयो के वो उकंठपडी की करेके कोरो भगवानियगर

२२ कुब वामी नुडावख सकेके । यिमु वकी अदली
 बदली जखर वाने कयो के ये आपका मनमें की

२३ अदलीबदली करीगे । धारा पाप नूटा वा उपर
 २४ वख यां दयां कथाके विचाले केखी सोरो कितो के । और

धि वांगे के घरकी उपर वामी माफकरणे आदमीजा
 आवडाकी पोचके उ आधासीसीवालाने कयो के ख कउनुं

२५ के उपर धारो संघारो जेजा आपके भुंये जा । वा
 अट वाने जमाडी जभा ऊपर वा आपकी संघारो और

२६ भगवानकी नाव करतोए आपके भुंये गयो । और
 सगलाने मोटा अठेरो कयो वा वा भगवानकी कृति

करी वा मोकला नीहर कयो के ये आज अठेरो देखीके ।
 २७ उं पने उ नीकल्यो वा मंठीमें लेवि जंम एक एटेबने

२८ द्वियो वा उने कयो के नारें दिनाडी आ और उ सगलाने

- २९ जोडर उग्रडर उंके पिडाडो गयो । ओर खेवि आपका
 भूपामें उंकेवेई मोटीजोमण कथो वा वांके भेला मोकवा
 ३० पटैत वा दूजाजोग बैठाग । वा उपाध्याया वा
 फारिभियां उंके चेलाभेजी कचकच करर कथो के ये
 पटैजा भेला वा घांमोदारां भेला क्वं घबोला वा मोबोले ।
 ३१ ओर विनु उघला देर वांके कथो के ताजासागाने वैदधी
 ३२ क्वहि गरज गळे लेर मांदाके गरजळे । ऊं सिडाने
 ३३ मनमुडावनने वलावेने न आयो लेर पापीयाने । ओर वा
 उंके कथो के योहनके चेला क्वो बारर पोषध करांजां वा
 याचवा करांजां वा फारिभियांपिण उंहितरे लेर धारा
 ३४ चेला घायळे वा पौवेळे । ओर उं वांके कथो के वीद
 गठातोडो वाकने रैळे तठाबोडो क्वं पोरधो पोषध
 ३५ करण सकळे । लेर वे दिन आवेळे के ज्यामें वीद
 ३६ वासुं लीगयो जाली तद वादिनामें वे पोषध करसी । ओर
 वा वाकने एक परचो कथो के कोई लोग बोदागाभामें नवि
 करो न लगवेंळे अर लागवे तो नवो बोदाके फाटेळे
 ओर जको कारो नवासुं लीगोळे सो बोदाभेला न मिले
 ३७ ले । ओर कोई आदमी नवोदारु बोदाकूडामें नरावेळे
 अर रावे तो नवोदारु कूडामें फाडिळे वा वैळे वा कूडा
 ३८ नेपिण निगाडैळे । लेर नवोदारुने नवाकूडामें राबलो
 ३९ यडसो वा दोव्यांको हषाली करैळे । कोई आदमी
 पिण बोदोदारुपोयर नवाने तद नचावेळे कोस उ वेळे
 के बोदा नवासुं चोषोळे ।

ई गठो यांचो ।— ओर दूजा अदीतके उ धांजका वेव
 में गयो वा उंकाचेला सिटा तोषा वा आपका घापासुं
 मसलर घाय । फारिभियाके किणी आदमी वांके कथो
 के अदीतदिनने जको करयो ठीक नही वे क्युं छे वांन

- १ करेण । यिमु उधलो देर वाने कयो के दाउद
- जद भूषोणे वा उंका भेखपिलोनपिय जब भुषाणे
- ३ तद उं जके कयो ये काई उ नभण्या जे । के उ
- भगवानका देवरामे जायद देवावखको बाटी लोनी वा
- खायो के जके धारखाके बाखेविगर औरकीकेई धाखे
- ५ धोश नही और आपका भेखपानेपिय दीनी । और
- उं वाने कयो के धादमीका उधडा अदीतवारका यखोने ।
- ६ दूजा अदीतवारने उं सिनगगमे बडर भणायो और एक
- ७ लोग उठे जे के ओकी जीवखोहाथ सूक गयोणे । और
- कातबी वा फारिअि. उंकी घोटीकरखनेई उंके उपर
- दिसट करी के उ अदीतवारने उंने ताजो करे के नही ।
- ८ लेर उं उंकी विंता जाखी वा सूका हाथवालाने कयो के उंउं
- ९ विचाले उभो के और उ उठर उभो जवो । तब यिमु वाने
- १० कयो के अंधाने पळूणू के अदीतवारने घोषो काम करखी
- के खोटाकाम करयो जीवराषयो के मारयो इमें कियो ठीक
- ११ जे । और वा समजां उपर देवर उं उंलोगाने कयो के धारो
- हाथ पसार और उं पसाचो उंसुं उंको हाथ दूजाहाथ
- १२ सरांघो ताजो जवो । लेर के विंठीपिस्तासुं भरखा व
- आपतमे मनसोबो कयो के यिमुको काई करां ।
- १३ वा दिनां इसोणे के उ याचना करखने एक धरधत
- उपर गयो वा सगको रात भगवानकने याचना करतो
- १४ रयो । और दिन उगां पने आपका पिलाने बुलाया
- वा वांसुं वारने सराया के ज्यांफो नांव हलकारा दीने ।
- १५ ओमन के जीको नांव पितर दीने वा उंका भाई आंजुने वा
- १६ याअकुबने वा योहनने वा फिलियने वा वार्तोलमीने वा मा
- सिउने वा तमाने वा खल्फोका डावडा याअकुबने वा ओमन
- के जीको नांव जिलोत दीनेहो याअकुबका भाई यिऊदा
- हने वा योहदाह खारिमोटां के जको तोतवालो जवो ।

- १७ उंके पठे वें वंके मेवा उत्तर चोवमें उभा अवा चौर
उंका चेवाकोवव वा सखली यिजदाइ वा यिदमखमसु
चौर सोर वा श्रीदमके दरियावके किराहासुं उंकी कथा
सुखेवेई वा आपका रोमसुं कजे होखवेई आयोडी मोठी
- १८ जमातपिख सभी अई । चौर भूखामोख लोगपिख
- १९ आया चौर वें ताजा कथा परा चौर सगली जमात उंके
भीटवकी सोभना करी के पोख उंमुं वडे वा सगवाने
साजा करे ।
- २० चौर उं आपका चेवा उपर विसटकरर कवी के ये
- २१ भारा धय हो क्वीस भगवानके राज थाकेई । ये
धयणे के अके अने मुवाणे क्वीस ये धपायआछो ये
- २२ धय ठे के अके अने रोविणे क्वीस ये हसयो । ये
धयणे अद आदमी थाकी गोई करेणे वा ठेके बरेणे
वागिन्दाकरेणे वा आदमीका डावडाकेई कुजस उखिहारें
- २३ थाके नांव वगाया देवेणे उंदि दिन राजी भी वा आनंद
गुजारे क्वीस देवे खगेमें थाकी सोभाग मोडेणे क्वीस
- २४ उं उखिहारें वंके बाभा निमतियाने कोया । चौर था धन
- २५ धालाने संताप असो क्वीस ये आपको चैग पाये । था
धापीयोडाने संताप असो क्वीस ये भूषाअछो के हे अना
रथा हसयवाषा थाके संताप असो क्वीस ये सेग करछे
- २६ वा रोछो । अद सखला आदमी थाके कायदामे पोवा
बोले तद थाके संताप असो क्वीस वंके बाभा कूडाविनि
तियाने इछो कथो ।
- २७ चौर थां सुखखवाखाने अं कउंके अपका बैयासुं थार
- २८ करो आपका निवेधखवाखाने घोषा काम करो । आपका
फिटकारदेखवाखाने आजीव देवा वा आपका हिंसाकरष
- २९ वाळाकेवेई याचना करो । वा थारें एक गाव उपर
थपेइमारखवाखाने दूजेपिण सोड वा थारो कयवरी

- वेंसुं कोरुं लेवेता उनें थारि खोलपिब खेयो मती वरज ।
- २० धारें कनें मांगखवाकनें सगळां दे वा जको धारो वख
- २१ वांगो लेवेतें उंचेकानी फेर मती देव । धार जिसे
- चावोणे के आदमो थाकैकनें करे ये वाके कनें तिसो
- २२ करो । धारपिब जके धांसुं प्यार करेतें वांसुं जको
- ये प्यार करोणे तो थाकी कारुं फायदे जसो कींस वांमी
- २३ दार वांसुं प्यार करेतें के जके वांसुं प्यार करेतें । धार
- जको ये वाको भलो करोणे के जके थाको भलो करेतें
- तो थाकी कारुं फायदे के कींस वांमोदार पिब इसे
- २४ करे । धार केर ज्योवनें मिलखको भरोसो राखोणे
- वाकैकनें जको ये उधारो देवोणे तो थाकी कारुं फायदे
- तें कींस पापी पिब थायियानें उधारो देवेतें के इतो फेर
- २५ वाधे । धेर आपका वैरांसुं प्यार करी वा आदम्यां
- को चायो करो वा फेर मिलखको भरोसो नरावर उधारो
- देवो धार धामें मोटो फळ मिलखी वा ये सगळांसुं
- मोटाका डावडा जखो कींस उ विगरखुतिवाळां उपर वा
- २६ वांमीदार उपर छपारावैतें इंसुं थाको वाभो जिखि
- २७ छपा रावैतें येनी उचीवरें छपारायो । धार
- वाभोवेई खीत नकरो तो ये खीतकथोडा न जखो
- दूजानें वांमोदार मती कहे तो येपिब वांमोदार कथोडा
- २८ न जखो । माफी करखो तो ये माफी पाखो ये वा धामें
- दोना जासी पुरोतोख वा दायो वा भबोखो वा फुल्योडे
- थाकी जखीमें आदमो फिर देसो कींस ये जीं तोखसुं
- २९ तोख करोणे उंसुं थाकनें फेर तोखो जासी । धार उं
- खक परयो वानें कयो के कारुं आधो आधानें मारग वताय
- ३० सकेतें कारुं दोन्युं वेठामें न पडसी । चेखा आपका
- गुहसुं मोटो नही धेर जके हरजके खीत पुरखवरस

- ०१ कैतै उ गुरु जियोतै । और आपकी भाईकी धा
 यमें जका नांनीरकमठे उ काई देवेतै वा जको बलो
- ०२ आपकी धांयमेंतै उनें न देवेतै । और आपकी धां-
 यमें जको बलोतै उनें नदेवर आपका भाईनें कीतरें के
 सकेतै के हे भाई रै के जका नांनी रकम धारी धांयमेंतै
 उनें ऊं काठपुं हे लबरघट पैलडा आपकी धांयको
 बलो काठ तद आपका भाईकी धांयसु नांनीरकम
- ०३ काठयनें तुं चेवीतरें देव सकतो । कीस चोघोरुं नोठो
- ०४ पाज न फलेतै और बीठोरुं चोघोफल न फलेतै । हर
 जके रुंघ आपका फलांसु जाण्णा जायतै कीस भीठोरसुं
 आदमी अंजोर न तोडेतै वा बांठसुं अंजोर न तोडेतै ।
- ०५ चोघोआदमी आपकी मनकी चोघीभांडारसुं चोघीवस्त काठे
 न वा खोटोआदमी आपका मनके बिंठाकोठारसुं बीठी
 वस्त काठेतै कीस मनकी चोघाईसुं मूंडो कथा बोलेतै ।
- ०६ और मनें हे घणी हे घणी कीं कोलो वा ऊं जको
- ०७ कउंटुं उ नकरो गे । जको कुजकोई लोम न्हारें
 बनें आवेतै वा न्हारी कथा सुखेतै वा उंहोतरें करेतै
- ०८ ऊं धानें दिवापुं के उ जीं सरोघेतै । उकाई आदमी
 सरोघे तै के जीं भूंयो उघाडो वा मोफलो नीचे चोघो
 वा भांटाकी जागामें उको नीवदोनी और बेल आडो वा
 अवाह उं भूंयाउपर मोटो लागो वा उनें हिलाय बसको
- ०९ कीस उंजीनीव भांटाकी जागाउपर करीजी । और
 जको सुखेतै वा नकरेतै उं काई लोग सरोखेतै के जीं
 बिगरनीव माटि उपर भूंयो उघाडो और बेल उके उपर
 मोटो लागो वा उ भूट घडो वा उं भूंयाको बिगाडो
 मोफलो ऊवो ।

७ सातमो पांनो ।—और उ लोगाके सुखमें धां सग
 २ धी कथानें पूरुकरर कफरनखममें गयो । और एकसे

- सिलेदाराका धणीको घडसियो मांदो वा मरखकी इवाल
 ३ ठे उ आपका धखीने मोटी बालोगे । उं यिमुको
 कथा सुखर वोनती करखवेई उंकेकने यिऊदोयाके बडे
 राने भेल्या के उ आथर उंका घडसियाने ताजो करे ।
 ४ ओर वा यिमुके भेडा आथर आ कैर मोटी वोनती करी
 ५ के जीकेवेई ओ काम करनो ठीकगे उ योगगे । कीस उ
 ६ न्हाके गोसन घार करेगे वा न्हे एक सिनगग उपायो । ओर
 यिमु वाके भेलो गयो ओर उंका भूपामे पांचखमे मोकलो
 मारम न रयासु सो सिलेदाराके धणी लंगोठ्याने उंके
 कने मेलर कयो के हे प्रभु आपने दुःख मतिदे कीस ऊं
 ७ इकायक ननु के तू न्हारी गननीचे आवे । इंसुं
 ऊं आपनेपिख धारे भेडो आंखलायक मनमे न ल्यायो ओर
 ८ एक कथा के वा न्हारी घडयो ताजो जजासो । कीस
 ऊंपिख आग्याके निचे राथोडो एक लोगनु वा न्हारे
 नीचे सिलेदारगे वा ऊं इने कउनु के तू जा तो उ जाय
 गे ओर उंने कउनु तू आव तो उ आवेगे ओर न्हारा
 ९ घडसाने कउनु के तू उ कर तो उ उइ करेगे । यिमु
 आ कथा सुखर अठेरी कयो वा मुडर आपके पीठाडी
 आंखवालो घडने कयो के ऊं थाने साच कउनु के मे धिख
 १० राएनमेपिख इसीमोटी प्रतीत नजाधी । ओर मेल्ये
 डां भूपे धिर जाथर उं मांदाघडसियाने आराम देख्यो ।
 ११ ओर दूजेदिन ओ ऊवो के उ नार्डन नांवजादोक एक नग
 रमे गयो वा उंका मोकला चेला वा मोटी जमाअपिख उंके
 १२ भेलो गई । जद उ नगरके प्रोलके भेडो पोतो तद
 देघो एक मुडदो उघणर बारखे ले गयोगे के जको आप
 को माउको एक डावडो ठे वापिख केवोनी वा नगरका
 १३ मोटा लोग उंके भेला गया । ओर प्रभु उंने देवर
 १४ उं उपर छपाकू ऊवो वा उंने कयो के मती रोय । ओर

- १५ कयो केँ से मोट्यार तनें अं कउंनु केँ उठ । और मुठ
 दो उठ बैठो वा कथा कैय लागो वा उं उनें आपकी मा
 १६ उनें दीनो । और सगला बीहता अपडा गया वा आ
 कैर भगवानको नांव कोनो वा कयो केँ मोटा निमिसियो
 न्हाने विषमै उयडो वा भगवान आपका लागोउपर दि
 १७ सट करो । और उंका फायदामै आ कथा बिज्जदा
 हाका सगला देसमै वा चारांकानीकी सगली जागामै
 गई ।
 १८ और योहनका चेला उनें इ सगला कामांधी कथा
 १९ जगार । उंपतेँ योहन आपका चेलाकेँ दोय आदम्यानें
 बुलायर आ करेँ यिमुकेँ कनें मेस्या केँ आवखवालो कारेँ
 २० तूँ तेँ अथवा और कीकोरेँ बाड जोया । उंकेँकनें मै
 ल्योडा आदम्यानें कयो केँ योहन बुबिदिरावखवालो आ
 कैर नानेँ धरिं नेडा मेस्या केँ आवखवालो कारेँ तूँ तेँ
 २१ अथवा और कीकोरेँ बाड जोया । उंकेँका उ मोकला मादी
 नै वा दुबलानेँ ताया कथा वा भिसटआत्मा नुडाया वा
 २२ मोकला सुयानेँ आंध्या दीनो । उं पतेँ यिमु उथको
 देर वानेँ कयो केँ थे जनेो जको दीघोते वा सुबोते उ
 योहन्नें को केँ सूया देख पावैतेँ बोडा पाबैतेँ कोनी
 बिर्मल कथा जायतेँ बोला सुबैतेँ मुठदा उपाडा जायतेँ
 २३ नूनरीकनें मंगलीक कथा हठेरो फेयो जायतेँ । और
 उ घयतेँ केँ जको न्हारेँ फायदामै न अटकैतेँ ।
 २४ योहनका हलकारा गयापतेँ उ जमापनें योहन्केँ
 फायदामै कैय लागो केँ थे जोडनें कारेँ देवहननें नीकल्या
 २५ कारेँ वायरासुं हावता एक सरकनानेँ । और कारेँ
 देवहननें वारबेँ जया कारेँ मीगाभा पैयां एक आदमीनें
 देयो जकेँ चोवामाभा घैरेँ तेँ वा चोवोओमख जोमैतेँ वेँ

- २६ यातस्याका भूपामे दंते । खेर ये काई देवखने
 नोकखाने काई निमित्तियाने जं घाने साच कउनुं सो
 २७ सही वा निमित्तियासुं बतोपिख । कोंस जो उ के
 जीके फायदामे जो लिवीयो ते के देव जं आपका हल
 काराने धारै कने मेखनुं के जके धारै सामा धारो मारग
 २८ धार करी । कोंस जं घाने कउनुं के सुगारसुं
 उपजोडाके विचालैसुं धोहन दुबीदिरावखवाकासुं मोठो
 निमित्तियो कोई नते खेर भगवानका राजमें जको मोकखो
 २९ नांनो उ उखूं बडेते । और सगका लोग वा पटवारी
 सुखर धोहनको दुबीसुं दुबीदिरायोडा जयर भगवान
 ३० की सुति करी । खेर फारिजिया वा नीतजांखख
 वाखाने उंसुं दुबीदिराई न जयर आपका केरमें भगवान
 की सखाने निभगे ।
 ३१ और प्रभु कयो के जं किंके भेजे यां गीतीलोगाने
 उपमा देखुं वा वै कीं सरिवाते वें डायडां सरिवा, ते
 ३२ जके घोडामें बैठेते वा आपसमें बोलते वा कैते के ने
 धारैकने सुरखारं बजारं खेर ये न नाघोते वा ने धारै
 ३३ कने रोया वा ये सोम कियो नही । कोंस धोहन
 दुबीदिरावखवालो बाटो नवाय वा दाद नधीयर आयो
 ३४ और ये कहोते के उ भूतसुं अपजो ते । आदमीका
 डावडा वावता वा पोवता आया और ये कहोते के देवे
 एक लोग मोकखो वावखवालो वा मस्ती और पटैजाके
 ३५ वा घापीवाको खंभोतोते । खेर ग्यान आपका समखा
 डावडासुं सिबकयो जायते ।
 ३६ फारिजियामें एक लोग आपके भेजे भोमखने उनं नेते
 दोनो और उ फारिजिका भूपामें जायर जीमखने बैठे ।
 ३७ और देवे के उं नगरकी एक रांड के जको पापथी गी
 मद बांधो के उ फारिजिका भूपामें जीमखने बैठोते वद

- ३८ अतरसु' नेलो मकराणाको एक डबो लायर उंके पीगडी उंके पगाके नैडो रोती उभी जयर उंका पग आंसुसु' धोवण लागो वा आपका माथाका केमांसु' पूंछण लागी
- ३९ वा उंका पग घुसा वा अतर लगायो । जी फारिन्नि उंको नेती कीयोणे उंने देघर आपमें आ कथा कही के ओ जको तिमितोयो जतो तो जांखतो के आ रंड कुबुठै वा
- ४० कीतरैको के जी उंने भींटीयोठै कींस वा पायणोठै । ओर यिन्नु उथलो देर उंने कयो के हे नीमन् धारें मने कुंही
- ४१ केयोणे उं कयो के हे घणो के । उं कयो के एक किरा डके दोय देणदारवा एक जयो पांचसै पावका धारतोणे
- ४२ दूओ पघास । वाके उतारखने कुंही नरेखसु' उं दोन्या ने माफ कयो उंसु' वामे कुण उंसु' बतो प्यार करसी ।
- ४३ नीमन् उथलो देर कयो ऊं जाणुंठु' के जीने बतो माफ
- ४४ कयोणे उं उंने कयो के तें ठोक विघाचो । उं पणे उं रंडकानी मुडर नीमन्ने कयो के तू काई इ रंडने देवेणे ऊं धारा भूपामे बडणसु' तें मने पग धोवणवेई पांकी न दी नो लेर उं हारा पग आंसुवांसु' धोया वा आपका माथा
- ४५ का केमांसु' वाने पूंछो । तें मने चूयो नही लेर इ रंड
- ४६ हारे आणपठे हारे पगाको घूसयो न ठोडो । तें तेलसु' हारो मथो नमसल्यो लेर उं हारा पग अतरसु'
- ४७ मसल्या । इ कारण ऊं मने कउंठु' के उंका पापके जके मेकलाठे वै माफ कथा गयाठे इंसु' उ भेठो प्यार करैठे लेर जीने थोडो माफ कीयोठे वा थोडो प्यार करै ठे ओर उं उंने कयो के धारो घामो माफ करीठे । ओर
- ४९ उंके भेला बैठणवाचा आपनमे केण लागो के ओ कुण
- ५० ठे के जको घामो माफ करैठे । ओर उं रंडने कयो के धारो प्रतीत धारो उबार कयो सजामतीसु' जा ।

- ८ आठमो पाँना ।—उपरो इसोने के वै छंटेरो
 केरतार वा भगवानके राजको मंगलीकवातां छोडे केर
 तार नगरर वा वैडेर भटका वा बारै चेला उंके भेलाण ।
- ९ ओर कार्ई रंडपिख के जका भिसटआत्मासुं वा मांदगीसुं
 वाजी करोगे मादलीनी नावजादोक मारिया के जीसुं सात
- १० जींद नोकल्या वा हेरोदको दोवान खुजाको लूगारै थोछा
 वा वा नुसाना वा ओर मोल्लां के ज्यो आयकरे मायासुं
 उंकी सेवा करी ।
- ११ मोकला लोग भेला होखसुं वा चावैजके नगरसुं उंके
 कने आवणसुं उं परचामुं कथो के एक लोग वावणवालो
 बोज बावणबेई गयो वा उंके नासांर कुंछिक मारगके
 ठेवडै पथा वा घुंछा गगा वा आकासकी चिडिया वांने चुग
 ई मई । ओर दूजा भाठाकी घांनमें पडिया वा घुंठ निकल
 ७ तांई सूक गया क्योस धरतीमें सरदी थोडो गो । ओर
 दूजा कांटाके विघाले पडिया वा कांटर वै भेला वधा
 ८ वा वै ववीज्या । ओर दूजा चौथोधरती उपर पडिया
 वा नोकल्या वा सोगुणा फल फल्या आ कयांपडे उं हेला
 ९ सुं कथो के जीके सुणणने कानहै वें सुखें । उंके चेला
 १० आकरे उंने पूज्यो के अे परचा कार्ईठै उं कथो के भगवान
 के राजको भेद जांखनें थाने दोनोठे लेर दूजाका परचा
 ११ सुं के वै देवतार नदेवे वा सुणतार न समभो । पर
 १२ चाको संत ओ बोज भगवानकी कथाठै जके मारगके ठेव
 डै वै सुणणवालाठै तद मोडा आवैठे वा वाके मनकी कथा
 तांखर लेवेठे के वें अभरोसो जयर उडार नपावेठे ।
 १३ ओर जके रोडांकी वांण उपर वे छैठे के जद सुखैठे तद
 राजिसुं कथा लेवेठे ओर वांकि जड नठे इस्लिये चिनसि
 १४ बेला प्रतित करेठे वा कीमत्तकि बेजामे पडेठे । ओर
 छिराके विघाले जके पडिया वै केठे के जके सुखेठे वा

- बायर दुनियाका चिंसासुं वा घनसुं वा सुघसुं भास
 १५ रकोकैँ वा फल न पत्तावेँ । और जके घोषी
 घरती उपर पडिया वेँ छैँ उँ केँ जके सुबर सुधा वा घोषा
 मनसुं कथा राखैँ वा सैखसुं फल देवेँ ।
- १६ कोई लोग नउँ केँ दीवो अगाय ठाँवमैँ छक राखैँ वा
 भाषा नीचे राखैँ छेर दोवटउपर मेलेँ केँ बडखवाख
 १७ दोयो देवेँ । कोस छिपियोठी क्युहि नउँ केँ जके
 घोडे नऊसो वा पालोकड केँ जके जाण्या नजाय वा घोडेमे
 १८ न आसी । ईसुं घोषस केँ ये जोतरें सुखेगे
 कोस जीकोउँ उँनेँ दीयो भासी वा जीको क्युहि नउँ
 उँनेँ जके ईशो देखो जायउँ उपिख उंसु खीयो जासी ।
- १९ तब उँको माउ वा भाई उँकेँकनेँ आया वा जमातसुं
 २० उँकेँ आय न सक्या । और कोइ लोगसुं उँनेँ कयो
 जे केँ घारी माउ वा घारी भाई तने देवखनेँ चायर बारकेँ
 २१ उमारैँ । उँ उथलो देर उँनेँ कयो केँ नारी माउ
 वा नरा भाई वैँ उँ केँ जके भगवानको कथा सुखैँ वा
 करैँ ।
- २२ और वां दिनमे एक दिन उ आपका चेलाभेलो नाक
 उपर चढियो वा वानेँ कयो केँ न्हे दरियावकेँ दूजेकड
 २३ वेँ जावाँ और वैँ खल्या । वाकेँ माखसुं उ उँघो और
 बायरको मोठो उतपात दरियावमेँ ऊँवा और वेँ पाँखीमेँ
 २४ केँछ्या वा टंटांमेँ पडिया । और वैँ नैडा बायर आ
 कर उँनेँ जगयो केँ न्हे थसोर न्हे माथा जावाँगं उँ उठर
 बायरानेँ वा पाँखीका किलोखानेँ बोहाया और उ रयो
 २५ वा निर्वात ऊँवा । और उँ वानेँ कयो केँ घाँकी प्रतीव
 कठेँ वा डरर आपतमेँ आकर अउरो कयो केँ जो कीतरै
 को माखवउँ कोस बायरानेँ वा पाँखीनेँ आग्या करैँ वा
 २६ उँनेँ वेँ माँवेँ । और वेँ गादरिनोकैँ देभमेँ पोख केँ

- २७ त्रयो गालिखिको सामो उं पारणें । उ घरतो उपर
उतरखसुं एक लोग नगरसुं नोकख उंके भेजो मिलाप करि
बो के जोके मोकला दिनांसुं भूतग वा खिखार न पैथो
- २८ वा भूपामें न रवो जेर घोरमें रवो । उं यिमुनें
देवर कफा कोया वा उंके पगा उपर पडिबो वा मोटा छे
कांसुं कयो के हे यिमु सगलांसुं मोटा भगवानका डावडा
तने न्हारो काई कामते ऊं वैसुं वोनती कबनुं के मने
- २९ वसोयो मतो दे क्योस उं भिसटअमानें उं लोगसुं निकख
अकी आग्या करीगे क्योस उं मोकली वार उंने अपडियोने
घोर उंने राषखवेई उं साकलांसुं वा बेडियांसुं जडोजगो
गे घोर उं धंदख भांज्या घोर उं उं भूतसुं जाडमें हटायो
३० गयो । यिमु आकैर पूजियो के घारो नाव काई उं
कयो के लोजीओन क्योस मोकला भूष उंमे वडियाण ।
- ३१ घोर उंढामें उंने नमेखखने वा उंसुं वोनती करी । घोर
- ३२ उं परबत उपर मोकला सुराबो एक टोलो घरतोगे घोर
वा वोनती करी के उ वानें वामें वडख देवे घोर उं बनिं
- ३३ वडख दीना उंपणें भूत मांखधांसुं निकखर वा सुरामें वडोई
घोर टोलो एक उंची जागामें बेगाभागर दरियावमें पया
- ३४ वा तकिो भास अटक गयो । घोर चराखवाला वै काम
- ३५ देवरं दोडा वा जायर नगरमें वा देरमें ठीक दोनि । वै
उ कचोडा काम देवखनें नोकल्या वा यिमुकनें जायर जी
लोगसुं भूत निकल्या गे उंने गाभा पैया वा सचेत कयो
- ३६ यिमुके पगा उपर पडतो देखो वा वै बोहा । ज्यां
देखो वा कयो के भूत लागोडो जीतरै घोषो ऊ गयो ।
- ३७ तद गादरियोके चारांकांनिका देववाल्या सगलां उंने
वाके नेंडासुं जावखकी वोनती करि क्योस वै मोटा
भयसुं अपथा गे घोर उ नाव उपर बडर मुड गयो ।

- ३८ और जीआदमसुं भूत कछाण उं उंकेकनें दैयनेइं उंसुं
- ३९ वीनती करी खेर यिजु आ करे उंनै विदा कथो के आपके
भूपै मुड ध्या वा भगवानं तनें जके मोटाकाम कथा वै घोडे
कर और यिजु उंकेवेईं जके कथोणे उ छंटेरो फेरतार
वैसगलै नगरमें गथा ।
- ४० यिजुकै फेरआवणसुं इसो हो के सगली जमात उंनै
मोकलाराओसुं आरे कथो कौंस सगला उंकेवेईं वाड
- ४१ जाताण । और देवो याइरसुं नाव जादीक एक केम
आयो उ सिजगगके धखी और यिजुकै पगां उपर पडेर
- ४२ आमनें भूपै आवणको उंकी वीनती करी । कौंस उंकी
बारै वरसांकी एक डावडीणी और वा मरखेसरोखी
सुतीणे उं जावगामे जातोइ लोगां उंके उपर मोकलौं धका
- ४३ धुमकरो । और एक रांड के जीके बारै वरसांसुं जोही
वैतेणे ताजी आपको सगलो धम वैदाउपर धरच किनोणे
- ४४ लेर कीं सुंईं ताजी ऊय वसंकि । उंके पिजाडी आवर
उंके चोलाको धुंयो भीटियो वा भठ उंके जोहोभरतो
- ४५ बंध ऊगयो । और यिजु कथो के कीं मनें भीटियो
सगलाने मिठकारणपणे पितर वा उंके भेजपियां कथो के
हे धखी जमात धारै उपर पडैये वा धकाधूम करैये वा
- ४६ तूं काईं केये के कीं मनें भीटियो । खेर यिजु कथो
के कुछ मनें भीटियो कौंस ऊं जाणुनुं के पोच न्दारैसुं
- ४७ कछो । और आप लुक नसकी रंड हो देवर
धुजतीइ आइं वा उंके सामो पडपरी सगलां लोगांके
सामो आरे करियो के जीकेवेईं उंनें भीटियो वा जीं तरें
- ४८ उंहीवेला ताजी ऊइं जो । उं उंनें कथो के हे डावडी
जमावातर राव धारी प्रतीत तनें ताजी करी जोवती आ ।
- ४९ वा उंनें कैणसुं किखी लोगां सिजगगके धखीका भूपसुं

- आयर उने कथो के थारी डवडी मरी घणोने ओर कसठ
 ५० मती दे। ओर विनु सुगर आ केर उघली दीना
 के मती बीह कबी मतीत कर वा वा ताजी करो जासी ।
 ५१ ओर मूपाठे पीतर पितर वा याअकून वा बोश्म वा
 डवडीके माउ नाभाके विगर ओर कीनेई उं घसण
 ५२ नदीना। ओर सगला उकेवेई रोता वा मूरया कर
 ताज केर उं कथो के मती रोवा वा मरी नई लेर सूतो
 ५३ ये ओर वा जका मरी वै आ जायर उके उपर दसा ।
 ५४ ओर उं वा सगलाने काळा वा उंका हाथ अघडी वा आ
 ५५ केर कूका कोया के हे डवडी उठ। ओर उको जीव फेर
 आयो ओर वा भट उठी ओर उं उने कुचि वावखकी आ
 ५६ ग्या दीनी। ओर उके माउ नामे मोटो अठेरो कथो
 ओर उं वा कथोका कामाकी कथा कीनेई नई कथको आग्या
 दीनि ।

- ९ नवमो पाँचो ।—ओर उं आपका बारें चेजाने जुला
 यर सगला भूसा उपर वा मांदाने ताजा करखको पीच
 २ वा आग्या दीनी ओर भगवानके राजकी छठेरो फेर
 ३ खने वा मांदाने ताजा करखने वाने मैल्ला । ओर उं
 वाने कथो के मारगनेई कुचि मतीख्यो डठो नही वा को
 थली नही वा बाटी नही वा खपीया नही वा शकर
 ४ दोयर बगतरपीय नही । ओर जीकेई मांयामे
 ५ बडो उठे रो वा उठाहुं जावे। ओर जको केई था
 को सविभाग नकरें तो उं नगरसुं निकल बाके उपर साय
 ६ दो होखनेई आपका पगाको रंजी जडकावे। ओर वै नी
 कल्या मंगलोकवार्ता देतार वा चावे जीठोडठोडमे ताजा कर
 ७ तार वैडे र फिया । ओर जेथारको घखो हेरोद उसु कथो
 का सगला कामाकी कथा सुखी वा हृदियायो खीस कोसुई

- क कयोडोडो के योहन डुवीद्वैयवालो मोतसु उपडोडो । वा
 कीसुई कयोडोडो के यकोयाह् चोडे ऊवोडो वा दूजासु के
 १८ कोई बोदा निमित्तिया उपडोडो । ओर हेरोद् कयो के मे
 योहनको माघो वाह नांधो लेर ओ आदमी कुलडो के जीके
 कायसमे ऊं इतरें कथा सुखंडु ओर उं उंने देवब
 चायो ।
- १९ ओर इतकारा केर आयर उंने जखयो के आघां जको
 कयोडो उंपडो वाने लेर उ बोतसीदाको नगरके आमिलके
 २० एक जोडमे एकको चाल्यो वा जमात जांखर उंके पिगडो
 गई वा उं वाने लेर भगवानके राजकी कथा कही वा श्यके
 सरजनी वाने ताजा कथा । ओर दिन पूरो होखसुं
 २१ यडे वारे चेला उंके नेडा आयर उंने कयो के जमातने दा
 निकर के वे चरकांकीका वैडामे वा भूपामे जायर डेरो
 करे वा वांखकि सुंखडि मोल खेवे कोस ने अठे जोडकि
 २२ जागामे जा । उं वाने कयो के वाने वांखने देवो वा
 धयो के अरंहे बायर यां सगलां लोगाभेई वांखकि सुंख
 डी न मोल खेवां तो शके कने पांच बाटी वा दीव मजिसुं
 २३ बतो कृषि नडे कोस पांच हजारके आसरें लोगा
 ओर उं आपका चेलांने कयो के वाने पचासरकी पांस
 करर बैठवो ओर वां तिसो कयो वा साराने बैठया ।
 २४ उंके यडे उं वै पांच बाटी वा दीव मजो लेर आकाजकानी
 २५ देवर आमीष करी वा बटका कथा वा जमातके सामो
 राखबेई आपका चेलांने दोनो । ओर वे जीया वा
 २६ सगला घाण्या ओर वां वारे जोडी भूषोभायो भेजो कयो
 के जको वांकरे रयो ।।
- २७ ओर ईसोडो के उ न्यारा जयर याचना करसा चेला
 उंके भेजा जा वा उं आ केर वाने पूगीयो के जमात वाई
 २८ केने के ऊं कुखंडु । वां उघलो देर कयो के योहन डुवी

- दिरावणवालो लेर और कोईर कैड कें एकोयष्ट् वा और
 २० कोईर कोईर कै बोदोनिमित्तियो उठ्यो । उं वाने कयो
 कें घे काई कोणे कें अं कुंखरुं पितर उद्यलो देर कयो कें
 २१ तूं भगवानको खीष्टें । और उं वाने आ कर करडो
 २२ अग्यादीनो कें कीनेई वा कथा न कहै और कयो कें आद
 मीका डावडाने मोकलो कसद पावणो वा बोदोकासुं वा
 बडापेहितासुं वा जानुंगासुं निगरसरायो होखो कर
 २३ मय्यो जाखो वा तीजेदिन उपायो जांयो बिसै । उं पिय
 समझाने कयो कै अर कोईर न्हारे पुठे आवणो चावै तो उ
 आयने फिटकारे वा सदाईर आपकी हलवांयो उपाडे व
 २४ न्हरे पावे आवे । कोस जको कोईर आपको जीव राव्या
 चावै उं उने गमासो और जकोकोई न्हारे कारख आपको
 २५ जीव गमावै उं उने रावसो । कोस आदमी सगली
 २६ दुनियाको मुनाफो करर वा आयने गमायद वा विगाडो
 करर उंजे काई मुनाफो कोस जकोकोई न्हारे फायदामे
 वा न्हारी कथाके फायदामे लाजांसरसी उंके फायदामे
 आदमीका डावडा लाजांसरसी जद आपके वा आपका
 २७ बाभाके वा घरमहलकाराके प्रतापमे आसो । अं
 घाने साच वउंउ कें अठे उभा रैखवाखामे किताक लोग
 नें कें जके अठातोखो भगवानका राजने न देखै तबतोखी
 मोतने न चावसो ।
 २८ अटकलाके आठ दिन या कथा पठे ईसो जवो कें उ
 पितरने वा योहनने वा यासकवने लेर याचना करखने
 २९ एक घरवत उपर चाल्यो । और इसो जवो कै याच
 ना करता उंके मूडाको डोख दूजीतरें जगयो वा उंका
 ३० गाभा घोसा वा भलाबेल ज गया । और देघो
 मोजाह वा एकोयाष्ट् यां दोनुं आदम्यां उंके भेली कथा
 ३१ कई वा तपतेजमे देख्यो जायर उंकी मोतुको दुधा बही के

- ३२ जीमें उ यिदमकममें पूरो करसी । और पितर वा उ
का भेषपी नोंदमें उंघता जा वा वा जागर उंका प्रतापमें
- ३३ वा उंका भेषपी दीय शखानें पिय देष्या । और इसो
जे के वै उंके कनासुं गयां यजे पितर आपकी कथा नजा
सर यिभुमें कयो के हे घबी नानें अठे रैयो घोषोउं वा न्हे
तीन डेरा वनावां एक धारैवेई एक मोझाहवेई एक एली
३४ याहवेई । आ कथा कैवार एक में आवर वकै उपर
- ३५ उसयो और वै म्मेमें वडतार बोझा । और वांणी मेंसुं
आकैर नोकली के ओ नारो बाणो डावडो उं उंकी कथा
३६ सुखो । वा वांणी गयां यजे यिभु एक जो जाघो परो
वा वा वाकथा लूकारे वा वादिनामें कौनेई नकयो के
जीने देष्यो ।
- ३७ दुजेदिन वै मरुवसुं उतरता मोटी जमात उंके
३८ मेको ऊई । और देषो जमावमांसुं एक लोग बेला
करर कयो के से गुरां ऊं तेंसुं याचना करणुं के नारा डाव
३९ ड उपर देष कौस उ नारै एकीज डावडो में । और
देष एक भूत उंने लागोउं वा उ भाट बेला करैउं वा उंने
उ इसो फाडैउं के उ मुंडासुं भाग काटैउं वा उंने किचरर
४० पिय मय जेडै नही । और मै धारा चेलांसुं याच
४१ ना करो के उंने लुडावे लेर वे न सकिया । यिभु वांने
उघला देर कयो के हे अमरोसी वा घोटैमारग गोती ऊं
कितान्क दिन थाके नैडो रैसुं वा थाकी सेंसुं धारें डावडानें
४२ अठे ल्याव । उ नैडो आतां भूत उंने बगाय दीनोवा
फाणो लेर यिभु उं भिसटआत्मानें डरावरर डावडानें
साजो कयो वा उंके नामा कनें आजायो ।
- ४३ और वां सगलां भगवांनकी मोटी पोचसुं अउरो कचेर
लेर जके सगला काम यिभु कथाज वांमें वे सगला अउे
४४ रो करता उं आपका चेलांने कयो के आ कथा थाके

७५. बाँधमें दंडे क्योंस आदमीका डावडा तोलसुं आदम्याकें हाथमें आलाया जाती । खेर वें वा कथा बसमभयो ना वासुं वा लुकी गो हें नैई बां वा न जाखी और उं कथाकें कायदामें उंने पूछणने बीडा ।
७६. वाकें विषमें आदलीबदली पिण्ड गी कें वामें कुछ सगला सुं मोटोजसो । खेर विष्णु वाकें मनको सुभाव जाखर
७७. एक डावडानें खेर आपकें नेंडो राख्यो । वा वानें कयो कें अकोकोई लोग हं डावडानें न्हारें नावसुं संविभाग करेणें सो मनें संविभाग करेणें और अको न्हारो संविभाग करेणें सो न्हारें मेजोडानेंपिण्ड संविभाग करेणें क्योंस थाकें विषमें अको 'सगलासुं' नामोणें उ सगलासुं मोटो
७८. जसो । खेर योहन उचलो देर कयो कें हे धखी हे एक लोग देख्यो कें अको धारा नावसुं भूतानें टुडातोणे वा न्ह
७९. उंने वरज्यो क्योंस उ न्हकें मेजो नजायणे । खेर विष्णु वानें कयो कें उंने वरजो मति क्योंस अको न्हारो दुसमन नणें उ न्हारें कानोणें ।
८०. खेर हंखोणे कें उंके उपर लैगया जाखमीनेला पुरी जोखसुं उं विरुअसममें जावणने आपको मूंडो उंकांनो
८१. ठीक कयो । वा आपकें हलकारानें मेल्यो खेर वें जायद उंकेवेई धार करबने अमरोनियासुं एक घैडा
८२. में बडा । खेर वा उंको संविभाग न कयो क्योंस उं
८३. को मूंडो विरुअसमके कानो जावख ह्योणे । उंके चेला यथाकुबने वा योहणने देवर कयो कें हे प्रभु खेर काई धारो मनणें कें न्हकी वासदेने आकाअसुं उतर वानें वा वानो योवगमावखने आग्या दे कें जियो एलीयाह
८४. कयो । खेर उं मुडर वानें भीहावा वा कयो कें ये
८५. नबाखी ने कें हे कौतरेंका लोगणे । क्योंस आदमीका

डावडा आदमीको जीवगमावखवेई न आया लेर उदार
करखवेई आया ओर वें दूजे घेडे गथा ।

- ५७ वां जातां इसीगे के मारगमें कौनी लोग उनें कयो
के हे प्रभु तूं जठे जायजे उठे जं धारें पिण्डी
५८ जायु । ओर यिन वानें कयो के लोकाडियाका
बिलजे वा आकाशका पंथियाका मासाजे लेर आदमीका
५९ डावडानें माथे मेलखकी जागा नजे । ओर एक लोगनें
उं कयो के न्हारें पिण्डी आवे लेर उं कयो के हे प्रभु
६० जं पैलडा जावर आपका काभानें घोर थुं । यिनु
उनें कयो के मुडदा आपका मुडदानें घोर दे लेर तूं
६१ जायद भगवानके राज घोडे कर । दूजे एक लोग
पिख कयो के हे प्रभु जं धारें पिण्डी जायु लेर धुरला
६२ जाकर आपका मूंयाका लोगांसुं विदा केडं । यिनु
उनें कयो के कोई लोग हल उपर हाथ देर वा आपके
पिण्डी देवर भगवानका राज लायक नजे ।

- १० दसमो पाणि ।—वां पजे प्रभु दूजा सितराने
निसै कीना वा वाने दोयर करर आपके आगे पावेजे
२ जागा वा नगरमें मेलख के जठे आप गया चायो । ओर
उं वाने कयो के साथ मोठी सही लेर नूनर घोडाजे
इवेई ये साथका धणीसुं याचना करो के उं आपकी
३ साथ वाछनें नूनराने मेलें । ये चायो देवे के जिखो
गाडराको बघो लोकाडियाके विषाले जायजे तियो जं धाने
४ मेलजूं । मोलो वा कोयलो वा मोण्डी मतो लोको
५ वा मारगमें किनेई जुहार करो मतो । वा जीकीई
मूंयामे ये बडा पैलो को के इं मूंयाकी सिकामतो
६ के । ओर बके सलामती लायक आदमी उठे देजे
ते धाकी सलामती उं मूंयाउपर रैखी लेर धर नहीवे

- ७ वा धाकैकने मुंड आसी । ओरे धे आपकै सामी दियोडो
वसां वाता वा पीता उं भूपामें रहो कींस नूनर आपके
८ नूनरार्ई योगनें भूपैर मतो भटके । ओर धे अर
कियो नगरमें घोचे वा वै धानें आरे करे तो धाकै सामो
९ मेल्पोडो वस्त वावो । उमें दूबला लोगनें ताजा करो वा
१० वानें कहे के भगवानको राज धाकै नैडो आयेनें । ओर
धे जीकीं नगरमें घडो ओर वै धानें अर आरे नकरसी
११ तो धे उं नगरका मारगमें जावर कहे के धाकै नगरकी
बका वे न्हाकै पगां उपर लगेनें वा पिब से धाकै वैरमें
लूयनापसां ओर आ बांयो परी के भगवानको राज धाकै
१२ नैडोआयेनें । ऊं धानें कउंउं के उं दिन सदमीयांको
हवान उं नगरसुं वत्तो सेरो ऊसी ।
१३ धे खोराजिन् लनें संताप ऊसी धे बावसीदा तनें
संताप ऊसी कींस जके अउरा काम तैसुं कयोडाते वै
अर सेर वा सीदनमे कीया जाता तो वै मोकला दिनां
१४ सुं सितपठी वा भसममे वैठर मनमोडता । ओर मन
सेजाके दिम सेर वा सीदनको हवान थारा हवानसुं
छेरो ऊसी । ओर धे कपारमखम के जके खगतिडो
१५ उपाडाज सुं नारकोतोडो उतायो आसी । जको
धाकी कथा सुखेनें उ न्हारी कथा सुखेनें वा जको धानें
१६ गोइकरेनें उ मनेपिब गोइकरेनें ओर ओ मने गोइकरेनें
उ मने मेल्पोडानेपिब गोइकरेनें ।
१७ ओर वां सितर डोगा राजीसुं फेर आयेर ओ कयो
१८ के धे प्रभू भूतपिब थारा नावसुं धाकै वस केनें । उं
वानें कयो के में मोडाने बीजबीसरोवो आकामसुं
१९ पडतो देख्यो । देवो ऊं धानें सर्पा उपर वा बीज्यां
Vikanera. Y विजे

उपर पग घरखकी पाँच देउंनुं वा बैयाके सगली पाँच
के उपर घाने पाँच देउंनुं वा काई वख घाकी विगडा

२० नकरसी । जेर इमें राजी मतो को कै आत्मा थाके
वस कैते जेर उंसुं राजी करो के थाकी नाव खर्गमें लिखी
येते ।

२१ उं घडी यिमु मनमें राजी जवेर कुयो के हे भाजो
खर्ग वा संसारको घली ऊं तने खुति मेलांनुं के व
बडेरासुं वा जानकारसेयां सगलाने लुकायाते वा डावडा
कने वाने जोडे कथा ते हे बाभा इसे को के घो घारे

२२ मनते । न्हारे भाभासुं न्हारे कने समजा भलाबाते
ओर डावडा कुणते बाभाविगर काई लोग ओ नई जाके
ते ओर डावडा वा जीकेकने डावडा उने जोडे कथा
पावेते उं विगरपिख काई लोग बाभाने न जानते ।

२३ ओर उं आपका चेलां कानो मुठर वाने डोफा कथा के
थे क्या कामाने देवेते वा कामाने जके आंध्या देवेते के

२४ आंध्यां घवते कहांस ऊं घाने कउंनुं के थे ज्यां कामाने देवे
ते वा कामाने देवखने वा थे जके कथा सुणोते वा कथाने
सुखने मोकला निमितियां वा यातस्था चाये जेर देवख
सुणय न पाया ।

२५ ओर देवो नोतमें बडेरो एक लोग उंको परव करर
वा आ कैर उभो जवो के हे ववाओक ऊं काई करर अनं

२६ तो जीव पासुं । उं उने कथा के तैरैवमें काई जिघो

२७ येते तू काई भयेते । उं उघलो देर कथा के धारा

भगवान यिबाने आपका सगला मनसुं वा आपका
सगला जीवसुं वा आपका सगला जैरसुं वा आपका
सगली समभसुं प्यार कर वा आपके इयो आपके नेडा

२८ देखवाने प्यार करो । उं उने कथा के तू ठीक उघलो

२९ दोरो घो कर तो बचसी । उं आपने सिद्ध कथा

३० बायर यिमुने कजे के न्हारे नेहारेखवाला कुणते । (यिमु

- वा कथा कपडर कयो के कोरै लोग यिह मखमसुं यिरि
 खुमें गयो वा काडवांन्याके हाथे आयो के जके उंका गाभा
 मोजर वा उंने मारर वा उंने अदमंथो गेडर चाख्या ।
- ३१ देवगम कोरै चारख उं मारगसुं जातोगे वा उंने देवर
 ३२ दूजीकानीसुं चाल्यो उसोई एक बेनि उं अगसुं आयर
 ३३ वा उंने देवर दूजी कानीसुं चाल्यो । खेर कोरै
 अमरोनी मारगसुं जातेर उंके नैडे आयो वा उंने
 ३४ देवर दया करि । वा उं कने जायर उंका घावांउपर
 खेज वा दाब कुछर वा घावांने माभासुं पलेछा वा आयको
 असवारोमें उंने बैठायर छांणीमें बेगयो वा उंकी निघे
 ३५ राखी । खोर दिन उगखकीबेला उं दाय यावलो
 काछर राधखने दीनी वा कयो के उंकी निघेवावी राखयो
 वा खोर जको घरच लागसी सो पागे आंखको बेला तने
 ३६ देखुं । वा तीनाके विचमें उंके नेडेरैखवालो कुख
 जवो के जको काडवांन्याके हाथे पडोले तू इंके फाय
 दामे कोरै ठेरविठे उं कयो के भां उंके उपर दया करी
 यिमु उंने कयो के तू जा वा उंघतरें कर ।
- ३७ वे उठासुं जावताग उं बेला इसो जवो के उ किबी
 ३८ गांवेमें गयो वा एक रंड के जीको नांव मारता उंने आपका
 ३९ भूपामे ख्यायो । वा उंको एक बेनगी के जीको नांव
 मारिया जी यिमुके पगाके नैडा बैठर उंकी कथा सुखी ।
- ४० खोर मारता मोकला काम करखसुं दिक् अघेर इंवेई
 उं उभी अघर कयो के हे प्रभु तू कोरै न फिकर करे
 उं के नारी बेन मने एकली काम करखने गेडी उंने
 ४१ के के वा नारी उपर करे । यिमु उधुलो देर कयो के
 हे माता हे माता के तू मोकली काममें फिकरवंद वा
 ४२ दिक् के उं खेर एक कामको मरजधै खोर मारिया
 उ मोघोविराड सरायो के जको उसू खेजायो बजासी ।

११ इग्यारमो यानो ।—घोर इतो जवो के उ कियो जागामे याचना करतो ते इके विने यूरोहोयके बेला उके चेवाने कियो जोग उने कयो के हे प्रभु योहन जिओ आपका चेवाने याचना करखने भयाया तिसा न्हानेपिब २ भयाय । उ वाने कयो के ये जद याचना करो तद कयो के हे न्हाना बाभा के जवो स्वर्गमें रेंजे धारो नांव नि रनलो को धारो राज आवे धारो मन जिओ स्वर्गमें कियो ३ जायजे तिसो धरती उपर कसी जाय । न्हाने रोओवा ४ बाढो न्हाने सदाइ दे । घोर न्हानो घामो माफ कर । क्योस न्हपिब सगला लेंखायवाने गेडांग घोर न्हाने कि मतमें मतो लेजा घेर बुराइसु न्हाने काठ ।

- ५ घोर उ वाने कयो के घांको कुखजे के जीको एक लंगो टोले घोर उ दोषघोर शतका उके यने जको आवे वा ६ उने के के हे लंगोट्या मने तीन रोटी उधारी दे क्योस न्हारो एक लंगोट्या मारगसु जायजे के जको न्हारें कने आवे वा उके सामो मेलखने क्युधिपिब न्हारेंकने नजे । ७ उ मायसु उघलो देर बाल्यो के मने तीसोस मतो दे अबाह बारलो जघोले वा न्हारा डावडा न्हारें भेला सूता ८ जे कां लने देखबेई उठ न सकुंनु । ऊं घाने कउंनु के उ लंगोट्या होखसुं अर उने देखबेई न उपडसी तो प्रिय उके मोकखा मांगखसुं उ उठसी घोर उ जितो आवेजे ९ तितो उने देसी । ऊंपिब तने कउंनु के मांगो तद घाने दीना जासी सोभो तद मिलसी ठोकर मारो वा घांके १० बेई खोल्लो जासी । क्योस जको मांगेजे उ पावेजे घोर जको उघम् करेजे उपिब पावेजे घोर जको कूटेजे उकेबेई ११ खोख्यो जासी । क्योस घांके विघाले नाभाकने जको डाव डो बाढो मांगे तो उ कांई उने भाठो देसी अथवा मगो १२ मांगघो तो मजोकीठेइ आप देसी अथवा अर इंडा मांगे

- १३ तो विदु देसी । इसुं धे जके वींठाज्येर अर आपर का डावडाने चेवी वस्त दे जांखोणे तो थांका बाभे कें जको सरगमें उ आपकने याचनाकर बवासाने उंसुं बतो काई यर्माना न देसी ।
- १४ और उ एक भूतने लुडावतोणे और उ गूंगोणे और इसोणे कें भूत कखापणें गूंगें कथा कधी वा जमात विस्मय
- १५ ऊई । लेर वामें कियोर कयो कें भूताको पातया बाअल
- १६ जवबसुं उ भूत लुडावेंगे । दूजे पिब क्रीमत करता
- १७ उ कनासुं आकाशसुं कोई सैनाख देखने माग्यो । लेर उं वांको धिंता जांखर वाने कयो कें पावेजके राज आ पका वैरमें न्यारार जयर मोड ऊबायणे वा मूंया आ
- १८ पको वैर ऊबर पडेगे । और मोडो अर आपका वैरमें न्यारो केतो उंको राज किलीतरें रैसी क्रीस धे
- १९ कयो कें ऊं बाअलजबबसुं भूत लुडावुं । लेर जको ऊं बाअलजबबसुं भूत लुडावुं तो थांके डावडा किंसुं लुडा
- २० वेंगे इसुं वे थांका मनसोभी करखवाला ऊभी । लेर अर ऊं ईश्वरकी आंगुलीसुं भूतलुडावुं तो मुकर ईश्वरको
- २१ राज थांके कने आयोने । जद सरतंतवांथोडो बलियो लोग आपका मूंयाने रावेगे तद उंको चीज वस्त धोयोतरें
- २२ सुं रैगे लेर उसुं बलियो कोई लोग अर उ कने आयर उने फसे करेगे तो उ जीं हतियार उपर प्रहित करीगे उ अयड लेवेगे वा लूटकी विराड करेगे । जको न्हारे
- २३ भेला नगे सो न्हारा वैरमेंगे वा जको न्हारो भेला जोड न
- २४ करेगे सो विधेरेगे । जद भिसटआत्मा माखवसुं गयो उं तद उ धैन सोभर सूको ठोडामें फिरावेगे वा बलाधर केगे कें ऊं आपका जीं मूंयासुं खहर उमें फेर जासुं ।
- २५ वा आयर उंको बुधाघो वा सध्याडो लाधेगे तद उ जायगे
- २६ वा आपासुं वींठा और सात अफाने आपके कने खेवेगे

वा वे वडर उठे रेते वा उ आदमोको उवडो पैबडाता
वीठेते ।

- २७ इलोगे के वे आ कथा बैबसुं एक रांड जमातके विधा
के देला करर उने कयो के जी घेट तने कपडी वा ते जी
२८ बोबा पीयो उ वन्य । जेर उ कयो के जके भगवानकी कथा
सुखेते वा पावेते पिख वे वन्यते ।
- २९ जमात भारी होणसुं उ केब लागे के को कोभोगेत
ते उ लक्ष्म सोभैते वा योगा निमित्तियाके लक्ष्मविगर
३० ओर लक्ष्म उने दोना जगसी । कोस जिखो येनानि
निमित्तिया ओ लोगा केबे लक्ष्मणा तिसो आदमोका डार
३१ डा इं गोतके जसी । दक्षिण देवकी रांयो मनसोवामे
यां गोती लोगां भेलो उठसी वा वाने वामीदार कर
जी कोस वा जलमनके ग्यान सुखखबई संसारकी सीव
सुं आई ओर देवे जलमनसुं मोटे एक लोग अठे ते ।
- ३२ निविवीके लोग मनसोवामे इंगेत भेला उठसी ओर
वाने वामीदार करजी कोस वा योगाका इंटेरासुं
मनमंखो ओर देवे योगासुं मोटे लोग एक
३३ अठेते । किनि लोग दीवे बासर पालोकडठोड
वा पायबी नौबे न रावेते जेर दीवट उपर रावेते के
३४ भूपामे वडखवाला चानखो देवे । डोलकी दीवे
आव्याते उंसुं अर घारी आव्यां एक नजरते तो घारी
३५ सगलो डोल चानबासुं भरी, जासी । जेर अर घारी
आव्यां बीठीते तो घारी सगलो डोले अंधारासुं भरो
जाओ इसुं निवेवांन हो पते चांके विषमे जको चानखो
३६ ते उ अंधारो नहोवे । इसुं जकी घारो सगलो
डोल चानबासुं भयोते वा कीनी जागा अंधारो नके वो
जिसो चानखोकरखवालोदीवे तने चानखो देते बिसे
सगलो डोल चानबासुं भयोडो जसी ।

- १७ उ कथा बार्ता करतो इके विषे एक लोग फारिजी उने
 पाचना करी के उ उके भेलो जीमखने घावे छोर उ
 १८ खायर बैठे । फारिजी देखर अरेरो कथो के उ पैलडा
 १९ जीमखके अगाडो खान कथो नहो । लेर प्रभू उने
 कथो के अने थे फारिजि लोग नाठकी वा थाली बारखासुं
 २० मांजोणे लेर थाके मांय लख वा मांगराईसुं भयाणे । हे
 २१ डोफा बारखे वखावखवाले काइ मांय नई वखाये । लेर
 थाके जको खुदिउं उंसुं लेर भोधदेवो छोर देवो सगला
 २२ धारे कने निरमलठे । लेर थां फारिजियांनि संताप
 के कोस थे पोखीना वा मेथी वा सगली तरैका सागका
 दसमो विराड देवाणे वा न्हाव वा भगवानमें मोवत
 करखी वाने नकरोणे याको करखी वा दूजाको न ठेड
 २३ यो थांने ठीक के । लेर थां फारिजियांने संताप
 जसो कोस थांने सिनगगामें वडो बाजोट वा घोटामें
 २४ मुजरो मोवत करी ठे । हे कानुगा वा फारिजी
 लबरघट थांने संताप जसो कोस थे अदेवधोरां सरीवा
 वा जके लोग वाके उपर फिरेंठे वै नजखेठे ।
 २५ छोर नीत जांखवाला एक लोग उघलो देर उने
 कथो के हे वखांखीक आ कैखसुं लूं न्हांणी पिख न्खा करे
 २६ ठे । उंकथो के थां नीतजांखख वालांने पिख संताप
 जसो कोस थे उठाखवेई मोटा भारसुं आदम्यांनि कादो
 ठे वा थे आपकी एक आंगुलीसुं भारने न भीटो ठे ।
 २७ थांने संताप जसो कोस निमियिकी धोरां सांठेठे
 २८ छोर थाके बापी वाने मारवाध्या । आ साचठे के
 थे साइरी देवाणे के थे आपका बाभाका कामने प्यार
 करोणे कोस वा वाने मारवाध्या सही छोर थे बांकी
 २९ धोरां सांठेठे । इंसुं भगवानको ग्यान के ठे के हावका
 बोइसुं निखरीवाइके जोईरोडो के जको होमचोवरी

- ५० वा देवराकेँ विषमें माचो गयो दुनियाकी नीव वखावसुं
मारनांघ्योडा सगला विमितियाको कोई या गोतासुं
५१ समभालेखबेई में वाकेँकने निमितियांने वा हलकारांने
मेखयो वा वाकेँविषमांसुं किताक लोगांने वे मार नांघसी
५२ वा तोसिसदेखी अं साच कउंनुं के उ इं गोतसुं समभियो
५३ जासी । ये नोतजाखणवाजानि पण थाने संताप ऊखी
कोस ये ग्यानको कुंघि लेगया ये सागीन पैठोले वा वडख
५४ वाजानि ये वरज्या । और उ वाने धा कथा कैतो कामूगा
वा फारिजी णिप परा वा उकेँ उपर टंटे देखबेई उंकी
काई कथा अपडएने सीभना करवा घका मोफला कामा
धे घासबेलीमे कोखबेई उंकेँ उपर मेाटो बल करख लागे वा
उघतांण लाग ।

- १२ बारमो पांनो ।—इसी मोकली अमात भेली ऊइ
केँ एक लोग दुजा उपर घडियो उ आयका खेताने केख
लागे केँ पेसडा ये फारिभियांका घाटासुं निघेवान
२ रदे केँ जके लवरचटपखोने । कोस कुंघि लुको
डो नडे केँ जके छोडे न ऊसी वा पाल्योडो केँ नजांणी
३ जासी । इसुं ये जके अंधारमे कोले सो चान्णामे
सुनियो जासी वा ये पालोकडोमे जका कथा कांनने
कोले सो भूपाकेँ डागखाउपर छंटेरो फेयो जासी ।
४ और न्हारा लंगोव्या अं थाने कउंनुं केँ जके तबे मार
नांघखसकेने लेर उंकेँ उपर और कुंघि कर नसकेने
५ वांसुं मति बीधे । लेर अंमिको हरयो निसेने उंकेँ
अं देवासुं जो मारखपने मारकीम वाय सकेवे उंसुं
६ डरो अं थाने साच कउंनुं केँ उंसुं डरो । पांघ
गोरों काई दोय पैसामे बेधी नजायवे और वाकेँ विषमें
७ एकपिण भगवानके सामो भूल नजायवे । लेर आंका

- माथाका केमपिब संगसा गिबोडाँ रंशुं मती हरो ये
 ८ मोकली गोरीसुं वेतो किमव गे। खेर जं घाने
 कजंनुं के जको कोरं कोम कोगीके समीमने आरे बरे
 आदमीका डावडा उने भमवाणका हककाराके समी।
 ९ पिब आरे करसी। खेर जको कोम आदमी समी
 मने आरे नरकली उ मगवाणके हककारा समी आरे
 १० कथोमजासी। खेर जको कोम आदमीका डावडाका
 नैरने कथा कैते उ उकेकने माफ कथो जासी खेर जको
 कोरं कोम घरमाका उमर उकठारं बरे उ माफ कथो क
 ११ जासी। खेर जको वे घाने सिममग वा मवसोधा वा
 १२ हाकमाकने केजाव तद मती फिकरकरो के की वा काई
 उयको देखो वा काई देखो कोस घाने जको केको जदर
 पडसी उ उंदि चढो घरमाका भडासी।
 १३ खेर जमावसुं हक कोम कथो के हे वषाडीक नारा
 १४ भाईने के के उ नारे भेली वारसि विराड बरे। उं उने
 कथो के हे आदमी किब थोकेउपर मने हाकम वा विराड
 १५ करबवाडो कथो। खेर उं वाने कथो के ववरदारी वा
 कोमसुं आपाने अलगारायो कीस किबो कोमके मावा
 १६ मोकली जवांसुं उने उको जीवयो गे। उं आ
 कथापिब खेर नकेकने हक परयो कथो के हक मावा
 १७ वाषाके खेत मोढो शान उयजायो। खेर उं आ
 खेर आपने मवसोधा करो के जं काई करसुं के नारी
 १८ साव राषबने मने जासी गे। खेर उं कथो के जं खेर
 करसुं के जं आपकी मवाघाने भावसुं वाउसुं वाड ववा
 सुं खेर उठे नारी समखी साव वा नारी समखी मावा
 १९ राषसुं। खेर जं आपकी जीवने कैसुं के हे जीव मोकला
 वरवनेरं धारी मोकली जावा राषोडीके केम मुआर वा वा
 Vilasore.

- १० यो धानन्द कर। और भगवान् उनें कयो के है हीया
 सून हं रातका धारो जीव तैसुं लीयो जासी तद तें जके
 ११ भेषा कथा वें कीका जसो। और आदमो आपकेवेई
 माया भेकी करेणें और भगवान्कनें मायाबाज नउं उ
 १२ इतरेको उँ और उँ आपका पैखानें कयो के इसुं जं धानें
 १३ कउंनुं केँ आपका जीववेई फिकर मती करी केँ काई
 पायो वा डिक्केवेई काई पैरयो जीव घाँखकी वस
 १४ सुं मोटोउँ वा डीख बागसु, मोटोउँ। कागलां की
 नो देवो केँ वें न नावेँ वा साव न बाँडेँ वाकेँ डिगलां वा
 कोठखा नउँ और भगवान् उनें पाँखनें देवुँ ये पंथिया
 १५ सुं कितारि चोखो। और धाँकेँ विषमें कुछ अंदेसो
 करवसुं आपकी काँबापखानें एक हाथ बतो करसकेँ इसुं
 १६ जके ये जाना काम कर न सबोगे तो कौंस दुआ काम
 १७ नेई फिकर करोगे। सुदमन जीतरें बधेँ और तस गीयो
 वें काम न करेँ वा सूत न नावेँ और जं धानें कउंनुं केँ
 अलमन् आपका सगला मायामेपिब धामें एककेँ सरोवा
 १८ सोभावाला नगे। और जके वास आज वेतमें हैँ वा काल
 चूकेँ बमायो जायउँ उँ घाखनें अर भगवान् सोभादेवेँ सो
 हे घोडाप्रतितकरखवाला भगवान् काई उँसुं बतो धनि
 १९ गाभा नदेसी। और ये सोभना मती करो केँ काई पायो
 २० वा काई पीवा वा संदेह करो मती कौंस संसारको गेत
 आ सगली सोभेँ और धाँकी नामो जायेँ केँ धनि
 २१ याँसमझाकी दरकारेँ पख भगवान्का राजनें सोभो
 २२ हो सगला धनि होना जासी। हे जाना टोला मती
 बोह कौंस धानें राजदेखनें धाँका नामाकी मोटो राजी
 २३ उँ। ये आपकी माया बेसो वा दान देवो आपकेँ
 वेई बोदानघोखवालीकोयखा अथवा अधममाया खरम
 में भेषो करो केँ जठेँ और नेहा नजामेँ वा कीडा

३० बिगाड न सकेंउं कीस जई धांकी मायाउं उठें धांकी नख
३५ पिय रैसी ।

३६ धांकी कमरबंधो वा धांकी दोबो चांगखोनें वा घे वा अर
दयां इसा हो के नके आपका बबोकी बाड भोवेंउं के उ
परपरसुं कौबेला आसी आताईमें कूटर मारता वै उके
वेई तदी घोलसो उ घडयो घन्ये के थाने घबो आयर

३७ पोरो देतो लाधो । अं धाने साच कउंउं के के आपकी बड
बांधसी वा धाने जोमबवेई टिकासी वा आयर धांकी सेवा
३८ करसी । ओर उ अर दूजे वा तोजे पोरा आवें वा धाने

३९ इसर लार्थे उ घडयो घन्ये । ओर आ जायो के जवै

भूयाकी घबो जांखते के कीघडो ओर आसी तो उ पोरो

४० देतो वा आपका भूयाने भांजख न देतो । ओर घेपिब

थार हो कीस घे बांधो आखसमें रीगे कंधो घडो

आदमीका हाबडा आसी ।

४१ ओर पितर उने कयो के वे प्रभू तू के परचा बाई

४२ नाने के के सगलाने । ओर प्रभू कयो के तो ओ

प्रतीतो वा स्याबी दोकान कुबने के धाने बेलाभाफिक कख

वाने सवखने देबनेई घबो आपका सगली माया उपर

४३ ठीक करसी । घबो आयर जी घडयावे इसो करको

४४ लाधे उ घडयो घन्ये । अं धाने साच कउंउं के उ आप

४५ को सगली माया उपर उने मालक करसी । ओर अर

उ घडयो आपका मनमें विचारें के नारो घबो आवख

को ठीक करेंउं कः भोखाने वा कांगाने मादखने वा आप

४६ आवख पंवेख वा मखानिओख लागो तो जीहीन उ घड

या बाड नजेवेंउं वा जीघडो मनमें क जावेंउं उंहीघडी

उं घडयाको घबो आसी वा उने बाडसो वा अम

४७ कीयां भेको उंका विराड देतो । ओर जको घडया

आपका बबोकी मनसा अंबर आपने थार क रावें वा

उंका मवमाधिक काम करे वही उ मोवकी कुरो प्राप्ती ।
 ७८ बेर भी न जावत मारवाव कायव काम कुरो उ थोडो
 मारवाली कोस जावे मोवकी दोबो जायते उंमु मोवकी
 समझ वेबो पडती वा जीवे बोधा मोवकी कयहायेते
 उसु कुरो बोधा ।

- ७९ अ संसारमें कासदे वभाववेई चाये वा काई चांउंउं
- ८० विगर हंके । किं उ कवाहंई तवे बेर हुनी दिराई जावनेई
- मने एक हुनीदिरावकीते कोर उंके पूराहीबताओ अ
- ८१ किसी तोसीउ पावुं । ये काई समझोयो किं अं हं
- सारमें त्रिकाय देवमें चायेउं अं अनि कउंउं के उ नही
- ८२ बेर वेरता देवने चायेउं । कोस कवाहंसुं एक
- घरमें पांच चायनी चारा असो मीन होयका बेरमें दोस
- ८३ तोवका बेरमें । मामो डावडाका बेरमें चारो कस्ये वा
- डावडो बाभाका बेरमें माउ डावडोका बेरमें वा डावडो माउ
- कोबेरमें सासु वउका बेरमें वउ सासुका बेरमें चारो कसी ।
- ८४ कोर उं अमातने कसो के अद धे यन्त्रिममें एक में उअड
- ८५ तो देवेगे तद वेगो कोगे के भडी कसो वा वा कैते । वा
- अद दसुकाउ वायरी बैबने देवेगे तद कोगे के मरमो
- ८६ असो वा वा कैते । हे कुररचट धे वरसीयो व
- कोकाजको मुंडी जाव सवेगे कोर हं वेदाने को जावे
- ८७ वही कोर चापेई पिब को ठोक आव नकरोनेर ।
- ८८ अद तू चापका बेरी भेजे कावममें कने जायते तद
- मारममें उंमु टुटवकी सला वर काईजावा उं तने
- काजीकने भजावे वा कायो तने मुसरफकने भजावे वा
- ८९ उं तने अटकमें वजावे । अं तने कउंउं के वू उंमु कारवे
- न तोवकसी के अदवोडी वाडी खगका दसुवा अदेकी ।

१३. वेरमे यमि ।—कोर उंकोमेका विज्ञान शिव

- १० कें उभयभेदे वा उने उं माखिलियाके कावदामे जहाये
 ११ कें म्थने लोई पीलावने वा बलिवी भेजे मिलथि । और
 यिनु उचलो देर वाने कयो के ये काई समभोणे के वे
 माखिलियाका उंघितरे कसट पावथमें औरसगवा माखि
 १२ लिवासु वांमोदारग । अं थाने कउंनु के उ वही और
 १३ अर ये वांमथ वदरो तो ये सगवा गैरा ऊनी । अथवा
 श्री अठारेंलोमउपर सिलोअरुको कोट पयो वा वाने मार
 नाया ये काई समभोणे के वे यिरोमकममें रैहवाला
 १४ सगवासु वना वांमोदारग । अं थाने कउंनु के वे वही
 और अर ये वांमथ नई करो तो ये सगवापिठ गैरा ऊनी ।
 १५ और उं परवासु वाने कयो के श्रीओ आदमोकी बाडी
 में एक अंभोर दंभ उगोणे और उ उंने कय सोभ
 १६ के आये और कंहि बलाधा । उं पठे उ अथवा
 वागवाने कयो के देष अं सोभ वरसतोडी दंडवका
 कय सोभयने आये और कंहि बलाधा उंने बाछनाथ
 १७ उ धरतीने कुं भार मारेंगे । उं उचलो देर उंने
 कयो के चैधवी उंने दं साखपिठ रैहदि के वठतोडी अं
 १८ उंने चारकांमो धादु वा सवाद । तद अर कहे तो
 धीयो और अके जहले तो उंने बाछनाथ ।
 १९ दीनधारने उ वाके एक सिद्धममें भवातिणे । और
 २० देवो एक रंडणे के नीके उपर अठारें वरसासु दूवको
 जाकाठी और कूबरो ऊई गो वा कौबसरे काव उभी
 २१ अथ वसकती । यिनु उंने देवर उंने बुलायर कयो
 २२ के ये दंडतू आथका दूवसायवासु नूटी । उं वने
 उं उंने उपर हाथ दोनो और अट वा पाधरी ऊई वा
 २३ भयवांनको खुति करो । और यिनुके उंने दीप
 धारमें वात्री करबदेकर सिनमगके वही दोससु उचलो
 दिद नमायने कयो के कांमकरक कावक नदिने वाने

- १५ आयर ताजा दो वा दीतवारमें नई । शिमु उधलो देर
उने कयो हे कवरचठ पाबे विपाले पावेजके खादमो काई
दीतवारमें आपका बखध वा मधाने बाणकी कागसुं
- १६ वेकर पाबो पोवखमें न खेजायने । खोर हं रंड के जीने
मोठामुं हं आठारा वरस जकडोनी वा आवरहामनी
ठावडीने वा काई दीतवारमें या बंदबासुं वेकख आयक
- १७ नते । उं आ सगली कथा कयासुं उंका सगला वैरी
काजा मथा वा सगलो जमात उंसुं कयोडा सगला
अरेकासां उपर मोकला राजी जवा ।
- १८ खोर उं कयो के भगवानको राज कौसरीघाणे वा ऊं कीं
१९ उपमासुं उने उपमा देसुं । उ रारका दाखा सरि
घाणे के जीने कियो लोग खेर आपका घेतमें वगायो खोर
उ बघर मोटोबंघ ज गयो वा आकमया पंथा आयर
उने उपर माका कथा ।
- २० खेर उं कयो के ऊं कींसुं भगवानका राजने उपमा
२१ देसुं । उ घाटा सरिघाणे के जीने कियो रंड खेर
तीन पावकी आठामें मेल्यो के जठालोडी सगलो घाटा व
२२ जयो । खोर वे भखावता वा धिदमममे के कानी जा
ता नगरर वा घेडेर मथा ।
- २३ कियो लोग उने कयो के हे घयो उबारपाखवाला काई
२४ घाटा जसो । उं वाने कयो के पाधरा बारखामें वद
खके जावतो करो खेस ऊं थाने कउंडु के मोकला तडव
- २५ के जावतो करसी वा न सकसी । जीवेखा भूपको
घयो उपडे वा नारखो छके वा घे बारये उभारैयो वा आ
कथा केर बारयो कूटख लागो के हेघयोर खिनेवेई बार
खे बोख वा उ उधलो देर कये के घेकठासुं आयाणे आ
२६ के न जांबुंडु मो घे के न जागयो के हे थारें सामा जीया

- १७ वा पीया वा ते न्हाजे मारगमें भयाथा । खीर उ बेंसी के
 जं घाने कउंनुं के ये कठासुं आयाणे आ जं न जायुंनुं
 १८ हे सगला घाटाकाम करवावा मंसुं अजगा फो । ये
 मद भगवानका राजमें आबरशामने वा यिख्जाकने वा
 यझाकूनने वा सगला निमित्तियाने देषयो वा आप बारखे
 वगावा जायो तद उठे रोखो वा दांत पीसखो पडसी ।
 २० आसी वा भगवानका राजमें पडसी । खीर देयो उठ
 ला कोइर पैलडा ऊसी वा पैलडा कोइर उठला ऊसी ।
 २१ उं दिन कित्तान फारिमिया उंके मेंडा आयर उने कयो
 के उठ इं जागासू जा कोस धेरोद तमें मारनाथा पावेउं ।
 २२ उं वाने कयो के जायर इं त्यालीने के के देव जं भूताने नु
 डावुंनुं वा आज वा काख खीगाने ताजा करुंनुं वा हीने
 २३ दिन पूरो जसुं । खीरपिण आ निसेउं के जं आज वा
 काख वा पिरं गिरं कोस विरअलमके बारखे निमित्तिया
 २४ को मोजगमायो होरकसी नही । हे विरअलमके के
 जके निमित्तियाने मारनाघोणे जिसी कूचडो आपका नया
 आपको पांघांजो में भेला करेउं तिखो में कित्तियार घारा
 २५ डावडाने भेला कथां चानो खीर ये न चाया । देयो घां
 का घर उगाड ऊयर घं केवेर उठ दीनाउं खीरपिण जं
 घाने साथ कउंनुं के जठातोडी ये नकेखो के भगवानका
 नानसुं आवबवाला अन्य वठ तोडी मने खीर न देषयो ।

१७ चवदमो सुने ।— दीतवारके दिन उ फारिमिजाके
 बडेराके एक लोगके भूपाने वाठी पांवल बैर आवबसुं जो
 २ ऊने के वा उंके सामी दिसट राखी खीर देयो जलोदरसुं
 ३ मदिा दनआदमी उंके सामेऽने । खीर यिख् उघलो
 देर पीषीजाखवालां वा फारिमियांने आ कथा कही

- ७ वें दीतवारनें ताजिकरणी ठीकनें वा नहीं । और वें
- ८ बोल्हा रवा और उं उंनें जेर ताजो कयो वा जेयो । उं
यनें उं उबनेो देर वनें कयो वें थांका कीकोरको गयो वा
बसथ बोल्हामें पडे और उ उबिनेका दीतवारनें काई न
- ९ उपाडसो और वें उंनें फेर इं कथाको उथो दे न
सथा ।
- ७ नोल्पोडा पोषीपोष्यानें सराह उ उंनें देवर का
कथा करे उनेंयोथानें एक परपो कयो वें आवनेई
जद धाने किंसु नोल्पोडा को जे तद सारासुं पोषा
तथत उपर मती बेंठा काईज्या वें थांसुं बडेरा आदमी
- ८ पिह उंनें नोल्पोडा को वा जी तनें वा उंनें नेतेर
दीने उ आयर तनें कहे वें ई आदमीनें जागा देवे वा
- १० तद तूं लाजसूं बानीजागा खलें जागे । खेर ये जद
नोल्पोडा की तद जायर सगलासूं नानीजागामें बेंठ वें जी
आदमी तनें नोथि उ जद आसी तद तनें वें वें ई
वार और पोषीजागामें जा तद जीमखनें जके बेंठे वें
- ११ कनें घारी आवद जसी । खीस जके घानेोलीज
आपनें मेठा करेते उ बानो कयो जासी वा जकोकोर
- १२ आपनें नानो करेते उ मेठो कयो जासी । तद जी
उंनें नोथो जे उं उंनें कयो वें तूं जद दिवको वा रातको
जीमख करे तद आपका यारनें अथवा भायानें अथवा
गोतनें अथवा थारा मायावालापडेथानें मती बुलाथ
काईजासी वे तनें फेर बुलासी वा तूं बदलो पासो
- १३ खेर जद वांखनें करे तद भ्याथानें वा टुंठानें वा पोडानें
- १४ वा सूंथानें बुलाय और तूं थव्य जसी खीस वें तनें
फेर दे नसकसी खीस सिबानें खेर उपाडबानीका तनें
फेरदीना जासी ।
- १५ और वानें मेकोनेंठबवालो एक लोग आ कथा सुखर

- उने कयो के उ धवदमो के जको भंगवानवाः राजमि बाटी
 १६ वाली । उं उने कयो के एक कोम मीटी बांधो कयो
 १७ वा मोक्कानि बुलाया । धीर बांधुवकी भेजा उं मन
 बाधाकने गोपाने मेकर कयो के कयो कींस सगठ
 १८ थारने । धीर सगथा एक उधिचारे उकरास करव
 बाग्य पेकडे उने कयो के मे धरतो मोख लीनीने वा मिने
 के उने देखने जाउं क था वीनयो करवु के मने गेडे ।
 १९ धीर दुने कयो के क था वीनयो करवु के मने गेडे ।
 वा जने परवबने जाउं क था वीनयो करवु के मने
 २० गेडे । धीर एक कोम कयो के मे याव कयो उं धि
 २१ वेई क था जाव व सकुं । उं पने उं प्रहयो फेर जा
 सर आयवा धवीने का ठीक दोनी तदे उं भूपाने धवी
 रीस करव चडझाने कयो के नगरके मारगने वा सीचमि
 नेमे वा धीर भाउठि मा टुठाने वा वीठने वा लूकनि क
 २२ लुचाने धठे लाव । धीर प्रहयो कयो के धे धयो ते
 जिसी आग्या दोनी तिखी करीने धीर अबाक जागाते ।
 २३ उं धने धयो गोपाने कयो के मारगने वा बाडामे वा वा
 वाने माय आवडको आग्यादे के न्हारे भूपो परवाचो
 २४ आय । कींस क तने कउं के जके आदमी बुलायाते
 वके कोरे आदमीमिथ न्हारे जोमबने न चावली ।
 २५ धीर मोठी कमास उंने भेको होवसु उं धिरर वाने कयो
 २६ के जकेकोरे जोता न्हारे पिठाडी आने वा आवके इभाने वा
 आयकी माउने वा नउने वा डावडाने वा भाईने वा बैकुने
 धीर आयके जीवके नही मिभेने उ न्हारे केको होय सक
 २७ सी नही । धीर जकेकोरे आयकी इजवाणी न उ
 पाई वा न्हारे पिठाडी न आवे उ न्हारे केको होय सकसी
 २८ नही कींस धके विचने कोरे कोम गठ व्वावबने चावर

पैलठा घरघोरे लोको करबवेई नवेठेने के उके पूरोकरख
 १८ लायक माघाणे अथवा नई कानाया नीवदेर वा पूरो
 कर न सकसु सगला देषवाला आ केर उकी मस
 १९ कुरी करख आगा के इलोम सौठयो सरु कयो वा पूरो
 २० कर न सक्यो । ओर कुछ घातया दूजा भातयाभेयो
 २१ कारो करबवेई आता पैलठा मकसोवा करबने न वेठेने के
 आय दमहवार फोज लारे लोपरो आपका बेरो विम
 हजार लारेजीपरा आवखवाला भेयो बरोबरो कर सकसी ।
 २२ वा आन करबसूवे दूजा मोकला आबमा रेंता उ उकोला
 मेकर लालाकोकसा आवेने इतरे पिख घाको कोई लोग
 जको आपका समयाने न वेठे तो उ कररे बेला अब न संके
 २३ ने । कुछ भोयोने केर जको कुछ बीठो कै नो कोस सलूयो
 २४ कयो जासो । उ घरवीवेई वा सारको लोकोवेई
 २५ फियो नई केर लोग उने करबे बगाय दिवेने । जीने
 सुणखने कजिहे उ सुणे ।

१५ पनरमो पानि ।—ओर उकी कयो कुछ
 वेई सगला पटेल वा घामीदार लोग उने नैडा आया ।
 २ ओर फारिजिया वा उयाधिया आ केर चकर वरो क
 उ प्रापियने लेवेने वा वाके भेला जीमेने ।
 ३ उ आ केर वने ओ घरघो कयो के घाके विचने
 ४ जियो लोमका एक सो गाडरो कैवा वानासु एक गमखसु
 ५ उ आदमो काई वा विनाखनेने जाडने न ठोडसी वा
 मठातोडी बलाधे तठातोडी उ गम्योडाने सीमासी नही ।
 ६ वा खाधर राजोसु आपके घवेउपर लेने वा मंये पोकर
 आपका लंगोत्यानि वा पाडोत्यानि भेला करर केने के
 नारे भेला बुसो करो कौस में गम्योडो गाडरो आवो
 ७ ने । ऊं घाने कउं के इसेहि घामया करखने

- ७ ध्यानं निसं नही इसा निमाधने सीडयोगासु एक
 ८ धामबाकरखवाजापायी उपर करममें मुसी ऊसी । ओर
 जी रंठका दम रंधियाठें वा जको एक रुपियो गमर्वि
 सा कई दोषी न वाससी वा भूयो नही वारसी वा जठा
 तोही गलाधें तठासोही कई घोषीतरसुं सोभासी नही ।
 ९ ओर साधर आपका संगोद्यमि वा नेंडारिखवाकानें भेजा
 करर केंठें कें थारे भेजा मुसी करी कोसमें जको रुपियो
 १० गलायोगे उनें साधो । अं आपिब तनें कउंनु कें भाग
 वाक्या हलकाराकें सामीपिब एक धामबाकरखवाजा धामी
 दारी उपर मुसीठें ।
 ११ उं ओर पिब कयो कें एक आदमीका दोय डावडा
 १२ जा । ओर धामेंसुं गामो आपका बाभाकें कयो कें
 हे बाभा मायाको जकीविराड थारा भागमें काकेंठें उ
 मनें दे उंकेपठें उं वाकें कारख मायाको विराड करर वाने
 १३ दोने । उं पठें घोडा दिन व ऊतां गानेडावडें आपक
 सजसाबें भेजा करर जखगादेममें गयो थ उठें घोटे
 १४ नारगमें आपका माया सगधी घरच करी । ओर
 सजखो घरच कथापठें मोठी मुंगार्ड उं देनमें कई ओर
 १५ उं कंजुसीमें पडब लागे । उंके पठें उं मायर उंदेन
 की एक रैतकमें रयो ओर उं सूरचराखबिहं उनें
 १६ वेतमें मेखो । ओर उं सूरकें वावबबा ठेंवरीसूं
 आपको घेठ बोळकें चायो जेर कीडी चोम उनें नदीबा ।
 १७ सावनेत ऊधर उं कयो कें थारा बाभाकें किता घडसा
 १८ बांठी वनीपिब पावेंठें ओर अं भूक मंडनुं । अं
 ऊपडर आपका बाभाकनें जासुं वा उनें केंसुं कें हे बाभा
 १९ में सांका बैरमें वा थारे सामी धामी करी वा
 अवारसुं थारे डावडे नामे प्रतापिक हीबसायक ननुं
 २० मनें थारा एक घडसासरीने कर । ओर उ

- उठर आपका बाभाने आवे और उ मीकली अखगे
 रैता उनके बाभे उनके देखी वा कृपा करी वा दोडर उकी
 २१ गावड अपडो वा उनके सुखी । और डावडे उनके कयो के हे
 बाभा में सगली बेरमें वा धारें समी बाभी करी वा जावारं
 २२ सु धारो अखडे नामे प्रतापोक होखबायक नहुं । और
 बाभे गोलीने कयो के सगलीसुं चोखेवबाव ल्यायर उनें
 पैरावो वा उनके हाथमें बीटो वा उनें पगामें जूती पैरावो
 २३ वा बद्ध प्रताप और मारो वा न्ने जीमर राजी कखा ।
 २४ कोस भी नारो डावडे मरं बचोनें उ गमिडोने वा
 २५ फेरलाधोनें और वे राजी करख लागी । और उकी
 मोटो डावडे बेतमें ने और जातीर उ भूधाके नेडो
 २६ पोतर बाजा वा नचके अख सुखी और उ एक गोलीने
 २७ बुलायर पूने के भी काई ने । उ उनें कयो के धारो
 भाई आवे वा धारें बाभे मोटोपताल माची कोस उनें
 २८ चोखेवबावमें लाधो । और उ हीसायो वा माय बंधा व
 २९ चायो असुं उनके बाभे मोकसर उकी वीनतो करी छे उधलो
 देर आपका बाभाने कयो के देष में धारो इत्ता दिव चाबरी
 करी वा धारी आया कदे न लोधी और तें मनें कदे सब
 बकरीपिख न दीनी के अ आपका लंगोठ्य भेलो कुसी
 ३० कहं । और धारें भी डावडे पातथा भेलो रैर धारी
 सगली माया उबाय दीनी तें उनके अखताई उनकेनें मे
 ३१ टाप्रतापनें माची । उ उनें कयो के हे डावडा तू रो
 जीना नारो नेडो रनें वा नारी सगली वला धारीनें ।
 ३२ नाने हुसी बरखी वा राजी होबो विसनें कोस धारो भाई
 मथोनें और जीवती अयोनें उ गमिडोनें और बाधोनें ।

१६ सोलमी यज्ञो ।—और उ आपका भेलाने कयो
 एक मायाप्राज्ञ आदमीने उकी एक दीवाने जीके

- २ उपर ततो जवो के उं उंको मास विमाओ। ओर उं उंने बुलायर कयो के ओ कारे उं के ऊं थारो कामदा में आ सुंयुं थारी दिवलीका कामको सुखभाडा कर
- ३ क्योस तू इं बेखासुं दिवांन ऊब न सकेंगे। तद उं दीवांन आपका मनमें कयो के ऊं कारे करसुं क्योस थारो घबो दोवांकी थारेंसुं ठुडावेंगे ऊं सुख घोटव न सकसुं
- ४ वा भोव मांगतोपिय खाजा मरंठुं। ऊं जांयुं के ऊं जवो करसुं के मद दीवांनेसुं ऊब तद वे मनें जाय
- ५ का भूपामे केसी। तद उं आपका घबोका समला बेबा
- ६ यताने आपकेकेने बुलायर पैसाडावे कयो के थारो
- ७ ययोको तनें कोतो दोबोने उं क्यो के तो बात तेक उं उंने
- ८ कयो के आपकी कागद के वा कैठर बेबा म्वाच शिव। ओर उं दूजाने कयो के तनें कित्ता देबाउं उं कयो के से। ओर ग्यो ओर उं उंने कयो के थारो कामद के वा क्खी शिव ओर उं हरांमघेर दीवांन ग्यानको काम बीना उंसुं उंके घबो उंने सरायो क्योस इं संसारका डावडा आपकी जल
- ९ के विघाले पांदवाकाडावडासरोवा कबलबंद केने। इवेइ ऊं आपकेथेरे कउंठुं के आपकेथेरे अयोगमायासुं थार करो क्योस जद थे निबला कोणे म्द वे थाने क्खता बासेमें
- १० केसी। जको लोग घोडामे विश्वासी उ मोकलामेपिय विश्वासी ने ओर जको लोग घोडामे वेविश्वासी उ मोकलामे
- ११ पिय वेविश्वासी इंसुं जको अयधार्थे मायामे थे विश्वाओ न
- १२ को तो थाने केने सायमाया कुब भलासी। ओर दूजा
- १३ आदमीको मायामे अर विश्वाओ क्ख तो थाने सागो
- १४ माया थाने कुब देसी। कारे घबो दोय ययोकी सेवा कर न सकेंगे क्योस उ एककी गोई करसी वा दूजासुं थार करसी अथवा एककी सेवा करसी वा दूजाने निर्भंसी थे
- १५ भगवो नका वा मायाको सेवा कर न सकेंगे।

- १० और मायापात्र कारिभियां श्री सगलो सुखो वा
 १५ उंकी निन्दा करी । और उं वानें कयो कें घें वें उे
 कें जको आदम्यांके सामि आपानें सिद्ध करर देखावें उें
 और भगवान् थांको मन जाखें उें कींस जको आदम्यांके
 विचालें नांवादीक कै उें उ भगवान्के सामि समदा
 १६ योग्यें । और तैरेंत वा नबी योहनतोडींज उं बेलासूं
 भगवान्को राज हंटेरो फेयो जायें वा सगला लोग
 १७ उंमें उधमसुं जायें । और तैरेंतको एक मिडि मिटल
 सुं खग वा धरतीको वै जाहो सोरो । चावेंसो लोग
 १८ आपकी बउनें गेडर वा दूजीमें परपर जारी करें उें वा
 चावेंसो लोग घणीगेडोडीरंडामें बरबेंसो जारी करें उें ।
 १९ एक मायापात्र आदमोने कें जको बैग्यां रंगका
 गाभा वा मी ब्याव पैयां गे वा हरबके दिन मोटें
 २० चैनमें दिनकाव्या । और लाजार नांवादीक एक
 भ्यायोने कें जको चांघासुं देख्यो उंके बारबाके नेंडे
 २१ राख्योने । और मायापात्रका जाजोटसूं जको भूषा
 माये यहें उंसुं यहें भरखें चायो और जघयां आयर उंकी
 २२ चांघां चाटी । और भ्यायोको मरयो ऊओ वा
 हलकारा उंके आवरहामकी गतीउपर लोगवा माया
 २३ पात्र पिब मयो वा घोरमें दीना मयो । और दूजा भवमें
 कष्टमें रेंकर उं आपकी आंघ्यां उंची करर अलगसुं
 आवरहामने देख्यो वा उंकी गतीउपर लाजारने पिब
 २४ देख्यो । और उं हिला करर कयो कें हे वाभा आवरहाम
 नारी दया कर वा लाजारने भेज कें आपकी आंगलीकी
 नेक पांथीमें डुबायर नारी जीमने ठंडी करें कींस जं हं
 २५ आंघमें कष्ट गांउं । और आवरहाम उंमें कयो कें हे
 डावडा चितार कें उें आपका जोवतबमें आपकी जोषीवचां
 पाई वा लाजारनी उरेंतरे पिब नीठामें और अवे उं चैन

- २६ पावेंने वा तूं तोसिसपावेने । ओ समलो निगर पिब न्हिके
 वा थाके निचाले मोटा एक गैरो राव्योगयोने उंसूं बको
 अठसुं थाकेकने जायां पायने वें न सकेंने उसाई वें
 २७ उठासुं न्हिकेकने आय न सकेंने । उपणे उं कयो के हे
 बाभा इंसूं झूं वीजवी कडंनु के तूं उने न्हारे बाभाके
 २८ मूंभामे मेवो कीस न्हारे पांच भाईने वें उकेकने
 सावदो देने के वें पिब इं तोसिसकि ठोडने न आवें ।
 २९ आवरहाम उने कयो के वाके मोसह वा निमित्तिया ने
 ३० वाने वाकी कथा सुखबदे । उं कयो के हे बाभा आवरहाम
 इतो नई छेर कोई लोग मोतसुं वकिने जाय तो वें
 ३१ वामखा करसी । उं वाने कयो के अर मोसहने वा
 निमित्तियाने न सुखे तो कोई लोग मोतसूं उपडसूं
 पिब वें समभाया न जासी ।

- २७ सतरमे पाणि ।—ओर उं आपका चेळाने कयो
 के न सकखवालाणेके अटक न आवें छेर संताप उने
 २ के जीसूं आवें ओ नांनाके निचाले एक लोगके अट
 कनेसूं पख उके गाडडमें घरटी बांधी जातो वा उने दरि
 ३ यावमें वगायो जालो उको घोषो ऊतो । निघेवान अर
 थारो भाई थारा बेरमें घामो करे तो उने डराय वा
 ४ अको वामखा करे तो उने ठोडदे । ओर अर सात विरियां
 दोजोना थारा बैरमें वामो करे वा सात विरियां अं वामखां
 कराउंनुं छेर थारकने फेरआवे तोपिब उने ठोडदे ।
 ५ ओर हलकारां प्रभुने कयो के न्हिके अतोव बघाय
 ६ ओर प्रभू कयो के अर थाके एक दांखां राईका बीज
 सरिषो प्रतीतके तो उ सुकामोम रघने कइयो के उपड वा
 ७ दरियावमें बायो जा ओर उ थाको कथा सुखसी । ओर
 पिब थाके निघने की कोई घडयोने के अको फाव्यो देवेने

- वा जिनावर चरावेंतें वा उ घडखो वेतसूं आसीं पठें उंन
 ८ मूट केंसो कें जा जीमखें टिक । - वा पळ उंन व केंसो
 कें नारें जीमखनें व्दारो कर वा कळ बांध वा में जठातोढी
 वाघोळें तठातोढी नारो सेवा कर वा उं पठेंतूं वासो वा
 ९ पोसी । उं घडखोके वा आग्या कथोढी काम करवसूं
 १० उं काईं उंकी सुति करखी कं समभूंनुं कें नही । इसोई
 जद घांकेकनें आग्या कथोढा सगळां काम घे कचांग तद
 पिळ कथो कें न्हे निकस्यो घडख्यो न्हे न्हे खासि आपखा
 करखयोळ-काम कियोळें ।
- ११ ओर उ थिरोजकममें गवां इसो कवो कें उ अमरोन वा
 १२ गपलिकिनें त्रिपालेंसुं गयो । ओर उ एक गांठमें घेंपर दख
 १३ मोढीलोरा उंकेमेला मिळ्या वा अजगांसुं उभा अत्रा । ओर
 वा हेला करर कयो कें हे थिजु थखो न्हाकें उपर छपाकर ।
 १४ ओर उं वानें देवर कयो कें जायर आपानें चारखांकनें
 देवाव ओर जातांर इसो कवो कें वें निरमखा जगवा ।
 १५ वांके एक लोग देवो कें सागी ताजा कवो इंसुं मोटा हे
 १६ खांसुं भगवान्की सुतो करर ओर गया । वा उंकी
 सुति करर उंकें पगां उपर माघो मेळ्यो उ अमरोनी जे ।
 १७ ओर थिजु उथलो देर कयो कें काईं दन लोग निमेजा
 १८ कथा न गया तो ओर नव लोग कठें । भगवान्की सुति
 मेळखवेई ओ ओरगोतीआदम्यांविगर ओर काईं लोग
 १९ लाधो न गयो । ओर उं उंन कवो कें उपड जा शारी
 प्रतीत तनें ताजो कथो ।
- २० ओर भगवान्को राज कद आसो फारियासुं आ कथा
 पूजोढा कवसुं उं उंन उथलो दीनो वा कयो कें भग
 २१ वानको राज लक्षणांसुं नईं आवेंतें । ओर वें नही
 केंसी कें देव अठेंतें वा देव उठेंतें कोस देव भगवान्को

- २२ राज घाँके विचमेंने । उं आपका बेलांने कयो केँ दिन
 आसी केँ जद घे आदमीका डावडाका दिनांकेँ एक दिन
 २३ देव्यांघाँयो लेर न देवयो । ओर वेँ घाँने केँसी केँ अठे
 देव अघवा उठेँ देव तद बारखेँ मतो जावे वा वाकेँ पिण्ड
 २४ डी मतो जावे । क्वांस जितो बीजखी आकाभकेँ मोघासू
 एककांनो धिंवेँने वा आकाभकेँ मोघेँ दूजीकांनीतोडो जायनेँ
 २५ तितो आदमीको डावडो आपका दिनांमें जसो । लेर
 पैलडा उंने मोकलो कसट पांयो वा इंधेलाका लेगांसुं
 २६ नकारो कयो जायो निसैण । ओर मुखको बेलांमें जियो
 २७ ने तियो आदमीकेँ डावडाको बेलांमें जसो । बुद्ध
 अठातोडो ज्वाज्में गयो वा डैखाबी अई वा वां सगलां
 को धोजगमायो तठातोडो वै वातापीता परखता वा परखा
 २८ वताण । इसोई लोटकेँ दिनांमें जीतरें ने वा घायो
 २९ पीयो मोल कीनेबेचो वा गायो वा भूपा उपाओ । लेर
 लोट जीं दिन सदमसुं गयो उं दिव वासदे वा गंधक आ
 ३० कामसुं ययो वा सगलांको धोजगमायो । जीं दिन
 ३१ आदमीका डावडा चोडेँ जसो उं दिन इसो जसो । उं
 दिन जको लोग भूपाका डागखाउपर कै वा उंको वसवांनि
 भूपांमें रेँ उ उंने लेखनें न उतरें वा जको लोग घेतमें केँ
 ३२ उपिब तिथा नही मुयो लोटकी वउनें चितारो । जको
 ३३ लोग आपका जीवनें उबार कथां पावेँने उ उंने गमासो
 ३४ वा जको लोग उंने गमावेँने उ उंने रावसो । अं घाँने
 कउंनु उं रातमें दोय लोग एक विसरेँमें जसो एक कपयो
 ३५ जासो वा एक नेयो जासो । दोय रंड घरयां फेरती रेँसी
 ३६ एक कपडा जासो वा दूजी नेडो जासो । दोय लोग घेतमें
 ३७ रेँसी एक कपयो जासो वा एक नेयो जासो । वां उचयो

देर कयो के हे धबी कठे उं वने कयो के जठे मयांया
हे उठे गीध भेला जसी ।

- १८ अठारना यानि ।—आदम्यानें रोजीना याचना
करबी वा नई जेडबी निसें ते आ देवावखनेई उं आ
२ केता एक परबी वकेंकने कयो के अमुकडा नगरमें
एक काशी जे के जको भगवानसुं न डयो वा आदम्यानें
३ नभोया । और उं नगरमें एक रंडजी के जका उंके
कने आवर बीबी के नारा बेरोकी पासवेलोमें नारो
४ न्याव कर । और कितक दिन उंने फिटकारी जेर
उंके यजे उं आपका मनमें कयो के जं भगवानसुं न डरतो
५ वा आदम्यानें न मानूं सही तीपिय इरंड मने
तोसीस देखसुं जं उंको न्याव करसुं के वा रोजीवा
६ आंसुं मने कच नदेवे । प्रभू कयो के बैअदककाशी
७ जको केठे उं सुयो । और भगवान विख आयके
सरावयाके प्रायदामे मोकला दिन सैर कारे वको न्याव
न करसी के जके रातर दिन उंकेकने अरज करे जे जं घामे
८ कउं के वको न्याव उं बेगी करसो जेर आदम्याका
डावडा अर आवे तो कारे संसारमें प्रतित पासो ।
९ और उं किनेई जो परचा कयो के यां आयमें सिब
१० अर आंयां वा दूजाने निषांमा माया । के देय
अदमो देवामे याचना करखने गया एक लोग फारिभि
११ वा दूजो पठवारो । फारिभि उभो अयर आयसुं इसो
याचना करी के हे भगवान जं थारी सुतो कबं के वज
राक्सुं बेखवाला वा विगएसिजाई वा जार जको और
१२ लोग वाके इहो जं नहुं वाइं पटैल सरोपोपिय जं नहुं ।
१३ जं अठवाडामे देय पोवधकबं जं आयकी सगलि माया
१४ को दसना विराड देवुं । और पटैल अलग सुं उंने

जबद आपकी आँखोंपिब आकाशकांकी उंचायां व चाके
 लेर आपकी जाली कूटर कबो के भगवान में बामीदार
 १७ के उपर दया करें । जं धर्म कउं के धी लोग कूरा
 वूं सिद्धचोडो आपके भूमि गयो कीस आपने मोटे
 मानखवाले चावेंसो लोग ननि कबो जाती वा आपने
 भांवे मानखवाले बधायो जाती ।

१५ वे उकने गावा डावडाने ल्याया के उ धर्म भीठे कोर
 १६ उंके चेला देवर उने उदायो । धेर विभु धर्मि दुवा
 बर कयो के गावा डावडाने नारेकने आँखी अ वने मती
 १७ बरजे कीस वा उखिधारां भगवानयो राजने । जं
 चांवे साच कउं के जको कोर के लो कवडाइयो भग
 वानका राजने न चेठे उ उंके बबडसी ।

१८ कोर सिद्धेदारांका एक लोग उने पूजे के हे उचम
 गुरां जं अनती जीवतयको उकरास होखसुं काई कर
 १९ सुं । विभु उने कयो के जने सुं उचम केठे एक धम
 वानविजद कोर उचम जठे वूं आग्यां जखिने के जारो
 २० मतोकर प्रोरी मती कर वृव मती कर कूछेसावदो लखेदे
 २१ आपके बाउ आभाको कूर कर । उं जधि के यां जग
 २२ धर्मि में आनका मेधारप्रवासुं माध्या । विभु कूर सुबर
 उने कयो के तने एक काम करबो नकीठे धररे क्को
 कगलोठे उने नेधर भारनि दे कोर कर्मे में साया निखसी
 २३ वा नारा पिण्डो आव । उ धां सुबर मोकको दुम भयो
 २४ कीस उंकी मोककी माघाली । विभु उने मोककी दुवा
 देवर कयो के आँकी माघाले वनि भगवानके रमने बड
 २५ के कियो करडोठे । भगवानके राजने मान्यामाकूर
 २६ बडखसुं सूरुका माकासुं उंको जांवे सोरीठे । ध्यां
 २७ सुधी वा कयो के तो कुब वारब सकेठे । उं कयो के
 आदर्याकने जको न सकखवालो ठे वे भगवानकेबने सकख
 २८ वाजाठे । पितर कयो के देव ने सगजाने ठेया वा

- २८ धारें पिठाडी आया । उं वानें कयो कें अंधानें साध
 कउंउं कें कोई लोग नउं कें श्री भूयो वा माउवाभानें वा
 २९ भाईनें वा बउनें वा डावडानें भगवानके राजवेई जेथा कें
 जके मोकला मुखा बतो इबेखामें न मिलासी और खांख
 वाका संसारमें अनंती जीवतथ यासी ।
- ३१ और उं वारें चेकानें बुलायर वानें कयो कें देयो ने थिर
 अखममें जावांगी और आदमीके डावडाके फायदामें निमित्त
 ३२ वासुं जके लिखीडाठ वें सगला पूरा कथा जासी । कोस
 उं तोतसुं दूआदेनवाखानें भलाया जासी वा निन्दा
 करो जानी वा गैरआवड कथा जासी वा उंके उपर धूक
 ३३ नगयो जासी । और वें उंमें औरडा मारसी वा मार नां
 ३४ वसी और तीजेदिन उं दूजीवेखा उपडसी । और
 वें जो न समजो और आ कथा वासुं याखोखडो वा वां
 कयोठी कथा न समजो ।
- ३५ और उ थिरीवके नेंडो आवडमें कोई लोग आंधो मार
 ३६ गके उंवेडें भोव मोमते बेंठोणे उं जमातनें उं मा
 ३७ रगसुं जावता सुबर पूणे कें जो काईनें । वा उंमें अखा
 ३८ यो कें थिनु नाजरेन ई मारगसुं जायनें । और उं
 आ केंर चेका कथा कें हे दाउदका डावडा थिनु न्हारें
 ३९ उपर दया कर । और अगाडी खांखवाला उंनें डरायो
 कें उ बोखोरें और उं औरपिख बसा हेका कथा कें हे
 ४० दाउदका डावडा न्हारें उपर दया कर । और थिनु
 उभो अयर उंनें आपकेकनें ल्यावखनें कयो उ बेंडो अती
 ४१ उं आकेंर उंनें पूणो कें तूं काई पावेनें कें अंतनें
 ४२ कड उं कयो कें हे धखी कें अ देव सकुं । और थिनु
 उंनें कयो कें देव सकुं थारी प्रतीत थारो उकार कयो ।
 ४३ और उ मट देवसक्यो वा भगवानकी सुतो करतो २ उंनें

पिजडी चाल्यो और सगदां लोगां देवर भगवांनकी मोटी
चुतो करी ।

- १८ उगखीसमो पांनो ।—और उ आयर, विरीषुसुं
१ गया और देवो जाकाया नामजादीक एक लोग ठे
२ उ पटैलांको खबीने औरपिख उ मायापात्रणे । उं
यिभुनें देवखको उधम कयो के उ कखनें लेर जमात
३ बेई न सको क्योस उ घाटरो आदमी ठे । और अगत
डी भागर उनें देवखकें कारख एक सकमोरका रंप उघर
४ चढा क्योस उनें उंमारगसुं जाखो निसै ठे । और उंजागा
पीतर यिभु उं उपर दिअटकर उनें देख्यो वा उनें कयो
के हे जाकाया बेगो उतर क्योस आज घारा भूपामे रैखो
५ मनें निसैठे । और उ भट उतयो वा उनें राजीसुं लीयो ।
६ और देवखवालां सगदां आ केर एकवकि करी के उ घामो
७ दारआदम्याकनें मनवारी होखनें गयो । और जाकाया उभे
अयर यभूनें कयो के हे प्रभू देव नारी मायाको आघ
ऊं धारानें सुनुं और भुटाठंटासुं अर कौसुई क्युंछि
८ लीनो तो ऊं योगुखो फेरदेवुं । यिभु उनें कयो
के आज ई भूपामे उजार आयोनें क्योस उ पिख आवर
९ हाम्को डावडोनें । क्योस आदमीका डावडा गम्योडा
नें सोभाखनें वा उजार करखनें आयोनें ।
११ के आ सुख्यां पनें वानें यिभुअजमकें नेंडा होखसुं वा भग
वांनको राज बेगो चोडे जसी वानें आ समभाखसुं उं
१२ औरकघापिख केर ओ यरजे कयो । उं कयो के
कोई मनसोबी आपकेंनेई राज खेखे वा फेरआवखबेई मोठा
१३ अजना देजमें गयो । और आपका दअ घड्यानें नुजा
अर वानें दअमिना दीना वा वानें कयो के न्हारे आवखवोडी

- १७ विखजली करो। और उंकी प्रजा उंकी गोइं करि
वा उंके पिनाडीर ठोक मेखर कयो के खांके उपर राज
१५ करबनेई इने न चावांनो। और राज मियांपने
उंके भोरभावसू इतो ए के यगिलांने भावा दीनीगे
वाके चारैभी आदम्या विखजलीकरखसुं काई बपी केवर
१६ उ आंखबनेई उं वाने बुलावखने आया दीनी। और
पैलडे आवर कयो के हे प्रभूघारे मिलासुं दम मिला
१७ बके जवा। उंउने कयो के हे भिवाबडया तू घबने तू मे
कलोपोडामे विशासी जवा तू दम नगरां उपर बोच काय।
१८ और दूजोपिब आ केर आवो के हे प्रभूघारा मिला
१९ सुं यांय मिला मिला उं कयो के तू यांय नगरां उपर
२० के। और तीजोपिब आ केर आवो के हे प्रभूघारा
२१ मिलांने दिय के जीने में धरेमें बडर राख्यो। कीस ऊं
तेसुं डयो कीस ते जीने न राख्यो उंने उपाडखवालो वा
२२ जीने नवाय उंने वाडखवालो करडो लागे। उंउने
कयो के हे केमाबडयां घारा मुंडासुं ऊं तने वामोदार
करसुं ते जाख्यो के मे जीने न राख्यो उंने उपाडखवालो
२३ वा जीने नवाय उंने वाडखवालो करडो जागडुं। तो
ते कोठारमें नारी माया कीं नयो भेजोकरी और
२४ ऊं आवर याज सूधो आपको सांगो लाधतो। और
उं नेडारेखवालांने कयो के उं मिलांने उंसुं लेर और
२५ दममिलावालांने दे। वा उंने कयो के हे प्रभू उंका
२६ दममिलांने। कीस ऊं घामे कउडुं के चावैसा लोग
का उं उंने देना आसी लेर जीको नउे उंके बकेति
२७ उंसुं उंपिब खेजेयो पडसी। और नारा बके बैरी
आपकेउपर राज करबनेई मने नई चावे वाने अठे
२८ ल्यावे नारे कामा मारनाये। और आ केताउ उ
धिरोमलम जातो वाके अगाडो गयो।

- १६ और इसीने में उ मर बोत्पांज्वा बोवाभीयाके नेंडे
 जैतान् नावजादोत्र परबतके नेंडे मीतो चद आ केर आय
 १० का दोय लोग पैलाने मेल्या । के ये सांमहार वेडामे
 आवो और उमें बडर ही त्रांषोडो एक बचो लाधसो के
 जीके उपर मोई लोग मदे बचछा उमें मोजर ल्यावो ।
 ११ और घर कोई लोग थाने पूछे में उमें लो मोलोणे वो
 १२ उमें के जो के प्रभुने उकी गरजते । और वां मेल्योडां
 १३ लोगां जायर जिसो थिमु कये लिले लाधो । वें बचाने
 १४ मोलता उके थयो उने कयो के बचाने लो मोलोणे वां
 १५ कयो के प्रभुने उकी गरजते और वें उमें थिमुकने
 ल्याया और आपका माभा बचाउपर नावर थिमुने उके
 १६ उपर चढायो । और उमें अगाडीजाबवाकां थाप
 १७ का नामा मारगमें बिजाया । और वें जैतान्के परबत
 सुं उत्तरयेको जगा नेंडा येपबसूं वां जके समझी अउरे
 काम देव्या बसूं बेकाकी सगलो जमात मोटा चेला करर
 १८ मोकला राजोसूं भमजानकी सुती कस्थलाग । वा कयो
 के प्रभुका नावने आपकाकाराजा थन्यते खरगमें सजामत
 १९ वा समझासूं उंजामे सुबि । और जमातमासूं फारिनि
 त्रांफे मोई एक लोग उमें कयो के ये थयो आपका पैलाने
 २० इराय । और उं उथलो देर वाने कयो के ऊं कउंनुं
 के और वें मोल्यारे तो भाठा भठ शेजा करसी ।
 २१ और मंडो आपकासूं उं नगरने देव्या वा आकेर
 २२ उमें उपर रोयो के तूं आप इनेलामे थिब आपको
 सजामतोके बासखेली जको जसतो छेर अवाहं वें
 २३ धरो अथासूं लोकायते । फोस वें दिन धारे उपर
 आसी वा धारा बैरी धारे धारीसानी डांडी करसी वा
 २४ तने छेर सेसी वा धारे जीवानी तने बुंद करसी । वा
 वने वरोवर करसी के धारे विचाले जको धारा डावडाते

वाने पिब खोर घारेमें भाठाउपर भाठाने न ठेडसी कौस
से आपकी देखीजानि बेखाने बजायी ।

- ६५ खोर उ देवरामें बडर मोलकैबवाखाने बारखे नीककब
६६ लागे । वा वाने कयो के खो कियोने के नारेो भूयो याच
नाको भूयो नावजीदीक जसी खेर घे उने चोरको चोतरो
६७ कयो । खोर उ सदाईर देवरामें भखातो ठे वा बडेरा
प्राप्त वा कातबी वा लोगाके बडेरा उने मारखने चायो
६८ वा वे कर न सक्या कौस लोगा उकी कथा सखखको मोटे
उद्यम कयो ।

२० सोममो यानो ।—खोर वा दिनाके एक दिन रसोठे
के उ देवरामें लोगाने भखावतो वा मंगलोकवाता फंटेरो
फोरतोर बोदोडांलोगा भेजे बडाप्राहित वा उपाध्याय उने
२ कने आया । वा उने आ कथा कहो के तू कुछ पीचसू खो
सगलो करेने वा किय तने आ पीच दीनोने आ नाने के ।
३ उ उद्यतो देर वाने कयो के अ पिब घाने एक कथा पूठसुं
४ मने के के योहनकी डूबीदिरावनी काई खरगसू अथवा
५ आदम्यासू ऊई । खोर वा आ कौर आपतमें सखा करी के
अर हे कही के खरगसू ऊई तो उ केंसो के तो घे कुं
६ उकी प्रतीत नकरो । खोर अर कहे के आदम्यासू जवो
तो सगला लोग नाने भाठासू मारनावसी कौस वे जाखेने
७ के योहन निमित्तियो ने । खोर वा उद्यतो दीनो के कैब न
८ सक्या के कठासूने । खोर पिबु वाने कयो के अ जी पीचसू
आ कबंउ उधिब घाने न केंसुं ।

९ खोर उ लोगाने के परचा केंसू लागे के कियो लोग अ
जीरको रंघ बायो वा प्रजाने मुकाते दीनो वा मोकसा दिना
१० केई परदेस गयो । खोर रित उपर प्रजाकने एक
गोलाने मेल्यो के वे उने अजीरका खेतको कुंइ भूखदेसी

- ११ खेर रेतों उनें मारर घासीहाथ पाये मेल्यो । - दुजो
 बेला उं घडयानें मेल्यो खोर वा उनें पिबं माये वा खेर
 १२ आवह कयो वा घासीहाथ पाये मेल्यो । खेरपिब
 उं सीजानें मेल्यो खोर वा उनें घावख्ये मारर मारखें
 १३ बमाथो । खोर अंजोरके वेलके धडी कयो के कं
 काई करखुं अं आपकर बख्शाडावठके मेलखुं काई
 १४ जांवा वें उनें देवर आदर करसी । - खोर उं प्रजा
 उनें देवर मांघोमाय आ कथा मई के खो उकरासीउं
 आवो आपा उनें मारनावा के अविचार आपाके के ।
 १५ खोर वा उनें अंजोरका मेलके मारखें बगधर मारनांधो
 १६ हंसू अंजोरका वेलके धडी मेली काई करसी उ
 धासी वा उं प्रजानें धिजगमासी वा अंजोरका देव दुजा
 १७ नें देसी वा सुबर कयो के उ नके । उं वाके उपर
 देवर कयो के वो खो काईउं के अको जियीउं सिसावटां
 १८ अको भाठो निवमी कयो उ घुडाके माधो जसी । अकोर
 लोग ई भाठाउपर पडसी उ घुरो ज जासी खेर उ
 जीके उपर पडसी उनें घोससी ।
 १९ खोर उंहीबेला बडापेदित्त वा उमाधारा उके
 उपर हाथ पटका पायो खेर मीमसू बोवा कोस वें
 २० मांखोर ऊगवा के उं वाके बैरमें इंसरघाके कयो । खेर
 वा उनें उपर पोरो खेना वा उंहीकघासू उनें पप्रहन
 केई वा उकने ठगावनाकानें मेल्या के अको आपानें
 खिबआदम्याके हसा देवाके के वें उनें घावमकी घेअमें
 २१ वा मासनमें मेलवे खोर वा उनें आ कथा कयो के हे बवा
 खोक भे जांवाउं के तू सांभमें केउं वा मभारवेउं वा
 आदमीकी भोर महरेंउं खेर साससू भइवांनको मारग
 २२ निवावेउं । मारसरनें वाव देखे नावे ठोकेउं वा नयो ।

२३ खेर उं वांको तोत जाण्यरो वांने कयो के कुं नारी,
 २४ कीमत करौणो मने एक दीमार देवाव । उंके उपर
 कीको विनाम वा उपरकीको खिद्योणे वा उघको दीने के
 २५ काईसरको । उंवांने कयो के काईसरका काईसरने
 २६ यो वा भगवानका भगवानने हो । खेर वें लोमाके
 सीमा उंकि कृष्णा अपड न सखा वा उंका उघकासुं खनेरो
 करर खनेल्या रमा ।

२७ खेर उठको मखोको केबवाका सिजां कित्ताक लोमा
 २८ उंके नेडा आवर उंने खा खेर पूण्यो के हे ववांकोक
 मोमरू न्होकेके विव दोमा के कोकेके भाईकी बउ के उ
 खर अपूयो कयद मरे तो उंको भाई उंकी बउने लेवे वा
 २९ अपूयो भाईको कुल उपजावे । सात भाई ग खेर पैल
 ३० हो बउने परखर अपूयो कयद मन्धो । दूजे उं लूग
 ३१ इने लोनी खेर उ अपूयो कबर मन्धो । उंके पने वी
 जेपिख उंके लोनी वा उंकेसरे सारतके डावडो न हो
 ३२ वा मंदगया सगला पने लूगाईपिख मरो । इमूं
 खेर उपडयने वा वांने कीकी बउ उसी कोस वा साताकी
 ३३ बउगो । विष्णु वांने उघको देर कयो इ संसारका
 ३४ डावडा परके है वा याव दोभो जायगे खेर खको उं
 ३५ दुनिया वा मोतहु खेर उपडयकायक गिष्याजासी व परने
 ३६ नही वा वें याव कया व जायगे खेर वें दूत्रीविरिया
 मर न सनें उंके लककारे सरौवागे वा खेर उपडका
 ३७ डावडा कयरे भगवानका डावडागे । खेर मयां वने
 उपडेगे हो मोमरू खेर खकेकेने जद विजइने आवरवांम
 हो भगवान वा विषुवाकको भगवान वा वाष्पकुवकी भगवान
 ३८ कयो तद उ दिवायो । भगवान सुढदाको भगवान
 ३९ वई खेर जीवताकोगे कोस सगला उंकेनेई वनेगे । खेर
 वांनूगाके कित्ताक लोमा कयो के हे ववांकोक ते भोपी

- ७० करे । उने पणे कां उने कृषि पुण्यको चिमन न करो ।
- ७१ उं वने कयो के वं अनिई केने के खोद दाउदको डाव
- ७२ डोणे कोस सिभायाकी पोधीमें दाउद सागो कयो
- ७३ उं के विरुद्ध नार्के भगवाने कयो के अं जठतोडी धारे वै
- ७४ याने धारे पगां नलगं उं तठतोडी नारे जीवयो बैठ ।
- ७५ इंसुं अर दाउद उने भगवाने के तो उ कोवरें उको डाव
- ७६ डोणे ।
- ७७ ओर सगका लोग सुबवा उं आपका विधाने कयो के
- ७८ कांबूंगासुं विवेचन रो के जके धापाजू बहावसुं वाउथे वा
- ७९ पीठामें जुधारे खेया वा सिवगगमें बडेवाभोट वा मववा
- ८० यामें मोठीनागा चरिते वा रंडका भूपा चाव जयते
- ८१ वा कपटारनेके संजीवू याचना करेते वे ओरमोटी
- ८२ वजरात पाखी ।

२१ ईकोसमो घानो ।—उं दिसठ करर मायावानने

देखा के जको आपजोर दाज कोठारके भूपामें बगाय देवेते ।

२ उं एक म्भारकी रंडनेप्रिय देवी के जी परसाका देव माव

३ जो उमें बगाई ओर उ कयो के अं साव याने कउनु के

४ इं गरीवरंड वा समजासुं वतो बगायो । कोस वा

५ समजा आपजेन निकलासुं भगवानकी दियोडावसामें

६ कृषि बगायो ओर उं आपका म्भाराम्भिसुं आपको

७ बीवरावकी जको ओ उं सगकामें बगायो ।

८ ओर विनाज लोग देवका पायदामें केताना के

९ उं जीसरे पोखीपरसभाठांसुं वा भगवानकी दियोडी

१० कलासुं सोभावता जवो । उं कयो के ये जको देवेते

११ इसादिन असो के ज्वामें भाठो भाठाउपर नेस्वो न्भाली

१२ के वको भांवी न्भाली । वा अरिउं उमें पुजो के वे

१० कर्वाहीक जेसगदी कद जसी वा यकीं होखलो सैवाब कर्हि
 ११ जे । उ कयो के निर्वेवान मतो भूतो कौस मेकलाजोग
 १२ न्हारा नाक्सु खासो वा बेसी के ऊं खीरुनु वेलावी नेंडो
 १३ कर्हि जे इंसू वकीं पिगडी मतो जावे । और जद छे
 १४ काराकी कथा वा घोलीकी कथा सुखी तद मतो छदि
 १५ यावे कौस यंको । पैलडा होखो निसे जे छेर जेवडो अबाब
 १६ न जवेजे । तद उं वनिं कयो के गीतो गीतका बैरने
 १७ क रान दोजका बैरने अघडणी । और ठोडर घरती
 १८ भूजसो वः मुगई वा मरी जसो और गोवाखवाके देमाकी
 १९ वा गोवासेतांठ आवाजसुं जसी । या सगकीने अगाडी
 २० के यकीं उपर सघ ईसी वा घनिं गोलीस देसी और जे
 २१ सिनगगनिं वा आगलनिं भाषायेक जायेर वा न्हारा बीवसुं
 २२ छे पातसाके वा हाकमाके अगाडी ल्याया जाखी । और
 २३ आ यकीं वेई सायदो जसी । इंसू कर्हि उघलो देखो
 २४ अगाडी अः धिना न करो इखासखेको आयकार मवने
 २५ ठोकाभासयो । कौस ऊं यकीं इसो मुडो वा गीत ईसुं के
 २६ बीसुं यकीं सगका बेरी उघलो देखी अघवा अठवावे
 २७ नः सखसी । और माउ बाभासुं वा भईसुं वा
 २८ आपरका गीतसुं वा लेयोखासुं छे भावाया बाधि
 २९ वा वकीं किखीर लोगनिं मारगाखोर और न्हारा
 ३० बावसुं छे सगजासुं नंवा कथा जसी और यकीं
 ३१ माथाकी एक केअ पिख नाम नजसो । इंधुं आपकेर
 ३२ यातरीने आयकार जीवने राखी । और छे जद
 ३३ अघिदसलमने लसकरसुं घेरी देयो तद जांखजती के
 ३४ उकीं उगाड होखो नेडो । तद जके लोग थिजदो
 ३५ देधने रेजे के परवतउपर भागे और जके लोग
 ३६ उकीं थिधने के उठसुं जावे और जके लोग भावने
 ३७ रेजे के उठे नवडे कौस लिखोडा सगका पूरा

- २० शिवनेत्रं तोसोस देनका दिन वें ॐ । खेर वादिवाभें
 व्याकें पेठें वा जका देस यावें ॐ वानें संताय जसी कोस
 संसारमें मोठीयोसोस जसो वा इं जेम उपर मोठी
 २१ मंत्रामें जसी । खेर वें पासोकी धारासुं पंडसो
 वा सगलागोव्याकें निचमें गोलाईमें खेगला जसो दुजा
 देनवाल्याको बेला मठातोडो परवारी नजाय तठतोडो
 २२ थिदशुजम दूजादेखाजासुं तेंसमेंस जसो । खेर
 सुदाममें वा चंमामें वा तारामें संताय जसो वा धरवी
 उपर मोठकी तोसोसभेला गोव्याकें मोठको बरु जसी
 २३ धर्मवा दारिद्र्य वा उंका विजोस गामसो । बीहसुं वा
 संसाद उपर आवखवाजाकांमको बाडसुं आदम्यांका मन
 २४ गळजसो कीस खर्गीकी प्रीथ यलाई मरसी । खेर
 तद मोठीयोसुं वा प्रताप साधे करर आदम्यांका खवडा
 २५ मेंमें आता देया जसो । खेर खेखेर लयां उपर
 दिसुठ करो वा आपको साधो उपाडो कीस थाको नुठका
 २६ रो नेंडो आवें ॐ । खेर उं वानें की मरमे कयो कें
 २७ अंधोरको बंध वा खेर सगला बंध देयो । वें जद पांगला
 निजावें ॐ तद ये देवोणे वा आपमें जखोणे कें उमाखा
 २८ को दिन नेंडा ॐ । इसाई जद ये यां सगलाके आखो
 २९ देवोणे तद जांब जावों कें भगवानको राज नेंडा ॐ । अं
 ३० मनें जाय कउं ॐ को न होणसुं इं नेलाकालोग म
 ३१ जसो खर्म वा धरणी जसो खेर चारी कथा न
 ३२ जसो । खेर आपमें निवेवांम को कें थाको मत्र उरु
 ३३ ठाई वा मखानपवासुं वा संसारका कितासुं भाभसुं न को
 ३४ सु उ दिन मजं खचरो थाकें उपर जसो । कीस
 ३५ अरुती उपर जिता जेम रें ॐ वां सगलाके उपर उ पांथ
 ३६ खरोसो जसो । उरुं वे पोरी देवो वा रोजोम
 ३७ जसो करो कें थाकें वा सगला प्रजिकरुजां सखसुं

भागजायो वा आदर्याका डाडाके सीमा उभासीबकावक
 २७ नान्या बायो । दिनमें उं देवरामें भवासा वा हासन
 २८ बारने मयो वा जेवान बावजादीक परवतउपर रयो ।
 २९ खोर प्रभाते सगजायोग उंको कथा सुबबवेई उंकेके
 देवरामें आया ।

२२ बारसमे याने ।— खोर विगरवाठाकी विवार

- २ मंडो बायो के बीको नाव येभापने । खोर बडापोहि
 ता वा कानुमी सीजा के उंके किंते मारनाका कोस वे
 ३ कोगामु बीहा । वए मेडो यिखदाएमें बयो के बीको
 ४ नाव खारिबोटा उ वा वारेकेलाको एक लोग । खोर
 उं जापर बडापोहित के वा डिडवायाको सिडेवायोके
 मेडी कथावासी करी के बीतेरे उंके वाने भवासी खोर
 ५ वे रायो ऊवा वा उंके बपीया देबने खारे कथा । उं
 ६ पने उं वपन कथा खोर बीमाके व देबसु भवावबपी
 बेसा सोओ ।
- ७ खोर विगरवाठाकी वाटोका दिन आवा के खाने
 ८ येभापने होखोयो पडसी । खोर उं यिखरे वा
 बीचने आ केर मेल्यो के जावे येभाप बार करे के वे
 ९ वाखा । उं वाने कथा तू कठे चावेने के वे खारकर ।
- १० उं वाने कथा के देव ये नगरमें बयापने एक आदमी
 ११ चाके मेडो मिलासी के जको चाबोको मबलो उवने उं
 १२ बी भूयामें बडे उंके उंके पिछाठी जा । खोर भूयाका
 धयोने कथा के बवायोके तने के उंके संविभागको भूयो
 कठे के बीमें ऊं आपका चेलाभियो येभाप वासु ।
- १३ खोर उं वाने बार वा सभयो एक दिवानवाको
 १४ दियाकसी उठे खारी करी । वा जापर उंभियो
 वाने कथोमि सियो जाके उं पने वा येभाप बार कथा ।

- १० और उंचि चढी आवर उ बैठा वा वारे धेजा उने
 भेजा बैठा उं वाने कयो के अं मोटावसुं आयकी
 १५ मोतके घेकी चाकेभेकी इं पेभायनें मोमखे चायी ।
 १६ कोस अं घाने जा कउंउं के भगवानका राजमें परवारख
 १७ तोडो अं इं बेलासुं और उ गवायुं । और उं वाटको
 खेर सुकर करर कयो के इनें खेवा वा आपाके विघाले
 २० विराड करो । कोस अं घाने कउंउं के भगवानको राज
 अठावोडी न आसी तठावोडी अं अंबीरसुं उयज्योडी
 २५ किं वसनें वपोसुं । और उं वाटी खेर सुकर करर तोडी
 वा आ केर वाने दोवी के आ नारो ठोकणे के कयो धाके
 ३० वेई दोगेणे को नारो चितारबवेई करी । और
 रातका वायापणे उं प्यालो खेर कयो के करी अको छोई
 धाकेनें ययो उंसुं अिखलकचेडो नवासरतंतको को
 ३१ प्याखोनें । खेर इवो अनें तोतसुं अलावखवाखाको
 ३२ हाथ मजोठउपर नारो भेखोनें । और जिखी
 निखलकचेडो तिसी आदमीको डावडे जायनें सही खेर
 जी आदमीसुं उ अलाको जायनें उनें संतःप असो ।
 ३३ और यें आयकेर विघाले पूजख लागे के अको को
 ३७ काम करसो उ कूल ठे । और वाने विघाले अदको
 ३५ बदकी अरे के वाने विघमें कूल मोटो ठे । उं वाने
 कयो के दूजादेमवालो यातसा वाने उपर धखिया पकरेनें
 और वाने उपर अके लोग हाकरी करेनें वे मंगलोअनेंख
 ३६ वाखा नावसुं कया जस्ये । खेर घाने इसो न असो
 खेर घाके विघमें अको मोटोनें उ नानासरंवा असो वा
 ३७ धकी मोलासरीवा के । कोस अको वावहनें बैठेनें
 अथवा अको पावरी करेनें वा देवीमें कूल भेटोनें काई
 मोमखमें बैठववाला नही खेर अं घाके विघमें चाकर
 ३८ सरीजे ठे । वे नें डो के अको नारी कोमतमें नारोभेजा

- २८ खोले और नारे नाने नारेके जिते निते कथेने
 २९ विसाई जं धाकेके राज निते कहेनु । केथे नारा
 राजमें नारा बाजोठउपर जीमें वा धावे वा धिभरा
 ३० हलके नारेगोथाने खोत करता सयत उपर बैठे । और
 प्रभू कथे के हे जीमबर के देव मोडे तने गोवांसराजे
 ३१ गावके धावे खेर में धारा फायदामें याचना
 करी के धारी प्रतीत घटती नके और तू मोझामयसु
 ३२ आपका भायाने जोरावर कर । उंउने कथेके हे प्रभू
 जं धारेभेजे नेतासरमें वा मोतमेंधिय जावबने धार
 ३३ नु । उं कथे के हे धितर जं तने कउंनु के धाज
 तू मने अंभका फायदामें जठखीडी तीनबार फिटकार
 ३४ सी नही जठखीडी कूकडो बांग न देसी । और उं वाने
 कथे के अद में धाने कोधकी वा गांठ वा मोजडोविगर
 मेला तद धाने काई फिखी बसकी कमी जई वा कथे के
 ३५ कीकीपिय नही । उं धाने कथे के धने भीके कोध
 कीने उ उंउने जेवे वा गांठखिय तिसी वा जेके वरगर
 ३६ नने उ आपका बहाव बेचर तदवार मोल खेने । कोस
 जं धाने कउंनु के नारा फायदामें जे जका कथा फिखी
 कीने नारेमें वाको पूरा जबो नितेने के उ धानेदारा
 भेजे फिखी गयेने कोस नारे फायदामें जकी ने वाको
 ३७ उंउने । वा कथे के हे प्रभू देव अठे दोग कथी ने
 उं वाने कथे के का ।
 ३८ और उ नारखे गयो वा आपका रफाना सरीसो जेवा
 नके परबत उपर गयो वा उंका चेला उंके पिजगडी गया ।
 ३९ उं उंजागा धीधर वाने कथे के याचना करो के धे पर
 ४० वमें मतो बडे । उंउने भाठे जितो अखगा बगाया भाव
 उं तिते अखगे वासु जायर देनु गुडोल्यांभेठर याचना
 ४१ करी वा कथे के हे नाभा पर धारे मव के मो फो

- बाठयो न्हरेणभासूं वाव जेर न्हारी ईका न्हो धारो
 ७२ ईका न्हो । ओर उनें बकवेता चका खगंसुं एक इककाहे
 ७३ जावर उनें बनें चोडे जवो । ओर उं परीसनें जवर
 मोकली याचना करी वा उकी पलोव वूळउपर पडखवालो
 ७४ जोईका मोठाठोपासरानो जे । उं पनें याचनासूं उठर
 उ आपका चेबावे न्हो आबो न्ह वावे सोपनें सुता जाधा ।
 ७५ ओर उं वावे न्हो की मीदनें सुतागे उठो याचना करी
 ७६ काबाना घे कीमतनें बडो । उ वावे वेता देवर जगत वा
 विकदावप्रवापिक बार्देबेबाकी एक लोग वाकें अगळी
 ७७ जवो वा विजुनें पुसबनेई उनें न्हो जावो । ओर
 विजु उनें कवो न्ह हे विकदाव न्ह नूं काईं पुसबसुं
 ७८ आदमोका डावडानें भकावेडे । उनें आराकांनीरेख
 वाजां होखवालाकाम देवर उनें कवो न्ह हे प्रभू न्ह काईं
 ७९ यावीसुं मारा । ओर वावे एक लोग बडीमोहित
 न्ह एक मोकाने मारी वा उनें जिविखोपांन वाठवांखे ।
 ८० ओर विजु उचलो देर कथो न्ह अठालेणी हें वा उका कांन
 ८१ नें भोंटर उनें ताजो कथो । तद विजु आपकेकनें आवोडा
 बडाभोहिताने वा देवराका सेखेदाराने वा बोईरडाने कवो
 न्ह जिणेो घोरांका वेंरनें तिखो काईं तरवार वा गेडो
 ८२ कारें जेपरी बारखें आयागे । उं घावेजीं दिन
 देवराने घांकेभेले रेंतो घे न्हारेंउपर हाथ न्ह राखी ओर
 आ घांको घडो वा अंधाराको पीच ।
 ८३ नें उनें जेगया वा जावर वा बडाभोहिताने भूयाने
 ८४ उनें जेगया जेर पितर अजमो आतोणे । जब बार
 साजीनें वासदे बाखी वा भेजावद्याज तद पितरपिंख
 ८५ वाकें विचनें न्हो । ओर एक बडारख उनें वासदेके
 न्हो न्हो देखी वा उनें उपर एक दिमठ करर कथो

- ५७ कें श्री उंके भेलागे । और उं काकेंर फिटकार बरी
 ५८ कें हेरंड कें जं उंनें नजानुं । और कुंषिक यं
 दूजेलाग उंनें देवर कयो कें तूं पिय वाकें विष्माको
 ५९ उं और पितर कयो कें हेलाग जं वनुं । और एक
 घडीकें चासरें उंनें यं दूजेलाग लाग का केंर काठ
 करर कयो कें ठोक श्री उंके भेलागे क्योस उ गालि
 ६० कियें । और पितर कयो कें हे अदमी तूं जे कें उ
 जं जायु ननुं और भठ उं का केंवाई कूकडें वांग दीनी ।
 ६१ और प्रभू मुडर पितरउपर देख्यो वा प्रभू जका उंनें
 कया करेगे कें कूकडो मोखकें जगाडी तूं चारें कास
 दामें तीबवार फिटकार करसी पितर वा कया पितारो ।
 और पितर बारखें जायद मोकलो रोयो ।
 ६२ और वा आदम्यां यिनुनें जपयो वा उंनें मारर नन्दा
 ६३ करी । वा उंकी आख्याउपर मामो बाधर उंके मुडा
 ६४ उपर मारी वा का केंर उंनें पूज्यो कें निमित्तियाकी कया
 ६५ कें तनें श्री मायो उ कुबनें । वा उखंडप्रयो करर वाबि
 और मोकली कया उंनें कही ।
 ६६ और दिनशेषसुं चोगाकें बडेरा वा बडाप्रोहित वा
 कातिवी भेला आया वा का केंर उंनें पंचायतोमें क्याया ।
 ६७ कें तूं काई खाएनें नाने कें उं वाबि कयो कें अर जं थानें
 ६८ कड तो ये प्रतीत नकरयो । वा अर जं पूजुं तो पिय
 ६९ ये मनें उचलो नदेख्यो अथवा नदेख्यो । यं कादमीका
 डावडा भगवानकी पांचसूं जीवयेंमें बैठबवाला कस्यो ।
 ७० और समझां कयो तो तूं काई भगवानको डावडाउं उं वाबि
 ७१ कयो कें ये कहेगे कें जंनुं । और वा कयो कें नानें
 सायदोकी और काई गरजनें क्योस ये सागी उंका मुडासुं
 सुण्यो ।

- २३ वेईसमो यानो ।—ओर प्राची सगळो जमाव
 २ उठर उनें पीळातकनें लेगया वा आ केंर उनें टंटो देव
 लाग कें ने लोगानें वेढामारगमें लेजाता वा आप खीच
 राजां आ केंर काईसरानें बाबदेखनें वरजता इनें
 ३ जाघो । ओर पीळात आ केंर उनें पूज्यो कें तू काई
 यिऊदियांको यातसां उं उघळो देर कयो कें वू कें ।
 ४ ओर पीळात बडाप्रेहितानें वा असातनें कयो कें जं रे
 ५ आदमीकी खुंदि वामी नदेपुं । ओर वा बतो वैवो
 करवताजा ऊयर कयो कें उ गालिजिसुं मांडर कठातीडी
 ६ सगळें यिऊदादेमनें मखावतो लोगानें घटावें । पीळात
 गालिजिकी कथा सुयर पूज्यो कें श्री आदमी काई गालिजि
 ७ । ओर अद जाखपरी कें उ हेरोदकी आघामें तद उनें
 हेरोदकनें मेज्यो कें अश्री आप वा दिनी यिऊमजमनें ।
 ८ ओर हेरोद यिऊनें देवर मोठाराजे कयो कीस उ
 उनें प्रायवामें मोकलो सुंखसुं उनें मोकळादिनांसुं देखें
 चायो ओर उं उंसुं कयोडा मोई सेंनाय देखनें भरोसो
 ९ राथो । ओर उं उनें मोकली कथा पूजो ओर उं उनें
 १० खुंदि उघळो नदोमो । ओर बडाप्रेहितानें वा कांदूगां
 ११ उमो ऊयर उंकी मोटो टंटो दीगो । ओर हेरोद आपक
 डिडबाय्यां मेजो उनें नाकारो कयो वा बंदा करी वा उनें
 मोटो घोषोकोमतका गामा पैराया वा उनें पीळातकनें
 १२ मोडाय मेज्यो । ओर उं दिन पीळस्त वा हेरोद आपतमें
 लंगोच्या अगथा कोस उनें अगाडी वें आपनें र बिचमें दुस
 १३ मखज । ओर पीळात बडाप्रेहितानें वा सिखेंदारानें वा
 १४ लोगानें मेजा बुलायर वनिं कयो कें ये इं आदमीनें नारेंकनें
 आदम्यांके वेढामारगमें लेजायवाका कीखी एक लोग
 सरियो ल्यायो ओर देवो थाकें खांमो उनें खीत करर थे

- उने जको टट्टी देवोटे उं वासवेसीमें ई आदमीको कुंछि
 १५ वामी नदेवुं । और बेरोदपिष नलसो वीस में
 यामें उकेकेमें मेस्सा क देवो मारबसायक उंवे कुंछिपिष
 १६ नकिषा गयो उंनुं अं उंमें तोसीस देर उेडनुं वीस उं
 १७ तिंवारमें वार्केकेमें एक लोगमें उेडवो उंने निले केउं । और
 १८ वां इकीवार देसा करर जो वयो के इनें बसगो कर वा
 १९ नकिंकेमें वाराधमें उेडदि के जको नगरके विषमें कचोगयो
 २० बेसासुं वा खूनसुं भावसीमें मेस्साके । और पीवाल
 २१ विमुनें बघावखमें चायद दूजीवेसा वार्के केमें कयो । खेर
 की आ केर देसा कथा के उंने हलवाखीउपर मारो उंने
 २२ हलवाखीउपर मारो । उं तोजीवेसा वाने कयो के
 उं कर्के वाटीकाम कयो अं उंमें मरबसायक कुंछि
 २३ वामी नदेवुं अं तोसीस देर उंमें उेडनुं । खेर
 वां आर्केकेके करर उंने हलवाखीउपर मारनावखनें
 वोगली करी और वामी वा बडापोहिताके देसा
 २४ अंधी और पीवाल आग्या दीनी के वार्के करर सरो
 २५ वामें । और उं उंने वार्केकेमें उेडदोना के जको
 बेधा वा खूनसुं भावसीमें राव्या गयोटे जीनें वा चावो
 २६ और विमुनें वा इच्छामुं भलायो । और उंने
 खिजाबसुं वा कीखी फिरिनो ओमोजनें वेभार कपयो
 के जको देमनुं आवतोटे और विमुनें पिडाडी उपबब
 २७ नेई वा उंकेउपर हलवाखी मेसी । और लोगाकी
 वा जके रीडां उंकेउपर रोई वा मूरयो कयो वार्के
 २८ पिष मोठीभमास उंके पीडाडीर गई । और विमु
 वार्केकानी मुडर कयो के हे विहमजमकी डावठी न्दरे
 फायदाने मती रोय खेर आयरवेई वा आयकेर डावडी
 २९ नेई रोयो । वीस देवो के दिन आवेउं के जामें

- बैलो नें बंभ वा थ्या घेटांमें डावडा मज्ज वें घेठ वा थ्याके
- २० नोवां कदो दूध नदीना वै बोवांपिब थव । तन वें पर
वतानें बैब कागा बै न्दारे उपर यठो वा रिहकलिने
- २१ केंसी कें ये न्दानें ऊको क्कीस वें अर कापाइममें थो करे
- २२ तो सुकाइवमें काई कथो जासी । थोर बोडो काम
करखवाला दूजा दोयजथा उंके भेला माथाजाबनेइं केजिया ।
- २३ थोर जी जागको नाव ठडा बोकेते उं जागा पीपख
वा उंके म्कुरपर टेथो वा वा देल्यो बोडोकामकरख
वाखानें बै हकनें जीमबो वा दूजानें डावो टेथो ।
- २४ थोर विमु कथो बै हे वामा वानें माफकर क्कीस वें न
जांकेते कें जको काम करेते थोर वां मेलीवांटा करर
- २५ उको बखाव बिडार कथो । थोर कोम दिमट करर
उभा रें थोर सिजेदारांपिब वाके भेडो आ केर नखा
करी कें उं दूजानें उदार कथो उ जको भगवांनको सरा
- २६ कथो थोइ जसी तो उ आपकी उदार करे । डोडवाण्यां
पिब उंके नेंडां आयर वा उंके खिरबो देडो चाबर वा
- २७ आ केर उंको नखा करी बै तू अर थिअदिवांकी पातथा
- २८ ते तो आपकी उदार कर । थोर बीजानी वा दमी
वा दबरी नोलीसुं जिथोडो हक क्कीथो उंके उपर राथ्यो
- २९ गयोणे कें थो थिअदिवांकी राजाते । थोर थ्यां
टेरोडा मोटाकामकरखवाखनिं हक कोम आ केर उंकी
नखा करी कें अर तू खीकते तो आपनें वा न्दानें उदार
- ३० कर । थेर दूजे उथयो देर वा आ केर उंके डावो
बै तू काई देबरसुं न इरेते क्कीस उंकि तोसीसमें तू
- ३१ पिब ते थोर नैपिब न्वावसुं क्कीस ने आपका काम
जायक फल पावांजां केर इं आदमी क्कहि वांमो नकरी ।
- ३२ उंमते उं थिमुनें कथो कें हे थमू तू जद आपका राजमं

- ७२ पौचि तद मने चितार । ओर विमु उने कगे के के तने
साध कउंउं के आत्र वु न्दर भेजे फारनोमे रेंजो ।
- ७३ तद अटवणा दोधपारवेजागे ओर सगला देनने तीव
- ७४ घोरतोडी अंधारो ऊयो । वा सूरज आययो वादेवरायो
- ७५ सिधर विचमासुं फाठ गयो । ओर विमु मोठा सादसुं
जेजे करर कडे के हे वाभा ऊं घारा हाथने आयको जीव
- ७६ अंजाउंउं वा ऊर केर जीव दोनो । ओर सो डिडवायके
येयो ओ बांम देवर आ केर भगवांनकी खुति करो के ठोव
- ७७ ओ एक सिद्ध लोगने । ओर उ दिवाजे देवधनेई जका
जमात भेजे ऊई वें वा कयोडाकांमने देवर आयको गयो
- ७८ कूटर मुड मई । ओर ज्यां उनें जयो वा जके रंडा
गाजिबोसुं उनें पिगडो आईगे वें आ देवर अखयो
रई ।
- १० ओर देजे युसक नावअदीक विऊदियाके आर
- ११ मासेया नगरको मंजो भजे वा सिद्ध एक लोग ने उं वांको
मनसोना वा काम आरें नकयो ओरपिष उं भगवांनका
- १२ राजकी बाठ जाता ग उं धोलातधनें जयर विभुको
- १३ डील मंग्यो । ओर उनें उतारर कपडासुं सांठे
वा भाठामें वेदोडी एक घोरमें दोनो के जोमें कदे कोई
- १४ लोग तठातोडी मेल्यो नगथोने उ दिन आरो करख
- १५ को दिन ने ओर दीतनारपिष नेंडे ने । ओर जके रंड
उनें सेलो गाजिबोसुं आईगे वेंपिष पोगडो मई वा
घोरनेवा उको डोल जोतरें राधेने उनें पिष देखो ।
- १६ ओर मुडजायर सुगंधि वा तेल ल्यारी करयो वा आग्य
सरीयो दीतनारनें पाल्यो ।

२७ दोवीसमो पानि । ओर दीतनारके मेषका मेलें

- प्रभात वांजका सुगंधी त्वा र करीगी उं सुगंधीने लेर
 घोरकने आई वा वांके भेजा घोर कितक जोगपिख न वा
 २ घोरक मुढायोडो उ भाठो देखो वा मांय बडर प्रभू
 ३ यिमुको डीज नचाधो । घोर वें उंका याघदानें भोकला
 ४ पिंतावांन होडसुं देवो दीघ जोग भलाभो ल बहावसुं वांके
 ५ कने उभाग । घोर वें मोटो पिंतावरयसुं वा घरती उपर
 आयका मुडोकरयसुं उं वानें कयो मडामें जीवतांन कडें
 ६ सोभोणे । उ घठें कने उ उघयोने धाके भेको गालिलिमें
 ७ रेंता उं जका कथा घानें कडें वा कथा चितारी कें धीनी
 दार जोगांन ह्यधमें क्यदमीका डावडानें भलाधो जाओ
 वा हलवांखीउपर माखोजांखो वा तांजेंदिन घोरउदक
 ८ जो विसेंने घोर वा उंकी कथा चितारी । घोर वां
 ९ घोरसुं घोरआयर इग्यारें घेखानें वा घोर समलानें उ
 १० समलो जबायो । मारिया माय्दोनी वा दोहना
 वा याकबुकी साउ मारिया वा वांके भेकी घोरपीख
 ११ जो कें क्वा हककारानें धो कयो । घोर वांके वांकी
 कथा निकमी आरा सरीषीनी वा वां वानें प्रतीत व करी ।
 १२ घोर दितर उठर घोरकने दोडर वा भुकर माभानें
 आरा राखोडा देव्या उं पने उ उंका ऊयोडाकामउपर
 १३ अनेरो करर गयो । घोर देवो वांके प्रीय जोग उंघि
 दिन यिदकसममुं साठमक घरो एक गावमें गया कें
 १४ जोको नांव यमाउस । घोर जके समला काम ऊघाळा
 १५ वांकी कथा वा आपतमें कडें वा वें कथावाली करता
 वा मनसोने करता यिमु आप वांके भेडो आधो वा वांके
 १६ भेको गयो घोर वांके आव्यां मोपिज गर्दनी कें वा
 १७ उने व ऊकयो । उं वानें कयो कें आ कडें कथा नें
 १८ घे पाकता वा गदगदा कता आपतमें केने । वांके
 विषमोने एक जोग कें जोको नांव केयोपास ऊघो देर

- १८ बाल्यो के यिदमसमने बाली तूं वार्डे घरदेमोने वा वी
 १९ दिनमें जकोर उठे जको सो वार्डे व जांबेने उं वने
 कयो के काईर ऊषो वा उंने कयो के यिमु नाजरेवके फाय
 दामे के जको भगवानके वा समजा लोगके सामे कथासुं
 २० वा कामसुं मैटे विभितियो जे । और बडापेहितो
 और नके हावनी जीवरे उंने मारखनी आग्या पांख
 २१ वेदे भलावो वा जूमउपर मारवायो । और ने भरोसेर
 रावो वे उ विभरारखने नुडाखवालोने और वा सगखके
 उपरपिख आज वासगखी कामके पठे सोजा दिनने ।
 २२ औरपिख नकी बाबी रंडने नमिं कनेरो जकायो के जको
 २३ मभावे औरकने गर्जे । और उंकोडील नलाधर वार्डे वा
 कडे के आपामे हलकारको देवालो जाधो के न्या कयो के
 २४ उ जीवतेने । और नकिंभेको वार्डे लोत औरकने
 मयो वा वारंडा भियो वने कयो जे विसो जाधो और उं
 २५ ने न देखो । और उं वने कयो के डोपा वा विभिति
 वा न्या सगखी कथा कही वा कथामे प्रतीत करखने गुन
 २६ मव खीछने सो मोमकरयो वा आयका मतापने बडयो
 २७ वार्डे विसे नही । और मोमहसुं मांडर सगजा व
 बियासुं उं वा सगखी लिखने आपका फायदामे जका
 २८ सगली कथा जडे वावो चारद वाबेकने कयो । और
 ने जी वैठामे जावा जे उंने वैठा पोता और उ आगाडी
 २९ जाकसरोवो कयो । और वा उंने आ वेर नकावेर
 के नकिंभेको रे कोस के संख्या आवेने वा दिन पूरे के
 ३० ने और उ वाबेभेला रेखने गयो । और उं वने मे
 लो वैठखसुं वाटी लेर कुकर करी वा भाजर वने दीयो ।
 ३१ और वकी आंध्या कुलगडे वा वा उंने कोखयो वा उ वकी
 ३२ दिमटसुं पालोवड ऊषो । उं पठे वा आपतने कयो
 के नद उं मारमउपर नकिंभेको कथा कडे व नकिंभेके

- अमेनासको चारद कयो तद न्हाको मन बाई न्हाके विषा
 ३३ ले उजालो नही जवो । और वे उंही बडो उग्रहर-विह
 अखममें फेरगया वा इग्यारे बेलाने वा वाके भेलपाने
 ३४ भेजा लावा के ब्या कयो के प्रभु अग्रह उग्रयो वा भीमन्
 ३५ ने दिवालो दीनेने । और मारजमें वाके उग्रर जको
 ऊनेने वा उ बटी भाजबसु भीतरें वासु अम्बस्यो गयो
 - वापिय वा कही ।
 ३६ और वे आ नेता विमुक्तगो वाके विप्रमें उभे ऊचो वा
 ३७ वाने कयो के धाको सजामती के और वा कहेरें ज्ञान्यो
 ३८ वा बोहा जिया भूताने देव्या । और उं वाने कयो के
 ३९ को दियवोने वा धाके मनमें को संदेह उठे । न्हा
 हाथ वा पग देवो के को ऊं सागीळु हाथसुं टंटीलो वा
 मनं देवो कोस के जियो मनं देवोने तियो भूतको मांस
 ६० वा हाड नने । वा आकरें उं आपका हाथ पग वाने
 ६१ देवल्याया और वे राजीसुं प्रतीत नकरखसुं वा अर्ध
 में घोणसुं उं वाने कयो के धाकेकने क्हि वावखनेने ।
 ६२ और वा उंने सेकोमगीको एक टुकडो वा संतका गवाको
 ६३ टुकडो दीना । और उं केर वाके सामे बावो ।
 ६४ और वा उंने कयो के ऊं धाके भेला रेंर जके कथा कही
 ६५ सो अंने के मोमरुको तौरेंतमें वा निमितियाको कथामें
 वा गोतामें जकेर कथा न्हारे फावदामें लोपीने वा सग
 ६६ लोको पुरोहीयो निसेंने । तद उं वाको अकल बोलो के
 वे धरमग्रंथमें सममें और उं वाने कयो के इसो लिख्यो
 ने वा खोचने इसो कइ पाखो वा तिजेदिन मोससुं उग्र
 ६७ डडो वा यिरुअलमसुं मांडर उके नावसुं सगली जाती
 ६८ कने वामखा वा पापको माफ चोडे करयो निसेंने । वा
 ये याका सायदो ने । और देवो में आपका बाभा

- ०८ को करार धाँके उपर मेकूँरुं केर बेठालोउ उपरसुं
 धीच नखाधो तठालोउो यिदमसममममें रहे।
- ५० उंपने उ वाने बारखे केर बीताभीयातोओ लेमबो
- ५१ वा आपको हाथ छपरठर वाने आजीस करी। कोर
 ईसेओ के उ वाने आजीस करबसुं वासुं नारी कयो।
- ५२ मयो वा खगेमें लेगयो गयो। कोर वे उने मजब
- ५३ करर मोटो राजीता यिदमसममें मुडगया। कोर
 वे राजीता भगवानकी खुती करवा वा सुकरकरता दे
 रामें रवा। आजीस।

संगसोक नाता योहनरचित ।

१ पैसडो पानो ।

- १ पैसडो कथा ली वा कथा भगवान्कने ली वा कथा
- २ भगवान् लो । वा पैसडो भगवान्कने ली सगला उंसु
- ३ उपज्या ला और जके उपज्या उनके विधाने कुंदिपिय उके
- ४ बिगर उपज्या नलो । वामे जीव लो और उ जीव
- ५ आदम्याको चानखो लो । और चानखे अंधारामे पोपीलो
- ६ यारे वा अंधारे उनें नई यहण कयो ।
- ६ भगवान्सु मेल्ये हो एक लोग लो के जिको नाव योहन ।
- ७ उ सायदो होखे आये के चानखका फायदामे सायदो
- ८ देवे के सगला उंसु प्रतीत करे । उ चानखो उ मंडी
- ९ लो लेर उ चानखका फायदामे सायदो देखे आये ।
- ९ उ साच चानखोके के जका संसारमे आवखवाली
- १० सगला आदम्याने चानखो करे । उ संसारमे लो
- ११ और संसार उंसु उपज्या वा संसार उनें नजाणो ।
- ११ उ आपका अधिकारके आये वा आपके लोगा उनें नई
- १२ यहण कयो । लेर ज्या उनें यहण कयो वाने उ
- १२ भगवान्के डावडा होखको पोचदोना अथवा आपका
- १३ नावमे प्रतीतकरखवालीने के जको लोईसु अथवा अरी
- १३ रकी दचसु अथवा आदम्याके दचसुपिय उपज्या नल
- १४ लेर भगवान्सु उपज्याल । औरपिय कथा डील किरयोडा
- १४ लो और मेरवांगी वा साचसु बोहयोडा जयर नाके

विचाले डेरा कखा ओर बाभाके एक उपव्याडा डायडाके
प्रतापहो ने उकी प्रताप देखो ।

१५ योहन उके फायदामे सायदी दोनी वा आ केर हेला कखा
के ओ उ उ के मे बाका फायदामे कयो के जको न्हारे पिना
डो कयो उ न्हारे अगाडी ओ कयोस उ मेसुं येनडोने ।

१६ ओर ने सगला उके बोळियाडासुं लाधा वा गुबसरोसा

१७ गुण लाधा । ओस वैरेंत मोजहकी नाहसुं दोनी

१८ गई खेर छपा वा साच यिमुखीछसुं आई । किओ
लोग भगवानने कदेई नदेव्या एक उपव्याडा डायडा के
जको बाभाको गान्नीउपरने उं उने जहायो ।

१९ ओर आ योहनकी सायदीके जद मिऊदिया तू कुणने
उने ओ कथा पूनखवेई यिखमलसुं चारखाने वा केनाके
२० मेल्यो । वा उं आरे कखा वा फिटकारणा नहो खेर

२१ आरे कयो के ऊं खीछ नउं । ओर वा उने पूण्यो
के तद तू काई यतियाहने ओर उं कयो के ऊं नउं तू

२२ काई उ निमित्तियोने ओर उं कयो के नही । ओर
वा उने कयो के तो तू कुणने के ने उने उयलो दिवा के थां

२३ मने मेल्यो तू आपका फायदामे काई केने । उं कयो
के इसाईयाह निमित्तिया जिसे कयो के ऊं जोडमे हेला
करखवालो एक लोगको बोलनुं प्रभुको मारग चार करो ।

२४ ओर मेल्योडा लोग चारिमियांसुं न ओर वा उने

२५ पूण्यो वा उने कयो के अर तू खीछ नने वा एलीयाह
नही वा उ निमित्तियोपिख नही तो की डुबीदिराउने ।

२६ योहन वनि आ कथा कही के ऊं पाणीमे डुबीदिराउनुं
खेर थाके विचाले एक लोग उभी केने के जीने धे नत्रायो

२७ ने । उने के जको न्हारे पिनाडी आवसवाजी जयर
न्हारे अगाडी ने ओर ऊं उकी मोजहकी कुंडे घोलख

- २८- विंग्य बलु । खें यरदनके उं किराठामें बतानारामें कस्योडो
 ने कें जठें घोहन हुबोदिरावतोणे ।
- २९- उंके दूजे दिव योहन आयके नेंडो आवखनालो यिमुके
 देघो वा कयो के भगवानके गाडराका बचामें देघो के जके
 ३०- संसारके धामीने जेजायजे । खो उं जें कोजीके फायदामें
 जें कयो के एक लोग न्हारि पिगडी आजेजे के जको न्हारे
 ३१- अगाडो ने कोस उ न्हारेसुं पैसडोणे । खोर में उंने न
 जांघो वालीके उ यिमराएखने चोडे खली हंसुं जं पांखीमें
 ३२- हुबो दिरावतो आबोणुं । खोर ग्राहक आकर सायदो
 दोनी के में आत्मानें राखराआसरोखि सर्गसुं उतरतो वा
 ३३- उंकेउपर बैठतो दिघो । खोर में उंने नजाण्यो
 खेर जो मने पांखीमें हुबोदिराखने मेल्हो उं मने कयो के
 तूं श्रीने उपर आआमें उवरतो वा उंकेउपर रेंतो देवसी
 ३४- उ धर्मात्मानें हुबोदिरावखनालो जें । उ खोर में देघो
 वा सायदो दोनी के खो भगवानके आवडोणे ।
- ३५- उंके पैसडे दिव योहन खोर उभो ऊवा वा उंके चेला
 ३६- का दोय लोगपिख खोर यिमुके भटकतो देवर
 ३७- कयो के भगवानके गाडराका बचामें देघो । खोर वा
 दोय चेला उंको कथा सुखी वा यिमुके पिगडी गया ।
- ३८- यिमु मुडर वा वाने आयके पिगडी आता देवर वाने
 कयो के घे कीने सोभोणे न उंने कयो के हे रवि अथवा
 ३९- जगांखीक तूं कठें रेंजे । उं वाने कयो के आवो देघो के
 आवा वा उ जठें रेंतोणे उ देघो वा उंदिन उंके भेला रंया
 ४०- कोस साळीतोमपोर अटकलां दिन ऊभोणे । जके
 दोय लोग योहनको कथा सुखर उंके पिगडी गयाणे
 ४१- वृंके एक लोग श्रीमोन् पितरको भार्हे आंनु । उं पैसडा
 कपका भार्हे श्रीमोनुने जाघो वा उंके कथो के हे मजी
 ४२- याह नें अथवा खीरने जाधो । उं पठें उं उंके यिमुकेने

- लोगयो और यिमु उंके उपर दिसट करर कयो बें बीहन्
को डावडो नीसन उें तूं कायान नावलुं बोलायो जासो
७३ अथवा भाडो । उंके पाञ्चो दिन यिमु गालिचिमें बड्ये
चायो और फिलिपसुं मिलाय ऊवो वा उंने कयो बें चारें
७४ पिजाडी आव ।
७५ फिलिप आञ्जु वा पितरका घेंडा भोत्सीदाको उो फिलिप
नातानएल्ने लाधो वा उंने कयो बें तौरेंतमें मोअह् जोका
फायदामें लिख्यो वा निमितियापिख लिख्यो अथवा युसफ्
डावडो नाजरेतको यिमु उंने छे लाधो ।
७६ नातानएल् उंने कयो बें कीरे चोको वक्त काई नाजरेतमुं
७७ आवयसके उें फिलिप उंने कयो बें आव देव । यिमु
आपकेतमें आवयवाजेर नातानएल्ने देव्यो वा उंके
फायदामें कयो कं साचो थिमराएकी एक आदमीमें देवो
७८ के जीमें कपट नउें । नातानएल् उंने कयो बें तें
मने कठेसुं जाण्यो यिमु उधलो दीने वा उंने कयो बें
तने फिलिपके बुलावणके अगाडी तूं अद अंजीर रंभ
७९ नीचेणे तद में तने देव्यो । नातानएल् उधलो दीने
वा उंने कयो बें छे रवि तूं भगवानको डावडो उें तूं यिम्
५० राएजको राजा उें । यिमु उधलो दीने वा उंने कयो बें
में तने अंजीर रंभ नीचे देव्यो आ कथा कैयसुं तूं काई
नार कथाउपर बतोत करे उें तूं यासूं मोटाकाम
५१ देवसी । और उं उंने कयो के साघसाघ अं धामे कउंनुं
के इके पउें छे सरगने घोली वा भमवानके हलकाराई
आदमीका डावडाउपर चढता वा उतरता देव्यो ।

२ दूजे पांनो ।—और तीजे दिन गालिचिके कावा
२ एक यावगे और यिमुकी माउ उर्वेगे । वा यिमु

- ३ वा उंका चेला बावमें मनवारी ज। घोहरदाह न होखसु
- ४ यिभुकी माउ उंने कयो के वांके दाह नहें। घोहर यिभु उंने कयो के घे रंड घारेसु न्हारो काई काम न्हारो बेला
- ५ छवाहं ऊई नघो। उंकी माउ मोलाने कयो के उ
- ६ घांभे जको कोई काम करणमें कोसी उ करो। घोहर उठे यिजदियाके निर्मलकरबकीरीतमाकव भांठाका उ भरवा ज एकेक भरवाभें दाह तीनमख मावतोणे।
- ७ यिभु वानें कयो के भरवापांखीसु भरो घोहर वां पोलापोख
- ८ वानें भखा। फेर उं वानें कयो के खने उंघवि वा मख
- ९ वास्याकने लोजावे घोहर वे लो गया। जब मनवाखां उं पांखीने बाव्या के जको दाह कस्योडोडो उ कठासु उं जो न जाण्यो लेर पांखीउपाडखवालागोलां जांखो
- १० तद मनवाखां बाँदने बुलायो वा उंने कयो के सगला लोग मैलडा घोषादाह देवें उं वा आदम्या मोकलो पीवख घडे बांठो देवें लेर तें छवाहंतोडो चौको दाह राख्यो उं।
- ११ यिभु श्री मैलडो अठेरोकाम नाजिकिका कानामें कीविके वा आगको प्रताप प्रगठ कखो वा उंके चेला उंके उपर प्रतीत करी।
- १२ इके पने उ वा उंकी माउ वा भाई वा उंका चेला कफर बधमें गया वा उठें मेखला दिन नइखा।
- १३ घोहर यिजदियानो येभाव नेंडो आघो वा विभु थिखज
- १४ खममें गयो। घोहर देवरामें भाजांका वा गाडरांका वा
- १५ कबुतरांका नेचखवाजांने वा घद्यानिं वेंठतर देखा। वा मी डोरीको कोरडो कबाघर उं देवरसु वा सगजांने वा आडराने वा गावाने अकवा कया वा घद्याका खपीव
- १६ बमात्र दोन वा बाजोड उंघाव दोन। वा कबुतरांके वेचखवाजांने कयो के या वस्ताने अडासु लोजावे न्हारा
- १७ बाभाका भौपाने हाठ मतीकरो। घोहर उंका चेला

- चित्तारयो केँ घोलीयोडो केँ धारा भूवाका फायदामेँ जकेँ
उद्दम उं मनेँ आवनांयो ।
- १८ और यिज्जदियां उघलोदेर उनेँ कयो केँ तूं नानेँ काई
- १९ सेनाख देघावेँकेँ केँ तूं केँ काम करेँगे । यिज्ज उघलो देर
वानेँ कयो केँ इं देवरानेँ भाजो वा बीम दिनमें जं उनेँ केर
- २० उपाडसुं । यिज्जदियां कयो केँ इं देवरानेँ उपाडख
में गीयालीम करव खागा ग और तूं काई तीन दिनमें
- २१ उनेँ उपाडखी लेर उं आपका खीबका देवराकेँ फायदामेँ
- २२ कयो । इंधू जद उ मोतसू उघडोले तद उंकेँ चेवां
चित्तारयो केँ उं वानेँ या कथा कहीगी और वां धर्मयधनेँ
वा यिज्ज जका कथा कहीगी नं कथत्तपर पिब प्रतीत
करो ।
- २३ और उ येनाखलीकेसा सिद्धमफलमें देता तिंवारको
बेला मोकसांय उं कयोडा अनेरकामानेँ देवर उनेँ
- २४ नांवउपर प्रतीत करो । और यिज्ज वांकेँकनेँ आपनेँ
- २५ न मलायो कोस उं सगलानेँ कोलव्या इनेँवेई कोई जे
आदम्याकेँ फायदामेँ सायदो देवेँ या उनेँ गरव नणे
कोस आदम्यामें जो कैते उ उं जाणो ।

इ तीजो पांने ।—फारिभिवाकेँ विधमें यिज्जदियांकी
२ धयो एक खोगणे केँ जीको नांव निकदेमम । उ रातमें
यिज्जकनेँ आयो वा उनेँ बोल्वो हे रवि केँ नांवांग केँ
तूं भगवानसू आनीडेँ एक बवालीख उेँ कीस तूं जकेँ
अनेरकाम करेँगे काई मालवनेँ काम कर न सवेँगे केँ
३ जको भगवान खकेँ भेजो नःरहेँ । यिज्ज उघलो दीयो वा
उनेँ कयो केँ सावसाय जं तनेँ कउंउं केँ घर आदमी दूजो
बेला कई जकेँ दो उ भगवानको राज देवक न सवेँगे ।
७ निकदेमम उनेँ कयो केँ आदमी डोकरेइ जयद कींकरेँ

- जब संकेते उ काई दूजीवेजा आयको माउका घेटमें बडबे
 १४ वा जब सकेते । यिमु उधजो दीनो के सापर अं
 वने कउंनु के कर कोई लोग पखीसू वा आभासू न
 १५ जखे ते उ भगवानके राजमें बडब न सकेते । जो
 डोचनू जखेते उ डोचने वा जको आभासू जखेते उ
 १६ आभासे । अरिरो मती शीब के में तने कयो के धाने
 १७ दूजेकार जखेते निमेंते । बाधरो जठे पावे उठे
 बाजेते ओर तू उंका हेला सुखेते लेर न जायेते के वा
 कठासू आवेते वा कठे जायेते उसी चवेसोलोग के जको
 १८ आभासू उमथ्यो है । निकदेमस् उधजो दीनो वा
 १९ उने कयो के ओ कीतरें जय सकेते । यिमु उधजो
 दीनो वा उने कयो के तू काई यिनरायल्लो एक वर्षाखीक
 २० ते वा आ न जायेते । अं वने सापर कउंनु के न्हे जको
 जखेते वा कांजा वा जको देव्या उंकी सावदी देवांजा वा
 २१ ये न्हाकी सावदी न मानेते । अर में धाने संसार
 की कथा कही वा ये प्रतीत न करे तो जद अं सर्गकी कथा
 २२ धाने कउं तद कीतरें प्रतीत करयो । ओर कति सर्ग
 सुं उतयो अथवा आदमीको डावडा के जको खर्ममेंते उंके
 बिगर कोई शीग खर्गमें न खजे ।
 २३ ओर मीमह जोइमें विसो सायने उपायो लिखो आ
 २४ दमीका डावडाको उपायो खुंयो निमेंते के जको पावे से
 आदमी उंके उपर प्रतीत करेते उ भोज न काष लेर
 २५ अमंत आउघो लासती । कीस ईअर संसारसुं इहो
 प्यार कयो के उं आयका एक उमथ्योडा डावडाने दीने
 के जको धाने सो लोग उंके उपर प्रतीत करेते उंको भोज
 २६ न जावे लेर अमंत आउघो पाओ । कीस संसारने
 धामीदार करबवेई भगवान आयका डावडाने संसारने वा

- १० मैल्लो लेर जो संसार उंसु उबार पाओ। जको कोई
 उके उपर प्रतीत करे उ सोसीस योग नही लेर जको कोई
 प्रतीत करे नही उ अनाहं तोसीसयोग कोस भेभवांनके
 एकाकि उपजोडा उवडाका नावउपर प्रतीत करी नही।
- ११ ओ तोसोस देखको कारणे उं के संसारमें चीनखी नयोउं लेर
 अ दयाका काम घोठा होखसुं वे चीनखासुं अंधाराने सरा
 १० वेउं। कोस जको कोई घोटे काम करेउं उ चीनखाने गोई
 करेउं वा उको काम बंधा न होखवेई उ चीनखाकने
 १२ न आवेउं। लेर जको कोई साध करेउं उ आद
 मोकी काम घोडे होखवेई उ चीनखाकने आवेउं कोस उको
 १२ काम भगवानमें कयो जायउे। उं पडे यिसु वा उका
 पैला यिऊदा देअमें गया और उं उ जागा वीके भेजा
 १३ रया और डुबी दिराई। और योहन आलेमके मेंडे
 आईननमें डुबी दिरावतो ओ कोस मोकलो पाओ उ जागा
 १४ में ओ उंसु आदमी आया वा डुबी दिई ऊवा योहन उं
 १५ बेला नेताअरमें गडे। उं बेला निर्मल करेखके पाअवेली
 १६ योहनके किताक बेला और यिऊदियाको अदलीबदली
 १६ ओ। इवेई वा योहनकने आयर उंने कयो के हे
 रवि यरदनके उं कडवे जको धारैकने ओ के जीको
 सायदो ते दीनीउं देओ उ डुबी दिरावेउं और सगसा
 १७ आदमी उंके नैडा आवेउं। योहन उग्रतो देर बोल्यो
 अर स्वर्गसुं दीनो न के तो कोईपिब कुंहि पाय न सके।
 १८ ज खीए ननु लेर उंको पैलडो मैल्योडोनु में जो आ
 १९ कथ कही उं उंसु ये न्हारा सायदो के। जको जाग
 नौदणी जाघेउं उ नौद लेर नौदको जको अंगोयो नैडे
 उभो अयर सुखे उही नौदकी कथा उपर मोकलो राजी
 २० करेउं इंसु को न्हारो आनंद पूरे के उं। उ मुकर
 २१ बडसी लेर अं घटसुं + जको उपरसुं आवेउं उ सगसाके

उपर में जको दुनियासूं कैते उ दुनियादारमें वा दुनिया
 दारीकी कथा कैते जको स्वर्गसूं कैते उ सगलके उपर
 ३२ में। और जको उ देखीते वा सुण्यते उको सत्यदी
 ३३ उ देवेते केर कोईपिय उकी सायदी आरे नकरेते। जको
 लोग उकी कथा सुबे उ इके उपर नाम दीनीते के भगवान्
 ३४ साषाते। कोस जी लोगने भगवान् मेख्योते उ भगवान्
 की कथा केते कोस भगवान् उनें तोल करर उनें आत्मा
 ३५ देते नही। बाभो डावडाको प्यार करेते वा उका हाथ
 ३६ में सगलो संप दीनाते। जको लोग डावडाउपर भक्ति
 करेते अनंत आउपे उको और जकोकोई डावडाउपर
 भक्ति करे नही उ जीवतसु न देखी लेर भगवानकी वज
 राव उके उपर रहेते।

१ सोयो पांजे।—मभू जाथी के कारिजिया सुयो के
 २ यिभु योहनसूं ब्रतो चेलो कयो वा डुबी दिराई यिभु
 आय डुबी दिराई नही सही केर उके चेला पिय तइ
 ३ उ यिऊदाह देम गेडर दूजीबेला गाजिलि गयो और
 ४ अमरोबसुं जयर उके जांबको निजेते। जका
 ५ घरती याचकुव आपका डावडा युनफते दीनी जी उ
 घरतीके नेडे ओकर नामे अमरोबोके एक नगरमें उ
 ६ आयो। याचकुवको बेरो उठेते इवेई यिभु जातोइ
 पाकर उचितरे बेराउपर बेठो उ दोपारको बिरिया
 ७ ऊई। अमरोबकी एक रंड पांजेभरखने आई
 ८ यिभु उने कयो मने पोवबने पांखीदे कोस उका चेला
 ९ पावबकी वख मोल लेखने नगरमें गया ग। तद उ
 अमरोबकी रंड उने कयो के तू यिऊदो अमरोबकी रंड
 सुं नारासुं पोवबने मार्गेते आ किली कथा कोस के
 १० अमरोबामेवो यिऊधके खुदि संबध जते। यिभु

- उधलो देर उंने कयो के तू जको जाबती के भगवानको
दान काई और जी कयो के मने पोवख देउ कुख जे आयिख
अर जाबती तो तू उंनेकने मांगती और उ तने अमर
११ पांखी देतो । उं लुगाई उंने कयो के हे नाराज
पाखी बोछखको धारो ठाव न जे बेरोपिख उंडोते तो ते
१२ उ अमरपांखी कठासू पायो जे । तू काई न्हिके नाभा
याबकुबसू मोटा जे के अा न्हिके बेरो दोनो जे और आप
वा उंका डावडा और उंका जौवा उंको पांखी पायो जे ।
१३ यिजु उधलो देर उंने कयो के जको काई भी पांखी पोवेजे
१४ उ पोर तिसाथो ऊजासो लेर जको पांखी ऊ देखुं
उ पांखी जको काई भीवे उ सीम और कदेई तिसाथो न
ऊसी लेर जको पांखी ऊ उंने देखुं उ अनंत आउघामे
१५ उपडखालो उंके विचमे पांखीको एक शोर ऊसी । उं
लुगाई उंने कयो के हे नाराज उ पांखी मने दे के ऊं वि
१६ सारै न ऊं वा अठे पांखी बोछखने न आउं । यिजु उंने
१७ कयो के वा आपका घखीने बुलायर अठे आव । रंड
उधलो देर नेलो के न्हारे घखी न जे यिजु उंने कयो के तू
साच केजे के न्हारे घखी न जे कीस धारें तो पाच
१८ घखीग और तू अबे जाके भेलोरें जे उ धारो घखी न जे
१९ ईसुं साच कथा कठे जे । उं लुगाई उंने कयो के हे नाराज
२० ऊं समभुंजु के तू निमितियो जे । न्हिके पितर
लोगा ई परबतउपर भजन कयो लेर ये कहे जे के जी
जागामे आदमीकी भजना करखी निजेजे वा जागा यिख
२१ लमम जे । यिजु उंने कयो के हे लुगाई न्हारी कथाउपर
प्रतीसकर जीबेला धे ई परबतउपर अघवा यिखलमममे
२२ नाभाकी भजन न करखी वारै बिला आवेजे । धे जांखो
न जे के जीको भजन करेजे न्हे जांखाना के जीकी भज
२३ ना करेजे कीस यिखघांसु उदार आवेजे । लेर

साधपूजखवाला जीविका आत्मामें और साधमें बाभाकी
 पूजा करसा वा बेला नेंडी आवेणें और अबाहरे ऊवोणें
 कौंस आपकी पूजा करखवाला इसलोगनिं नामो आवेणें ।

- २७ भगवान आत्मा है और अके उको भजवा करें उं वनिं निनें
 २५ उं के आत्मासु' वा सचोटाइसुं उको भजन करें । उं
 रंड उं कयो ने आंखांग के मसीहा आसी के जीकी नांव
 २६ खोएउे उ आयर सगली कथा नानें कैसी । यिमु उंनें
 २७ कयो के अं उईउं के अको धारें भेजी कथा कउंनुं ।

इके विचालें उंका चेला आयर अउेरो कयो के उं उं लुगा
 ईके सात कथा कही लेर कियो न कयो के तू' कहिं मांगेणें

- २८ अथवा कौबई उंके भेली कथा केणें । तद उं लुगाई घडो
 २९ ठाडर नगरमें गई और लोगनिं कयो के आवो एक
 लोगनें देवो के अकोकाम में कियोबिलामें करयो ठेरा जी वै
 ३० सगला काम मनें कयाणें उ काई खोए नउे इबेई वं मगर
 ३१ के बारये आयर उंके नेंडा आया । उं बेला उंके चेला
 ३२ याचना करर कयो के हे रवि कुंछि खा । लेर उं
 ३३ उंनें कयो के न्हारी पुराक उं के अको ये आंखो नही । इ
 बेई चेला आपतमें कयो को कौई कुंछि बांखकी चीज
 ३४ काई उंके नेंडी काईणें । यिमु वनिं कयो के जी
 मनें मेल्कोणें उंके खच करखो वा उंका काम पूरा करखो
 ३५ आ न्हारी पुराकणें । ये काई व कोणे के और चार
 मदिना पणें रितकाठबकी बेला केणें देव अं धानें कउंनुं
 के ये आंखा उंचावो वेत उपर देवो कौंस अनें उ साध
 ३६ खरियो थोलोणें । और अको लोग साध बाहैणें उ मायावा
 पावैणें वा अनंत जीवमें फसल जमावैणें के उई बावख
 ३७ वालो और साध काटखवालो एकोवार राजी कै । और
 इंसु पिख अ कथा साचोणें के एक लोग बोज बावैणें वा
 ३८ और एक लोग साधकाहैणें । आंसु' के अंछि' निगत

- करी कही उ साथ काटखने में घामें मेल्याने और बैगरी
 १६ काम कखोने वा घे वाके काममें बखाले। बुगएके
 इ कथासुं उ नगरका मोकला समरोष्या प्रतीत करी के
 जो आ सायदी दोनो के में जहो काम कीखीबेलामें कखोने
 १७ वें सगला काम उं मन कथा। इवेई समरोषी उंके
 कने आवर आपके भेला रैखवेई उनें बीनती करी उंसुं
 १८ उ दोय दिन उठै रयो। तद और मोकला लोगां
 १९ उंकी आपकी कथासुं प्रतीत करी। और उं लुगाईनें
 कयो के अने नै प्रतीत करीगां धारी कथासुं सो नही
 कींस नै आप सुखर जाणो के उ मुकर संसारको उदार
 करखवालो खीष्टने।
- २० और दोयदिन पनें उ वाजागा ठाडर गालिजि गयी
 २१ कींस यिजु सागो सायदी दोनो के निमितियाकी आवर
 २२ आपका देखमें नै। उं पनें उ गालिजिमें आवर अके
 साराकाम उं यिहअलममें तिवारकी बेलामें कथा ग ज्यो
 वें काम देव्याला वां गालिजिया आगतभावसुं उनें कोका
 २३ कींस वैषिख तिवारमें गथा ग। इं पनें यिजु गालि
 जिजा कामामें दूजोबार गयो के जठे उं पाखोको दाद
 कखोले और उठै एक मोटो आदमी गे के जीके डावडो
 २४ कफरनखममें मांदो गे। उं जद सुखोके यिजु यिजुदा
 देखमें गालिजिसें आयोने तद उंके नैडो जाबर उंकी
 बीनती करी के उ उंजागा आवर उंका डावडामें
 २५ ताजे करे कींस उ मुहदासरीषो ऊवोने। यिजु
 उनें कयो के ये सेनाख वा अराकाम देव्याविगइ प्रतीत
 २६ न करेयो। उं मोटै लोग उंसुं कयो के हे नाराज नारी
 २७ डावडो न मरतां आव। यिजु उनें कयो के जो धारो
 डावडो जीवतो गे तद जका कथा यिजु उनें कही उं कथा
 २८ उपरु उं आदमी प्रतीत करी वा घाल्यो गयो। जावान

उंके गीला उंके भेषी मिलाप कयो और कयो के घारे
 ५२ डवडो जीवतीं । तद उं यूयो केकी बेलासूं चैन पां
 खको डोल ऊवो वा उंके कयो काल दीपेरां आछाई घडी
 ५३ की बेला ताव उंसुं उतरयो । इं बेई बाभे जांयो के जी
 घडी यिमु उंके कयो जो के घारे डवडो जीवतीं वा घडी
 वाईं । इंवेई उं वा उंका मूंयाका सगलां लोगां प्रतीत
 ५४ करो । यिमु यिऊदाह देमसुं गालिलिमें आयर प्रकी
 अनेराकाम कयो उंको दूजे अनेरो काम थो ।

५ पांचमो पांनि ।—उं पठे यिऊदाहो एक तिंवार जो
 २ और यिमु यिहअत्ममें गयो । यिहअत्मका मेंडे
 पोस्टामें यत्री मोजोमें धोतखेसदा नांवको एक तलाव जे उं
 ३ कलाके पांच घाट । उंमें सुर्या घोडा पांगला बधिरा
 ४ मोकला मांदाजोग पांयो हिलबके बाड जोताग । क्योस
 घोकडी बेला एक हलकारो तलावमें उतरर पांयो हिला
 ५ तो । पायो हिल्यां पठे अकोकोई पैलो उतरें उं लोगाकी
 जका कोणीतरेंकी मांदगी कै उं उमांदगिसुं ताओके ।
 ६ उं नामा अडतिसवरसांसुं एक मांदो लोगागे । यिमु
 उंमें सूतो देपर और ओपिस मांदो जको मोकला दिनांसुं
 जवोनें आ जांवर कहि के तूं कोई आराम ऊषां पावेनें ।
 ७ उं मांदेआदमो उधयो देर कयो के से नाराज अद पांयो
 हिलेनें उं बेला तलावमें मनें उतारखनें नारो कोई नही
 और उं आषां जावतोर और कोई नारें पैलडो उतरनें ।
 ८ यिमु उंके कयो के उठ आधका विस्तरा लेर घाल उं लोग
 ९ उंहि बेला ताजे ऊवो और विस्तरा उयाडर चाल्यो गयो
 १० उं दिन दितवार जे । इंवेई जीं लोग चैन पायो जे यिऊ
 ११ दिवां कयो के उंके की दीतवार जे तनें विस्तरा उठावयां
 राजनि नही । उं तनें उधलो दीजा जीं मनें ताजे कयो

- १२ उंमने कयो के विसरा उपाठर चाब । उं पणे वा उंवे पुण्यो
 १३ के तने जों कयो के धारा विसरा उठावर चाब उकुखणे ।
 जो लोग अरराम जवोणे उ जाये नही के उ कुबणे कोंस
 मोकला लोम उं जागा रबसुं विभु वा जागा ठोडर गयो
 १४ जे । उं पणे विभु उंने देवरामे देवर कयो के देव तुं ताजो
 जवोणे और कदेई पाय मती कर काई जांखा हेसुं धारो
 १५ नसो बोडो हवाब कै । उं आदमी जावर यिज्जघाने कयो
 १६ के जी उंने अरराम कयो जे उ विभु । इं कारब यिज्ज
 घां यिज्जकी दुसमखी करी वा मारनावखणे उद्यम कयो
 १७ कोंस उं दीतवारने को काम कयो जे ।

- लेर यिज्ज उंने उद्यजो दीनो के नारो बाभे कवाडतोडी
 १८ काम करेणे अं पिख करेणुं । इं बेई उंने मारनावखवेई
 यिज्जघां और बीत कयो कोंस उ वाली दीतवारने साधा
 रण न कयोजे लेर आपने भगवांनके बरोबर करर कयोजे
 १९ के भगवांन उंको बाभोणे । इं बेई यिज्ज उद्यघों देर
 घाने कयो के अं घाने साघर कउंनुं के डावडो बाभाने
 जको काम करतो देवे उं कामबिगर आयका मुंडामुं
 क्वाहि न कर सके जे कोंस जको काम उ करेणे डावडो
 २० पिख उघी काम उसोई करेणे । बाभो डावडासुं
 धार करेणे वा बकोकाम आय करेणे बे सगला उंने देघा
 वेणे उ इंसुं मोटो कामपिख उंने देवालसी के घे अणेरो
 २१ जाणो । जियो बाभो मुडदाने उपाठेणे वा बघवेणे तिसो
 २२ डावडोपिख जीमि चावे जे उंने बघवेणे । कोंस बाभो की
 कोई विचार करे नही लेर समझी विचार डावडाकने भला
 २३ योणे के सगला लोग जियो बाभाको आवर करेणे डाव
 डाकी उसोतरे आवर करे जको कोई डावडाकी आवर न
 करे उ बाभाकीपिख आवर न करेणे के जी उंने भियो ।
 २४ साघर अं घाने कउंनुं के जको कोई नारो कषा सुबर

- श्रीं मनें मेल्होले उंके उपर प्रवीत करेते उंको कथंत बाक
 को केते ओर उ लोच तोसीसमें न पडको केर मोत ठीकर
 २५ जीवतयमें गयोते । अं घाने साचर कडुंते हैं ता वेका
 आवेते अवादीय अवेते जद मयाआदमी भगवानका
 डावडाके साद सुबख पासो ओर जके सुबेते हैं वयसी ।
 २६ कोस तिसो वामि आप वैतन्य ते तिसो डावडाकेपिछ
 २७ आप वैतन्य दोनोते ओरपिछ वाने ग्याक करबको
 २८ पौच दीकीते कोस उ आदमीको डावडे ते । अठेरो
 मतो जांख कोस वारवेका आवेते हैं श्रीं मनें विना लोग ओर
 २९ में ते वें सगला उंको साद सुबखी वा वारवें आसी आ
 पोषाकाम कया हैं जीवबका भोगवेदं ओर अविठोपान
 ३० कया ते वे तोसीसका भोगवेदं । अं नारा मुंडावुं
 कुंछि कर सकुं वही अं तिसो सुबुंते तिसी घ्योत कडुंते
 ओर नारी कोस ठीकते कोस अं आपको रच सोधुं
 ३१ नुं केर बाभाको रच कया पांडुंते हैं श्रीं मनें मेल्होते ।
 अर में आपका वासवेखोमें सावतो देखे तो नारी साव
 ३२ तो साच वही । ओर रच लोग ते हैं जकी नारे
 कायदामें सावतो देवेते ओर अं बाबुंते हैं उ जकी साव
 ३३ तो नारा कायदामें देवेते उ सावतो साचो ते । ये कोचव
 कनें मेल्होते ओर उं साचके वासवेखोमें सावतो दीना ।
 ३४ अं आदम्यासुं सावतो खुं वही सही केर अं आ कडुंते
 हैं ये उबार पावो उ रच जानबी वा वेजकर दीवो ते
 ३५ ओर उंका जानबमें कुंछिदिन जैन गुजारबमें ये वसी
 ३६ ग । केर वीचवका सावतासुं मेठो रक नारी प्रभाव ते
 कोस परवारबमें वामे अयोपान मनें दीवोते हैं जदेर
 काम अं कडुंते वही काम नारे कायदामें सावतो देवेते हैं
 ३७ वामे मनें मेल्होते । वामे हैं श्रीं मनें मेल्होते उं आप

७८ नारि कायदामें सावती दीनाते ये उंकी आंद करेई न सुखी
 ७९ वा उंकी मर्वा करेई न देवो । उंकी कथापिब पाके विचमें
 न ते कोस जीने उं मेखी ते उंके उपर ये प्रतीत न
 ८० करोगे । धर्मनाएमें सोभो कोस ये समको गे के उंके
 विचाले ये अनंत आउधो पायो कोषिब उ ते के उको
 ८१ नारि कायदामें सावत देवेते लेर जीवखनेई ये नारि केने
 ८२ धायी पायो नही । अं आदमीकवासुं आबद सेव
 ८३ नही लेर अं धर्में नाबुनुं के पाके विचमें भतवांनके
 ८४ धार बते । अं आबका नाबका बांकुं आधेनुं
 ८५ धार ये ममें आरे न कयो कर दुजेकोई आपका नावसुं
 ८६ धारि को उंके ये आरे करयो । ये कोतरे प्रतीव कर सकी
 ८७ गे के जो एकलोग दुजे एक लोमकमें आबद लेतेते धार
 जता आबद वाली भगवानसुं आवेंते वा आबद द चारें
 ८८ ते । धिंत मतो करो के अं बाभाके नेडी धापी तहमत
 करसुं धामें तहमत देववाको एक लोम ते उहि मोमक के
 ८९ जीके उपर ये प्रतीव करयो । ये मोमक उपर धर
 प्रतीव करो के नही प्रतीव करवा कोस उं नारि
 ९० वासविलोमें लिखीते । लेर ये जको उंको लिखी प्रतीव
 न करो तो नारी कथा वी उबिघारे प्रतीव करयो ।

६ उठो पत्नी।—इं पते विभु मालिजिने अंधवा विदेहि

१ वसके दरियाव धार कयो । तद उं जके अउरो काम
 मादाआदम्या उपर कला उंका के काम देखर मोठीनका
 २ उंके पिजडोर धार । उं पते विभु एक घरवत उभर
 ३ जावर चेलाभिला केहा इसी पुखमें विजदिवको पिनाख
 को तिवार नेडी आयी ।

५ विभु उपर देवर आपने नेडी मोठी वमात आवेंते आ
 देवर फिलिपने कयो के या सगलाके वावखनेई मे बायो

६ कठेसुं मेष लोका । उ उंही वीरत वैधवेदी चा मजी
 ७ कीस काय मजी करंके उचमी टा उ भांउमोटी । मितिय
 उमें उचको दीमि में देयसें प्रत्यसाभी बाठी मासी
 ८ नहीं हैं हैं कविता बादमी विजयो-के-... उमें देलाके
 विजमें एक कोम जोमोनविधेरको माईं चातु उमें मजी
 ९ में एक उठो मठे में में कीके विवाको काय बाठी का देय
 १० मजी हैं एक इत विमाने-के-... काई अजी । यिसु कको
 में कोमाने विवाक मोमजी कोक उं नागानेको म्मारक
 ११ हैं ककर धीकेन काम बैठा । मद-विजु वा काटी खीने-क
 कुवि करर विरम कयि केर वैवा-दीवी कोर मन्को
 पिय विरम करर नेको-अमदया विवा कर्ता विजये चेवा
 १२ वाके दोजे । वाकी चातुमजी अरं वते उं म्पपका चेवा
 में कयो में माकीमूवा-अने मगरो मेको करे में कवि के
 १३ म के । इसु केगाने वरवीपते वा जो मगवा मेका करर
 उं म्वाजी पय वाठीका म्ममका-अरु वाई मारीभरो ।
 १४ वा म्मदया विजुके को कठे-कीम दीर कयो में मजे
 विजिविवा में कसारमें आरुके उं म्मके कोर उं म्म
 १५ विजु म्मकी लीमा म्मकरर उं म्म राजा कररकके वार
 कवा मद उं युवीविदिवा म्मकी-कर-ममउमर म्मि ।
 १६ म्मज्यमें उंवा चेता दरियावके विरुके म्मके कोर
 १७ वाकउमर म्मकर ककरममकीमें दरियावके वार वीय
 माग कोर कवाटी अवा म्मपिब विजु वकि मेंही कायो
 १८ मजी । उं चेवा मेकोकायरो चालकसु दरियावमें मेठा
 १९ विजो-अवा । म्मके-... मेंता- देय लीमकोम
 कायर दरियावकेउमर ककका वा-नावकेमें आवा विजुमें
 २० देवी उंसु-वे उला लेर वमें उं कयो में की-... नु
 २१ म्मकी करे-... कांर-... वाजी अयर उमें नावउमर लीमा
 कोर की वासी में-... उं नाग वि-... चेता ।

- २२ दूजे दिन वही आदमी दरिद्रावसे उभार उभा जवा
 वी जद देवेजे के जी बाबउपर उभा केजा जवाला उं
 निरद कीर वीवां उं जामा बई जी वा धिनु चापका
 केजां भिजे बावसे कजे मयो नही खेर बाकी केजा जवा
 २३ ज। जी जामा प्रभुकी सुतो बसां पते वी नाटी
 बाईजी उं जामाबा बैठी कीर नद तिभिरियल्लुं बाईजे
 २४ लकी। जद जेजां दीयो के धिनु अजवा उंजा केजा
 उं जामा जग जद धिनुकी सोमजवेई के बाबउपर
 २५ बडर ककरनकमसे जया जद वी दरिद्रावसे उं कीर
 २६ उंजुं निरद कयो के हे रकी नू बद अठे जातो। धिनु
 उचयो देर वीसे कयो के अं घावे साप कउंनु के उ अणे
 दो देवबसुं के मने सोलोणे सो वही खेर नाटी बापर
 २७ जयोडा सोबसुं। जामहीववासापुराकवेई मैनत मतो
 कदो खेर वयो पुराक अमव प्राजबोतोही रेंगे के वयो
 कदमात्रो बाको जामे देतो उंवेई मैनत की कोस
 २८ भगवोत्र वामे उंमे छापसुं जेयोजे। जद वी उंमे
 २९ कयो के भगवोत्रकी जिजा करवसे जे बाई करकी धिनु
 उचयो देर वीसे कयो जामे उंमेसोते उं उपर प्रकीत्र
 ३० करकी या भगवोत्रकी जिजा करकी। जमेई वी उंमे कयो
 नू बाई कजव देवसेजे के जे देवर घाटे उपर प्रकीत्र
 ३१ कदा नू बाई करजे। जामे धिनुकेजां जोइने मावा
 केजे के निजे सो धिनुकेजे के उं जामेसुं बावबकी वज
 ३२ वाने दीनी। जद धिनु वाने कयो के अं घावे साप
 कउंनु मोजइ कगेसुं वा रोटी घावे दीनी कही खेर
 ३३ नादो वाभे कगेसुं साववाको घावे देवेजे के वयो
 कगेसुं उपरद जामेसे जीव देवेजे वा भगवोत्रकी दीयोको
 ३४ बाकीजे। उंवेई वी उंमे कयो के जे धनु अजवा
 ३५ जामे होजीमा दे। धिनु वाने कयो के अं जीव देव

बाबा बाठीनुं ज्योतिरं नारेंकनें ज्ञानें उ कदेई मूषी
 व ऊसो वा ज्योतिरं नारेंसुं प्रवीव करे उ उ कदेई
 १६ तिस्रायो न ऊसी खेर में तनें जो ज्योतिरं नें व मनें
 १७ देखीजे पिब प्रतीत करी मणी । ज्यो बाभा मनें
 १८ दोमोनें वें सत्रका नारेंकनें ज्ञानी खीर ज्योतिरं नारें
 १९ कनें ज्ञानी उनें जं खीरनें अथमो न करयुं । ज्योस
 बापको राजीवक करययुं जं खीरुं उतयो मणी खेर
 २० जी मनें ज्योतिरं उंभी राजीवककरयनें । खीर नारें नें
 २१ जी मनें ज्योतिरं उंभी राजीवक ज्ञा नें नें उं ज्यो मनें दीना है
 उंभी मूषि में वगमसुं पब जेडको दिन उनें उठासुं ।
 २२ जी मनें ज्योतिरं उंभी ज्यो मनें नें मनें ज्योतिरं ज्योतिरं ज्योतिरं
 देवर भरोसी करेनें उंभी ज्योतिरं ज्योतिरं ज्योतिरं यासी वा
 २३ जेडका दिनमें उनें उपाठयुं । इंदेई विजुषी उनें उपर
 चक्रक करी ज्योतिरं उं ज्योतिरं नें ज्योतिरं बाठी खीरुं उतरौ
 २४ वा बाठी जं नुं । खीर वा ज्योतिरं नें जो करेई युज्यु
 जो डावको विमु मनें नें जीनें माय बाभामें ज्योतिरं ज्योतिरं
 २५ उं ज्योतिरं नें नें जं खीरुं उतयोनुं । विमु उतयो देर
 २६ नारें ज्योतिरं नें घे ज्योतिरं चक्र मणी करी । नारेंज्योतिरं मनें
 ज्योतिरं उं ज्योतिरं विमर कोरं पिब नारेंकनें ज्योतिरं व सक्की
 २७ उं ज्योतिरं जेडके दिन उनें जं उठासुं । विमितियाकी ज्योतिरं
 जो विज्योतिरं नें नें ज्योतिरं भगवानसुं सिवायोडा ऊसी इं
 नें नें ज्योतिरं ज्योतिरं सुखी वा बाभाकनें जोखी उ नारें
 २८ ननें ज्योतिरं । ज्योतिरं भगवानसुं ज्योतिरं उं ज्योतिरं विमर विमर
 २९ बाभामें न देखी उं खेर उ बाभामें देखीज । जं साचर ज्योतिरं
 ज्योतिरं नें ज्योतिरं कोरं नारें उपर प्रतीव करेनें उंभी ज्योतिरं
 ३० ज्योतिरं नें । जं जो ज्योतिरं दावा बाठी नुं ज्योतिरं नदेरी
 ३१ जोडनें माया बाबा ज्योतिरं वा नें मखीडा नें । ज्योतिरं बाठी
 ३२ ज्योतिरं ज्योतिरं वा ज्योतिरं नें ज्योतिरं वा ज्योतिरं न मनें ।

- ५२ खगलुं अवा जीवमंदांवा बढीं वा जं तुं जर कोरुं वा
वाढी शरुं उ रोमोना बचसीं कोरुं अवा वाढीं अं देखुं
- ५२ उ वाढीं मांस के अवा बगववा जीवबेहं देखुं । ईं बेहं
बिबुदियरुं आपतमें बेबो बरुव कयो के अवा आदमी वावव
- ५३ वेहं आपको मांस कीकरुं देख सकेउं । उंवेहं यिमु
वाने कयो के अं वाने साधरुं कउं के अवा आदमी वाव
वाको मांस न वाय वा उंको कोरुं न शीने वा वाको कुरिह
- ५४ जीवम नही । अवाकोरुं नारो मांस वायउं वा नारुं
किरुं योनेउं उंके अवात वाउमी वे उं कोरुं उंकेदिन अं
- ५५ उंके उंवाउयुं । कोस नारो मांस साध रोटीउं वा नारो
- ५६ कोरुं अवाको साधी बसउं । अवाकोरुं नारो मांस
वाय वा नारो खेहं योवे उं नारुंके रंउं कोरुं अं उंके
- ५७ रउं । यियो जीवनेंवामें मईं मेह्योउं वा अं वाभावा
उकरासुं अउतो तुं वेसी अवा कोरुं अं वावउं उं नारुं
- ५८ उकरासुं बरुवो । अवावाढी खगलुं उतरी वा वुराव
वा अवाय यं के बडेरी मीमा वायपरा मुठदा केउं तिसा
- ५९ नही अवाकोरुं वा वाढीं वापउं उ रोमोना बचसी । उं
कफरनखममें अवातीरुं अवा सिमगगमें कर्षी ।
- ६० इंसुं उंके नोफला केवां वा सुखर कयो के अवा करुडी
- ६१ कयाउं वा कुव सुखसकेउं । अद यिमु आपका मनमें वाख्या
के केसा इं वासवेसोमें अवरुं वरीं तव उं वाने कयो के अवा
- ६२ वाईं थांकी अउकवमवाको । उंकी पैवडाकीं जागामें
आदमीका डावडामें उपर जाती अरु धी देवा तो वाईं
- ६३ जीवतथा देखवालो अवा उं डीस मांससुं कुरिह फल अउं
अवा कथा थाने अं कउं वाईं आका कोरुं उही जीवन ।
- ६४ कोरुं अंके बिबुवे कोरुं प्रतितवावो उं कोस अवा प्रतीति
न करुं कोरुं कथ उंके पारुंका वनमें करुसी यिमु पैवडाके
- ६५ उंके जाख्या । उ कयो इं कथमें थाने कयो के नारुं

वर्षाधी दीधी योच छर नसाबि तो बोई पीक चारो नेंडो
 १६ काठसबसी नही । उं नेंडोसुं उंका मोडका चेसा मुडर
 १७ केर उंके भेसा मगवा उंसू यिमु चारेंकेकां नही योपिब
 १८ जाये । जितो नयितर उंके उषको दोने नें हे प्रभु ही श्री
 १९ कने जायां अनंत चाउवाको बधा चारेंकने उं के प्रतीव
 २० कदांकां केर जंकाकां के तुं खीछ भोवतयभगवान्को
 २१ हावडोले । यिमु वानें उषको दोने नें में काई थां बादे
 २२ कादकांने सरावा नही छेर थांके विचारें एक मोडोते ।
 २३ उं श्रीमो नका बाकवा यिकदाकादि कोटाके फायदामें कयो
 २४ कोस उं चारुके विचाराको एक कोम ऊपर उंके पारका
 २५ कनजामें करसी ।

१६ सत्यमे पथे ।—इं प्रणे यिमु धाजितिसुं चिये
 कोस यिजदिया उंके बाहवाकां फायर उं यिकदाह् देममें
 भटकां न चाबे ।

१ उंनेसा यिजदियादि देदामें देवको विचार नेंडो जायो ।
 २ उंके भावां तद उंके क्ये के का जाम उाडर यिकदाह देव
 ३ में जाके चारा केसु यिब चारा काम देवे कोस प्रकोकोई
 ४ वाववादीक ऊपरामे उं विचार करि करि नही कर
 ५ नूं के काम करे जो आपाके संसारमें भेडे कर कोस
 ६ उंका भावायिब उंके उषर प्रतीव करी नही । तद
 ७ यिमु वानें कयो के चारी केसा अबाह न उं केर थांकी केसा
 ८ रोचोमा उं । संसार चांकी मोरे कर करि नही केर चारी
 ९ मोरे करेते कोस अं को समतो देवुनुं के उंका काम
 १० बीठा उे । ये इं विचारमें जावे अं अर्ब इं परवमें
 ११ नजासुं कोस चारो समव अवे यूरो नें उं चर
 १२ कजा वानें केर माविधिमें रयो । केर उंका भाई गवा
 १३ अने उं यिब तीवारमें मयो चेके नही केर जोपर ।

- ११ तब बिजुदियां उमें तिंवारमें सोभर कयो कैं उ कठें ।
 १२ उंकी वासवेलीमें आयतमें बोमाकी चकरपिह जई कौंस
 बिबोबिबी कयो कैं उ बोयो आदमी उँ बीर बिबीर कयो
 १३ कैं सो नही उ आदम्याने भुखारें । लेर बिजुदियां
 का डरसूं जोडी उंका काबदामें पीडे भावां कही नही
 १४ तिंवारके विषल जेला यिभु देवदामें भावर भलायो
 १५ तद यिभुयां अठेरो ऊयर कयो कैं ओ आदमी कदेई भया
 १६ बिना बिखा कौतरें जावें । तद यिभु उघजो देर
 वानें कयो कैं न्हारी सोवावब न्हारी नही लेर जीं नमें मेखो
 १७ उँ उंकी । अर जबोकोई उंकी रागीको काम कस्य
 पावें तो उ लोग उपदेसबो विषय जाबसो कैं उ भगवाव
 १८ सूं वा जं आपका मनसूं कउं । जको लोग आपके वास
 वेलीमें कैं उ आपको आबद सोमैउँ लेर जीं उमें मेखोउँ
 उंकी आबद जकोलोग सोमैउँ उ लोग साके उँ वा पिंटा
 १९ यख उमें नउँ । मोअह काई घनिं तौरैत दोमी नही लेर
 घांके काई लोग तौरैत याजन न करौगे नमें वून करबबी
 २० प्यारी कौं करौगे । जमात उघजो देर बोली कैं वूं भूव
 २१ लागोडा उँ तनें मार नायबबी प्यारी कूख करें । यिभु
 उघजो देर वानें कयो कैं में एक काम कौनोउँ उंत् वें
 २२ सगला अठेरो जवागे । मोअह घनिं सुनतकी काया
 दीनी सही उ जो मोअहसूं जने सो नही पिह बडेरी
 सूं ऊवो बीर ये दोतवारकेदिन आदमीकी सुनत कगे
 २३ गे । अर दोतवारमें कौबी लोगकी सुनत कैं कैं मोअह
 की तौरैत रद न जवें तो ये काई न्हारें उपर रिस
 करौगे कौंस दोतवारने में एक लोगने सोखेबावा
 २४ आराम कखौं । जके देखो जायउँ वाके उपर घोत
 २५ मती करो लेर ठोक खीत करो । तद यिदअवमके
 किशोर कयो कैं ओ उ लोग नही कैं जींने वें नाया

२६ पावेँ, बौर देयो उ निघडक जयर कथा बौर घोर
 वें उनें कुरि कें नुही मनसीनो काई, बेनक जयिँ कें
 २७ ओ निनें खीरुं । ये प्रायांग के ओ लोग कठासुं,
 ऊबो बौर खीरुं आवसुं उ कठासुं पावेँ या काई
 २८ न खें नर । उंयें यिमु देवरामें ओवाक्यवराखी
 बेला ऐजे-मारर कयो के ये काई मनें जाबो ओ घोर कं
 २९ कठासुं उ ये काई आपिष जखो ओ । कं आपकी
 रातोसुं पायो हकी बेटु ओ मनें मेखो उ सायो उं के जीनें
 ये जाबो न ओ बौर कं उमें जाबुंनुं खीरुं कं उंसूं पाबो
 ३० उं ना उं मनें मेखोयें । तदवी उमें कपडयें पाबो बौर
 उके उबर कोबी शक्यवयो नही ओस उंकी बेला तद
 ३१ न ऊई । उं कादय ज्जातनें मेखक्य लोग उके उघर
 प्रतीत करी घोर कयो के जद खीरुं आवेँ तद ओ कं
 रोकांम जे जादमो करेँ वें काई उंसुं बको करसी ।
 ३२ कारिनिया सुखी के लोग उके कसवेलीमें इती चक
 करी इं कारण कारिनियां वा प्रबानवाककी उमें अपडय
 ३३ में दिडमलसखाने मेखा । उके उघर यिमुधनें कयो के
 घोर, घोडा दिन कं घांके मेखो देसुं उं पनें जी मनें मे
 ३४ खीरुं उकेकनें कं जासुं । ये मनें होमंखो बौर लाव
 ओ कही घोर ओ जागा कं रउंनुं उं जागा ये आय सफ
 ३५ ओ नही । तद यिज्जां आपतनें कयेके उ कठे जासीं
 के हे उनें कायसकसां नही योकाके निघनें जे
 ३६ लोग रिवरविवर उंयें वें काई धांके नेहा जासी घोर
 ३७ ओ कयेगाने मवासी । ये मनें सेमिखीं यिख लाधयो
 कही घोर की जाख कं रउंनुं उं जागा ये आय न सकसी
 उके इं कथाको तंत काई । उेडकाके दिन कथवा रिवार
 के मोठादिबनें यिमु उमें जवर कयो के अर काई तिसा

- १८ यो दै तो न्हारेकनें उ आवें वा पीवें । जो जौम न्हारे
उपर प्रतीत करेते जिहो धर्मीनाछमें कयाते विसो उंवे
- १९ घेटसूं अस्त पांखीका बाला जीकजसो । खेर जके उं
सूं प्रतीत करेते वें जो आभा पासो इ वासवेजीमें उं आ
कथन कही कथास धर्मीना तद दोनो भयो कही कथोस तद
- २० विभु प्रतापोक कथोडो न जे । इंसुं मोफला आदमां
- २१ आ कथा सुबर कथे जे जिनें जो उ निमित्तयो ते । खोर
जोगां कथो जे जो खीष्ट ते खेर खीखीर कथो जे खीष्ट खारे
- २२ माखिखिखूं आली । धर्मयथमें खारे कथो कही जे खीष्ट
दाउदके कुतमें वा नीतवेधम् नगरसूं आसो कथवा जौ
- २३ ठोड दाउद जे । इभरे उंकी वासवेजीमें जोगाके
- २४ खियेह-कथो खोर खीखीर उंवे कथडां पावो खेर उंवे
उपर खीखीं हाथ घाल्यो नही ।
- २५ उं बेका कथासोहितानें वा उपाध्यायानें डोडवाक्या
२६ आवा खोर वाकमें कथो जे जे उंवे कथूं न खोयावा । डोड
वाकें उथलो दोनो जे इ आदमी इसी खीखी कथेरे मिय
- २७ कथा न-कथी । फारिजियां वानें उथलो दोनो जे खेपिख
- २८ खारे भूली कयाते । मजसोयामें कथवा फारिजियां
- २९ में खारे उंवे उपर कियो प्रतीत करी ते खेर आ खेरैत
- ३० न जाखबवाला जौम फिटकाया गयाते । निकदेमसूं
- ३१ जे कथो रातका विभुकरनें आवो उं वानें कथो जे कथा
- ३२ सुखबी वा खीम जाखबनें पैलडा नाको खेरैख खारे
खीखी आदमीके आव करेते जे उथलो खेर उंवे कथो जे
वूं खारेभाम्खिखिखो जोगते खीम खोर वेध कथोस माखिखि
- ३३ सूं खारे निमित्तयो व ते उं प्रते कथवा आदमी आपकेर
खर गया ।

● साठमो पानो ।—विभु जैतांगव दंडका परबख

- २ उपर गयो खेर प्रभाते उ देबरामें दूजीनेका आये
 तद लगला लोग उनेकने आया वा उं पैठर वाने मीषावख
 ३ दीनी । उं देखा जारामें कपयोही एक जुगार्डेने,
 उपाध्याय वा कारिजि उंके नैडी-न्याया वा उने विचाले
 ४ बैठापर वां कयो के हे गुरां आ जुगार्डे जारामें कप
 ५ ही मर्दे उं उं काममें । एसा आदमोने माठा नमर
 यर मारकने मोमह तौरैतमें नाने आग्या दीनी खेर नूं
 ६ काई नैने । ठंडो देखवेई नं उंकी परम करबनेई आ
 कषर कषो खेर विभु कंको कथा जिसी न सुखी तिसो भु
 ७ कर आंगुलीसूं धुक्कउपर लिखो । तदवां उने पूज्य
 ने न ठेठबसूं उ उठर वाने बोल्हो के धामें गियापी जो
 लोग उं उ उंके उपर बैकठा भाठो बगावे उं यउं उं फिर
 ८ भुकर नूनउपर लिखो । उंसूं ध्यां सुखो वां आपकी
 ९ मोरसूं आपका मनमें धामोदार ककर भोठासूं नाने
 तोडी एकर बारबै गया उंसूं विभु रकतो रयो वा वा
 १० जुगार्डे विचली जामामें रयो । जद विभु उठर देखो
 के उं जुगार्डेविगर बोई नैडे न जै तद उं उने कयो के हे
 जुगार्डे धारा टंटेदेखवाला कठे कीयो बाई तने तोसीस
 ११ वाली न ठैराई । उं कयो के हे प्रभु कियो नही विभु
 कयो कं पिख तने तोसीसवाबी न ठैराउंनुं जा खेर वामी
 मतो कर ।
 १२ उं यउं विभु वाने दूजीनेका कयो के उं संसारको जान
 यो नारे पिनाबीआपयवाला जी लोग के सो कंधारामें
 फिरसी चलसी नही खेर जीवतक्यो जानयो कं जसुं ।
 १३ इंदेई कारिजियां उने कयो के नूं आपका कायदामें साव
 १४ तो देवेउं धारो सावमो साव नही । विभु उचलो देर
 वाने कयो के आपको साकतो कं देवुनुं सही खेर नारे
 सावतो सावने कीस कं कठासूं आधेनुं वा कठे जाउंनुं

- आ ऊं जांउं लेर कठामुं आयोउं वा कठे जाउंउं आ
 १५ ये जान सकी नही । ये डोल सरोषो निचारो ओ
 १६ ऊं कौनोई निचार कइ नउं । लेर अर विचार
 कइ तोपिब न्हारो विचार साध उं कौस ऊं एक नही
 लेर ऊंउं अर नामे के जीं मने मेल्योउं उपिब न्हारे
 १७ भेयोउं । थांकी तौरैतमें लिख्योउं के दाय लोगाको
 १८ साबूत साधो उं । ऊं एक लोमउं के आ आपका
 फायदामें साबूत बुंउं अर नामे के जीं मने मेल्यो उ पिब
 १९ न्हारे फायदामें साबूत देवेउं । तद वा वाने कयो के
 धारी नामो कठे उं यिमु उधलो दोना के ये मने जांखी नही
 अर न्हारा वाभाने पिब जायो नही अर मने बाखता तो
 २० न्हारा वाभानेभी जांखता । यिमु देवामें मिवालेर
 कोठारभूपामें धा कथा कही लेर कौली उंकेउपर साध
 २१ नांयो नही कौस उंको बेला तद नगो । उं पठे यिमु
 दूजीबेला वाने कयो के ऊं जाउंउं ये न्हारी सोभना
 करयो अर आपका पापमें मरयो अठे ऊं जाउंउं उठे
 २२ ये आय न सकयो । इनेई यिऊधर उंने कयो के उं कांई
 आपानें मारनावसो कौस उं केउं के जीं जागा ऊं जाउंउं
 २३ उठे ये आयसकयो नही । उं वाने कयो के ये नीचसुं ओ
 ऊं उपरसुं ये इ संसारसुं ओ ऊं इ संसारसुं नउं ।
 २४ इनेई में धाने कयो के ये आपका पापमें मरयो कौस
 ये अर प्रतीत करो नही के ऊं उई लोमउं तो ये आपका
 २५ पापमें मरयो । तद वा उंने कयो के तू कुखने यिमु
 वाने कयो के जींकी वासपेलोमें में पैसडासुं धाने कयो
 २६ उही ऊंउं । थांके फायदामें मने मोकलो कैको
 वा निचारयो उं लेर जीं मने मेल्यो उ साध उं ओ कथा
 २७ में उंसुं सुणीउं वा कथा ऊं जगतने कउंउं । वे समज्जा
 २८ नही के उं वाने वाभाकी वासपेलोमें कयो । उं पठे
 यिमु वाने कयो के ये अद आदर्योके डावडामें उठायेउं

- तद ये जांयसो केँ जं उनु' ओरपीये जं आपका मनसु'
 क्युहि बह बहो लेर जियो न्हारें नार्ने मनेँ मिषायेतेँ
 २८ विसो जंयो कउनु' । ओँ मनेँ मेल्यातेँ उ पिष न्हारें
 भेलोतेँ नार्ने मनेँ एकली ऐखी नतेँ है ओर उबो संतोष
 २९ देखवाबो उ जं रोजीना बरनु' उकेँ सेँ नया वैखसु'
 ३० मोकला बीगां उकेँ उपर प्रतीत करो । तद न्वां यिऊघां
 उकेँउपर प्रतीत करी वानेँ यिसु कयो केँ अर ये न्हारी
 ३१ कथामेँ है तो ये निजेँ न्हारा चेला गे । ये पिष सचीटाई
 ३२ जांयसो ओर सचीटाई घामेँ उबार करसी । वाँ उनेँ
 उघलो दीनो केँ हे आवरहामका डावडा गं ओर कदे
 कोँकाई गोला नगां सुं बीतरें केँतेँ केँ ये खलास ज्यो ।
 ३३ यिसु वानेँ उघलो दीनो केँ जं घामेँ सावर कउनु'
 ३४ केँ ओकोई पाप करेँतेँ उ पापको गेलोतेँ । ओर
 गोसो रोजीना भूपामेँ रैतेँ नहो लेर डावडो रोजीना
 ३५ रैतेँ । इंसु अर डावडो घाँको लुटकारो करेँ तो
 ३६ ये निजेँ खलास ज्यो । जं जांयनु' केँ ये आवर
 हामका डावडा गे लेर ये मनेँ खूनकयां चावेगे न्योस
 ३७ न्हारी कथा घाँकेँ बिघमेँ आगा पावेँ नहो । मेँ
 आपका बाभाकनेँ बो देखीतेँ उ जं कउनु' ओर ये
 ३८ आपका बाभाकनेँ जको देखीतेँ उ ये करीगे । वाँ
 उघलो देर कयो केँ आवरहाम न्हारो नार्ने तेँ यिसु
 वानेँ कयो केँ अर ये आवरहामका डावडा अवा पो आव
 ३९ रहामका काम करता । लेर जो साधो कथा मेँ
 भगवानकनेँ सुणी तेँ वा कथाकेँखवाका जो एक लोग जंनु'
 मनेँ ये मारनीध्यां चावेगे आवरहाम इसो नकयो ।
 ४० ये आपका बाभाको काम करीगे । तद वाँ उनेँ कयो केँ
 केँ ओरिसु ज्यो नहो न्हारो एक नार्ने है केँ उ भगवान ।
 ४१ यिसु वानेँ कयो केँ अर भगवान घाँको नार्ने ज्यो तो

- ये मंसुं प्यार करता कौस जं भगवानसुं नीकसी वा आवे।
 82 जं आपेई आयो नही लेर उं मनें मेल्योनें । न्हारी
 कथा ये कौ समझो नही ये न्हारी कथा सुख न सकोने
 83 इंदेई । ये आपका नामा मोडामुं ने ये आपका
 नामको कामं वातरघाह कथां जावोने उ ये लडामुं
 खुनोने खोर सघोटारमें न रयो कौस उमें कंहि
 सघोटार नही उ जद कूड बेनें तद आपसुं बेनें कौस
 84 उ कूडो वा कूडको उपश्रांखवालो ने । जं साची कथा
 85 कउंनुं इंसुं ये न्हारें उपर प्रतीत न करोने । यांके
 विषमें कुब आदमी न्हारा नामको साबुब कर सकें खोर
 जं अर साची कथा कउंनुं तो मनें कौ प्रतीत करो नही ।
 86 जको लोग भगवानकी कथा सुखेनें उ भगवानको इंसुं
 87 ये भगवानका नही कौस ये वाकथा सुखो गने । तद
 यिऊदियां उनें उघजो देर कयो के न्हे काई साच कथा
 88 कांवां नही के तूं समरोखो वा भूतसुं कपयोनें । विमु
 उघजो दीनो के जं भूतलागोडो नहीनुं खोर जं आपका
 नामाची बडाइ कइनुं खोर ये मनें गैरआबह करोने ।
 89 खेर जं आपको यण नचाउंनुं एक लोग ने के जको योज
 90 वा खीत करेनें । जं धाने साबर कउंनुं के अर बोई
 91 न्हारी कथा माने तो उ कदेई मोत न देवसी । इंसुं
 यिऊदियां उनें कयो के न्हे अवे जांखानां के तूं भूतलागो
 डोई आबरहाम् मखेनें वा निमित्तिया मखाने खेर तूं
 केनें के अर बोई न्हारी कथा पाले तो उ कदेई मोतको
 92 रस न चावसी । तूं काई न्हिके अरमा आबरहाम्
 मोटोनें के जको मखेनें निमित्तिया पिब मरगयाते तूं
 93 आपनें कइ करर जखेनें । यिमु उघजो दीनो के अर
 जं आपनें आबह करं अ न्हारी आबह कंहि नही न्हारी
 कामे के जीनें ये भगवान बोने उ न्हारी आबह करेनें ।

५५ ये उनें नजाखोणे लेर जे उनें जायुं ओर ओर जं कजं
 के जं उनें जायुं नही मो धांकिइसी बुडो जं जसुं लेर
 ५६ जं उनें जायुं वा उंको कथा यालुं । धांके नभो
 आवरहाम् नारी बेला देवसुं रामोपनें ऊओ उ पिण
 ५७ आ देवर राजो नैं । उंके उपर यिऊयो उनें कयो के
 थारी बयस वषाअ बरसकी नही ओर तें काई आवर
 ५८ हामनें देखोते । यिमु वाने कयो के सापर जं थाने
 ५९ कउं के आवरहामसू पैलठा जं । इंसू उनें मारण
 बेई वा भाटो जीना लेर यिमु आपू लुको ओर वांके विपा
 खासू देवराने गयो ओर इतरें पळो गयो ।

६ नवमो पानो।—ओर यिमु जाताइ जन्माथ एक
 १ लोगनें देखो । तद उंके चेला उंसू पुण्यो के जे गुरां
 कां पाप कयो इं आदमी अथवा उंके मांड बाभा के उ
 २ सूपो ऊयर जणोते । यिमु उधलो दोनो के इं आदमी
 अथवा उंके मांड बाभे पाप कयो नही लेर के भगवांनको
 ३ काम उंके सोडे ऊवे । जीं मनें मेल्योते दिन रैतां मनें
 उंको काम करणो निजेते रात आवे ते के जींमे कोइ लोग
 ४ काम कर सके न ते । जीता दिन जं संसारमे तुं तिचा
 ५ दिन जं संसारको थानयो । उं आ कथा केर धुल
 उपर थूक नाथो ओर उं थूकसू मसजर कादो कयो उं
 ६ पते उं कादो सूपालोगको आंध्या उपर लेपदेर उनें कयो
 के तू जायर अिलोआम अथवा मेल्योडा नांवाका सूरसागर
 ७ में भूल इंसू उं जायर भूवर देवती ऊयर आयो । इंसू
 उंके पाडेसिया वा आं पैलठा उनें आंधी देखो ते
 वा कयो के उं काई उरे लोग न ते के जको बेटो वा
 ८ थारी मांगतो ते । कोखीर कयो के उही लोग ते ओर
 खिखोर कयो के उं उईसरीघो ते लेर उं सागी बोल्यो के

- १० ऊं उईं तू । तद वा उंसू कयो के धारी आंध्या कीतरें
 ११ सोषी ऊईं उं उचलो देर कयो के यिभु असापीक एक
 लोग धूल मसखर न्हारी आंध्याउपर लेप दीनो वा कयो
 के तूं जिजोआम् सूरसागरमें जा वा न्हाय उमें ऊं जायर
 १२ भुजो वा आंध्या पाई । तद वा उंने कयो के उ लोग
 १३ कठें उं कयो के ऊं जांभुं नही । ओ लोग पैलठा अंधो
 १४ ओ उंने लोग फारिजियाकने ब्याया । जी दिन यिभु धूल
 १५ मसखर उकी आंध्या ताजी करीगी उ दोतबार ओ इवेईं
 फारिजिया कीर उंसू पूज्यो के तें कीतरें आंध्या जाधी
 उं वांसू कयो के उं कादोने न्हारी आंध्याके लेप कयो
 १६ उं पठें ऊं धोयर देव सखी । इंसू किताक लोगां फा
 रिजिया कयो के उ आदमी भगवानसू आयो नही कोस
 दोवबार मानें नही ओरए लोगां कयो के पायी लोग ओ
 अनेरा काम कीतरें कर सकेंगे ओर वाके कारो जवी ।
 १७ वां उं आंध्याने केर कयो के उं धारी आंध्यां सोषी करीनें
 उंसू तूं उके फायदामें काई केनें उं कयो के उं विमितियो
 १८ ने । ओर यिज्या उं देवोंवाला आदमीका माउ
 वाभानें न मुलायर प्रतीत नकरे के उं आंधे ऊयर आंध्या
 १९ जाधीगे । ओर वां यानें पूज्यो के ओ लोग काई धांके
 डावडो के अके ये कहौगे जन्मांष ने उ कीतरें देवनें पावेनें ।
 २० उके माउ नामें उचलो देर कयो न्हे जांभांग के ओ न्होको
 डावडो ने ओर के उ जन्मांष है सर उ अनें कीतरें देव
 २१ सकेंगे आ न्हे जांभांग नही ओर कीं उकी आंध्या ताजी
 करी आ न्हे पिब जांभां नही उ मोडो अवांनें उंने पूजे
 २२ उ आपकी कथा आपईं केसी । उके माउ नामें यिज
 यांका डरसू आ कथा बही कोस इके पैलठा यिज्या
 ठोक कखौगे के अर बोईं के के उ खीर उं तो उंने सिब
 २३ मगलूं नोकखलो पकसी । इवेईं उके माउ नामें कयो

२० कें मीठ्यार ऊवोउं उनें पूजे । इवेई जको आदमी
 आधो जे उनें वां फेर बुलायर कयो कें भगवानको सुती
 २५ कर हे जांवां जां कें उ आदमी पापी जे । उं उथलो
 देर कयो कें उ पापी वा नही आ जं जांयुं नही ऊं
 एक वात जांयुं कें पैलो जं आधो जे अनें देवसव
 २६ जे । उं पजे वां उनें फेर कयो कें उं तनें काई कयो
 २७ थारो आंवां कांतरें ताजी करी । जं वांनें उथलो
 दोनो कें थाने में अनें एकवार कयो जे फेर घे न सुथो
 फेर कीवेई घे सुथयो थियिष काई उंका चेला जवां चाधो
 २८ जे । तद वां उनें गाख्यां दीनी वा कयो कें तू उंकी
 २९ चेजे फेर हे मोअहका चेला जां । हे जांवां जां कें
 भगवान मोअहनें कयो जे जो आदमी कठासूं आयो उ हे
 ३० जांवां नही । उं आदमी उथलो देर वांनें कयो कें जो
 एक अजोरो कथा कें उं थारो आंवां ताजीकरो जे फेर घे
 ३१ जाने नही कें उ कठासूं आयो । हे जांवां जां कें
 भगवान पाप्यांकी कथा सुबे नजे फेर कर कोई लोग भग
 वानकी पूजवखलो के फेर उंको राजीपयो करे वे
 ३२ उनें उ सुबे जे । दुनियाका ठेठसुं कदेई सुथो नही
 ३३ कें कोबी लोग जन्माघ कीको आंवां ताजी करी जे । अर
 जो आदमी भगवानसूं अ जतो ता उ क्युंहि कर व सक
 ३४ वे । वां उथलो देर उनें कयो कें वूं कीरो पावमें
 उपथो जे फेर तूं काई नाने मिवावेजे तद वां उनें काछ
 ३५ दीने । विभु सुथो कें वां उनें काछ दीना जा इ
 नेई उं उनें देवर कयो कें तूं काई भगवानके डावडा
 उपर प्रतीत करेजे । उं उथलो देर कयो कें हे
 ३६ भगवान उ बुबजे कें जं उके उपर प्रतीत करं विभु उनें
 ३७ कयो कें ते उनें दीयो जे थोरपिब थारोभेची कथा केजे ।

- ३८ उं कयो कें हे प्रभू जं प्रतीत कर्तुं और उंको पूजा करी।
 ३९ उं पठें यिन्नु कयो जं विचारको फल देखने इ
 संसारमें आयोतुं कें जको देवल न सकेंतें वें देवें और
 ४० जके देवल सकेंतें कें वें आंधा ऊवें। उंके भेलपो कारि
 मि कित्ताक लोगां आ कथा सुखर कयो कें हे पिब काई
 ४१ आंधा जी। यिन्नु वानें कयो कें अर धे आंधा जाता
 तो धाको पाप न जतो लेर धे कयो जे कें हे देव सका
 जी इवेई धाको पाप रेंतें।

१० दममो पांनो।—जं धानें साधर कउतुं कें जको
 कोई गाडराका भुंयाका बारखासूं न बडें लेर और किसी
 २ मारगसूं चठें उ लोग चोर वा घाढायत रें लेर
 जको लोग बारखासूं बडेंतें उ गाडराको रघालो रें।
 ३ योत्यो उंकेवेई टाटी उघाडें रें वा गाडरा उंको बेल सुखें
 रें और उ आपका गाडराको नांव लेर बोलवेंतें और
 ४ वानें बारखें खेजायतें उपिब आपका गाडरा काहर वानें
 अगाडीर जायतें वा गाडरा उंके पिगडीर जायतें कीस
 ५ वें उंको साद बोलवेंतें औरपिब वें दूजाके पिगडीर
 न जायतें लेर उंसूं भागसी कीस वें दूजाको साद जावें
 ६ न रें। यिन्नु वानें ओ वषाय कयो लेर उं काईर कथा
 ७ कही जी आवें न जाण्या। दूजोबार यिन्नु वानें कयो
 जं धानें साधर कउतुं कें जं गाडराका भुंयाको बारखो
 ८ तुं। जित्तालोग न्हारें पैलडा आया वें समला चोर वा
 ९ लाडधानो लेर गाडरा वंकी कथ सुखी नही। जं बार
 खे तुं न्हारेंसूं अर कोई बडै तो उ मखलसी पासो और
 १० बारबें वा मांय जायर चेवीधराई बाधसी। निमर
 चोरो करखी वा मारखो वा विगाडबवेई चोर आवें नतें जं
 आयोतुं कें वें जीवतय पावें वा उपिब मोकलोवरेंसुं लाधै।

- ११ ऊं घोषो बघालो नुं घोषो बघालो गाडरावेई आपको
 १२ जीव देवेनें लेर जको लोग नुमराई लेखवालो उ थखी
 नही गाडरा बीका पोताका ननें उ लोग ल्याली आवतो
 देवेवा गाडरानें ओडर भागेनें उं कारब ल्याली गाडरानें
 १३ अपडर विघरविघर कर देवेनें। नुमराई लेखवाला
 भागेनें कौस उ घाली नुमरावेई रेनें ओर गाडरावेई
 १४ फिकर करे नही ऊं घोषोबघालोनुं ओर आपका गाडरां
 १५ नें जाखुनुं ओर आपका गाडरांसूं जाण्यां जायनें। त्रियो
 बाभो मनें जाखेनें त्रियो ऊं बाभानें जाखुनुं ओर ऊं आप
 १६ को जीव गाडरावेई थुनुं। न्हारा ओरपिब गाडरांनें के
 जके इं मूपाका ननें वानें पिब मनें ल्यावबां पडसो ओर
 वे न्हारो खाद सुखसी उं पनें एक भूषि वा एक बघालो
 १७ उसो। इवेई न्हारो बाभो मैसुं प्यार करेनें कौस
 १८ ऊं आपको जीव थुनुं के दूजीवेखा उं पासुं। कोई
 न्हारेंसुं उ लेवे नही फेर ऊं आपको राजीसूं उ थुनुं
 उ देखनें वा फेरलेखनें न्हारो मुंडोनें आ आग्या में न्हारा
 बाभाकनें पाईनें।
 १९ इवेई इं कथासूं यिज्जदियाके आपतमें इको जवे।
 २० वके विघमें मोकलां कयो के उंके उपर भूत ठे उ गैकोपिब
 २१ जवेनें उंको कथा क्यो सुखेगे। ओर पिब कयो के भूत
 लागोडाको आ कथा नही भूत काई सूर्याकी आव ताजी
 करसकेनें।
 २२ यिदमजममें निर्मलकरणको तिवार ठे फेरपिब सीया
 २३ जाकी रित गी। यिनु देवरामें सलमनके पंचासःसमें
 २४ भटक्वो। तद यिज्जथां उंके थाराकांनो आयर कयो
 के तूं बठातोडी न्हानें डिगपिब करासी अर तूं जोर
 २५ के तो न्हानें मोखर केदे। यिनु उथयो दीनो के में थानं
 कयोनें लेर ये प्रतीव नकरी जके काम ऊं आपका बाभाका

२६ नावसुं कबहुं उ काम न्हरो सावतो देवें । और

२७ घ न्हारा गाडरा नणे क्वांस घे प्रतीत करो नणे प्रिसी
में घानें आ कथा कहीणें कें न्हारा गाडरा न्हरो साद
सुणें और ऊं वानें जाणुं वा वें न्हारें पिगडी लाग

२८ रेण । और ऊं घानें अनंत आउषो घुं और वांको
सैनघोज कदे ऊसी नही और न्हारा हाघसुं वानें कोई

२९ घोसलैख सकें नणें । न्हरो वामो कें जी वानें मनें

दिनो उ सारासुं बडो णें और न्हारा वामाका हाघसुं वानें

३० कोई सोम लैख सकें नणें । ऊं वा वामो शक नुं तद

३१ यिऊघा फेर उंनं मारखवेई भाठो उपायो । यिऊ

३२ वानें उघलो दोनो कें घोषा मोकसा काम में आयका वामा

सुं घानें दिवास्याणें उं बिचमें कोखकामवेई घे मनें भाठा

३३ मारोणे । यिऊघा उघलो देर उंनं कयो कें घोषा

कामवेई घे तनें भाठा मारा नणं और उकंठपखवेई और

तुं आदमो ऊयर सापानें भमघान जाणें णें इवेई पिख ।

३४ यिऊ वानें उघलो दोनो घांके आस्रमें कोई ओ लिखो न

३५ णें कें में कयो कें घांके भगवान णें । ज्याकेंकनें भग

वानकी कथा आई वानें और उ भगवान कहे और घमें

आस्र निकमो होय सकें नणें तो जीनें वामो निर्मक करर

३६ दुनियांमें मेल्योणें घे कोई उंनं फायदामें कैयो कें तूं उखं

ठपयो करेणें क्वांस में कयो कें ऊं भगवानको डाषडोणुं ।

३७ और न्हारें वामाको काम ऊं नई कइ तो न्हारासुं प्रतीत

३८ न करो । और और ऊं ओ कबहुं तो और मेंसुं प्रतीत

न करता तो पिख काम उपर प्रतीत ल्यावो कें घे जाणो

वा प्रतीत करो कें वामो न्हारेंमें णें वा ऊं वामामें नुं ।

३९ इवेई फेर वा उंनं अपडणें घायो और उ वांको हाघ

४० नुंहायर गयो । और घोहन जी जागा घैलडा

डुबीदिराई जी वा जागा बरदनकें उं निराणें दूजोवेका

- ७१ गयो और उं जागमें रयो । वद मोकला लोग उंके
कनें छाया वा कयो के योहन क्युहि अठेरो कयो नही
लेर योहन इं आदमोका फायदामें जको कयोले वे संगला
७२ साघनें । और उं जागमें मोकला उंकेउपर प्रतोष
करी।

- ११ इग्यारमो घनी।—उं पनें मारिया वा उंकी बैन
मारता जीं प्रैडामें रैतोनीं उं बोतानीया नांव नगरका
२ लाजार नांव एक लोग मांदा रो । जीं मारिया प्रभुनें
सुगंधसेक लगायोले वा आपका केनासूं उंका यम
पुंज्याग उंको भाई लाजार मांदा रो इवेई उंकी बैन
३ आदमो मेखर उंनें कयो के हे प्रभु जीं लोगनें तूं प्यार
४ करेनें देव उ मांदा रो । यिमु वा सुखर कयो के श्री
योग्य मरणासायक नही लेर भगवानकी प्रभूतावेई के भग
५ वानका हावडाको प्रभूता उंसूं घोडे कै । मारता वा
६ उंकी बैन वा लाजारसूं यिमु प्यार कयो । इवेई
उंके मांदाहोखकी ठीक पायर उ और दोय दिन उठे
७ रयो । उंपनें उं आपका चेलाने कयो के आवो के
८ फेर यिजदाह देममें जावां । उंके चेली उनें कयो के हे
रखि घोडा दिन ऊवा यिजदाह वनें भाठा मारखें चायो तो
९ फेर काई उठै जासी । यिमु उथलो दोनो के दिनमान
काई तीस घडी नही काई अर दिनमें चलें तो उ नपठे
१० कींस इं संसारकी चानयो देखेनें पावेनें लेर अर काई
११ रातमें चालें तो उ पठे कींस उमें आनबी नही । उं
आ कथा कहि उं पनें वाने कयो के नांको यार लाजार
१२ सूतोले लेर उनें जगावखनें ऊं जाउं । उंके चेली
१३ कयो के हे प्रभु अर सूतोले तो ताजो जसी । यिमु
उंके मोतकी घासवेलीमें कयो लेर वै समज्या के उं नीदमें

१० आराम पावणकी कथा कही । उंपणें यिन्नु वणिं घोलर
 १५ कयो कें लाजार मखो जें । और ऊं थांकेवेईं राजी ऊंनुं
 कें ऊं उठें नणे क्योस इंसू थांके प्रतीत ऊनी लेर अके
 १६ न्हे उंऊने जावांणी । तद दोदोमसु नामसुं विधियात तमानें
 आपके भेलाघो घेलानें कयो कें आवो उंऊं भेला न्हे पिण
 १७ मरखनें जावां । उठें जायर यिन्नु आ जांखण पायो कें
 १८ उ घोरमें तद चार दिन सुतोणें । बोस्तानिया यिन्नु
 १९ मलमके नेंडो जे अटकला एक काम अजिया । इवेईं
 मोकला थिऊदो वांके भार्दका फायदामें मारता और
 २० मारियाके जमाखातेरवेईं गया । मारता यिन्नुके आ
 वणकी ठोक पायर उंके भेली मिलखनें गईं लेर मारिया
 २१ भूंयामें बैठ रईं । तद मारता यिन्नुनें कयो कें हे प्रभू
 २२ आप अर अठे रैतो तो न्हारेो भाईं न मरतो । लेर
 ऊं जांखणुं कें भगवानकनें अर न्हंइ त्हुंइ चावे तो भग
 २३ वान उ देनी । यिन्नु उंनें कयो कें घारेो भाईं फेर
 २४ उपडनी । मारता उंसू कयो कें ऊं जांखणुं कें उेडके
 २५ दिन फेर उठखमें उ फेर उपडनी । यिन्नु उंसू कयो
 कें ऊं फेर उपडखो वा जीवतथ नुं अकोकोईं मैसू प्रतीत
 २६ करेणें अर उ मुडदो ऊनी तोपिण उपडसी । और
 अकोकोईं जीवतो ऊयर न्हारेो उपर प्रतीत करेणें उ कदेईं
 २७ न मरसी तू काईं आ प्रतीत करेणें । उं कयो कें हे
 प्रभू ऊं प्रतीत करणुं कें तू खीरु भगवानकी डावडो कें इं
 २८ संसारमें जीके आखो निमें जे । वा आ कथा केंर
 गईं और आपकी नैन मारियानें एकतमें बुलायर कयो कें
 २९ प्रभू आयोणें वा तनें बुलावेणें । तद वा सुखर बेगी
 ३० उठर उंके भेंडी आईं । यिन्नु तद घैडामें आयो न जे
 ३१ लेर अठें मारता उंके भेली मिलोणे उं जागणे । अके
 थिऊदो मारियाके भेला रैर उंकी घातर करता भूंयामें न

- वां जद देख्यो कें वा बेगी उठर बारखें गई तब आ घोर
 ३२ उपर रोवखनें जाती ओ आ केंर उकें पिगळीर गया ।
 मारिया यिझुकनें पोतर वा उंनें देघर उकें पगांउपर घडी
 ३३ वा बोली कें हे प्रभू कें तू अर अठें रैतो तो न्हारो भाई
 ३४ नई मरतो । इंबेई यिझु उंनें वा जके यिझुदी उकें भेका
 आया वानें पिगळ रोवता देघर जीवमें कांजो और दोरें
 जयर कयो कें उंनें कठें राषयो वा उंनें कयो कें हे प्रभू
 ३५ आवो देघो यिझु रोयो । तद यिझुवा कयो कें देघो
 ३६ उं उंसूं कियो धार कयो । और वाकें कियोर कयो
 ओ आदमो कें जको आंधा लोगांको आव्यां ताजी करेणें
 ३७ इं आदमीकी मोत जीसू न कै उं उं काई आ कर नस
 ३८ कतो । इंबेई यिझु दूजीबेला आपका मनमें कांभर घोर
 ३९ कनें आवो उ एक गाडो वा उकें उपर भाठो उं । यिझु
 कयो कें भाठो रिगसावो उं मुडदाकी बेंन मारता कयो कें
 हे प्रभू अनें उ नास उव्योणें कीस आज चार दिन जवा
 ४० उ मयोणें । यिझु उंसूं कयो कें में काई तनें कयो
 नष्टो कें अर ये प्रतीत करयो तो भगवानकी किति देष
 ४१ यो । तद मुडदाको सेवखको जागांसू वां भाठो रिग
 सायो यिझु उपर देघर कयो कें हे बाभा में तेंसूं सुति
 ४२ कखणुं कें न्हारी कथा तें सुखीणें । में जांजो कें तू
 न्हारी कथा रोजीना सुखीणें और जके नेंडा उभाणें वाकेंबेई
 ४३ में आ कई उं कें वें प्रतीत करे कें तें मनें मेल्योणें । उं
 आ कथा कयाणें मोटासुं बुलायो कें हे लाजार बारखें
 ४४ आवो । तद मुडदा जकी ओ उ गाभासू हाथ पग
 बांधोडो और एक अंगोणे मुंडा उपर छकोडो घोरसुं बार
 कें आवो यिझु वानें कयो कें उंनें घोली और गेड घो ।
 ४५ तद जके मेकला यिझुदी मारियार्क नेंडा आयाण वां
 ४६ यिझुको ओ काम देघर उकें उपर प्रतीत करी । और

वाके विषमें बीलीर फारिजियाके नेंडी जायर बकेर काम विष्णु करया ग सी कथा ।

- ४७ उं पनें बडोडाप्रोहिता वा फारिजियां पंचायत करर कयो उं ने काई करी कोस ओ आदमी मोकला अणे ४८ रोकास करेणें । उनें अर ने कुहि नई करी तो सगला आदमी उकें उपर प्रतीत करया ओर दंभी ४९ लोग जायर न्हाको देन वा लोग घेस लेसी । काद फानामको वाको एक लोग उं बरस प्रधानयाजक गे उं ५० वाने कयो के ये कुहि जाको कणे । ये काई बाबो नही के आ न्हानें ठोकणे के एक लोग लोगोको जागा में मरे वा देनका सगला आदम्याको घेज न जाय । ५१ ओर उं आपेई आ कथा न कही लेर उं बरस बडाप्रेर दित जायर के निमित्तियाको कथा कही के देनके लोगी ५२ की जागा विष्णु मरसी । ओर उं देनका आदम्याकी जागा वाली नही लेर भमदांनका जके विषयाविषया डावडा ५३ उं वाने भेला करया । तद उंदिनसूं उनें मारनांष ५४ खको सला वा आपतमें करी- । इवेई फेर विष्णु पेटे विष्णुवाके विचाले न भटकी लेर वाठोड गेडर जोडके नेंडी एक देनके एफारथम् नांको एक नगरमें गयो ओर उ अग्रपका चेलाभेजो रयो । ५५ तद विष्णुवाको पेभाष नेंडी आयी ओर उं तिवारके घेलंडो मोकला लोग देनसूं आपनें निर्मल करर सिद्धलम ५६ में गया । उं बिला वा विष्णुनें सोज्यो ओर देवरामें उभा जयर आपतमें कयो के ये काई समभोगे के उ काई ५७ तिवारमें न आसी । कोस बडाप्रोहिता वा फारिजिया आग्या दीनिगे के अर कोई जाखे के उ कठेणें तो उ के के वे उनें कपडे ।

१२ बारमो यानो ।—पेसाव तिवारका उदिन रैता
 यिमु बीमानियामे आयो के जठे उं जाजारको भूयो के
 २ जको मयो जे जीने उं मोससुं उपयो जे उंजागा
 वा उंकेवेई रातको भोगन चार कयो और मारता
 पुरयो छेर जाजार उंके भेको कजाटमें टिफवावाको एक
 ३ लोम जे । उं वेका मारिया घोषी कौमल अघसेर उं
 बढीजाको तेक जेर यिमुके परमउपर मसख्ये और आपका
 केमासुं उंका यम यूज्या उंसुं उंकेककी सुगंधसुं सारो
 ४ भूयो भरिख्यो । तद जीमोनको हावठो यिऊदाह खारो
 ५ आटा मिचजोही उंको एक लोम केके कयो के क्यो और वेस
 सोनसे पावखामे बेथो नई गयो और पकेखाजोगामे दिने
 ६ नही गयो । पकेखाजोगाके फायदामे उं जी किकर करर
 आ कया कही सो नही जेर उं चोर जे और कोथकी आ
 ७ धर उंके विचमें जो बस वा उषक बीतो इवेई कयो । तद
 यिमु कयो के उंके रैकदे मारें चोरमें सोखका दिनवेई उं
 ८ ओ राख्यो जे । कोस पकेखा रोमोना थाके भेका जे जेर
 ९ उं रोमोना थाके भेको क्युं । इवेई भेकसा यिऊदो जा
 खर उंजागा आया वाही यिमुवेई सो नही जेर जाजार
 १० में पिख देववेई आया के जीने उं मोससुं उपयोजे
 जेर नडापोहिया जाजारमेंपिख खूनकरयकी सखाकरी ।
 ११ कोस उंसुं भेकसा यिऊका जायर यिऊउपर मरीव करी ।
 १२ दूजे दिन उंतिवारवेई आयोहा भेकसा जोगा बद यिऊ
 १३ मसममें यिमुके आवककी ठोक सुधीजे तद खजूरके इव
 की हाकी जेर उंके भेका मिखमें बारके गवा और मोठा
 सुं कयो के होमाका यिचराएकका दया कय के जको भज
 १४ वांनका नावसुं आवेजे । उं पजे यिमु एक मोठार गयो
 १५ लाधर उंके उपर चलो निखो जो सिमोने के हे जीमोनकी

- डावडो तूं मत्तो बीह देव घारो राजा गधाका बचाउपर
 १६ असगर जयर आविणें । आ कथा उंका चेला पैलडो
 व समजा लेद जद विमुको प्रताप प्रगट करी तद वा चिता
 र्या कें खे सगळी उंके फायदामें लिख्योडो ऊई और कें
 १७ वा उंने ओ सगळो करीणो । इवेई जद उं लाजारने घोर
 सू बुजायो और उंने मोतसू उपायो तद जका जमाव उं
 १८ वेला उंके नेडी जी वा सावसा दीने । इवेई जमात उंके
 भेली मिलबनें गई क्योस धा सुण्यो कें उं ओ अजेरो काम
 १९ कानोणो । उंसू फारजिया आपतमें कयो वें घे काई
 देवो बही कें घाके निवेमें क्युहि फायदो नउं देवो सगजा
 आदमो उंके कानो ऊवाणें ।
- २० अके तिवारमें भजन करणचेई आया वकें विषमें किताक
 २१ योकाण । इवेई वां गाविलिकें मोतसोदाकें फिलपकनें
 २२ आयर उंने पडर कयो कें खे धणी के विमुनें देवनें चावा
 २३ जी फिलप आयर अरुनें कयो उंपणें आमु वा फिलप
 विमुने कयो तद विमु कनें उघळो देर कयो कें आदमोके
 २४ डावडाके प्रताप पोडे साख्को वेला आईणें । ऊं घाके
 सावर कउंके कें एक दाणो जोऊ धूलमें पडर सजाविगर
 २५ एकजे रीणें लेर जको मरें तो मोकला फल फळीणें । जको
 कोई आपका जीवसू प्यार करेणें उ उंने गमासी और
 जकोकोई ई संसारमें आपका जीव मोई करे उ अनव
 २६ आउघोतोडी रेंसी । अर कोई न्हारी सेवा करसी तो
 उ न्हारें पिगडी आवें और अठेऊ रैसु उंके न्हारो
 घेको पिण रैसी अर कोई लोग न्हारी सेवा करसी तो
 २७ न्हारो वामो उंकी मधादा करसी । अवे न्हारो जीव
 दोरो उं और ऊं काई केंसु हे वामा मनें इ वेलासुं
 २८ उदार कर लेर इवेई ऊं इवेलातोडी आयोणु । कें
 वामा सुं आपका नावको बडाई कर तद सर्गसुं स्व

सुलसुली ऊई के में उंको बढाई करीजे वा दूजी बेला
 २८ पिण वा करसु । ईवेई ज्या नैडा उभा ऊयर उ
 सुखो वा कयो के हेसु सुलसुली ऊईजे ओरर लोगा कयो
 २० के उके भेला एक हलकारो कथा कैजे । यिमु उघलो
 देर कयो के आ सुलसुली नारेवेई नई ऊई केर थकिं
 २१ बेई । अबे ई संसारको विचार कैजे अबे ई संसार
 २२ को राजा बारखे बगायो आयजे । ओर ऊं ओर घर
 तीसू उठयोआवुं वे सगला आदम्याने आपकेकने पाच
 २३ सु । आप कीतरकी मोतसू मरनी आ अखावखने
 २४ उ आ कथा कही । लोगा उगे उघलो दीना के हे
 आखमें सुणोते के खीछ रोजीना रेते इसू तू कीतर
 २५ केते के आदमीका डावडाने उपडयो पडसो ओ आदमीको
 डावडो कुण । यिमु वाने कयो के ओर चिनसीबेला
 पांनयो घके भेला रेते अतीबेला पांनयो घके भेला रे
 तितीबेला घको क्वाजाणा अंधारो धाने घरे जको लोग
 अंधारामे जायते उ लोग जातेते नही के उ कठे जायते ।
 २६ जठतोडी पांनयो रे तठतोडी पांनयामे प्रतीत करे
 के घे पांनयाका डावडा को यिमु घा कथा केर गयो
 २७ वा वांसू आप लुखो । उ इता मोकला अठेराकाम
 वाके सामा कखाना सही तो पिण वा उके उपर प्रतीत
 २८ व करी । ई कारण इमाईयाह् निमित्तिये जका कथा
 कहीजे के हे यिऊह् न्हाकी खबर किय प्रतीत करोते
 ओर भगवानको हाथ कीके नैडा चोडे केते वा कथा पूरी
 २९ ऊई । ईवेई वे प्रतीत कर नसक्या कोस इमाईयाह्
 दूजीबेला कयो जे के उं वांकी आष्या आधी कराईजे ।
 ३० ओर वांकी मन करडे करायेते के वे अविंसू न देवे वा
 मनमें न समझे ओर मन नमाडे ओर ऊं वांने आराम
 ३१ न करे । यिमाईयाह् जद वांकी गरबाई देघी ओर

- ७२ उनें फायदामें कबो तद आ कथा कही । लेर महर्षक का मोकला आदर्यां उनें उपर प्रतीत करी लेर कारि भिर्याका बोहसूं उनें आरे नकखो कथाजांखा सिनगगसूं
- ७३ हठाया आव कोस वा ईश्वर कयोडो तारीफसूं आदमो
- ७४ की कयोडो तारीफ चाई । यिमु मोटासूं कयो के जको कोई नारैसूं प्रतीत करेणें उ मनें प्रतीत करे नही लेर जी मनें मेल्योणें उनेंपिण प्रतीत करेणें । ओर
- ७५ जको लोग मनें देवेणें जी मनें मेल्योणें उ लोग उमें पिण
- ७६ देवेणें । संसारमें जं एक चानखो आयोणुं के जको
- ७७ लोग प्रतीत करेणें उ अंधारामें न रहे । अर कोई न्हारी कथा सुखर प्रतीत न करे तो जं उंकी व्यीत कबं नही कोस जं संसारको विचार करखनें न आयो लेर
- ७८ संसारको उकार करखवेई आयोणुं । जको कोई मनें विक्रमो करर जाखें वा न्हारी कथा न लेवे उंकी व्यीत करखवालो एक लोग उं जका कथा में कहीणें कोई कथा ठेठ
- ७९ से दिन उनें विचारसी । कोस जं आयसूं कउणुं नही लेर वामें के जी मनें मेल्योणें उं मनें आग्या दोनी उं के जको
- ८० मनें नोखनें वा केणनें निसें उं । जं जाबुणुं के उंकी आग्या अनंत आउयो उं इवेई जको जं कउणुं से जियो वामें मनें कयो उं तियो कउणुं ।

१२ तेरमो घानो ।—येसाख तिवारके पैलडा इतो जिवे। यिमु जाणो के आयकी नेवा नेडोणें के जीमि ओ संसार ठेठर वाभाके नेडो जासी संसारके बसीवान आयका जो

२ गनें प्यार करर जेवडातोडोपिण प्यार कयो । उनें तोतसूं कपडखनें ओमोनको डावडो यिऊदाखा दिओटाके मनमें मोडे आ देकर रातको घांयो पूरो जवां पणें वामें उंका हाथमें समलो भवायोणें ओर आय भगवानसूं आ

- ३ योनें खोर भगवानकनें आसी यिम्नु वा जांखर रातका भीम
- ४ बसूं उखो खोर माभा खोखर अंगोणे खेर कमरमें बांधर
- ५ ठावमें पाखी खोखर खेलाके पग घोवखनें खोर जीं अंगो
- ६ गसूं आपकी कड बांधीं उंसूं पण्य लागो । तद
भीमान पितरके नेंडे आथो खेर पितर उनें कयो के हे
- ७ भगवान तूं कांरे न्हारा पग घोसो । यिम्नु उघतो खेर
उनें कयो के अं अको कडनुं तूं उ पिय अवाहर जांखे नही
- ८ खेर जेवहे जांखसी । पोतर उनें कयो के न्हारा पग
कदेरे घोवखे न देखुं यिम्नु उनें उघथो खीनो के अर अं तनें
- ९ नघोउ तो न्हारे मेजे घारो विराड क्युधि नही । भी
मान पितर उनें कयो के हे प्रभू बाकी न्हारा पग नही
- १० खेर न्हारा पग वा न्हारो माघो । यिम्नु उंसूं कयो के
जीको मूलखो अवाणे उंका पगानिगर घोवखको निभे
नही खेर सगलो ठीक साफ ते धे पिय साफ ते खेर
- ११ समबा नही । उं जांखो उ कुब के अको उनें नोहतासुं
- १२ कपडसी इवेरे कयो के धे सगला साफ नही । उं वांका
पग घोवर वा माभा खेर वा दूजोनेका बैठर वनिं कयो
- १३ धे कांरे जांखो ते के मे अको धाने कयो ते । धे मनें
गुद वा प्रभू कोणे खोर धे घोवो कयो ते कोस अं उनुं ।
- १४ इवेरे अं धांको गुद वा प्रभू अर धांका पग घोवाते धाने
- १५ पिय आपवनें पग घोवबा ठीक ते । कोस मे धाने
- १६ नांवागी दीनो ते के जिखो मे धाने कयो ते धेपिय तिखोरे
करो सापर अं धाने कडनुं के मोखो घोवसूं मोटे नही
खोर अको खोम मेखोडेते उ खोम मेखवाबासूं मोटे
- १७ नही धे अर धां जांखो तो अर धन को । धां
- १८ सगलाके पायदाने अं नही कडनुं धां मनें सरायेते
वाने अं जांखुं खेर धर्मआख घोरे घोववेरे अको खोम
न्हारे मेखो पाठी वानेते उं न्हारा नैरनें हनी उपाठीते ।

- १८ जनें साक्षात् होखके पैलडा अं घाने कउंउं के काम पूरा
 २० जवां पनें ये प्रतीत करसो के अं उ लोग लुं । साचर
 अं घाने कउंउं के न्हारे चलकराका कीखो लोगको अति
 धि प्रको लोग करेनें उ मनें अतिधि करेनें और प्रकोकोई
 मनें अतिधि करेनें ओ मनें मेल्पोनें उको पिख उ संविभाम
 २१ करेनें । यिमु आकथा कैर मनमें दर्दबन्द जवो और
 साबतो देर कयो के साचर अं घाने कउंउं के घाके बिचमें
 २२ एक लोग मनें पारके कवज करसो । इंसू उं कीके
 फायदामें आ कथाकही इंसू उसवासी इयर चेलां आय
 २३ तमें देख्यो । यिमुको एक चेला के जीनें उं पार कस्ये
 २४ उंदेला आडो जयर उंकी गती उपर रवो गे । तद
 कीके फायदामें उं कवो गे आ पुनबनेई ओमोन् पितर
 २५ उनें सांनि करी । इंसू उ लोग यिमुकी गती उपर
 २६ सुयर उनें बोल्यो के हे प्रभू उ कुष । यिमु उधवो
 दीना के अं एक बटको भिजोयर जीनें देखुं उई । उंपनें
 उं वा भिजोयर ओमोन्को डावडो यिजदाइ खगारि
 २७ ओटाने दोना । उं भिजोत्तको कार्यापनें मोडो उनें
 बखो तद यिमु उनें कयो के जवो कयां चावेनें सो बेजे
 २८ कर । जने बाजोट उपर बैठाग बाके बिचमें किणी जांखो
 २९ बही के उं क्व बेई उनें आ कथा कसो । कीखोर बट
 कल करी के यिजदाइके कोधली रैखसू यिमु उनें बही
 गी के तीवारबेई जे जवो चावा उं मोज के अथवा पलैखीनें
 ३० कुंइ देवे । उं पनें यिजदाइ उं भोखो बटको काधर भट
 ३१ नारखे गयो और रात पंडी । उं पारके गयापनें यिमु
 कयो के जनें आदमीकां डावडाकी महिमा प्रकाज ऊई
 ३२ और उके बिचाले भगवानकी महिमा प्रगट ऊइ । भग
 वानकी महिमा उनें अर प्रगट के तो आपमें भगवान
 ३३ उंके महिमा प्रगट करधी और उंदेला उंके महिमापिख

- बोर्ड करसी । हे नांनाडावडा घांके भेलो घोरं ऊं घोडा
 दिन रैसुं घे मनं सोममो वा त्रियो में यिऊघनिं कयो ठे के
 जठें ऊं जावुंनुं घे उठें आव नसकसो उसो घांनंपिष कउंनुं ।
- २० नवो आग्या एक घांनं ऊं देवुंनुं आपतमें प्यार करो त्रियो
 में घांनं प्यार कयो ठे तोसो घांके एक लोग ओर एक
- २५ लोगने प्यार करो । अर आपतमें घे प्यार करो इंसूं सग
 २६ या जांखसी के घे न्हारा घेला ठे । श्रीमोन्पितर उनें
 कयो के तूं कठें जासी बिभु उनें उघखो दीनो के जठें
 ऊं जावुंनुं उठें तूं अबे न्हारें भेलो जाव न सकसी लेर
- २७ इंपठें न्हारें पिठाडो जासी । पितर उनें कयो के हे
 प्रभु धारें भेलो अबे कीं न जाव सकसुं धारेंवेई ऊं आव
 २८ को जीव देखुं । यिभु उघखो दीनो के तूं काई
 न्हारेंवेई आपकी जीव देसी सापर ऊं तनें कउंनुं के तूं
 मनें जाखेंठे आ तूं दीव वार नव्याविना कूवडो वांग देसी
 नही ।

- १० घोटमे पांना ।—जीवसूं थाकुल मतीको घे भग
 २ वान उयर प्रतीत करो न्हारें उपरपिष प्रतीत करो । न्हारें
 बाभाको हवोलीमें मेकखी रेवास ठे ओ अर बई ऊतो वो
 ऊं घांनं केतो घांकेबई जागा व्यार करखनें ऊं जावुंनुं ।
- ३ ओर अर ऊं जायर चांकेबई जागा व्यार कइं तो दूजो
 बेला आवर ऊं घांनं आपके नेडा लेखुं के ऊं जीं जागा
- ४ रऊं घेपिष उठें रहि । ऊं जठें जाउंनुं सो घे जाखो
- ५ ठे उ मारगपिष घे जाखो ठे तमासुं उनें कयो के हे प्रभु
 तूं जठें जायठें न्हे आ जाखां नही इंकारख किंउखिहारें
- ६ मारग जांखसी । यिभु उंसूं कयो के ऊं मारग वा
 सत्यता वा जीववय नुं कोई लोग न्हारी बांइविना बाभां
- ७ बनें जाखेंठे नही । घे मनें अर जांखया तो न्हारें वा

- भांनेपियं जायता इं बेलासुं ये उंनें जायोगे वा देख्योगे ।
 ८ फिलिय उंनें कयो के हे प्रभु न्हाने वभो देवाय उंसूं न्हे
 ९ सांहरां जस्यां । विजु उंनें कयो के हे फिलिय जं इता-
 दिन थारें भेलो रयो तोपिय काई ते मनें जाख्यो नही जी
 जी मनें देख्यो गे उं बाभाके देख्यो गे इंकारण तूं कीतरे
 १० कैते के न्हाने वभो देवावो । तूं काई प्रतीत न करे गे के
 जं बाभके विचाले वा बाभो न्हारे विचाले जका कथा जं
 थाने कउंनु वा कथा जं आपेई कउंनु नही लेर न्हारे विच
 ११ में देखवाकी वभो के काम करेगे । मंसू प्रतीत कर के
 जं बाभाके विचमें नुं वा बाभो न्हारे विचाले गे लेर अर
 १२ नही तोपिय वे काम देवर मेंनु प्रतीत करे । जं थाने
 सपर कउंनु के जकीकोई न्हारेउपर प्रतीत करे गे
 जो काम जं करेनुं हो उपिय करसो इंसुं मोठा काम
 १३ पिय वे करसी कोस जं बाभाके जाउंनु । ये न्हारा
 नावसू अर कुहि मांगो तो जं उ कद के बाभाकी महिमा
 १४ डांडा उपर चोडे कै । न्हारा नावसू ये अर कुहि
 मांगो तो जं उ कद ये अर मेंसू प्यार करो गे तो न्हा
 १५ रो आग्या मानो । केरपिय जं नभके नेंडो प्रार्थना
 करसुं अर उ अर एक यातरीकरबवाली थाने देओ
 १६ के उ थाने भेलो रोजीना रे । साचको आत्मा उई के जीने
 १७ संसार लेसके नही कोस उंनें उ देवे नही वा जाबे नही
 लेर ये उंनें जायो गे कोस उ थाने भेलो रे गे अर थाने
 १८ विचमें पिय अही जं थाने अनाथ गेहुं नही जं थाने नेंडो
 १९ आसुं । अर थोडा दिन यनें संसार मनें न देखओ
 केर ये मनें देख्यो जं जीवतो नुं उं कारण येपिय जीवता
 २० जस्यो । उं दिन ये जाबयो के जं बाभाके विचाले नुं
 २१ वा ये न्हारे विचमें गे वा जं थाने विचमें नुं । जकी
 न्हारी आग्या आधर पानेगे उही मनें प्यार करेगे वा

- जको मेंसू प्यार करेंगे उसू नारी बाभो प्यार करसो और
 अं उनें प्यार करसुं और उंकेकने आपके चोठें करसुं ।
- २२ य्यारिओटा विगर दूजे यिइहाइ उने कयो कें हे प्रभु
 आ किसडी कथा कें आप न्हिकने आपने चोठें करसी जेर
- २३ संसारकने नही । यिअु उधलो देह उंवे कयो अर
 कीई मने प्यार करें तो नारी कथा जानसी और नारी
 बाभो उने प्यार करसी और हे उंकेकने आपर उने भेला
- २४ रैया । जको लोग मेंसू प्यार करें नही उ नारी कथा
 न जानेंगे और बका कथा घे सुखो गे सो नारी नही जेर
- २५ बाभाको कें जी तनें मेल्योने । में घकि भेलो रैर आ
- २६ कथा घाने कही गे जेर बातरकरखालो अघवा धर्माका
 कें जीनें बाभो नारा वावमें मेल देसी उ घाने सगलो अघर
 सी और में जोर कयो गे वे सगलापिख घाने याद दिरा
- २७ सी । आकेकने अं आपकी सांत राघर जाउंउं अं आप
 की सांत घाने देवुंउं जिहा संसारका लोग देवेगे तिसी
 अं घाने देवुं नही घाकी मव ददवान न होय और नही
- २८ डरें । घे सुखोने कें में घाने कयो गे कें अं जाउंउं उंके
 पनें घाकेकने दूजीवेका आखुं अर घे मेंसू प्यार करता
 तो अं बाभाकने जाउंउं नारी इ कथा उपर घे राजी जता
- २९ कोस मेंसू मोटो नारी बाभो गे । बावे पूरो होखके
 पैखडा में सगले और घाने कयो गे कें पैखडी नेखासू घे
- ३० वा प्रतीक करो । इंपनें घाके भेलो अं और मोकली
 कथा न केंसू कोस इ संसारकी राजा आवेंगे और मेंसू
- ३१ उंकी कृहि नही । जेर अं आपका बाभासू प्यार कर
 उं और उं मनें जिहा आप्या करोनें अं विखो करवुं
 संसारका रैखरखी लोगके आ जावबवेइ अं कउंउं
 उठो नै जावां ।

- १५ प्रनरमो यानो।—जं साच अंजीरको रंघ ठुं ओर
 २ नुरो नामो वेतकरणवालो ठे। न्हारो जो चावेसो
 डालो फल फलें नही वा डालो उ अलगो करेठे ओर
 जो चावेसो डालो फल फलतें उके ओर फल फलखनेई
 ३ उ साफ करेठे। अवे जो प्रथा में याने कहोठे उं
 ४ कथासुं ये साग जवाजे। ये न्हारेमें रहोगे ओर
 जं याने रजंठुं जिथो अंजीररंघमें नरेनवालीडाली
 आपेई क्युंहे फल फलें नही तिसि मेंमें रहैबिगर ये
 ५ फल फलखे न सकथो। जं अंजीरको रंघ ठुं ये डाली
 जो अर कोई न्हारे बिचमें रे वा जं उमें रजं तो उ मोक
 ला फल फलें क्योस न्हारेबिगर ये क्युंहे कर सको
 ६ नजे। कोई लंग मेंमें नहैर डाली सरीयो बगायो
 जायठे ओर सुकपिण जायठे ओर आदमी वानि भेला
 ७ करर बासदेमें बगावेठे ओर वे वल जायठे। अर ये
 मेंमें रहे ओर न्हारी कथा याने रे तो यानो जोर रुच
 ८ उ प्रथनकरखसुं यानेवेई उ करयो पडसी। याने
 मोकला फल फलखसुं न्हारे बाभाकी बडाई घोडे देठे
 ९ ये इसाई न्हारा छेजा जथो। जिथो याने मेंसुं प्यार
 १० कथेठे तियो में याने प्यार कथेठे। न्हारा प्यारमें रो
 न्हारी आग्या अर ये मानो तो न्हारे प्यारमें देखो जिथो में
 ११ आपके बाभाकी आग्या मानर उका प्यारमें रजंठुं। में
 आ कथा याने कहोठे के याने बिचमें न्हारी आनंद रहे
 १२ ओर यानो आनंद परवारे। आ न्हारी आग्या में के जि
 थो में याने प्यार कथेठे तिया ये आपतमें प्यार करे।
 १३ आपका लंगोयानेई आपको ओव देखसुं मोटा किकोई
 १४ प्यार नजे। जं याने जका आग्या देठुं वा करखसुं
 १५ ये न्हारा बंगोव्या जे। इंपठे जं याने बिकार न
 केसुं क्योस प्रभु जो काम करेठे बिकार उ जाये नही लेर

- में धानें खमोक्ष कयाउं कीस न्वारा बाभाके में जो
 १६ सुखोउं वै समसा धानें जगाया । धे मने सरावा नही
 केर में धानें सरावाउं केर धानें निरनेपिब कयाउं के धे
 आयर फल फलो केर धाका यल रई उंसु न्वारा बाभा
 १७ कमें न्वारा नावसु धे जोर मांगयो सो उ धानें देसी । ऊं
 धानें आ आया देउं के आप्तमें प्यार करो ।
 १८ धर संसार धानें नंधा करे तो धे जाओ के धाने नंधा
 १९ करयके पैलडा मने नंधाउं । धर धे इ संसारका लोग
 ऊता तो संसार आयका लोगके प्यार करतो धे इ संसा
 रका लोग नणे केर संसारसु में धानें सरावाउं इंसु
 २० संसार धानें नंदैउं । जो कथा में धानें कहीउं वा याद
 राधो के किंकर प्रभुसु मोटा नणे वै धर न्वारी दुअमबी
 करे तो आकीपिब दुअमनी करसी धर वै न्वारी कथा
 २१ मानें तो धाकीपिब कथा मांगसी । केर धे सगसा
 न्वारा नाववेई में धानें करसी कीस जी मने मल्लो
 २२ उं उंनै वै जाखे नही । धर ऊं न आतो केर धानें न
 केतो तो वाके पाप न ऊतो केर धानें उंका पापको हकयो
 २३ नउं । उको लोग मने नंदे उं उ न्वारा बाभानेपिब
 २४ नंदै उं । जो काम धेर किबी लोग कयो नही उ
 काम धर जो वाके निपने न करतो तो वाके पाप न ऊतो
 केर धानें मने वा न्वारा बाभाने वा देखोउं वा गोरु कयो
 २५ वै । केर वा किन्नी न्वारी गोरु करी उं वाके आसुमें
 २६ खिधोजई आकथा पूहीकरबनेई जो ऊता । वा
 धरकरबवालो के जीने बाभाके वनासु धाके नंडो ऊं मेध
 सुं कथावा बाभासु नीकस्थोडा सापकी आभा उ आयर
 २७ न्वारी पावदाने सापको देसी । धेपिब पैलडासु न्वारा
 मेवा-रवा-उं उंवेई धेपिब सुनतो देयो ।

- १६ सौख्यमें योनि ।—में आ कथा धानि कही वें ये न
 १ अटको वें धानि सिनमसुं बजगा करसो जोरयिब इसी
 बेला आवेंगे वें जोर धानि मारगोवरयिब समभंसी वें
 २ भगवानकी सेवा करेंगे । वें जें सगला धानि करसो
 ३ क्वीस वें नामनें अथवा मनें जावेंगे नही । खेर में
 ४ जे सगला धानि करेगे वें वा बेला आयासुं ये विचारयो
 वें में आ कथा धानि कही जें में पैखडा आ कथा धानि
 ५ न कही क्वीस जं धानि भेजो जे । खेर अवे जी
 मनें मेल्यो जें उकेकनें जं जाउंजुं जोर धानि जोर मनें
 ६ पुंते नहे वें वं कठे जायते खेर धानि नहीरी आ कथा
 ७ क्वीस धानि जीव दुषसुं भर गयो जें । खेर जं साथी
 कथा धानि कउंजुं न्हारें जाइसुं वरं धानि चौघो अजो
 क्वीस जर जं न जाउं ती वातरकरबवाजो धानिकनें न
 ८ आसो खेर जं जायरे उनें धानिकनें मेल्युं । खेर उ
 जायरे संसारकी पाप वा सचाई वा विचारका कायदामें
 ९ ग्यान देनी पापकें वासवेलीमें ग्यान देनी क्वीस वें न्हारे
 १० उपर प्रतीत करे नही । सचाईकें वासवेलीमें ग्यान
 देनी क्वीस जं आपका बाभाकनें जाउंजुं खेर ये मनें दूजो
 ११ बेला देवकें न सकयो । विचारकें वासवेलीमें ग्यान
 १२ देनी क्वीस जं संसारको रीना विचार कखेडो कै । धानि
 न्हारी खेर मोकली कथा क्वीस जें खेर वै अवे ये सैब न
 १३ सकयो । खेर उ साथी आआ आवर सगला साथमें
 धानि मारग देवाकसो क्वीस उ आपसुं न कैसो खेर
 अकी सुखसी उ कैसी खेर होखहारविषय धनि देवा
 १४ कसो । उ न्हारी महिमा चेडे करसो क्वीस न्हारे
 १५ खेर जें उ उंखेर धानि देवाकसी । बाभाको जो जें
 उ सगला न्हारो जें इबेइ में क्वीस वें उ न्हारो खेर जें
 १६ उ खेर धानि देवाकसी । छोडा दिनापनें ये मनें देव

- १७ न पाखी फेर घोडे समयपणे ये मने देवले पाखी कोसि
 १७ अं वाभरकने जाउंनु । तद उके कितक चेनां आव
 तमें कयो सो काई उके उ नाने केणे घोडीवेजापणे ये
 मने देवले न पाखी फेर घोडीवेजापणे मने देवले पाखी
 १८ कोस अं वाभरकने जाउंनु इनेई वा कयो के घोडीवेजा
 सो जका कया केणे वा काई वा जका कया केणे वा ने
 १९ समभले सवा गरी । यिसु जाखे वे वा उमे पूठे
 पाखी इंसू वाने कयो ने ने जका कया कया के घोडीवेजा
 पणे ये मने देवले नपाखी फेर घोडीवेजापणे ये मने देव
 २० सो इको तंत काई ये जायतमें पूजे गे । अं साचर घाने
 कउंनु के ये रोखे वा हाचर करखी खेर संसार राभी
 जसो घायल दुवी जसो खेर घानो कष्ट धानवने कयो
 २१ जाती । जखलकी बेला सुगारै ददेवान जखर कष्ट पाणे
 कोस उके जखलकी बेला मंडी के ते खेर डावडे जखा
 पणे डावडे संसारमें जखलके धानेदस उ कष्ट खेर धीता
 २२ रेणे नही उखार घानोपो दुव धने केणे सही खेर अं घाने
 देवसु उंसू घाने मन राभी जाती खेर घानो राभी कोई
 न मिटासी ।
 २३ उं दिन ये नारै नंडी क्युहि शरवेवा न करखो साचर में
 घाने कउंनु के नारा नावसू जो ये वाभाके नंडो मांगखी उ
 २४ घाने उ देसी । अनाइतोडी ये नारा नावसू क्युहि मांग्यो
 २५ नही तद ये पाखी के घानो राभी परवारें । परचासू खेर
 में खेर सगलो घाने कयोने खेर वा बेला आवेने के जठे अं
 खेर परचा नकेसु खेर घाने वाभाको परचा वाकर जख
 २६ सु । उं दिन ये नारा नावसू याचना करखो खेर अं
 न कउंनु के में घाने फायदामें वाभाकने शरवेवा करसु ।
 २७ कोस वाभो आवेरे घासू धार करेने कोस ये मेसू
 धार करेने खेर घानो करीने के अं वाभासू पाखीनु ।

२८. उसूँ ऊँ बाभाकनासूँ संसारमें आयो फेर संसार छिडर
 २९. ऊँ बाभाकने जंउं। उकै चेली कयो के देव सूँ आबाब
 ३०. बाबाक कथा केँते और परचा न कहैते। अने हे ठीक
 जाबांग के तूँ सैगजगोट तेँ और तने दरबार नतेँ केँ
 तने कोई पठेँ हेरमें प्रतीत करी गं केँ तूँ भगवाँवसूँ
 ३१. आयो। यिजु उचलो दीना केँ ये अने बाई प्रतीत करे।
 ३२. ते। देवा बेला आवेतेँ अबाद जवोतेँ केँ जीमें हे
 आवेसो लोग आपका संसारमें सगला विवर विवर कसो
 और मने अजो तेँ डर जासो और ऊँ एकलो नही क्योस
 ३३. बाभा नारो मेको छै। में आ कथा यने कही छेँ केँ ये
 नारासूँ सात पावे संसारमें यको दुव कसो जेर बाबर
 नमा कसो में संसारने पते कयो छेँ।

१७ सवरमोपनिषद् :—यिजु आ कथा केर स्वर्गकानी

१. देवर और कयो केँ हे बाभा बाबेला ऊईते। तेँ आप
 का डावडाने जिता लोग दीनातेँ वा सगला लोगको
 अनंत अउधो देखने सगला जीवाँउपर जो पंच वाने
 दीनाहे उंहीं माफिक आपका डावडाकी महीमा प्रगट
 २. करे केँ आरो डावडेन याकी महीमा प्रगट करे। और
 जो अनंत अउधो केँ वेँ साच बिसरिमो ईअर तने और
 ३. यिजुखोहने पिछ जयेँ केँ जीने तेँ मेल्पो छेँ। में संसार
 में धरौ मझिमा चोडे करी तेँ जको काम तेँ मने करयने
 ४. दीनातेँ ज मेँ पुरो कयोतेँ। हे बाभा संसारकेँ पैलडा
 थारो मेको नारी जो बडाई छी उँ बडाईसूँ अने आप
 ५. केँ मेको नारी बडाई कराय। तेँ संसारसूँ क्यने मने
 स्तनजेँ बाकेँकने धारो नव मेँ चोडे कयोतेँ वेँ धरौ हा
 ६. वाने मने दीनातेँ और वा धारो कथ प्रकीतेँ। और
 अने वेँ जाबक्यातेँ केँ जेर तेँ मने दीनातेँ वेँ सगला

- ८ तेंसूं जवाळें । कीस जे कथा तें मनें दोनीतें वा मनें
 वानें दोनीतें खोर वा जा लीतें खोर वा ठीक जाळीतें कें
 जं तेंसूं आयेतुं खोर वा प्रतीत करीतें कें तें मनें मेल्लेमें ।
- ९ जं वाकेंवेई याचना कबंतुं जं संसारवेई याचना कबूं नही
- १० लीर ज्यानें मनें दोनीतें वाकेंवेई कीस वै धारा । खोर
 धारा जके सो धारा खोर धारा शके सो धारा वा वाकें
- ११ विचमें खारी प्रभुता जोठें जईतें । जं संसारमें खोर
 रउंतुं नही लीर वें संसारमें रेंतें वा जं धारें जेठे जा
 उंतुं हे धर्माबाभा ज्यानें मनें दोनीतें आपका तावसुं
 वाकी रघाली कर कें ने जिया एक जं वें तिया एक जै ।
- १२ जं जितां दिन वाकें भेजो संसारमें जो तित्त दिन धारा
 नवसुं वाकी रघाली करी कें तें ज्यानें मनें दोनीतें वाकी
 में रघाली करीतें खोर धर्माबाखमें जो तें पूरा होख
 वेई वेजके अधिकारो विगर वाकी एक लोग गम नगयो
- १३ तें । अवे जं धारेंकनें आउंतुं खोर धारो आनंद
 वाकें विचालें पूरे होखवेई जं अ कथा संसारमें कउंतुं
- १४ वानें धारी कथा में दोनीतें खोर संसार वानें जोई करी
 तें कीस जिया जं संसारको नही तिया वेंपिख संसार
- १५ वा लोग नही । जं याचना न कबंतुं कें तूं वानें
- १६ संसारसुं जेनी खोर वानें वेपसुं रघाली करी । जिया
- १७ जं इ संसारेको मळु तिया वेंपिख इ संसारका मळें । वानें
- १८ धारी साचसुं निमीस कर धारी कथा साच तें । जिया
 संसारमें कें मनें मेल्लेमें तिया मेंपिख वाकें संसारमें मेल्लो
- १९ तें खोरा वाकेंवेई जं आपणें निर्मल कबंतुं कें वें साचसुं
- २० निर्मल जै । जं वाकी वाकेंवेई याचना कबूं नही लीर
 जो वाकी कथा सुखर धारेंउपर उखतीस करे वाकेंवेई
- २१ पिये कें वें एक जवे जै बाभा जं याचना कबंतुं कें जिया
 तूं धारें विचालें तें वा जं धारें विचालें तूं वेंपिख तिया
 वाकें एक जै कें संसार मतीव करे कें तें मनें मेल्लेमें ।

- २२ और जो प्रताप तें मने दीनीये वा प्रताप में वाने दीनीये
- २३ तें कें न्हारें जियो एक जेठें वैपिब वियो एक जे अंवाकें विचमें वा तू न्हारें विचमें कें तें एकमें भरवारें कें संसार जानें कें तें मने मेल्योये और वियो मेंसू प्यार कयोये तियो
- २४ वासू प्यार कयोये । हे नामा तें ज्यनि मने दीनीये अं चाउंठु कें न्हारो जो प्रताप तें करीये उ प्रताप देषलवेई अं जो आमा रजंठु कें तें उं आगा न्हारें नेंदा रहे कीस संसारको नीवदियकें पैकी तें मेंसू प्यार कयोये ।
- २५ हे सोब नामा और संसार तने जानें नही जेर में तने
- २६ जाणोये तें जो मने मेल्योये थां जो पिब जाणोये । वाकें कने में घाहो नांव घोडे कयोये और घोडे करसुं कें जो प्यारसू तें मेंसू प्यार कयोये उ प्यार वाकें विचमें जे और अंपिब वाकें विचमें तू ।

१८ सतरमो पानो ।— यिमु जा कथा केंर आयका-

विलाभियो केसोयनदीपार जवो उं आगा एक बाढी जो

१ उं बाढीमें उ वा उंजा चेबा बसा । यिऊदाह सतवनी

पिब वा आगा जाइ गयो कीस आयका विलाभियो यिमु

२ कदेई उठें जातो । तद यिऊदाह बडप्रोहवा और

कादिजियाकनीसू कोज और मुसायब पायर ससाध वा

३ नाद वा आयुष कथमें जेर उं आमा आवो । इवेई

आपकी जो दमा जसी धा मंधर यिमु नारहें गयो

४ और वाने गयो कें जे कीको योजता करीये । थां उंने

उधतो दीनो कें यिमु नरभरीनकी उपद यिमु धाल्यो

५ कें अं उई तू यिऊदाह सतवनीविब वाकें भेयो उभो

६ जवो । अं उइो तू उं वाने था कथा कैवा तें पिगलोइ

७ जायिं बूकउपर पया । तद उं दूजीवेबा वाने पुन्येइ

- ८ के ये कीने सोजोने वां कयो के यिमु नाजई नने । यिमु
 उधलो दोने के धाने में कयोने के ऊं उरंउं हवेई
 ९ अर मने सोभो ओ तो वने जाखेदो । आसगषी ऊर
 के उं जका कया कहीगे के धाने में मने दोनाने वाके
 विचमां में एक लोगपिब गमायो कही वा कया पर
 १० वारी जाव । ओमोन पितरकने एक पातो जी उं
 उनेका वा काठर बडोडापिहितके एक बडखाने माखे
 ओर उंको जीवखोकान बाठनाखी उं बडखाको नाव मख
 ११ कस । तद यिमु पितरने कयो के धारी पातो उंका
 धानेमें घालदे जको प्यालो नारे नामा मने दोनीने उं
 काई ऊं कयोखुं ।
 १२ इंपने कसकर वा जमादार वा यिजधाने विचमें धाने
 १३ का यिमुने अपडर ककयो । ओर पैवडो उंने कडाकने
 लोगया कोस उ कायाफोको सुसरोने के कयो उंसाखका
 १४ बडोडापिहित की कायाफा उ जी आसका यिजधाने
 दीनीगे के एक लोगने लोयविई मरखो ठीकडे ।
 १५ ओमोनपितर वा दूजे एक सेलो यिमुके पिनाडी गयो उ
 सेलो बडोडापिहितकनांसु ओखधीगे ओर यिमुमेखो
 १६ बडापिहितके पंघाखोलमें गयो । ओर पितर वारकाकने
 वारके उभे रयो तद जको सेलो बडापिहितकनांसु ओख
 कीगे उ वारके गयो ओर पोखाने केर पितरने भंपा
 १७ में ल्यायो । तद जका लुगाई पोखडी जी उं पितरने
 कयो के तू काई इं आदमीके एक सेलो नडे उं कयो के ऊं
 १८ उं ननु । बडया वा सिलेदार लोगा उं जमा उभा ऊ
 १९ वर वा सोनेई वीरांकी वासदे वाखर तथा । उंयने बडा
 पिहितो उंका सेजा वा सोषको वासवेखीमें यिमुने पूज्यो ।

- २० यिमु उं उचलो दीनो के में जोहें करर संसारमें बयो विष
 गगमें वा देवरांमें में रोत्रीना सिवाया के उं उं यिऊदी सदाहें
 २१ जायहें और में बुकावर कुंदि नई कयो । मनें करी
 वेई पूजेजे । आ नारो सिवायक सुबीनें वनिं पूजे
 के में वनिं करिं कथा कहें देवो में जका कथा कही वा वे
 २२ जाहेंजे । उ आ कथा केजे इमें नेडे उभो एक लोग
 सिजेदर यिमुकें थपेडे माखो और कयो के सूं करिं
 २३ बडापोहिताने हसो उचलो देवेजे । यिमु उचलो दीनो
 घर में बीठीकथा कहें के वो उं बीठीको साबतो देवो खेर
 २४ घर में पोथीकथा कहीके तो मनें को मारोजे । काया
 २५ आ बडापोहिताने खया उंनें बांवर मेङ्गेजे । श्रीमान
 पितर उभो ऊबर वासदे सेकतोजे उंनेला वा उंसूं कवेर
 के सूं करिं इ आदमीको एक चेला बनें उं फिटकार दीनो
 २६ वा कयेर के ऊं उ नई । श्रीको बांन पितर बाहनाभ्यो
 उंकारि कबीला बडापोहितवे एक पडस्यमें कयो के बाडोमें
 २७ में करिं उंके भेलो तनें देखो नही । तद पितर दूजी
 बेला गटयो और उंहेबेला कुहनें नाम दीनो ।
 २८ उं पजे प्रभाते वे कायाकाके नेंडा मंडीमें यिमुनें लेगया
 और वे आप मंडीमें ब गवा के भिसट न के खेर पिसाख
 २९ घाय सके । तद बारहें जायर पीखात् कयो के इ आद
 ३० मीउपर थे करिं टंटे देवोजे । वा उचलो देर उंसूं
 कयो के घर उ वेढो न ऊतो तो घारेकनें ने न भजाता ।
 ३१ तद पोलात् वनिं कयो के थे उंनें खेर आपका आखसरोषो
 उंको विचार करो उंमें आप कीतरेंको मोतसूं मरसी आ
 मुद्रावखनें यिमु जका कथा कहीगे वा कथा परवारक
 ३२ वेई यिऊका उंनें कयो के कियो लोगनें मार नांखयो ननिं
 ३३ डीक नही । तद पोलात् दूजीबेला मंडीमें जायर
 ३४ यिमुनें बुलाखर बोख्यो के सूं करिं यिऊकाको राजा । यिमु

उंसुं उधयो दोनो के तूं आपसूं या कथा केते अथवा
 १५ घोर कियो नारें यावदामि या कथा तने कही ते । पो
 सात् उधयो दोनो के अं काई यिकदो तुं घारें आपका
 देवनास्यायादम्यां घोर बडाभोचिवां तने नारें कने भला
 १६ हो गे तूं काई कयो ते । विमु उधयो दोनो के नारो
 राम इं संसारको कने नारो राम कर इं संसारको जतो
 तो नारा बडका राड करेता के अं यिकथां कने आख्या
 १७ नं सांउं केर नारो राम कने इं संसारको कने । इंसू
 मोसात् उंसू कयो के काई तूं राजा ते विमु उधयो केर
 कयो के तूं कहेते के अं राजा तुं इवेई अं कथोते
 घोर साधको सावतो देवने संसारसे जायो जेकालेको
 १८ जोग साधभोर केतेसे नारो कथा सुबेते । पीलात्
 उंसू कयो के साध काई घोर का केर उ घोर यिकथां के
 नेहा गयो घोर कने कयो के अं प्रभो कृहि देव देवुं
 १९ ननु । घोर थाको एक थवहार ते के अं येसावकी बेसा
 एक जोग साधकेने मुदात्त इवेई का काई थाको एक
 २० ते के अं यिकथाको प्राया जेहु । तद वां सगलां
 बिकर करर कयो के इं आदमोने नही केर नारासने
 नाराया घोरने ।

१८ उधयोसमि पावो ।—विमुने कपडर मीसात्
 २ केरडा माको । उं यते कसकर एक कांठको डीप बडा
 कर उने माधुअर दोनो घोर एक नैगकीं मीमिपिकमी
 २ वा उने कमे के हे यिकथाका राजा कथा वा उने
 ३ प्रपेइविब मायो । इ वेई पीसात् दूजीवेका नारने
 कसर कने कयो के देवो अं उने धर्मिकने स्वावतुं के
 ४ वे नारो के उको कृहि देव अं देवुं ननु । तद यिमु
 ५ कांठको डीप वा नैगकीं गाभा घोर के नोकरिया

६ उमें पीलात् वनिं कयो के उ आदमो बो देयो । इवेई बडो
 ७ वेहिवा वा आमेवा उमें देयर हेका करर कयो के उमें
 ८ हजवाबीउपर पुन करो उमें हजवाबीउपर पुन करो कोस
 ९ उको क्विह दोष जं देपुवतु । यिज्जवा उमें उथलो दोनो के
 १० नाको एक नीत उं ओर नाकी नीतसू उकीं मरबो ठीक उं
 ११ कोस आपमें भगवानको ठावडो करर जाथो । इवेई पीलात्
 १२ वा कथा सुबर वतो नीयो । ओर दुआवेला भंडोमें
 १३ नावर यिज्जुने कयो के तू कठासूं ओर यिज्जु उमें क्विही
 १४ उथलो न दोनो । तद पीलात् उंसू कयो के तू काई
 १५ मने उथलो देवे नही तू काई जनिं उं नही के तने हजवाबी
 १६ उपर पुन करबको कथवा गोटबकी मने योच उं यिज्जु
 १७ उथलो दोनो उपरसू कर वा तने दोनो न रैती तो नहरे
 १८ उपर घारी क्विह पीच होयो न सकसो इवेई जी मने
 १९ घारे हातमें भजायो उंकी कतो घामी उं । ओर
 २० उनेसासू उमें गोटबने पीलात् घारी करि ओर यिज्जवा
 २१ हेका करर कयो के कर तू इं आदमोने उं दे ता तू काई
 २२ सरको संगोयो नही उंको लोग आपने राजा करर
 २३ जाके उ काईसरका बैर करे उं । इवेई पीलात्
 २४ वा कथा सुबर यिज्जुने काठ दोनो ओर भाठाबखानाव
 २५ को एक भागा व्योतका पासब उपर बैठा एगो बोलोमें
 २६ उं कागपको भई गवता । प्रेक्षाखो सरप्रंत करउके
 २७ दिन होपीरवेला करे तद उं यिज्जवांने कयो के घाका
 २८ हाथाने देयो । ओर वां हेका कथर कयो के अलगी करो
 २९ अलगी करो उमें हजवाबीउपर पुन करो पीलात्
 ३० तने कयो के उं काई घाके राजाने हजवाबीउपर पुन
 ३१ करयुं गडपिहिवा उथलो दोनो के काईसरविगर नाके
 ३२ राजा मने । तद हजवाबीउपर मारबवेई उमें वाके
 ३३ कने भजायो ओर के यिज्जुने से मथा । उं यते

- उ प्रायकी हलवायी उमाहर मायाकी घोपरीकी नांवके
 अथवा एही बेलीमें गलगतानांवकी एक जागा गया।
- १८ वा. उनें उं जागा हलवायीउपर जड दोनो बोर उंके
 भेलादूजा दीय जहानें एकर कानी एकर घोगनें बोर
- १९ यिमुनें विच बें। बोर हलवायीउपर घोलात् एक
- २० दीव दोनो केँ घो यिमु काजरेन यिऊघांति राजा। तद
 मेकका विजया उं लेवनें वांचो कींस जी जागा यिमु हल
 वायीउपर माया गया वा जागा नगरकेँ बैरुं लु लिथो
- २१ एही वा योक् वा वाटिन् बेलीमें जे। तद यिऊघां
 केँ वेडाप्रिहिता घोलातनें कयो केँ विजयाकी राजा मतो
 लिथो बोर लिथो केँ उं आपनें यिऊघांते राजा बैर
- २२ माया। घोलात् उथलो कयो केँमें जकी लिथो जे
- २३ उ लिथो जे। तद फोज यिमुनें मुकेउपर बडर उंका
 गाभानें चार विराड कयो एकर सिलेंदारांकी एकर
 विराड उंकी बगतरपीख उंई तरें ऊई उं बगतरीमें
- २४ कठेई सांठो नजे उपरासूं सगलो बखायट जी। यंधर्म
 जका कथा लिथीगई केँ वा नारा गाभा विराड करर
 खोना बोर नारे बगतरीनेई चीठी नमी की यंध पर
 वारबनेई वा आपनमें कयो केँ ने घो न पाडां बोर कीठी
- २५ देर जाया केँ वा कीकी जंसी फोज बोभगलो कयो। यिमु
 केँ हलवायोकेँ नेडो उंकी माउ बोर उंकी मासो बोर
 कीचीवाकी बउ मादिया वा मादिया माकविनी उभीजे।
- २६ देवेई यिमु आपकी माउनें वा बाकधेकाकेँ उभो रैतो
 देवर आपकी माउनें कयो केँ हे सुगई चारा डावडानें
- २७ देव उंपते उं उंचेकाकेँ कयो केँ चारी माउनें देव उंनेई
- २८ उंकेँ बिलामें उं चेका छंनें आपकेँ भूय जेययो। घो ऊवां
 यनें सगला काम जकेँ पूरा ऊवां यिमु वा जांवर धर्मभास
- २९ प्रवारबनेई कयो केँ कं तिसायो जे। उं चेका सिरकासूं

बोखो एक ठीव उं जात्रा मेत्योनि इवेई वा एक खोज

२० सिरकासूं भरर उ आईबोक्के उपर देर उंका मुंडामें
दीने । यिमु को सिरको घोखपर कयो के पूरो कयोउं
उं यउं साधो बडकायर जोध दीने ।

२१ सरतंत करबको बेला ऊई इवेई डोक हलवांखीउपर
दोतवारने नदेबनेई यिज्जाणी पीलात्सूं बोनती करी के

२२ विन त्रिष्टी दिवउं । तद पौत्र आयर बके उंके भेला हल
वांखीउपर ज्ञानाज वाके विघालें पैलडाको पग सोर दूका

२३ कोतपोपिब पम भाजो । ओर यिमुकनें आयर उ

२४ जको अकें मखे सो देवर वा उंका पग न भाजो । ओर
एक कोम डोडवाणें भाकासूं उंकी बगल बिंधो उंवेई

२५ जोई ओर अंखी बेगो नीकलो । ओर उ देवबवाजा
एक कोम सावतो दीने ओर उंकी आ कथा साच ओर

२६ धाकें प्रतीत करबवेई उ जाबेउं के आय साच केउं । ओर
ओ यंघ पूरो घोखवेई को समबो जवो के उंको एक हाड

२७ भाजलो न पडलो । ओर एक यंघपिब के उंके जीने
वा बीबोउं उंके उपर वें निजर करसी ।

२८ आरिमातियाको युसफ् यिमुको एक चेलो ने ओर यिज्ज
काका डरसूं पाखोफड ने इयनें युसफ् पीलात्के नेंडो बीज

नो करी के यिमुको डील अं बेजाउं तद पीलात् आ
करबनें आया दीनी इवेई उ आयर यिमुको डोक खीगयो ।

२९ निबोदेमस्पिब के जको पैलाडी राक बिनुके नेंडो आयो ने
उंको आयर सेकारस वा अगद मिलावोडा बक मखसवा

३० एक ल्यायो । उपउं यिज्जाणें ओरदेखनें रोवसरीमि वा
३१ यिमुको डील ओर मसाला देर मभासूं पकियो । ओं

आगा यिमु कूमउपर मायो जवो ने उंके विघमें
एक वाडी उं वाडीमें गवी एक ओर ने के जीनें कीई

०२ आदी कदेई सुतायो मणे । उ दिन यिज्जुवाके सरवंत
करसको दिन जे इवेई वा यिज्जुने उं आमाने सुतायो कीस
वा पक्षीचेर नेंडी जी ।

- २० वीजमो यज्ञो ।— अठवाडाके पैखडे दिव बडे
प्रभात अंधारे देता मारियामादखिनी घोरकने आयर
३ देख्यो के उ भाठो घोरसु रिगस गयो जे । तद वा
दोडर ओमोनपितरकने घोर जी विलामे यिज्जु प्यार
कयो जे उंकेकनेपिब आयो क वाने कयो के की नारा
प्रभुने घोरसुं खेमविते घोर उंने कठे राखीजे वा न्हे
३ जाडी नही । उंसुं पितर वा उ दूजो वेवो वारके निवसर
७ घोरकेकने आया । नें साय १ देखा खेर दूजो वेवो
५ पितरसुं वेगो दोडर पैखडाई घोरकने योयो । घोर
६ मुकर उ राखीडे गामो देख्यो खेर मांय न कयो । उं
यजे ओमोनपितर पिनाडी आयर घोरके मांय गयो वा
७ उ राखीडे गामो वा जी अंगोणसुं उंकोमाधी बांधो
जे गामाके भेवो नही लेर पलेवो उ अंगोणे अजादो
७ देख्यो । उंपजे अके वेवा पैखडा घोरकने आथाण
८ वा पिब मांय बडर देख्यो फेर प्रतोवपिब करी । कीस
वे अठातोडी घर्मनासको वारद जांबवा मण के उ दूजो
१० वेवा मुकर मोतसुं उपडसो । उंपजे वेवा दूजीवेवा
आपकेर अंपडे गया ।
११ खेर मारिया वारके घोरकने दोवतो उभो रही घोर
१२ दोता १ मुकर घोरने देवो । घोर यिज्जुवा डीकके सुवख
को जागा पैठोडा घोलागामा पैखां दाय हवकारा देख्यो
१३ एक लोग मिरांथे घोर दूजो यमांथे । घोर वा उंने
कयो के हे सुगाई कानिई देवेजे उं वाने कयो के कोई सा
दमो नारा प्रभुने खेमवो । घोर उंने कठे राखी जे आ

- १३ अ न बाबुं हवेई रोवुं । उं आ कथा केर मूंडा मोहर
 यिमुने उभो ऊवो देवो खेर शोखो नशो के उ यिमुने ।
- १५ यिमु उने कयो के हे कुगारं तू की रोवेते कीने सोभेते
 उं उने बागवान जाबर कयो के हे बागवान अर तू उने
 कठालू खेगयो के तो मने के दे के उने कठे राख्यो ते के
- १६ उसू अं उवे लेजाउं । यिमु उने कयो के हे मारिया
 १७ उं किरर उने कयो के रबीनि अथवा हे नारा गुरा । यिमु
 उने कयो के मने मही भौट कोस अं कवे आपका बाभा
 कने उवो नशो खेर नारा भावाकने जायर वाने कैदे के
 नारा बाभाकने वा थाका बाभाकने वा नारा भगवानकने
- १८ खोर थाका भगवानकने अं उपहुं । मारियामादखिनी
 जायर चेखाने कयो के थापाका प्रभुकोदेवालो खाधो ते
 वा उं बैसगलो कथा उसू कहे जी ।
- १९ अठवाडाके पैलडे दिन उंई दिन संज्याको बेला जी जागा
 विहवाके भयमे बेला बेला ऊवा ते उं जागाको किंवा
 डी लागायते यिमु जायर निचाले उभो ऊवो वा वाने
- २० कोखो के थाको जाति के । उं आ कथा केर आपको
 खाथ वा बगल वाने दिवारं तद बेला प्रभुने देवर राजी
- २१ ऊवा । उं बेला यिमु फेर वाने कयो के थाको जाति के
 जियो नहिं वाने मने मेख्योते तिखा अं थाके मेखुतुं ।
- २२ खोर उं आ कथा केर वाने उपर निवास नाखी खोर कयो
 २३ के धर्माखाने खाधो । थाका पाप थे नुडावो वा उप
 रासुं वे नुडाया गयाते खोर थाका पाप थे उसारं राखे
 तो के उसारं रते ।
- २४ खेर समास जावको वारामे एक लोग जीको विख्यात
 २५ नावे दिदिमसु प्रद यिमु आवो उनेवा उ वाने भेला गयो ।
 इनेई दूजा चेखा उने कयो के हे प्रभुने देवोते खेर उं कयो
 के उने हाथके भौटोराका दागा निगर देखा के नारी

आंगुली भीटोराका दागमें बिगर दीयां छोर उंको बाध
में न्हारी हाथपिख बिगर दीनां ऊं प्रतीत न करयुं ।

- २६ साठ दिनपठें उंका चेला फेर मांय न छोर तमापिख
वाकें भेजे ते तद कीवाड अथां ऊवां पठें यिन्नु बिचमें उभो
२७ ऊभो छोर जेको कें धाकी जांत कें । उं पठें उं तमासनें
कयो कें धारो आंगुली बंधायर न्हारो हाथ देव छोर धारो
हाथ पसारर न्हारो बगलमें घाल वा अंगीभानी मतो कै
२८ लेर प्रतीतवंत को । उपर तमास उचलो देर उंमें कयो कें
२९ हे न्हारा प्रभु वा न्हारा भगवान् । तद यिन्नु उंमें कयो कें हे
तमासुं मनें देवर प्रतीत करीं ज्यां बिगर दिव्यां प्रतीत
३० करीं वें धन ।

छोर मोकला अठेरा काम यिन्नु आयका चेलासांमा
काया कें अके ऊं यंधमें लिखा नही लेर कें अें लिखी गईं
कें ये प्रतीत करो यिन्नु भगवानको डावडो जोरुं छोर
प्रतीत करर उंका नांवका उकराससुं जोवतथ पावो ।

- २१ इकोसमो यानो ।—इंपठें वोवोरिया दरियावकें
किराहें यिन्नु दूजीबेला चेलाकनें आपनें दिवाया छोर इं
२ तरें उं आपनें देवाल्हो । ओमन् पितर वा तमास उंको
निवियातनाम दिदिमस् वा गालिलिकें कानाको नतान
एल वा जेवदिका डावडा वा उंका छोर दीय चेला एक
३ ठोड ऊवा । ओमन् पितर वानें कयो कें मन्गी मारखनें
जाउंठुं वां कयो कें न्हे पिख धारुं साथे जावां तद वें जायर
भाट नावउपर चला छोर उंरातका कुंछि कपडीजी
४ नही । अभांत ऊवां पठें यिन्नु किराहें उभा ऊवां लेर
५ पैलां न जाण्यो कें उ यिन्नु । तद यिन्नु वानें कयो कें
हे डावडा थाकेंकनें कुंछी घांखनें ७ वां उंमें उचलो

- ६ दोनो के नही । उं वाने कयो के नावके जीवलीकांनो
 कास बमवे। तद अघसो इवेई वां तद उ बगायांपने
 मोकली मज्यांका बोभसू तांख न अक्का इवेई जी
 चेलासू विभु प्यार कयेगे उ चेला पितरने कयो के उ प्रभु
 ७ ॐ । उ प्रभु ॐ श्रीमन्पितर आ कथा सुखर आपका
 पारधीको सिणगर डोलउपर बांधो क्योस उ नागो गे
 ८ उंपने दशियावमें कूदियो । दूजा चेला पिण फास मजो
 सुधो तांखवार डुंडा उपर किराडे आया क्योस किराडे
 ९ मोकली अजगो मजो लेर हाथ दोयसैक गे । वे किरा
 डे बग्यां घोराको धमधम्योडे बासदे और मजो उके उपर
 १० वा बाटी उं जागमें देघी । विभु वाने कयो के
 जका मजो अबाह कपडोने उंमसुं चिनसी ल्यावे ।
 ११ श्रीमन् पितर जायर मोटी मज्यांकी भयोडे फास किरा
 डे तांखो एकसो तेपन मजो गे लेर इती मोकली अवांसुं
 १२ पिण फास नफये । विभु वाने कयो के आवो घावे
 और तू कुण उने आ पुण्यकी कियि चेलाको मुंडो नघे ।
 १३ क्योस वा अंख्यो के उ प्रभु ॐ तद विभु आयर वाटी वा
 १४ मजो खीनी वा वाने दोनी । मोतसू उषयांपने
 आपका चेलाने विभुके दिवालो देखको तीजीबेला आ ।
 १५ वां घायांपने विभु श्रीमन्पितरने कयो के हे योनाका
 डावडा श्रीमन् तू काई यंसगलासू मने प्यार करेने
 उं उने कयो के हां प्रभु तू जांखेने के जं तेसू प्यार करुं
 १६ टुं उं उने कयो के न्हारा गाडरका बघाने घाल । उं
 दूजीबेला पिण उंसू कयो के हे योनाका डावडा श्रीमन्
 १७ तू काई मेसू प्यार करेने उं कयो के हां प्रभु तू जांखे
 ने के जं तने प्यार करेनुं उं उने कयो के न्हारा गाडराने
 घाल उं उने तीजीबेला कयो के हे योनाका डावडा श्रीमन्
 तू काई मेसू प्यार करेने पितर दुघी अवे के उं तीजीबेला

- कयो के तूं काई मेंसूं प्यार करेते और बोल्हो के हे
 प्रभु तूं सैगलगाठ तूं जाखेते के जं तेसूं प्यार करेते।
- १८ यिमु उंसूं कयो के न्हारा गाडरनिं पालो । साघर जं
 तने कउंउं के जद तूं मोळार जे तद ते आपकी मरदमी
 करर जठे धारी राओ उठे तूं गयोते खेर जद तूं डोकरो
 कुसी तद तूं हाघ लावा करसी ओ दूजाकोई तने
 बांधर जी जागा धारो मन नही उं जागा तने जेजासी ।
- १९ उ जको मोतसूं भगवानको महात्मा घोडे करसी आ
 जखीवखवेई उं आ कथा कही उं आ कथा कैर उंने कयो
- २० के तूं न्हारे पिगडो आ । पितर आय फिरर उं चेजा
 ने पिगडो आतो देखो के जीने यिमु प्यार कयो और
 रातकी घांखकीबेला उंकी गतीउपर खडीदेर जी कयो
- २१ के हे प्रभु तने दूजाका कबजमें करसी उ कूल ठे । पितर उंने
 देघर यिमुने कयो के हे प्रभु ओ आदमी पिख काई करसी ।
- २२ यिमु उंसूं कयो के अर न्हारे गरज के के उ न्हारे आवख
 तोडो रे तो उंनूं धारो काई काम तूं न्हारे पिगडो आ ।
- २३ तद आ कथा भायामे पसरगई के उ चेलो नमरसी तो पिख
 यिमु कयो नही के उ मरसी नही खेर अर न्हारी गरज के
 के उ न्हारे आवखतोडो रे तो उंसूं धारो काई काम ।
- २४ ओ उही चेलो के जको इं घासयेकीकी साबूत देवेते वा
 आ कथा लिवेते और न्हे जांखांजां के उंको साबतो साघ
- २५ ठे । यिमुसूं कयोडा औरर पिख मोक्का काम ठे
 वे सगला अर बिधा जाय तो जं समभूं के संसार अर्क
 वे सगली लीघोयोडीयोष्ठां राखे न अक्या । यामिन् ।

हलकारांका काम ।

१ पैलडो पानो ।

- १ हे तियोफिलस यिभु आपका मनमाफिक हलकारांके धर्माबासू आया देखके यणे भीदिन उ उपर लीये
- २ गयोणे उं दिनतोडी जेर करण वा निवत्तया उं सुद कयो
- ३ उं सगती कासवेलीमें वा पैलडोपोधी में ब्याईणें । उ वां हलकारांसू घालीन दिनतोडी नांवादीक जयर खोर भगवांनके राजके फायदामें कथा करे मोकलांसू ठीक साववेदेर आपके मोत यणे आपानें वांकेकने दिवास्त्ये ।
- ४ खोर वांके भेला पांचो जयर यिदमलम् जोडर न जाब को आया वानें दोनी लेर कथा के नाभाको जको करार
- ५ ये न्हारेकने सुखोणे उंकी नाडजेवे । क्वांस मोहन पांखीमें डुभोदिराई सखो लेर थोडादिनांपणे ये धर्मा
- ६ कामें डुभोदिराथोडा जखो । उंपणे वें भेला जयर उंने आ कथा पुनी के हे प्रभु तूं काई यिभराखको राज
- ७ खने करे कायम कर देनी । उं वानें कथे के नामें जको समय वा ठालयोकीवेसा आपके अधीनतामें राखो
- ८ उं उ जाबखो यनि अधिकार नणे । लेर धर्माआ पांके उपर आया यणे ये पोच लाखयो उंसू यिदमलम् वा यिददाह सगला मुलकमें वा जमरोनमें वा संसारकी
- ९ सीवतोडो ये न्हारा सायदी जखो । वें देवतार उ आ

- कथा केर उपराने लीनो गयो वा वाँकी हृष्टसूँ एक मेह
- १० उने लीनो । उकेँ उपरको जाँयकीबेला वेँ खर्गकाँनो
ठोक देवतार देवो देयलोग भोलागामा पैयाँ वाँकेँकनेँ
- ११ उभा जवा । वाँ कयो केँ हे गालिलिका लोग थे खर्गकाँनी
देवता की उभागे ओ यिमु केँ जकी थाँकेँ काँनीसूँ खर्गमें
लीनो गयोनेँ थे बियो उकेँ खर्गमें जाँवयो देव्याँनेँ उसेई
उ फेर आसी ।
- १२ उंपनेँ वेँ जेतानकेँ परवतसूँ यिहअलममें मुडगया
उ परवत यिहअलमसूँ एक सावता दिनको मारगनेँ ।
- १३ ओर वेँ नगरमें बडर उपरलो एक मेंडोमें गया उँ जागा
पितर वा याञ्जकुब् वा योहन् वा झांजुं वा फिलिप् वा
समास्वा वाँतीजमो वा मातिउ ओर खाल्फिका डावडा
याञ्जकुब् ओर श्रीमन् जिबोतिसूँ वा याञ्जकुब्को भाई यिह
१४ दाहूँने । सुगायाँ वा यिमुकी माउ मारिया वा उँका
भायाँभेला वेँ सगला एक मनसूँ मार्घना वा वीनती करवा
रया ।
- १५ चेलाँका नाँव सगला करर एकसो बीभेक न्ना उँ बेला
- १६ वाँकेँ बिचालेँ पितर उपडर बेल्यो केँ हे आदमी हे
भाई थ्याँ यिमुनेँ कपयोने वाँकेँ मारग दिवावखवाले
यिहदाहका फायदाने जकी आस्र दाउदका मुंडासूँ
धर्मात्मा पैलडा कयोनेउ आस्र पूरे।हेनको निभेँने ।
- १७ कीँस उ लोग न्नाकेँ भेला गिण्ठो गयोने वा इँ चाकरीको
- १८ कोठार लायोने । इँ आदमी अयधार्थकी नूनराई देर
वेत मोल लीनो उंपनेँ उंधेमुँडेँ धरतीउपर पडर बीवा
- १९ लेँ पाठ गयो ओर उँकी सगली अंताँ नीकलपडी । यिह
अलमका रैखवाला सगला लोगाँकनेँ अँ काम चोडेँ जवा
उंसूँ वाँकी बेलीमें उँ खेतको नाँव हकेलदमा कयो जायनेँ
- २० अथवा लोईको वेत । गीतकी पोथीमें आ कथा ओषीनेँ केँ

- उंको रैखकी जागा जोड के वा कोई उंमें नरहे और उंकी
- २१ चाकरी और कोई लोग लेवे । इंवेई जोदिन उं न्हा कनासूं बीनागे घोहनकी दुबोदिरावणसूं उं दिनतोडो
 - २२ जितादिन प्रभु यिनु न्हाके बिषमें आवागमल कयो जके आदमी न्हाके भेजा ऊवा वां आदम्याका एक लोगने न्हाके
 - २३ भेला उंके फेरउपडबको सायदो करखो निभेउं । इंवेई युसफ् के जीने बारमवा केउं और जीकी विध्यात नाव यक्षस् और मतोया कै दान्यु आदम्याने वां निभे कयो ।
 - २४ तद वां प्राथना करर कयो के हे सगखाका मनजाबखवाखा यिजह् यां दौयआदम्याने तें जिने सरायोउं वा जबावे के
 - २५ उ वा चाकरी वा हलकाराई लेवे के जीसूं आपकी जागा
 - २६ जावणवेई यिजदाह् घांमी करर अखयो ऊवागे । उं पठे वां गोखो विराड कयो और विराड मातिया उपर आयो खंसूं उ इंग्यारे हलकारांभेला गिण्यो गयो ।

२ दूजे यानो ।—पेन्तिकस दिन पूराहोवणसूं वे

- १ सगखा एकमना ऊयर एक जागा यांथा ऊवा । उंवेला खर्गसूं आधोडो मोठो करडो बायरासरोवी साद एकीबार
- २ आयो और जी भूपामें वे बैठेया उ भूपे वांसूं भरीख्यो । तद नासदेसरोवी फाटोडो जोभ देवणमें आई और चावे
- ३ जी आदमो उपर बैठो । उंसूं वे समजा धर्मात्मासूं पूरा ऊवा और आत्मानें जिणो वावे केबदोना तिसो और मोली
- ४ मोलय जागा । उंवेला खर्गका निषला चावेसो
- ५ देअसूं पुनवत यिजदो यिबमलममें रया जा । के काम घोडे ऊवापठे धाड एक जागा भागर आई और चावेसो
- लोम आपकेर बोलीसूं बोलेउं वाने आ सुखणसूं हदि
- ६ यायो । इंवेई वे सगखा अउेरा जायर वा चकधुंया ऊयर आपतमें बोल्या के देधो जका कया केउं वे सगखी

- ८ काई गाजिजि नरें। तो हे आपकार मनदेमकी
 ९ बालीसूं नांकी कथा कौतरें सुखां। यार्ती वा मांदो
 वा काईलमी वा मेसोपोतामिया वा यिज्जदाह् देम वा
 कापादोकिया वा यंतसुवा कासिया वा क्रिगिया वा यंपली
 १० या वा मिसर वा किरयीकेनेका खिबो वा देमको विराड
 इर देममें रैखवालां वा उठाको मुसाफरीकरखवाछा
 ११ दमी वा यिज्जदी वा बिज्जदी मज्जबी। वा अती
 वा अरबी हे आपकोर बालीसूं वें भग्वांनका मोटा
 १२ काम कैरें। वा हे सुखां इंसूं इकी तंत काई आ
 कथा आपतमें कौता वें समता यकधुंधा वा अपतीतो ऊवा।
 १३ और कीकीर मसकूकरी करर कथो कें वें आदमी नबो
 दरघका रससूं मस्ताना रें।
 १४ और इगारें चेलां भेजो पिसर उमें ऊयर मोटासूं
 वनें कथो कें हे यिज्जदी लोय वा विहन्नका रैखवाला
 १५ घे आ नायो वा न्दारी कथा सुयो। कौंस वाली एक
 और दिन ऊवांसूं घे जिसे मनमें ल्यावोठो तिसा अ
 १६ मस्तान नरें। और ओ उ कें जको बोएछ नबी कही
 १७ कें यिज्जह् कौरे कें उठलेदिनमें इसी ऊसी कें ऊं आपको
 आला सगला जिनांवरां उपर कूठसूं उंसूं धाकें डावडा
 डावडो निमितियांको कथा केंसी धाकें मोट्यार लोग
 दिवालो देवसी और धाकें डोफरा लोग पिय सुपना देव
 १८ सी। और न्दारा गोला वा नुनराकें उपर वा दिनांमें
 ऊं आपको आला कूठसूं उंसूं वें निमितियांकी कथा केंसी।
 १९ और ऊं उपर अगंसूं लच्छ देवाजसूं और नोवें धरतीसूं
 सेनाख दिवाखसूं अथवा लोई वा वासदे वा धुंवासरोषो
 २० मेह और यिज्जह्को उ मोटा वा अनोषा दिनाकें पैखडा
 २१ घूरज अंधारो ऊज्यासी व चंद्रमा लोई ऊज्यासी। और
 इसी ऊसी कें जको कौरे यिज्जह्का नावसूं प्रार्थना करसी

- २२ उलोग उदार पासो । हे यिन्नराहकी जोगां आ कथा सुखो भगवान् जके अनेरा और अनेवाकांम और कथा उके मारकात् घाके निघाके कथो- जिष्ठा येपिषा आंखो यां सगलांसू भगवानके मनसायिक जको एक जोग यिन्नु
- २३ नाजरेन चें । उ भगवानके ठोक कथो डो निजल वा आगम आनसू भाजायोडाअयर जे लैर वोटाहाथांसू जूजउपर
- २४ अडर मारनांघ्योने । भगवान मोसका बंधखा घोजर जीने उपाधोने कोस उंसू उंको कपडरैयको असाथये
- २५ दाउद उके वासवेजीमें कथो के में न्हारे स मो यिज्जहने रोओना ज्ञाखोने उ न्हारे जीवखोनेके अं चलाय नजं ।
- २६ उंवेई न्हारो मन राजी वा न्हारो जिभ खुन्नहै न्हारो
- २७ डीजपिषा मरोसासू सुखी । कोस न्हारा आमाने वू नोचणी भूममें जेडर, बजासी तू आयका धर्मांने
- २८ सद्यापयोपिषा देव न देसी । तें मने जीवसयको मारग दिषाल्योने वू आयको मुठो दिषायर न्हारो मन राजीसू
- २९ भयोपुयो करसी । हे आदमी भायां दाउद पित राका आयदामें घांने मने विगरअटकावसू केख दोख्यो के उ मखोने और घोरमें खांख गयो ने और उंकी घोर
- ३० न्हाके अठे अवादतोडोपिषा ने । उ नि मफिरो अयर वा उंका तघतउपर बैठखनेई भगवान जो उंके कूजजाव डावडो खेष्टने उपजासी भगवान जको उंकेकने आ कथा सुंसकाछर कहीने उंआ जांखर और पैखडा वाखखवाली
- ३१ अयर खीष्टके फेरउपडखके वासवेजीमें कथो के उंकी आत्मा नोचणीभूममें जेडी न गई और उंकी डोख
- ३२ सयानें न देवी उ यिन्नुने ईश्वर उपाधोने के जूक्रा
- ३३ सायदी ने जा । उ भगवानके जीवखो उपाधो गयो अयर और वाभाकनांसू धर्माका दांनका कहाद

- ३० काधर ओ बूढो तें के जको धे देवोते वा सुबोते । दाउद
 कागमें उपजो नही सही खेर उ कयो के यिऊह न्हारा
- ३५ भगवानने कयो के जठातोडी घांका बैयानें घांकी पगमंडो
- ३६ ऊं नरकवें वठातोडी न्हारें जीवयो बैठें । इवेई यिऊ
 राएखका सगला कूल ठोक जाण्यां के धे जीनें हलवाखी
 उपर धून कयो भगवान उ यिऊनें प्रभु वा खीष्ट यादो
- ३७ यानें कयातें । वा आ कथा सुखर मनमें नीधोडा ऊधर
 खोर पितर वा दूजा हलकारानें कयो के हे आदमी
- ३८ हे भाई हे काई करखा । पितर वाने कयो के वामखा
 करो और पापनुठखनेई पावेसो लोग यिऊखीष्टको गांव
- ३९ सूं दुबोदिरायोडी को उंसू धमीका दान पासी । कोस
 उ करार थाके उपर वा घांका डावडाउपर और जिता
 लोग बलगातें अथवा यिऊह न्हारें इंधर जिता लोगानें
- ४० बुलासी वाके उपरपिख तें । उपतें वा घांटेमारम
 यलखवालांलोगानें आपानें लुडावे आ कथा और दुजोइ
 रसीमेकली कथासूं उं सावतो दीने वा मोंहिव
 करो ।
- ४१ उंसूं जिता लोगां राजीमनसूं उंकी कथा आरे करी
 जिता लोग दुबोव्याज और उंई दिन हजारतोनेक
- ४२ लोग वांका भेलपो कया गया । और वें हलकाराके
 सिधावखमें वा संगवमें वा बाटोभाजखसूं वा प्रार्थना करख
- ४३ में रोखीना बैखीन ऊवा । उवेई सगलां आदस्यांउपर भय
 पयो और हलकारासूं मेकला काम वा लक्षणाकया गया ।
- ४४ ग्नी प्रतीव करी वें सगला लोगपिख भेलांज वें सगली
- ४५ बलमें बरोबर कोठारी ऊवा । और आपको कोठार वा
 धन बेधर सगलाके गरजडाफिक सगलानें विरोड करद
- ४६ दीने । और एक मनऊयर रोजिना देवरामें रेंद वा भूप
 में गढोभाजर राजीमन वा एकमनासूं भगवानको सुतो

७७ करता वा सगळांकने राजीनाजी जयर आपकी घुराककी बख्त घाई और इसा आदमाने भगवान रोजीना टोषीका साथी मिलाये के जको उबार याया ।

- ३ तीजे याने ।—उपडे पार्थवाकीपुल अथवा तीजापोरकीनेका पितर और योहन एकबसाये देवरामे २ गया । माउकापेटसू वेडो एक लोगने उं जागा उवबर लेगया जीने देवरामे जावबवाळांकने थारो मांगब वेई लोगा मंदरके घोषानावका बारखामे रोजीना राख्यो ।
- ३ देवरामे जावबने थार पितर वा योहनने देवर उं आदमी ७ भीष मांगो । तद पितर वा योहन उंकेकानो एक ५ दृष्टकरर कयो के न्हकेकानो देष । वाकेकनासू कुंदि ६ पासो के भरोसा करर उंलोग वाकी कथा मानो । उं उपर पितर कयो के न्हारो हपो सेने कुंदि नडे लेर न्हारो जको ते सो तने देउंनुं यिमुखीछ नाजरेनका ७ नावसू उठ चाल । उं पडे उंको जीवखो हाथ कप डर उं उंने उपायो उंसू उंका प्रग वा गांठा ठोक भेद ८ पायो । उंसू उ दडवडीदेर उभे जवो वा चाल्यो वा चालतां वा दडवडी देतां वा भगवानकी खुती करतां ९ वाके भेला देवरामे बयो । तद सगळा ले गां उंन भठकते १० वा भगवानकी खुती करता देख्यो । और वां जांथो के जको लोग भीष मांगबने देवराका सुंदर बारखामे बैठे जे उ उई लोग ते उपडे उंको जको जवो उंसू वे मोकला ११ अउरो जांथो वा हदियावखसू नेछिग्या । जे वेडो लोग घोषे कखो गयो जे उं आदमी पितर वा योहनने कपयो उंनेका सगळा लोग चकपुंधा जयर जलमनको वरमेदे नावकी वरमेदाउपर वांकने भागर आया ।
- १२ पितर उ देवर लोगाने कयो के हे यिभराइजी लोग

- ये इ कामसुं अउरो को जावेजे और आपके बसुं
 अथवा अर्धसुं हे इनें जलाये जिसे नार्केउपर देवे
 १३ तिखो नार्केउपर एक दृष्टसुं को देवेजे । आबरहाम्
 वा यिखान् वा याअकूबका भगवान् नार्के पितरलोगाके
 भगवान् आपके डावडो यिजुर्न महाओ कखोते के ये जीनें
 पारका हाथमें मलखो और बीजात् जीवेला उनें जेड
 खको करार कखोते उवेला उनें पोसात्तमामो फिटकायो ।
 १४ खेर ये उ अर्मी वा सिब आदमीनें फिटकार कयो और
 १५ माथि के एक सोम घुनकरखवालो थाकेकनें दीना जाव । वा
 जीदगीका राजाने मारनाथो के जीनें भगवान् मोतसुं उघा
 १६ जो जी वासवेजीमें हे सायदी अवांगी । और उंका नांव
 उपर जका प्रतीव उसुं उंका नांव या आदम्यानें बलवान्
 कखोते के जीनें से देवेजे और बीजवेजे और उसुं जका
 प्रतीव उं प्रतीव थां सगलाकेसांमी उनें आ पूरीआराम
 १७ दीना ते । इनेई अब हे भाई अं जाखुंते के ये वा थाके
 १८ महर्बका अग्र्यांसुं उ कखोते । खेर भगवान् आप
 का सगला निमित्तियामें बोलीसुं जका कथा फेडे करीते
 १९ के खीर मरसी उं इतरेंसुं पूराकखोते इंसुं वामला
 करो वा दिसमेडे के चैनकीवेला जद यिअहकेकनांसुं
 २० आसो और जीबिला उ यिजुखीरनें मेजसी के जीके फाय
 दामें पैजडा थाकनें हुडी दीनांगी उवेला थाका पाप लुटे ।
 २१ कोस भगवान् जको मुन्यवंतनिमित्तियो संसारके ठेटकी
 बेलासुं ते वा सगलाके बोलीसुं सगलो बसको जका
 औरकायमकरखको कथा कहोते वानेला जद आसो उं
 २२ बेलातोडी सर्गनें उनें लैखो ठीकते । मोअह पितरलोगा
 कनें कयो के यिअह थाको भगवान् थाका भावांसुं नारे
 इरो एक मनोनें थाकेवेई निनें उपजासो सगलो घाम
 बेजीमें जकार कथा उ थामें कोसो उं सगलो वासवेजीमें

- २३ उंकी कथा सुबधो । जको चावेसो लोम उं निजितिया
 की कथा न सुबसी उंने आयका कोमाके विघालासूं मार
 २४ नांघरो पडसी । मामूख् वा दूजा जिता निमित्तिवा
 २५ कदोले वां सगला कदोले के को दिन ऊसो । ये निमि
 त्तियाका डावडा रो वा थारा डावडामें संसारका सगला
 कुल आजीस मांसो आवरहामने आ कथा केर भगवान
 न्हाके पितरलोगाकेभेलो जको कोल कयो उं करारका
 २६ डावडापिख ये रो । थाके चावेजो आदमीने उंका पापसूं
 मोडबसूं थाने, आजीस देखने भगवान आयका डावडा
 यिसुने उपाडर पैलडा थाकेकने भेलोले ।

- ३ चौथो पाने ।—वे लोगाकेने कथा कैतार मोहित
 १ वा देवराका घणो वा सादुकि वाके लोगांने सिवावणसूं
 वा विभुसूं फेरउपडखो छंडेरो फेरणसूं निराजी ऊयर
 २ वाके नेडा आया । ओर वाने हाथसूं अपडर दूजा
 ३ दिवतोडो अटक कयो कीस उंनेला संख्या ऊई । केर
 . थां वा कथा सुखीजी वाके विघमें मोकला लोगां प्रतीत
 करी वां लोगाके संख्या हजारपधिक जी ।
 ५ दूजेदिन वाके महर्षक वा पुराखा ओर उपाध्याय वा खन्न
 बडाप्रोहित वा कायाफा वा योहन वा आलोक्यां वा
 ६ बडाप्रोहिताके कवीखो जिता लोम उं सगली यिरुन्नलम्
 ७ में प्राणा ऊवा । उंपने वाके विघमें उभा करावर वा
 पूण्यो के ये कीं पोचसूं अथवा कीं नावसूं ओ कयोले ।
 ८ तद पितर धर्मात्मासूं पूरो ऊयर वानेकयो के हे लोगांका
 घणी वा यिन्नरायनका बोदोडा उं दुबला मंखडउपर
 ९ जके पोषाकाम करणने उं कीतरें धंन पायोले इं वास
 १० वेलीमें अर न्हे आज मनसेनो कयोडा कां तो ये आ जांयो
 ओर यिन्नरायलो सगला लोमपिख जांके के जी विभुखोर

- नाजरेनमें ये हलवांबोउपर माखोतें जीनें भगवान्
 मोतसूं उघाजोतें उंका नांवसूं अथवा उंका उकराससूं
 ११ ओ आदमी चाकें सामो ताजो ऊपर उभोतें । ये
 सिलवटी निकमो कखोडो भाठो ओ तें कें जको वूखांको
 १२ सिलेंदार ऊ गयो तें दूजा कींसूं उदार नतें कोस
 सर्गकें नीचें आदम्याकें बिपाकें जीमें न्हको उदार कै हसो
 दूजोकोई नांव दीयेडो नहोतें ।
- १३ वां पितर वा योहनको निडरमन देवर ओर वें जकें
 ठोठ वा बिरलो लोग आ पिब समभर अउरो बाळें
 १४ ओर जाबगया कें वें यिमुकें भेलाज । उं पतें वांके
 बिघमें उभो उं ताजोऊवोडा आदमीनें देवर वें कुंदि बुरी
 १५ कें न सक्या । लेर वांनें पंचायतकें बारखें जांवनें ओर वांके
 १६ आप्तमें सखा करर कयो कें न्ह यां आदम्यानें काई करखां
 कोस बिबअलमवासी सगलाकें सामो घोडेंतें कें वासू एकवि
 ध्यातकाम कखोगयो तें न्ह पिब उंनें फिटकारख सकां नहो ।
 १७ लेर वां लोगांमें ओर न पसरखबेई न्ह तोसीस देखको काठो
 करार करर बरजेकें इबेलासूं इं नांवसूं किनेई न नहें ।
 १८ उं पतें वांन बुलायर वां यिमुका नांवसूं कुंदि केंयनें अथवा
 १९ मिघावणनें बरज्या । लेर पितर ओर योहन उघजो देर
 वांनें कयो कें भगवान्की आग्यासूं चाकी आग्या सुखबो
 सगवांनको दृष्टमें ठीकतें अथवा बहो ओ ये बिचारो ।
 २० कोस न्ह जको देख्योतें वा सुन्योतें उंका न केनो न्ह करसकां
 २१ नहो जी आदमीउपर ओ ताजो करखको अउरोकाम
 कखो गयोओ उं आदमीको उमर चाळीस बरसांसूं बत्ती
 २२ जो । इं कारख लोगांसूं वांनें तोसीस देखबेई कुंदि न
 लाधर वां वांनें तोसीस देखनें ओर करार करायर जेओ
 कोस जको काम कौनो गयोओ उंसूं सगलालोगां भगवान्की
 महिमा घोडें करी ।

- २३ वें नुटर आपका मिलापी लोगाँकेकने गया और बड़ा प्रीहता वा बेदाडाँलोगाँ वने जको कयोणे उ कयो ।
- २४ वाँ उ सुखर एकमना जयर भगवानकने मोटा सादसूँ कयो केँ हे मभु तूँ भगवान ठेँ केँ जीँ खर्ग वा धरती वा
- २५ दरियाव वा वानेँ जिना ठेँ वाँ सगलानेँ उघजाया केँ जीँ आपका चेला दाउदकी बोलीसूँ आ कथा कही केँ गेली क्वाबिई विराजी ऊवा वाँ क्वाबिई लोगाँ निकमेर
- २६ सोच कयो । संसारका राजाँ उभा ऊवा वा महर्ध काँ विजहवे वा उंका अभिवेष कयोडाके बेंरमें एक मबसेर
- २७ बी ऊवा । क्वाँस ओ ठोक ठेँ केँ थारो घर्मीँ डावडेा विजु केँ जीनेँ तें अभिवेष कयोठेँ उंकेँ बेंरमें थारो हाथ वा थाकी विसजता जका होखहारमायिक भगवाडी का
- २८ यम कयो ठेा उ काम करखनेँ हेरोद् वा पन्तियस्थीलात् और देनका आदमी वा विसराएली लोगाँ सूधा एक
- २९ पाँथा ऊवा । अबेँ हेँ विजह वंको तामसुँदेयो और चैन
- ३० करखनेँ आपकी हाथ पसारखसूँ और लक्ष्य वा अठेरा काम थारो घर्मीँ डावडेा विजुका जाँवका उकराससूँ करखसूँ आपकेँ चाकरानेँ बेतसेँ जयर कथा केँब दीज्ये ।
- ३१ वें याचना करतार वाँकेँ हथारुँकी जागा हिसारुँजी और वें सगला घर्मीँकाँसूँ परवारद भनवानकी कथा बेतसेँसूँ बोल्या ।
- ३२ क्वाँ प्रतीत करी वाँको टोला एकमन वा एक जोत्र गा और किखी आपकी माया आपकी न कही क्योँस सगली
- ३३ बक्षमें सगला बरीबर ऊवा । और हलकाराँ मोटा बक्षसूँ मभु विजुकेँ फेरउपाठकी सक्षता दीना वा सगलाँ
- ३४ खयर मोठी छपा ऊई । वाँको मोईँ बिलरपिय नणे क्योँस क्वाँकेँ धरतीमें वा भूँघामेँ अधिकार ठेा वाँ क बिषर कीमव त्यायद हलकाराँकेँ प्रगानेँकनेँ ररयो ।

१५ उंचे पावेजी आदमीकी गरजमाफिक पावेजी आदमीने
 १६ बिराड करर दोना गया । और दोमेस् के जीने
 हलकारां बाखेवा करर कयो अथवा जमावतरांकी डाकडे
 १७ कपस्मुलकी हक जैव उंचापके कोठारकि घरती बेघी
 वा कीमत ल्याघर हलकारांके पगांकेने मेजो ।

५ पांचमो धर्मि ।— और खननीयाह् गावका एक लोग
 आपकी लुगाई सिफिराने कार और आपको केठार
 २ बेघो । और आपकी लुगाई जाबतापिख उंचो मोल कुंदि
 जियाघर राखो उंचे किमतकी कुंदि लाघर हलकारां
 ३ के पगांकेने मेजो । उंचुं पितर कयो के हे खननी
 याह् धर्माजाने कूडो कथा केबने वा घरतीकी कुंदि
 किमत जियाघोडो राखकेने मोठा घरेो मन क्यबिरे पर
 ४ वाखो । उ कोठार जद जे तद कारे उ घारा पोता
 को नही जे और बिक्यापते उ मोख कारे घारे हजे
 जणे तो क्यबिरे मनमें जो बिचाशोते से कादम्यांमें कूडो
 ५ कथा न कही और भगवानने । खननीयाह् आ कथा
 सुबर पडर जीवदीने उंचुं जिता लोगां जो सुखो वा
 ६ सगखाने मोटे डर कवे । और मोखारां उडर
 और उंचे कपडासूं पबेटर और वारखे जेवाघर घोरमें
 ७ बाखो । बढोतीनेकपते उंचो वउ जो सगखो
 ८ नजाबर उंचे मांय आरे । उंचेरे पितर उंचे उघखो
 दोने के मनने कयो जे कारे हबोकोमतसूं घरती बेघोते
 ९ उंचुं कयो के साच हबी कीमतमें । पितर उंचुं
 कयो जो कारे जे थिअहके आत्माकी कीमत कररुने
 मन मित्योते देख ज्यो घारा घखीने घोरमें खाखोते
 १० जाखो । उंचुं भद्र उंचे पगांकेने घडर उंचे जीव

- दीने चौर मोक्षारकीर्ण माघ बहर उर्ने मरी देवी
 ११ उमर्ने उर्ने उमबर उंका प्रसीकने घोरने खाणी । इंसू
 सगको टोखीउपर वा औरर जिना खोगां आ खवर
 सुखपाई वार्नेउपरपिख मोकलो भव यथो ।
 १२ हलकारांका हातसू खोगांके विषमें मोकला कस्य वा
 अउराकांम कया मया वे सगसा एक जनमें मलमनके
 १३ भरोषामें रया । औरर खोगांके विचाले कोई पोष
 वांन बणे के धंका भेलपी मिस्या केर खोगां उंकी तारीफ
 १४ करी । औरर कुगासां मोक्षार वा देवांके मोकला
 १५ सरयोखिवोडा प्रभुके भेलपी कया मया । उंसू वा
 मांदांने विगांनया वा राजीउपर साखर मारगमें राधो
 के पितर उं मारगमें जातां उंकी गया वार्ने किबो उपर
 १६ पडे । चारांकांकीका नगरांसू मोटी प्रमात मांदां
 ने और भिसटआभा खोगोडा साधेलेपरा बिदमकममें
 आया उंसू वे सगसा ताजा कया मया ।
 १७ उमर्ने बडाप्रोहित वा उंका भेलपीसादुकीमजहकी
 १८ लोग रोससू भरीजर उपयो और हलकारांने
 १९ कपडर कीकीर खोगने नेतासरमें दीया । और
 रातका बिजहका हलकारां नेतासरकी बारी केख और
 २० वार्ने साइर कबो के थे जावे और देवरामें उभा
 ऊवर इं जीवतयकी सगको कथा खोगांके जानिमें कहे ।
 २१ वा वा कथा सुखर प्रभाते देवरामें बहर भयाया उं बेला
 बडेलाप्रोहिदां वा वार्नेभेलपीखोगां एक यांशा वा बिन्द
 राखलका डविडाके मानिकरखवाधानें भेला बुलायर नेता
 २२ सरमें वार्ने ल्यादखवेई मेल्या । कोटवालां आयर वार्ने
 नेतासरमें म साधा इंदेई वा और आयर आ कथा केर ठोक
 २३ दीनी के के नेतासर खोमीतरें जयो देख्यो और मीरावार्ने

- बारबाके सामो उभापिण देखा लेर बारबो बोजर मांय
 २४ कोकोई ठिकाणे जाघो नही । बडाप्रोहिता वा देवराबा
 थण्या वा बडाप्रोहिता आ कथा सुखर मोकबी फिवा
 २५ करो के इको कारे जसी । तद एक लोग आवर आ
 कथा केर ठीक दीनी के देषो जालोगाने ये अटकाग घे
 २६ देवराभे उभा केने वा लोगाने भवावेने । तद लमकरको
 सिलेदार वा कोटवाक भयो वा धीरपसू वाने ल्यावा
 कोस वे डया के लोग बाके उपर भाट्ट बमायर मारसो ।
 २७ वा वाने ल्यावर पंचायतीमे बैठथा उं यणे बडाप्रोहिता
 २८ वाने पूडर कयो के ने इमावसू भवावखको कारे याने
 ठीक बरखो नही लेर देषो घे बिरमलसमे आपको मोषा
 वखसू पूरा कया जे ओर इ आदमीयो वून न्हाने उपर
 ल्यावा चाबोणे ।
 २९ तद पितर वा हलकारा उचलो देर कयो के आदम्यासू
 ३० भगवानने बतो मानयो न्हाने निभेने । न्हाने पितरलोगाका
 ३१ भगवान यिभुने उपायोने के जोने घे रूधउपर टेरर
 वून कयो ओर आपके जीवखीकानी उंचोमुरातबो देर
 यिभराएल्को मन मोडयो वा पाप जुडाय देखेदे उने
 ३२ राजा वा उडारकरखवालो कयोने ने उके कानीका वा
 कामका सायदीग ओर घर्माआपिण साबदी ने के
 ३३ जोने भगवान आपका हलिताने दीने । वे आ कथा
 सुखर रोममेणे ओर वाने मारनाखकी सता करी ।
 ३४ तद तौरैतमे अकसर्वत ओर सगला लोगाने मर्यादवाख
 गमाखिएल् नांव एक लोग प्रारिभि पंचायतीसू उपडर
 ३५ हलकाराने घोडीबेका वारखे मेलखने आग्या दीनी । ओर
 उं वाने कयो के हे यिभराएली लोग वा आदम्याने घे
 ३६ अको कया घावो जे उसू निघेवान को कोस इस
 कालमेण्डा तुदा नावको एक लोग आपने कोरे मोटे

- आदमी केँ उवाडी। उँकेँकाँनी सोचारेक आदमी मिल्या
 उ माखो गयो वा उँमें प्रतीतकरबकाजा जित्ता लोग
 ३७ सगला विवग्या परा वा वें बाँमजादीक जगका । उँ
 आदमीकेँ पठेँ ओल्यो करखकोबेला गाकिलिको बिक्रदाह
 उपडी और अपाँकाँनी मेकजा लोगाँमें ताँथा उ
 पिख माखो गयो और जित्ता लोगाँ उँमें माँयो वें सगला
 ३८ विवग्या । अनेँ ऊँ धानेँ कउंउं केँ याँ आदम्याँनेँ
 रेशदीओ और बानेँ क्युँहि मति कयो क्योँस आ सला
 ३९ वा ओकाँम अर आदमीसुँ केँ सो मिट जाती लेर
 अर भगवानसुँ केँ तो ये वें जीव न सकयो क्याजाँहा
 भगवानभेजा राइकरबवाजाकेँ उखिहारेँ छे विव्यात
 ४० हो । उँकी कथा वाकेँ मनमें लागो उँपठेँ हलकारा
 नेँ बुलायद और मार परा यिजुवा नाँवसुँ न केँअसुँ आग्या
 दोनो वा वानेँ जेथा ।
 ४१ उँपठेँ वें जकेँ उँका नाँववेई ताजाँमरखलायक का इंसुँ
 आनन्दअयर वा पंचायतीकेँ सामाँसुँ गवा । कोर
 ४२ देवरामेँ वा भूपेँर वा रोजिना भयावयो वा यिजु खीष्टकेँ
 फायदामेँ छँटेरो देलो जेथो नही ।

- ६ ठो पाँचो ।—उँकेँला चेला मोटा बेँरसुँ यजियाँकेँ
 १ भेला यीकाँकी चकचक ऊँर क्योँस रोजिना दानकीबेला
 वाँको राइकी गौर न करी । उँभेई बारेँ चेलाकेँ टोकी
 नेँ बुलायद कयो केँ आ ठीक नही केँ न्हे भगवानकी कथा
 २ जेठर वाजोटको काम करी । इँवेई छे भायाँ सुँवाँ
 तो वा पुन्याजामेँ वा ग्याँनमेँ पूरा सात आदम्याँनेँ अपाँ
 सुँ सरायर सेवो केँ थ्याँनेँ न्हे इँ काममेँ निसेँ कर सका ।
 ३ लेर न्हे वाचना वा कथा छँटेरो फेरबकी चाकरीमेँ रोजी
 ४ ना निखँ रेँयो । आ कथा सगलाँकी राजीदेँखाली

- ६३ उंघटें धर्मोत्था वा भगवत्सुं यूरो सिधान्तस् नांवको
 यत्तु जोग और सिद्धिप वा बहोरत् और निकानर वा
 टिमैव और पारमेनास् वा निबलास्-नांवको अन्तिकेत्तु
 ६४ वा एक प्रतीतकरहवाको यार्ने वा सररवा । और
 हलकारोंके ल्यावर वा याचना करर बर्किं उपर हाय
 ७ दोनो । वा भगवानकी कथा पसरौ और यिहभखम्
 में चेकाषो अमार मेकलो बथो और मेकसा चारहा प्रतीत
 वीं रीत आसरो जोनो ।
 ८ और सिधान्त प्रतीत और बहसुं यूरो अयर जोनो
 ९ नें सानो मोटा लक्ष्य वा अठेरा काम कयो । उं चारख
 खोवरतीन् वा फिरखीका वा आबेकाभियाके वा किधि
 क्रियाके वा आसियाके सिमगकर किताब जोनो उठर
 १० सिधान्तु मिला अदलोबदकी करो । और वीं ग्यान
 ११ और प्रभावसुं उं कयो उ अटकावख न लकर वा किताब
 जोगानें आबदे देवायर लखन करो वा जोगा कयो नें
 मोनह वा भगवानके बहमें उंछंठाईकी कथा उंने केतो
 १२ नें सुण्यो । और वां जोगांको वा सिदोडांको वा उंछ
 थायांकी मन सोझाये और उंनेकनें आयर उंनें अययो
 १३ और पंचायतमें ल्याथा । और कुहा सायदोपिह उभा
 कसा नें ज्वा कयो वा निर्मल जागाके वा तौरैके नैरमें
 १४ और आदमी उंछंठपवाको कथा केबमें जेठें नही कोष उंकी
 वा कथा नें सुखोनें के और यिभु नाजरेन हं जागाको जोग
 गमासो वा जके रोव मेमह वार्नें दोनोनें वां सगलां
 १५ को बदलो करसो । उंनें वा जके सगला जोग यांथाज
 वां उंनेंउपर एक इहसुं देवर उंकी मुंडो हलकारों
 का मुडासरीको देख्यो ।

७ सातमो पांनो ।—तद बडोडापौदितां कयो के ओ

- ३ सगलो काई हसीने । उंउपर उ कयो के हे आदम्या वा भारेया वा बाभा सुयो न्हिके बढेरो आवरहामके मेस येवा मिथामे रेंबकीवेका उके वारानने रेंगके पैलडा तेज
- ४ महे भगवान उके दिवालो दिना वा कयो के तू आवको देम वा कमीलाने जेठर जको देम अं तने देवालशुं उं
- ७ देमने जा । तद उ कासीदोदेम जेठर खारानने रयो तद उके नामे मर्यापने वा जामा जेठर इं देमने
- ५ आवो के जीमें से अने रोजे । उं उके विचार के कृदि अधिकार उने दीने नहो एक पांवडो घरतोपिब नही जेर करार कयो के अधिकारवेई उने उ देमी और उका जोई डावडो बरेवापिब के उकेपने उका डावडाने देमी ।
- ६ भगवान औरपिब कयो के उका डावडा दूजादेमने रेंसी और के उने वे लोग वाने गोजो करसो वा चारसे वरसा
- ७ तोडो दुव देसो । भगवान औरपिब कयो के उकेपने अं देमका आदमोका गोलाकाकरोने वे रेंसी वांगेतने अं तोसीस देसो उकेपने वे वारसे आवर इं जामने शारी
- ८ चाकरी करसो । उ सुनसकोपिब सरतंत उने दीने उकेपने आवरहाम विस्वाकने जम दीवे वा आठने दिव उकी सुनात करो उकेपने विस्वाक वाककुबने उमबायो और
- ९ यथाकुव धारे योछोने जवम दीने । पिबरलोमा अस केससू बेगळा होयर घुसफने मिसरने जाबकसाकने बेथो
- १० जेर भगवान उके भेलापो ऊवे । और उका सगला देमसू उने जेढाय दीने और मिसरको पातसा करोआ इके सामे उने छपा वा यकज दीनी उं कारख इं मि खर देमका वर आयका मूपाकी जेरोवारस उने निर्भे
- ११ कयो । उकेपने मिसर वा कनधानका सगला देमने मुंगरई वा मेण्टी बेंच ऊई उं कारख न्हिके पितरां वांखकी
- १२ यक्ष लाधी गही । जेर मिसरने वाने उं वाककुव आ

- १३ सुखर पैलडा न्हिके पितराने मेल्या उपठे दूजीबिला युसफ्
 आपका भायाकने आबधीओ और युसफ्का कबीला
- १४ लोग फरोआहकने कोलवायागया । उपठे युसफ् का
 दमी मेलर आपका बाभा याकुकुबने वा उंका सगला
- १५ गोती पिघंतर लोगाने आपके नेडा बुलाया । तद
 याकुकुब मिसरमें गयो और उ वा न्हिका पितरी उठे
- १६ मर्या । उपठे वे अकेममें उघण्या गया और जका घोर
 अकेमको बाभा खमोरका डावडाकेकनासुं आवरहाम
- १७ कीमतदेर मोल लीमोठी उं घोरमें खाय्या गया । लेर
 आवरहामकने भगवान सुंसकाठर जको करार कयो
- १८ जे उ करार यूरो करयकीबेला अद नेडी आई तद और
 दूजे एकघातया मिसरमें उयो के जी युसफ्ने न आबधो
- १९ उंके आवलतोडी लोग मोकसा होय लागी । उं न्हिके
 कबीलाउपर कुटलवा करी वा मोठी बजराव न्हिके
 पितराउपर करी उंसुं वा आपका डावडाने काहदान
- २० के वे न उबरें । उबेला मोमह् उपन्यो वा मोकलो
 रुपालो जे और आपका बाभाका भुंघामे तीन महीना
- २१ तोडो पल्योगे । उपठे बारणे जगाया गया पठे फरो
 आहको डावडी उंने ल्यायर आपको डावडो करार पाल्यो ।
- २२ और मिसरी लोगके जका सगली निघा उंमें ग्यातो वा
- २३ बोलि वा थंवहारमें मोमह् निपुन जवो जे । उपठे
 उंकी मघस चालोम बरसांको ऊवा पठे उं आपका भाई
 थिन्नरासली डावडाने देवखनेई जांखी उंके मनमें आई ।
- २४ तद वांके एक लोगने तोसिस पायोडा देवर उंउंको
 उपगार कयो और उं तोसिस पायोडा आदमीकेकानो
- २५ जयर उं मिसराने मारनांघ्यो । क्वीस उं मनमें ल्यायो
 के उंका भाई जो समभासी के भगवान उंके हाथ
- २६ सूं वाने नुडासी लेर वे वा समज्या नही । दूजेदिन

- वाँके कजियाकोबेला उ उभो ऊयर वाने मिजाय दोयां
 चायर बोला के हे बादमी ये भाईके कजियो आपतमें को
 २७ करेले। कीर जी बादमी आपका पाडेस्तीउपर कजियो
 कयो उं लोग मोझहने गोतोदेर कयो. के हाँको घनी वा
 २८ व्योत करखवालो की वने जिमें कयोले जिघो काल मिस
 २९ रीने मारनाँयो तिसो काई मने घून करखे चावेले। तद
 मोझह् चा कथा सुबर दोषा और मिदिवांन देममें पंधी
 ३० ऊयर रयी और उं जागा उं दोष डावडा उपजाया। उं
 पने चालोम बरस गयापने सोनी परबतका जोडमें
 भूडके बिचाले बासदेकी भालमें रयो वा भगवानका हल
 ३१ कारा उँकेकने घोडे ऊवा। मोझह् वा देवर उं देवा
 लासु बिसमय ऊवो और देवखनेई नेडे आयो यिऊहको
 ३२ ओ केलवालो साद उँबेला उँकेकने घोडे ऊवो के ऊं
 घके पितराँको भगवान अघवा अवरघामको भगवान वा
 यिऊहको भगवान वा बाछकुब्को भगवान उँबेई मोझह्
 ३३ धूज्यो वा देषममें बोषो। तद यिऊह उँने कयो के धारा
 यगकी यगरवी माल कोस जी जागा तू उभो ले वा धर
 ३४ ती झुषले। में देघोले में मिसरमें देखवाला आपका
 लोगाँको कसट देघोले और वाँकी हाक में सुधीले और
 वाने जोडमने उतयो इबेई आवो अबे ऊं तने मिसरमें
 ३५ मैलखुं। वाँ जी मोझहने निकमो जांवर कयो के
 तने घयी और व्योतकरखवालो की कयोले भगवानके जी
 हलकारे उँने भूडमें दिघालो दोने उं हलकाराको बाँह
 सू उँई मोझहने घयी वा जोडणवालो होखनेई मैल्यो।
 ३६ और मिसर देममें वा अरबका दरियावमें वा जोडमें
 चालोम बरसतोडी अनेराकाम वा लक्ष करवा वा
 ३७ लोगाने उं बारखे काखा। ओ उ मोझह् ई के
 जी यिऊहका डावडाने कयो के यिऊह याँको भगवान

- न्हारो हसो एक लोग निमित्तियानें धर्में भावासूं धावें
 १८ वेई उपजासो उंको कथा सुहो । जी हलकारें सीनी
 परबतउपर उंके भेली कथा कही उं हलकाराके भेजो
 भोडके उंडामें जको रयो और न्हानें पितराके भेजोपिख
 १९ ओ । वा जी न्हानें देखवेई उ जीवतयवपस कथा लाधी उ
 आपनेकनासूं उंने धकायो वा मनोमन मिसरमें कर मयो ।
 २० वा आहरणने कयो के न्हानेंवेई ठाकुरानें वलाय के जको
 न्हानें अगाडोर जाव कौस जो मोमइ न्हानें मिसरसूं
 २१ लियायो ओ उंने काई जको आ नै न जायाजो । उं
 केजा वा हल मतोला बबायो और उंसवीकने उपसर्ग
 कयो और आपका हाथका कयोडाकांमाउपर रात्री
 २२ करी । उंकेजा भगवान मुडो और आकाशके लसकर
 नें पूजाकरखवेई वानें ओड दोना त्रियो निमित्तिया
 को पोद्योमें त्रियोके के हे यिअराएलका कुल थे चालीम
 बरसातोडो बरयो वा होम जोडमें न्हारकेने दीनोने
 २३ सही । लेर थे पूजाकरखवेई जका सगो करी ओ जको
 देम उंको डेरो वा थाका ठाकुर रोफानका तारापिख थे
 २४ लोनाने और अ धर्मि वाबेलके उंकांनो लेजासूं । शायदी
 डेरा न्हानें पितराकेने जोडमें ओ मोमइ उंने केर जिसी
 २५ भगवान आग्या करीजी के उं जका वांगो दिवाई
 ओ उंईतरें उं डेरा करसी जी डेरानें पिजडीआवब
 बाला न्हानेंपितरा यहाअुआके भेजो दूजा देमवाल्याका
 केठारमें ल्याया के अ्यानें भगवान दाउदकीनेजातोडी
 २६ न्हानें पितराके सामासूं काफ़दोने के जी याअकुन्
 के भगवानके सामी छपा जाधी वा उंकेवेई डेराकी
 २७ एक जागा कसो पायो लेर मलामन् उंको एक देवरो
 २८ कोयो । लेर हाथका बबायोडादेवरामें मधुर्वन

- १८ रेंडें नही निमित्तियेँ जीसी कहेँडें केँ यिज्जह केँडें सगें न्हारो
 तवत वा धरती न्हारो पगमंडो डें येँ काई देवरो न्हारो केँडेँ
- १९ उपाडयो वा कुछ न्हारो जैनको जामाडें न्हारें हाथ काईं ओर
- २० सगलो कयो नडें । येँ येँ डोषो ओर मनमै वा रुद्धमें निगर
 सुनत येँ रोजीना धर्मात्माका बेर करोडो जियो धाकेँ
- २१ धितरा कयो तियो जेँ करो डो । धाकेँ धितरा निमित्तियाकेँ
 विषमें कोथी लागी दुसमबी नही करी ओर वानेपिख
 मार नांघ्याडें केँ ध्यां उं हुंठियाको आवयो पैसडा जबायो
 वाकेँउपर हाथ भाजावडवासा वा हया करवासा येँ धनेँ
- २२ ऊवाडो । धांतकीपांत उभाऊवा अकेँ हखकारा वासूं येँ
 वीरेंत वाधाडें लेर उनेँ मान्यो नही ।
- २३ वेँ सा सुखर मनमें बेधोडा ऊवो ओर वाकेँउपर बतीसी
- २४ योअब सागा । वीर उं धर्मात्मासूं परवारर सभकांभी
 ठोक दृष्ट करर ओर भगवांनको तेज वा भगवांनकेँ जीवयो
- २५ उभो यिज्जुनेँपिख देवर कयो केँ देवो ऊं पुल्योडो सगें
 वा भगवांनकेँ ओवखेउभोडें अकेँ आदमोका डावडा उनेँ
- २६ पिख देवुं । उंसूं वा मोठासूं देका करर कानभोच
- २७ लोमा वा हकमना ऊधर उकेँउपर दोडा । ओर
 नगरसूं उनेँ काठदेर भाठा बगायर मायो ओर सायधा
 हक मोट्यार आदमोका पगाकनेँ गभो राव्यो केँ जीकेर
- २८ नांव जाउज्जु । उंपडें हेँ प्रभु यिज्जु न्हारो आत्मानेँ जे
 आ यत्तनाकरवा वा जेंवा वा सिफावस्नेँ भाठी बगाबर
- २९ मायो । ओर उं गुडोस्या ऊधर मोठा सादसूं कयो केँ
 हेँ प्रभु केँ पांथ वाकेँउपर गिबज्यो मतो ओर आ केँर
 उ निरुंमै ययो उनेँका जाउज्जु उकेँ वूनको धारी करी ।

७ साठमो पांमो ।—उ दिव यिदमकमकेँ टोखीउपर

- मोटी दुन्नमयो ऊई उंसू हलकारा विगर यिजदाह वा
 २ समरोख देअने सारा विघरविघर ऊवा । लेर हुंठिया
 लोगां क्षिफानसने घोर देखने लोगया वा उंकेवेई मोकला
 ३ रोया । लेर आउल भूपडेइ जायर घोर मोठ्यार
 वा जुगाई बलकरर अटककरर टोलीको बडे नाम
 ४ कये । लेर जके विघरविघर ऊवाज वे कथा छंटेरा
 फेरघार सगली जाग भटक्या ।
- ५ उंवेला फिलिप् समरोख नगरमें जायर वांके सामे
 ६ खीरको छंटेरे फेरयो । उंसू जके अठेरा काम उं कया
 लोगां वे काम देघर वा कथा सुबर एकमनमें फिलिप्
 ७ को कथा मानी । कोस मोकला भूत लामोडा तूं भिष्ट
 आत्मा घोसली मारर बारखे कया घोर मोकला लूला
 ८ वा बोडालोग ताजा कया गया उंसू उं नगरमें मोकलो
 ९ आनंद ऊवे । लेर जीमोन नावको एक लोग उठेने के
 जी पैजडा उं नगरमें डाक्यको काम कये जे वा आपने
 १० कोई मोटो पुरुष केर समरोनका लोगाने भुलयेगे । घोर
 आदमी ईश्वरको मोटी पीच आ कथा केर नांवा वा मोटा
 ११ सगला लोगां उंने मान्यो वा उंने मान्यो कोस मोकला दिव
 १२ सू उं आपको डाक्यका रामसुं वाको मनमोयेगे । लेर
 भगवानको राज घोर यिज्जु खीरका नावका वासवेजोमें
 फिलिप् जद कथा छंटेरा फेरयो तद वा उंको उंकथाउपर
 १३ प्रतीत करर मोठ्यार वा जुगायां दुनो दिराई गई । तद
 जीमोन आपविष प्रतीत करी घोर दुनो दिरावेडा
 ऊयर फिलिप्केकने रये घोर जके अठेरा काम वा लक्ष
 बोडे कयामये वे सगला देघर अर्धभे जाण्ये ।
- १४ अमरोखियां भगवानकी कथा लीनोनी यिरोजलम्को
 रेंखवाला हलकारा वा ठोक काकर पियर वा घोहबने

- १५ वाकनें मेह्यो वा उठें योघर याचना करो के वें लोम
 १६ धर्मात्मानें जावें । क्योस तठातोडो वाकें कीखी
 लोम उपर उ प्रखोनही घाली वें प्रभु विमुक्ता नावसूं
 १७ दुबीदिराघोडो जा । तद वाकें उपर वा हाथ दीने
 १८ ओर वा धर्मात्मा जाघो । तद श्रीभोग देवो के हल
 कारांका हाथ देखसूं धर्मात्मा दीने गया तद वाकेंकनें
 १९ रपीया ल्याया वा कयो के आपोच मनें यो के न्हारें
 जो किखी आदमोउपर हाथ देखसूं उ लोम धर्मात्मा
 २० जाघे । खेर पितर उंसूं कयो के धारेंभेला धारा
 रपोवाको सेनघोज जावें क्योस तें जाण्योळें के भगवानकी
 २१ दीनेडो वक्त रपयांसूं मोळ जिजांख सकें । इं फाय
 दामें धारो कोठार नळें पांतीपिख नही क्योस भगवानके
 २२ सामो धारो मन सूधा नळें । इनेई धार उं याप
 सूं कूका कर ओर भगवानकनें याचना कर के धारा
 २३ मनका चिन्ता भाफि किखितरेंसूं ऊयसके क्योस ऊं
 जांखख पांवुंनूं के तूं पिताके धारामें वा अयधार्थका
 २४ बंधखामें नें । तद श्रीभोग उषतो देर कयो के ये
 न्हारेंवेई प्रभुकेनं याचना करो के धाके आ कथा काई
 २५ न्हारें उपर नपडें । उंपळें वा आप सायदी देर ओर
 भगवानके कथा छंटेरो फेरर यिरोमलममें फेर गया व
 अमटोखि याके मोकला गांवमें मंगलीककथाका छंटेरो
 दीने ।
 २६ प्रभुके एक हलकारे फिलिपनें कयो के तूं उठ जको
 मारंग विहमलममें अजानें जायळें उं जोडका मारंगसूं
 २७ दखशाउ जा । उं कारख उ उपडर गया ओर देखो कुम्
 देनका कांडाकीनाव रांखीकी मोकलीमोटी कीधायत रावख
 बावो वा उंके सगला मावाको घणो एकलोग कुम्के नाजेर
 २८ भजन करखनेई विहमलममें जायर मुडआतोणे । ओर

बेलउपर टिकर विभाईबाहू निमित्तियाके कथा भलतो
 २९ जे । तद प्ररमात्मा फिलिप्के कथो के तूं मेडो जायर
 ३० उं रघु भेलो मित्र । इवेई फिलिप् उंके देओओर उ
 विभाईबाहू विमिवियाके कथाके पोषो भवेते ओर कथो
 ३१ के तूं जको भवेते उ काई समझे ते । उं कथो के कां मने
 भयाबाविगर जं कीतरें समभय सकसुं तद उं फिलिप्ने
 ३२ कथो के उ बेलउपर चहर उंके भेला वेते । पोषोको जने
 हारक उ भयतो जे उ ओ जे के उ खुब होयवेई गाढरा
 सरोषो लियायोडो जे ओर सिरघोके सामो जियो गाढ
 ३३ राखे बधा अनोल तियो उं मुंडो येल्यो नहो । उंके
 मरोनपखाकी बेला उंके विचार अपहयो गयो ओर उंके
 कुलावली कुल बैसो कीस उंके आयुषो भरतीसुं लूटिओ
 ३४ जे । ओर उंपते उं नाजेर फिलिप्ने उघलो देर कभो
 के जं विनति करवुं निमित्तिये आ कथा कीके फायदामे
 ३५ करेते आयका फायदामे अथवा ओर कीषी लोगके फाय
 दामे आ मने केदे । तद फिलिप् मुंडो येल्यो ओर उं
 चावाबसुं मांडर यिजुओ वासवेलीमे ठोक उंकेकने छंढेरो
 ३६ दीने । वे जाताइ पांखीकी एक जागा पोता तद
 नाजर कथो के देव इं जागा पांखीमे मने हुबो दिरयोही
 ३७ होखकी काई अटकायोते फिलिप् कथो के अर तूं आय
 का सगका मनसुं प्रतीत करे वे होय सकसो उं उघलो
 देर कथो के जं प्रतीत करवुं के यिजुखीए भगवानके
 ३८ डावडो जे । तद बेल उभीरावखकी उं आग्या दीने ओर
 फिलिप् वा नाजर के दानुं लोक पांखीमे उतरियापते
 ३९ उंउंके हुबोदिराई । वे पांखीसुं उपर आवापते
 यिजुखकी आत्माने फिलिप्ने तांडर जेगथा ओर नाजर
 उंने फेरदेवने नपायो उं उंपते राजोमनसुं येल्यो
 ४० गयो । ओर फिलिप् आजोत्सुमे लाधो गयो ओर उं

जागासुं जागासुं कारेसारियामें पोचबतोडी मंगचीक
धातां सगळें नगरामें छंडेरो केलो ।

- २ तवमो यज्ञो ।—आउळ तदतोडी प्रभुके धेजाके
नेरमें पतिष्ठा वा भारनावखकी इम जोडतार बडाधियाहि
३ धाकळें गया । और दमाजेकमें चारें सिनागगा
उपर पडो धावो के इ धर्मका मेलवार अथवा लुगाई
कीची बीगनें घर बाधे तो वानें जकडर धिरोनवममें
४ ल्याये । तद उ आथर दमाजेकमेंडा मीसा और खेगसुं
५ अकळात् उके चारांकांती घानवो कवो । उसूं उ धरती
उपर पडर एक साद सुखी के जको उनें बोल्या हे माउळ
६ हे माउळ कानेई मनें ताडना करीतो । उ कयो के हे प्रभु
कुबडे उसूं प्रभु कयो के अं विमुळुं के जीनिं तूं ताडना
करेतें भीटारांउपद सातमारणी धारो बडो करडो काम ।
७ तद उ लाण्यो वा अथंभा माणर बोख्यो के हे प्रभु धारी
कारे जागा ते अं कारे करं प्रभु उनें कयो उठ नगरमें जा
उंघतें जका तनें करयो प्रडसो उ धारेंनेडो कयो जासी ।
८ उके भेळयो खोगां वा साद सुखर खेर किनेई न देवर चक
९ पुंधा ऊपर उभारया तद आउळ धरतीउपरसूं उपयो
वा उको आख्यां व्युल्योघनं कीनेई देवक नप्रावो खेर वा
१० उको धाघ कपडर दमाजेकमें ल्याया । उ उंघतें
वीनं दिनताई आधो ऊपर रयो और कृहि न धयो
११ वा न धियो । दमाजेकमें एक खाम वेजेते उके
नाव खनवोवाह् और प्रभु एक दिवाकामें उनें कयो के
१२ हे खनवोवाह् उं कयो के हे प्रभु अं को देव । प्रभु उसूं
कयो के तूं उठर पाधरीं नाव मारजमें जा और यिकदाह्
का मूंपामें तारनेंके माउळकी खबर पूळ कींस देव उ
१३ वावना करेते । और एक दिवाकामें खनवोवाह् नावका

- एक लोगने भूपामें आवर उंकी दृष्ट पावखनेई हाथ उंके
- १२ उपर राषतो देख्योउं वद खननीयाह् उधलो दोनो के हे प्रभु मोकला ले गांकी बोलीमें ऊं उ आदमीका फायदामें सुख्योउं के उं धारः पुन्यवंत लोगने कितो हिंसा कयोउं के
- १३ जके थिरोअसममें रेंउं और अठेपिख जके धारा नावसूं थाचना करेउं वाने नांधखने बडाप्रोहितसूं उं पेंच लाखी
- १४ नें । केर प्रभु उंसूं कयो के तूं जा कौंस प्रारका देअका आदम्याके वा राजाके वा बिसराएउंके डावडाकने न्हा रो नाव उवखनेई उ न्हारो एक अमाषातिरवाजो लोगने
- १५ कौंस न्हारा नावनेई उ कितो कष्ट पासो आ ऊं उने देवालसूं । इनेई खननीयाह् जायर उं भूपामें बयो वा उंके उपर हाथ मेखर बेल्ये के हे भाई माउल् प्रभु यिजु के जो धारे आवखकोबेला मारगमें तने देवालो दीने उं धारो मंगलिकवाता पावखने वा धर्मासममें भयोडे
- १६ होखनेई धारे कवे मने मेल्योउं । और उंहीवेजा उंकी आध्यांसूं मजोके टिकल्यासरोवा कित्तक पया वा उं
- १७ वेजा देख्यो प्राई और उपडर डुनीदिराई गई । उं पने कुंदि धायर बलवापयो माउल् दमाजेकमें चेखा
- १८ भेलो कित्तक दिन रयो । और तदी सिनगगमें उं खीष्ट का पासवेबीमें छंटेरो फेयो के उ भगवानको डवडो नें ।
- १९ केर सगजा लोगी उंकी कथा सुखर अर्चभो जण्यो वा कयो के ज्या आदम्या उंका नावसूं थाचना करी वाने ज्या आदम्या थिरोअसममें नास कयो और बडाप्रोहित कने वाने नांधर लेजावखने अठेपिख आयो औ काई सई
- २० लोग बने । केर उ जको ठीक खीष्ट औ साबतो देता माउल् पेंदरपै साहसिक ऊयर दमाजेकमें देखवाका यिजु
- २१ थाने काजवान कस्यो । मोकला दिन ज्यापने यिजु
- २२ था उने खून करखको सखा करी केर वंकी सखा

- २५ आउलकने गुदरायो और वां उनें खून करखकी रातर
 २६ दिन बारखें पोरो दीने । और चेला रातनें छोडीमें
 २६ ठिकायर भीत उयरसूं उनें और उतायो । उं पनें
 आउल विरोअलममें पोतर चेलाभिलो मिलाव लागो
 और सगला उंसूं डखा और प्रतीत करी बहो के उ चेला
 २७ ॐ । और बाखेवां उनें और हस्तकाराकनें ल्यायो और वाने
 जहाबो के मारगमें उं प्रभुनें देख्ये ने और के उं उनें कथा
 कहीने और उं निडर ऊयर दमानेकनें हिम्मतसूं बिभुका
 २८ नावसूं छठेरो फेखोने । और आउल धाकें भेजे
 २९ यिदअलममें जांयोआयो करतो रयो । और उं प्रभुयिभु
 का नावसूं निडरसूं कथाया कही और योक् लोगभिलो
 अदखोबदखी करी और वां उनें मारनांषखकी खीत
 ३० करी । भायां वा जाबर उनें आईसारियामें लेगया
 उंपने उनें तारअलमें मेल्यो तद यिऊदाइ देअके वा गाधि
 ३१ निकें वा अमरोनको ठोलीमें घेन ने । और बत्तीपाई
 और प्रभुके पासवेखीमें भवसूं वा धर्माआसूं घातरोंमें
 रोत करर बथा ।
 ३२ पितर वां सगलां देअमें जातांर लदाके रेंखवाका साधु
 ३३ लोगके नंडो पोतो । और आईनेयस् नावके शक
 लोगमें उं जागा देख्यो के अको घोडे ऊयर आठवरस
 ३४ बिल्लराउपर पडोने । तद पितर उनें कयो के हे
 आईनेयस्यिभु खीष्ट तनें आराम करेनें उठ आयका
 ३५ बिल्लरा पाधरा कर उंसूं उ उईवेला उपडो । और
 लदा वा आरोप्यका सगलाबसिवान उनें देवर प्रभुकांगो
 फिया ।
 ३६ आफामें शक रंड चेलाकी के जीको नाव ताजिता अथवा
 दकांस वा कुगाई आपका कयोडा घोषाकामसूं वा दाबसूं
 ३७ परवारी ने । उंबेला वा मांदी ऊयर मरो और उनें

- ३७ वां बंगालर उपरकी एक मेंडीमें राखी । खादा जाफा
 कें मेंडोमें उनेई बेला पितरके उठेदेखकी खबर बाधर
 उनें बेगो आपकेकनें खांवरनें केखनेई दौय जखानें मेल्यो ।
- ३८ तद पितर उपडर बाके भेजे- मधो उ घांतापनें वें उनें
 उंकी उपरकी मेंडीमें लेगया और सगली रंडा उंकेनेडो
 रोवार वा दखीसू आपके जीवताथका जकर बागो वा गाभा
- ३९ बहायाग वें माभा दिघाता २ उभो ऊई । और पितर
 वा सगलानें काऊदेर दोनु गुडोबिया जयर याचना
 करो उपनें मुबदा डोककाणी मुडर कयो के हे ताबितर
 उपडे तद उंरंड खांक्स बीकी और पितरवें देवर
- ४० वेठी । तद उं हाथसू कपडर उनें उभो करी उं
 पनें सनेगीयानें वा रंडानें कुलावर उनें जिवतो दोबो ।
- ४१ इं कामकी खबर जाफाको सगली जागामें गई उं कारख
 ४२ मेकला बीगां प्रभु उपर प्रतीत करो । उपनें जाफामें
 श्रीमोक्ष मोचोका भूंयामें उ मेकला दिन रयो ।

- १० दममो यात्री ।—कारेसारियामें एक लोग ने के
 नीको नाक कर्सेलियस उ इतालीका फोजका नावसू
- १ बिख्यात फोजको एकसो डिडवाव्याको धली जवो । उ
 लोग घर्मी वा कबिला सुधो भगवानसू डरतोणे और
 बीगामें मेकला दान करतोणे वा भगवानकनें रोजीग
- २ याचना करतोणे । उ लोग तीजापोरां दिनका एक
 देवालामें ठोक देखो के भगवानके एक हलकारे बडर
- ३ उंकेकनें जाधर कथो के हे कर्सेलियस । उ उंकेउपद
 देवर डयो वा नाल्यो के हे प्रभु ओ कारे ने उं हलकारे
 उसू कथो के चारी याचना वा चारो दान भगवानकनें
- ४ पितारखवेई प्रायेणे । इवेई जाफामें अनें आदयानें
- ५ मेखर श्रीमोक्षनें संगाय के जीकी नाव पितरनें । उ श्रीमोक्ष

मोची एक जोगका भूपामें रेंगें कें जीको भूयो दरिद्रा
 ७ वकें किराडेंगें तवें जको करखोडें उ तने केंसी । जी
 बख्तवारे कर्बेजियसुमें कयोडो उ गया पडें कर्बेजियसु
 भूपका दोय घडखानें वा जकें उकी चाकरो रोषीना
 करताना वाकें एक जोग यमी डीडवांखानें बुझायो
 ८ ओर कें सगली कथा केंर वानें जाफामें मेल्यो ।

- ९ दूजें दिन वें जातां २ नगरकें नेंडा आया उं बेला दोय
 पोरबेला पितर याचना करबनें भूपकी जातउपर
 १० गयो तद उ मोकलो भूयो ऊबर कृषि घायां पायो केर वें
 ११ रसोइ करताना उं निचालें उ चांधाजि ऊबर पयो । ओर
 करगकी वारबी बुल्यो देख्यो पीर मोढीचादरसरिषी
 चारां बुझामें जोडी ऊई एक चीज उंके नेंडी उत्तरतीर
 १२ घरतीमें उतरी देखी कें जीमें संसारका सगली तरेंका
 चौपद वा अंगसो जिनावर वा उरग वा ऊधरका
 १३ पंवीना । उंपडें एक साद उंके नेंडो चोडें ऊवो कें हे
 १४ पितर उपड मारो वाव केर पितर कयो कें हे प्रभु
 इसडो नही जोस कोई सामान्य बख्त अथवा भोष्ट
 १५ बख्तमें कदे वारें वही । दूजीबेला उं साद उंकेकनें
 कयो कें भगवान् जके निर्मल कयोडें उंनें सामान्य मत्तो कें
 १६ ज्यो । ओ काम तीनवार ऊवो उंपडें वा चादर केर
 १७ खगमें ताखी गई । उं दिवालाकी तंत काई पितर
 मनमें ओ किर करतो २ देयो जको जोग कर्बेजियसुं
 मेल्योडाना वा भीमान्की भूयो कठें ओ यूजियो वा वारखा
 १८ कें सामो उभो ऊबर बुझायर यूज्यो कें भीमान् घठेरेंगें
 १९ कें जीको अल पितर उं । पितर उं देवालाको वास
 बेलीमें चिन्ता करेंगें उं बेला परमात्मा उंनें कयो कें देव
 २० वोन जोग तने सोमनें । इबेई उठ उतर वा कोई सन्देह

- २१ न करर वाकें भेजो जा कौस में वानें मेल्याणें । तद
 कर्षेणियस्के नंडासूं जके आदमी उंके कने मेल्याडाग
 पितर उत्तरर वाकेंकने गयो और बेख्यो के देवो
 जी लोगने छे सोभोने अं उरें नुं इबेई अं जखी चाउनुं
- २२ के छे क्वाबेई आयाणे । वा कयो के सिद्ध वा भगवान
 सूं इदेखवाला और सगला यिज्ज्याकने सुव्यासि इकसो
 डोडवाण्याको धखी कर्षेणियस् एक लोगने आपके भूपामें ले
 खावखबेई आदमी मेलनने और धारेंकने कथा सुखखने
 एक पुन्यवान हलकारासूं भगवानकी आग्या लाधीणे ।
- २३ इबेई वानें उं बुलायर मनवार करी और पितर दूजे
 दिन वाकें भेजो गयो और जाफाका किलाक लोगपिख
- २४ उंके भेजा गया । दूजे दिन वें कारेंसारियामें पोता
 और कर्षेणियस् आपका कबिला वा नेडामिज लोगानें एक
- २५ जगा बुलायर वाकें वाड जेतोणे । पितर भूपामें जायजे
 उं काल कर्षेणियस् उंके भेजो मिल्यो और उंके पगांधर
- २६ उंकी सेवा करी । और पितर उंसूं उपाडर कयो
- २७ के उयड जांपिख आदमी नूं । उंपजे उंके भेजो उं
 कथा बार्ता केंता २ भूपामें जायर मोकला आदम्याने भेजा
- २८ देखा । इबेई उं वानें कयो छे जाडो ने के यिज्जदी
 जातने दूआदेअवाल्या भेजो कीसूंई मिल्यो अथवा
 भूपामें धावखो ठोक नजे लेर कोखी लोगने सामान्य वा
 भिसट न जाखखने भगवान न्हारेंकने चोडे बखोणे ।
- २९ इबेई लोग मने बुलाखने पोचता अं विचार न करर
 आयोनुं इबेई अं पूनुंनुं के मने की कारख बुलायोणे ।
- ३० कर्षेणियस् कयो के चार दिन जवा अं इबेजातोडो पोवध
 करतोणे उंमें तोजापोरकी बेला में आपका भूपामें याख
 ना करी और देवो भज्जाबोलगाभा पेंयां एक लोग
- ३१ न्हारेंकने उभे ऊवी । उं आदमी कयो छे कर्षेणियस्

- यारी याचना सुनी गईने और थारो दान भगवानकने
 २१ पिताखे गयोने इवेई लोगाने आफामे मीकर ओमोनने
 बुलाव के जीजे विद्यातनाव पितरने उ दरियवके
 किराडाउपर रैखवाका ओमोन छेका भूपामे जागा
 २२ करह रने उ आयर तने कथाया बेसी । इवेई उंची
 मेला में तने बुलावखने मेखी और ते चोधा कथोने के तू
 आयोने इवेई भगवानसू जके कथा थारैकने आग्या करो
 ने वे समखी कथा सुखखने हे समजा छेठे भगवानके सामा
 भेला जगाने ।
- २३ तद पितर मुंडा उवाडर कयो के जं ठीक जीखुनु के
 २४ भगवान पक्षपाती नने केर चारैसा देखका लोगाने बिचाले
 जकोबोई उवे डखोने और ठीककाम करेने उ उंसू थारे
 २६ कसोडोने विमु जोर उई समजाके प्रभु उंसू जको
 जावने वा जाव छेठेरो फेरखवाका भगवान विमराएखका
 २७ डावडाकने जके कथा मेखोने के कथा ये जाखोने के
 बीहनने जके दुनी चोडैकरी के दुषी चोडे करखपने
 गाखिबिबिना यिजदाहके समजा देखने चोडे करो गई
 २८ के भगवानने धर्माआसू वा नलसू पिनु नाजरेमूने अभि
 वेव कथी के जको चोवाकाम करवा वा मोडे वागोडा
 आदम्याने प्राजा करवा फियो जाथी कीस भगवान उके
 २९ भेखोने । औरपिख उ यिजदाह देखने वा यिजदकामने
 जकेर काम कया वा कामका सायदी हे जं के जीने वा
 ३० दंडउपर डेरर मार नाथो उने भगवान तीजे दिन
 ३१ उपाडर चोडे करर दिवाखी । समजा लोगाने
 दिवाखी से नही केर भगवानसू मैलडा निने कथोडा
 सायदीकने अथवा नाकने के ग्या उका मरहसू उपया
 ३२ यने उके भेला वाखोयोणी कथो । और लोगाने
 मेडा छेठेरो करयो वा जीवता और मुडदा जिवा जोम

- वांको निघे करखने सेवामें भगवानसूं निघे कसोडा न
 जको उ को साबतो देखने उं नाने आग्या दोवी सगला
- ७३ निमित्तियापिख उंको साबतो देखेने कें जको बोई उंके
 उपर मतोव करेने उं आदमीको पाप नूटलो उंका नाव
 सूं जसी ।
- ७४ पितर आ कथा केने इवेका जिता लोग कथा सुखता न
 ७५ वां सगलाउपर धर्माका पयो । ध्यां सुनतो लोगां
 प्रतीव करीनी अथवा जिता लोग पितरके भेला आया
 वां अठेरो मांयो कोस दूजामुसकियाउपरपिख धर्माका
 ७६ को दान कछायो गयो । कोस वां ओर न बोली
 ७७ बोसता वा भगवानको खुती करता वां सुखी । - तद पितर
 उथलो दोने के ने जियो धर्माकामें लायेने उंने तथी
 लायेने जको यां यानें हुनोदिरायेडो होखेई पांखी वरज
 ७८ कुय सकें । इवेई प्रभुका नावसूं वानें हुनोदिरापखने उं
 आग्या दोनी उंपने ओर जिताक दिव वाके भेला देखने
 वां उंसूं बोनतो करी ।

११ इयारमो यानि ।—यिददाह देअका हजकारा
 वा भायां सुखी के ओरदेअका आदम्यां भगवानकी कथा
 २ आरे करीगी । उंपने पितर थिहअकाममें पोता
 पने सुनतो जको वां उंके भेला जिपायो वा कथो के
 ३ तूं बिगरसुनतीलोगांके आयर वाकेभेला ओम्पेने तद
 ४ पितर ठेठसूं वे सगली कथा हकिमतवार वांसूं कही । उं
 ५ दयो के छं आफा नगरमें याचना करवोने ओर मुनीं
 वायर में एक दिवालो देखो मोटीचादरसरोवो एक बख
 खर्गसूं उत्तरतोइ चाहबुवासुं उतरी नी ओर नारेकेने
 ६ आई । में उंकेउपर एक दृष्टसूं देवर खीत करी ओर
 संभारका पोपद वा जोडका जिनावर वा उरग वा अथरको

- ७ पंथानें देखा । उंपते में एक साद सुणो कें जी कयो कें
 ८ हे पितर उचळ मारो वाव । खेर में कयो कें हे प्रभु इतो
 नही सोस सामान्य अथवा भिष्ट वल्ल न्हारा मुंडामें वदेई
 ९ वडो नही । उं साद दूजीवेळा खर्गसूं मनें उचळो दीनो
 कें भगवान जको पाक कयोतें उ जको सामान्य सो मतो
 १० जंथ । सो काम तीनवेळा ऊवो उंपतें सगळो वळां
 ११ खर्गमें तांखी मई । देवो उंवेळा तीन लोग कारेंसारि
 यासूं न्हारेंकनें हलकारा खवर उं भूपामें आयोणे कें
 १२ जठें ऊं रयो । वकें भेळो घोषीतरें जावनें धर्मात्मा
 मनें आग्या करी खोर कें ७ भाईपिळ न्हारेंभेळा गया
 १३ उंपतें हे उं आदमीका भूपामें गया । उं न्हानें खवर दीनी
 कें उं आपका भूपामें हलकारानें देखो कें जको उभो
 ऊवोणे वा उंनें कयो कें जाणामें आदमी मेळ दे खोर
 १४ सोमोमनें बुलाय कें जको विव्यात नांव पितरतें उ कथा
 कती कें जीसूं तूं वा घारा कविळा उबार यासी ।
 १५ ऊं कथाकेंळ जागांसूं धर्मात्मा जियो पैखडा न्हिकें उपर
 १६ पणोणे तियो वकें उपर पणो । तद में भगवानकी
 कथा चिवारी कें जी कइं योहन पाँवोमें दुबोदिराई सही
 १७ खेर से धर्मात्तामें दुबोदिराई ऊई ऊयो । इंवेई प्रभु यिभु
 खीटमें प्रतीत करखवाळा न्हानें भगवान जकी दान दिनेणे
 उं उई दान वानेपिळ दिवापतें ऊं काई भगवाननें वरज
 १८ सकूं । वें आ कथा मुखर अनेल्या ऊवा उंपतें भगवां
 वकी सुवो करर कयो कें भगवान दूजादेनवाल्यानें आउ
 वो देववाचो घामळा दीनातें ।
 १९ उंवेळा खेफामसूनें फायदामें जको विरोध गे उरूं
 जके पितरनिवरण वा यिऊवाविगर कोनेई कथा उंठेरो
 न कोखो फिनकिया वा कप्रसू वा आन्धियोखलोडो गया ।
 २० वानें कित्ताक लोग कप्रसूका वा विरोधोका पियेण वा आन्धि

बोखमें जायर योक् बोगाभेजो प्रभु सिनुने छटेरो फेसो ।

२१ ओर प्रभुको हाथ वार्किं भेजोने उंसू मोकला प्रतीव करर
प्रभुकांनो मुखा ।

२२ वार्किं फायदामें आ खबर यिहअलममें टोखिणी सुख
में आई उंपणें वा नार्खेवानें आन्तियोखमें जाखनें मेस्यो ।

२३ उं आन्तियोखमें घेतार वा भगवानकी अनुग्रह देवर
आनंद कयो ओर वा समजानें सोबाबख करो बें मनमें

२४ एक करार करर प्रभुकांनो मन खगाधर रया । खोस
उ हुडियो आदमोने ओर थर्मोआ वा प्रतीवसू पूरोने

२५ ओर मोकला आदमी प्रभुकांनो कया जया । उंपणें जाउल

२६ वेई सोअखमें वार्खेवा तारओसमें गयो ओर उंनें जाधर
आन्तियोखमें लिधाया उंसू वें टोखीके भेजो वरसेक देर
मोकला आदम्यानें भजायो ओर आन्तियोखमें जेला भगवांन
की निखयमें खिछीयान् नावसू पेंखडा दिव्यात् जग ।

२७ उंवेजा नीमितिया आन्तियोखसू यिहअलममें आया ।

२८ ओर वार्किं एक बोग में जीकी नाय आगावसू उठर पर
माआसू गुदराई बें मोटी मुगाई सगला देनमें ऊसी
खुंदिक् दिनांपणें आदियस् काईसरकीवेजा वा ऊई ।

२९ इवेई वार्खेवा आदमो आपका मुंडामाफिक सिजदाह
देनका देखवालाभायाकनें खुंदि मदत वरच मेखबको

३० जेवा ठेरायो । उंपणें आ करर वार्खेवा वा जाउल
की नावसू बोदोडा जोगाकनें उ मेस्यो ।

११ वारमो यानो ।— उंवेजा हेरोइ घातया टोखी

२ का कित्तक जोगानें दुख देखनें हाथ जोडा कया ओर

३ योहनका भाई याअकुननें पातीसू मारनाथ्यो । ओर

इमें यिजदियांको राजी ऊई आ देवर घितरनेंयिज

अपडनकी आरो करी उंवेजा निगरवाटाकी रोटीका दिन

१. ॐ । तद उं पातयाह उंने कपडर अठक कयो और पेनाख
पठे उंने लोगांकेने काहखनेई मनमें क्यायर चारचोवडी
५. डोडवाण्याके हवाके उंने कयो । इनेई पितर नेता
सरमें राधो गयो लेर भगवानकेने टोलीसुं दोजीना
६. उंनेनेई याचना करी गई । हेरोद जीपुल उंने काहखकी
मनमें करी उं रातका पितर दोयडोडवाण्याके बीचमें दोय
सांकलसुं बांधो रेंर सूतीगे और योराव्या बारखके
७. सांमा पीरो देता ॐ । उंनेला देवो भगवानके एक
हलकारे उंने दिपावो दीना और अठकमें चांनखो
चोठे ऊसी तद उं हलकारे पितरको बगलमें मारर
उंने जागायर कयो के वेगो उपड उंसुं उंका हाथसुं सांकल
८. बुलगई । उंपठे हलकारे उंसुं कयो आपकी कड बांध वा
भावडी पैर तद उं उ कयो उंपठे उं हलकारे उंने कयो
९. के धारो गाभो ओहर न्हारे पिगडो२ आ । तद
उ बारखे गयो वा उ उंके पिगडो२ गयो और समजो
नही के ५ साचठे के अको हलकारे कयोले लेर मनमें
१०. सोचो के आप एक देवालो देव्या । वे पैलडी वा दूजी
चोको गुडायर भी लोहकी योलसुं बगरमें जाताग उंके
कने आया उ बारखो आयसुं आप उपयो उंपठे बारखे
गीकखर वे एक मारगके वृजातोडी गया तद हलकारे उंने
११. गेयो । पितर सावचेत ऊयर कयो के अंअके ठीक
बांधुं के प्रभु आपका हलकाराने भेजर हेरोदका
हाथसुं वा सगले विज्जधांकी बाडभोवखसुं मने गेहायो
१२. ॐ । और उ गोर करर जीको विध्यात नांव मार्के इसो
अको योहन उंकी माउ मारिपाके भूपामे आयो उं जागा
१३. मोकला लोग याचना करता भेला ऊवा । तद पितर
बारखो कुठेने इनेला उठे बुबठे आ बांधखने श्रोदा
१४. नांको एक मोट्याररंड आई । और पितरको साह

- जाखर राजोमन होखसू बारभो व उघाओ लेर दोडर
 १५ माय बडर बोको के पितर बारखे उभोते । उसू वा
 उनें कयो केतू गेकी ऊईते लेर उ ठोक साचेते आ
 निने उखिचारे कही तद वा कयो के उ उंको हलकारो ते ।
 १६ लेर पितर बारभो कूटतो उभो रयो उंपते वा बारखो
 १७ वेकर वा उनें देवर अचंभो जाणो । आर उं वाने
 अनेलो रेखने हाथसू सांगो करर कयो के प्रभु जी उखि
 चारे उनें अटकसू नुडायोगे ओर उं कयो के याअकुब
 ने वा दूजाभायाने आ ववर दे उंपते उ लदर दूजो
 १८ जागा गयो । दिन उगापते पितर कठे मयो डोडवांखाते
 १९ बोचमें इ कथाको मोकलो हेको ऊवो । उंपते हेरोद
 सोभर उंको ठिकाणो न जाघर घोरान्याको व्योस बरो
 वा वाने मार नांघबकी आग्या दीनी लेर पितर यिऊदाह
 देन गेडर काईसारियामें गयो वा उठे रयो ।
 २० उनेला हेरोद सोर वा सीदनके सोमाउपर मोटो
 विराजो गे लेर वे एकमनसू उंके सांमा आया ओर हा
 टसू नाव राजके दिवानने आपके कानी करर मेल्या
 २१ चायो क्योस राजाका देनसू वांको देन पल्येडोगे । उ
 पते एक निने कयोडा दिनमें हेरोद पाससाई सिनगार
 पेरर तमतउपर बैठी ओर वांकेकने कथाकेही घोडे
 २२ करी । उसू लोगा मोटासू कयो के ओ भगवानको
 २३ सादते आदमीको नते । उंईनेला भगवानके हलकारे
 उनें मायो क्योस उं भगवानको महातम आरे कयो बही
 उसू उ कहांसू वायोडो ऊयर मयो ।
 २४ लेर भगवानकी कथाने फैलाव लाधी । तद बारखेवा वा
 आउल ओरानकी निमबता कयोडां चाकदि पूरी करर
 २५ यिरुजममें मुड गया ओर बोहनने खारे कानो के
 गीको घस मारकेते ।

११ तेरहो यानि।—उन्हेका बार्हेवा वा भीमेन् के जीने
 निगर केँ वा किरियोको लूकीयस् वा मनाहन केँ बवे
 पोघाईको बबो हेदोदमेला पलसोने वा जाउल्लनिगर
 किताक निमितिया वा भखावखबाका शान्तिपोखको होखीमें
 २ ग वें भगवानकी सेवा वा पोषध करवख् उन्हेका धर्माका
 कयो केँ जी काम उपर में बार्हेवा वा जाउल्लने निने
 ३ कयोने बाने उ काम करखेँ न्दारेनेई बुदो करे । हनेई
 वा पोषध वा याचना करर प्राकेँउपर हाथ सेवर
 बाने निदा कखा ।

४ तद वें धर्माकासूँ मैखोका ऊपर सञ्चक्रियामें गया
 ५ वा उंपने उठासूँ नावउपर कपसमें गया । उंपने

साख्मिसमें पोषर यिऊयाकेँ सगलेँ सिमगगमें भगवानकी
 कथा छेरेको फेरी सेर योचनपिख बाने मदद करखवाले
 ६ ने । वा उं जगीरमें सगली जागा पाकोसकेडी भूख

कर वारयिनु नावको यन्न लोग यिऊदी श्रीरोकने कूडा
 ७ निमितियामें काये । सर्मियस् प्राखोखस् नावकेँ

प्रकन्सख मोटा निवेवाव आदमोबने उ लोग रघोणि उ
 प्रकन्सख बार्हेवा वा जाउल्लने बुजायद भगवानकी कथा

८ सुखने चाये । सेर भीको नाव यकीमास् चर्येख
 श्रीरोक्याने उं प्रकन्सखमें भगवसूँ फिरांपखकी खीत करर

९ वाकी उकटाई करी । तद जाउल्ल केँ जीने पाउल्लमे
 ने धर्माकासूँ पूरा ऊपर उकेँउपर यख हलसूँ देवर

१० बोखो केँ हे खोटाई वा कोभिचिणामें वेखोका मोडका
 हाववा सेर सगला सोधाको बैरी वूँ कई भगवानको

११ पाधरो मारग वाकी करखमें नेकसी नही । हवेई
 देख बने भगवानकी हाथ धारेउपर नेँ उंसूँ वूँ चाये

ऊसी वा किताक दिन सूरज नही देखेँ खवतो उंसूँ
 १२ वा

- एक ओर वा अंधारो उँकेँउपर भट पयो ओर उँ मुडर
 आयको हाथ कपडर मारम दियाकबनें कीकी आदमीनें
 १२ सोओ । तद प्रकस्तज् वा कयोडा कामनें देवर प्रभुकी
 सोबावखनें अउरो जाखर प्रतीत करो ।
- १३ उँपनें पाउज् वा उँका भेलपी लोगाँ पायोस् ओडर
 प्रपित्तियाकेँ पगामेँ आया लेर घोहनू वाँनें ओडर बिह
 १४ जेवमनें धियो । उँपनें वाँ परगाँ ओडर पिसोदियाकेँ
 आन्तिओखनें पीता ओर दीतवारनें सिनगगमेँ बडर वेँठा ।
- १५ तद तौरत वा निमित्तियाकी बघा भण्याँपनें सिनगगका
 अण्याँनें वाँकेँकनें आदमी मेतर कयो केँ हे आदमी भायाँ
 लोगाँकी सोबावखकी बघा खुँहि अर घाँकेँकनें केँ वैर
 १६ कयो । तद पाउज् उँभो ऊयर हाघसूँ सांगी करर
 बोल्याँ केँ हे थिअराएकी लोगाँ वा भगवानसूँ निहयवासा
 १७ ये सुयो । याँ थिअराएकी लोगाँनें भगवान न्हाकेँ पित्त
 रानेँ सरया ओर लोग मिसरमेँ मुसाफरी कयाँपनें वाँनें
 उँकर कयो ओर बाँहवख ऊयर उँ देअसूँ निकल्यो ।
- १८ उँपनें बरस चाओसेक जोडमेँ वाँका काम सवा उँपनें
 कनअनू देअनें सातगोल्याँनें घोअगमावख वाँकी धरती
 १९ विराठ करर वाँनें केँठार दिना । अँ साछा अर
 सब बरसाँतोडी ग उँ काख उँ सामुएल् निमित्तिया
 २० तोडो वाँकेँ उँपर ध्यातकरखवाखानेँ दोनेँ । उँपनें वाँ
 राजानेँ मःमःसूँ बेन्याँमिन्केँ गोतीका कीको डावडे
 २१ आउज्नें भगवान वाँकेँ उँपर चालोस बरसाँतोडी पात
 २२ साईं प्रर दीनी । उँपनें उँनें अखगो करर वाँकेँ उँपर
 पातसाईं होखनेँ दाउदनें उँपजाघो उँकेँ फायदानेँ उँ
 सापतो दोनेँ वा कयो केँ विसकी डावडे दाउदनें मेँ आप
 का वातरसरिषो एक लोगनें बाँधोनें उ न्हारो सगलो
 २३ मममापिब काम पूरो करसी । इँ आदमीका डाव

- २३ हासुं बीहन् उंकी आगडोजानवासा ऊपर उंके मोठे कर
 खनेई धामनाकी दुनी धिअराएत्का सगला लोगाकेकने
 पीयां पने उ आघका करारमाफिक धिअराएत्वेई यिअ
 २४ उकारकरखवाखाने उपजायेगे। घोहन् आपकी
 काम पूरा करतोइ कवीं के जं कुणुं ये इमें काई समभो
 गे जं उ लोग ननुं खेर देवे एक लोग न्हारे पिआडी
 २५ आयेगे के जीकी पगरवी घोहखलायक जं ननुं। ये
 आदर्या भायां आवरहामकी घोलादका डावडा वा घाके
 बीचमें जको कोइइ भगवांसुं इरेगे घाकने आ उकार
 २७ की कथा मेकी गईगे। कोंस विहमलाम्बासी वा
 वांका शिखसीदी उंके नज्राखर कोर जके कथा पावेगी
 अदीतवारने वाकने भखी जायेगे वा निमितियांकी कथा
 थिय न समभार उंके दोषी करखमें वा निमितियांकी कथा
 २८ परवारीगे। कोर मरइको कोइ करख न काधर
 २९ उंके मारनबाखनेई घोलात्कने वीनती करी। वा
 उंकी वासवेखोमें जको सगलो लिखोगे उ परवारर उंके
 ३० हंसुं उतादर घोरमें साथी कोर भगवान उंके
 ३१ मोतसुं उपाये। कोर जके उंके मेला गाजिलिसुं
 विहमलाम्में आघा वाकेकने उ मोकको दिन देख्यो गये।
 ३२ के जको आदर्याकने उंके सायदीपिय ऊरा। कोर न्हे
 घाकेकने के मंगलिक कथा छेरेो कोरांका के जको करार
 बडेराने दीना गयोगे भगवान यिअने उपाडर वाका डावडा
 ३३ जके न्हाका न्हाकने उंके परवाखागे कोंस दूजागीतमें
 लिखोगे के तू न्हारे डावडे आज में तने जखायेगे।
 ३४ कोर कदे खिअगमावनमें फेरनजायेवेई उं उंके मोतसुं
 उपायेगे उं उंहि उथिहारे कयोगे के दाउदउपर काठी
 ३५ जका दया वा दया के घने देखुं। इ तंतमें उ कोर
 एक जागापिय कचेगे के तू आपका धर्मी लोगने खोज

२६ देवता न देवी । कील दाउद जद भगवानका मव
माफिक आपका जीवतथका समयको काम परवासेो ने
तद गीद जयर आपका बडेरभिलो जयर खोज
२७ देवो । खेर जीने भगवान दूजीवेला उपायो उं कुंछि

२८ खोज देवो नही । इवेई हे आदम्या भायां थांके
कने था ववर के के ई आदमीका उकराससूं थाकेकने पाप
२९ नुटाका छटेरो पेटे खेर जने सगला उंकेउपर प्रतीव
करेते उ जको समजी वामोसूं मोमधुको तौरैतका कामसूं
के किगरकमी जय सभोतणे वां समजासूं वें वामी

३० दार जजाय । इवेई इंसूं निरवेवांन के का जाया
३१ वा कथा थकेउपर आयपडे के जका निमितियांकी कथा
सूं लिवाते हे निकमीकररजाखवाला के देवो वा अठेरो
जालो वा खोजने लायो कौस जको काम थाने कौनो
कैलसूपिख के प्रतीत न करयो इसा काम थांको सममें
अं करण्यु ।

३२ विजदो सिनमगू ठोड गयो पडे दूजादेमवाल्या वीनती
करो के के कथा आखवालादोववारमें वनेकने छटेरो

३३ पौयो जाय । टोली सगली जापे जवापडे मोफला
विजदो साधमी सिनजोगाने पाउल वा बायेवाके पिनाडी
मया वा वाने केर भगवानको अनुग्रह सदाई निखल जयर
देवको सिवाक करो ।

३४ छपडे होतवारने प्राय सगलो नगर भगवानकी
३५ कथा सुनेने भेसा जयर आवा । खेर थिजवां घाह दे

३६ यद बुराईमें बोखाना खेर पाउल जकोर कयो उको बैर
वा गोई करता उंका उंखार्द कथो तद पाउल वा बाये
वा निडर कयो के निसे ते के भगवानकी कथा थाकेकने
मैलडा कही जाय खेर ये लने अजोगो करर वा आपने अम
कीओवकमें बालायको मनमें लावा देवो के दूजादेम

- ७७ बाल्याकांनी मुंडी पोरानां । कोंस प्रभु नानें आ आ
ग्या देर कयो तें कें में दूजादेअवाल्यां आदम्यानिं पांनयां
तमें निखें कयो तें कें तूं संसारका उवडातोडी उजार
७८ वेई कै । दूजादेअवाल्यां लोमां आ सुगर राजी अयर
प्रभुको कथाको सेभा करी और जिता लोग अनंतआउषो
७९ पावखवेई निखे आ तितालोगां प्रतीत करी और
८० प्रभुकी कथां वां सगलां देअमें पसरौ । यिऊदा जिताक
लोग भक्तिभती वा मोटी आवडवाली जुगार्यां वा नगर
का सिलेदार लोगानें टंडोअर पाउख वा बाल्याका बैरमें
वाडनाकी मिर करी और वानें वांकी सोंवसूं वकाय दोना ।
८१ जेर वां वांका बैरमें आपका पगकी धे माडकाई उंपतें इतो
८२ नियममें पोवा । और चेला आनंदसूं वा धर्माआसूं
भयापूया का ।

- १७ चौदमो पानो ।—इकोनियममें इतो जवो कें उ
लोग यिऊद्याकें सिनगरमें भेखा अयर गया और इतो
कथा कही कें मोकला यिऊदो वा गीक लोगां प्रतीत करी
१८ जेर प्रतीत न करखवाजा यिऊदोलोगां औरदेअवाल्यां
आदम्याको मन टंडोल्या और वांके भायांका बैरमें दुष्ट
१९ पयो कयो । इं कारख वां मोकला दिनातोडी रैर
निडरअय प्रभुमें कथा कही कें जीवें आपका रैममें कथाको
साबतो दोना और कें इतो पोष दीना कें वांका वाचसूं
२० जखेख वा अरेराकाम कखा जाय जेर नगरकी जमात
बारीश गोख ऊई उंसूं एकटोखी यिऊद्याकांनी वा इक
२१ टोखी हलकाराकांनी जो । जेर अद दूजादेअवाल्यां
वा यिऊद्या वा वांका मनसोथा वानें संतावखवेई वा भाठा
२२ बगाअर मारखवेई प्यारी करी । तद वें वा जाखर
२३ वकाओनियकें जखा वा दविं नगरमें वा जंका नेडाका

- देजमें भाग और उठें मंगलीकवातां छंटेरो केरी लकामें
 ८ एक लोग बैठोने के जीका पग निबला वा जको माउका
 ९ पेटसुं घोडे, ने वा कदेईं जाल न सकें । उं लोग पाउलकी
 कथा सुबो उपठें पाउल उंके उपर एक दृष्टसुं देखो और
 उंमें ताजे हीसकी प्रतीत जका जर्र आ जांडर मोटा
 १० सादसुं बाल्यो के पगासुं उभो कै उंसुं उलोग कूदर
 ११ पाजय लागो । उपठें लोगां पाउलका वें काम देवद
 लकाओनी बोलीसुं मोटांमें कयो के आदमीकी जवो
 १२ पकडर देवता हाकेकनें उतरया ऐं । उं कारक वाली
 बाको नांव वा दीयोस्करर दोनो वा पाउलकी नांव हेमसुं
 १३ कोस उ प्रधान बोलखेवालो । तद दीयोस्को जको
 मोहित वकें नगरकें सामो ने उ लोग बलब वा फूलकर
 माजा बारखाकेकनें ल्ययो लोगां भेलो वाकनें उप
 १४ सर्ग करय लागो । लेर बाणवा वा पाउल हलकारा
 वा सुखर आपका गामा फाया वा लोगांमें दीडर मोटा
 १५ देजासुं कयो के हे नाराज के काम को करोने के
 पिण्य घाकें जिखा निबला मायव न और घाकेकनें छंटेरो
 करांजा के ये आ गिकमी बस नेडर जीवता भमवाब
 कांनो मुडो के जीमें खर्ग वा घरती वा दरिवाव वा उंके
 १६ बोचमें धकेर ऐं यां सगलांनें उपजाया भी अगाडो
 सगला देजका लोगांनें आपका २ मारगमें चालखे दोनाऐं ।
 १७ लेर घुराकसुं वा राजीसुं हाको मन भयोपूखो करर
 मंगलीक करखसुं वा खर्गसुं बघी वा फलवान पुल दससुं
 १८ आपनें बिगरसावतो राध्या नहो । और आ कथा
 कयांसुंपिण्य लोगांनें प्राय निवेद न करसकियो के वाकेकनें
 उपसर्ग न करे ।
 १९ उ बेला कित्ताक यिज्जयां आन्तिप्रेख वा यिकोनियमसुं आ
 यर लोगांनें मनायर पाउलनें भाठा नगायर मायो और

- २० उनै मणो बाखर नगरके बाखे उनै घिस ल्यायो । जेर
 उनै चाराकांनी पैला उभा ऊवांपने उ उपडर नगरके
- २१ माय गयो वा दूर्जेदिन बाखेवाभेलो दाबेमें गयो । उं
 नगरमें मंगलीक कथा छंटेरो फेरर वा मोकलाने सोधा
 बख देर चेलाको मन दह करवा वा प्रतीतमें प्रतीतो हो
- २२ खकी कथा केता वा सोधावणकरता के ने मोकला बहसूं
 भगवानके राजमें बड्यां व लखा वा यिकोनियम वा आन्ति
- २३ योखमें फेर गया और घाबेजी टोलीमें वाकेदेई सेदोछा
- २४ लोगाने निखे करर वा पोषध वा याचना करर जी भगवां
 नके उपर वा प्रतीत करी जी उं प्रभुके वाने भलाय दो
- २५ ना । उंपने वे पसिदीया देनमें ऊयर पंपजीयामें पोता
- २६ वा परामें नाता छंटेरो फेरता आटाकियामें गया । और
 उठासूं नावउपर आन्तियोख गया के जठासूं वे जको
 काम करखनेई भगवानकी सपामें भलायोडा ऊयर गया ।
- २७ वा उठे पोतर वा टोलीका लोगाने भेला करर छोटेकखा
 के भगवान वाके करणसूं जकेर काम कखा ग और प्रतीत
- २८ उखिहारें फलसो दूर्जेदिनवाख्याके जी उखिहारें बोखो
 जे उंपने चेलाभेलो वे मोकला दिन उठे रवा ।

१५ पनरमो पनि ।—उंपने कित्तक लोगां यिजदाह
 देससूं आयर भायामें आ कथा भखाई के ये मोमहको ता
 रेंतइसा सुनत ऊवांविगर उखार पावख न सकयो । इं
 वेई वाके भेलो पाउल वा बाखेवासुं कथाको राड वा नि
 चार मोटो ऊवा उंपने वा सो निखे कयो के पाउल वा
 बाखेवा वा वाके बिचमाका दूर्जाजोग हलकाराके वा बोदो
 र वा लोगाके इं घासवेजीमें यिदअलममें जासो । इवेई
 वा आयका जादका मारगमें टोलीसूं मदद पायर दूर्जा
 देमवाख्याको मन मोडयको समाचार देतार फिनिकिया

- वा समरोख ऊयर गया उंसुं सगला भायां मोठी शक्ती
 ७ करी । त्रिं थिंनल्लममें पोतर टोली वा हलकारा वा
 बोदोडा बोगांसुं आदरभावलीना ऊयर कयो में भग
 वांन वांके करखसुं अके सगला काम कया जे ।
- ८ खेर फारिमी मजहबी किचाक प्रतीवनालां कोगां उप
 डर कयो के वांकी सुवत करखी वा मोजहबी तौरेंव पाक
 ९ नकी आग्या देनी बिसीं जे । तद हलकारां वा बोदोडालोम
 १० को बिचार करखनें पंचायसमें बैठे । खेर मोखला वयस
 आवांसुं पितर उपडर वनिं कयो के हे आदमी भायां ये
 बांकी जे के मोखला दिन जवा भगवांन सरायो के न्हिं
 बीचमें न्हारी बोली खेरदेनवालो मंगलीक कथां सुखर
 ११ प्रतीव करसी । खेर मन बांखखवाला भगवांन जियो न्हिं
 में धर्माआ दीनेजे तियो वानेपिण धर्माआ देर साबतो
 १२ दीने । खेर वांके मन प्रतीससुं उजलो करर न्हिं
 १३ वा वांकी क्युधि आंतरो नही । इनेई अनें जको ज्वाडे
 न्हिं अयवा न्हिं पितरां सैख न सकां इसो ज्वाडे
 चेलांका गलामें दैखसुं भगवांनकी परष क्यो करी जे ।
- १४ खेर न्ह प्रतीव करी जे के वें जके उदार पावें प्रभु थिंनु
 १५ खोछकी कपासुं न्हिंकोपिण उदार उसोई असो । तद
 सगली धाड अनोखी देर अके अनेराकाम वा अखस भग
 वांन दूजादेनवाल्यांके बीचमें वांकी मारफत कयो जे
 यां सगलाको घेडे करखवाला पाउज् वा बाखेवाको कथ
 १६ उपर गौर करी । वा कथायां केखी परवाखांपनें
 याअकुन् उजलो देर नोख्यो के हे आदमी भायां न्हारी
 कथाउपर गौर करे जीमिबोन् कयो के भगवांन आय
 १७ का नांवनेई दूजादेनवाल्यांसुं एक कोगांकी टोलेवेकनेई
 १८ वांके उपर पैलड दृष्ट करीजे । निमितियांकी कथा
 १९ पिण यांके भेजी मोवी जे के जीनें को सिष्योनें थिंनु के

- बको ओ सगलो काम करेउं उ बनें बें गेके पनें जं केर
 आयुं ओर दाउदको जको डेरो पयोउं उ उपाहसूं
 १७ उको फाटोफुटो सांवरि करसुं वा उ उभाकरसुं बें
 बाकी लोग वा जो देनका आदर्याउपर नारी नाव कयो
 १८ बाय वेंपिब यिऊधुं सोभे । आलमबें पैकडाता
 १९ आपका सगला काम भगवानकनें जाया जायउं इनेई
 जं सत्ता देवुं के दूजादेनवाल्यानें बोचाले बको भम
 वानकाओ फिरेउं वाने सोसीस न देवे खेर के बें देवता
 २० की वासवेलोमें कामके उलिहारें भिछता ओर जारी ओर
 गल भीचोदेर बल वा कीरं जेउं वकेकनें आ लिसे ।
 २१ कोस मोमइको आस रोज अदोतवारनें वके सिनगर
 में भयो गधांपउं जको उको छंटेरो फेरें इसा लोग पैकडा
 सुं चावेजी नगरमेंउं ।
 २२ वद आपके कानीका खातरिमाफिक लोगनें बाबेवा वा
 आउकके भेले आतियोखमें मेलखनें हलकारां वा बोदोडा
 लोग वा सगलो टोली राजी ग इवेई भायाके बोचमें भला
 नाव आदमी अथवा यिऊदाइ के जीको विधियात नाव
 बाभेवा वा ओलाखनें निखे करर वाकी बाइसूं ओ कागद
 २३ मेल्ये के दूजादेनवाली जके भाई आतियोखमें वा सिरि
 यामें वा किलिकियामें रेउं वकेकनें हलकारां वा बोदोडा
 लोग वा भाई वनखा मेलेउं ।
 २४ हे आ कथा सुबोउं के कित्तक लोग के ज्याने हे कुंइ
 आग्या न करी न्हासुं जाधर धाके मनके बैरकरखवाला
 ऊधर वा सुनती होयो ओर तौरैव पांजखको निखे उं आ
 २५ केर धाने फोडा कखाउं । उउपर हे एक मनसूं
 २६ पंचायती करर मनसोको कयो उं के न्हाके प्रभु यिमु
 खोइका नाववेई आपको बौव भलायोउं के जको न्हाको

- बाली बाखेंवा वा पाउळ न्हाकें भेलो खातरमाफिक लो
 २७ गांनं थाकेंकनें मेल्लो ठोक उें । इवेई विज्जदाहनें
 वा ओलासुनें मेल्लो उें कें अकापिख बाली वें कथा केंसी ।
 २८ क्वोस देवताको सीरखी वा लोई ना गावड भीपरमा
 २९ खोडो बख वा आरो खें निसें गेडखकें कामविगर और
 क्वहि भार थाकें उपर न देखने घर्मात्माको वा न्हाको ओ
 मनसोवो राजी को या कामासुं आपनें रुखाली करखसुं
 घोष करसि थाको मंगलोक को इति ।
- ३० इवेई वें विदा ऊयर आन्तियोखमें गया और जमातनें
 ३१ भेजी करर वनें कागद दीना । वा उ वांघर उंकी वा
 ३२ बरोसुं राजो ग और विज्जदाह वा ओलासुपिख आय
 ३३ निमित्तियो ऊयर मोकली कथायां केंर भायानें, सोषावख
 दोमी वा चैन कर्ण वा क्वोहि दिन रैर भायांसुं हलकारां
 ३४ कनें जाखनें राजीवाजी विदा पाई रैर ओलासु उठें रयां
 ३५ जाये । और पाउळ वा बाखेंवा और मोकलासुं सी
 वावण कराता और प्रभुको कथा छंटेरो देता आन्तियोख
 में रया ।
- ३६ किताक दिनांपठें पाउळ बाखेंवानें कथा कें थ्यां सगली
 बगरांमें न्हे भगवांनको कथा छंटेरो फोयो उें आवो आप्रां
 फेर जायर वा बगरांके रेंखवाजा भायानें देवां और वें
 ३७ किता उें आ पूजां । और योखन् कें जोको अक्ष मार्क
 ३८ उनें भेलोखेखकी सखा बाखेंवा दोनी । लेर जी लोग
 नें वानें यम्यजियामें जेथोणे और वाके भेलो उं काममें
 न गयो ने उं सोमके भेलो लैखी ठोक नही पाउळ ओ
 ३९ ध्यान क्यो । इवेई वाको इतो मोटो रोस जवोणे
 कें वें एक लोग दूजा एक लोगसुं थारा जवा उंपठें बाखेंवा
 ४० मार्कनें वारें लेर कपसुमें नावउपर गयो । वा पाउळ
 ओलासुनें सराये और भायांसुं भगवांनका कथुयखमें

सुंघीडे जयर चाख्यो वा टोळीनें घेन करर सगला
सिरिया वा किलिकिया मुलकसूं गया ।

१६ सोलमो पानि ।— उंपडे उ दवेमें वा लखारं
आयो और देवो प्रतीती यिजदाह् एक लुगारंको उवडे
तिमो तियस् नांवको एक वेगो चेतो उं आगा ये लेर उंको
२ नाभो यीक ये । लखा वा यिकानियम् वसीवांन भ या
३ के वीचमें उंको चोषो नांव ये । उंनें आयके लारे
पाउल लेर चावो उं कारख उंनें लेर उं कानिमें रैख
वार्जा यिजदाकेवेई सुगत काराई कींस सगला जांयता वा
७ के उंको नाभो यीक ये । और वे वां सगलां नगरांमें
जातां२ पाउलवेई वा आगा वाकेकनें भलाई के जके यिह
५ अजमका हलकारा वा नोदेडां कींगासूं निखें वा । ई
कारख सगली टोळी प्रतीतसुं निखल जयर रोगोनां२
बधी ।

६ उंपडे वे फ्रिगिया वा गालातिया देस देर गया वा आसि
७ यामें कथा केता२ धर्मात्मासुं बरख्यो साधर मिसियाकांनो
जायर नोतानीयामें जांख लागे लेर परमात्मा वांनें जांख न
८ दोना इवेई वे मिसिया गेडर चोआस्में पोता । उं
९ वेला पाउलकनें राख्यो एक दिवालो चो उं उवो माकिदोनिया
याके एक लोग उभे जयर आ कथा केर उंनें बीनती
करी के तूं माकिदोनियामें पार उतरर न्हको उभगा२
१० कर । उं उ दिवालो देघर प्रभु निखें वाकेकनें मंगलीक
कथां ठंठेरो फेरखवे न्हामें बुलाया ये आ ठीक कथां घडे
११ वे भट माकिदोनियामें जांख लागे । इंकारख जे आस
गेडर न्हके पाघरामारगसुं सामोचाकियामें गया वा
१२ दुजेदिन आनेपोलिसमें पोता । और उठासुं फिलिप
नें गया के जको माकिदोनियाका उं कानीका छावानय

- १३ वा एक जिलोपिखडे उं नगरमें न्हे किलाक दिन रयस । और
 अदोतबादन न्हे नगरके नारखे नदीके तीर एक जागा
 गया के जठे रीत सरीखी याचना करो जाय उपडे न्हे बैठा
 पडे जके सुगाया उठे भेलो ऊई वाने कथा कथो ।
- १४ तीयातीरा नगरको लदिया नांवको बेमणा रंगका
 गाभाकी एक घोपारखी भगवानको मूजबवाखी एक सुगई
 खाकी कथा सुखो के पाउलके जीभसुं जका कथा कथी
- १५ जे वे कथा मानखने प्रभु जीके मन बोलो । और
 वा सुगई कविलासुधा डुबोदिराघोडो ऊयर आ कथा केद
 न्हेने बोनती करो के अर ये मनसोवो कथो जे के क प्रभु
 उपर प्रतीतीनुं दो न्हेरें मूपासे आयर रयो और उं
 कथासुं न्हासुं जोर कथो ।
- १६ उंकेला हसो ऊवो के न्हे याचना करखवेई उं जागा का
 तार कखंपिसाचको आत्म राखणवाखी एक डावडी न्हाके
 भेलो मिली वा गिखणसुं आपका खलीकी मोकलीमाया
- १७ मिलती जे । उं डावडी पाउल वा न्हाके पिण्डो
 जायर मोटासुं कथो के अ परसेअरका चाकर जे के जके
- १८ उदारको मादग न्हाकेकने चाडे करे जे । डावडी
 मोकजा दिन हसो करती जे लेर पाउल दुखीऊयर भठ
 को और उं आत्माने कथो के थिसुखीकको नांव लेर ऊं
 वने आग्या देवुनुं के तू उंने ओहर आव उंनुं उंई घडी
- १९ भूत उंने ओडो । उंके धखीको पायदाको भरोसे जको
 गयो वा ओ देवर पाउलने वा नीलासने अपयो और जे
- २० टामे धखीकेबने लखर ल्याया । उपडे वाने मनसोया
 कने ल्यायर कथो के अ थिसुदो आदमो न्हाके नगरमें मोटे
- २१ भगडो करे जे और रीत सिधावे जे के जको रीत खैबने
- २२ वा मानखने न्हाके रोमन लोगाने मरठोफ उ । वद
 टोका एकालार ऊयर वाके बैरमें उपजा और मनसोया

- २१ वाने कपडा फाडेर बोलतार वाने कामडी मारखने आग्या
 २२ दोनी वा वाने मोकलोकूट यवाघर अटक्का ओर वाने निघे
 २३ बानीसूं राखने अटक्का पोल्याने आग्या दोनी। उ
 पोल्या इसी आग्या खाघर वाने मांय अटकमें बाड दोना
 २४ वा वांवा पग वोडामें दोना। खेर आधीरातका पा
 छवा जोलास् याचना करी ओर भगवानकमें खुतीका
 २५ तवम गाया वा दूजाकेथां वानो मांसी सुणो। उंईनेई
 अत्रांखकरी इसी मोटी धरतो भूजी के नेतासरकी मोष
 हाजी वा सगला वारखा भट युजगया ओर शर्वेजी आद
 २६ मीका बंधवा युजपया। तद अटकका पोल्याको नीद
 पुकर उ नेतासरका वारखा खुल्य दिबर वा बंदीवान भागा
 २७ नें ओ थांन करर आपकी पाती घोली ओर आपने
 २८ मारखने तार को खेर पाउल् मोटासुं कयो के आपकी
 बिगाडो कुंई मतोकरोओ क्योस ने सगला अठे ७।
 २९ तद उं पोल्या बाढ ल्यावखने केर डाकरमांय आधो वा धूज
 ३० वोर पाउल् वा जोलासुंके समो प्रयो। ओर वाने
 वारखे बाढर कयो के हे माराज ऊं उदार पविखनेई
 ३१ काई करसुं वा कयो के प्रभु यिहुखीरके उपर प्रतीत
 ३२ कर उंसूं तूं वा धारा कनीला उदार पावे। उपणे
 वा भगवांकी कथा उने वा उंका भूपाका सगला लोगा
 ३३ ने कयो। तद रातका उहीनेला उ वाने खेर वाकी
 मारका दागा ओवा ओर उहीनेला उ लोग कबिलासुधा
 ३४ कुओ दरिई ऊई। उपणे आपका भूंपामें वाने ल्यायर
 प्रावखने दोना ओर आपका सगला कबिला सुधा भगवान
 में प्रतीत करर राजी जा।
 ३५ दिन उगां पणे मनसोथी डीडवांखाने मेखर कयो के वा
 ३६ अदम्याने गेट देवो। उंसूं अटकके पोल्या पाउलने कयो
 ३७ के धाने गेट देयने मनसोथां मेख दीवा नें ईनेई अने

राजीवाजोसूं जावो । लेर पाउल् कयो के हे जके रोमन्
 आदमी जं वां घांमो निखें न करर सगलाके सांमो न्हानें
 कांसडो मारोउं वा अटक कौयाउं ओर अबे न्हानें काई
 ३८ अमोल्लोर काठ दीया आवेंउं उ ऊसो जहो लेर आप आ
 यर न्हानें ठोडें । छोटवाणें आ कथा मकसोयानें कथो तद
 ३९ वें बोधा जब सुण्यो के वें रोमन् आदमीउं ओर आयर वें
 ४० वाकेंकनें दीनती करी वा बारखें करर उं नगरसूं जाइनें
 वा याचना करी । वें अटकसूं आयर लदियाके भूपें गयह
 खंपनें भायानें देवर वा घातरौ करर उठासूं गया ।

१७ सतरमो घानो । — उंपनें वें आफ्रियोडिन् वा आफ
 खानिआ देर जायर तसूलोनिकामें योता उठें यिऊदियाको
 २ एक टोलो ठो उंसूं पाउल् आपका रीतमाफिक वाकनें वैठो
 ओर चारद करतो वा खीसकी भोत वा मोतसूं उपडखको
 ३ निखेंको साबतो देता ओर आ जका यिऊके वासवेखोकी
 कथा जं घानें कउंउं के उ खीसुं आ साबुतपियण देता उं
 तीन दीतघार दिनने धर्मभासकी कथा वाकेंकनें करी ।
 ४ ओर वाकें बोचमें कित्तार्ह जोगा इतवार ल्याया ओर या
 उल् वा श्रीलासुकीनो रयु ओर मोकका धर्मी योक् वा
 ५ घोषो लोगयांपिख छोडो नही लेर बिगतरमतौही यिऊघां
 बेरसूं भरपूर ऊयर कित्तक कोटाकार वा कमीखा जोगानें
 भेजा कया वा मोटी भोड करर सगला नगरमें बेदो उप
 जायो उंपनें वानें जोगाकनें काठखकें मोझ करर यासन्
 ६ को भूपे भोज्ये जागा । लेर वानें न जाधर वा यासन्ने
 वा कित्तक भायानें तांखर नगरका धर्माकनें जोगस वा
 मोटासूं कयो के ज्वा आदम्या संसारनें उंघायोउं वें अठे
 ७ बिख वाया उं के ज्वावे यासन् संघभाग कयो उं ओर
 वें सगला जोग कर्हसरकी आम्हाकी बैर करेउं घा

- ८ केंनें के यिज्ज नांवको दूजा एक राजाठै । और जद
 धाड वा नगरका धर्या बांको आ कथा सीमकी तद वांने
 ९ मोटो फिकर वां उयजाई । उंपनें वां यासन् वा दूजा
 लोकांको धरती खेर वांने ठोड दीना ।
- १० तद रासका भायांकनें पाउज् वा जीलासनें बेरायामें
 ११ मेल्या और वें उठें पोतर यिज्जथांकें सिनमगमें गया । ये
 वेसलोनीकाकें लोगांसूं सुमतो दा क्वीस मनका उमंगसूं
 वां कथा लीकी और ओं विधय बसाई नही आ बांसलवेई
 १२ धर्ममासको विचार रोजीना कयो । इवेई वांकें विष
 में मोकजा लोगां प्रतीत करी और योक्की घोषी लुगायां
 १३ वा मोठ्यारपित्त घोडा बहो । खेर तेसजोनिकाकें
 यिज्जथां जद जख्यो कें बेरेयामे पाउज्की बेलीसूं मगवान
 की कथा कयोडी जी तद उठें चायर वां कोईर आदम्यां
 १४ नें टंटेल्हा । तद दरियावमें जिख्यो आय भायां भट
 तिय्यो पाउज्में मेज दीना खेर जीलास् वा तिमोतियस्
 १५ उठें रयो । वां पाउज्नें मारग बतायो वें उंनें आसें
 मसमें लो गया उंपनें जीलास् वा तिमोतियस् बेगा उंकेंकेनें
 १६ आवें आ केंहकी आग्या लाघर वां विदा लाघी । पाउज्
 वांकेंवेई आतेन्ससूं बाहजोतेर जद देख्यो कें उ नगर
 सोलेंबांना देवताकें आग्यावान कै उं उंको मन आपकें
 १७ बीघमें मोटो सोज्यो गया । इवेई सिनमगमें यिज्जथांकें वा
 सुमतो लोगांभेजो वा चोटासूं आं वांकें भेजो मिलाप कयो
 १८ वांकें भेजोपित्त उं रोजीना तद कयो । खेर योक्कुरी
 वा लोडक् धुर्मीका किताक उच्छाचार्यां उंकें भेजो अदली
 बदली करी और कीबीर कयो कें खेर निरमेकेयवाजो
 काई बेसी और कोईर बेल्याकें समज्ये ये लोग दूजादेअ
 वात्याकें देवतानें उपचार करबवाजो असो क्वीस यिज्जकी

- १९ वा फिरउपडखकी कथा उं वकिकने छंटेरो फेरो । ई
 बेई वा उने कपडर आरेमेःपागसुमे लोगया वा कयो नें
 कवा जांख सका के ओ जको नवीधर्म तूं चोडे करेनें सी
 २० काई नें । क्योस न्हाने कांनिकने तूं क्तिता अउरेकी
 कथाया सुणावेनें इबेई न्हे जांखा चांवांग के यां सम
 २१ लांको काई लंत नें । सगला अतिन्ती वा जके परदेन्ती
 वाके भेला रेनें वेपिख काई नवी कथा केखी अथवा सुखखी
 २२ भिगर और किनेई दिनकाठे न नें । इबेई घाउल् आरे
 ओपागसुके बोचाले उभा अयर कयो के हे अतिन्ती ऊं
 २३ देवखे सकुनुं के ये देवताका मोटा पूजारी न्हे । क्योस
 ऊं जातेर थांकी पूजा देवर एक बेदी देवो के जीकेउपर
 निव्योनें के अजाख भगवानवेई ओ नें तद जीनें ये निगर
 जांखासूं भजना करो न्हे उनें ऊं थाकेकने चोडे कदंनुं ।
 २४ भगवान के जी संसारको वा उनें सगली वस्तानें उपजाई
 उ स्वर्ग वा धरतीका प्रभु अयर हाथका कयोडा देवरामें
 २५ रेनें नही । और उनें कोखी वस्त घटती होखसूं नि
 श्चोके तिस्से आदमीका हाथकी दोनोडो वस्तनें वा चाकरी
 के नही क्योस उ जीवतय वा दम वा सगली वस्त
 २६ सगला लोगानें देवेनें । फेरपिख धरतीका मुंडा उपर
 रैखबेई उं एक जोईसूं सगली जातका आदम्यानें उपजाया
 न्हे और पैलडा निखलकयोडी बेसाको वा चावेजी आद
 २७ मोका रेखको हद निखेकरोनें के आदमी कीतरें सी
 भसाउ उनें जाधखनें उनें सोमो उ न्हासुं कीसुंई अलमा
 न न्हे उ साच क्योस उकें बीचमासूं न्हे वचांग वा भटका
 २८ नां वा रांग के जियो थाकें बीचमें कोईर चारखा कयो
 नेके न्हे उका कुल नां इबेई न्हे अर भगवानके कुल कां न्हे
 २९ ओ ध्यान करयो न्हानें ठीक नही के आदमीका इजम वा
 बुद्धसूं घोखोडो सेना अथवा दपो अथवा भाठासरियो

- ३० ईश्वरत्य कै ठें । भगवान इ बिगरहोसोकी बेजा देकर
 अदेव्या सरियो कयो छेर अबे सगखा जागामें सगखा
 ३१ लोगानें धामखा देवकी आग्या देवेंठें । कोस एक दिन उं
 निखेंकयो ठें के जीमें उं जी लोगनें निखें कयोठें उंके
 बाहसूं सावसूं संसारको बिचार करसी छोर उंने मेख
 सुं उयडर उं इको ठीक सावतो सगखामें दीनेठें ।
 ३२ वां मयोडा आदम्याकी छेरउयडखकी कथा सुण्या
 उपर कीखीर मसकुकरी करी छोर किखीर कयो के के इ
 ३३ वासवेजोमें छेर धारी कथा सुखया । तद पाउल
 वाके नेंडासूं मयो छेर किताक लोख उकेकाभी रया वा
 प्रतीत करी वाके निचमें दिव्येनिसियस् अरेओपागी
 वा दामारिस् नावकी एक जुमाई वा छोर कोइर वाके
 भेजा न ।

१८ अठारमी पानो ।—ओ सगलो पनें पाउल आवे
 २ न्सेनें जेडर-कोरिंत्में आया । और पंतसमें उयथो आक
 हा नावका एक खोम यजधानें जाधो के अका आयकी वउ
 प्रिखिहाके भेको घोडा दिन ऊवां इताबियासुं आयर वाके
 कनें आधो कोस हंम् जेडजावखेके कदियस् सगखा यि
 ३ ऊधानें आग्या दीनी जे । और वाके इसो काम करख
 वाके जयर वाके भेको रयो वा काम कया कोस वे डेर
 ४ सिवखको काम राखता न । और उ सदादीवजारनें सिग
 गामें अडी करतोने वा बिजदो और योक यां दीयाके
 ५ मन मोडतो जे । सोखाम् वा सीमातियस् माकीदीनियां
 सुं आयी पनें पाउल गदगदो जयर धिजधानें सावते
 ६ दीनी के यिनु प्रको उ खीछेठें । केर वां जद आयामें
 उंको बैर करर भंथा करी तद उं आयको गाभो पाउल

- ७ नें कयो के थाको लोई थाके आपके माथाउपर की
 अं बिगरवांमी उं अवारसूं अं दूजादेनवाल्याकनें जा
 ७ खुं । उंपरें उ उं जागासूं जयर यत्तस् नांवको एक
 लोम भगवाननें पूजवालाके घरे गयो के जाके भूषे सि
 ८ नगगकेनें । लेर सिनगगके धखी श्रियस् परिवार
 सुधो प्रभुउपर प्रतीत करी और मोकला कोरिंविवापिख
 ९ सुखर प्रतीत करी और दुषी दियोडी जवो । तद
 प्रभु रातका एक देवालामें पाउलनें कयो के तूं मती मोछे
 १० लेर कथायां के अवाल्लो जयर मती रे कोंस थारो भेख
 यो अं उं और किनेई हिंसावेई तनें भोटखें न देखूं कोंस
 ११ इं नगरमें चारा मोकला लोम । उंपरें पाउख
 ताके विषमें भगवानको कथा भयावतो दोढवरसतेडो
 रयो ।
- १२ जीवेला गलिओ आखाधियाका प्रकम्बल । उंबेला
 यिऊयां एक ऊयर पाउलनें जोरावरो करर मंछीमें लोमवा
 १३ वा कयो भगवानके भजनकी जका रीत उंको उंधो करख
 १४ नें ओ सिवावेनें । तद पाउख मुंडो मोलख लामां
 यनें गालिओ यिऊयानें कयो के हे यिऊदी घे सुखो
 अर कोई हिंसा अथवा नुराई करखको मुकदमो जवो वा
 १५ थावथ ऊयर थाको कथा सुखणी मनें ठोक जती । लेर
 वात अथवा नांव अथवा थाके नास्त्रके कथामें अर के वेो घे
 १६ उ देयो कोंस अं इं मुकदमाको मनसोबी नऊखूं । उंके
 कारण उ उं अदालतभूपासूं वा सगला लोमानें यकाय
 १७ दीना । तद सगला यीक लोगां सिनगगको धखी सत्ते
 नस्नें लेर मंछीके सामो माखो लेर गालिओ इंको खुदि
 पिख मान्यो बही ।
- १८ और पाउख मोकला दिन उठे रयो उंपरें भावांसूं
 विदागी लेर उंके एक पोवध । इनेई आपका केम के

- क्रियामें मुहायर उठासुं नावउपर सिरियामें गयो और
 १८ पिख्खळा वा आकळा उंके भेजा गया । उंरफोससुंमें योतर
 वानें गेया और आय सिनगगमें जायर पिख्खळासुं अडो
 २० कयो । उं जागाका आदयां वायो के उ और घोडा
 २१ दिव वाके भेजे रे लेर उं उ आरे नकयो । और बिदा
 ऊयर कयो के यिहअकममें अको तीवार ऊसी उ तीवार
 पाळको मनें मेकलो जहरने और भगवानकी मरजी अवा
 सुं थाकेने औरआसुं उंपने उ एफोससुं नावउपर
 २२ गयो । और कारेसारियामें पोचा और जायर टोळोमें
 २३ बनवा करर आन्तियोखमें गया । और कुंदि दिन
 उठेरेर परो गयो उंपने सगळा चेजानें वातरजमा कर
 तो गाळातिया वा फ्रिगिया मुळक सगळो जाग घालेरे
 गयो ।
 २४ उंवेजा चोवोवेनवाळा और धर्मपथमें परो आलेका
 त्रिय नगरमें जायोडो अपेससुं नावे एक लोग यिऊदी
 २५ एफोससुंमें आयो । ओ आदमी प्रभुका मारगमें सिवायो
 डो और मनमें रत ऊयर चोरो घोहनका हुीसुं
 जानकार ऊयर प्रभुकी कथामें मन लगायर कथाया कही
 २६ और सोवावण कराई । उ लोग निडरसुं सिनगगमें
 केण जागे उंसुं आकळा वा पिख्खळा उंको कथा मुहर
 उंने आपके कने जेगया वा भगवानको मारग और घोषी
 २७ तरें सजभायो । उंपने उंसुं आढायामें जाणको मन
 सोको कयो पने भायां उंसुं आवर लैखके भेजानें लिख्यो
 उंपने उं जागा पोचर आं कथा काधर प्रतीत करी जो
 २८ वांकी मेकलो उपकार उं करी । और यिमु अको खोळने
 इको साबतो आसुंमें देख उं यिऊवाके भेजा नावजादोक
 ऊयर मोटी अदवीवदलो करी ।

- १६ उगडीसमो यानो ।—उबेका देसा ऊवो आपससु
 १ करतोमें जद रयीगे उबेका पाउल उपरला देजसुं जातो२
 २ इकिससुमें योतो उंपणे कित्ताक पैलाने खाधर वाने कयो के
 ये प्रतीत करणपणे धर्मात्माने खाधा गे अथवा नही वं
 उनें उचलो दीनो के न्हे सुखो नही के केई धर्मात्मानें ।
 ३ उं वाने कयो तो की दुबीसुं दुबीदिरायेडोण वं कयो
 ४ के योइन्की दुबीसुं । तद पाउल कयो के जीने
 आपके पणे आविखवाला अथवा खोष्टियु उंकी प्रतीत
 करणने योइन् लोगाने केर वामणाकी दुबीदिराई सही ।
 ५ तद वी आ सुखर प्रभुयिमुका नावसुं दुबीदिराई ऊई ।
 ६ ओर पाउल वाने उपर हाथ दीनांपणे धर्मात्मा
 वानेउपर पयो ओर वें नवीनोली नोखता निमितिया
 ७ की कथा नोखो वें सगळ लोग वारेंक जहां गे । उं
 ८ पणे पाउल सिनगममें जाधर मासतोनिक अदलीबदली
 करी ओर भगवानके राजकी कथांकी साबूत देर निडरसुं
 ९ कथा कही । तेर कित्ताक खोगां करडा ऊपर वा प्रतीत
 नकरर लोगाने सामी हं मारगकी नया करी उंबेई उं
 धांका पाससुं जाधर पैलाने ब्यारा कथा ओर तराबसुं
 १० नावका एक खोगके पोसालमें सदाई अडे कयो । साब
 दो एक ओ ऊवो उंसुं बिऊदि वा योक्निगर आसि
 ११ याका समजा रैखवाका प्रभुयिमुकी कथा सुख धाई ।
 ओर भगवान अथभि अनेराकाम पाउलकी वाइसुं
 १२ कथा । उंसुं अंगोणे अथवा पोत उंका डोलसुं मांदर
 खोगाने लेगया उंसुं अंगण उंसुं गुटे ओर भूत वाने
 गेड गया ।
 १३ तद भूत लागोडा आदल्याउपर कित्ताक कांगा बिऊदी
 लोग नोरोव्या प्रभु यिमुको नाव खेर केण लागे वा नोख्या
 के जी यिमुकी कथा पाउल उंबेरो करेणे उं बिऊका नावसुं

- १७ ये घाने आग्या देवांनं । खैरा नावे यिऊघाके निचाले एक
 १८ बडापिहितके सात डावदां ओ कयो । खेर उं भूत उघला
 देर कयो के यिमुनें ऊं जांखुंनुं वा पाउखुनें ऊं जांखुंनुं खेर
 १९ ये कुखणे । उंपणे भूत लागोडां वाकेउपर दड
 बडो मारी वा बलकरर वाने जीव्या उं कारख वें उ घर
 २० गेडर नाग वा घावल्या ऊयर भागा । बफेसस्बासी
 सगलां यिऊघाके वा यीकाकेकेने ओ जांखिज्या उं कारख
 सगलांउपर भय पयो वा प्रभु यिमुका नावसूं महिमा
 २१ ऊं । ओर ज्यां प्रतीत करी वाकें मोकला लोगां
 २२ आवर आपको काम आवे कयो वा चोडे कया । बोरोठ्या
 पयो ज्यां कयोने इसा मोकला लोगां आपकी चापयां
 भेधी ल्यायर सगलांके सामो बाख दीनी उंपणे वां
 २० सगलाने मोल हिसाब करर जांखी के उ पचास् हजार
 घान रुपो ऊवे प्रभुकी कथा जोरावर ऊयर इसी बघी
 वा फते करी ।
 २१ ओ सगली ऊवापणे पाउल माकिदेनिया वा आखा
 या ऊयर यिदमजममें जाखको निचार कयो ओर कयो
 २२ के उठे गयोपणे मनें रुंम् देवलो पडसी । उंपणे आपके
 नेडी जी चाकरी करी इसो जको तीमोतियस् वा एरा
 सस् यां दोन्या लोगाने माकिदेनियामें मोलर आप कुंदि
 २३ दिन आसियामें रयो । उं बेखा उं मारमकी वासवेतीमें
 २० मोले बंधो ऊवे । कोस दिमेचियस् नावको एक
 काम डयाको कामकरखवालोने के जीं दिवानाकी रुपया
 की मुरत व्यार करखसूं रुपयाका कामकरखवालाने मोकली
 २५ कावदेा दिवायो । उं घाने वा उंतरेका कामकरख
 वालाने भेला करर कयो के हे भायां ये जाखोने के ओ
 २६ काम करखसूं न्हाने माया मिलेने । फेरपिय धे देयेने
 वा सुखोने के दं पाउल हाथको बहाडोयो जको सो भग

- वान नही आ कथा बेंर बोरा एफेससमें सो नही बेंर
 प्राय सगला आसियामें मोकला आदम्यानें सीखावख
 २७ दोनीनें वा मारगसू फिरायेनें । इंसू न्हाको काम
 जभो निकमो कथोजासो बाकी ओ अदलो ननें लेर देयाना
 न्हादेवको देवरो निकमो कथो वा उंको प्रताप बिगाड
 कथोजाखको टंटे नें के जीको पूजा आसीयाका सगला
 २८ आदर्या ओर संसारकापिण सगला लोग करेनें । वे
 आ सुणर रोसनुं नोछिज्या वा मोटाभू कथो के एफे
 २९ ससनें दियाजा मेटी । तद सगला मगर दंगामें
 भरीज्या उंसू माकिदेनियाको गाईयस् वा आरिछार्खस्
 पाउल्के या दोयाभिरियानें कंपडर वा एक मनसू तमा
 ३० साका भूपे दौड गया पाउल् लोगोबेकनें बडां चायर चेखां
 ३१ उंनें जाख न दोने । आसियाका कित्ताक लोग मनसा
 बोपिण उंका संगोत्या ऊयर उंकेकनें आदमी मेजर बोनती
 ३२ करी के उ तमासाका घरमें न जाय । उंनेका बीखी एक
 कथा कही ओर कोखो दूजोर कथायां कही ओर घाड
 सू टंटे ऊवो ओर बत्ती बिराडका लोगां जाण्यो नही
 ३३ के क्वाबेई भेला ऊवा । उंपनें यिऊथा उंनें अगाडोर
 करर वा घाडसू आलेकात्रनें वकाय दीने तद आडे
 क्वात्र हाथसू सानी करर लोगांकनें क्युंही कथां चाये ।
 ३४ लेर जद जाण्यो के उ यिऊदो नें तद सगला लोगां एको
 बार मोटा हेलासू पांच घडीतोडी कथो के एफेभियाकी
 ३५ दोआना मोटी एफेसियाकी दीआना मोटी । उंपनें नगद
 के दीवान लोगानें अबोल्या रघायर कथो के वे एफेअमी
 थेसुबो कूण ओ न जायेनें के एफेअस् अहरका रैखवाला
 सगला लोग यूपितरसू पडोडा दीयाना न्हादेवकी पूजा
 ३६ करेनें । इनेई ओ सगला अर अखंड के ले न्हांनें सोच कर
 ३७ यो वा बेगो क्युंइ न करखको अहरनें कोस थे यां आद

- म्याने लमया ते के जके देवताका भूपाका घोर नदी ओर
 १८ घाने देवोकी नंदा करखवालापिण्य नठे । इवेई देमेत्रियस्
 वा उके सायका कामकरखवाला कुहि अदलो अर कोखी
 उपर कै तो मंछी बुखीने वा उकोलपिण्य ते वे जाव
 १९ साव करे । केर अर ओर कोखी कामका फायदामे
 २० पूढ्यो घावे तो ठीक पंचायतीमे सुलभासी । कोस
 इ भोड घोखकी कुहि कारख नरेखसूँ आज न्हाको आफ्म
 २१ ते के इ हेलाके फायदामे पूढ्या जाती । उं अे कथा
 केर भाडने विदा दीनी ।

- २० नोसमो पानो।—उ दंगो सुलझ्या पठे पाउल
 चेलांने बुलाअर वा नाइगीरी करर माकिदोनियांमे
 २ जायने कूच कथो । वा उं देअमे भठकर वा वाने मोककी
 ३ सोवावख करर यीक देअमे पोवा । ओर उठे तीन
 मासतोडी रयापठे ग्याजमे सिरियामे जाय लाग्ग केर
 उनेला उने मारखने थिऊदी आतमे लुकर्या पठे उं
 ४ माकिदोनियाके मारगमे फेर ज खो विघारो । वद
 निरेयाको सुपातर वा तेसखोनियांके आरिछारखस् वा
 सेकंदस् वा दर्बीका गार्डेस् ओर विमोतियस् वा आसि
 ५ आका तिखिक्स् वा अफिमस् वाके भेना आसियामे
 गया । वे सगला अगाडी जायर जेआस्मे न्हाके बेई
 रया ।
 ६ निगरवाटाको वाटीके पठे ने फिलिपि ठाडर नाव
 उपर पांच दिन जायर जेआस्मे वाकेवने पोवा वा ने
 ७ उठे सातदिन रया । अठवाडके पेंलठे दिन चेला
 वाटी तोडखने भेला अवा पाउल उनेका वाने सोवावख
 देर दूजेदिन जाइने आर कवे वा आपवे सोवावख
 ८ आधीराततोडी करी । उपरको जी मंडोमे वे भेला

- १८ वा उं मेंडोमें मोकला दीवाण इउतिखसु नावको एक मोठ्यार बारीमें बैठर मोटो नौदमें जे । और पाउल मोकलो बिरियातोडी आपकी सीवाक्य करें उं निपाले उ लोग अन्त नौद लेर तिपडसु पद्यो वा मुडदासरिषो
- १९ उपाद्यो गयो । उंसू पाउल उतरर उंके उपर पद्यो वा उंने वेलामें लेर बाल्यो के कुंछि हत्यर मत्ती करो
- २० क्योस उंको जीवने । उंपणे दूजीवेला उपर जायर वा बाटी वेडर वा वायर मोकली बेलातोडी अथवा प्रभास
- २१ ताई वाकेभेजी कथाबार्ता करी उंपणे गयो । और वां उं मोठ्यारमें जीवतो ल्यायर मोकली वातरीजवा । लेर जे
- २२ अगाडी ज्याअउपर जायर आसेसमें गया उं जागा न्हाने पाउलने लैयो पद्यो क्योस उं आप पावो जांयो सरायर
- २३ उत्तोइे निस्से कयो जे । तद उ आसेसमें न्हाने भेला
- २४ मिल्यापणे जे उने लेर मितिकेनीमें पोता । और उठासु ज्याअउपर जायर दूजेदिन खिओसके सामे पोतो वा उंके दूजे दिन सामेसमें उतया और जोगीलियम्में रया वा
- २५ उंके दूजे दिन जे मिलेतसमें पोता । आसियामें औररेखने न जायर एफेससमें जायर जायो पाउल ठेरायोजे क्योस अर अय सके तो पेन्तीकलकी बेला यिरुअकाममें जके थार
- २६ जे या फिरि उंसू मोटीगे । उं मिलेतससु एफिसस
- २७ में आदमी मेखर टोलीके वेदोडा लोगाने बुलाया । वे उंकेकने पोतापणे उं वाने आ कथा कही थे आखकार जे
- २८ के जीदिन अं पैलडो आसियाने आयो उं दिनसु जियो मोकलो कामल मन जायर वा आंध्यां आंसुवासु भरर यिअसके लुकरेखसु जके मोकलो कीमत न्हारेउपर आंधपडो उंसू कीमत्वंत जायर प्रभुकी सेवाकरखसु अं
- २९ जी उखिहारे धाकेकने सदाई जे । और धाके
- ३० दितकरणवालो कुंछि निपाये न राध्या लर भगवानके

- कर्ने वामबा वा नाने प्रभु धिनु खीरुउपर प्रती तने निखे
 की सावतो देतार धाने जी उंखिहारें प्रगटसूं और भूपेंद
 विजदो वा योक यां दोन्यां लोगांकरने जाहिर कखो वा
 २२ भक्तयो । धर्मात्मा धारेंजी नगरमें जो सावतो देवें
 के बंधन वा दुख जको न्हारी बाढ जीवें उं इं विगर न्हारें
 २३ उपर विरमजममें जकोर ऊनी वां समकी वासवेलिमें न
 जानजयर देवो अबे ऊं आत्मानें बुदिजर उं जागा जांउं ।
 २४ लेर ऊं यां कीखो फायदामें चिन्तावान गनुं और न्हारी
 सेवाको सगलोकांम राजोसूं पूरो कखं वा भगवानकी छपा
 की मंगलीक कथा सावतो देखनेई जका सेवा में प्रभु धिनु
 कानो जाघोने वा सेवा पूरी करखनेई ऊं आपका जीवें
 २५ गारा करर जांखुं ननुं । औरपिब देव ऊं अबे जांखुं
 के ये सगला ज्योके विषमें ऊं भगवानकी राजकी कथा के
 २६ तोर मघोनुं न्हारी मुंडो और कदे देख्यो नही । इवेई ऊं
 आज धाने सायदो देउं के ऊं सगला लोगांका लोहसूं
 २७ साफनुं क्यों धाने भगवानकी सगलो मनसोषो जबा
 २८ वखमें में गेओ नही । इवेई भगवान आपका लोहसूं
 जी टोलीनें मोल लीनीनें उं टोलीनें रवालीसूं पाखनें
 आपनें वा ज्यां सगलां पासांउपर धर्मात्मा धाने दिपावळ
 वालाके उखिहारें निखे कखोनें उं टोलीनें नेषेवानीसूं
 २९ राषो । क्यों ऊं जांखुं के न्हारें जांखकेपनें निर्दयी
 ल्याकी पाजाउपर क्खि छपा ककरर धाने बडसो । और
 ३० धांके विठमांसुं चेलांनें तांख लैबवेई आदमी उंधी कथा
 ३१ कैथवासा लोग उपडसी । इवेई के में आंसु भयोडो
 ऊंथर तीन सालतोडो रातदिन धारेंसो आदम्यांनें सीव
 ३२ वखनेई गेआ नही ये जो पितारो पोरो देवो । इवेई
 हे भायां अबे ऊं भगवानकरनें वा उंकी छपाकी कथायां

कनापिय धाने मलाउंठुं के अको धाने जोड सकेंगे और
 जके निर्मल कखोडाठे वा सगलाके बिचाले धाके कोठार
 २३ देखके सगसठे । में कीकेई बपाको अघवा सोनाको अघवा
 २४ गाभाको लोभ कखो नही । ये जालोणे के या हाथो
 न्हारो अपको बिल्लरपणे मेटाखवेई सेवा खोनीठे वा
 २५ न्हारे भेला अकी आदमीला वकीपिय उपगार कखो । में
 धाने सगली म्हाईठे के मेमस करर निबला आदम्याको
 उपगार करणो और प्रभु यिजुकी के कथा पितारखी
 २६ निखेठे के लैखसू देखी सुवदाई ठे । उं आ कथा केर
 २७ गुडोलां अवे वा वां सगलां भेला याचना करी । और
 वां सगलां भेटी हायर करर पाउलकी गावड कपडी वा
 उंजका कथा कइंठी के वे और केदेई उंको मुठो देवख
 २८ न पासो । उं कथाउपर औरपिय बैखीन अयर
 उंने चूसो उं पठे उंके भेला वे अ्याजउपर गया ।

२१ इकीसमो पानो ।—उंपठे वने ठाडर ने वा खर
 डी उपाडर पाधरा मारगसुं जाता २ कोकीसमें पोता वा
 २ दूजे दिन श्रिदेअमें वा उठासू यातरामे पोता । और
 फिनिकियामे जायतलो एक अ्याज लाधर उंकेउपर
 ३ चहर ने खरडी उपाडो । और रूपसुने देवर ने उ ठावी
 कानो ओखो वा सिदियामे गयो वा सूरमे किनारे उपर
 गया कोस उं जागा जाहाजको भार उतारयो पयो ।
 ४ उं जागा चेजाने लाधर ने उठे सात दिन रया वा आमा
 की बाइसू पाउलने कयो के उ यिहमखममें बजाय ।
 ५ सात दिन पूरा कवां पठे ने डेरो लयो और वे सगला
 न्हाकेभेला जुगाया वा डावडा भेला नगरके वारखे गया
 ६ तद ने गुहुल्यां अयर दरियावके तीर याचना करी । उं
 मठे आपवमें बाइगीरी अयर अ्याजउपर चला वा

- ७ त्रै आयकैर भूयें मुड गया । और नै सूर गेडर तल्लिमा
इसमें पोता उंपनें भायांसुं बांइगीरी ऊबर एक दिन वाकें
८ भेला रया । दूजें दिन पाउल्ल वा उंका नैलपोया उंनें
गेडर कारैसारियामें पोता और मंगलीक कथा हंटेरो
करखवाला किलिपके भूयें जायर उके भेला रया उ सात
९ आदमीके मायलो एक लोगतो उके क्वारो चार डाव
१० डो बयी जो । नै उठें मोकला दिन रैशसुं आमावस
नांवको एक लोग बिमिवियो उठें यिऊदाइ देअमें आये ।
११ उं न्हांकेकेनें जायर पाउल्लको कमरबंधो और आपका हाथ
पस बांधर कयो के धर्माळा आ कथा केनें के जी लोग
को आ कमरबंधो नै यिरुमल्लका यिऊदी उंनें इं तरें
१२ बांधलो वा दूजादेशवालाकोगेके हाथामें कपडासी । उं
आ कथा कथा पनें नै वा उठें रैखवालापिय उंनें यिरुम
१३ लममें न जायवेई वीकतो करो । और पाउल्ल उथलो
देर कयो के घे रीतः२ न्हारो मन तोडर कारै करी
जो ऊं वाकी बांधो जांरवेई आर ननुं नेर प्रभु विमुका
१४ नांववेई यिरुमल्लममें मरुखनेपिय त्थार नुं । इवेई उं
न्हांको सखा न माखयसुं प्रभुको बचि के आ कथा केर नै
१५ अनेख्यो ऊवा । इंपनें नै आपको डेरीडांडो भेला करर
१६ यिरुमल्लमनें कूष कयो । कारैसारियाका कित्तक धेलो
न्हांके भेला जावर कयसी सासन् नाव एक नोदोडा चेला
के भूयें न्हांनें लोथाया के जीके भूयें न्हांनें रंथो पयो ।
१७ इंपनें नै यिरुमल्लममें धीमा कनें राजीमनसुं भायां न्हांनें
१८ लोना । दूजें दिन याधल्लुयके भूयें न्हांके भेला पाउल्ल
१९ गयो और सगला नोदोडा लोग त्थार न्हां । और उ
वांसुं बांइगीरी करर गुदरायो के दूजादेशवालाके मिय
२० नै वाके करखसुं लगवान अकोर कयो जे । वा सुखर
अंगवांनकी सुतो करो और उंनें कयो के नै भाई वू

- देवेते के यिऊषाके निघाके किता हजार लोग प्रतीत करे
 २१ ते और तौरैतकी वासवेबीमें वे सगला मोटा उद्देगकरब
 २१ वाला ते । वा घारी ववर सुखीते के ते डावडाके सुभत कर
 बी वा रीतसरीयो चालबो गेर ठीक केर दूआदेअवाल्याके
 निघाके रेखवाला सगला यिऊषाने मोअघने ढोडखने सिवा
 २२ वेते । तो ओ काई ते सगली घाड मुकर भेली अयर
 २३ आसो कोस घारे आकषकी ववर वे सुखीये पासो । इंसू
 ने अको तने कांठी सो कर ने चार लोग अठे गं के ध्याको
 २४ एक नीयम ते । वाने खेवो वाके भेलो आपने निर्मल कर
 वा माघो मुंडावबको खरच वाके भेलो कर के सगला बोई
 जाके के घारे फायदामे अकेर कथायां वा सुखीते वे कुंइ
 नही खेर के तू रीतकेइकी चालर तौरैतने माने ते ।
 २५ खेर दूआदेअवाली प्रतीत करखवाला लोगके फायदामे ने
 बिघ्योते वा निखे कथो ते के देवताको सीरखो वा जोइ
 वा गलभोथो देर माखोडोबल्ल वा जारी ढोडखे(नगर वे
 २६ इने कुंइ न माने । तद पाउख वा लोगाने सोना और
 दूजेदिन पबित्र अयर चावेजी आदमीवेई उपसर्ग देखके
 निरियां पबित्र करखको अको दिन पूरो ते ओ गुदराब
 २७ खने वाके भेलो देवरामे बयो । खेर प्राय वे सातदिन
 पूरा अवांसू आसियाके यिऊषां उने देवरामे देवर लभ
 २८ ला लोगके विषमे वैधो उपजायर उने कथयो । वा
 मोटा देखासू कथो के से यिअराएकी लोग उपगार करो
 ओ उ सोम.ते के अके चावेजी आगा लोग वा तौरैत वा
 ई आगाका तैरमे सगला आदम्याने सिवावेते. औरपिख
 उ देवरामे योख लोगाने ल्यायाते और इ पबित्र आगा
 २९ वे भिसटपिख कथो ते । वा पलडा एफिससमे अफि
 मसने नगरमे उके भेलो देधो ते इंसू वा ध्यान कथो के
 ३० पाउख उने देवरामे ल्ययो ते । खेर सगला नगर

में बैधा वा लोगाको मोफलो अवाहं ऊहं उंसूं वा पाउल्लनें
 २१ ताखर देवराके वारखें बाजो तद बेगो वारखो मयो । वां
 उनें माराचायो उंबेला लसकरके धयीकनें एवर आहं के
 सगळा यिदमममर्म गुंगदेो ऊवो उं लसकर वा एकसो डो
 २२ इवांण्याका धयीनें भट खेर वाके निचाखें देाडर आयो वां
 लसकरका धयीनें वा डोडवांण्यानें देवर पाउल्लनें मारखो
 २३ वरथ्यो । तद लसकरके धयी नेंडो आयर उनें कपथो
 वा दोय सांकासूं बांधवकी आग्या दीनो उपणें पूथ्यो के
 २४ उ कुथ ठै वा काहं कयो जे । तद घाडमें कीणीर हेला
 करर एक कथा कही खोर कीणीर खोर२ कथा कही
 हं बैधासूं उ क्युंह ठोक कर न सकी कोटमें उनें खेजाव
 २५ खकी आग्या करी । उ पगथ्या उपर चढतो इतो ऊवो
 २६ के लोगाको धकाधूमसूं उ लसकरसूं उवखो गयो । कोस
 नमाव पिगाडोर आयर मोटासूं कयो के उनें अलमो
 २७ करी । खेर जीवेला पाउल्लनें कोटके मांय खेगया
 उंबेला उं ठावासेनानोनें कयो के अं धारेंकनें क्युंह केख
 २८ पाथुं उं कयो के तूं काहं यीक बोखी बोससके ठें । त
 काहं उ मिसरो मही के जी इवेलाके पैखडा बैधो कयो
 खेर चार हजार ह्याकरखवाजानें जोडमें कारें खे
 २९ गयो जे । खेर पाउल्ल कयो के अं फिलिदिवाका तार
 सोसको एक यिऊदी नुं अं इसाउसा नगरको रैखवालो
 कनुं खेर अं वनें वीमती कडनुं के मनें लोगाकनें कथा
 ३० केबदे । तद पाउल्ल आच्छा आयर पगथ्या उपर उभो ऊवो
 वा लोगानें हाधसूं सांनो कथांयणें लोग अनोल्या ऊवां
 यणें सुवरो बोखीमें वानें कयो ।

२२ वाहंसमो पानो ।—के हे आदमो भायां वामें धाके
 २ वनें मारो वकी उधखो ठें उ धे सुथो । मद वा सुथ्यो

- के उं एपरो बोखीमें वानें कयो तद मोवका अविस्वा
 २ कवा । और तद उं कयो के साच अं किचिकियाकी सर
 सीसमें उयञ्चो एक बीग थिकदो नुं और इं नमरमें गामा
 कीएक्के पगांकने सोथ्योनुं वा पितरांको तौरेंतको मोक
 को सुब मतमाधिक सिषायोडो नुं और जियो से सम
 का आज भगवानउपर उहेगी कवा नो तियो पैलडा
 ३ अंपिब नुं । को मोथ्यारानें वा लुगायानें बांधर भाग
 ४ सीमें रावर में मोतलोडी इं मारगकि बैरसा करी । वडा
 मोघित वा बेदेडा लोगांकी पंचायत न्हारे इंका सावदो
 उं वासूं में भायांकनासूं कागद लाधर दमाजेक्का अके
 लोग बांधा गया नो वानें भय पावणवेई यिरुन्ननममें ल्या
 ५ वणवेई उठे गयो । और इसो अवे के अं जातेर दमा
 जेक्के नंडो घोषा पडे एकीबार खर्गमें एक मोटो चानयो
 न्हारे चारांकांनो दोपैरदिनकीबेला चानयोसरोघी जई ।
 ६ उंसूं अं धूखउपर पड्योनुं और में एक साद सुखो के
 जका बोली के हे माउल हे माउल न्हारो दुसमणाई की
 ७ करोगे उंसूं में उद्युको दीनो के हे प्रभू तूं कुखने उं कथी
 के अं यिमु नाजरेन नुं के तूं जीको बैर करे नें ।
 ८ न्हारे भेजयो लोगां उ चानयो देख्यो वा नोहा संधी लीर
 ९ जीं मने कथा कही उंको साद सुखो नही । उंपने में
 कयो के हे प्रभु अं काई करसुं प्रभु मने कयो के तूं उपड
 दमाजेकमें जा उठे चारो करबको काम निखेने उ समलो
 १० उठे चारेंकने कयो जासी । उं चानयाके तेजसूं अं
 देवख न सकससूं न्हारा भेजयाका हातसूं बेगयो अवर
 ११ दमाजेकमें घेति । तद खननियाच् नावे एक लोग के
 तौरेंतमें जीको सुझाति उं चारांकांनोमें देखवाला सगवा
 १२ हिज्जाके बीचमें नो । न्हारेनेका चायर उभा अवर
 उं कयो के हे भाई साउल तूं देव सक उंईबेला में उंके

- १७ उपर दिमठ करी । उं पठे उं कयो वें न्हाके बडेरांके भग
वान आपको सुभाव जाणने वा उं धर्माने देवने वा उंके
- १८ मुंडाको कथा सुखणने तने निसके कथोने कौंस जकेर विषय
ते देवोने वा सुनिने वा सगलामे तूं सगला लोकांके उंको
- १९ सायदो ऊसी और अवे छीब की करेने उठ डुबोडो के
और प्रभुका नावसूं याचना करर आपका पाय घोय
- २० बांध । उंपठे इसो ऊवो के ऊं यिरमलममें गया पठे
जी बेला देवरामे ऊं याचना करतो गे उंवेला ऊं अचेत
- २१ ऊवो । उंवेला आ कथा कौखवाला उंने में देवो के
बेमा करर यिरमलमसूं भठ डेरो लद कौंस न्हारा फाय
- २२ दामे धारि जको सायदो सो वें लेसी नही । में कयो
के धे प्रभु वें जाणने के में वने जातरें अटका वा सिन
भगमें माया के जके धारे उपर प्रसीत करेने औरपिण धा
रो सायदी सिपानसको लोइ अद पढाया जे तद में उंका
मारनायदका फायदामे नेडो उभि रैर एकमन गे और
- २३ उंके मारणवाकांको गाभो राधो । उंपठे उं मने कयो
- २४ के तूं आ कौंस ऊं दूआदेअवाल्यांकरने तने अलमो मेवसुं ।
- २५ तद वी उंकी इं कथातोडो सुण्यो उंपठे मोटासूं कयो
के इने संसारसूं अलमो करो उंको बचयो ठोक नही
- २६ तद वें हेला करेने वा आपका गाभा वेलेने वा वेउ उडा
- २७ वेने उंवेला जसकरके सिलेदार बकसीने उंने कोटमें लेखा
वखकी आग्या करी और उंके बैरमें वा इसा हेला काबिरे
कया आ जाबबने उंने कीरडा मारणसूं ध्यांत करणकी
- २८ आग्या दीनी । वें जावसुं उंने अकडेने उंवेला पाउल
आपका नेडाका एक सो डोडवांण्याको सिलेदारने कयो के
रामण दूजी आग्या बिगर खाशी अदमीने मारयो काई
- २९ तने ठोकने एकयो डोडवांण्याके जमादार सुखर जायर खस
करका सिलेदार बखीने कयो के तूं जको करेने उंसूं

- २७ मिथेवांन के क्वीस को जोग रोमन् ॐ । तद वसकरके
 सिलेदार धषी आयर कयो के मने के तू रोमन् अथवा
 २८ नही उं कयो के हां नुं । वसकरके सिलेदार धषी
 कयो के मे मोबला बपोयासूं आ आग्या खाधी ॐ केर
 २९ पाउल् उधलो दीनी के अं उसोई उपब्यो ॐ इनेई मके
 उंकी क्वीवकरखमें निखे ॐ वे उंके कनासूं गया वसकर
 के सिलेदार धषीपिख उ मके रोमन् आ जांबबसूं वा
 ३० आप उंने बांधबसूंपिख बीहे । पिखबासूं कुं बद
 नाम ऊवे ॐ आ ठोक जांखमें उं दूजेदिन उंका बंधवा
 बोल्या वा बडाप्रोहिताने वा सगवा पांचा जोगाने बांध
 धषी आग्या दीनी ओर पाउल्ने उतारर बाके समि
 ऊभे कयो ।

- २३ तैत्तिरीयसंहितायां पाणिनीयसंहितायां नाम ।—उपने पाउल् पंचायतमें एक
 दृष्टसूं देवर कयो के हे भाई कीर्ता में आजवोडी भगवा
 २ मके चरखा चेवा निवेकसूं आचार कयो ॐ । केर खन
 मियाह बडेप्रोहित उंके मुडाउपर मारखने नेंडाके जोगा
 ३ ने आग्या दीनी । तद पाउल् उंसूं कयो के हे घोली
 कयोडी भीत भगवान तने मारसी तू काई तौरेंत सरी
 वे न्दारी क्वीस करखने नेंठर तौरेंतको नेंर मने मारखको
 ४ आग्या करे ॐ केर अके नेंडा उभा ॐ वा कयो के तू काई
 ५ भगवानके बडाप्रोहिताने मोई करे ॐ । पाउल् कयो
 के हे भाया में जाखो नही के उ बडाप्रोहितने क्वीस को
 लिथो ॐ के धारा जोगाके धषीका बेंरमें बोडो कथा मवि
 ६ कंथो । जद पाउल् देवो के पंचायतीमें एक पांती
 सादुको ओर एक पांती फारिजि ॐ तद पंचायतमें मोटा
 सूं कयो के हे आदमी भाया अं फारिमी केरपिख फारि
 मियको डावडो नुं मुडदाके, फाबदामे वा केर उपडवके

- ७ भरीसाका फायदामें ऊं खीत कयो जाउंनु । उं आकथा
 कयां पउं फारिभियाको वा सादुकीयके टटो ऊवो उंसुं
 ८ जमात न्यारीर ऊई । कौंस सादुकी केंउं कें फेरउपकथो
 नही हलकारा नही आत्मा नही लेर फारिमी दोनुं आटे
 ९ करेंउं । वद मोटो बेंघो ऊवो ओर फारिभियाके कानी
 का उपाध्यायां उपडर टटो कयो वा कयो कें न्हे इं लोगको
 कुंदि वामो लाधा नही लेर किबी आत्मा अथवा किबि
 हलकारें ओर उंसुं कयो जेंतो न्हे भगवानभेखो राहन
 १० करा । ओर मोटो बेंघो ऊवो २ खसकरको सिखेंदारधबी
 बीघो कें काईजांजां वाकें वलसुं पाउलू वटकीर ऊजाय
 इंवरें जायर वलसुं हाकें विघालासुं उनें लेर कोठमें
 स्थावबनें खसकरके सिखेंदारधबी डोडवाध्यानें आग्या
 ११ दीनी । दूथी रातका प्रभु उकेंकनें उमी ऊयर कयो कें
 हे पाउलू वूं निडर को कौंस जियो न्हेरा फायदामें तैं
 थिबजलममें सायदी दीनीउं तिसि इंसुंमेंपिब तनें सायदी
 १२ दीयो पडसी । दिन उगांपउं किताक लोग थिऊयां
 मिलर फिटकारसुं आपनें जथा कें पाउलूनें मायां
 १३ विगर न्हे बांघोपीयो नकरसां । ध्यां ओं नेम कयो
 १४ जे बें गालीस जयांसुं बत्ताजा । उंपउं वा बडापिहित
 वा होदोडा लोगकनें जायर कयो कें न्हे मोटी फिटकार
 सुं आपनें बांघोउं कें पाउलूनें मारनांघ्यांविगर कुंदि
 १५ नपायुं । इनेइं पंचायतभेखा ये उंको वासवेखोमें
 ओर कुंदि ठीक उखिहारें पूठका येवसुं खसकरका
 सिखेंदारधयोनें काल उनें आपके भेलो स्थावबधें कहेर
 वद न्हे कीबीकनें न आवबकें पैलडा उनें मारनांघबनें
 १६ वार ऊयां । पाउलूके भांघनें वाकी जिपारंका सुबर
 १७ जायर कोटके मांय नडर पाउलूके कयो । उंपउं पाउलू

- एकसो डीडवाण्याकें विचमें एक लोगनें बुलायर कयो कें
 इं मोठ्यारलोगनें खसकरका सिखेंदारधणीकनें ले जा
 १८ कोंस उंकेकनें उंके क्युंहि केंबोते। इंवेई उं उंके
 खसकरका सिखेंदारधणीकनें खेमया का कयो कें पाउल्
 बंदोवांन मनें बुलायर इं मोठ्यार लोगनें आपकें घरबां
 १९ ल्यावखनें क्योते आपकेकनें उंको क्युंहि केंबोते। उं
 कारख खसकरकेंधणी उंको हाथ कपडर एक एकता
 जागा लेमयो खेर कयो कें न्हारेकनें सबे काई केंबोते।
 २० उं कयो कें पाउल्का फायदामें खेर क्युंहि बिसेव कथा
 पूजकें पेचसूं काल पंचायतोमें केखावखनेई केंबनें
 २१ यिज्ज्यां सक्ता करोते। खेर तूं वांके कथाउपर राजी
 मवी को कोंस वांके विचमें चालीससूं बत्ता आदयानें
 फिटशारसूं आपनें बांधर लुकेते कें उंनें मारनांख्यां
 निगर क्युंहि नवायूं न पीयूं अनें पीख वां थारे करारको
 २२ बाड जोयर ब्यारते। इंसूं खसकरका बडा धखी
 उं मोठ्यार लोगनें बिदाकरर कयो कें चोकस कीथीनें मवी
 २३ कें ब्यो कें मनें आ कथा कहीते। तद उं एकसोडीड
 वांण्याकें विचमें दोय खोगानें बुलायर कयो कें थांके दोयसें
 डीडवाण्या वा सितर असवार वा दोयसें भाखावखानें
 एकपेररातनीनेका काईसारियामें जांखनें ब्यार करो
 २४ खेर वांकी असवारी ब्यार करो कें वें पाउल्नें उं उपर
 २५ चढावें निषेबानीसूं पाउल्नें फिलिक् पाटायतकनें लेजाय।
 उंपते उं इंडनिहारेंको कागद विख्या।
 २६ बत्तोचोयो फिलिक् महधंक्कनें क्दिवास बिबिबास्की
 बंधवा।
 २७ जो आदमो यिज्ज्यांसूं कपयो गयो वा वांसूं भाख्यो
 जातो उंवेका में कसकरसूयो आधर उ जको बंभीते
 २८ आ जांखेर उंको हथांभी करो। उंपते वा उंनें कानेई

टंटो दीना आ जाखनें वाकें पंचायतीमें ऊं उंनें ल्यायो।

२८ उसूं में जाखण पायो के वाकें तौरैतके कित्ताक तर्कवातसूं

बदनांव ऊवेा खेर मारनांघखनें अथवा बांधख लायक

२९ क्विदि कयोगे उसूं बदनांव नउे। उपउे उं आदमीनें

मारनांघखवेई थिऊदी लुकर रयाउे में आ खबर लाघर

उंनें टंटो दैखवाखाने उंका कुजस आपकनें केंखनें आग्या

देर उंनें आपकनें बेगो मेल्योउे न्दारी बनखा के।

३१ तद डोडवाण्यां जिसी आग्या लाघिगे सोसा रातनें

आतिपाचिसमें पाउलनें लेगया वा दूजेदिन उंके भेला

जांघखवेई असवाराने उं आगा राघर वे कोटमें मुड

३२ गया। वां कारेसारियामें जायद वा पटायतनें कामेद

३३ देर पाउलनें उंके घरखामिं सूप दीना। पटायत

वाघर पूज्यो के उंकी काकडको लोगउे खेर उ किलिकि

याको आदमी आ जाबर कयो के थारा कुजस केबनाला

आयांपउे ऊं थारो कथा सुखसुं वा उंवे हेरोदका मिठो

रियममें रांघखनें आग्या दीनी।

२७ जोबीसमो पानो।—तद पांच दिनपउे खलनियाह

बडाप्रोहित बोदोडा लोग वा तेर्तलसू मावे एक लोग जोषा

केनवाला भेलो आयो के जी जोषाकेनवाला बकसीके नेडी

२ पाउलकी बेरको कथा कही। तद पाउलनें बेलायांपउे

तेर्तलसू आकथा बेर टंटो दैख लागो के हे फिलिक न्दाराज

थारो छपासूं हे मेकलीमंगला पावांग वा आपका पाजो

कडपबासूं हे देभका आदम्याकनें मोठो ठीककाम कयो

३ जायउे हे आ जाखर सगली उखिधारासूं जियाबरदार

ऊघर उ रोजीना वा सगली आगा आरे करेउे।

७ खेर हे तनें खेरतोसीस नदेवे हेवेई ऊं बोनती कटंनुं

५ के ये आया करर न्दासो थोडोकथा सुख। कोस

मोकवा निर्दयो वा संसारकी सगळा थिऊंघाकनें राजाके
 बैरको काम उपजाववालो वा नाजरेन् मसको लोमाके विष
 ६ में एक सिखेंदार इलागनें न्हे देख्योनें । उपिब देवरामें
 समदाजागा जीयो करब लागीनें उंकारब न्हे उंनें बपठर
 ७ आपकी तौरैत इखो विचार्यां पायीं । खेर बसकरके सिखें
 दारधयी खिसिबास नाकेकनें आयर मोठो बब करर
 ८ नाका शयसू उंनें जुडाय लीमां वा उंनें कुजम बेनवायां
 में आपकेकनें जीबनें आग्या दीमी उंवेई आप उंकी खीत
 करर षी सगळो वासवेळीमें न्हे उंनें टटो देवांग
 ९ उ सगळो तू जाब सकसी । थिऊंघामेपिब आ कथा
 १० साची नें आ खेर उंनें राजी जवां ।

तद पठायत पाउळनें नोखावळकीं सांगी कथांपणे उं
 उधयो दोनो के तूं यादिअवाल्याको व्यावकरबवालो मोकवा
 वरसासू जवोनें अं आजाबर मोकळो राजी ऊपर आपकी
 ११ कथा कडंनुं । उंसू तू जाबसकसी के अनें वारे दिनसू
 १२ बत्ता नईं जवा के अं समरब करबवेई थिऊंअलाममें मयोनें
 खोर कीं केई भेजेपिब देवरामें अठो करतोपिब वा मनें
 देख्यो नही खोर सिनगगमें अथवा नगरमें खोगाके विचारें
 १३ वेडो करतापिब मनें देख्यो नही । वे मनें जको टटो
 १४ देवेनें उंकेपिब साबलो करसके न्हे । खेर धारे
 सामो अं खो आरे कडंनुं के वे जनें हेरेभी करर केनें
 उतरें तौरैतमें वा निमित्तियाके कथामें जिनो खिखीनें
 वे सगळापिब प्रवीत करर अं आपका बडेरीका भगवांनमें
 १५ भजन कडंनुं । खोर अं भगवांनकनें उमंग राधुनुं के
 सिब वा विगरसिब यादोन्यानें उपडखो पडसी वेपिब
 १६ सामो आ कथा आरे करे । खोर भगवांन वा आदमी
 यां दोन्याकनें विगरवांमी उनिहारें विवेक सदार्द रापब
 १७ को रोव अं कडंनुं । मोकवा कुरस गवां यनें अं

- १८ आयका देनवाल्या लोगाकने दान वा उपसर्ग देबने आवे
 उसू आसियाकी कित्ताक लोग विज्ज्या मने देवरामे पवित्र
- १९ बाघो छेर जमातभेला नही वा बैघाभेला नही । अर
 नारा बैरमे कुचि रे तो सामोअवर नारो टंठो करबो
- २० वने वाजवी रे । अ नई तो से सामो केदे से जं जनिवा
- २१ मंडोमे अजर जे उबेला वा इनिगर नारो कुचि मोठो
 काम देखो के मे वाके बिचाले उभोअवर आ एक कथा कही
 के आज जं थाका मुठदालोगामे फेरउपठबकी वासवेलीमे
- २२ व्योत कथोडो कसु । किलिक आ कथा सुहर उं घरम
 की वासवेलीमे कताग्याम मिल्योडे अजर वने आ कथा
 केर वरज दीना के जं खसकरको सिबेदारधबी बिसि
- २३ यास् प्रीतापने चाको न्याव सोवोव्योत करसु । उं
 यने पाउलने राघबनेरे उने नवाधबने ओर उकी कीरे
 कंगोयो वा उकी उपरसरो करबने अथवा उके नेणे आ
 बबने नवरजबने एकसे डोडवायोको कही एक लोगने
 आग्या दीनी ।
- २४ कित्ताक दिनापने कुसिवा नावकी आयकी वउ विज्जदी
 रंठने कारे छेर किलिक पाउलने बुलायर कीरउपर
- २५ यतीतकी वासवेलीमे उकी कथा सुबी । तद पाउल
 साओ वा पाथरो करयो वा होबहारव्योतकी कथा
 केतो किलिक धुयो वा बोह्यो के तूं अने जा मने
- २६ ठालपी अवाउपर जं तने बलासु । उसू आ आस
 पिबनी के पाउलकेकनासु बपीया पासो के उने नु
 डावे इनेरे उं नारर बुलायर उके भेको कथाया कही ।
- २७ ओर दीय साज पूरा अवापने पकिवस् फेहस् किलिक
 के नदले कबो तद किलिक विज्ज्याने राजीकरबने चायर
 पाउलने अठकने राब्यो ।

- २५ पचीसमो पानो ।—इवेई फेहस उं कांढळमें
 चायर तीनदिनघनें काईसरियासूं यिहअलममें गयो ।
 २ तद वडाप्रोहिता वा यिहअलके मनसोथां उंके हजूर
 ३ पाउल्का बैरमें कथा गुदराई । और मारगमें लुकर
 उंनें मारनांघळवेई उंनें यिहअलममें ल्यावळनें उंके बैरमें
 ४ छपा चायर उंकेकनें गिठगिडाया । लेर फेहस उघळो
 दोनो के पाउल् काईसरियामें राध्या जालो औरपिण
 कयो घोडादिनांघनें अं आपपिण उं जागा जासुं ।
 ५ उवेई थाके जकेर जोग उंके दोषकी सायदो देख सकें
 वें जायर इलोगको अर कुंदि दोष रै तो उंनें टटो
 ६ देवें । उंघनें दसदिनांसूं कुंदि यत्तो वाके भेजे रैर
 उ काईसरियानें गयो वा उंके दूजेदिन बिचारकी गोदो
 ७ उपर बैठर पाउलनें ल्यावळकी आग्या दोनी । उ आया
 घनें जको यिहदो यिहअलममें आयाग वें चाराकांनीं
 उभाऊयर मोकलो वा मोटो टटो पाउल्का बैरमें दोनो
 ८ के जीको साबतो वा दे न सक्या । उंवेळा उं आपका
 पायदामें जो उघळो दोनो के यिहअलके तौरेंत अथवा
 देवरो अथवा काईसरका बैरमें में कुंदि कयो नही ।
 ९ लेर फेहस यिहअलनें राजी कखां चायर उघळो देर
 पाउलनें कयो के तूं काई यिहअलममें जासी वा उं जागा
 १० इंघासघेलीमें नारें हजूर बिचार कयो जासी । पाउल्
 कयो के काईसरकी मंठीके सामो अं उभोलुं के जठें मनें
 बिचार करयो ठीकनें में यिहअलको कुंदि तुरो कयो
 ११ नही आप आ घोषीतरें जांखोणे । कोस में अर
 कुंदि दोष अथवा मारनांघळलायक कोई काम कयो
 तो मरणनें अं नटुं नही लेर अर वाको उ टटो कुंदि
 ननें वा वाके हातमें कोई मनें भलाया सकें ननें अं काईसर

- १२ कने अरज कबंउं । तद फेहस मंत्रीभेजो मनसेयो
 करर उने उघली दीना के ते काई काईसरकने अरज
 करवेजे बोवो तू काईसरकने जासो ।
- १३ कित्तक दिनापणे आयपा राजा वा बैरबीका फेहस
 १४ ने मुजरो करखने काईसरियामे आया । वे मेकला
 दिन उठे रयापणे फेहस पाउलको मुकदमो राजाने
 मुदरायो वा कयो के एक लोग अठेजे के जीने पालिक
- १५ अदकने जेडगयोने । अं जीने ना यिदमलमने जे
 तद नडापेहिहा वा यिदयाका नेदोडा उके बेरमे व्थोव
- १६ गुदरावर मने उके वासवेजीमे गुदरायो । मे वाने
 उघली दीना के अपराद वा टंठोदेषवासाकी अरब
 करयो वा आय जी दोषसुं दोषो कवोने उके वासवेजी
 मे उघलोदेषकी आग्या पावणविगर कीनेहपिख मार
- १७ नांषणनेई भजवणे बंमी लोगाकी रीत नजे । इवेई वे
 उठे पोतापणे मे दुजे दिन छीजनकरर मंठीकी गोदि उपर
- १८ बेंढो वा उं आदमीने स्थावणकी आग्या दीनो । अपवाद
 करखवाला उका बेरमे उभाऊयर मे जकी ध्यान कयो
- १९ जे उको हसो काई दोष वा कयो नहो । केर आयके
 समरखकरखके फायद्रामे और यिमु भावको एक मुददो
 आदमी के जीने पाउल जीवतो केने उकी वासवेजीमे कित्त
- २० अदलीबदली उके बेरमे करो अं इवासवेजीमे सदिक
 करर कयो के तू यिदमलमने जायर काई इं वास
- २१ वेजीमे व्थोव कयोडो असो । केर पातयाके सुख
 वेई सुत्तायो जाय इवेई पाउल अरज करयापणे अं नडा
 तोडी उने काईसरके नेहो मेकल न रुकुं सठातोडी उने
- २२ राखणकी आग्या दीनो । तद आयिया फेहसने कयो के
 अं सागीपिख इं छोमका कथा सुखके पाउंउं उं कयो के
- २३ तू उकी कथा काक सुयने पासी । इवेई दुजेदिन

- आयिया वा बेरखीकि जोटा आडम्वरसूं आयर बस करका सिर्केदारबखीने वा नगरका मनसोयाने बेर सुक बकी जाग्न गयो तद फेष्टसके आग्यामाफिक पाउञ्ज ल्यायो
- २० ने । तद फेष्टसक्यो के हे आयिया राजा वा हाजिर काम सगला लोम थाका इ आदमीने देवोणे के जीका फायदामे विरुजलममे वा इ जागा विरुज्याकी जमात न्हारे मेलो बीनतो करोणे वा क्योणे के उंको ओर कुंदि
- २५ दिन बचावयो ठोक न ठे । बेर उं मारनावक लायक कुंदि काम क्यो नही वा आफेई न्हाराजकने व्याव माथोणे मे आ बाबर उंने मेकने मनमे ठेरायो ।
- २६ बेर उंका फायदामे न्हाराजने न्हारे विषबको कुंदि ठोकनणे इवेई धे सगलाके सामे वा बिनेव हे आयिया राजा घरे सामे अं उंने ल्यायोणुं उंसूं शीत ज्ञापणे
- २७ मने कुंदि विषबको जय सकसी कोस कोखो बंदीवांजने मेकबने वा उंको टंटी बजवावयो जको टोक वही आ न्हारा मनमे आरे ।

- २६ न्हारसमो पानो ।—तद आयिया पाउजने क्यो के तूं आयको उचलो देखने योग्ये उं उपर पाउञ्ज हाथ
- २ पसारर उचलो दीना के हे आयिया राजा ओ न्ह रोवेई घोषे के जी सगली घासवेलोमे विरुज्यासूं अं अपवादित जवाणुं वा सगलाको जवाव आयके सामे आय
- ३ कदं । कोस जके सगला काम वा पूण्यो विरुज्यासूं ठे वा सगलासूं तूं पूरोणे इवेई अं बीनती कदंणुं के
- ४ आय खावच कपडर न्हारी कथा सुखे । मेव्यारिसूं न्हारो जको यवहार न्हारादेजवाल्याके विचाले विरु जलममे पेंलडाणे वा यवहार सगला विरुदी जखेणे
- ५ के आ मने पेंलडणुं माथो पर सायदो देवे के न्हारके

- धर्मका मोक्षका सावधेव धर्मसरीयो अं कारिभौतुं ।
 ६ और जका कोल भद्रवान् नार्के बडेराने बखो उका
 ७ फलको आभावेई अं अने कोसमें उभो अंतुं । उं
 कोसको फल पावबने न्हारे नारे कोसाद यतनसू दिव
 रात सेवा करता नेमास करीजा हे आयिया राजा
 उं नेमासके फायदासू अं विज्जवासू अपवादित जवोतुं ।
 ८ कोस को विमरप्रतलीजायक मान्यो जाती के भद्रवान्
 मुडदा आदम्याने उपाडसी । में पैलडा कोस करीजा
 के विज्ज नाजरेनका नावका बेरमें मोक्षका काम करवा
 ९ मने ठोकते । और विदभलममें में कोपिय बखो और
 १० बडाप्रोहितासू पोच लाघर मोक्षका हुंठिया लोमाने
 अटक कया और अद वे माया गया तद में वाके बेरमें
 ११ सावरो दोनो । और सगला चिनगामें नार२ तोसिस
 देतो२ में बलकरर वाने उकाठ कराया और वाके बेरमें
 मोक्षका विराजी अयर वाके दूजानगरमें जात्रयतोडी वाने
 १२ अकाय दीना । इसूं में बडाप्रोहितासू पोच वा आम्हा
 लाघर दमभेकमें जातोणे उं कासमें हे राजा में मारगमें
 १३ दोपोराकोबेला न्हारे वा बके न्हारे भेजा गयाण वाने
 पिय चाराकानी सुरजसू बत्ती देज एक चानडो चंगसू
 १४ देवी । उपते हे सगला थरतीउपर यथापते एत्रि
 बोखोसू न्हारेकने आ कथा केववालो एक साद में सुखो
 के हे जाउल हे जाउल तूं न्हारे बेर को बडेते
 भोटोराउपर सातमारयो मोक्षको करडो कामते ।
 १५ तद में कयो के हे प्रभु तूं कुबते उं कयो के अं विज्जुं के
 १६ जीकी बेद तूं करेते । और तूं उपड और यगासू
 उभो के कोस के में तने कोगासू वा दूजादेभवाख्या
 १७ सूपय गेडता के वाको आंभ्यां बोखबने वा चंधारासू

- घान्ध्यामे वा मोढाका कोठारसू भगवान्कैकांणीयिष
 मोढाघने ष्यांकेकने अं तने अने मेससुं के चारेंउपर
 जका प्रतीत उसू वे धामीकी नुटी और पवित्रकसोडा
 १८ मेको कोठारीयिष लार्थे इवेई ते जको देव्योने वा जकेर
 कामने मे चारेंकने घाडे अषुं यादियां वावतासू मे
 तने सेवक वा सायदी करबवेई तने देवालो दोनेने ।
 १९ उसू हे आयिया राजा अं उखर्गके देवालो न माननवालो
 २० नणे । खेर मे पेखडा दमाजेकके लोगाने वा यिरुअलम
 मे वा यिरुदाहके सगला देसमे वा उंपने दूजादेअवाख्या
 कने घाडे कसो के वे धामीसू धामखा करे वा भगवान
 २१ कांणी मुडे वा धामखा सायक काम करे । इकारख
 यिरुधा मने देवरामे कपडो वा मने खून करखने चार
 २२ ने । खेर अं भगवानसू उघगाह साधर आजतोडी
 वपुनुं और निमितिया वा मोअह जको होखघारकारख
 कयो के खोह माखो जासी वा मरखसू पेखडा उपायो
 २३ असो वा लोगाने वा दूजादेअवाख्यानने घानखो देवालसी
 इकेभिर और क्वहि न खेर अं गानामोटा सगला लोगी
 मे सावतो देउनुं ।
 २४ उ इखो आयको उघलो देवेने उबेका फेरुस मोटासू
 कयो के हे पाउलसू गेहो जवेने मोकला विद्यो तने
 २५ गेहो कयोने । खेर उ कयो के हे चाराज फेरुस अं
 २६ गेहो ननुं खेर साध वा सावधेतोसू कथायां कउनुं । कोस
 जका कथा अं राजाने बिगरचिन्तासू कउनुं ओ सगलो
 उ जावेने अं जायनुं के ओ काम उसू लुकाडो नधी कोस
 २७ ओ काम लुकाडीजागने कयो गया नधी । हे आयिया
 राजा तू काई निमितियांकी कथाउपर प्रतीत करे
 २८ ने । तद आयिया पाउलने कयो के तू मने प्राड
 २९ खीछियान होखने मनावेने । उं उपर पाउल कयो

के न्हारी मोबली बचने के वाली सूं नही खेर जिता लोग
आज न्हारी कथा सुखेने ओ सगलो उधिख वाली नही
खेर ओ बांधो जांबिगर समला न्हारेसरिवो के ।

- २० उं आ कया पने राजा वा बकसी वा नेरहीकी वा जने
- २१ उंके भेला नैठाजा के उपाया । खेर यकंन जायर
सक्षा करी वा आपतमें बोल्या के इं लोग मारबाबब
- २२ अथवा बांधबलायक क्युहि काम बरयो नही । उपने
आपिया फेष्टस्ने कयो के ओ लोग अर कारेसरकाकने
खेराद न करतो तो नुटबे सकतो ।

- २७ सतार्हसमे पानो ।—जद ठीक जवो के ने आज
उपर इतालियामे जाया तद वा पाउल वा खेर कित्तक
बंदीवानने युलियस् नांवका अगछान् पकटबबा एकसे
- १ सिलेदारको डिडबाख्याकेके भक्षया । तद आजामिति
यमके एक आजउपर चहर आसियाके किराहेर जायने
जायर तेसलोनीकाके अरिछाखेस नांवको एक लोग माकि
 - २ दोनियार न्हके भेलपी जवापने ने बिखाव उपायो । दूजे
दिन ने सोदोनेमे जने खेर युलियम्ने मेहरवानी
करर पाउलने उंके संगोत्या भेला मिखबने वा घेन करर
 - ३ बेर जांबदीना । उपने बिखाव उठाया उपर सीमाको
 - ४ बायरो वाजबसू ने उठासू कपसके नैडा गवा । उपने
किलिकिया वा पंपिखीयाके नैडा दरियाबसू जायर ने
 - ५ किलिकियाकी मिरा नांके एक नगरमें पोता । सो सिले
दाराकाघबोने आजेकाजियाका एक आज उठे जायर
के जका इतालियामे जायने न्हने उंकेउपर चहावा ।
 - ६ खेर मोबला दिगलोड पोलेर जायर वा सामाका वाब
रासू किदसके न जायर ने मोत्के नीचे सावमीनीके
 - ७ सीमा गवा । खेर उ मीटो तोसीससू गेहर सुंदर

- कलौवावे एक जामा पोता उके पडे कासीया नगरडे ।
- २ तद मोकला दिन मयापडे वा आजमे जालो बरडे
- जयापडे जोस पोवधको दिन जमयो ते पाउज वीने
- १० आ कथा केर सोवावख दोनो के हे म्हाराज जं
- जाखे पावुंठुं के इ लदखमें वाली भार वा आजने
- मोकलो कसट वा बिगाडे जसो सो नही केर म्हाके
- ११ बपखकोपिख सांभो जसी । तोपिख एकसो डोडवाण्या
- बैधलो पाउखको कथासूं मांभी वा आजके घखोको
- १२ कथा ब्रतो करर मांनो । ओर उ वालो सोयाला
- में रेखलायक न होखसूं बत्ता लोमां उपिख गेडखको
- सत्ता दोनो के कीवरे सोयालामे रेखवेई पैखिकीमें पोख
- सकां उ ओतको एक बालो उको निवास दक्षिण पश्चिममें
- १३ वा उत्तर पश्चिममें । उंपडे दक्षणाउ वायरो घोडोर
- बयापडे अने मबसेबो मफर पूरो जसो आ मनमें लायर
- १४ हे बिलाव उपाडर ओतको जेवरेर गया । केर कुंदि
- दिनपडे वाके सांभो एक मोटी वायरो आये उको नांव
- १५ इउरोखिदन् । उं कारण आज डिगुंघिचुं करखसूं वे
- आजको माघो वायराके सांभो खगावख न सक्या इवेई
- १६ वायरासूं बकायो गयो । ओर कदा नांवेके एक बिंद
- के मेडो दाडां उपर म्हाकी नाव बचावखमें मोठीतो
- १७ सोस ऊई । उ उपाओपडे वां आज गोचे बांधर ओरर
- उपाय करी उंपडे काईजांणी अलगे बेबजुउपर खारे
- १८ इ डरसूं हे पाल बगायर वायरासूं चाल्या गया । वा
- अंधिसूं मोटी डिगुंघिचुं ऊयर दूदिन वां आज हबको
- १९ कखो वा बीजेदिन हे आपका हाथसूं आजको सर
- २० नाम बगाय दीजे । तद बिताक दिन सूरज अथवा तारा
- देखे न पायो वा मोटी आंधी म्हाके दुसमखी होखसूं
- २१ बर्चनको समको भरोसो गयो । केर मोकला कडाका

२१ जवां पनें पाउळ् वांके विचमें उभो जयर बोळ्यो के हे
 साहण्यां न्हारी जवा कानांवातीनी के हे श्रोत् न गेडो
 उ मुळ्यो वा इतो ठंटे वा बिगाडो न पावखी थांनें ठीक
 २२ गे । लेर अं अवें थांनें कउंठुं के हे वातरजमा रावो
 थोस थांके एक लोगकोपिण्य जोवको बिगाड न जसो वाली
 २३ ज्याज गरक जजासो । थोस अं जीकीं ठुं वा जीकीं
 थांकारी कउंठुं इतो जको भगवान उंके हलकारें आज
 २४ रातका उमें जयर न्हारेकनें कयो के हे पाउळ् तूं बीहे
 मतो वूं काइसरकें समो थ्यायो जासो और देवो
 जके सगला लोग थारें भेलाठें वी सगलानें भगवान
 २५ तनें दीनाठें । इवेई न्हाराज थे जमावातिर रावो थोस
 अं भगवानसूं प्रतीस कउंठुं के जीयो तनें कयोडोडो वि
 २६ यो जसो लेर न्हानें एक विटमें बगावणा पडसी ।
 २७ न्हे बायरासूं अठोउठी आकिदा दरियावमें घादे राततोडी
 थकाया गयांपनें ज्याजका लोगीं दीपार रातकीवेला विचा
 २८ यो के कों देनके मंडा आया । इवेई कथिर बगायर बीज
 पुरस पांखी लायो उंपनें और घोडा मारग गयांपनें फेर
 २९ कथिर बगायर पनरेपुरस पांखी लायो । तद काई
 जांखां कोखी भाठादी जगाउपर पडें को मवमें करर वा
 ज्याजके पठलीकानीसूं चार बिलाव बगायर प्रभास थोख
 ३० को नाड जाई । लेर ज्याजका लोगीं ज्याजके मांधासूं
 बिलाव बगावखका नलसूं नाव दरियावसूं उचारर ज्याज
 ३१ गेडर दोडबनें चार जवा । उवेला पाउळ् सो डिडवांण्यां
 केंधबीनें कयो अर जै सगला ज्याजउपर नई हें वी थांको
 ३२ बचाव जय सकसी नही । तद डोडवांण्यां नावको सींदरी
 ३३ कांठर उ गेड दीनो उंपनें दिन कडवांर पाउळ् वां सग
 लां लोगानें कंधि थांवखनें केर वेळ्यो के हे जदसूं न पायो
 ३४ उंसूं ज्याज पवदे दिव जवा इवेई अं थांकेनें बीनतो

- २४ कदंनु के धे कृदि धावो कोस को धाके बचलवेई कोस
 २५ धाके एक केमकोपिख विगाडो, न ऊसी । उ आ केर
 बाटो लीनी ओर वा सगलाके सामे भगवानकी खुति
 २६ करर वा तोडर बांधल जागो । उपने वा समला बमा
 २७ वार्तर साधर खुदिर बायो । ओर सगलासुधो
 २८ व्याजउपर न्हें देयसो न्हियंतर जोवण । तद
 वा घायर व्याजन हलको बखो वा धान दरियावमें
 २९ बगाय दोनो । उपने दिन उगापने वा वर धरतो
 ओलवा नधी लेर एक बाकी देयो के बीका बरोबर
 कानाते ओर घर सने तो उमें व्याज चलायी चायो ।
 ३० ओर वा बिलाव उपाडर दरियावकेसपामें रवा उपने पल
 वालको बंधल बेकर वा बायरामें मोटो पाख उपाडर कि
 ३१ रांडाके हांनो गया । धीं जामा दरियावका दोबकाका
 हंसि एक जागा पडर वा मारउपर व्याज चलायो ओर
 माथा करडो ऊपर लामर अटक रथो लेर पिगाडी केतोख
 ३२ सूट्टुट मयो । ओर बंदीधान कोहें हेकर न भामें
 ३३ इवेई डीडवाळां उने मारबांधलकी सझा करी । लेर
 एकसो सिलेंदाराके धबि पाउछमें बचलवेई वाकी
 रुच बरजी ओर अग्या दोनो के जको हालखें सके उ लोग
 पैलडा दरियावमें डाकर किराडो लार्हे वा उबरवा
 ३३ कित्तक लोग पाटियाउपर वा कित्तक लोग व्याजका
 भागाबट्काउपर किराडो लार्हे उंकारख वा सगला
 बिगर विगाडसू धरतो जाधो ।

२७ सत्ताईसमो मनि ।—वा धरतो साधर जाकी

- २ के उंजंजोराको नाव मेळीता । तद वा ठोठ खामा
 मोखलो उपगार न्हामें देवालो कोस उं काखको चामातो
 वा सीयासावेई वा बासदे बाबर न्हि सगलाको सेव

- १ करी । तद पाउळ एक टींगठ्यांकी भारी करर वासदे उपर बगायांसुं एक परड वासदेका सेकसुं निबल
- २ उंका हाथमें पचेट गयो । वां ठोठसोगां उंका हाथ उपर परड लपेटो देवर आपतमें कयो के ओ सोग मुकर धुंकीनें दरियाव उंनें ठोठोनें सही खेर ब्याव उंनें बचय
- ३ दिवें नये । उंपणे उं उंजेरो वासदेमें जडकायर आप
- ४ कृहि बिगाड पायो मही । वां वाड जोरुंके उ फूलसो कथवा एकवार मरसी खेर थोडोनेका वाडजोयर उंका कृहि मोटो न देवर मनभोडर बोल्या के उ देवता ये ।
- ५ पक्षियसुं नांवका उं जंजीराका धडीका कोठार उं कांकड को ठो तीन दिन उं न्हानें आपके भूपें जेजायर संबि
- ६ भाग कस्यो । उं काबमें पक्षियसुंको बाभो ताव वां अंधु सीका सोगबसुं बोखोकर विजंभडामें पयोणे उंसुं पाउळ उंका नेठो जायर वा वाचना करर उंके उपर
- ७ हाथ मेसर उंनें ताजो कस्यो । उ होखसुं जंजीराका
- ८ दूजामांदा आदम्यां आयर ताजा लाधो । वांपिख न्हाको मोकसी मर्यादा करी वा न्हाके जाखको नेका जोर
- ९ बसकी गरजनी वें व्याजउपर दीनी । काकर वा पल्लका सेनासुंको आलेकात्रियाकी एक व्याज सीवाकामें उं जंजीरामें जो इं कारण तीन महिना पणे ने उंके
- १० उपर मया खेर ने सराकूसमें पोखर तीन दिन ठेरा
- ११ कस्यो । वा जागा ठोडर किराठेर जागांर ने हे गियमके समी पोता खेर एक दिनपणे दखडाउ जायरो बाण्यो उं कारण ने दोय दिनमें पुटियोखिमें पोता ।
- १२ उं जागा ने भायानें लाधा वा वापें चावणसुं सत दिन वाके
- १३ भेका रया उंपणे उठासुं हम्में गया । भायां न्हाकी नवर जाधर न्हाके भेका मिसलनें आपीफोरम् वा तीन

सरायतोडी आया पाउल वाने देवर, भगवानकी खुशी करी वा जमावावर ऊई ।

१६ हे रुममें पोतापणे एकसो डिडवाणाके सिनेदार वंदि वान लोगाने हजारी डिडवाणाके सिनेदारकने भखावेर लेर एकसो डिडवाणा भेले पाउल न्यारे रेंख पावेा के जी उके उपर घेरो दिने ।

१७ तद तीन दिनपणे पाउल प्रधान थिऊघाने बुलावा खीर भेजा जवापणे उ वाने कयो के हे आदमी भावां में आपका देअवाल्या आदम्याके अथवा पितराके रीतके वेंरमें कुंधी कखि नही तोपिय थिरअलमसू अटकोडा

१८ जयर रुमीलोगाके हाथमें भलाघो जे । वा न्हारी व्योत

१९ करर मारणको कारख में नलाधर मने जेडये चाये । खेर थिऊघा उंको वेंर कखापणे कारेसरकने केराद करखी निखेपडी आपका देअवाली लोगाके कुंधी टंटे करखी

२० जो मनेजे सी नही । क्योस थिअरायला भरो साकेवेई ऊ ई साकलसू बांधोडे(रू) उंवेई वा घाने देषणवेई खीर घाने भेले कथायां केखने में घाने बुलायाणे ।

२१ तद वा उंसू कयो के हे थिऊदाद देअमें धारी पासवेलीमें कागद लाधो नही खीरपिय जके भाई अठे आयागे वाभासू किणी धारे कुंधि दूषण जेई कखो नही वा कया

२२ नही । खेर धारी व्योत काई आ हे सुखये चावांगी क्योस हे जखाना के सगली जागा ओ धरम बदनामने वा एक दिन ठेरांवापणे मोकजा आदमी उंको आगामे

२३ आया । वानेकने उं भगवानके राजकी पासवेलीमें वा थिऊकी पासवेलीमें प्रभातसू संज्यातोडी मोअहकी तौरेंत वा निमितियाकी कथांसू सीघावख करी वा सायदी

२४ दीनी । उंसू जके कथायां कहीगे वा कथामें किखीर

२५ प्रतीत करी वा कोखीर प्रतीत न करी । खीर हांको

२४ आरोर बिचार ऊवांयनें पाउल्ला एका कथा कयांपनें
 पंचायत बोहो वा कथा से के धर्माका मोकसा पोषोवनें
 सूं ईआरियाह् निमित्तियाके बोलीसूं न्हाके बडेराने आ
 २५ कथा कहीनें के ओ लोगाकनें जायर कही के सुखतार से
 सुखसो जेर समभसो नही वा देवतार देवसो जेर जाबनें
 २७ न पासो कोस यां लोगाको मन मोटा ऊवेनें वा सुखनें
 वांका कान बोभल ऊवानें वा वां आपकी आंवां मोषीनें
 काजाका वें आंवांसूं देवर ओर कांवासूं सुखर वा मन
 २८ में समभर मुडसूं ऊं वाने ताजा कइं । ईवेई से जाब
 कार को के भगवानके करसूं उबार दूआदेनवाल्या
 २९ लोगाकनें मेलोडोनें ओर वे वा सुखसो । उं आ कथा
 कयांपनें यिऊथां जायर आपतनें मोकसी अदलीबदली
 करो ।

३० उंपनें कीखी पाउल्लनें न बरव्वासूं उ भगवानको राज
 घोडे वा प्रभु यिऊकी वासवेकीमें सगकी कथा बिडरमनसूं
 ३१ भखावता राममें दोय बरसातिही आपका भाबजाका भूपा
 में रयो वा जके उंके नेहा आया वा सगकीमें लिया ।

Viknora.

२ U

आ

इसी कोशिके में पाउल हलकारको बागद ।

१ पैलडो पांनो ।

- २ विमुखीएको किंकर पाउल के जको हलकारो होखवेई
निखे वा भगवानको मंगलीक कथा बख्खावखवेई एकंत कयो
- ३ गयो के जको मंगलीक कथा उं आयको डावडा न्हाको
प्रभु विमुखीएको वासवेलीमें पैलडापुलमें आयका निनि
- ४ तियाका मुंडासूं धर्मनखमें करार कयोने के जको
डोलको वासवेलीमें दाउद्का कुलमें उपयो सोर आय
जको भगवानको डावडा जो पुच्याआउबिहारासूं मया
- ५ आदम्यासूं कीर उपडबसूं मुंडासूं छोडे कयोहो जे । जी
का उकराससूं सगला देअवाक्याके निचे वे प्रतीतके रीत
- ६ बख्खावखवेई जे उंका नाववेई छया वा हलकाराके जाधीने
- ७ आके निचमें येपिब विमुखीएके निखे कयोडाणे । भम
वानका बाबा वा पुन्यवान होखवेई निखे इममें देअवाका
सगलाने पाउल बागद खियेने न्हाके वामे भगवान वा प्रभु
विमुखीएसूं छया वा जांत घारे उपर जो ।
- ८ पैलडा थाके प्रतीतको कथा सगली करतोमें करे जायेने
इंसूं अं थां सगलावेई विमुखीएको उकारससूं आय भम
- ९ हांकी सुतो कबंटुं । कीस भगवान के जीके डावडा
को वासवेलीमें मंगलीकनातामें अं दिवसूं चाकरो कद
नुं उ न्हारे सायदीने के अं आयको बाचनाकीबिबा थाकी
- १० वासवेलीमें रोबोना बाचना कबंटुं वा बीपवी कबंटुं

- के भगवानको हृदयसूँ कीतरें धाँकेकने पोषणनेई पोषी
 ११ तरे न्हारी जायो के । क्योस धाँके देषणेके वा चे
 जको कायमने इनेई क्युहि परमार्थकी पोष धाँके देबने
 अथवा धाँके वा न्हारी प्रतीतसूँ धाँके भेवो धातरो होख
 १२ की न्हारी मोटो हचणें । हे भायां ऊं पाँउं ननुं के
 थे विगरजानकार हचो के जिया दूजादेनवालो लोगाके
 विषमें न्हारी फायदेने तिछो धाँके विषमेंपिब जको ऊं
 क्युहि फायदे पाउं इनेई धाँके नेडो जायको मनसा में
 १३ तारर करीने केर अवारसोडी अटकाव खाये । ऊं
 योक् वा चेन वा दोयको ओर पंडित वाठोठाकोपिब देख
 १४ दार नुं । इनेई नुं आयका मुंडामाफिक बनी धाँके
 १५ कनेपिब मंगलीककथा केंखने प्यारनुं । ऊं कोर
 का मंगलीककथायाके फायदामें लखित ननुं क्योस थिअदो
 योकाबिना जिता प्रतीत करयवाला वाकेकने उ उदार
 १७ नेई भगवानो पोष । क्योस उमें भगवानको जको
 धर्म प्रतीतसूँ केने उ धर्म प्रतीतनेई पोडेने क्योस
 १८ इसो तिछोने के धर्मीया प्रतीतसूँ बचेने क्योस जको लोग
 अर्थमेका बंधवासूँ सचारेने वाधरावे वाको सगको
 विगरसेवा वा विस्मयिक संगतका बेरमें भगवानकी
 १९ रोस बर्गसूँ पोडेने । क्योस भगवानको जकोर जाके
 जाय सकेने वे वाके विषमें पोडेने क्योस भगवान उ धाँके
 २० दियायेने । क्योस उको जकोर अदस्य अथवा उं
 को अर्जतो बल वा भगवानीकखोडी चीजसूँ संहारके
 उपजयके समेसूँ पोषीतरें जाबी जायने उनेई वाके
 २१ उजर करबने मारम नने । क्योस वा भगवानने जाखर
 पिब भगवानइसी उंची मरयादा करी नही ओर कुति
 करबवालापिब न जवे केर आयके अदलोबदलीसूँ विगर
 फायदा जवा ओर आयको गैलोमन अंधारो जवायेने

- २३ वा आपने अकखदार मानर डोफा जवाजा । और विनाज होखवाला आदमी वा पंवी वा चौपद वा उरग जीनावरीके आकारमें विनाज नहोखवाला भगवानके तेजको रवज कस्यो
- २४ इवेई भगवान जुघाईमें वाने जेडदीना वें आपका मन को सुभावसूं आपकेर डोकने आपवमें गेरआवक करे के ज्या भगवानकी कथाके सचाईके बदले उखिहारासूं कूडी कथा मानो और उपजानवालाको भजन वा पूजा सूं रचीयोठी बखके भजन वा पूजा करी जको उपजान
- २५ वालो सच्चिदानंद आमेन । इवेई भगवान वाने नोचप्यार मैपिख जेडदीना कौंस वाके जुगायांपिख सुभावको रीत
- २६ जेडर भूठासुभावकी रीत करी । पुरुषपिख जुगायांको संग जेडर पुरुषपुरुषके भेला चारासंतरवा करतो२ काम
- २७ सूं बल्या और आपकार भरमइस्यो फल बाधो । और जियो वाके आपका ग्यानसूं भगवानने राधयको जाबतो कस्यो नही तिया वें सगलो विगदसचाई वा आरो वा मो डारै वा लोभ वा घोटसुभावमें भयोडाऊयर और घोटा दिमाग वा खून वा कजियो वा तोव वा कुटजाईसूं पूरा ऊयर और सररपठ करखवाला वा चाडीघोर वा भगवानने
- २८ गोई करखवाला वा घोटेंसुभाव वा मानकरखवाला वा राजी सरावण्या वा घोटाकामका उपजाखवाला वा भाउ
- २९ नामाने न मखाबवाला वा डोफा वा रोवनाज करख वाला वा सुभाव विगद प्यार वा निर्दयी वा माचारपिख ऊयर विगदठीक कामकरणने भगवान वाने ठोठपखा
- ३० में जेडदीना के जको२ लोग इउखिहाराका काम करेते वें मारखलायकते वें भगवानकी आ खीत जांवर वाली आपेई ओ काम जो करेते सो नही लेर इउखिहाराका काम करखवाजाउपर राजोपिख कैते ।

- ३ दूजा पानो।—इवेई हे व्योतकरखवाला आदमी जको कोइ के धारें उजर करखे। मारग नठे कोस तूं व्योत में दूजाने दोषो करर उं वासवेलोमें आपनें पिय दोषी करेते कोस हे व्योतकरखवाला तूं आप उही काम करे
- ४ ठे। खेर हे जांबांज के उंतरेके कामकरखवालाके
- ५ वेरमें भगवानको विचार साघाई माफिकठे। हे आदमी तूं ई उखिहाराका कामकरखवालाके व्योतकरर कर आप उही काम करे तो तूं काई ठेरावेते के भगवानका
- ६ विचारसूं तूं बघसी। भगवानकी धमा जको तमें वामखा करखनें मारग देघावेते तूं आ न जांखर उंकी कपर सूरत भाया वा माफ वा मोकला दिनातोडी सेखी काई
- ७ निकमोकरर जांखेते। खेर भगवानकी बजराघ वा ठोकव्योत घेडे करखके दिनातोडी आपको करडे वर वामखा न करखवाला मनमाफिक आपकेवेई बजराघवे
- ८ जमा करेते के जको घावेजे आदमीनें वाके कामको फल
- ९ देसी। जको सेखवाला ऊधर रोजीना घोषाकाम करखसूं मोक्ष वा मर्बादा वा अमरपयो सोभेते वाने अनते
- १० आउघो देसी। खेर जके भगडाउ वा साघाईनें न मानेते
- ११ खेर निकमोकांम मानेते। यिकदो वा यीक इत्यादि दूजा देमवासी जिता घेऽाकांमकरखवाला वाने ताडना वा बज
- १२ राघ वा कष्ट वा तोओसउखिहारे फल देसी। खेर यि ऊदो यीक इत्यादि ओर जिताभलो कांमकरखवाला को
- १३ गते वाने मोक्ष वा मर्बादा वा घेमकुअल उखिहारे फलदेसी
- १४ कोस भगवानकनें पक्षपात नठे। जो दिन यिमु खीरकी वाहसूं भगवान न्हारे मंगलीककथांसरीयो आदम्याके
- १५ घालोकड कांम व्योतकरसी उं दिन आ विगरतौरें व पाप कखेते वको घोज तौरें तविगर ऊसी ओर आ

- तौरेंत पायोडा जयरपिख पाप कयोने वाकी धीत तौरेंत
- १३ सरोपी जसी । क्योस तौरेंत सुखयवाला भगवानकने सिद्ध कया जाय नने केर तौरेंतके करबवाला सिद्ध कया
- १५ जासी । दूजादेभवाली आदमी के ध्याकी तौरेंत नने के अह आपका सुभावसू तौरेंतको काम करेने तद के आपका मनमें विधोडा तौरेंतको काम मोडे कयापने वा
- १६ वाकी विवेक समत सायदी करबसू वा वाके व्याख आपत में टंठो अथवा कारख कया करबसू तौरेंत पायोडा क
- १७ जयर आपकी तौरेंत आखेई केने । देव तूं यिज्जदा नाव जादीकेने वा तौरेंतउपर प्रतीत करेने वा भगवानकी मास
- १८ बेलीने गुमानो कया कहेने । वा मासजाखवाली जयर उकी गरजको जातकारने केर मोखला बोधाकाम विवेक
- १९ करेने । केर आंधालोगाने मारग दिवाखवाला वा आंधारमें रैनवाकाने जानयो वा डोफांभ भयाख
- २० वालो वा डावडाने सिधाखवालेने । केर ग्यांन वा तौरेंतके लघाईके उखिहारेंतरे जका घारी ने यां संगला
- २१ में वेनक कयोडोने । इवेई हे दूजाभेभखाबवाला तूं काई आप भयो नही के तूं जको छठेरो करेने के आदमीने घोरी करयो ठोक नही तूं काई घोरी करेने ।
- २२ जारीकाम वरजखवालो तूं काई जारी करेने हे देवता की मोई करबवाला तूं काई भगवानने दोनेडो बस सारे
- २३ उखिहारें थवहार करेने । हे मास जाखयमें गुमानो तूं काई मास जाखसू भगवानको अपमान करेने ।
- २४ क्योस विधोः विधोने के दूजादेभवालीके विधमें भगवान
- २५ को नाव धाकी नाचसू मोई कयोडोने क्योस तूं अर तौरेंत
- २६ रेंत पालेने तो घारी सुनतसू फायदाने सही केर तौरेंत खंघखवाला अवांसू घारी सुनत विगरसुनत अगई ने इंसू विगरसुनत अर तौरेंतको धम पाले तो उकी विगरसुनत
- २७ काई सुनतसरोषो मान्यो जासी नही । तूं आवर वा

सुनतको गुमानो जयरथिख तौरेंव चावेंने इबेई सुभाक
 सूं उयव्योयो जको निगरसुनत उ अर माखको धर्म पावें
 २८ तो व्योतसूं उ काई धारो दोष निखें न करसो । कोस चोडे
 जके थिऊदो वें थिऊदो नही वा सुभारोको जको सुनत वा
 २९ सुनत नही । खेर मनमें जके थिऊदो वें थिऊदो खेर सुनत
 जको सो मनका अवरसरीयो नही खेर आमासरीयो कें
 जोको सुहावी आदम्यांसूं नही खेर भगवानसूं कैठें ।

३ तीजे पानि ।—ते। थिऊघानें काई फायदो वा सुन
 २ तको काई फायदो । सगलें उबिहारासूं माफकी
 पैखडा इ भगवानको सफल कथा वाकेंकने दीगो गई ।
 ३ कोस वाकें विचमें अर कोखोर विधास न कयें तो भग
 वानमें जको प्रतीत वाको निगरप्रतीत काई उं प्रतीत
 ४ नें निकमो कर सवेंने । उ नकें जियो सो कियोने कें
 सूं आपकी कथामें सिब कयें जत्य खेर विचार कयोडे
 जयर धरावें इबेई भगवान साध करबवाला उबिहारासूं
 वा चावेंसो लोग भूठ केनवाला उबिहारासूं मान्या
 ५ जाव । खेर न्हाका निगरनिघाई अर भगवानकी
 सिद सुती करें तो न्हे काई केयां फलदैबवाको भग
 वान काई निगरसिधाई नै सो नके अं आदमोसरोयो
 ६ कउनु उं ऊवासूं भगवान संसारको विचार कौतरें कर
 ७ सी । कोस भगवानके तारोफकेबेई न्हारो जका कूडी
 कथा उं कथासूं भगवानको साधता अर बली फौजी रहें
 तो अं वामोदारभरोयो कौतरें व्योत कयोडे अंनु ।
 ८ खेर कित्ताकर लोग कें अकिं नारकीकी तोसोस पावकी
 योगने वें न्हाके टंटाबेई करडा करर जियोनेने कें न्हे का
 गी कें घोवाबेई न्हे वेटाकाम करा उं कथाके माफकपब
 ९ न्हे व्योत कयोडा को नही कागी तो काई न्हे वासूं
 बोधा उं कियो उं निघारें न्हे कोस न्हे साबको पैखडा

- दीना है के यिजदी वा दूजादिजवाकी लोग संगला पायने
- १० आधीन कवाते जियो आ जियोते के सिद्ध कोर नही
 - ११ एक लोगपिय नही अकेलवाला कोर नही भगवानके
 - १२ सोभवाको कोर नही संगला आदम्या मारग गेठ
 - दीनाते वे संगला नाकारो कवाते चोवाकाम करबवाको
 - १३ कोर नही । वाकी मावठ खुलीघोर ते वा जीभसु भुका
 - योते वाके छैठाउपर काखसायको जेरते । वाके मुठो
 - १४ फिटकार देखसु वा वारामे भयोते । वाका पग घुन
 - १५ करनमे वेगारोते । वाके चाखवमे निगम वा अमंग
 - १६ लिङ रते वा कुजबला मारग वे जाके नते । भगवानकी
 - १७ व.सबिलीमे वाके सामे कृदि भय नही ते वे जाकांज
 - १८ के तौरेंत्र जको केते उ तैरेंवके आधीन लोगाने केते
 - १९ के चर्वेसा मुठो बुदिज जाव वा संगलो संसार भगवान
 - २० के सामे चामोदार के । इवेर तौरेंव के कामसु उकी
 - आंधके सामेसु कोर जिवी सिद्ध कयो जाती नही कीस
 - २१ तौरेंवसु पाय जाथा जायते । केर अके भगवानको जको
 - सचार तौरेंतनिग्न ते उ सचार तौरेंवसु वा निमित्तिवाकी
 - कथासु साबतो दीना जायर चोतेते । अथवा भगवानको
 - २२ जको सचार यिसु खीठउपर प्रतीवसु संगला प्रतीव
 - करबवालाकनेवा संगला प्रतीव करबवाकाउपर ते कीस
 - २३ कोषी आतरा रते नही । कीस संगला पाय कयो
 - ते वा भगवानकी महिमा चोतेमे छटता कवाते । उ
 - २४ की अनुयहसु खीठ यिजुमे जका मुझ उंसु मे मुझव
 - २५ सिद्ध कयोडाते के भगवानकी कामसु पैठकाका कयोडा
 - पाय नुडावकके मारगसु उकी सिबाके चोडेकरब
 - केवेर के नीमे भगवान उका चोडसु संतोष करबवाको
 - २६ बबदाव निखे कयोकोते । अथवा उकी सिबाके इ

- बाकमें चोटेकरखवेई क उ सिद्ध के चोर जको लोग विनु
 २७ उपर प्रतीत करेउं उनें सिद्धकरखवालोपिब के । तौ
 गुमान करखको कारख कटे उ दिमदायोडेउं कियो आग्या
 २८ सू कामतो सो नही बेर प्रतीतका आग्यासुं । इवेई ने
 ठीक जाबाजा के आदमी तौरेंतके कामबिगर प्रतीतके उक
 २९ राससुं सिद्ध कयो जायनें । उ काई पाकी यिद्धा
 जो भगवाननें उ काई दूजा देसवाल्याको भगवान ननें उ
 ३० मुबद दूजादेसवाल्याकोपिब भगवाननें । नको सुन
 थावे प्रतीतसुं वा निगरसुनथाने प्रतीतसुं सिद्ध करसी
 ३१ उ एक भगवाननें । नेतो प्रतीतसुं काई तौरेंत निकम्मे
 करीजा उ ननें बेर ने तौरेंत कायम करीजा ।

१ चोरो पापों ।—तो ने काई बेयां के ठीकका घास
 पैलीमें नाबे गोली आवरहाम् काधेउं क्योस आवरहाम्
 २ अर कामसुं सिद्ध कयोडेो जतो तो उके गुमानको कथा
 ३ बेणके कारख कतो बेर भगवानके सांभो नही । क्योस
 धर्मयंघमें काई केउं आवरहाम् भगवानउपर प्रतीत
 करी और वा प्रतीत धर्मसरियो उकेकने गिबयो
 ४ गयोडे । जको तौरेंतकी काम करेउं उकेकने झल
 अनुपहसुं दीयोडाफलके निघावे गिब्यो जायनें नही बेर
 ५ देयासुं । बेर जको लोग करम नकरेउं बेर जको
 सेवानकरखवाल्याने सिद्ध करेउं उके उपर प्रतीत करेउं उकी
 ६ प्रतीत सिद्धाईसरियो केने । दाउद जिसो आ कथा
 केर जी आदमीउपर भगवान कर्मबिगर धर्म गिबती
 ७ करेउं उ लोगको आसोपकी तारोफ करेउं के ज्याके
 ८ बिगरसिद्धाईकी माफी कहे वा ज्याका पाप छकोडाउं वे
 अन्ये जीका पाप भगवान गिबती न करसी उंइ धन्यनें ।

- ८ तो आ आजीव काँरे बाबी सुबखीउपर आवेँते अथवा
विगरसुनखीउपरपिब आवेँते कीस नै कवाँगे के प्रतीव
- १० आबरहामकेउपरें प्रतीसरिवो गिबोडो खवो गे । ते
उ बिबो गिबोडोगे उके सुनतहोबकी वा विगरसुनत
रेबकी बेखामे सुनतहोबकी बेला नही खेर विगरसुनत
- ११ रेबकीबेला । खेर उ विगरसुनत रेरे उकी अवा
प्रतीव गे उ प्रतीतसरिवो सीबाइकी गपसरिबासू
सुनत सेनाख बाधेँते के जिनो लोग प्रतीव करेँते उपिब
अर विगरसुनत अयर उ वाके उपजानवालो के के धर्म
वाके उपरपिब गोष्ठा जाय खेर अको बाबी सुनती
- १२ पिब नते खेर विगरसुनतीरेबकीबेला नाके उपजानवाखो
आबरहामकी अवा प्रतीवते उ प्रतीवके पगके सेनाख कप
- १३ डरजाय वाकेबेई पिब के सुनत्याके उपजानवालो के । कीस
उ करार के आबरहाम संसारको सीठारो असी उ उने
वा उका डावडाने तौरैतके कामका मारगसू दोनोडो नही
- १४ खेर प्रतीवसरिवो सिबाइका मारगसू । कीस तौरैवके
कामकरखवाला अर कोठारोके तो प्रतीव निकमीते वा
- १५ करार निकमी कखो जायते तौरैत गजब उपजवेँते कीस
जी जागा तौरैव नही उ जागा तौरैत लासखीपिब नते ।
- १६ इंसू उ प्रतीवसू केते के कुल अनुग्रहसू के के उ करार
सगले कुल उपरै निखल के अको कुल तौरैवमाफक ते
बाबी वाके उपर सो नही खेर आबरहामके प्रतीवके मह
अक अको कुलअवेँते उके उपरपिब कायम के के अकोअम
- १७ वाँके सामो के सगलाको उपजानवालोते के अको मुदा
बोगाने ओवावेँते वा अकाए बस नते वे होबहारीबखा
सरीवो केते उके सामो जितो आ कथा लिबोडो ते के
- १८ तने मोखलो देअवाल्याको उपजानवाखो के कखोते के
जिनो ओ कयोते के धारो कुल उखो असी जी भरोखारके

- १८ बेरमें भरोसा करर प्रतीत करी के उ उं माफक मीठखा
 देनका लोगाको उपजानवालो के के जी प्रतीतकी वासवेकी
 में दुबको नऊयर आप रकसो बरसाके उअरके लमबग अ
 यर आपके मुठदासरीवा डोल वा साराके रेंमको सुक
 १० जाणैपिख ध्यांन नकयो । उ बिगरप्रतीतसू भगवान
 का करारसू हेल्थो जने नही केर भगवानको प्रभुता चाहे
 ११ करवा छोर उं जको करार कखोने उ जको सिद्ध कर
 सकेने इमें सन्देही न ऊयर प्रतीतमें करारो ने उं ईंवेई
 १२ धर्मसरिषो उ प्रतीत उ उपर गिण्यो गयो । उ जको उंके
 १३ उपर गिण्यो गयो जो वाली उंकेवेई लिख्योने नही
 १४ केर न्हिकेवेईपिख के न्हिके उपर उ गिण्यो जासी
 जको ने उंके उपर प्रतीत करा के ज्या न्हिके प्रभु यिमुने
 १५ मुठदासू उपायो के जको न्हिके यापवेई कछ पाकवेई
 भखायो गयोने वा न्हिके सिद्ध कख्याजावेई दूजीडेवा
 उपायाजा ।

५ पांचमो पांजे।—ईंवेई ने प्रतीतसू सिद्ध कखोको
 ऊवाउपर न्हिके प्रभु भिमुखीरकी बाहसू भगवणके सेवो
 १ मिलाय जावेने के जीका उकराससू ने जी अनुयह
 उपर कायमनी उं अनुयहमें प्रतीत करबके उकराससू
 बडखे जावेने छोर भगवानको सुख चाधखको प्रतीत
 २ उपर राजो करेने । छोर वाली जो नही केर कछ
 जको सैबने उपजावेने वा सैखो जको अजमासने उपजा
 ३ वेने वा अजमास जको प्रतीत उपजावेने वा प्रतीत जको
 खाजा न उपजावेने कोस न्हिके दोनेडो जको धर्मात्मा उंसू
 ४ भगवानको प्यार न्हिके मजमें पनखो के अजवापिख
 ५ जाबर ने वेटीदनामें बाडसी जांग । कोस न्हिके
 निबुकारेणकी वेवा ठीक युजमें सेवककरखवाखावेई

- ७ खीर मखो । कुंठियां कोमविरे प्राय कोरं मरसी
 तोपिब मंगलोकरववावा आदमोवेरं कोरं मरखनें
- ८ कदास साहस करसनें । केर जो पुसमें ने प्रापी
 गी उंबेका खीर न्नाकेवेरं सखा इंसुई भगवान् न्नाके
- ९ कने आयको प्पर सरावक कस्ये । इवेरं प्पर ने
 उंका कोइसूं सिद्धकसोडा ऊयर उंकी वांसूं नजरारवसूं
- १० पिब उबार पासी । कोस ने बैरी ऊयर भगवान्
 के डावडाको मोतसूं भगवान्के भेवा उंकेका मिल्योइय ग-
 उंसूपिब मिल्योइया ऊयर उंकी जीवतयसूं नेपय उबार
- ११ पास्यां कोर-वाली उपिब नही केर न्नाको प्रभुयिमुखीएके
 उबारसमेंपिब ने भगवान्सूं धाडसी के ने के जीसूं ने
- १२ अवे प्रायचितको फल साधो ने । इंसूं बियो एक लोगकी
 वांसूं संसारमें पाप बडी वा पापसूं मोत बडी कोर
 उंसूं समका पापकरवकसाऊवाउपर मोत समका उ
- १३ पर आरं । कोस तैरेंत कोरें वोडी याम संसारमें
- १४ ने केर अवे तैरेंत बही उठें पाप गिओ जाय वनें । केर
 ज्यां आदमका पापइसोपाय कस्यो ननें के बका उंकी के
 पसा के जीको सावको नेपयार ने वाउपरपिब आदम
- १५ सूं मोतइतीडी कोत राज कस्ये । केर जीकरें देव तीतरें
 मुफत दीन नही कोस एक लोगका दोससूं कोसका मया
 ने तोपिब भगवान्का अनुग्रहसूं वा अनुग्रहसूं जबो दाब
 एक लोगकी वांसूं अथवा नारें प्रभुयिमुखीएके वांसूं
- १६ ने केर उंसूं बतो मोतकाउपर मोतोरें ने । वा एक लोग
 पापोसूं बियो ने दाब उंसो नही कोस एक वामीसूं प्राय
 सिद्ध देवकोडो कस्यो करडी ने केर मुफत अको इान उ मे
- १७ कलो दोससूं विमाडकेवेरं सिद्ध कस्योकोडेने । कोस अर
 एक लोगका दोसका उबारससूं मोत एकसूं राज कस्यो
 के नका अनुग्रही मोतकरें वा सिद्धारंको दाब

- पावेने वे कित्ता बत्ता एकका उकराससू अथवा यिमुखीछे
 १८ का उकराससू जीवतयमें राज करसी । इवेई त्रियो एक
 लोगका दोषसू सगला लोगाने प्रायचितदेखतोडी व्योत
 ऊइ उईतरे एक लोगका धर्मसू जारीसरिया सिब करब
 १९ सोडी मुक्त दांग सगलाकेउपर आयो । कोस एक लो
 गके भगवानकी आग्या न मानसू त्रियो मोकला पापी
 कया गयाज त्रियो एक लोगके भगवानकी आग्या मानब
 २० सू मोकला सिब कयाजासी । दोष बत्ता केने इवेई
 तारेव बन्धा खेर जी जागा पापको मोकलाईने उं जागा
 २१ अनुग्रहको मोकलाई उंसू बत्तीनी के त्रियो पाप मोक्तो
 डी राज कयोने तिसो सिबाईसू अनतो आउवातोडी
 नारें प्रभु यिमुखीछका उकराससू अनुग्रह राज करे ।

- ६ उठो पांनो । — तो ने काई केसी अनुग्रहकी मोक
 २ लाई होखभेई काई ने पाप करया सो नको । ने
 के जको पापकेने मुडदाने कियो उंमें दूजोरीव करया ।
 ३ ये काई जायो नही के न्हाके निचखे कित्ता लोग यिमु
 खीछमें हुनो मायोडी न तित्ता लोग उंका मरखमें हुनो
 ४ मायोडी न । इंसू ने उं मोतमें हुनोमायोडी ऊवासू
 उंकेभेला घोरमें सुखवाला फांग के त्रियो नाभाका तेजसू
 खीछ मोतसू उपायो ने तिसो नेपिब नवोरोतमें
 ५ चाल्या । अर उंके मरखके इयो ने भेला नूया गया
 ६ न तो उंके फेरउपडखेसरियापिब ऊसो । कोस
 ने जांलांग के पापके डोलको घोज होखभेई न्हाके
 बोदे डो लोग उंके भेला जुम्उपर मयो गयोने के इंपने
 ७ ने पापकी सेवा नकरा । कोस जको लोग मयोने
 उ पापसू नुटेने अबे अर ने खीछके भेला मयोडा फा
 सी खीछ जको मोतसू उपायोडे ऊवर दूजोबेला मरतो

- क वही और उनकेउपर सेतकी फेरमात्रकी नहीं
 ६ आ आखर ने इकेउपर प्रतीत कराना के उका भेजा
 १. वचसा । कोस उ जको मयो से आ के उ एकवार
 पापकेकने मयो लेर उ जको बचेने से आ के उ भगवान
 ११ कने बचेने । घेषिख के पापकेकने ठीक मयाणे लेर
 नाके प्रभु विमुखीयका लकराससुं भगवानकने जीवता
 १२ ने आपने इयो जायो । इवेई थाके मरखवाले
 डीलउपर पापकी मात्रकी करखने मतो देके उकी रुचने
 १३ उने माने । और आपकी डील विगरसिद्धाईको
 काम करखका अवधसरीषी पापने मतो दे लेर मेतसू
 था जाख यायेने वाकेइसे आपने भगवानने देवे वा
 सिद्धाई करखके अवधसरीषी आपको डील भगवानने
 १४ दीयो । कोस ये तौरेंतके आधीन नणे लेर छपा
 १५ के आधीन इवेई पाप थाके उपर मात्रकी नकरसी । तो
 काई ने जको तौरेंतके आधीन नहीं लेर छपाके आधीन
 १६ ने 'सु' काई पाप करया उ न के । ये काई जाखे
 नहीं के जी मानखवेई ये जाकेकने आपने चाकर होख
 वेई देवाणे मोतके उणिधारे फलवेई पाप अथवा सिद्धाई
 कामकेईसे फलवेई आया मानयी या दीयामे जको
 १७ जीने ये मानेणे उका चाकर ये ले । ये पापका
 किंकर ग सही लेर जका सीषावणकी रीत थाने दीनी
 गईने से ये मनसू मानेने इ कारण भगवानकी सुती है
 १८ इवेई ये पापसू नुटर सिद्धाईका चाकर जवाणे । थाके
 १९ डीलके निबजाईके कारण ऊं आदमीसरीषी कउं कोस
 जियो ये मेलाकाम वा विगरसिद्धाईके आपका अंगाने
 विगरसिद्धाई करखने दीनाते तियोई पुन्यदेई थाको अंग
 २० सिद्धाईको सेवक होखवेई अने देवे । कोस जीबेखा
 २१ ये पापको सेवक ने उबेला ये विगरसिद्ध ग । हो

जी कामसू अने धाकी लाज में उं कामसू तद धाकी
 काई पायदेो जे कोस उं कामसू ठेवडे मोत में ।
 २२ जेर अने धे पापसू नुटा और भगवानका सेवक ऊवाधुं
 २३ धाकी फल पुन्यवेई और ठेवडे अनंती अउघोने । कोस
 पापकी देवगी मोत जेर धाकी प्रभु विमुखीएका उकरास
 सू भगवानको दान अनंती आउघोने ।

७ सातमे पाणि ६—हे भायां ऊं तौरेंत बाबुबवाला
 लोगाने आ फउंउं धे काई जाखो नही के जिता दिन
 आदमी बचर रेने तिसा दिन तौरेंतकी धबियाप उंके
 २ उपर रेने । कोस जको लुगाईको धबीने धबी जिता
 दिन जीवतो रे तिसा दिन तौरेंतका बंध्यासू वा लुगाई
 आपका धणीभेली बांधोडोने जेर धबी मखापने धबी
 ३ को वासवेजोमें तौरेंतका बंध्यासू नुटोने । इंसू
 धणीके जीवखने कालमें घर और कियो लोगके भेलो उंको
 थाव के तो पातर नांसीक ऊसो जेर धबी मखापने वा
 लुगाई उं माखका बंध्यासू नुटोने उंसू घर दूजा
 ४ कोयो लोगभेलो उंको थावके तो पातर के नही । ई
 वेई हे नारां भयां धे खोएका डीलसू तौरेंतकाके
 मखागे के धे दूजाकेभेला परखोषा को अथवा जको
 मोतसू उपघोने उंके भेलो और हे भगवानकेन फल
 ५ कले । कोस जद हे डीलको आसरी कखोने उं
 नेला मोततो फल उपजावखने तौरेंतसू सिद्ध पापकी
 ६ अभिलाषा नांका अंगामे खंखोन क्रयो । जेर अने
 जीमें हे कपखोडा जे उ मखासू हे तौरेंतसू नुटागा
 केहे आत्माका नवापयासू सेवा करा वा आवरावा
 ७ बोदापयासू सेवा न करा । तो हे काई केया तौरेंत
 काई पापने उ न के जेर तौरेंतनगर ऊं पाप बजांउं

- कोस तौरेंत अर न केता के कोम मत करो तो ऊं काम
 ८ नजायतो । बेर पाप आग्यासू ठालपी साधर सग
 को तरेका काम न्हारें विचालें उपजाई जी कारख तौरें
 ९ तकोबिगर पाप मखो जतो । कोस पैलडा ऊं तौ
 रेंत बिगर जीवतो नुं बेर आग्या आबांपने पाप बचो
 १० कोर ऊं मखो । कोर जका आग्या जीवबिरे जी वा
 ११ ऊं मोतबेई जाब गयो । कोस आग्याका उकराससू
 पाप ठालपी साधर मेसू ठगाई करी कोर उंसू मने
 १२ मारनाखी । इसू तौरेंत मुझ वा आग्या मुझ वा
 १३ साध वा घोषो । तो घोषी जका वा काई न्हारेंकने
 मोतके उखिहारें ऊई सो न को बेर घोषीबससू न्हारें
 बिचने मोत उपबांखवालो पापके उखिहारें चोडे घोषबेई
 पाप के उ आग्यासू पडे पापके उखिहारें चोडे के ।
 १४ कोस के मे जाबांगी के तौरेंत आकावालो नुं बेर ऊं
 जरिहवालो अवर पापके आधीन घोषबेई बेचोडोनुं ।
 १५ ऊं जको कबंनुं उ मगने क्याउं ननुं कोस ऊं जका चाउं
 नुं उ कबं नही बेर जको गोई कबंनुं वाई कबंनुं ।
 १६ इबेई जको काम नकरखे चाउंनुं उ अर ऊं कबं तो ऊं
 १७ साबतो देवुनुं के तौरेंत घोषोने इबेई अे जके काम करेने
 १८ उ ऊं नही बेर न्हारें विचालें देखवासा पाप । कोस ऊं
 जाबंनुं के न्हारें विचने अथवा न्हारे डोलके विचालें काई
 घोषीबस नरेने कोस बच करखी मेमे वारने बेर जको
 १९ घोषो उके सिब करखकी सामर्थ ऊं न चाउंनुं । कोस
 जको घोषोकांम ऊं कर्या चाउंनुं उ ऊं कबं नही बेर
 २० जको घोषी कस्यां चाउं नही उ ऊं कबंनुं । इबेई
 जो ऊं करनने चाउं ननुं उ अर ऊं कबं तो उ जको
 करेने सो ऊं नही बेर न्हारें विचने देखवासा पाप ।

- २१ इवेईं अं ओ मास पावुं के अद चौकोकाम कयां चाउं
 २२ नुं उवेळा घोटोकाम न्हारे नेंडो वार केनें । कोस
 मायला पोरषका माफक अं भगवानकी तैरेंतकपर
 २३ राजी मननुं । लेर न्हारे अकलकी तैरेंतका बैरमें
 कजियो करेवा वा न्हारा आपका डोलमें रेंखवालापाय
 सरियो मासके आधीन करता दुजा एक मास अं पाय
 २४ का डोलमें देखेणें पाउंनुं । अपसीस दुधी आदमी जके अं
 अं इमोतका डोलसूं मनें कुण उदार करसी । न्हार्के
 २५ प्रभु यिनु खीछके न्हकराससूं अं भगवानकी कृती करवुं
 इवेईं अं आपको मब जगायर भगवानकी तैरेंतकी सेवा
 करवुं लेर डोलसूं पापका मासकी सेवा करवुं ।

- ८ आठमो पाणि ।—इवेईं जको खीछ यिनुमें जे जको
 डोलके माफक चाले नहे लेर आत्मा माफक पावेनें वाके
 १ उपर तोसीसकी आस्था थीर नहे । कोस खीछ यिनुमें
 जीवतथ देखवालो आत्मसरीषो जको मास अं पाप
 २ वा मोत उखिहारे माससूं मनें जेड दीनाहे । कोस
 तैरेंत डोलसूं दुबलो जयर जके करख न सक्या उ भगवान
 आपका हावडनि पायोडीजसरीषो वा पाप घोअगमाख
 ३ वासो बलदान होखवेईं मेखर कसाले । वा डोलमें
 पापको दोष जखाये के तैरेंतकी घर्मा न्हार्के बिचमें पूरो
 ४ के के जको डोलके माफक रीत करेनें नही लेर आत्मा
 ५ माफक । कोस डोलके ईसो करखवाला लोग डोलकी
 बक्ष मानेनें लेर आत्माका ईसो करखवाला आत्मवाला
 ६ वक्ष मानेनें । कोस डोलके मानखो मोतनें लेर आत्मको
 ७ मानखो जीवखो वा मोतनें । कोस डोलको मानखो भग
 वानके बैर उखिहारे कुअमनोनें जीं करख उ मानखो
 ८ भगवानकी तैरेंतका बक्षमें नही वा जय सकसी नही । इ

- वेई जके डीलकी रीतमें रेंने वें भगवानमें राजी करमस
 १८ बेंने । लेर भगवानकी आत्मा अर धामें रें तो ये डील
 में नगे लेर आत्मामें रोणे अर कोई आदमी खीचकी
 १९ आत्मा रावे नने तो उ लोग उबो नही । और खीच
 अर धाके विचमें रेंतो पापसू डील मयो लेर ठीककाम
 २० सू आत्मा जोदति उखिहारें । लेर जी विचुमें मो
 वसू उपायो उके आत्मा अर धामें रें तो जी खीचमें मो
 वसू उपायो उ वामें टेंगवाले आपकी आत्मासू धाके
 २१ मरबवाली डीलपिख जीवासी । इवेई हे भाया हे
 देखदार न लेर डीलके इसी करकेन डीलका नही ।
 २२ कोस ये अर डीलकेसरियो करो तो मरयो लेर अर
 अ लामें करबसू डीलको काम मारनामें तो जीवयो भोग
 २३ करयो । कोस जिता आदमी भगवानको आत्मासू
 २४ चलायोडा नें तिता लोग भगवानके डावडा । ये बीह
 उपजाबवाला घठया उखिहारें आत्मा दूजोबला काधा
 नही लेर पाख्योडा डावडा उखिहारें आत्मा माया ने
 के जीका करबसू ये बाभा बाभो बेंर दुलावेणे ।
 २५ आत्मा आप न्हाके आत्माके भेजे साधिदी करेने के हे
 २६ भगवानका डावडा न लेर अर डावडा तो कोठारी अथ
 वा भगवानको कोठारी वा उके भेजे न्हाके मोक्ष भोग कर
 बवेई उके भेजा अर दुष भोग करो तो खीचके भेजा को
 २७ ठारो नें । कोस ऊं व्याख करहु के इ काखको दुष
 न्हाके विचमें जके सुष जोहें कयो जाती उं सुषसरियो
 २८ सोबवायक नने । कोस उपजायोडी बसकी मोकली बाड
 २९ सोबखी भगवानके डावडाके चोहेंकी बाड जेवेने । कोस
 उपजायोडी बस निकमीके आम्माकारी कयोडी नो राजी
 ३० सू नही लेर जी भरोधामें उने आधीन कयो उकेवेई
 कोस उपजायोडी बस सागीपिख विमाडका गुजामीसू

- २२ भगवानके डावडाके तेजमई मोक्षमें मुक्त जसी । क्योस
 ने जांजांग के सगला मनुष्य अवारतोडी कामेने वा
 २३ थावणका ददसूं दोरी नें । वाली उहो सो नधो लेर
 ने आय के ज्योके आभाको पैलडा फल खाधो नें ने पावो
 डा डावडापयो अथवा न्होके डीलको मुक्तको वाड जोवता
 २४ आपके विचमेंपिख कामेने । क्योस न्होके भरोसाका
 उकराससूं उदारकयोडा नें लेर देखोडीवस्तके फायदानें
 भरोसा भरोसा नही क्योस आदमी जको देवेने उंको
 २५ भरोसा क्यो करेने । लेर न्होसूं पालोकड उंको भरो
 सो अर ने करानें तो सुसतायर ने उंको वाड जोवा
 २६ नें । आभापिख न्होकी दुबजारेंउपर उपगार करे
 ने क्योस न्होके याचमामें काईर योग नें आ ने जांजांग
 लेर आभा आय न्होके न जाखवाले कामेनसूं याचना
 २७ करावेने । जको मनको विचार करेने उ आभाको हथ
 जांजेने क्योस उ भगवानके माफक पुन्यवान लोगानेई याच
 २८ ना करेने । ओर ने जांजांग के सगलानेई मिलर
 वंको मंगलीक करेने वंजको भगवानसूं प्यार करेने वा
 २९ भगवानके कृतिके माफक बुलाया गयाने । क्योस
 उं ज्योने पैलडा जांथो वा उंने आपका डावडाके सुरत
 सरोयो होखनेई पैलडासूं निखे कयो के उ मोकला भाया
 ३० के विचमें पैलडा कै । ओर उं ज्योने पैलडासूं नि
 खे कयो वाने बुलाया वा ज्योने बुलाया वाने सिब कयो वा
 ज्योने सिब कयो वाने मुक्तका सुघ पांवलवाला कयो ।
 ३१ तो यां सगलामें ने काई केयां अर भगवान न्होके जांख
 ३२ कानो तो न्होके बेरमें कुयने । जीं आपका डावडानें
 दया नकरो लेर न्हो सगलानेने उंने दीना उ उंके भेखो
 ३३ काई दुजा सगलापिख मुफ्त न्होने देसी नही । भग
 वानके सरावस्थां लोगानो घामो कुय कैसी काई सिब

- २० करखवाजो भगवान । सजाको आग्या कुब देसी काई खोछ के जको मखो पख जके दूजीबेला जीवायाजे जके भग वांनके जीवखे पसवाठामे जे जको न्हाकेनेई थापनापिख क
 २५ रेजे । खोछका प्यारके वारखे न्हाजे कुब करसी काई दुध वा भोग वा दुसमखो वा मुंगाई अथवा नागाई अथवा
 २६ टंटे अथवा पाती । जिसो ओ लिख्योजे के घारेनेई हे सगले दिन मायाजवांगे हे मारखनेई गाडरासरीवा
 २७ गिलोअ्याडा जे । जी न्हासूं प्यार कखो उके प्रताप सूं हे ये सगलो वासघेलीमे फतेवालासूंपिख मोटा
 २८ जे । कोस जं ठीक जाखुंजे के मोत अथवा जिवतथ अथवा हलकारा अथवा राज अथवा मनसोबी अथवा हल कीबख अथवा होखहारवख अथवा उंचपयो अथवा नोच
 २९ पखो । अथवा दूजा कोई उपजायोडो बख भगवान को जको प्यार न्हाके प्रभु विभु खोछ विभुमे जे उं प्यारके वारखे न्हाजे कर नसकेजे ।

९ नवमो पानो ।—जं खोछका नांसूं साच कउंजे जं
 १ कूडीकथा कजं न्हो न्हरो मन ब्रह्माकामे सायदी कवा सूं पिख जं कउंजे के न्हरे मनमे मोटो भार वा सखई
 २ विजाजे । कोस आपके भारे वा डीलके अनुसार आप के कनोलावेई जं मांगखने त्पार जे के खोछके वारखे उ
 ३ विहारें फिटकार लाघोडो जवुं के जके विभराएली जे
 ४ ज्याकेकने पाल्योडो डाबडापयो वा मथेख वा सरवंत वा
 ५ वौरैत देखी वा भगवान सेवा वा करार दोघोडा जे । ज्या के पितरकोगापिख जे वा होख अनुसार खोछ ज्यांसूं जवो
 ६ जे के जके सगलाके सिलेदार सच्चिदानंद भगवान आ
 ७ मिन् । भगवानकी कथाको क्वाहि फल न्होखसूं जिसो
 ८ कोसो तो न्हो कोस जके विभराएलीसूं उपभ्योडा जे के

- ७ सगला विभरायन नही । आगरहामका डावडा ऊवर
 पिब नें सगला डावडा जके उें से नही खेर थारो कुज
 ८ विखाकसूं विख्यात जसो । उंको संत ओ जके डीसका
 डावडाउें नें भगवांनका डावडा नही खेर करारसूं उपय्या
 ९ जके डावडा नें कुजके ईसा गिथ्या आयउें । कौंस
 करारकी कथा आ कें ऊं ईवेलाके माफक आसूं और आ
 १० रावो एक डावडो जसो । धालो ओ सोपिब नही
 खेर रिनेत नद एक लोगसूं अथवा न्हंके भितर विखाक
 सूं आसावंव ऊई जी तद सराबणीके माफक जके भगवां
 ११ नो करार उंके निसें धोखवेई कामसूं नही खेर जके
 बुलावेउें उंसूं डावडापिब उपजता नही वा नींठो कोभो
 १२ कंहि नकरता उंनें ओ केदीनेउे के मोटो नांनको वा
 १३ करी करसो के विखो विखो उें के में याअकुबसूं
 १४ धार कथो उें खेर एसावनें गोई करी उें । तो न्हे
 काई केसां भगवांनको काई विगरसिबाईउें से न को ।
 १५ कौंस उं मोअहनें कयो के ऊं जीनें दया कोयां चाउ उंनें
 दया करसूं वा जीनेंउपर छपा करसूं चाउंनु उंके
 १६ उपर छपा करसूं । ईवेई जके लोग चावेउें वा जके
 लोग देहेउें वासूं आयदो नही खेर समा करखवाला भग
 १७ वानसूं । कौंस घर्मनास प्ररोआइनें कयो के में
 तनें मोटो मुरातनो दीनेउे के थारें विघाके न्हारी बल
 १८ देवाबु वा न्हारी नांव सगला संसारमें फेडे के । ई
 वेई जीनें उंको मन उंकेउपर छपा करेउें वा जीसूं
 १९ उंको मन उंनें करठो करेउें । तूं मनें केसी के उ
 २० न्हूं दोष करेउें कौंस उंके रूपनें किब घटयोउें । खेर
 ओ भगवांननें वाद करखवाला आदमो तूं कुज उें उपय्यो
 ओ बल काई उपनायवालांनें केसी के तें क्वावेई मनें
 २१ ईसो बसायोउें । एक गारका गोलासूं मर्यादोवेई

- एक ठाँव वा खोर एक ठाँव अमर्यादवेई मारउपर कुभार
 २२ को काई ओ मुडो नउं । भगवान आयकी बजराम देवा
 वखने वा आयकी घोष घेई करखने कको निभाअनेई प्यार
 कखोडी बजरावके योग्य ठाँवाने मोटा सबर करर प्यार
 २३ करियोउं । खोर आय मर्यादवेई ध्याने पेसडे प्यार
 २४ कखो डै अथवा न्हाकेउपर के ध्याने बाकी यिअघांसुं
 नही खेर दूजादेअवास्यांसुंयिअ निखे कखोउं अर वा
 दर्याका ठाँवउपर आयकी सुयिका माया घेई करख
 २५ वेई इशा कयोउं वो काई । जियो ओनिओ पोथी
 में ओ लिखोउं के जके ने आदमी नउं अं वाने आयका
 २६ आदमी केर बुझायुं खोर अका बाकी नउं उने बाकी केर
 बुझायुं खोर ओ असो के जी जागामे वाने कयोडी डै
 के धे न्हारा लोग नउं अं जागा वे जोवता भगवावका डाव
 २७ डासरीयो निव्यात असी । यिआईयाइ यिआरा
 यलको घासवेकीमेंयिअ मोटासुं बेउं यिआरायलका डावडा
 दरियावके बेकलसरीया उं सही खेर वांसुं न्थोडाई राव्यां
 २८ आसी । क्हांस उ काम परवारसी खोर लायकीसुं
 उ ओउो करसी जी कारख भगवान संसारमें काम ओउो
 २९ करनी । यिआईयाइने पैलडाई कयोउं के लसकरका
 यिअइ अर न्हाको एक बीज न उेडे तो ने सदमसरोया
 ३० अता वा अमरा इसा कखा जाता । तो ने काई बेयां
 लायकीके सरीयो न चालखवाजा दूजादेअवास्यां लाय
 ३१ को कपडीउं अथवा मतीतसुं उयजी लायकी । खेर
 लायकीको तौरेंतमाफक चलखवाजा यिआरायल्यां लायक
 ३२ तौरेंत कपडी नही इको कारख काई । वा मतीतसुं
 उ सोओ नही खेर तौरेंतका कामसुं जिसी ध्यांत करे
 ३३ उं इसी ध्यांत करी इं कारख । क्हांस वा उ आवड
 मांखक माठासुं आवड मछेउं के जियो ओ लिखोउं के

देव जं आवड घांनको एक भाठा वा अटक करखको एक घरगत सिक्कोनमें राधुंनुं और जको लोग उनें प्रतीत करें तें उ लज्जावान न ऊसो ।

- १० दन्नमो घांनो ।—हे भाषां न्हारे मनकी द्य वा विन्न राएलीवेई भगवानकनें न्हारी याचना आ तें के वें उदार
- २ पावें । जं वंकी इकी साथदो नुं के वानें भगवानकी सेवा
- ३ करखको द्यतें और ग्यानसरिषा नही । क्योस वें भगवानका सिद्ध न जाणर वा आपकी सिद्धाई राधणको क्योव
- ४ करर भगवानकी सिद्धाई माफक नफा । क्योस चावें जके इतवारकरखवालाके कानो सिद्धाईवेई खोए तौरेंतको
- ५ धारद तें । क्योस तौरेंतमें उपय्यो जको धर्म उंको नवांण मोअह क्योतें के जको लोग उ करें उ आदमो
- ६ उंके उकराससूं बचसी । और प्रतीतसूं धारे क्यो जका सिद्धाई उ इं सरीयो के तें के तूं आपका मनमें फिकर मती कर के स्वर्गउपर कुछ चढसी अथवा खोएनें
- ७ उतारणनें । अथवा उंडामें कुछ उतारसी अथवा खोएनें फोर मोवसूं उपाडणनें और उ काई के तें के कथा
- ८ अथवा प्रतीतको वासवेलीमें जका कथा ने गुदरावांग उ धारो नंडो तें अथवा धारो मुंडो वा मनमें तें उंको हा
- ९ रद जो के तूं मुंडासूं अर प्रभु यिज्ञनें धारें करे और भगवाननें जो उनें मोतसूं उपाडो अर जो आपका मनमें
- १० प्रतीत करें तो तूं उदार पासी । क्योस मनमें आदमो सिद्धाई लेखवेई प्रतीत करें तें और उदारवेई मुंडासूं धारे
- ११ क्यो जायतें क्योस धर्मनाखमें जो के तें के जोवेई लोग उंकेउपर प्रतीत करें तें उंकि कात्र ऊसि नहि ।
- १२ यिऊदि वा यीकांकी क्युंदि जुदागि नही क्योस सगवांका कोठारि उई एक प्रभु अयकेकनें याचना करखवावा

- १३ समवां खोगांकांनि भाषवांनठे । कोस जको कोरें खोग
- १४ भगवांनको नांव कोर याचना करेते उ मुक्त ऊसि । तो
जांउपर नां प्रतीत नकरौते वें उदेंकने कीतरें याचना
करसी वा जीका फायदामें वा सुखो नही उंकेउपर की
तरें प्रतीत करसी और छंटेरो करणवाला कोरें मज्जवांसू
- १५ वें कीतरें सुखसी । और मेखोडा न होखसू वें कीतरें
छंटेरो फेरासी जियो श्री कियोते के जको वेमकुसल दैख
वाला मंगलीककथा चेडे करेते वा फेरो घासवेजोमें
- १६ राजकी ववर देवेते बांका पग किसा सोभावांनठे । लेर
वें सगला मंगलीकसमाचार मानें नही कोस यिआईयाह
कयो के हें यिआह नांको खबरउपर कोखी इतवार कयो
- १७ ते । इवेई सुखसू प्रतीतते वा भगवांनकी कथासू
- १८ सुखेते । लेर जं कउंनुं बाई वा सुख न पायेते
मुकर सुखेते कोस बांको साद सगला संसारमें गयोते
- १९ और बांकीकथा संसारके देवडातोडी गईते । लेर जं कउ
नुं के यिआराएक काई जाखो नही येँलडा मोअह कयो के
जको लोग गोत नते बांको बाहसू जं थारें उचाट जनासुं
- २० और एक डोफा गोतीसू थानें खेछो करसुं । लेर यिआ
इयाह मोकले निडर ऊयर कयोते के ज्यां न्हारो घोज करी
नही वीकेकने जं लाधो गयो वा ज्यां न्हारेवेई पूज्यो नही
- २१ बांकेकने चेडे ऊवोनुं । लेर यिआराएकने कयो के
गमानखवाला वा निरकरणवाला खोगांउपर में समखो दिन
हाथ पसारते ।

११ इमारमो पानि ।— वेर जं आ कउंनुं के भगवांन
काई आपका खोगानें जेड दोनाते वा नते कोस ऊंपिख
आबरधामके डावडे वा नेनामिन्का कुषमें एक यिआरा

- २ एली नुं । भगवान आपने प्रेषडा जाबबवाला आदम्याने
गेडदीना नही घे काई वा जांयो नही के घर्मग्रंथमें एली
याहके फायदामें जका कथा केउं केउं जीवरें आ वाचना
- ३ यिअराएल्का बैरमें भगवानकने करी । के हे यिअह
वां घारा निमित्तियानि मारनाघ्याने वा घारी होमघोत्तरी
उपाडनाघीने और अं एकलो नुं वैपिय न्हारे जीव खेब
- ४ नें उधम करेने । केर भगवानको उधलो उकेउपर
काई केने के में सात हजार आदम्याने आपकेवेई राख्या
- ५ ने के ज्यां बझलकने गुडी गाढी नही तिसोई हाल
की वेला छपासूं सरावणके अनुसार वाकी कण्हि ने ।
- ६ अर उ छपासूं के तो कामसूं नही नही तो छपा छपा
नही केर कामसूं अर के तो छपासूं नही नही तो काम
- ७ काम नही । तो काई यिअराएल् जको सोज्यो सो लाधे
नही केर सरावणा लाधेने और दूरा आंधा कया गया
- ८ ने । जियो को लियोने सुबखको सुभाव आरु आज
तोडी न देवखकि आंध्या वा न सुखबेई काम भगवान
- ९ वाने दिनाने । दाउदपिय कयेने के वाको बाजोट
वाकी एक फास वा कल और आपडवाबरो ठुठे वा
- १० प्रतिफल कया जाय । वाकी आंध्या अंधारासूं घेरी
जाय के वे न देवे वा वाका मोर रीजोना घेटा करी ।
- ११ तो अं कउंनुं के वा काई पडखवेई आवठ घायोने सो नचे
केर वाका पडणसूं वाने उघाटने करबने उदार दूरा
- १२ देमवाल्याके नेडा आयोने । इवेई अर घाबो पडखो
संसारको घन के वा वाकी कसर दूजादेमवाल्याको
घन अर के तो वाको परवारयो कितो वतो असी ।
- १३ कींस अं दूजादेमवाल्याकने हलकारो होखसूं घां
दूजादेमवाल्याने कउंनुं अं आपको सेवाको प्रसंसा करं
- १४ नुं के कियोतरें आपके मरीरवालो भायाने प्राणवाला करं

- १५ और वार्के विषमें कित्ताक खोगाको उबार करे कौंस
 पर वार्के गिडखो संसारको मिजावणो के तो वार्के कंठा
 मोतसूं जीवपावखोविगर काई जसो कौंस पर पेंसडा
- १६ फज निर्मल के तो सगको हल निर्मल केँ और जड पर
- १७ निर्मल केँ तो डाखापिख निर्मल केँ । और उदंघ
 को कित्तिक डाको भांजीगई तूं जोडनेंसाजको हंघ पर
 वाकी आगामें कारी केँ और वार्के भेकी जेतानदंघको
- १८ जड और रसभोगी केँ तो असल जडाउपर गुंमान
 मती कर लेर पर गुमान करे तो आ जाख केँ तूं जडको
- १९ पाखखवाको नही लेर जड थारी पाखखवाली । तो
- २० तूं कौंसो केँ मनें सगावखनेई डाखी भांजी गईजी । घोषा-
 वे विगरइतवारोकेँ कारख भांजी गई सही वा तूं इत
- २१ वारसूं कायम केँ गुमान मती कर पख डर । कौंस
 भगवान पर सागो डाल्यानें छपर नकरी तो निर्धे
- २२ वान को काईजाखा तनेंपिख छपर नकरे । इवेई भग
 वानकीभलाई वा मोष देष जके पखोडाकेँ वार्के उपर
 पोष लेर तूं पर उको भचारमें रे तो थारेउपर भवा
- २३ ई नही तो तूं पिख बाखो जासी । और वे पर विगर
 इतवारमें न रहे तो वेपिख दूजीबेखा कारी कया जासी
 कौंस भगवान वनेंपिख दूजीबेखा कारी कर सकेँ ।
- २४ तूं जोडका जेतान हंघसूं कायो जायर सुभावका बैरसूं
 घोषाजेतावका हंघमें कारी करो गई तो सागो डाल्या
 आयका जेतानका हंघ कित्ती वली कारी करी जासी ।
- २५ कौंस हे भाई थाकी आपकी व्योषमें आयनें एकसदार न
 जाखो इवेई जं नई पाउंनु केँ ये इ करडी वासपेखीमें
 नजाखकार जो केँ दूजादेअवाल्याको पूरापखो चोडे
 पोखनेडो एक पांती आंधापखो विअराखनें उंधो काई
- २६ केँ । और तियो सगकेँ इतराएखीयाको उबार कही

- त्रियो तियोने के ओओनसू उबार करबवाला आसी
 १७ ओर याअबुसू बिगरसिबाई फिरासी । कोस
 जीबेला ऊं थाके पाप जुडाउं उंहीवेला वीके भेले
 १८ नारो ओ सरतंत ते । मंगलीक कथाओ वासवेओमें
 कंसू वे थाकेवेई बेरीने लेर सरावका फासदामे कंस
 १९ सू वे पितरवेई वाला ते कोस भगवानको दान वा
 २० बेलापयो बिगरपचतावखसू ते । कोस ये त्रियो पेंख
 डा पुसमें भगवानको इतवार न कयो लेर अने थाके वि
 २१ गरप्रतोतसू छया लाघोने तियोई-वां अबाबतोडि
 पिय प्रतीत करि नहि के थाके छया लाघका उकराससू
 २२ वे छया लाघे । कोस भगवान सगलाने बिगरइतवारीमें
 २३ अड दीनोने के उ सगलाउपर छया करे । आहा
 २४ भगवानको ग्यान वा अकलवंतसरीयो मायाको गंभीरता
 उंको खोत किसी अचितनिय वा उंको चलय फिसेत जान
 कार न होणको कोस भगवानको बिचारजाखबवाला
 कुछ ऊवोने उंको मंजो कुछ ऊवोने वा जीसू उंकेकने दूजो
 २५ बेला दियो आसी इतो किउ उंने पैलडा दीनोने कोस उंसू
 २६ वा उंका करखसू वा उंकेवेई सगली बसां ते उंको सुती
 रोजीना के आमिन ।

१२ बारमो धानो।—इवेई हे भायां ऊं भगवानको
 अनुग्रहसू धामे विनती कबनु के ये एक ओवता वा निर्मल
 वा सराखलायक कलदांसर अथाको डोल भगवानकने
 १ उपसर्ग करो के अको थाके योगसेवा ते । ओर इ संसार
 के रोकसरोयो मती को लेर भगवानको उ चेधो वा सराख
 योग वा मुकबचि काई ते इकी कीमत केबवेई आयको
 २ मन नवी ऊवासू दूआसरिवो कयोडा के । कोस नारेंकने
 भगवान अकी अनुग्रह कयोने उंसू ऊं थाके धावेनी आद

- मीने अटकलमाफकसूं आपने मोटो नमानबने यल ईश्वर
 त्रियो चावेजी आदमोने प्रतीतको पाइलि दिनीउं उंमाफक
 ७ अकलसूं आपने मानबने कउंउं । कौंस त्रियो एक डीलमें
 न्हकिं मोकला अंगउं वा चावेजी अंगको एक काम नउं त्रियो
 ८ न्ह मोकला अयर खोएमें एक डोल वा आपतमें अंगपिब
 ई केउं । इंसूं न्हाने दीनाडी अनुयइके माफक न्ह व्यारीर
 मुंडो लाघर वा मुंडो अर विमितिथार्ई होवे तो उ न्हकिं
 ९ प्रतीतके प्रमाखमाफक करे अथवा सेवाकरखी यदवी अर
 ८ तो सेवा करे अथवा उपदेमकरखवाला उपदेम करे ।
 जीषावख कराखवाला जीषावख करे जको दान करेउं उ एक
 मनसूं उ करे जको लोग सिक्केदारो करेउं उ काठार्ईसूं उ
 ९ करे जको लोग छपा करेउं उ मनका आनंदसूं उ करे ।
 प्रेम उलखोबिन के मोटोकाम मोई करखवाला वा घोषा
 १० काम करखवाला ऊज्यो । प्यारसूं आपतमें छपासूं पूरा
 ११ ऊज्यो आपतमें आगतभाव करखने मन लगाज्यो । काममें
 निगरआलसी वा मनदेनवाला ऊज्यो भगवान्की सेवा
 १२ करो भरोसासूं राजीपयो वा कष्टमें थावच ऊज्यो याच
 १३ नामें राजीना लेकीन ऊज्यो । पुन्यवांनको दिनपयो
 मिटखवेई दातार वा संयभाग करखमें थार ऊज्यो ।
 १४ जके थकिंउपर तोसीस देवेउं वाने आजीव करज्यो वा
 १५ फिटकार मती दीज्यो । जके राजी करेउं वाने भेला
 १६ राजी करो वा जके रोवेउं वाने भेला रोवो । आपतमें
 बरोबर ऊज्यो उंचाविषयमें मन मती लगाज्यो लेर गेटा
 १७ आदम्यांउपर निजर करज्यो । आपने अकलवाला मती
 जांज्यो नौठार्ईके बदलार्ई कौकीई नौठार्ई मती करज्यो
 सगला आदम्यांके देखणमें जको रीत सोभा लाधे उं चलख
 १८ उपर मन लगावो । अर अथ सके तो आपका मुंडा
 माफक सगला लोगां भेला निगरदुसमखीसूं रीब कर
 १९ ज्यो । हे वाखा आपकी वासवेकीमें उलटोबैर मती कीज्यो

- लेर रीस देवर यख गोखा को कोस को बियोने वें
 विजह कें वें फखदेखी शूरो कामने अं ठीक तोसोस
 २० देखुं । इवेई अर धारो बैरो भुवोके तो उवें
 जोमाव अर तिसायो के तो उवें पाव कोस को करबसूं
 २१ तूं उका माघाउपर वीराको छिगली करसो । घोटा
 कामसूं धाकोडा मती को लेर घोषाकामसूं घोटा काम
 पावे करख्यो ।

- १३ तेरमा पांजा ।—घावेसो लोग मोटो पदवीके
 वन को कोस भगवानके निबपखबिगर काई आग्या
 नही जकार आग्याने वें भगवानसूं निखें कखोडो नें ।
 २ इवेई जको लोग आग्याकी बेंर करेने उभगवानके निब
 पखको बेंर करेने और दुसमखी करबवाला आपकी
 ३ वामीकी तोसोस पाखा । कोस घखी घोषाकाम
 करबवालाउपर बीह देषाखवाला नहीने लेर घोटाकाम
 करबवालाउपर तो काई तूं पदवीसूं नोही न घावेने
 ४ घोषाकाम करो तो उसूं धारो घोषो पिख असो । कोस
 धारे मंगलीकनेई उ धारेकरे भगवानकी आग्याकरब
 वालो नें लेर तूं अर घोटाकाम करे तो बोरो कोस उ
 झूठमूठ पाती कपडे नजे उही भगवानकी आग्या करब
 वालो घोटाकाहाउपरें नजराघउखिधारे फल देखवालो
 ५ नें । इवेई धाने वन अखो निखेने वाखी वजराघका
 ६ बीहसूं तो नही लेर बिवेकसूंपिख । कोस वें इ
 कामने रोजीमा खेखीन अवर भगवानकी आग्या करब
 ७ वाला केने इवेई बाव दीख्यो । इसूं सगला लोगाने
 जीकी जको लेखो तो दीख्यो बाव खेखवाखाने बाव दीख्यो
 हासल लेखवाखाने हासल बीहवें सायकाकरे बीहसरो
 वो मर्यादा दीख्यो आदर करबजायकाने आदर करो ।

- २ आपतमें प्यारकरबसरीयो हैबेनिगर और कीकई देखायत मती ऊँचो कीस कीयो लोग दूजानें प्यार करेंगे
- ६ उं तौरेंतको बंन यूरो क्योउं । कीस परखीगमन मती करो सुग मती करख्यो चोरो मती करो कुडीसयदी मती दिख्यो लोग मति करख्यो और वा दूजाकोई आग्य पिख अर रहें तो दूजाआदम्यानें आपके बरोबर प्यार
- १० करो इं कथाके मांय उं । प्रेम पाडोखानें कुंछि मोटो उपजावें नही इबेई प्यार तौरेंतको काम यूरो
- ११ करेंगे । और आनें नींद तोडर जागखकेवेला अको उं आजाबर यख आई करो कीस नही प्रतीतकरबके
- १२ पैखडापुखसूं अनें नही उडार नेंडो क्योउं । मोकली रात महेंगे दिन नेंडो आयोउं इबेई ने अंधाराको काम उे
- १३ डर चांखवाको सरंजाम येंरा । ने बैयो वा मखई ययो वा मोटोकांम वा सोधार्दपयो वा कजियो वा मोटी इच्छा आर रीत न करर दिनको जियो ठीकउं तिसो
- १४ मोकोकाम करां । और प्रभु यिभुखोउनें पैरो और डीलको इच्छा परवारखनेई क्युही भेलो मती करो ।

१७ चोदमे पांनि ।—अको लोग प्रतीतके फायदामें
 २ दुमलो उंनें लो जोर निगरठीक अडाबेई नही । कीस कोई लोग प्रतीत करेंगे कें आय सगली नख घाय सकेउं
 ३ दूजाकोई निबलो आदमी डोरा घायउं । बांखवाको लोग नवांखवाकानें निकमे कर न मानो और नवांखवाको बांख
 ४ वाखाको दोष न कहे कीस भगवान उ आरे क्योउं । हे दूजाआदमीका आकरकी दोष देखवाला तूं कुखउं उ आ यके धडीकने उभो केउं अथवा पठेउं फेरपिख उ कपड राख्यो जासी कीस भगवान उंनें कपडर राखखे सकेउं ।
 ५ कोई लोग एक दिनसूं दूजाएकदिन मानेउं दूजाकोई

- समजा दिन बरोबर मानेने चवसेा लोग आपका मनमें
 ६ खुब निश्चय राके। जको लोग दिन मानेने सो भगवानवेई
 ७ मानेने वा जको लोग दिन माने नही उपिख भगवान
 वेई उ मानेने नही जको लोग समदा जांखर वायने उ
 भगवानने मनमें राखर वायने क्योस भगवानकने खुवि
 मेलेने और जको लोग चवसेा बख जांखर वायने नही
 उपिख भगवानने मनमें राखर वायने नही और भगवान
 ७ कने खुती मेलेने। क्योस न्होके विचाले कोई लोग आप
 केवेई बघेने नही और कोईपिख आपकेवेई मरेने नही ।
 ८ ने वपखसूं भगवानकेवेई बघांग और मखांसूं भग
 वानवेई मरांग इवेई उबरखसूं अथवा मखांसूं भगवान
 ९ का कांग। क्योस जोवता वा मुडदा या दोयाके
 प्रभु होखने खीछ मयो और उपयो वा दूजोबेला जांख
 १० कार खो। खेर तूं आपका भारने वामोदार को
 केने और तूं आपका भारने बिकमो को जांखेने क्योस
 खीछके ख्यातकरणके गोदीके सामे न्हा सगजाने उभे
 ११ होयो पडसी। क्योस इसो खिखोने के थिखड् आ
 केने अर ऊं जीवतो नुं तो न्हारे सामे चवसेा गोडे
 भुकायो जासी और भगवानकने चवसेा जीभ अरे खर
 १२ सी। इवेई न्होके बिचला चवसेा लोगने आपकी
 १३ हगोगत भगवानकने बघांख करखो पडसी। इंसूं
 न्होके एक लोग दूजाखल लोगने वामोदारसरीयो व
 माने लेर यख को मनसोबो करे के कोई लोग आपके
 भारके मारगमें आघडवांखको ठुठ अथवा पडखको कोई
 १४ कारख न देवे। ऊं जांखुं और प्रभुधिमुखूं ठीकजांख
 कार खोनुं के कोई बख आपसूं भिसट नही लेर जको
 लोग कोई बख भिसटसरीयो मानेने उकेकने वा चोअ
 १५ भिसट ने। खेर अरो भारे अर थारे वांख

उपर अटकें तो इंसू वूं व्यादप्रो रीत न करेणें जीकेनेई
 खीछ मखो तूं आपको घुराकसूं उंको बिगाडो मती कर
 १६ जे । इंसू धारें भली कीरतकी कुसोभा जीसूं कें सो
 १७ मती कइख्यो । कौंस भइवांनको राज वांखीपीयो न
 १८ नें खेर साधकाम वा भाति वा धर्माकामें आनंद । कौंस
 कौंस लोग यां कामसूं खीछकी खीवा करेणें उ भगवानकनई
 १९ राजी देखवालो दूजा आदम्यासूं सरावख्योणें । इनेई
 भाति करखवाला खेर जीसूं एक लोग दूजाको भोयो
 २० कर सबे नै इकीमके पिडाडी रेखवाला जे । घुराक
 नेई भगवानको काम बिगाड मतीकरख्यो संगलीवसां पाक
 साध खेर जीसूं दूजा अटकें जको लोग उ वावें उनें धामी
 २१ केंणें । मंसवांखो वा दाखको रस पीखो अथवा
 खेर जी कौणो बखसूं धारो भाई आवड थाय अथवा अट
 कें अथवा निबको कखो जायणें उंको वांखो ठीक नही ।
 २२ धारी काई मतीतणें भगवानके सामो उ आपकेबन राख
 जको लोग आपकी रीतसूं आपनें दोषो नकरें उ धय ।
 २३ जीनि संदेह नें उ अर वाय तो वामीधार केंणें कौंस इत
 बार सरोषो वायणें नही कौंस इतवारसूं जो नही
 उही पाप ।

१५ पजरनो पानि ।—इनेई बजिया जके नै भुंकी दुव
 कांको दुवजाई सेंधी करखो खेर आपकी राजी नकरखी
 २ ठीक नें । नुंके बिचालें वावें जी लोगकी भजाईके बत्ता
 ३ नेई आपका पाडोसुंकि राजी करे । कौंस खीछ आप
 आपकी राजी नकरो खेर बियो लिव्योणें कें ध्यां धारी गोरे
 ४ करी वांकि गोरे नुंरेउपर आई तिथोई कखो । कौंस
 पैलडा जकोए कारख लिव्योणे वें नुंके सिपावडके कारख

- लिखा जा के नै सेखसुं वा घमयंघसुं जख्योडा वातरीसुं
 ६ भरोसो जाधै । अरि सेखो वा वातरी करखवालो भ०
 वान बरें के ये एकमन वा एक नोजिसुं भगवान कथवा
 ७ न्होके प्रभुविभुखीछके वाभाको खुति करो के ये खीछियिमु
 ८ के माफक आपतमें एक मनसुं खेवीन को । इवेई जिसो
 भगवानकी खुति करखवेई खीछ न्होके लोभा तिखो ये
 ९ एक शीम दूजादेन लोमके जेना । अवेई जं आ कथा कउं
 १० के भगवानकी सायकेवेई विभुखीछ सुनयिखो सेवक
 जेना के वहेराने भगवानकी जेना करार जे उ करार
 ११ निखल करे । वा दूजादेनवाली लोग भगवानका छप
 सुं उने खुति करे जियो लिखोने के रंसुं जं दूजादेन
 वाख्याके विचारें चारेंके चारे करसुं वा चारा नावकी
 १२ वासवेकी गासुं । खेरपिख हे दूजादेनवाली ये उंका
 १३ आदम्याके मेला राजो करो । खेरपिख हे दूजादेन
 वाली संगजा ये विजहको खुती करो हे संगजा आदमी
 १४ हे उंकी प्रसजा करो । खेरपिख विचारेंवाह केउं
 के विजिसुं इर गौळ जसी खेर नकेदूजादेनवाख्या
 उपर घडोयाप्र करबने उपडती उंकेउपर दूजादेनवाखी
 १५ प्रतीत करखी । अरि भरोसोउपजाखवालो भगवान
 धाने इतवारमें वा जिनद वा जंतिसुं परवारें के ये घम्या
 १६ जाकी पोचसुं भरोसासुं भयोःडा को । हे न्हार
 भाषा जं सागी धाकी वासवेकीमें काठो जानवार नुं के
 ये पोवारेंसुं वा अन्नसुं पूरा को वा आपतमें जीव
 १७ पख करे सकोगे । खेर हे भाया भगवानका करबसुं
 न्हारें जेठो जेठो दीनेछो अनुयह के जं दूजादेनवाख्याके
 भगवानकी मंगकोक कथा सेवाकरखवालो विभुखीछवेर
 १८ सेवक नुं । उं अनुयहसुं जं कवि साहसोके जयर धाने
 विचारखवरीयो धाने लिखोने के घम्याभासुं दूजादेन

- वाल्याने वाक्कासरीयो यवित्र कथोडा जयर आरे के ।
- १७ इनेई भस्वानकी जकेर विषय उंही वासवेधीमें यिनुबीरुकर
'उकराससूं नारे गुमानकी कथा बेंबको कारख में कोस
- १८ जीसूं ऊं यिदमजमसूं चारांकी इखिरिकम् वोडो
खोइको मंगलीक कथा सगबीतरेंसूं विव्यास करीरें
- १९ इसेर जके भगवानकी आत्मकी पीचसूं बीबीडा मोटा
बलका कलब वा कठैराकाम करखसूं घोर उंसूं
दूजादेनवाल्याने कथासूं वा कामसूं मानबताखा करख
वेई जके खीइ मेंसूं न बयोने वा कथा करखनें ऊं हिमव
- २० न करसूं । मंगलीक कथा छंटेरो फेरबनें में जतन
कथोनें सही छेर जी जागा खोइको ताव बबो जयोनें
उठें नही कथा जाखां ऊं दूजा बीकीई नीवउपर सांइ
- २१ करं । पय भिसो आ कथा खोवीनें वें ज्योबनें
उंके विषयमें कथो मयो नही वें देवती वा ज्यो कुथो नही
- २२ वें पिय समग्रसो तिथोई कथोनें । इनेई ऊं घांकेनें
- २३ जावबनें घडोर अटक्यो गे । कथ जनें इं कानिमें
घोर नारी जागा नरेबसूं मोकला बरसांसूं घांकेनें
जायनें नारी मोटीदच जवांसूं जीकिबोनेका ऊं खाभि
- २४ याम जासूं उं बेला घांके नेंडो पीचसूं कोस मारगमें ऊं
घामिं देवबनें घोर पेंबडा घांकी मोलापसूं कंधि सांतरो
जयर घांका उकराससूं उंकांकी भागे बधबको
- २५ भरोसो राधुंरुं पय जनें पुन्यदानकी सेवा करखवालो
- २६ जयर ऊं यिदमजममें जांउंरुं । कोस यिदमजमका
भ्याया पुन्यदानवेई कंधि देबनें माफिदीनिया वा भावा
- २७ याका रेखवालाकी मनसोबो गे । बांको विचार गे
सही घोर वें उंका देंदारीपिय नें कोस दूजादेनवाकी
अर वांके परमाधंभी बस जाधीनें तो डीबनें बसमांसूं
- २८ वांको सेवा करबो वनें निखें ठीकनें । इनेई ऊं ज्यो

- काम करद वा वक्के उपर उअ कखाउविहारें धो फाव
 १८ दो देर धाके कनासुं खाणियामें जासुं । धोर ऊं
 ठोक जासुं के जद ऊं धाकेवनें आयुं तद खीएके मंम
 खीक कथासरोवे आमोवको पूराई साथे खेर आयुं ।
 १९ धर्व हे भावां ऊं प्रभु विंशु खीएवेई वा धर्माकाका प्यार
 वेई धानें वीनती कदंनुं के धे न्हारे भेखा भगवानं
 २० कनें न्हारेवेई याचना करखको उद्यम करो के ऊं
 विगरइतवारो चिइदी जोगांके हाथसुं उकार जवुं
 वा विरअलमबासोवांनानेवेई वका सेवां के उ पुन्य
 २१ वांसुं धारे के । धोर भगवानको दयिसुं के ऊं
 राजी मनमें धाके नेंडो पोंसुं वा धाके भेखा घेन गुमाव ।
 २२ धनें आवि देखवालो भगवांन धा संगवांके नेंडो रहें ।
 धामिन् ।

- १६ सोखनो धानो ।—ऊं धाकेकनें न्हारो वेंन फेवानें
 सुपारिस कदंनुं के जके केनेयाके टोलीको एक सेवक नें
 १ पुन्यवानके ठोकसरीवे धानें प्रभुका जाखर खे । धोर जी
 कीधी वासवेकीमें उनें धासुं उपमारको जरूर रहें उं
 कामसुं उंको उपमार करो कींस उ मोकलांको वा न्हारे
 २ पिख पावख करखवाकी ऊइनें । खीएविंशुमें न्हारो उप
 गारी प्रखझा वा आकझा वानें वंनखा पोंचाय दीओ के
 ३ ध्यां न्हारे जीवकेवेई आयको मायो दीनानें वीकी प्रसंजा
 वाको ऊं कदंनुं सो नही खेर दूजादेमवास्याके टोलीकी
 ४ संगवापिख ध्याकी प्रसंजा करेनें । इसी धाके मूंयामें
 वका टोलीनें वानेपिण वंनखा पोंचाय दीओ न्हारो मोटो
 वाणी आईपेनितस उनें वंनखा दीओ के जको खीए
 ५ ककनें आखायाको पेंकडो फल नें । मारिथानें वंनखा
 ६ दीओ के जी न्हारेवेई मोकत्री नेंदत करी । न्हार

- मोक्षो वा भिला केंद्र आत्रोनिक्त्स् वा युनिय्या वानें बंनखा करव्यो कें जको दृक्कारावें विधानें घोषो वावने वा न्हा रो पेंजडो खोळमें जे ।
- ८ प्रभुमें न्हारो वाखो आम्बिआस्ने बंनखा दीज्यो । खोष्ट न्हारें सहकारो उर्बागीने वा न्हारो वाखो आम्बिस्ने बंनखा दीज्यो । खोष्टमें परष कळोडी आपेजस्ने बंनखा दीज्यो आरिस्तबूत्सका कृषिकी लोगानें बंनखा दीज्यो ।
- १० न्हारो गोडो हेरोदियानें बंनखा दीज्यो नार्कसस्के कनि कामें जको प्रभुमें जें वानें बंनखा दीज्यो जफोना वा जफोसा
- ११ वानें बंनखा दीज्यो कें जके प्रभुमें मॅनत करे जें वाख्हा व्यसिस्ने बंनखा दीज्यो कें जी प्रभुमें मोकतो मॅनत करी ।
- १२ प्रभुमें संरावण्यां दफस्ने वा उंको माउ वा न्हारी माउमें बंनखा दीज्यो । आसन्झितस् वा जोगन् वा हर्मस् वा पात्रोवास् वा हर्मिस् यानें वा वाकें भेला जित्ता भाई वानें पिय बंनखा दीज्यो । फिल्लोगस् क्स् युलिया वा जेरि यस् वा उंको बैन वा उलंपस् वानें वा वाकें भेला जित्ता
- १३ पुन्यवंत-जोग वानें पिय बंनखा दीज्यो । निर्मल वाक्वो लेर एक लोग दूज्जयक लोगमें बंनखा करव्यो खोष्टको डोली जित्ती वें यानें बंनखा करे जें ।
- १४ हे भायां जं अवे बीनतो क्कंठुं कें जका सीषावख ये लाधीजें उंके बैरमें न्याराई वा अटक जफे लोग उप
- १५ जावेजें वाकी ध्यांत करो वा वाकेंकर्म मतो जावे । क्कोस जके इतरेंका जें वें न्हकें प्रभुविभुखोष्टको सेवा करे न जें लेर आपका पेटकी चाकरी करेजें और प्यारकी कथा
- १६ वां मीठी बोलीसूं काचा आदम्यांनें भुलावे जें । क्कोस यकी आग्या मान्ज्ही सगळा लोगानें इजूर पिध्यातजें इंसूं जं यका फाबदामें राजीजुं लेर जं प्राउजुं कें ये
- १७ घोषाकाममें अकजदार वा घोषाफाममें डोफा की और

जाति करबयाका भगवान बोडा दिनापने चाके यमाके
नीके मोठाने सेपोडे करती नाने प्रभुविमु खीउकी जपा
चाके उपर के आनिन् ।

११ नारी भोरो तिमोतियस् वा नारी गीवी कुषियस् वा
१२ वासन् वा ससोयस् घाने बनखा करेने । ऊं वति

नस् के नी जो कामद सिधो प्रभुने तने बनखा करे

१३ तु । नारी वा सगलो टोखोको अतिथकरबवाको
माईस् घाने बनखा करेने नमरकी दोवान हरासस्
वाकतस् नावको एक लोग भाई घाने बनखा करेने । नाने

१४ प्रभु विमु खीउकी जपा चा समजाउपर के आनिन् ।

१५ संसारके ठेटसू जका तंत बोडे नने प्रब घने बोडे ज
वाडे जोर रोनीना रेबवाका भगवानकी आम्हा माफक नि

मितियाकी सोपठोने इतवारके माननभेई समखा देअवा
१६ ज्याकने बोडेने । उहे तंत माफक नारेकने दोधोडी

मंगलीक कर्षा वा विमुखीउने हंठेरी इ माफक जको घाने
१७ निखल कर सकेने । नीकेविमर दूजोकोई वा अकक

दार नने उंकी सुति विमु खीउके उकराससू रोनीक
के । आनिन् ।

किरिवियां बनें पाउल को बेंकडे कागद।

१ पैकडे पांवा ।

- १ भगवानकी जका ठेको किरिवियामें उं जको खीट यिनुमें पनिक कयोडा पुन्यवंतसरोवा विष्यात उें खोर घावेंजी जागामें जिता लोग न्हारें प्रभु यिनु खीटका नांव
- २ सूं याचना करेउें उड़ी न्हारो वा वांको प्रभु उें । वांके बेंडा भगवानकी रूपसूं यिनु खीटको निसें कयोडे पाउल हखकारो वा न्हारो भाई सखेनक् कागद लिखेउें ।
- ३ न्हारें वाभो भगवानको वा प्रभु यिनु खीटको अनुग्रह वा
- ४ भांति घांकेउपर के । भगवानको जको अनुग्रह यिनु खीटकी बाहसूं घांकेबनें दोनोडोउें उं अनुग्रहसूं जं घांके कायदामें रोओना आपका भगवानकी सुति कइउं
- ५ के जको उेवडावेडोपिण घांके निखर करसी । खीट
- ६ को आ कथा घांके निघावें जिसे निखर कयोउें तिसो उंका उकराससूं घांके सगखी कथा वा सगखी ग्यान
- ७ सरोवा धनपात्र कथा गवाण के न्हारें प्रभु यिनु खीट
- ८ के दिनमें ये निगरघांमी को घांके न्हारें प्रभु यिनु खीट का आवखकी वाडजेवदवाखा जयर की मुंडीमें घटवा
- ९ मतोको । भगवान प्रतीवयोगे के जीसूं ये उंका डावडा न्हारें प्रभु यिनु खीटकी बारीसूं निखर कयोडा को ।
- १० हे भावा न्हारें प्रभु यिनु खीटको नांव खेर जं न्हारें बीनवी कइउं के ये सगखी कथा उबिहाराकी कथा कइो

- के थाके निचमें कहि भवडा न के यय थाके एकमबकी
 ११ वा एक धोतका बंधदासुं सोलेंआना बाधारयो । कोस
 हे भाया कोरके कबिला बाबासुं नाकेकेने चोडे ऊरुगे
 १२ के थाके निचमें कजियोने । अं थाने अने का कउ
 नुं के थाके निचमें कोरके केने के अं पाउलको कोरके केने के
 अं आपलसुको कोरके केने के अं काईकाको कोरके केने के
 १३ के अं खोचको । खोच काई विराडर जवोने पाउल
 काई बाबेनेरे अंअउपर माखो गवोने अथवा काई के
 १४ पाउलका बावसुं दुबो माखोडी जवाडा । अं भगवानकेने
 सुतो मेवुनुं के अं अखसुं वा मायसुंविगर थाके दूजा की
 १५ केरे दुबोदिराई नही । काजाया कोरके कहे के में आपका
 नावसुं दुबोदिराई में खेपानसुके कविखानेपिख दुबो दि
 १६ राईने अं विगर अं जानुं नही कि अं दूजाकीनीने दुबो
 १७ दिराईने । कोस दुबो दिरावखनेरे खोच मने मेल्यो नहरे
 यय मंगलोक कथा छंटेरो करखनेरे उपिख अकलकी कथा
 १८ सुं नही काजाया खोचकी हखवायी निकसी के । कोस
 विगाडपावखवालाकेकेने हखवालीकी छंटेरो करखो मेखाई
 १९ ने लेर विरायोडा नाकेकेने वा भगवानकी पीच ने । कोस
 का कथा खीयोने के अं पंडिताकी विद्या नाम करखुं
 कोर अकजवाधा आदम्याकी अकलपिख नाम करखुं ।
 २० विद्यान कठे याकरणी कठे इ संसारको अदलोवदलोकरख
 वाको कठे ने भगवान इ दुनियाके ग्यानने पाई गेंलापको
 २१ न कखोने । भगवानकी ग्यानमें संसारका आंगाने
 आपका ग्यानसुं भगवानने जाणो नही का खवायने
 छंटेरो करखसरीयो गेंलापसुं इतवारकरखवाकने
 २२ उजार करखने भगवानकी राजीने । कोस विजदी
 २३ लख्य मागेने वा यीक विद्या खेमेने । लेर विजदी
 कने अठक- वा यीकाउपर गेंलापको लेर विजदी वा

- यीक और दूजाजिता विखल कथोडा जोगिं वाकेउपर
 २४ भगवानको बल वा भगवानको ग्यान जको हलवाखीउपर
 २५ माखोडो खीछ उनें हे छठेरो करानां । क्वोस भगवानकी
 गेलाइं आदम्यांसुं अकखबंदीउं और भगवानकी दुबलाइं
 २६ आदम्यांसुं वकवंतउं । क्वोस हे भायां ये आपको निखे
 करयो देमोडे के इं दुनियाके मतसरीवा मोकला पंडित
 अथवा मोकला सूरु अथवा मोकला मोटा आदमी नही ।
 २७ खेर कोई जोग उकें कानो गुमानकी कथा नकहे इंवेइं
 ग्यानांको नाम करखने भगवान संसारकी ठेठा वलां
 २८ सराईउं और वकवंतवलांने नामकरखवेइं संसारकी दुब
 की वलां सराईउं । और भगवान संसारकी नंदाकी
 २९ वलां वा जोचपिब सराईउं वा चोडेवलांने नामकरख
 ३० वेइं नहोखवालोवखपिब सराईउं । खेर जके यिमु खीछ
 विद्यो वा आयकोपयो वा पवित्रता वा उबार वाकेवइं
 भगवानसुं करी गईउं उका उकराससुं तं खीछ यिमुमें
 ३१ जे । जिखो खो विखीउं वें जको जोग गुमानकी कथा
 केउं वें भगवानवेइं गुमानकी कथा कहे ।

२ दूजा पातो ।—हे भायां जदं ऊं थकेकनें गयो
 तद कथाकी अथवा निधाकी चोवापखसुं भगवानको साथ
 ३ तो चोडेकरखनें ऊं न आवी । क्वोस खरीो खो करारउं
 के ऊं यिमुखीछ और उपिब हलवाखीउपर माखो गयो
 इंविगर और कुंदि थाके निषनें न जाणसुं । और ऊं
 ४ निषकाइंसुं वा भयसुं वा मोडो धूजखसुं थाकेनेडो जे ।
 ५ और खरी कथा वा छठेरो आदमीके मनमाफक कथाके
 निधासुं नजे खेर आत्माके करडोसावतो वा पोचसुं जी
 ६ के थाकी प्रतीत आदमीको प्रतीतसुं नके खेर भगवानकी

- ६ योचसू के । यचितता जको वाने बीचमें ने विधा बेने सही खेर ई संसारकी विधा अथवा ई संसारको वैजसोख वालो मनसोयाकी विधासू नही । खेर जका णिपायोडो
- ७ विधा भगवान् न्हके उदारवेई संसारके पैलडा निखे कखोणे भगवानको उई भारिइलमकउंठे के जको ई सं
- ८ सारको कियो मनसोया जाण्यो नही क्योस वे अर जाखवा तो सुवीकखोडे भगवानने इखवाखीउपर न मारता ।
- ९ खेर जियो कियोणे के जको भगवानसू प्यार करेणे वाने केई उं जकोर प्यार कखोणे वाने आख्या देव्या नही वा काना सुण्यो नही वा आदमीके मनमें पिब ब्रुडो नही ।
- १० खेर आपकी आत्मासू भगवान न्हकेवने वाने चोडे कखोणे क्योस आत्मा सगलाकी ध्योत करेणे वा भगवानकी चोडे
- ११ नक्षपिब ध्योत करेणे । क्योस आदमी विधाके रेंखवाली आत्माविगर आदमीके मनकी इगोगत चोडे नजाखेणे ई
- १२ तरे भगवानकी आत्मा विगर भगवानको वावत कोई जाके नही । जकेर वासवेखी न्हने भगवानसू मुफत दीनी गई ते वा नखाने जाखखे कारण ने संसारके आत्माने बाधे
- १३ नही खेर भगवानसू जका आत्माने उने बाधोणे । ध्या वास्तनेपिब ने काना दुनियादारोकी विधा जके कथा भखावेणे वा कथासू नही खेर धम्मात्मा जके कथा भखावेणे वा कथासू एक परमार्थके बस दूजोपरमार्थकी बखी
- १४ भेली ध्योत कररपिब केणे । खेर सुभावी आदमी भव वानके आत्माकी बखी लेवेणे नही क्योस वे उकेकने गिलाई उपिब वाने जाख संकेणे नही क्योस वे परमार्थमें देव्या
- १५ जायणे । जको लोग परमार्थी ते उ सगलाको विचार करेणे खेर उ आप कीसू ई विचार कखो जायणे नही ।
- १६ क्योस भगवानको मन कोखी जाण्योणे के उ उने भखावे खेर ने खीष्टको मन जाखाणा ।

- ३ तीजो पाबो।—हे भाया परमार्थीकेकने जियो कयो जायते जं तियो घाने केब न सक्यो केर जरोरी चयवु
- ४ खीटमें डावडामें जियो कयो जायते तियो कयोते । में घाने दूध पायोते करडो जोगब सुवायो नही क्योस कवा दंतोडी ये वा सेब न सक्या अवेपिब ये सबो जे नही ।
- ५ क्योस ये अवेपिब जरोरी जे क्योस घाने बीषमें इकी वा कजियो वा न्यारारें ते उंसुं ये काई जरोरी नजे वा बाद
- ६ म्यांसरोवा काई पाबो नही । क्योस जित्तादिन एक खोज केते के जं पाउक्यो वा दूजोएक खोग केते के जं जाय
- ७ खसको तित्ता दिन ये काई जरोरी नजे । ते भगवानमें चावेजी खोगने जियो दोनोते उं माफक जीका सेवकाका उकराससुं ये इववार कयो उं विगर पाउक्य कुब वा
- ८ चापकस कुब । में गाडोते वा चापकस पाबो सीधेते
- ९ केर भगवान फल दीनाते । इंसुं जको खोग गाडेते ख क्युहि नही वा जको खोग पाबो सीधेते उ पिय क्युहि
- १० नही केर फलको देवाक भगवान संगली । कयो खोग दोवेते वा जको खोग पाबो सीधेते वे रबीते खोर क्योस खो खोग चापका कामसरोवा फल पासी क्योस ने एक कामका करवाका भगवानका देनया तां ये भगवानका
- ११ वेतजे ये भगवानक साठ जे । में जियो भगवानकी अनुग्रह लाबीते तिस अकलदार राजके इयो नीव दीनी
- १२ ते । खोर कोर खोग उकेउपर साठ करेते केर चावे सी खोग निवेवान में के उकेउपर बीतरें साठ करेते ।
- १३ क्योस जका बीगदीनाडोते कयवा यिमु खीट उकेविगर
- १४ दूजोनीव कोर कर सने नही । खोर जको कोर खोने कयो जुंघार सकडी पास पराख उकेविचारें काई बस ते
- १५ नीवउपर साठ करे तो चावेजी खोगको काम थोडेकरवो यडसो क्योस फल उ मोरें करणी क्योस वाजदिनुं उदि

- चौडे कया जाओ और चावेजी लोगको साठ कीसीउं उंको
 १४ कोमव वासदे करसो । अर कीकोई उंकेउपर रथोडो
 १५ काम रहे तो उ लोग फल पासो अर कीकोई रथोडो
 काम बलजाय तो उंको बिगाडो ऊसी तोपिख उ आप
 उडार कयो जासो लेर जियो वासदेसू उडार कयो
 १६ जायउं तियो । ये काई जाखो नडो के ये भगवानका
 देवराजो वा भगवानको आत्मा थाके निचाले बसेउं । अर
 १७ काई भगवानको देवरो भिसट करे तो उंने भगवान वाज
 गमाओ कीस भगवानको देवरो निर्मलउं उ देवरो थे ।
 १८ काई आपने न भुलावे अर थाके बिघमे काई आपने ई
 संसारमें अकलदार करर मनिं तो अकलदार देखवेई उ
 १९ लोग गैजो के । कीस भगवानके सामो संसारकि बिधा
 गैलारै उं कीस ओ लिख्योउं के उ अकलदारनिं वाका
 २० पेचसू अटकावेउं । और भगवानपिख रुडवानको मन
 २१ सोओ जखेउं के ये निकमो । इंसू आदम्याउपर काई
 अर्थकारको कथा न करे कीस सगला थाका अथवा पाउल
 २२ अथवा आपलस अथवा काईकास अथवा संसार अथवा
 २३ जीवतय अथवा मेल अथवा हालकीबल अथवा होखहार
 बल सगलो वासवेजी थाकी वा ये खीरवा वा खीर भइ
 वांकी ।

- १ चौथो पानो ।—जियो खीरके सेवक वा भगवानके
 भारीतंतको दिवांजीका फायदामें गिबयो ठीक तियो नहिं
 २ वासवेली लोग गियो । दीवानोका अधामे चावा के आद
 ३ मो प्रतोतवंत के । लेर थाका मनसे वासू अथवा आद
 म्याके मनसो वासू के ऊं थीत कयो जाउं इने ऊं मोकली
 जानो करर जायुं ऊं आपनेपिख थीत कर जायुं नही ।
 ४ कीस ऊं आखेई कूहि जायुं नही इमें ऊं तिब कयो

३. जातो मद्यो जेर अको न्हारी खोत करे उ भगवान् । ई
 वेई ठीक बेलाके पेल्लो घे क्वहिं खोत मद्यो करयो अथवा
 मंभु विगरआयो के मका अंधाराकी पातोपड वस्य कोडे
 करसो खेर मनको कारणपिय गुदरासो उंभेला भगवान्
 ४. सूचावेजी लोगकी सोभा जसो । हे भायां घांका भलावेई
 में घे सगळो कथा न्हारे आपके वासवेलीमें वा आयजसुको
 वासवेलीमें परचां करर कयो ते के मको लियोने उंस्तू
 अतो घे न्हासू कोसई न सोनखने सोषो वा एक लोगको
 अनादर करर दूजाको आदर करयने घांका कीखी गुनी
 ७. वसू न फुले । कोसने दूजाडोसके किय कयोने खेर
 घारो काईने के मको ते मजाघोने इवेई खर में जाघो
 ८. तो नजाघरइसो क्विबेई सेधी करेने । अने घे परवात्रा
 रो अने घे मायापात्र जरा ने घे न्हाके विगर राजासरो
 घो घखियाप करोने अं पिय चांउंनु के घे घखियापपिय
 ९. करो के न्हिये घांके भेला घखियाप करा । कोस अं सम
 भुंनु के भगवान् न्हा हलकाराके मरखवेई निखलकयोडा
 लागी इषो सगळाके उवडे घोडे कयाणे कोस संसार वा
 १०. हलकारा वा आदम्यकने न्ह तमासासरोवा जवण । खीए
 वेई न्हें गेलानां खेर खीएमें घे अकलदारणे न्ह निवला
 नां खेर घे बलिया ने घे आदरलादकपय न्ह निवला
 ११. कयोडा नां । आ अवाहकी घडीवेडी न्ह मुका वा तिसा
 वा वा-नागा वा घपेडोदीयो वा घानभएनां खेर आय
 १२. कथा घांसू देंनगो करानां । मोई कयोडा ऊपरपिय
 न्ह आजीव देवांनां ताखा ऊपरपिय न्हे वा सणां बदमाइ
 १३. ऊपरपिय न्हे बीजतीकरांनां संसारको मेल वा सगळो
 १४. वस्य अंगलसरोवा आजवेडी न्हे कयोडाण । आ कथा
 अं घांकी साजवेई सोषु न्हो खेर न्हारे वाखा डवडा
 १५. सरोने घाने सोषावख करणुं । कोस खीएमें खर घांके

इस हजार लीपावखवावा के तोपिय घाके मोलका बाभा
 नही कोस मंगलोक कथासुं खोद्यिसुमें में घानें उपजा
 १६ यातें । इवेई अं का वोनकी कथंतुं के ये न्हारें सरीवा
 १७ करखवाजा के । में तिमोत्रियसुनें मेत्यो के जवो न्हारो
 बाधो डावडो तें खोर प्रभुमें प्रतीती खोद्यमें न्हारी जवा
 रीत वा रीत अं जिखीसगकी जाण चारेंजी टोलीमें सिखा
 १८ उंतुं तिसो उ न्हारी रीत घानें पितरासो । जिताक कोज
 गरबसुं इसा फुत्तातें के में जियो घानेंकनें भावयो ठेरायो
 १९ नही तें खेर अर भगवानकी कथितें तो अं भट घाकेबनें
 ज्ञासुं वा जवो गरबसुं फुत्तें वाधी वार्की कथा न सुबखो
 २० पख वार्की पौचपिय ज्ञानसुं कोस भगवानको राम कथा
 २१ सुं बही खेर मुंडासुं । ये कानें पावेतो कि में घानोस
 वा घार वा सीलोमन न्हारें खेर घाके कबे ज्ञासुं ।

५. घाचमो यानो ।—सगजाकोई केतें के जीसरोवि
 सुचपयो देवपूजखवालाके विधानें कयो जायतें बही के
 कोई लोग आपकी बाभाकी रंडभेयो संगम करेते इयो
 ६. लोचार्ई घाके विधानें तें । वा ये परन्या बही के जी
 लोग ओ काम कथेते उ घासुं एकंत के खेर गरबसुं
 ७. फुल्योडाग । जी का काम कथेते उके फायदामें अं
 डीजसुं मेरहातर अवर खेर मनसुं हाजर अवर जिखी
 डीजमें घार रेरे खीत करतो तिसो अवे खीत कथेते ।
 ८. प्रभु यिसु खीटको बख साथे खेर जद प्रभु यिसु खीटका
 नावसुं ये न्हारें आभाके न्हारें भेला को ते तद उंका डोब
 ९. का बिनामनेई ईसरीवा आक्याके मोडाकेकनें भलावयो
 घानें ठोक तें के प्रभु यिसुका दिन उकी आजा उमार
 १० कथो जावे । घाके गुमानको कथावा केवोवही ये कानें
 ज्ञावो बही के खोडो वाटो सगकी मोको वाटो करेते ।

७ इवेई बोदाघाटा खनयो करी के जिखा ये बिमरघाटे जे
 तिखो घांको एक नवो गोखो के कोस नाके बदले नाके
 ८ पेसाथ खीष्ट बघदानु खवेने । इवेई खावे नो परे
 घाला बोदाघाटासुं वा दुसमणी वा बदनीतोके घाटासुं
 सो नही खेर सची वा साचसरिवो बिमरघाटा वाटोसुं
 पावे ।

९ कुचालोगा भेजी यारी न करखने में घांकेने एक काम
 १० दमे लिखीने । खेर इ संसारका सोधा वा लोभी वा
 दगार वा देवतापूजकेकाखेभेखा सोकेमाना रोव न
 करको सो नही कोस उ होयसुं घनि संसारके बारखे
 ११ जाखो पडसी । खेर जे अदे घांकेने जो लिखो ते
 के जोने भाई करर कयो जावने इसो कोरे अर सोधा
 अथवा लोभी अथवा देवतापूजकेवाखो अथवा नया करर
 वाजो अथवा मसोवो अथवा ठग के तो उके भेखा यारी
 १२ करखने खेर जोमखनेपय बरखीने । बारखे जके
 लोमने वाको विचार करखको नारी काई नामने जके
 १३ मांयने ये काई वाको विचार न करो जे खेर जके बारखे
 वाको खीत भगवान बरिने इवेई उ बोटाघारने घांके
 विपसासुं अजगो करो ।

इ जठे पांजो ।—जोबी आदमीउपर अर घांके की
 कोरे मुकदमी उपखित के तो पुन्यवांवाकने पुकार न करर
 १ अघसीकने करको काई घांके खीष्ट डर नते । ये काई
 न जाखो जे के पुन्यवांन कोख संसारको विचार करसी इ
 वेई अर घांसुं अगतको विचार कसो तो घांके मोपको
 २ वाको मुकदमी खीतकरख धायक काई नही । ये काई
 न जाखो जे के नो बखकरानी अदाअत करया के खेर

काई इ दुनियाको वासवेसीमें छीत करसौ । इनेई
 ७ संसारके वासवेसीमें मुकदसो घर रे तो ज्योती ठोवांमें
 निकसीने ये काई वाने छीत करखने निसे करेयो । अं
 ८ घांते लाज देखवेई कउंनुं चाके विचमें काई एक जोगपिब
 प्रखदाद मने के जो भाई भाईके विचाले छीत करबे
 ९ सके । केर भाई भाईउपर पुकार करे सुपिब विगर इव
 १० बारी सीमे । इंसू घांते वामवां मांती फेने के बनि
 एक जोग दूजाउपर पुकार करेने यब ये विगरयाव की
 ११ नही सेब सके ओ यब ये आपने ठगाजां न देवे जे ।
 केर ये विगर याव वा दगे करेते सुपिब केर अपवा
 १२ भायां भेजे । ये काई वा जाबो नही के नावायवा भन
 वानके राजकी अधिकार नही कसो ये बिसरो मतो के
 १३ सोधा अथवा देवपूजाकरखवाला अथवा जादि अथवा कुमा
 ई इभो चाखबवाला अथवा पाराठारा अथवा केर अथवा
 जोभी अथवा मकांन। अथवा मंझकरखवाला अथवा
 १४ ठग भगवांनका राजका कीठारी कसो नही । चाके
 विचमें काईर आदमी इछोने केर अमुविजुका वावसुं
 वा हाके भगवांनकी आकासू ये धूवेडा जे ये पिब साफ
 १५ कवाजे ये सिखा कया गयाजे । जाल विचारसू खगला
 मने ठोकने केर सगला रीत लायक मने जाल विचारसू
 सगला मने ठोकने केर अं जीकोईपिब आग्याकारी नज
 १६ सूं । पेठनेई वावबो वा वावनेई पेठ यल जो वा उ
 यी देयाने भगवांन वेजममासी जोज सोधारेनेई नने
 १७ केर अंभनेई ओर प्रभु होलकेनेई । भगवांनपिब
 अमुने उपाधोने ओर आपको बलसू ज्ञानेपिब उपाइ
 १८ सो । ये काई जाबो नही के चाको जोज खोरको
 अंमने तो काई कं खीउको अंम केर उ पातदुबो अंम

- १६ करखूं लो नको । ये काई जाँयो नही केँ जको लोग
 भगतस भेजे मिनर रेणें उ एक डोलनेँ कीस उ कयोनेँ
 १७ केँ दोनुं लोग एक डोल ऊसी । लेर जको लोग प्रभु
 १८ भेजे मिनयेनेँ उही एक आत्मा । सो धारेंसुं भागे जको
 चावें सो पाप कोरें आदमी करेणें उ डीलकेँ वारबें केँ
 यख जको लोग सो धारें करेणें उ आपका डीलका वेंरमें
 १९ पाप करेणें । ये काई जाँयो नही केँ चाँको डील चाँकेँ
 बिषमरेँन बाला धर्मात्माको देवरेणें केँ जीनेँ ये भगवानसुं
 २० बाधेणे ये आपपिय नणे । कीस ये कीमवमें मोल
 लीनाठाणे इंसुं भगवानकेँ आधीन अर चाँको डील वा
 आत्मा वासुं भगवानकी महिमा घोडेँ करे ।

- सातमो पाँना ।—जकार कथा ये न्हारेँकनेँ जिधीनर
 उको निखें ओ मेठ्यार अर लुगारेंन न भीटेँ तो पोषी ।
 १ लेर सो धाययो न होखवेई च वेंजेँ लोगकेँ आपकार वउ
 २ केँ अर चावेंजेँ लुगारेंकेँ आपकार धखी केँ । धखी वउनेँ
 उचित माफक खाँमघेरी करे उईतरें लुगारेंपिय धखीनेँ ।
 ३ वउयो आपका डीलउपर आपको कोठार नणेँ लेर धखीको
 उसाई धखीको आपका डीलउपर आपका कोठार नणेँ
 ४ लेर वउके । ये पोषध वा याचनामें लेँनीज होखवेई
 मिलखबिगद न्यार मतो ऊखो उणें केँर भेजापो केँ
 चाँकेँ बिगरसेँखसुं मोठा चाँकेँ मननेँ धंवल नही करे ।
 ५ लेर ओ आग्यामाफक कउंनुं नही लेर वरयो न होख
 ६ सुं कउंनुं । कीस ऊँ मोकको चाँउंनुं केँ सगला
 लोग न्हारेँ इया केँ लेर भगवानसुं चावेंजेँ आदमीकेँ
 आपकीर मुंडीनेँ एक लोगनेँ एक उखिहाराकी ओर एक
 लोगनेँ दूजाउ उखिहाराकी ।

८ इंसूं जं कवीयानि वा रीडानि आ कथा कउंनुं वे अर
 ९ वे नारासरीषा रे तो मोकळा घोषा । वेर अर वे सेव
 न सके तो याव करे कोस परबोजयो पब बखबसू
 १० घोषे । परबोजयाने जं आ आग्या देवुंनुं उपिब जं नही
 ११ पब प्रभु जुगार्दे घबिने न जेहे । वेर अर जेहे तो बिगर
 परबोजी अयर रे अथवा आपका घबो भेबो वेर मिबे
 घबोपिब जुगार्देने न जेहे ।

१२ ओर सगळाने जं कउंनुं पिब भावांन नही अर कोबी
 भाईकी घोडखी बउ रचे तो वा जुगार्दे उके भेबो रयां पावे
 १३ तो उ मोठ्यार उने न जेहे । जीं जुगार्देकोपिब घोडखी
 घबोने उ घबो अर उके भेबो रयां पावे तो जुगार्दे उने न
 १४ जेहे । कोस घोडखी घबो जुगार्देके उकराससूं निर्मळकेने
 तिसि घोडखी जुगार्दे घबोके उकराससूं निर्मळ केने वा नही

१५ बसुं थाका डावडा भिसट जाता वेर अने पबिब केने वेर
 जको लोग प्रतीति उ अर परी के तो न्यारा को इउनिचा
 हाके कामने कोई भाई वा बेन गोलाईने नही वेर सखा

१६ करयने भगवांन नानि निखे कयाने । वेर हे जुगार्दे तू
 काई जाणसकेने के तू आपका घबोने तिरासी अथवा
 नही ओर हे मोठ्यार तू कीतरे जाखेने के तू आपकी

१७ जुगार्देने तिरासी अथवा नही । वेर असो भगवांन
 निराड करर चावेजीं लोगने दीनीने ओर प्रभु चावेजीं
 लोगने असो निखे कयाने उ इतरेंदे चावे जं सगळी

१८ टीसोनेपिब आ आग्या देवुंनुं । अर कोई सुनतो अयर
 मुकरर कयोडे के तो उ बिगरसुनत न के जको कोई बि
 १९ गरसुनतअयर निखे कयोडे के तो उ सुनत न के ।

सुनत करयी कुंदि नही ओर सुनत न करयोपिब कुंदि
 २० नही वेर भगवांनकी आग्या पाळखी उ सगळी । चावेसे
 २१ लोग जीं कोथेउपर निखे कयोडा के उ ओसामे रहे ।

- वू चाकर ऊयर अर बिखल बयोडे के तो कंहि फिकर
 २२ मती अर खेर अर नुटकारी होय सबे तो पख उ सराय
 कोस जको लोग चाकर ऊयर प्रभुमें मुकरनें उ प्रभुकेकेनें
 नुटकारीनें उहीसरीयो जको लोग नुटे ऊयर निखे कयो
 २३ नें उही प्रभुको गोले। ये कोमतसूं वरीदा ने इबेई आइ
 २४ म्यांका घडसा मती ऊयो। हे भायां जी कोयी चाकरीमें
 कोई बिखे के तो उ लोग उं चाकरीमें भगवानके भेजे रे।
 २५ अवे कांखाके वासवेकीमें मे प्रभुसूं आग्या बाधी लपुी
 खेर प्रतीतीहोखवेई जी लोग भगवानसूं अबुयह बाधी
 नें इसे कोयी एक लोगसरीयो ऊयर ऊं आपको व्योत
 २६ घोडे कबंउं। इबेई इं इवाकको घोटीदसासूं समभुं
 २७ नूं के जको कोई तिओई रहे तो पख उ गोवे। वू कांई
 बउके भेजे बंधनें तो नुटकारी सोमना मती करयो तूं
 २८ कांई बउसूं नुटेनें तो बउनें सोमो मती। खेर परबसूं
 पिख तनें पाप नही खेर कुंवारी परखांसूपिख उनेंपिख
 पाप नही तोपिख वाने डोलको दुध ऊसी खेर घाने ऊं
 २९ ऊया कबंउं। पख हे भायां ऊं आ कउंउं बेका घोडीनें
 इबेई म्यांकी बउनें वाकी बउ नरेख इसी रीत करखी
 ३० ठीक नें। खेर जके रोवेनें वाने न रोवख इसा रीत कर
 खी ठीकनें खेर राजी जका वांकी राखी नकरखइसी रीत
 करखी ठीकनें खेर वरीदाराने बिगिर कोठासोसरोवे
 ३१ रीत करखी ठीकनें। खेर इं दुनियाको रीत कइखवाका
 केजिया बीठीरीत न करे तिया रीत करखी ठीक कोस
 ३२ बी दुनिवायसा तमासो नह जावनें। खेर ऊं घाने बि
 गरफिकर करयां चाउंउं बिगर परखो कको उ लोग
 प्रभुको वासवेकीके कामसूं भगवानकी राजीपख कोतडे कर
 ३३ लकसी आ चिंता करेनें। खेर परखोडे जको लोग उ संसा
 रकी वासवेकीके कामसूं आपकी बउनें कोतरे राजी कर

- २० सी सो फिकर करेते । ओर परखोडो वा कुवारोपिख भेदते निगरपरघोडी जको लुगार्हे वा प्रभुके वासवेविने काममें डोल वा आत्मा दीव्यांसुं पवित्र होमने चाहेते ओर परखोडो जका वा संसारके वासवेजोके काममें आप
- २५ वा घखीने कीतरे रात्रि करसो आ फिकर करेते । अं आ कथा धाके लाभवेई कउंनुं धाके उपर फास नुषव वेई नही ओर जोषी रीत करखवेई ओर चपजवाबिगर
- २६ धाका प्रभुको सेवा करखवेई दिख । ओर कवाखाकने आपको रीत निगरठोक जांखर अर कोई ध्यान करे जका उकी कूजारी निवस जाय ओर अर गरज रे तो उ लोग आपकी रूपसरीषे करसुं पाप करेते नही वे परखे ।
- २७ ओर जी लोग आपके मनमें ठोक कखेते वा जीवे उतावत नही ओर आपको रूपउपर जीने पीवते ओर आपकी
- २८ अपोडकी रूपाली मनमें करीते वा घोषो काम करेते । इ वेई जको परखवेते सो घोषो काम करेते ओर जको लोग परखावे नही उ उंसुं बत्तो घोषो काम करेते ।
- २९ त्रिता दिन धखी बचेते त्रिता दिन बउ आचासुं बुंदी ते ओर उकी धनी मखापते आपके मनसरीषे ओर कीके ई भेजो परखयो निवेध नही प्रख उ वाली प्रभुके कबिला
- ३० लोग । ओर न्हारे ध्यानमें पुजास रेखसुं बत्तो राजी चे ते ओर अं समभूनुं के अं भगवानको आकाभे राखव बाबोनुं ।

८ आठमो पानो ।—दिवताका प्रसादकी वासवेजने आर न्हे जांवां जी के न्हां सगलाको ग्यानते ग्यान फुला र वेते प्रख प्यार बढवेते । अर कोई सो ध्यान करे के अं न्हुंही जाणुनुं तो जांखण लायक उ लोग न्हुंही जाबेते र नही । ओर अर कोई भगवानसुं प्यार करेते तो वे मन

- ४ वाँनसूँ जानकारणें। इबेई देवताकी जेभ घाखकी हवाल
 को नै जांजांन के संसारमें देवता कंधि नउं वा एक
 ५ भगवानविगर कोईपिय नही। मोकजा ईश्वर ओर
 ६ मेकजा प्रभुउं सही खेर जीने भगवान करर केउं इसो
 जको जमेमें के अधवा धरणीमें के तोपिय एक भगवान
 बाभो जीसूँ सगला वा ज्वाके बीपमें ज्वाका दूजो एक प्रभु
 यिजुखोए जीसूँ सगला वा जीसूँ नै उं इ विगर ज्वाको
 ७ दूजो कोई नउं। खेर सगला जोगाको इसो ग्यान
 नही कोस इ घडीतेडी कोईर देवता मानर उं नै नंडाको
 जेबिध देवताकी जेपसरीषो बायउं उं कारख बाको बिबेक
 ८ निबलो जयर भिसट केउं। खेर भगवानकमें घाखकी बस
 ज्वाकी सराबख करेउं नही कोस घायासूँ नै ओर पोषा
 ९ नही ओर नवांखसूपिय बता बीठा नही। खेर ये
 निघेजान को क्वाजाबां ओ उ गुटालो निबलोबिबेकी को
 १० गकें आवडवांखकी ठुठो के। कोस ग्यानवान लोग
 जको तूँ देवाजामें घाखकेबेई बेठो अर कोई तमें देवे तो
 जको लोग निबलोबिबेकी उंको मन काई देवताकी जेभ
 ११ वांखनें अलगरजी कयो ऊसो नही। ओर जी निब
 ला भाईकेबेई खोए मयो उ काई घारी अकजसूँ वोज
 १२ न जासी। खेर जद घाके भायाका बेरमें इसा पाप
 करो ओर बाकी निबलाईबिबेक घायल करी तद ये
 १३ खोएका बेरमें पाप करोणे। इबेई जके न्हारी घुराक
 न्हारा भाईने पाप करवें सो ओर जं कदेई मांस न घाउं
 क्वाजाबां आपका भाईने पाप कराउं।

६ नवमो पाँना।—ऊं काई हलकारो नही ऊं काई पु
 खास नही में काई न्हिका प्रभुयिजुखोएने देषो नही भग
 ७ वाँनमें न्हारा कयोडा कांमाका फल काई ये नणे। ऊं

- अर दुजालोमाकने हलकारो ननु तोपिब निघडक धाके
 कने हलकारोनु कोस प्रभुसुं न्दारी हलकाराके
 ६ गप घे ने । जको न्दारी काम व्योत कराना वाकेकने
 ७ न्दारी को उघलो । काई न्दके वाबको वा पीवबको
 ८ मुडो नने । दुजार हलकारा वा प्रभुके भाई वा का
 ईफा जिष्ठा करेने तिष्ठा काई न्ने पिब एक परमार्थकी
 ९ न्नेन वडके सार खेर फिरसके नही । अथवा ऊं वा
 ७ नार्बवा घाली न्दाने काई काम गेडकको मुडो नने । आप
 की घरघररर कोबेला लडखने कुब जायने कुब दावको
 घेत नावेने वा उंका फल वायने नही कुब यवडको यावे
 ८ ने वा उं यवडको दूध वायने नही । ऊं काई आदमी
 सरीषी आ कथा कउनुं खैरेतपिब का इंसरांषी वेने
 ९ नही । कोस मोमङ्की खैरेतमे आ कथा कोषीने
 के घान सुंदखवाला बलदको मुडो मतो बांधवो भगवान
 १० काई बलदवेई फिर करेने । अथवा जोलेजाना न्दके
 वेई आ कथा केने न्दकेवेई को निघडक लिखो गयो
 ने के जको लोग हल नावेने उ भरोसा करर जते खोर
 जको लोग भरोसामे घान बुदेने उ आपका भरोसा
 ११ को फल सार्थे । ने जका धाकेकने परमार्थी बल
 नाईके तो आ काई बडो कथाके के ने धाके संसारको
 १२ बल लाधा । अर धाके उपर दूजा लोमनी को मुडो
 ने तो काई न्दको इंसुं बतो बही तोपिब ने इं पीचसुं
 निबज कयो नही खेर समको सेसकेने काजाबा खीर
 १३ की मंगलीक कथा ने बुंद करा । घे काई जाखो नही
 के जके निर्मल बलका काम करेने वे देवरासुं यात्वा
 जायने जके होमघोतरी की पूजा करेने वे चवरीका
 १४ अन्नभोगीने । उखीकरे भगवान निसे कयाते के
 जके मंगलीक कथा डडेरी करेने के मंगलीक कथासुं

- १५ पाखडो खावे । खेर में आ कुंदि रीतकरी नही वा
में जो खिखो नही वें न्हारेकने इसा कथा जाय कीस
न्हारे इ गुंमानकी कथा खेखो खोनेई निकमी करबसूं पख
- १६ न्हारे मरबी पोवा ठें । अं मंगलीक कथा छंटेरी कडे
नुं सही तोपिख न्हारे गुंमानकी कथा खेखडो कारब नही
कीस गरजको भार न्हारे उपर राखी गयो ठें खर अं मंग
- १७ लोक कथा छंटेरी न कबं तो मने अपसोख ठें । खर अं
श्रीसूं आ कबं तो फावदे केठें पख क्की विगररागी
सूं तोपिख मंगलीककथा जोडें करबको भार न्हारे शाय
- १८ में भलाघोडो ठें । तो मने फावदे काई अं न्हारेका
मंगलीक कथा छंटेरी फेरुं तद भी न्हारी फावदे
के मंगलीककथामें न्हारी कथा पोचठें उ पोटीपिखन न
- १९ करबवेई के अं खोखो मंगलीककथा मुक्त कबं । में
सगला लोगांसूं नुटोनुं तोपिख कथा खोम खाखबवेई आय
- २० में सगलाको सेवक कयो ठें । यिजथामें खाखबवेई अं यिज
थामें यिजथी इसा नुं तौरेंतके आधीनामें पावबवेई
- २१ में तौरेंतके आधीनाकने तौरेंतके आधीन इसा नुं । अं
भगवांनकने थनखारहित न ऊपर खेर खोखकेकानो थन
खाको आधीन ऊपर तौरेंतरहितलोगामें पावबवेई
- २२ तौरेंतरहित लोगाकने तौरेंतरहितइसा ठे । दुबखो
लोगामें खाखबवेई दुबखाने अं दुबखोनुं अं सगला लोगा
कने सगला तरेंको कयोडोनुं के कियो तरेंसूं कित्तक लो
- २३ गांकी उबार कबं । अं मंगलीक समांधारवेई आ करुंनुं
- २४ के थोके भेला मंगलीक कथाके मरीक अं ये काई आ न्हारे
नही वें न्हारे करार करर दोडेंठें वें सगलाई दोडेंठें पख
वाखी एक खोम कोसकी नख जाधेठें थोपिख भीमें काधवे
- २५ सकथो विसा दोडो । जके पावे सो खोग जित्तव नें चेछा करे
ठें उ सगला पासवेकीमें जकी सादे वें विनामो मुयठ या

२६ बबनेई आ बरेते लेर ने प्रविवाही मुगटवेई । इंकारख जे
 पिय दोडोतुं लेर जिखा अनिखय जिखा बही अंराड बरे
 २७ तुं लेर जको लोग आकाज मारेते उंके हखो न तुं । लेर
 का प्रापको डीख बभमें राधुतुं वा उने आआकारी कबनुं
 काजांखा दुजा२ लोगाकने छंडेरो करखवाखो अवापते
 अं सागी बगावखकी वख जवुं ।

१० दममो पानो । — हे भागां अं न चांडतुं के ये क
 २ जांबकार रहो के न का बडेरा सगखा मेवे नीचामे ज
 ३ और दरियावके मांय देर सगखा चाल्या गयाज । और
 ४ मे वा दरियावमें मोमहकने सगखा डुबोखा ज । और
 ५ सगखा उ एक परमार्थको भीमख बायो जे । और सग
 खा उ परमार्थके पीवखकी वख पीवोनी खोस अकेर पर
 ६ मार्थको परबत वाको पाण्डीआनवालो जे वा उने पीयो
 उही परबत खोख यण कके मोकला लोगांउपर भगकांख
 ७ राभी नते अंकारखसूं वे अडमें माया गया । अं सगखा
 नाकेकने परघाते जिखा वे खालघो ज इसी घोटीवख ने
 न चावा जिखा वाके कित्ताक लोग ज तिखा छेपिय देवती
 ने पूजखेवाला मतो अख्यो के जिखो भी लिखोते के लोग
 ८ वांखय पीवखने वेठा उंयते जिमखने उपखा । खेपिय से
 घाटे न करा के जिखा वाके भीचले कित्ताक लोगां करर वे
 ९ ईस हजर लोग एक दिनमें माया गया । ने खोख
 की भीमख न करा के जिखा वाके कित्ताक लोगां भीमख
 १० करर सांपके काटखसूं मुंवा । चकचक मतो करखा के
 जिखो वा चकचक करर खोज गमाखवालासूं खोज गमा
 ११ खोडोते । अं सगखा वाके उपर परचाभेई आंख यखो
 और वाके पितारखभेई लिखोते के खाके उपर संसारको
 १२ खेवो उपस्थित ते । इवेई जको लोग समभेते के प्राप

- १२ उभो वं उं उं निर्वेदीय वी वाजांवा यदं । यवा वीमत्
 आदयानि विचार्थे वी उं विगद वदित्थियान्ने परस यमि
 उपर वाव यदसी गरी वेर भगवान् विवसुं वं यदो
 थावा मंडालुं यवा यमि वीमत् वयोवा होव दिती
 गरी वेर वीमत्वं भेदी इती गुगवपिब वरधी वं वं वं
 १३ वकसी । इनेद वे वारां वाजा देवयुजालुं भगी । या
 १४ वावाद्यमाने विधि वयो आयुं विधी अं यमि वं
 १५ उं अं वयो वदंतु उं विगदो । वी वाजोव वीमत्वं
 वाठवावे वी वाजोव वरांवा उं वादे वोटवं वीमत्वं
 वाठवावे वी वाठारी गरी यवा वाटी वी वीवांवा उं
 १६ वादे वोटवं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 वद वी वाटी वा वी वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं उं वी
 १७ वाटीवा गरीवी जी । वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 देवो वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 १८ वरीव गरी । वी वादे अं वावधा वदंतु वं देवतां
 वीमत्वं वीमत्वं देवतां वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 १९ वीमत्वं वीमत्वं वं वं वीमत्वं वीमत्वं । वेर अं वदंतु वं
 दूजादेववावी वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 २० वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 २१ वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 वाठवा वं दोनुं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 २२ देवतां वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 २३ वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 २४ देवतां वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं
 २५ वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं वीमत्वं

१६ विवेक उ विवेकवेई विमरपुण्या कयो । कोस संसाह
 १७ वा उंको प्रवारको विज्ञहको । विमरप्रवारी जोगी
 को कोरं एक कोम अर धामे मोको करे कोर येधिय गया
 १८ पातोणे को धामे अवाडो अकार राव्यो गयोने उ विवेक
 १९ नेई विमरपुण्या वावो । कोर अर कोरं के के आ वस
 देवताके निमज करेने तो जी-कोम वा गुदरार्दे उंके वा
 विवेकवेई वा मती वाव्यो कोस अरती वा उंको प्रवार
 २० रकपुयो विज्ञहको । में विवेक कतोने सही सब उ
 घारी आपको वही कोर उ दूजावोगयो कोस अरती
 सुकवादी कोर कोरार्दे विवेकसुं कोरारब ध्योत कयो
 २१ ही केने । कोस अर अं कामसुं कसको करीक अरुं
 को जी वसके विज्ञहमें अं सुकी कअंउं उं कसअं अं वद
 २२ नाव को अरुं । अं अर धामे वांका अथवा पौरको
 अथवा दूजाकोरं काम करो तो के अगली भगवानकी
 २३ सुनिमावेई करो । जिखा अं आपको पायदे न सोअर
 कोर वांके अरार पावबवेई मेअवा जोगाको पायदे सो
 २४ अर सगजांसगजांकी राजीपब कअंउं तिखा ये पिय
 धिअवाके अथवा दूजादेनवाल्यांके अथवा भगवानके ठोको
 के जीसुं वेटी के सो न करर रोव करो ।

११ दशमो यानि ।—जिखा अं खीएको पसरौ
 २ तियो ये नारा को । हे भधा अं धांकी तारीक कअं
 उं के ये सगलो वासवेबीमें-सने वितारोणे वा जिखा में
 ३ धामे कने आसां भाजायोने तिखार्दे उ पावो ने । कोर
 अं धामे गुदरायां चांउं के खीए धामेसो जोगको माघो
 वा मोथार सुगांके माघो वा भगवान खीएको माघो
 ४ हैं । अके धामेसो जोग माघो हकोडे अर याचना
 करे अथवा निमित्तियांकी कथा केने उ आयका माघाकी

- ५ गैरभाषद करेते । जेर जका जुगारै उघाडेमाथे घोष ना करेते अथवा निमित्तियांकी कथा बेंते वा अपना माथावे विगारभरम करेते कीस उं जुगारैकी माथी मुंडा ई वही बरोबरते । कीस अर जुगारै छकीडी न के तो वा मुंडाई जावे जेर अर जुगारैकी केमकतरडे अथवा
- ७ मुंडावही साजीमरनी के तो वा छकी जावे । मैत्यार की आपकी माथी छक्यो ठीक नही कीस वा भगवांनकी प्रतीमूरत वा महीमा जेर मैत्यारकी महीमा जुगारैते ।
- ८ कीस मैत्यार जुगारैसू नही पक्ष जुगारै मैत्यारसू ते ।
- ९ जुगारैवेई मैत्यार बखाबी नही पक्ष जुगारै मैत्यारवेई
- १० इंसू बखकारावेई आपका माथाउपर जुगांयनि पक्ष
- ११ राख्यो ठीक ते । जेर प्रभुमें मैत्यार जुगारैविगार नते
- १२ वा जुगारै मैत्यारविगार नते । कीस जीसी जुगारै मैत्यारसू बेंते तिखीई मैत्यार जुगारैसू बेंते जेर खगका
- १३ भगवांनका करबसू । आपका मबमें विचारो अर जुगारै माथी उघाडर भगवांनकने याचना करे तो काई जो घोषो
- १४ डोखते । सुभाव सामो काई जाने सिधारे नही के अर मैत्यारके काबाकेन के तो आ उंकी जात । जेर जुगारै
- १५ के अर काबाकेन के तो आ उंकी मरजादा कीस उंनि चुंघटावेई केम उंने दीना गया । जेर अर काई अडो
- १६ करबवाखो के तो जावे अथवा भगवांनके डोखीको इंसरे की रीत नही ।
- १७ अं जका धनि कउंउं उंसू अं धाकी प्रअसा न कबंउं के ये मद हक जागामे आवो तद उ जोरघोषो होख
- १८ वेई नही जेर जोरघोषो होखवेई बेंते । कीस येखडा मद ये टोखीमें भेका अवोने तद धनि न्यारारैते वा
- १९ कथा अं सुंघुंउं जोर घोषो प्रतीतयिब कबंउं । कीस अरनते के घोषीबाखका योगाने घोडे घोषवेई धनि विध

- १० में नारद हैं । इस ब्रह्म से एक जाग्रा जाग्राते ब्रह्म पर
 ११ प्रभुवा रातका बाबने बाबबाबैर नही । कौस बाबबाबने
 बाबेबा बाब बाबने बाबबा बाब बाबने उबु बाबै भूबा
 १२ रेंने बाबै मबाबा बाबै । बाबबाबाबने बाबै बाबै बाब
 बाबै भूबा बाबै बाबबा भबबाबाबा बाबा बाबै ये निबनी
 बाब बाबैबा बा बाबै भूबा नही बाबै बाबाबाबाबा
 बाबै बा बाबै बाबै इस बा बाबा बाबाबा बाबै बाबै बा
 १३ बाबा बाबाबा बाब नही कौस में बाबा बाबैबाबै बाबाबा
 बा उ में प्रभु बाबाबा बा प्रभु बाबा बा रातका बाबै
 बाबाबा बाबाबा बाबा उबा रातने उ बाबा बाबै बाबा मे
 १४ बाब भाबा बा बाबा बा बाबा बा बाबा बाबाबा बा बाबै
 १५ बाबैबाबा भाबा नबा बाबा बाबाबाबाबा बा बाबा । बाबाबा
 बाबा बाबा उ बाबाबा बाबा बा बाबाबा बाबा बा बाबा
 बाबा बाबाबा बाबा बाबाबा बाबा बा बाबाबा बाबाबा
 १६ बाबा बाबा बाबाबा बाबा बाबा बाबाबाबाबा उ बाबा । कौस
 बा बाबाबाबा बा बाबा बाबा बा बाबा बाबाबा बाबा बाबा
 १७ बाबा प्रभु बाबाबाबाबा उबा बाबा बाबाबा बाबाबा । इस
 बाबा बाबा बाबाबाबा बाबा बा बाबा बाबा बा प्रभुबा बा
 १८ बाबाबा बाबा उ प्रभुबा बाबाबा बा बाबाबा बाबाबाबा बाबा ।
 बाबा बाबाबा बाबा बाबाबा उबाबा बा बाबा बाबा बा बा
 १९ बाबाबा बाबा कौस बाबा बाबा बाबाबाबाबाबा बाबा बाबा
 बा प्रभुबा बाबा उबा बाबाबाबा उ बाबा बाबाबा बाबाबा
 २० बाबाबा बा बाबा बाबा बाबा बाबाबा । इस बाबा बाबाबा
 बाबाबा बाबाबा बाबाबा बा बाबा बाबा बाबाबा बाबाबा
 २१ बाबाबाबा । कौस बाबा बाबा बाबाबा बाबाबा बाबा
 २२ बाबा बाबा बाबाबा बाबा बाबाबा । बाबा बाबा बा बाबा
 बाबाबा बाबाबा बाबा बाबाबा बाबाबा बाबाबा बाबाबा
 २३ बाबाबा बाबाबा बाबाबा बाबाबा बाबाबा बाबाबा बाबाबा

१० श्रीमन्ने भेषा ऊवर आवोणे तह एक लोग दूजा एक
१० लोगकी वाडवोवो । ओर वोई अर भुवो के मो वाच
के भूयामे वाच के ये एक नामने सोसीस पावबवेई न
आवो ओर उकी वरवा बनेंते सो अ वापर सवारसुं ।

१२ वारमो पावो ।—ये भाषी वरमाथका सार्थका

१ वाचदामे अ वाड नही के ये अग्यांन हो । ये बाली ने
के ये गुंग देवताकने अठोउठी चबायोका देवताका पुणव
२ वाका न । हनेई अ घबे गुददाउंनु के वोई सोड
भगवानकी आआसूं केर विजु नवो फिटकार बाधोडो
आ कथा केते नही ओर विजु नवो प्रभुते सो बम्बाआसूं
विमद वोई पिब बेसके नही ।

- ३ अवे वारोरे पोचते ओर वकी आआ ओर वारोरे
- ४ सेवा ते यव वष प्रभु । वा जूदार प्रभावते यव वासनकामे
- ५ पिब समकोकरवावो नवो भगवाव उही एवते । ओर
- ६ उका वरवसूं पाववोववेई आआ पावेवो आदमीने दीनी
- ७ गर्दते । नीस आआसूं एक लोगने विषाकी कथा दीनी
- ८ गर्द ते वा उंही आआसूं दूजाएकने ग्यावकी कथा दीनी
- ९ गर्दते । वा उंही आआसूं दूजामे प्रवीव दीनी गर्दते वा
- १० उंही आआसूं दूजामे वाजोकरवावो सुंडो दीनी गवोते
- १० ओर वीनेई अठोराकामकरवी वा वीनेई विमिबिवाकी
- कथा केवो वा वीनेई आआकी वीव करवी ओर दूजा
- कीवो लोगने वावेसो नोकी वीकवी वा वीनेई वाववो
- ११ वारद वेवो दीनी गवोते । ओर उही एक आआ पावे
- १२ वीमने आयकी इशासदीनी वारोरे विराडवरर केने
- १३ । नीस विषो वीव एक ऊवरपिब वनेक अंग केते
- ओर उं एक अदोरका पिता अंग केते के समवा मोवका
- ऊवर एक वीव केते विषोई वीव । नीस ने विषरी

- १३ के अथवा दूजादेमवाली के गोता के अथवा नुटकारो के संगला एक आत्मासू एक डीलमें गोता दियोडा ठे वा
- १४ संगला एक आत्मा में घोबोडा के कोस डील एक अंग नही
- १५ पिब मोकला अंग ठे । पय अर कहे के अं हाथ नही
- १६ उबेई डीलको नही नुं तो कदि उ डीलको नही । काव अर के के अं आख ननुं उबेई अं डीलको नही नुं तो
- १७ कदि उ डीलको नही । संगलो चैरो कहे आष्या कतो वो सुखयो कठे, संगलो अंग नयो काव कतो तो सुखयो कठे
- १८ खेर अवे भगवान आपका मवमायक संगला अंगके चैरा
- १९ में कायम कयाठे । अर अर संगला एक अंग कता
- २० तो डील कठे । खेर अवे अनेक अंगठे खेर बाकी एक
- २१ डील अर आख हाथके के खवेठे नही के तैसू मने कधि गरज नही उंहितरे भाषो घमाने के सवेठे नही
- २२ के मसू घारे कधि गरज नही । केरमें डीलको नकोर
- २३ अंग दुबलो देवखमें आवेठे वाकोपिब निखेठे । डील के अर अंगने कहे आदर नही करख लायक समके वाको आदर नै नको करीग अर कहे वी चाले वेटाडोल
- २४ अंगपिब नती मवीदा काधेठे । कोस कहे जेवा डोल अंगके मवीदाकी कधि गरज नही खेर डीलके आदर
- २५ नकोखवेई दूजाडीलके आपतमें पाल्योडा परोवर होख वेई क्यो अंगकी मवीदा कधि घटतीठे वाकी नती मवीदा करर भगवान संगला इं उबिघारे डीलमें जेड दीवाठे ।
- २६ इंसू कको एक अंग दुवी के तो संगला अंग उवे भेवा दुवी केठे अर अर एक अंग मवीदा काधे तो संगला
- २७ अंग उवे भेवा राजी केठे । अवे घे खीरका डील
- २८ वा आपतमें अंग ठे । टोलीमें भगवान कोबीरके राव्याठे पैलठा हलकाराने दूजा निमित्तियांके बीजा सीवा बववाकान उपठे अनेराकान करवा उपठे टोख काने

- करवको मुंडो उंपते उंपतर उंपते बबिबाप उंपते
 १८ भातर बाको । समजा कांई हलकारा केते समजा कांई
 निमितिया केते समजा कांई सिवापबवाला समजा कांई
 १० कटेरोकाम करववाला । समजा कांई ताजा करववा
 योप समजा कांई चार्वेजी करवो बोको बोकेते समजा
 ११ कांई कथे करेते । खेर चोवामुंडाको मोकवी उपम करे
 तोपिय उंसु चोवामारम अं चाने देवाउनु ।

- १२ तेरमे पाणि ।—अं अर आरम्यांकी वा हल
 काराकी बोकी बोकुनु तोपिय नारो प्यार न होबसुं
 अं मुकारववालोपीपबसरीवा अथवा ठबठबिया जिम्
 १ जिमा बियो । नारो अर निमितियांकी कथा केती मुं
 डेते खेर समजा वच वा समजीविया अर अं भांकुं
 नुं खेर जीसुं परवत हिजाय सकुं हसो अको मने समजा
 उनिहारासुं प्रतीत के तोपिय नारो प्यार न होबसुं अं
 २ कुंदि नही । गरीब लोगांकी पाखनानेके नारी समजे
 मत्यापिय अर विराठ कबं खेर अपको डोकपिय अर
 नाखनने देवु तोपिय नारो प्यार न होबसुं मने कुंदि
 ३ फायदे नही । प्यार मोकखा दिन सेसकेते वा मोजे सु
 भाव केते प्यार हिंसा करेते नही प्यार मेयी बही खोस
 ४ गुमानोपिय नही केटोकाम करेते नही आयकी वकास
 करे नही बकोबार रोसठ नही कुंदि बीठी अवे नही ।
 ५ अथथार्थमे आनंद करेते नही खेर साधी कथाउपर आनंद
 ६ करेते समजाने हकेते समजाने भगत करेते समजाकी
 ७ भरोसा करेते समजाने सेते । प्यार कदेके मिठे बही
 खेर निमितियांकी कथा अर कथे उ मिठयो मात्रा अर
 कथे वांकी अंत ऊसी विद्या अर कथे वा पिय मुक्त ऊसी ।
 ८ कोस न्हे हल विराठ भांवांवां वा हल विराठ निमितियां

- १० वांकी कथा वांकी । खेर जको भयोपूखोडेउं उ खवर
- ११ दक विराड बको उ कुत अघी । अं मद हावडो मे
- यद हावडांनै हयो कयो वा हावडा हयो धिता कयो
- वा हावडा हयो मनसोको कयो खेर आदमीपको खाघर
- १२ में हावडाको रोप जेड होनी । कोस अवे नाकी वाच
- सुं नावापरिवा देवांनै पब मद समिसामो देवसां अवे
- अं दक अंघ नांनुं खेर मद जिथी बांखसुं तियो अं
- १३ नाथो नाथुं अवे प्रवीत प्रासा प्यार सो तीन विरिउं पब
- वांके वीचमें प्यार बडेउं ।

१९ चवदमो पवित्र ।—प्यारकी सोभना करी खेर
 करमाचकी समई हथा करी खेर निमितियांकी कथा केंचो
 ६ उंसुं कथी हथा करी । कोस जको लोग दूजको विमर
 आबवाको केंउं उ आदम्यांनै केंउं नही पब भगवांनवे
 केंउं कोस उंको कथा कोहं समझेंउं कथी आभासुं उ
 ७ कथकी कथा केंउं सही । खेर जको निमितियांकी कथा
 केंउं उ लोग सिवावबहें वा उपदेस वा वावरवेहं आद
 ८ म्यांनै केंउं । जको लोग विमरबांखको कथेंउं
 उ आपकी ताळीम करेंउं खेर जको लोग निमितियांकी
 ९ कथा केंउं उ टोळीकी ताळीम करेंउं । अं वाउंनुं वे
 से समसा दूजोर बोकी बोको खेर उंसुं कथो वाउंनुं
 हें ये निमितियांकी कथा कथो कोस जको लोग दूजोर
 बोकी बोकेउं उ जको लोग टोळीकी ताळीम करबवेहं
 कथं न करें तो निमितियांकी कथा नावबवाको उंसुं
 मेडो उं ।

१० ये भावां अवे कर अं चोहें करवा अथवा म्यांन अथवा
 निमितियांकी कथा केंचो अथवा सोवावबविमर कथें नैहा
 दूजोर-बोकी बोलवार अवे तो मेंसुं कथें कोहं प्रावदो

- ७ असी । ओरपिख विगरजीव पुकारखवालीचीज वांसरी
 के अथवा बीबा के अर सादसुं सुरकी न्यारारं न करे तो
 अको सुर वांसरीसुं अथवा बीबासुं के उंको न्यारारं
 ८ कीतरे जांखो जाय । कोस अर वांको विपरीत वांने
 ९ तो राठमें जांखे आपने सिखगारे कुयं उंविचरे अर
 अे जोभसुं सोरी समभायकी कथा कथो तो अको कथो
 जायते उ कीतरे समभायमें आओ कोस ये आकाअसे
 १० देखो । होय सकसी के इसीवरेको साद संखारमें ते वा
 ११ वांके विषमें अर्थविगर कोरे साद नही । इवेरे अर अं
 सादको हारद न जाखुं तो केखवालाकने अं केउसरियो अ
 युं ओर केखवालोपिख न्यारेकने केउसरियो असी । ये
 १२ जीसुं पारमार्थका मुंडाके चावखवाला को इंसुं टोलीकी
 १३ साक्षि करखनेरे पोअका उचम करे । इसुं अको कोम
 १४ इजोर कोली केते उ अर्थ करखको मुंडो याचना करे ।
 कोस अं अको दूजाबोलीमें याचना करे तो न्यारे आका
 १५ याचना करेते ठीक छिर न्यारे अकख निकमी ते । ते
 को कोरेते अं आकासुं याचना करयुं वा अं अकखसुं
 याचना करयुं अं आकासुं गायुं वा अं अकखसुंपिख
 १६ गायुं । उ न होबसुं वुं कद आकासुं आनीस करसी
 तद अको लीग मूरखके जागामे रे उ थारे कुतकरख
 उपर कोवरे आमिन् बेसी कोस उ थारी कथा समभे
 १७ नते । तू कोवीतरे कुति मेबेते सही पख दूजाआदम्या
 १८ के वाळीम उंसुं केते नही । अं आपने भगवांनकी
 कुति कबंनुं के अं था सगळांसुं नतोबोली कउंनुं ।
 १९ पख अं जीसुं दूजार लीगाने सिखायसकुं इसी पांच
 कथापिख टोलीमें न्यारे अकखसुं केखो दूजाबोलीमें इस
 २० हजार कथा केखसुं इच्छा कबंनुं । ये भायां अकखमें डा

२१ मनी ऊषो खेर खेरमें डावडा को पण चकलमें आद
 २१ मी को । आसनें ओ लिखोनें के थिकर केनें दूजाबेळी
 वा दूजाबेळी रावखवाला लोयासूं ऊं वां लोयाबो कथा
 बेळूं लेखिये ओ सगला ऊखसंपिल कथि कथा वें नसूख
 २२ ती । इनेनें दूजोर बेळो बेळोबी एक लखलणे वके प्रतीत
 करेनें वाकेवेई नही खेर जके प्रतीतकरेनें नही वाकेवेई
 खेर जके प्रतीत करेनें नही उकेवेई याको कथा नही खेर
 २३ मने प्रतीतकरेनें वाकेवेई ने । इंसूं सगला टोली भेलो ऊवा
 पनें घर सगला दूजोर बेळो बेळो उं बेला विगरभूषा
 बोडा अथवा विगरइतवारी किनाक जोग घर मांय आवें
 २४ तो वें काई धाने गेला जाणसी नही । खेर घर सगला
 विमितियाको कथा बेळो उं बेला विगरइतवारी अथवा
 विमरसिवाबोडा काई जोग घर मांय आवें तो वा सम
 २५ खासूं प्रबोध कथोडे केनें ओर सगलासूं ख्यात कथोडे
 केनें । खेर इसे उका मनको भेद बोडे केनें ओर उ होव
 सूं उ भुवर भगवानको सेवा करसी वा भगवान भूषे
 २६ धाके विषमेंनें ओ चोडे करसी । तो हे भायां ओ
 लिखोनें के जद घे एक जगा आवेनेने जद धाके विषमें
 कीकोई गीतने कीकोई सिखावखने कीकोई बोळने की
 काई घोडा कथोडी कथाने कीकोई अर्थनें सगला कथा वा
 २७ लिमवेई के । खर काई दूजाइ बेळो बेळोनेरे तो
 देय अथवा तीन लोगाके वाससूं के खेर उसूं कथा
 नही खेर वें पिय खोखडवडाई के खेर एक जोग अर्थ
 २८ करे । खेर अर्थकरखवालो काई खर जको खजेर
 नरे तो टोलीमें उ अवेल्यो रे खेर आवके व भववन
 २९ कने कथा कहे । निमितियाको कथा कंजाला देय तोव
 ३० लोग कहे खेर दूजे मनसोवा करो । खर नेहावेठव
 वाका कीकेनें कृत्ति भेडे कथोडे रे तो उ पेलडे

- ११ लौग अबोल्यो अबर रचो कौस समझाकी सीवावख वा
समझाकी वासोदी यावखनेई ये समझा बोहडवडाई
- १२ तिमितियाकी कथा केंब सजोणे । निमितियाकी आका
- १३ पिख विमितियाकें तावे केंठे कौस भगवान घोडो बंदख
वाखो नठे खेर घोषोमिजापि करखवाखो ठे जिखो पुयवा
नाके समझी डेखीमें पिख ठे ।
- १४ थाकी जुगावां डेखीमें अबोखी अबर रचें कौस वाने
रथा केंबो बरजीठे वाने आधीन होबो ठोकठे जिखी
- १५ माखपिख केंठे । अर वे कुंदि सीखे तावे तो आयके
भूपेमें आयका धखीनें पूठे कौस डेखीमें जुगावांकी
कथा केंबो जावको निघयठे ।
- १६ भगवानकी कथा काई थांसू नीकलीनी अथवा वापिख
- १७ वाखी थाकेकनें आई जी । अर कोरपिख आपनें निमि
तियो अथवा परमार्थिकेंर जानें तो जका कथा ऊं थाके
कनें लिपुंठुं वा कथा जको भगवानकी आग्या उ खेग वा
- १८ आरे करे खेर जको कोर डोफो के सो डोफो के । इं
वेई हे भायां निमितियाकी कथासू केंबकी जुगत करो
- १९ वा दूडीर बोखी वाखनें बरजो मतो । समझाकाम
घोषीतरें वा घोषी रीतसूं कया जावे ।

१५ धवदमो पागे । — हे भायां ऊं वेई मंगलीककथा
थाकेकनें घोडे कडठुं के जको में थाकेकनें छंडेरो फेखो
२ वा थे घोडे कथोठे वा जीमें थे उभां जेणे । वा थाका
प्रतीक करथी निकमी व घोखसू में जको थाकेकनें घोडे
कया वा मभमें राव्यांसू थाकी उबारपिख जीसू केंठे ।
३ कौस अबेर कथां में आधीनी वा कथांमें जके सागो कथां
तो में थाकेकनें भजाईठे वा कथा आ के धर्मशास्त्रमें
जिखो केंठे तियो वाकर पाप ठुठखनेई खोए मयो ।

- ४ वा जिसो घर्मनात्मने कैं उं विष्टी उ घोरमें कायो नके उं ह
- ५ वा तिनैं दिन केर उपायो गयो ने वा कसकस
- ६ देयो गयो ने उंघनें वारांसुं। उंघनें एकीवारपिब
याचसेसुं कुंइक बत्ता भायांसुं देखि गयो के काका बचे-
विराड आनतोडी जोक्तानें केर केईर नोदमें उं। उं
- ७ घनें वाअकुनू वा उंघनें सगला हलकारांसुं देखी गयेह
- ८ ने। और बिगरकालकेर उपजोडेो कोकी आदमोसरी
- ९ वो जको अं सगलाके उवडे नारे देवखमें आवी। अं
हलकारांमें सगलांसुं नानो और हलकारा बांवलू प्रकर
पीक होबकायक नहुं कौंस में भगवांनको ठोलीनें तो
- १० जोस दोनी। केर अं जको नू तो भगवांनका अनुग्रहसुं
नू उंकी जको अनुग्रह मनें जको दोनी गयो ने उपिब
निकमो ननें केर वा सगलांसुं बत्ती देनगी में कयो हर
गज उ अं नही पय भगवांनको जको अनुग्रह नारे उपर
- ११ ने उं। इवेई अं ऊवु अथवा बे ऊवे इता ने छट्टेई
- १२ करानां वा ये तिसी प्रतीत करी। अमें अर खीष्ट
को घासवेलीमें ओ छट्टेरो के के उ मोतसुं उपायो गयो
ने तो चाके विचलाका कित्तक आदमी की कहें उं के
- १३ मयांको फेरउपडब ननें। अर मयांको फेरउठायो ननें
- १४ तो खीष्ट पिब उपायो न गयो ने। और अर खीष्ट उपा
यो गयेत नही तो नहीके छट्टेरो निकमो वा चाको इतवार
- १५ पिब निकमो ने। इंसुं भगवांनको घासवेलीमें नेपिब
कुडासावदी जांथी जावांन कौंस ने भगवांनको घास
वेलीमें सादेदी दोनीनें के उं खीष्टनें उपायोनें जीनें उं
- १६ उपायो नही अर मया उपाडता नही। कौंस अर
- १७ मया उपाथा नजाय तो खीष्ट उपायो गयो ननें। और
अर खीष्ट उपायो न गयो तो चाको प्रतीत निकमो के
- १८ अनाइतोडी वामोदारने। उ ऊवांसुं जित्त सोग खीष्ट

१८ में सुताओं वानें वेज गयो । अर वाली इं उंसरमें
 खीरमें दाकी उम्मेद हैं वो ने सगका खीराम् दीम
 २० दीमों । खेर अने मातसू खीर उपाधि अवाओं खीर
 जके नौदमें सुताओं वाने वैलडोफळ अवाओं ।

२१ कीस जिखी आदमीसू मोख विखा आदमीसू मखाकी
 २२ खेर उपडयो । कीस जिखा आदममें सगका मरें
 २३ विखा खीरमें सगका बचावका पडती । खेर चावेंसो
 कोम आयके डोहडवडारं खीर वैलडोफळ उंपों खीरके

२४ आवयमें जिता लोग उंका अवा वे सगका । उंपों डेवडा
 असो के जद उ सगका सामन वा प्रभुवा वा बल कोप
 २५ अरअपों भगवान बाभाकने राज भलासी । कीस उ जद

नेडो सगका बेदी आयका यगाके नोचें नकरे तबतोडी
 २६ उंके राजकरवों निखें । डेवडाकी नेंर जको मात वा
 २७ पिब सरडपट असी । कीस उंके वगके नोचें उ सगका
 मलाथीं खेर सगका उंके आधीन कखा मयां जद

आय आ कथा वें उंके तद आ साबतो वें श्री उंके आधीन
 २८ सगका कखां आ उंके निगर । जद सगका उंका
 कर्ममें चें उंके तद श्री उंके आधीन सगका कखां उंकेसरी
 वो डावडो पिब असो के भगवान सगकामें सगको के ।

२९ उ न होबसू जके मखाकी जागामें डुबोदिदाई ऊई वें
 काई करसी अर मखा उपडती नही वा न होबसू पिब
 वें मखाकी जागामें डुबोडा कुं ।

३० खीर ने चावेंजीं वडी कानिई घतरामें उभाकां । नोके

३१ प्रभु यिमु खीरउपर चावो नको आनंद हरिकने निखें

३२ उ आनंद खेर अं सुसकाहुं के अं रेजीना मबं । जिती

आदमके भेवो राडकरी जायें विखो इफीजसमें गोवा

भेवो अं लयो उं खेर मखाकी उपडयो अर न के तो उंसू

मने काई कायदे आवे ने वाखो मोखी करी कीस काख

- २३ मरणा। सोसरो मतो बोटीसंगतसूं धर्मको वोज जायते।
 २४ कायककामउपर जगो घोर पाप मतो करी सोसबीबो
 मेर भगवानको ग्यान नते या चाके काजकेरेई कं वउं।
 २५ जेर कोईर कोसी के मया जोम कीधरेसूं उषयोडा
 २६ केते वा बीडोवका डोलसूं आवे ते। हे डोका
 जको बीज सूं आवेते उ नमखाविना घुट बाढे वही।
 जका उ आवेते उ जको डोल जसी सो उ नही जेर
 २७ वाकी दायां गोपीका के अघवा दूजीकीबी तरेका दायां
 २८ के जेर भगवान आपका मनमाफक जियो उको डोल करे
 ते वा चावेजी बीजने उने आपको डोल देवेते। सत्र
 २९ जो डोल एकसरोको नते जेर आदमोका वा चोपद वा
 मजीका वा पंध्याका नाराए डोलका डालते। खरन
 ३० वा धरतीको डोलपिबते यब खरग वा धरतीको तेज
 ३१ खारोए। सूर्यको एक तरेको तेज वा चाइकी दूजीतरे
 को वा ताराको दूजा एक तरेको एक तारासूं दूजातारा
 ३२ को पिब तेज न्यारेते। उंहतरें मयांको घेरउप
 डयो उ विनामोडोल बायोते अविनानी उपायो गयो
 ते वा गेरआनहसूं बायोगयोते आनहसूं उपायो गयो
 ३३ ते। उ निबलाइसूं बायो गयो हिमससूं उपायो गयोते।
 ३४ उ अरोरवाको डोलसूं बायो गयोते परमार्थीक डोलसूं
 उपायो गयोते अरोरवाको डोल वा परमार्थीक डोलते।
 ३५ उ कोई बिघोते पैलडे लोग आदम जीवतो जीव कलो
 ३६ गयो ते नेवडाको आदम जीवदेखवालो आत्मा ते। जको
 परमार्थीक जो पैलडे नही जेर जको अरोरवाको वा उके
 ३७ यते जका परमार्थीक। धरतीसूं बसायोडो पैलडे आदम
 ३८ माटोकोते दूजेआदम खरसूं अमुते। कके माटिका उ
 माटिका लोगके इसा दूजाजके सती के खरका लोगके इस
 ३९ ते। जिया के माटिका लोग इसा डोलवाका जे विगाई

- ५० सर्गका योगका डोखवाका कसो। हे भायां ऊं अम आ प्रया
 कउंनु के जोरे वा मांस भगवानका राजका कोठारी जय
 न सकसो विनाओपिय अविनाओपि कोठारी जय न
 ५१ सकसो। देवी यानि एक संस ऊं प्रकाश कउंनु न्ही सग
 लानि सुवर्णां पडसो अशी जेर उंउंउं वाक्यो वाजबसू एक
 विलभरमें एक पक्षमें न्ही सगलानि मूनीसिकल करयी
 ५२ पडसो। क्योस वाक्यो वाजसो वा मय्या आदम्यां अवि
 नाओ जयर उयडयो पडसो वा न्हीने दूओसिकल करयी
 ५३ पडसो। क्योस इं विनाओने अविनाओ पेरयो पडसो।
 ५४ ओर इं मरखवाखाने नमरयो पेरयो पडसो ओर ओ
 विनाओने अविनाओने वा ओ मरखवाखो न मरखवाखाने
 पेरयो पेरसू वा कथा परवारी जासी के जका खिचोके के
 ५५ मोत जयमें यासो केने। हे मोत थारो उंक कठेने हे
 कवर थारो कते कठेने मोतको डंक पाप वा पापको जेर
 ५६ यवखा। खेर भगवानकने खुती के के जको न्हीके प्रभु
 ५७ विभु खोडका उकराससू न्हीने कतेवव करेने। इंसू
 हे थारा बाष्ठा भायां प्रभुमें थांकी मेनत निकम्मे ऊसो
 ५८ नरी आ जाणर करडे वा निखल खोर प्रभुका काममें
 रोजीना धोखरवत को।

२६ सोकमे यानो।—अने पुरबानजोगानेई टीपणी
 की वासबेकीमें अं खियुनुं जिही गालातिवाकी टोळामे
 २१ आया सीमोनी तियो, ये पिख करे। अठवडाके पेंलडा
 दिन थाके आवेसो जोग आयके थोच ईसो भेको करर
 २२ राको के न्हीने ज्ञानखकी वेला खुंदि टीपणी नफे। अं पने
 अं पोंतणसू ये आंकोनेई छोठी जिवर प्रसंथा करोणे वांने
 २३ थाकी दोमोडा वस विरुजलममें त्यावयने ऊं मेवखुं। खोर
 थर न्हीने जांयको निधे रे तो वेपिय न्हीने भेका जाओ।

५ अनें ऊं माकिदोनियासू जाखर चाके नेडा पोंतसुं कोस
 ६ मनें माकिदोनिया देर आखोणे । खोर ऊय सके के चाके
 ७ कनें रऊं खोर सोपिस बाहसुं के ऊं थीं बिडो जागमें
 ७ आंउं उं जागमें न्हारे उपगार ये करे । कोस अनें
 ८ ऊं मरगसू चाके भेना मेहाय नकरसुं खेर भगदांय अर
 ९ करख देवे तो चाके भेको कित्तक दिन रेखनें न्हाने उभेद
 ८ उं खेर पेंतिरकस्तताडी ऊं एणोससमें रेखुं कोस मोटो वा
 ९ फायदादेखवालो एक बाइलो न्हारेदेई खोलेंउं खोर बेरी
 १० पिख भोक्का उं ।

अनें तिमोतियसू अर अनें तो निघेवान को के वे चाके भेका
 ११ निडर हें कोस निखा ऊं तिखा उपिख प्रभुको काम करे
 उं । इवेई कोई उंनें अनादर नकरें खेर सारोसाबते
 उंनें बिदा करे के उ न्हारेकनें आवें कोस भायाके भेने
 १२ उंके आवबकी ऊं बाइजेउंनु । न्हाका भाई आपस्तसू
 को आ कथा उं भायाके भेका चावेकनें जाइनें में उंकी
 मोकली विनती करो यख अनें उंके आवबकी अहि मनसा
 नउं सोपिख उंनें ठाकयो होबसू उ जासी ।

१३ योरो देवो प्रतीतमें निखल रहो आदम्यांसरीयो करो
 १४ हिम्मतवंत को । चाका सगला काम प्यारसू कया जाय ।
 १५ हे भाया ये खेपानसूके कविखा आखोणे के उ
 आखाबाकी पैलडो फलउं खोर के पुन्यवंत लोगाके सेवामें
 १६ रोजीना कैलीन अवाउं । इवेई ऊं वाचना करउं
 के ये इतरेंका आदम्याके वा न्हारे चावेसो उकरासी वा
 १७ काम करखवाला लोगाके आम्यावंत के । खेपानसू वा
 यर्तुनातसू वा आखाइकसूके आवबसू न्हारी राजाउं कोस
 १८ चारो अकोर घटतोणे वा उ प्रवाखोणे । वापिख न्हारी
 आत्मानें वा चाकी आत्मानें ठंडो कखोउं इवेई इवरेंका
 आदम्यामें अरि कयो ।

- १८ आसीयाको सगळी टोळी धाने बनवा करेजे आकळा वा
 प्रखळा वा त्राके भुषामे जको टोळीजे वें प्रभुमें धाने मोक
 १९ लो बनवा करेजे । जिता भाईजे वें धाने बनवा करेजे
 थे निरमज वाक्यो जेर एक लोग दूजाएक लोगने बनवा
 करो ।
 २१ जं पाउल आपके हाथको लिखो आ न्हारी बनवा ।
 अर कोई लोग न्हाका प्रभु यिजुखीछने प्यार नकरे तो उ
 २२ लोग अनातिमा आरानाता जे । न्हकिं प्रभु यिजुखीछ
 २३ को अनुग्रह धाके उपर जे । न्हारे प्यार खीछ यिजुमें
 धा सगजाउपर जे । आमिन् ।

Vikarsa.

3 D

वि

याउल हजकाराको दूजोकागद करिंतियाकने ।

१ पैलडो पमो ।

- करिंतिको टोली और सगला आखाइयामें जिता पुन
वंत लोग धाँकैकने भगवानको रूपसू यिन्मुखीछको हज
२ कारो याउल और तिमोतियस् भाई कागद जिबेने । भग
वान न्हिको नामो वा प्रभु यिन्मुखीछयासू अनुग्रह वा मंत
शोक धाँकैउपर के ।
- ३ भगवान अथवा न्हिको प्रभु यिन्मुखीछको नामो दवा
उपजाबवाको नामो और सगली घातरोदेखवालो भग
४ वानको खुति के के जको न्हिके सगली तोसीसमें न्हिके
घातरो करेने के न्हिके जी घातरोसू भगवानके करखसू आष
सान्ध केने उंसू किन्ही तरें कछमें पयोडा लोगानें घातरी
५ करबने काठो के । कोस जिसो खीछको तोसीस न्हिके
विषमें बत्तीकेने तिसोपिखं खीछसू जका घातरी वें बत्ती
६ केने । न्हिके अर दुखी के तो उ धाँकै घातरी वा उदारवेई
ने के जके कछ न्हिके भोगवान उं कछको सेंखसू फायदावाको
केने अथवा जका घातरी आधे वा धाँकी घातरी वा उदार
७ वेई केने । और ये जियो उं कछका सरोकी ने तियो ई
घातरीका सरोकी जखो आ जाबर धाँका फायदासें न्हिको
जका उमेंद उ निखलने ।
- ८ कोस हे भाया आसियामें न्हिके उपर जको टंटी पयो
के न्हिके बिगरअटकख वा बखसू बत्ती वा जीसू जाबको

- भरोसो न रहे इसा दयोडाजा ये जके उं वासवेलीमें न
 ८ जानकार रहे सो न्हिको मन नही । कीस ने चापके
 विषमें मोतवेई आग्या जाधोने के ने चापके उपर प्रतीत
 नकरां अर मरयोडा आदम्याने उपाइयवासा भगवानमें
 १० प्रतीत करां के जी इतो मोटीमोतसूं न्हाने नुटकारो
 कयोतिं वा नुटकारो करेते वा उ जको नुटकारो करसो
 ११ जीमें न्हाने आ प्रतीतपिखने । येपिख न्हानेवेई वाचना
 करर यकोवार उपगार करो के मोकला आदम्याको बांध
 सू न्हाने जके दांग दोनागयाते उंसूं न्हानेवेई मोकला
 के करयसूं सुतो के ।
- १२ कीस न्हिको आनंद सो न्हाने मनके सावतासूं भग
 वानके पूजाजायक बिगरकुटसययांसूं डीलको विद्यासूं
 नही केर भगवानका अनुग्रहसूं ने इ संसारमें दीत करी
 १३ ते पक्ष सगलांसूं नतो थाकेकने कयोते । कीस ये जके
 भबोते वा आरे करो ते वा ज प्रतीत कबहुं के ये तेव
 डालोडो आरे करयो उंके बिगर जं दूजिकारं कथां जिधुं
 १४ नही । ये जिछो एक क्षममें आरे कयोते के ने जिछो
 थाके आनंद करयको करयते तिछो येपिख प्रभु बिभुका
 दिन न्हाने आनंदके कारण जयो ।
- १५ आ प्रतीत करर में पैलडा थाके दूजाभलावेई थाके
 १६ नेडो जाखने वा थाके कनांसूं माकिदेनियामें जाखने वा
 माकिदेनियांसूं केर थाकेकने आवखने वा थिकदाह देममें
 न्हारी जको जायो उंमें थाका उपगारसूं आगेवखयो धामुं
 १७ नुं । इवेई अं इसो मनमें ल्यायर काई हालकीकरर
 मानीजे अथवा में जके ठेराया वे काई डीलके माफक ठेरा
 १८ या जं के न्हानेकने हांसां नहीनघो के । केर अर भग
 वान सावोते तो थाकेकने न्हारी जका कथाजी वा रहे नही
 १९ रहे नते । कीस भगवानको डावडे विभु खीट जीकी

- कथा न्हिंके बांसू अघवा न्हारे वा सल्लानस् के वा तिमे
 तियसके बांसू थांकेकनें चोडे कयोडो गो वा उं नहीउं न
 २० डो लेर उंके विचाले डो । क्योस भगवानको सुती न्हिसूं
 होखवेई भगवानको सगला काल उंमें उं वा उंमें आमिन्
 २१ उं । अने जको थांके भेतो न्हिं खीउंमें निखल करेउं
 २२ वा न्हिको अभिषेव करेउं उ भगवान के जो न्हिके उपर
 गप चयोउं वा आत्माको साईं न्हिका मनमें दिनोउं ।
 २३ अने जं आपको आत्माउपर भगवानको सायदो कइ
 नुं के धाने दोषी न करखके कारण जं अनाहतोडी करिं
 २४ तीमें गयो नही । धांका इतवारउपर के न्हिकी घखि
 यापउं सो नही पख न्हे धांका आनंदका वारजां क्योस
 ये प्रतीतमें निखल डो ।

- २ दूजो पानि ।—लेर में आपका मनमें निखे कयोउं
 २ के जं गदगदो अयर धांके नडेा फेर न जाउं । क्योस
 अर जं धाने चिन्तावान कराउं तो जको लोग न्हारा करख
 ३ सूं चिन्तावान के उंकेविगर मनें कुय राजी करावे । ओर में
 धांकेकनें लिख्योउं क्वाजाखा न्हांका फायदामें न्हाने अनंद
 करयो ठोकउं न्हारे आवखकी बेसा वांसू कइ पावुं ओर
 न्हारी जका राजी वा धां सगलाको राजी न्हारि आ प्रतीत
 ४ धां सगलाउपर उं । क्योस में मोकला न्हिसूं पटकर
 मोकलि तोसिससूं वा मांयजा कइसूं धांकेकनें लिख्योउं
 के ये चिन्तावान को इवेई लिख्योउं सो नही लेर ये
 न्हारो प्यार जायो के जको मोकली मोटो धांकेउपरउं ।
 ५ लेर अर किवि दूख दिनेके तो उं निन एक पातिवतो
 मनें दूख न दीने के जं धां समलाउपर मोक
 ६ लो भार नथुं । मोकला आदम्यांसू जका उंठ दो
 ७ ना मयोउं इसा आदमीनेई उही नस । इनेई दूजी

- कानी उने गेठखी वा उकी घावरो करखी याने पख ठोक
 ७ ७ ७ इसा आदमी हरगा मोकला मोटासागसू अपडा
 ८ न जाय । इंसू उके उपर प्यार जिसल करखने कं
 ९ घाकी बिगती कबंनु । क्योस सगली घासवेतोमें घे
 छलेत जो वा नही आ सावती जायने में इ तंतमें लिख्ये ।
 १० जीके उपर घे क्युहि माफ करोगे उके उपर क्युपिण
 माफ मबंनु क्योस अर में कीनेई क्युहि माफ कयो के
 ११ ती जीने माफ कयो उने खीएके ठोकाखे ऊयर घाके
 १२ बेई उने माफ कयो । क्वांजाखा मोढो नाने जीते क्योस
 उकी उलने न न जाखकार नही ।
 १३ उंपणे खीएकि मंगलिक कथा छंटेरी करखने जं नद
 जेयःसू आयो और प्रभुका करखसू एक बारयो नहीरे
 १४ सामी बेली गयो तद नारा भाई तीतसने न साधर में
 मनमें क्युहि चैन नजाधो लेर वाके कनासू बिदा ऊयर उठा
 १५ सू माकिदोनियामें गयो अबे भगवानकने स्तुती के के जको
 खीएमें ठाठबाठ रोजोना करखने नाने करावेने और
 नाने करखसू आयका फायदामें ग्यांखी सुगंधो घावेजी
 १६ जागा जको घाडे करेने । क्योस जका मुत्तने वा जका
 नारकी या दोत्याकने ने भगवानकने खीएकी सुगंधीने ।
 १७ एक लोगकने ने मैततोडी मैतदैखवाला वासने दूजाकने
 ने जीवखतोडी जीवतय देखवाला वासने और आ कर
 १८ खने घेचवाला कुखने । क्योस मोकला लोगाइसा ने नही
 के जके भगवानकी कथामें भाज देवेने लेर नाने साच
 सू और भगवानके दृष्टमें रेंद भगवानमें जिसा केने उसी
 खीएमें कथा केने ।

१ वीजी यज्ञी ।—ने काई लेर आयकी वारोक करख

२ जागा अथवा दूजाकित्तक लोगके इसा घाकेकने

- अथवा खासू' न्हिं काई सुपारसकी चौठीको निखें
 कोस न्हिं मनमें लिख्योडा वा सगळा लोगांउपर सेई
 ३ कथोडा वा भयोडा न्हिको सुपारसको कामद घेइजे ।
 कोस खाईसू' लिखें नही पख जीवचा भगवांनकी आमा
 सू' भाठाका तघतउपर नही पख अंतरंगका मांसका तव
 उपर लिख्योडा न्हिके सेवासू' ठीक चोडेंकखोडा खोचो
 ४ कागद घे जे अोर खोचका उबराससू' भगवांनकें
 ५ न्हिं इसो भरोसो जें । न्हे जकी आपांसू' कुंदि होत
 सरीवो आपकें उपर भरोसो राव सखें जें सी नही लेर
 ६ न्हिको मुंडो भगवांसू' जें । कें जी' न्हिं नवा करार
 जायक सेवक कखाजें आपरको नही पख आत्माको कोस
 ७ आपर मारनावेजें लेर आत्मा जीवतथ देवेंजें । कोस
 भाठाउपर लिख्यो वा घुघोडो मौतदेखवाली सेवाकी अर
 इसो चानखो कें कें विभरायकका डावडा मोमह्का मुंडा
 का मुमे जवा तेजसू' उंको मुंडो ठीक देवत न सका
 ८ ते आत्मादेखवाली सेवा उंसू' किती चानखो जें कोस वा
 मोको उंड देनवाली सेवा अर चानखो जें तो अघाधी
 ९ करवाली सेवा उंसू' किती चानखो जें । कोस जका
 १० चानखी करी गईजें वा फतेवत चानखोसू' उंकी कुंदि
 ११ चानखी न रही । कोस जको गुम अई वा अर चां
 खी जी तो जका निखलजें वा कितीबत्तीपिख चानखी देजें
 १२ इसू' न्हिं इसा भरोसा होखसू' न्हिकें मोकली साख
 १३ कथां केणो रीत करीजां । अोर मोमह् इसापिख
 नही कें जी' आपका मुंडाउपर घुघटो दीना कें विभरा
 १४ एल्का डावडा उं गुमहोयको तंत ठीक न देवें । लेर
 वांको मन, अधोजे कोस बीदासरतंतको चोपडीकी
 कथा भणखकीबिला उ घुघटो आजतोडी रेंजें उई घुघटो
 १५ खोचका उबराससू' अलमोकखी जायजें । आजती

डोपिल मोमहकी भखखकीवेला उ घुंघटो वकें मभ
 १६ उपररेंते खेर उ प्रभुके कानी मुडबसूं उ घुंघटो खलगे
 १७ कयो जासी । प्रभु उ आमा वा जठे प्रभुकी आमा उठें
 १८ मोल्ले खेर गडामें जियो देवेंते तियो ने बुल्या मुंडासूं
 प्रभुके तेज देवतार जियो प्रभुकी आमासूं कयो जाय
 तियो उंदि मुर्त्तिमें चानखोपरचानखो ऊजायते ।

० चोथो पांनो ।—इंवेई ने छयासूं इं सेवाको काम
 २ लाखर गदगदा चानां नहो । खेर वेढोखकलसूं
 रीत न करर खेर भगवानकी कथा जखखके भावसूं
 रीत न करर खेर भगवानके सामो साचके चोडासूं
 आपने चावेजी लोगके मनके सामा प्रभंसा करर लाज
 ३ देखवाला कामको पाखोखड विषय जेदेते । खेर न्हाने
 करबसूं चोडेकयोडो मंगखीक कथा अर गुम ऊई रहें
 ४ तो उ नारकी जाखवालाकेकने गुम ऊवेते । के व्याके
 बीचमें इं संसारको पुण्यबखा विगरइतवाखाके मनकाधो
 कयोते कजाखा भगवानकी प्रतिमुर्त्ति खीटकी प्रतापके
 ५ मंगखीक कथाको चानखो वकेंकने चोडे के । प्रभु खीट
 यिमुने वा यिमुनेई ने चांका सेवक जो छंटेरो फेरानां ।
 ६ कोस भगवान के जो अंधारासूं चानखामें प्रगट करखने
 आमा दीनी उ यिमु खीटके मुंडाउपर भगवानके ग्याब
 सरोषो माहवमको चानखो चोडे करखनेई न्हाना मयने
 चानखो ऊवे जे ।

७ कोस न्हानो आ माया माटीका ठांवेमेंते के चोचकी
 ८ भकारे भगवानसूं के खेर न्हानसूं नके । ने सगखीवरें दुषो
 ९ ना प्रभ दीनदयामखी ननां ने विस्तावान नां प्रभ जिहपाव
 ननां यकायोडा नां खेर जेड दोनेडा ननां गदगदा ऊवा
 १० नां खेर सगखो नाम ऊवेद ननां । ने आपका डोखमें रो

- जीना प्रभु विमुकी मोतका उपाडखवाला जी के विमुकी
 ११ जीवयो न्हाका डोलमें चोडे के । क्योस वचखवाला न्हे
 विमुकेई रोजीना मोसकने भजायोडा जी के विमुकी जीव
 १२ यो न्हाका मरखवाला डोलमें चोडे करे जाय । इवेई
 न्हाके विचमें मोत प्रवेज करेजे लेर धर्मे विचमें जीवतय ।
 १३ जियो जो लिख्योके के में प्रतीत करी उंसू कथायी कही
 उतरें न्हे उ रकी प्रतीतकरखवालोआआ साधर ओर
 १४ जी न्हाका प्रभुविमुने उपायो वे अके विमुकी वाइसू
 न्हांमें उपाडसी वा धाके भेला आपने आमासामा करासी
 आ जांखर न्हेपिख प्रतीत करांग ओर उंइवेई कथा
 १५ केवांगी । क्योस सगला कोई न्हाकेवेईके के मोकला लोगी
 की खुतोसू उ मोकलो मोटे अनुयइ भगवांनका माइतम
 १६ वेई मोकलो उपरसरो करे । उंही कारख न्हे कायबा
 प्रांगी नही लेर न्हाका बारखे आदमी पर डोकरा के तो
 १७ पिख मांयला आदमी रोजीना२ ताजा केजे । क्योस अठा
 तोठी न्हे चोडेवस्ता न देवां लेर बिगरनामुद वस्तानि देवां
 सबतोडी न्हाके एक पलकभरमें देखवालो हालयो कष्ट उ
 १८ उंसू मोकलो बतो मोटे ओर अनंत खुतीबो भार न्हाके
 वेई उपजावेजे क्योस नामुदवस्ता लखमाज लेर बिगर
 नामुदवस्ता साखीजे ।

५ पांचमो पानो ।—क्योस न्हे जांखांगी के ओ माटीको
 बासोभूयो पर बसपडे तो भगवांनसू कखोडो बिगर
 हाथांको कखोडो साखी एक भूयो न्हाकेवेई खर्गमेंजे ।
 २ क्योस न्हे इ बासामें रेर न्हाका खर्गका भूयासू पेखोडा
 ३ होखके उमेदउपर कांभांगी के पेखोडा अयरपिख नामा
 ० देवा न जाखा । क्योस इ बासाकारेखवाला न्हे भारख
 अयर कांभांगी वेपेखोडा होनेवेई सी नही लेर उपरखा

५. पंजीडा चोखवेई के मरयो जीवबसू यायो जाय । जी ई ततवेई न्हाने बाबायोने उई भगवान के जी आत्माको सारि
- ६ न्हाने दोनीने । इंसू न्हे रोजीनत हिमतीन जीर बडा दोडो डीवमें रेंवाण तदतोडो प्रभुका गैरचाजिराण का
- ७ बाबाण कास न्हे प्रतीतसू चाखाण देवबसू नही । न्हे
- ८ हिमतीन जीर होलमें गैरचाजर बाबमें कौर भगवान कने चोई चोखने चावाण ।
९. उवेई परखं ना गैरचरबां रेर न्हे उचम कराण के
- १० उंसू आरे कयोडा जा । कीस खोडकी अदाजतके जीदीबे स्रमा न्हा सगजाने उभा चोयो कसो के पावेसो खोम आपका कयोडाकाम चोमी के अथवा विंठा के उ
- ११ माफक आपका कयोडाकाम होखमें बाधि । इवेई भगवानके बोह जाणर न्हे आदर्याका मग समझावाण न्हे भगवानकने चोईण जीर न्हे भरोसो रावाण के धाके मनमें
- १२ पिब चोईने । कीस न्हे आपके दूजोवेला धाकेकने सरा वाण नही लेर आपकेवेई धाके हिमतसू केखको कारख देवाण के जको वाली देवणमें हिमतसू कथा केने लेर
- १३ मनमें नही वाकेकने छे उथलो देव सको । कीस अर न्हे विगरहोस के तो उ भगवानकने अथवा अर होसवाको
- १४ के उ चाबेवेई । कीस खोडकी प्यार नाके उपर बज करेने कीस में आ विचाराण के अर सगजानेई हक लोग
- १५ मयो तो सगजा मुहदाण । अर उ सगजानेई मयो के जको जकेने के आपकेवेई अर न वपे लेर जको वाकेई
- १६ मयो अर फेर उथयो उके वेई वपे । इवेई इंपने न्हे डीवसरोवा कीनेई बाबा नही अर जीवने हसो अरे खोडने जायो रे तोपिब अवे उंजे दूजोवार जाया नही ।

- १७ इत्थं चार कोटि खोचने में दो उ जोग बरो कृति में दो दो
- १८ तब बहगदें देवो अगलो बनी कदें । और सगलो भग
- १९ वाणें वा निखबको सेवा नानें अवारें । अथवा भगवान
- २० को उ वांका हिसाबमें विचार न कइता खोचमें दो और
- २१ मिलापको सेवा नानें अवायाणें । एवं भगवान न श्री वांइस
- २२ बीमती करर जियो जयो तिथी न खोचका उखोचका खोच
- २३ में बरहें जेपिब जोगको करीजा के से भगवानके सेवा मियो ।
- २४ खोस जी कृति पास जयो बरो उ उनें पाप जांकर निखब
- २५ कसोणें के से उनें भगवानको भ्रम निखब कसोडा जा ।

६ उठो भागो ।—इकेवेई से आपसमें चार अथर
 योगती करीजा के से भगवानको अनुग्रह निर्धक मतो
 २ खो खोस उ कठें के से चारे करखदीवेजा धारी कथा
 सुखोणें उचारकरबको दिन में चारा उपगार कसोणें देवो
 एवं चारें करखदीवेजा देवो एवं उचारकरबका दिनणें ।
 ३ इ सेवाको छोग न होखवेई कियो सासवेजीमें कृति वाधा
 ४ न करर पंख मोकजा सेवो कठ दिनपणो मनी मारबायो
 ५ मेतासरमेंरेणो वेवो मंगत पोरदेवो कडाका इ समजा
 ६ इवाजमें ईखसुं और निर्मल ग्यान मोकजा दिजातिओ
 ७ सेवो प्रोत वझोनासुं निर्मपट्टी प्यार साचो कथा भगवान
 का सपनेख डावाजीवेवा यथाथे कांसरीको सीज आवेइ वा
 ८ औरभाकइ सुखाति वा अक्याति वा संगजांसुं । और कपटो
 इका पण साचोवेनवाओ विगरजोखयोइइसा पण पोयो
 ९ तरे कोअवेइका के मरवेवासासरोवा और देवो के जीवता
 १० साओकाइला मारन धोखा बही । सीतोसरीवा और
 होजीवा राजीभ्यारासरीओ और मोकजा जोगानें मासा

धोपकरबावाका दीनधीनइसा पख संगबाका कोठारी
 के संगला उधिदारे कबद भगवानके संगबाके इसत का
 संगला वासवैकीमें जोययो सापतो देतार ने चीनती
 करीजा ।

- ११ हे कर्तितो यनिक्के न्नीको मुंडो घिसायोडोडे न्नीको मंग
- १२ बथोडो जनेते । ने चीनी जगदरे नगं पख से कल्पवा
- १३ मनमें संगती अं जियो कपकर कसडनि कउनुं जियो
- १४ कउनुं कये इका मजोपगदनेरे से पिय बयोडा को ।
- १५ विगदइतवारी भेका विगदनेकमें मती जावे कीस
- १६ सीक वा विगदसीकको कारे घारीते घोर चानगाकी वा
- १७ अंधाराकी कारे बरोवरी केते । घोर खोडे वा बबुआळ
- १८ को कारे जिलापते घोर इतवारीकमें विगदइतवारीकी
- १९ कारे निराडते । घोर देवतामेकी भगवानके देवराको
- २० कारे मेलते कोस से जोवता मगवाजका देवराते के भग
- २१ वान जियो की कबोते के वके विचले अं रेखुं घोर चान
- २२ गुं घोर अं वको भगवान जखुं जोदरे न्नीरा बोग जेसी ।
- २३ इंसुं विजड केते के वके विचमासुं काली घोर कलमा
- २४ की घोर भिडनस मती भीडे वा घाबसुं अं यनि जेयुं ।
- २५ संगलामें पोचवाको विजड का केते अं घाको वाभो कसुं
- २६ घोर से न्नीरा डावडाडावडी जयो ।

७ सांतमे यानो ।—इवेरे हे भोक्का वाचा से इ
 करारका कोठारी कबद न्नीका भगवानका भयसुं युयं
 को काम साधन करवार डोबके वा घांकीके संनकी
 भिडसुं आयने निर्मल करे ।

- १ न्नीने घारे करो ने चीकीपिय हिंसा करी न्नी ने
- २ विनेरेपिय विठो करी न्नी ने विनेरेपिय करेव चीने
- ३ न्नी । घाने दोवी करबवेरे अं दा कसा कउनुं न्नी कीध

- में ये लज कबो के धाके भेके मरखनें वा धाके भेको कथनें
- १० धे न्हाका मननें जे । धाके कनें नारी कथा केखी विगारबीह
सुं धाको वासवेलीमें मनें थावचकी कथा केखी मोकला जे
११ अं वातरोसूं प्रीतुं अं आयका सगला कलमेंपिब कभो
१२ राजेनु । कोस ने माहिदानियामें गया धे न्हाका
बीधमें कृहि जेन न्हे लेर न्हाके समखीकांकी इदिवावा
१३ नारबे राखी माय बोसने । लेर गदगदा बोम
नें कसरी करववाबो भगवान तोतसके थावचसूं न्हाको
१४ वातरो करी । कोरे लंका थावचसूं सो न्ही पब जद
धाकी मोटीदध धाकी जोग वा न्हारे उपर थाका बयो
हा मनकी कथा कथो पद धाकी वासवेलीमें जी वातरोसूं
१५ उ वासरी पावबवाला जे उं वातरोसूं नेपिब वातरो पाव
१६ बवालो जे अंसूं मनें बर्तो कानंद जे । कोस एक वागद
सूं धाने जोकवान कररपिब कदेरे अं अफलोस करर
पिब अवे अफलोस करे न्ही कोस उं वागद धाने जोक
वान करावा सही पब उ थोका दिन से में समभाजे अवे
१७ न्हारो राजी जे के धाने जोकवाव कयो गये सो न्ही
लेर जीसूं वामबा के इसा अवे धे जोकवान जे इसी का
रय कोस भगवांनकी वासवेलीमें धे जोकवान कया गया
१८ के कोमई धाको विगाड न्हासूं न्हे । कोस भगवानकी
वासवेलीमें जका जोक उ उबारभेला जको वे वामबाके
खायक वामबा करावेनें लेर संसारको जोक मरयो उपजावे
१९ जे । धे जको भगवानकी वासवेलीमें जोकवान उके साइ
दोबिई जे देयो धाके विचमें जीतरेकी उद्यम वा जीडोवके
कारणकी कथा केखी वा वाद वा बीह वा मोकलो बतो
दच वा उद्यम वा उखटोवेरकरने उ उपजायो इं कारणमें
२० वासवेलीमें साफ अको के जे साबोस धे दीजेने ।
२१ इवेरे में धाके कनें वागद विषयसंपिब उ जी वाम दोष

१ कसोटी उंकेरे नही ओर जीको विगाडी जवोने उंके
 २ वेरें पिब में उ नकसोने लेर भगवानके सामी नही
 ३ जका धिया धाके उपरने उ धाकेकनें वेडे होखवेरे कया
 ४ १३ ॐ । इवेरे धाकी वातरोसू ने वापरो पावजाओ ग
 ५ ओर खेतसूकी राजोसू नहीविष मोकली वतो राजी
 ६ १० कीस उंको मन धा समकासू चैनने । कीस धाकी
 ७ वासबेलीसू म अर कोई हिम्मत कया रे तोपिब अंजाज
 ८ वायो नही लेर निखो में धाकी संगकी साधी कयाकही
 ९ तद नही जको सेवी में तोतसूक सामी कया उपिब निचो
 १० १५ साच को जाणो जाय । धी बोहसू वा बूजबसू उंरी जी
 ११ उबिहारे आरे कयो उंसू उ धा संगकाकी आंग्यामान
 १२ खी पितरर धाके उपर उंकी ओर वतो प्रोवणी । इ
 १३ १६ वेरें ऊं मोकलो राजीनु के समकी कासवेधीमें धाके उपर
 १४ नहारी प्रतीतने ।

८ आठमा पांजा ।—हे भायां भगवानको जका अनुग्रह
 १ मसकिदोनियाकी टोलीमें दोना गयो ने वे धाके गुदरा
 २ २ वांजा के वाका मोकला कयसू कोमतकीबेला वाकी रा
 ३ जीकी वतारै ओर मोटोभारता जिसी धाके दावयसरी
 ४ ३ वा माया होयसू मोकलोने । कीस ऊं धी सावता देउं
 ५ नुं के वे आयको मुंडोभर यख आयके मुंडासंधिख वतो
 ६ ४ मोंटासोभ्रखवाला ने । ओर नही मोकली वीनतीसू
 ७ याचना करी के ने उं दाननें लेवा ओर पुन्यवतखोनाके
 ८ ५ उं सेवाधी विराड लेवा । कोपिब नही भरोसा इसी
 ९ कयो सो नही लेर जेखडा आयनें भगवानकनें दोना ७
 १० ६ यनें भगवानकी वससू नहीकनें पिब दीना । इवेरे ने
 ११ तोतसूनें धीवती करी के निखो उं सह कही ने तिसो धाके
 १२ ७ वीधालेपिब आ भकारे परवाटे । इवेरे धाके प्रतीत वा

- कथा कौली वा ग्याम वा कामगुजारी वा कश्तिउवर यो
 तादी संगली वासविकीमें जिखा मोकला करवावागे
 विखा इ भवा कामसु मोकला करवावागे रोखकी उचम
 टकरो । उं आग्या माफक का कथा कउंउं ही नही केर
 दूनालोगके उचमवेई वा चाके प्यारको बिदपद हो
 टकरो सावरो सावणवेई कउंउं । कौस प्रभु बिनु कोउ
 हो आ अनुग्रह ये जति हो के उ मायापिब अवरपिब
 गकेवेई भायो जना के उका म्यारपयोसुं के माकीकात्र
 १० रो । इंसुं उं पिब सखा देउंउं कौस एक साजसुं को
 वाम करवाको औरमोकला उचम होखने संव कथा जनी
 ११ थ को घान ठीकउं इंसुं जिखा चाकने उचमी ग विखो
 आपकी मायासपिब उने परवारखवेई उको केवे परवा
 १२ रो । कौस पय पैलडा चखेवाको मन के तो आदमी
 हो मथके मंडामाफन उ आरे केउं और मायासुं बतो
 १३ होखर नहीं । कौस ऊं नई कउंउं के दूनाआदमी
 १४ को घेडो भार वा घाको मोकला भारने । केर बरो
 बरोवु देवे के चाको माया वाके म्यारपयोकी उपरसरो
 के और वाको माया चाका म्यारपयोकी उपरसरो के
 १५ इसो बरोवर होखवेई । जिखा को जिखो के जी लोग
 मोकले भेजे कखी उकी कुंइ कमी नई हो वा भी
 लोग रोडो भेजे कयो उकी पिब कुंइ कमी नही ।
 १६ भारानकने खुदि के के जी चाकेवेई इसी मोठी पिता
 १७ तीतखके मवने दीनी । उं आ काम करवाको उपदेम आरे
 कयो सही और बतो चाखकला अवर आफेई चाकेके
 १८ नवी । और नही वाइसुं जना मोकलाई दीनी जाव
 १९ उं उमें कोईपिब के नही दोस कर न सबे हो बिद
 २० वान अवर नै वाको प्रभुकी दहमें हो नही पख आदमाके
 जिजरमें पिब ठीक माफक वकी आर करर नै उके भेजे

२१ भार्दनें मेल्पोतें के भीकी राजीप्रब समको ठोलीमें मंग
 २२ कीक बचकी कामसू ते । और वाली उषिब गही छेर
 उ गही प्रभुकी महिमा वा थाकी उषम पोतें करणनें नासू
 जको अनुग्रह फयो नासू उ अनुग्रह छेर जको नाबे मेरी
 २३ नावबनेईं ठोलीसू जिसें खवेजे । और नाके भी भार्दनें
 हे मोहवा काममें समदेखवाला बारर लाकीतें पय थाके
 उषर जको मोठी प्रतीततें उ प्रतीतके करब अवे और
 मोठो मन्हेखवाला जको ते उ भार्दनें पिब थाके छारे के
 २४ मेल्पोतें । जीवसूके फायदामें अरु और पूतें तो थाका
 फायदामें उ नृदिा धरीकी वा बार अथवा नाका भाषा
 के फायदामें पिब अरु और पूतें ते ठोलीका मेल्पोडा वा
 २५ कीरका महिमा आ जायवी । इंसू थाके प्यारको वा
 थाको वासवेधीमें थाकी जो सीखी उंचा पिब सावयो थाके
 तेडो वा ठोलीके प्ररुवा पोतें करयो ।

९ नवमी पत्नी ।—मुन्दत लोगमें दांत करबकी पास
 १० केकीतें थाकेके मनें लिपणकी नृदि मरज गही । नीस
 थाके मनको उषम अं अंखुते के जीके फायदामें मे
 नाकिदोनिवाका लोगमें जो सीखी बपोते के बाखावा
 एक बरस अने प्यार कवेते थाकी उषम मोहवा
 ११ आदम्यानें बत्त उषमी करायाते । और इ बसवेली
 में थाका फायदामें नाकी सेखी निपमी नृदीयनेईं मे
 भाषाके मेल्पोते के जिखो में कयोते ये इतरें उषमी को ।
 १२ उ नृदीयसू नाकिदोनिवाका लोग अरु नृदी साथे
 भावर थाको दांत निगद्वारकी देवे तो ये काकी कथा
 १३ न कहे हे जो निबुडब सेखीसू आजा मरी । इनेईं
 में भाषाके के कथावा केशी मनमें निचायो के ते थाके
 मेका सेबडा भावर थाके थी दांतकी साववेलीमें पेडा

- ये खबर मेख्यागे उ पैलठः परवारें के ओ राजिसुं दिवो
 डि बखरो इसा थार हें पख संमडाइसू दोनोडि बखु
 ६ सरिमो थार न रहें । पख आ कथा कउनुं के जको लोग
 सेठो बावेंउं उ घोडो साध लाधसी बः जको लोग बसी
 ७ बावेंउं उही बनी साध लाधसी । चावेंउं लोग जिहो
 आयका मनमें ठेरावेउं सिछो दनगीर मज्जयह वा दहकारी
 न ज्ञानर दिवो कौस खुमीसू देनवाबाने भगवान थार
 ८ करेउं । भगवान थारें उयर सगजो कज्जयह बनी कर
 सकेउं के जहा सगजा दातारी थारो बाइसू भगवानकें
 ९ खुती करावें उं दातारीसू ये सगजो वासपेखीमें माया
 पात्र ऊयर वा सगजी वासपेखीमें राजीना परवारर चावें
 १० सो बोवोकांम करखमें लैकीन ऊय सके के सिछि बीछि
 छोउं के उं थिडाकाउं उं थारालोगमें दोनोउं उंको बरम
 ११ राजीना रेउं । चावें जको लोग बीज बावें बांको बीज जको
 देवेउं उं थनिं धावखवेई कुराक देवें और थांका बाबोका
 बीज मोफला गुहा करे और थांके सिद्धाईको फल मोकथो
 १२ देवें । कौस था सेवा करखी पुनवन जोगाके थारापखाको
 १३ घट्ठी बाकी परवारेंउं सो नही लेर जठातोडो खोचकी
 मंगली कथां ऊं थनिं घोडेसेवावेई वा बांके वा सगजा जोगा
 कां थांके बुल्लोडा मनसू बाटणवेई सेवाको बांवमीसू भ्रम
 १४ वंकी खुले करेउं । उवेलापिय उ भगवानको जको हं मोटो
 कज्जयह थांके उयर उं उंसूपिय मोकला मोक १७ उं और
 थांके विचाले जको मोटो कज्जयह उंको वासपेखीमें जका
 मेठिकर करखवाजाउं थांके मोफनि खुतिवेई बांकि जहा
 यापना उंसूपिय था सेवा करखि भगवानके धरख बसी
 १५ फावदावाखोउं । भगवानका मकससको डा दांके करख
 उंकेकने खुति केउं ।

१० दसमो प्रांनो ।—अने जं पाउज साजि के अने
 घाके नेडो हाजेर कमिखानुं पख विगरहाजेर घाकेकने
 निडरनुं उ खीरुधो निरअहकारपखे वा नरमो खेर
 २ घासू वीनतो कबंनुं । खेर अको किजाक लोग नाने
 डीखके माफक यवचारी इसा माकेने वाकी वेरतामें
 ३ जो हिम्मतसू जं हिम्मत बांधी पाउंनुं जं हाजेर रेंद
 निती उं हिम्मतसू हिम्मत न बांधुं या वीनतो कबं
 ४ नुं । इवेई धन खोर भगवानकी वासवेतीमें ग्यानके
 वेरमें जका पावेसो सागो सरावणबसने उंने चठेकरय
 वाका अयइ वा पावेजो फिखरने खीरुधे मानबके आस
 ५ चारी निब ऊबर खोर घाकी अग्या मानबी परवा
 रेंपने सगळी जमानबनेई तोलीस देवने पिब चार
 ६ ऊबर ने डीखमें रीत कररपिब डीख माफक मागडे
 ७ करा गरी । कोस नाने लडाई करखने इजिबोर
 डीखका नने खेर काठो कोटको जोसू भाजा मागने उसा
 ८ भगवानसू करअने । ये काई घेडे देवबइसो निवख
 देघोणे आप खीरुके आदमी या जाबर अर घेई
 घाडस बांधे तो उही काम केर खीत करर जकि ने
 ९ त्रिओ उ खीरुके तिया नैपख खीरुका नी । यमु
 वेतरीनेई पख खरादीनेई नही जका शासनको हिदमत
 नाने दोनीने उंने कायदामे अको जं सेखी कबंनुं ते
 १० मने काज न ऊवी के जं कागदसू नाने इर दिबाव
 ११ चावबइसो घेडे न ऊनुं । कोस लोग केने उंने
 खत भारी का अघसू मानब कायकने खेर उंने डीखनी
 थारी चठतोवख वा उंकी कयाको गोई कायकने ।
 १२ इं तरेंव खोग खेर या माके के ने विगरहाजेर रेंद
 निती घौठीमें कयासू केने वे घेडे रेंने कागसू तिखे

- १३ जसो । कौस जको कित्ताक सोम आपकी प्रसंसा करें
 आपनें बाँके निचमें संख्या करखनें वर आपनें वरके बरीबरी
 करखनें वे बोझाँ वर आपनें प्रमाखसू नापर और
 बाकी आपनें देवर आपकी ख्यात करर ग्यामवंत जाँडा
- १४ वही । कौस आपका प्रमाखका नतो जका वासवेकी
 उमें वे सेखीधारा नगाँ खेर जका डोरी भगवान् न्हाने
 दोनोते उं माफक करीगाँ वा नापकी डोरी थकेँडी
- १५ पिख जायते । कौस थकेँकनें जिखा वे न जाता तिखा
 वे आपनें वधाँ नगाँ कारख जो के न्हकेँ प्रमाखकेँ
 बारकेँ जको अथवा दूजारे लोगको कोठार इकेँ उपर
 सेखी न करी खेर थकेँ प्रतीतकी वधती क्षेपते थकेँ
 काँनोपिख वे मंगलीक कथाँ छेरेरो करखनें और न्हकेँ
 वेई व्याद कखोडे दूजाकीकारेँ कोठारका फतवाउपर
 फिकर व करखनें न्हकेँ फतवेकेँ माफक थकी वाइसू
- १६ मोकली वधती काधाँ । जो भरोसा करर खीछकी मंग
 खीब कथाँ जेई करता थकेँ उठासू इती दूरतोडो वे
- १७ आधाँ । खेर जको लोग सेखी करेंते उ भगवान्में
- १८ सेखी करें । कौस जको लोग आपकी प्रसंसा आधी करेंते
 उ लोग आरे कखोडा नही पख जी लोगकी प्रसंसा
 प्रभु करेंते उ आरे कखोडे फँ ।

- १९ इग्यारमो पाँगे ।—जका न्हारी दीवानगोसू
 न्हारी न्हिरे लें सभो वरई ठोकते थेपिख न्हारी कथाँ
 २ आरे बरो । कौस भगवान्को वासवेकीका चिन्तामें
 थकेँकनें खं चिन्तावाननुं कौस सुख कवीयाँ इसे में
 खीछनें देखनेई एक बीदकनें थाने वाकदान कखोते ।
 ३ खेर खं बीदकनुं केँ जिषो आपनें कयटसू साय खावाने
 भुजी दोनो तिखी खीछनें जका मारमतेँ काजाँबा उंसू

- १ घंको मन किबोतरेंसूं घंठोके । कौंस जीनें ने छंठेरो दिनेो नही जको लोग आवेंगे उ जको उ उबिहारे ओर किबो बिभुको छंठेरो देवे ओर जीनें घे लाघो नही उंही उबिहाराको दूजायक आमा अर लाघो अथवा घे जके आरे कयो नहि उंई उंबिहाराको ओर कोई मंगलिक कथा अर लाघो तो सेंबो मोकबो ठिकनें ।
- ५ कौंस जं मनमें ल्याउंनुं के में मोकला मोठा हलकारा इ सूं कंधि घटती ननुं । अर जं कथामें नानांनुं तो पिख बिथामें नहि खेर सगलि वासवेलीमें ने घांके बिघाळें
- ७ मोकला धाडें रहां । जं घांकेकनें मंगलिक कथा मुकल छंठेरो कयांसूं घे मोठा होखवेई आपनें नांनो करबसूं
- ८ कांई में दोष कयोनें । घांकी सेवा करखवेई जं दूजी
- ९ टोलीसूं देंगो खेर वांकी भाया घोरी करो । घांके बेंडेर रेंरपिख अद मनें गरज जो तदपिख जं कीकाई मायासूं मोल्यो नगे कौंस न्हांरें वरच लायक नहोखसूं माकिदे जिथांसूं जके भाई आयाग वा उ दीनोनें घांके उपर भार न देणसूं में सगली वासवेलीमें आपनें रक्ष
- १० कयोनें ओर उंघिवरें आपनें रावखुं । अर बीछको साच मेंमें रें तो आखाया देनमें न्हांरें इ सेंखी करखनें
- ११ कोई अटकायें न सकसी । कौंस जं घांके उपर प्यार
- १२ कबंनुं नही कांई उंकेवेई उ भगवान जयिगे । खेर जं जको कबंनुं उं इंकेवेई करखुं के जको घोटो करखवेई ठा लपी सोभांग वांके उं ठाखपी रोखबवेई वें जीमें सेखी
- १३ करेनें उं वासवेलीमें न्हांके इया लाया जावी । कौंस इसा जके लोग वें कूडाहलकारा वा साटोकरबवाला वा बीछका हलकारा जी उबिहारेका फांग उंघि उबिहा
- १७ रें आपनें करबवाला नें । अपिख कंधि घंठेरो नही कौंस मोठो साणी दौमन हलकाराको निकल कपडे नें ।

- २३ इवै उंका सेवक अर ठीक काम करवकें सेवका इसा चा
- बो कहि अउरो उं वानें उवहें वंका कांसरीयो इसी ।
- २४ खेर ऊ कउनु कोई मने गेला न जाखें करपिब दूजे उबि
- घारें के ते मने गेला इसी मने के ऊं अपकी घासघेजी
- २७ में चरि सेखी कर । ऊं जको कउनु उ मभु माफक कउ
- नु मही खेर इं सेखी करवकी हिम्मतकी मेंलाइसूं
- २८ जिओ केउं ति गेई कउं । डीजमाफक मेकका लोग सेखी
- २९ करेउं इमेई अपिब सेखी करसुं । ये सागो खाया
- ३० ऊवर राशी मनसू मेंलाकी जेजे । खोस अरकोई
- घानें गोखारेंमें ख्यावें अर कोई घानें पाव ख्याव अर कोई
- बाको घन खेवें अर कोई आपनें मेठो आदमी करर
- जाखें अर कोई घानें घयेड मारें वो ये उ अरे करेजे ।
- ३१ वे जिया बिगरहिम्मत कांज तिखो अपमानका फायदा
- में कर्मांजी खेर जीमें कोई हिम्मतीनें ऊं बो मेंलासरीयो
- ३२ कउनु उंमें ऊं पिब हिम्मतीनुं । वें काई एबी मेंपिब
- उही नुं वें काई बिमराएकी मेंपिब वेई वें काई आवर
- ३३ हासका ठावहा मेंपिब उहीनुं । वें काई खीष्टका सेवक
- ऊं मेंलाइसो कउनु सही खेर ऊं उंसुंपिब मेठोनुं
- देनगी करवमेंपिब ऊं बतोनुं कूटवाइसमें उटकवा
- ३४ बतोनुं अटामें वासूं मेकलो ऊवेनुं मरगमें वाररनुं ।
- ३५ में बिबदीबांजा हाथसूं पांचवार एक घटती घाखीस
- मारवाइ तीनवार में लकीसूं मारवाइ एकवार ऊं भाठा
- सूं मारवाइ तीनवार में ख्याज भंगबोनेग क्यो एक रात
- ३६ दिव ऊं उंडामें नुं । वारर उटो कदवसूं जे पांखीकी डं
- टामें खाडयानका टंडामें आपका देजवाली जोगके करव
- का टंडामें दूजा देजवाल्याके करवका टंडामें नमरका बिघा
- ३७ का टंडामें जेडका बिघलका टंडामें दरिवाकी बिघल
- का टंडामें कूडाभायाके बिघला टंडामें देंगो वा काइकी

में बारर पोरो देणमें भूको वा तिसमें बारर पोवधमें
 २० सीमें वा नागाईमें नुं । बारखेका निषयविगर अथवा
 न्हारेउपर जको रोभीना काणपडेउं जको समलो टोखोको
 २१ भार इके विगर जो समलो केउं । कुब निवखोउं और ऊं
 २० निवलो नही कुब अटककेउं और ऊं वलुं नही । अर मने
 सेखो करवो निखेपडे तो न्हारे निवखइंको वासवेखी
 २१ मेंसेखी करयुं । ऊं जको कूडोकथा कउंनुं नही जो न्हारे
 प्रभु विबुखीकको भगवान वा वामो के जको रोभीना कां
 २२ वंदसूं भलोयूयो उही जायेंउं । दमाजेक बगरमें आरेतस
 यातसाके आधीन जको धरि उं मने कपडखनें लसकरसूं
 २३ दमाजेक बगरमें पोरो दीनाउं । उं बेला ऊं एक वारीसूं
 भीतलागर एक खोडोउपर उतारयो गया जयत्र उंका हाथ
 सूं भागर वयो ।

१२ वारमो पांनो ।—मने फिर करवो ठोक नही
 जो निषयकउं ऊं प्रभुको देषालो वा चोडेको कथा केबे जा
 २ गयुं । चेदा वरस गुदरगयामें खोडमें एक लोगमें जायो
 डोकमें पे अथवा डिलके वारखे के का ऊं केबसकुं नही
 भगवान जायेंउं इसो लोग तीजा खर्गमें व्यंथो गयोउे ।
 ३ उ लोग डोकमें अथवा डोकके वारखे आ ऊं केब सहुं
 नही भगवान जायेंउं पख इसो एक लोग फारदीजमें तांथो
 ४ गयो उे वा आदमोके केखो ठोक नउं इसी न केयनी कथा
 ५ सुधी इं तरकेको एक लोग में जायो । इसा आदमोको
 वासवेकोमें ऊं सेखी करयुं पख आपकी जीवसाईकी वास
 वेखीमें वाषो ऊं आपके वासवेखीमें सेखी न करयुं ।
 ६ खोल ऊं साधी कथा केसूं इवेइ अर सेखी करयें पायो
 ऊं तोपिख डोका ऊं नही खेर ऊं सुसवाउंनुं का

- जाया कोई जको न्हारेमें देखे वा न्हारी वासवेलीमें सुणे इंसू मोटा मने जाये ।
७. ऊं उं मेरुखा चोडे ऊं वासवेलीमें नापसू बतो गुमांती न ऊं उं वेई मीठाका एक हलकारी अथवा डीलको एक काटा मने मारखवेई मने दीना गयो के ऊं नापसू बतो
- ८ गुमांती नऊं । इवेई उ न्हारेसू लेजाखवेई में तीनवार ९ प्रभुसू चीनती करो । छोर उ मने कथो के धारेवेई न्हारी छपा कापीने थारो निबलाईने न्हारो बल भरती दोनो जायछे इवेई ऊं मोकला राजी मनसू लेर आपकी निबलवा
- १० सं सेखी करसू के खोचको बल न्हारे उपर रेंसी । उवेई दूवलाईमें वा गोईमें वा थ्यारयतामें वा बैरलाथबमें वा खोच के वेई तोसीसमें ऊं राजी करर जायुं क्वीस जेविका
- ११ ऊं निबलोउं उहीवेजा ऊं बलीउं । ऊं सेखी कर खसू जेकी ऊवोउं थे न्हारे उपर बल कयोणे क्वीस घांसू मने प्रसंभा कयोणे सेखो ठीकने क्वीस ऊं कुहि नही सही तोपिख ऊं मोटा सिलेदारहलकारीसू कुहि
- १२ नांनोनही । सगला सेणमें वा लक्षमें वा आठेराकाम में वा घांघमें हलकारीका लक्ष थके बिचाले मुकर
- १३ कया गयाणे । ऊं सागी थके उपर भार देखवालो नणे उंके बिगर थे क्वीमें दूजी टोलीसू नाखाणे न्हारो
- १४ आ घामी माफ करो । देवे ओ तीजे बार ऊं धांकेने आंखने थ्यारउं तोपिख थके उपर भार देखवालो नही ऊंसू क्वीस ऊं घांने घांउ नही यख घांने क्वीस डावडांने माउ बाभावेई जमा करखो ठीक नही छेर माउ बाभावे
- १५ डावडांवेई भेजेकरखो ठीकने । ऊं थके उपर बिखो मोक खो मोटा थ्यार कबंउं उमें दूजा२ घोडा वाला थर ऊं तोपिख थकेवेई ऊंमोकला राजी मनसू थरथ करसू थार
- १६ थरथ कयोणेपिख ऊंसू । सो जको केमें थके उपर

- भार दीनो नहो जेर खांती खयर घाने दावसू कपडो ।
- १७ जोर आदमीने में घांकेकरे मेल्यो जे में कांई वांके कींकेई
- १८ बांधसू घांके कनासू क्वांहि लाभ कयो जे । में तोतसूकरे
 पायो वा उके भेलो एक भारने मेल्यो तीवसू कांई घांके
 करे क्वांहि लाभ कयो न्हे कांई एक मनसू न चला न्हे कांई
- १९ एक मारगमें नचाली । दूजोवार कउंनु न्हे जको घांकेकरे
 आपको उजर करांतां ये कांई आ मनमें ल्यावो जे न्हे
 खोएमें भगवानके सामा संगला कांतां जेर जे मोटेवा
- २० ना घांकी भवाइनेई न्हे संगला कामि करांतां । कोस ऊं
 डबंनु काजांखां ऊं जिसो देव्यां चाउंनु पीपर घाने
 तिसा देघणें न चाधुं वा जिसो ये न चावो जे ऊं पिख
 तिसा घांकेकरे देव्यां जाउं काजांखां घांके विघमें अदखी
 नकली वा विग वा रोस वा कजियो वा चाडीपबो वा
- २१ कानावातो वा उपसबो वा बेघी रें । खेर काजांखां ऊं
 खेर घांकेकरे गयापनें घांके विघमें न्हरो भगवान मनें
 काजामारे खेर मोकला आदम्यांभेई मनें बारर करयो
 घडसो के ज्यां अनें घाप कररपिख वांका कलोडा भिछ
 पखांसू वा सोघाईसू वा संगतसू वामबा न करया ।

१३ सरभो घानो ।—ओ तीजीभेला ऊं घांकेकरे जाउं
 नुं दोय तीन सायदीका मुंडासू चावेसो कथा ठावो ऊसी ।

२ न्हांमें खोएकी कथा केयको सावतो ये चावो जे के जको

३ घांकेकरे जिवला नउं जेर घांके विघाके वंका नें । इं
 नेई में ओ पैलडा घाने कयो जे खेर जिसो घांकेकरे पो
 तर केतो तिसो दूजोवार पैलडा कउंनु खेर अनें ज्यां
 पैलडो घानो करीजे वांकेकरे वा दूजा समजाकरेपिख ऊं
 विगरहाजर रेंर किवंनु के ऊं खेर जायर घांकेकरे
 • क्वा नकरयुं कोख वे जिवकाईसू दखवांखीउपर माखेर

- मयो सही तौपिख भगवानकी मुंडोसूं जीवतो जे जेपिख
 *उंसूं दूबजा जं खेर थाकेकनें भगवानको जको बख उंसूं जे
 ५ उंनं भेखा जीवतय भोग करयां । थे आपकी आप बोकि
 करो के थे प्रतीवमें जे अथवा नही आपनें परवो थे काई
 आपनें जायो नही अर थे अन्नगोकरखलायक नको तो
 ६ विमुखीए थाके विषमें जे । खेर जं प्रतीव करंजु के जे
 ७ जाखयो के जे अन्नगोकरखलायक नगां । अनें जं भग
 वानकनें याचना करंजु के थे क्युं ह घोटेकामि करोजे
 नही जे सरायोडा देके जावा सो नही खेर अर जे अन्न
 मा करखके लायकनें इसा जं तौपिख के थे घोवाकामि
 ८ करो । क्योस सापका बेर जे क्युं ह कर सकां नही
 ९ खेर सापकी भिर करंजु । क्योस जद जे निवला
 वा थे बलिया जे तद उ थाके आनंद थे जको साफसूफ
 १० जे आपिख जे चावांजा । उंईवेई थाकेकनें विगरहाजिर
 अयर जं आतिमुंजु क्वाजावां हाजेर अयर जं उं योचके
 माफक करंडीरोत करं के जको भलाईवेई खेर घोटाई
 वेई नही भगवान मनें दीनोते ।
- ११ जेवडे हे भायां थाकी मंगलीक को पूराधर्म को सुसात्
 को एक मना को अर्चिसक को खेर प्यार वा सान्तीको
 १२ भगवान थाके नैढो रैसी । निरमल वाको खेर एक
 १३ कोम दूजाएकसोमनें बनबा करो । सगला पुन्यवंत पुन्य
 १४ थाने बनबा करेजे । प्रभु विमुखीएको अनुग्रह वा भगवान
 को प्यार वा धर्माजाको मेळो थां सगलां उधर के । आमिन् ।

भावाविभांशमें पाउलु हलकारको कागद ।

१. पैलही यनि ।

पाउलु हलकारो आदम्योको अथवा आदमोका करख
 सूं सो नही यख धिनु खीठका करखसूं वा भगवान वामा
 २ का करखसूं के जीं उने मोतसूं उपायो और नारें
 भेजा भिता भाईं वैपख माकातोका संगली टोखीकई
 ३ कागद लिखें । भगवान वामासूं और मधु विनु खीठ
 ४ सूं अनुपख वा अलि धाके उपर के के जीं भगवान अख
 वा नाका वामाको मंगमाखक नाके हं बाटीदुनियासूं
 नूटावखनेहं आपने नाका पापवेहं दीने उणे रोभीन
 सुतो के । आमिन् ।

- ५ अं अठेरो मोगुं के जीं धाके खीठका अनुपखनेहं बुझी
- ६ या धे उंसूं दूजीमंगलीक कथामें इता वेजा अकारोडा ने
- ७ के अको दूजा नही खेर किताक लोगे के अके धाके कठ देवे
- ८ ते वा खीठकी, मंगलीक कथामें उधायाचावेते । खेर अथ
- मंगलीक कथा ने धाकेकने छंटेरो कोखाने उकेविगर दूजी
- कोई मंगलीक कथा अर ने अथवा अंसूं कोई हल
- ९ कारोपिख छंटेरो करे तो उ फिटकारमें पडे । ने जिये
- पैलहा कयो ने उहितरे अने अं दूजीवारपिख कउंनुं के
- अको आरे कखेते उकेविगर कोई मंगलीक कथा अर
- १० कोई धाकेकने छंटेरो करे तो उ फिटकारमें पडे । अ

- अबं काई आदम्यांनं अथवा भगवानने लोभ देवाकुं
 अथवा जं काई आदम्यांको राजोपख कखा पांउं
 कोस अर जं आदम्यांको राजोपख कखा पातो वे जं
- ११ खीचको सेवक जय सकतो नही। खेर हे भावी जं
 थाने गुदराउंउं के जके संगकोक कखा न्हारे बंधुं
 - १२ चोडे करी जायने वे आदमोका मनमाफक नही। कोस
 में आदम्यांकने उ जाधो नही और बिनुखीचको चोडार
 - १३ बिंगर उंमें भजाघोडे जवो। कोस गई समयमें विघदी
 यांके दोनमाफक न्हारी जका रीत ठो इको वासवेजमें
 ये सुखपायेणे के जं भगवानको ठोलीने वणी तावा
 - १४ वा बिगाडो। खेर न्हारे बडेरके चलखउपर मोको
 मोष्टी उधमी अथर बिजदियाके रीतमें आपका गोसमें
 - १५ न्हारे बरोबरीका मोफका लोगासू पूरो ठे। खेर
 न्हारी माउका पेटमें रेंयकोबेका जी भगवान मने न्हारी
 - १६ कयो वा आपका अनुग्रहसुं मने बुलायो उ जद आपका
 डावडाने न्हारे बिचले चोडे करणने राखी जे के जं दूग
 देभकल्यांमें उने चोडे कइ मोष्टिय जं मांस वा कोडे
 - १७ भेलो बिषार कयो नही। खेर जके न्हारे पेंलडा इ
 कारा ज वाके मेडो जं बिरअअममें गयो नही पख अ
 १८ देअमें गयो वा उकेपने फेर दमानेकमें गयो। उपमें
 वीन बरस गया पने पितरने देखबेई जं बिरअअममें
 - १९ जायद उंके भेलो पनरं दिन रयो। खेर प्रभुको भाई याअ
 - २० कूरबिगर में हखकारांमें खेर कोनेई देख्यो नही। जवा
 कथा थांकेकने जिधुं देवो भगवानके साभो जं कडो
 - २१ कथा जिधुं नही। उपमें जं सिरिया वा किलभिया
 - २२ देअमें खावो खेर यिअदाइ देअमें खीचको जका ठोलीगे
 - २३ वांकेकने जं मिलखसू बिगरअेलख्योडे ठे। वडी
 वा सुखोणे के जी लोग पेंलडा न्हाने घकाया ज उं खेर

जका रीत पैकडो नाम करीगे वा रीत अने छेरेो मौरवा
उंसू वा नारेंवेई भगवानकी सुतो करी।

- १ दूजो यानि ।—उंपरें चोई वरस जवां अं वाखे
बाभेलो यिदमलममें खेर गयो वा तीतसूर्नेपिख चारें
- २ लीनो । खेर उंनेला अं चोई चागासू गयो खोर जके
मंगलीक कथां में दूजादेनवाल्याकने छेरेो कबंडु उ
बानि गुदरायो पख वाकी नामीक जोगाकने खोर उ
पिख एकंतमें चोई कथो कथावांवां कोखीतरें अं निकमों
- ३ दोडुं अथवा निकमों दोडतो । खेर नारें भेलो तीतसू
कें जको यीक ऊयरपिख उंसू सुनत खोखको खोर कथो
- ४ भगयो । खोर विगरजांवां चारे कथोडो नकी भंयाके
वेई उ जवा के जको लुकायोडी ऊयर वई के खीरयिनु
में नकी जका नुठी उंकी सोभना करे के नानें सेन
- ५ में लेवो । ज्यानें वसधोखसू एक छडोपिख ने जावा
दीनो नही के मंगलीक कथाकी साधता थाके भेलो
- ६ रें खेर जके मानखलायक जोगाके इसा जांखखमें आया
कें अंतरें जवा उंमें नारो कंधि चोयो नीठो नही भगवान
कोकीईपिख वाडजोवेनें नही वामें जके मयादोकभरोयो
- ७ जो वा कथावांतासू नारो ग्यान कंधि बधायो नही ।
- ८ खेर उंकी नेरमें अद वा देखो कें त्रियो सुनथांभेलो
मंगलीक कथा चोई करयो खोखो पितरकने मलायोडी जी
- ९ तिसो विगरसूनथांभेई नारेंकमें ली । खोस जका सूनथां
कने हखकाराईवेई पितरके विधानें पोचवंतजे उहो दूजा
- १० देनवाल्याकने मेंमेंपिख पोचवंतजे । खेर याचकू वा
कारेप्या वा योचकू के जके थाभाइसा देखा मयाज वा
जके अनुग्रह मनें दीनो मयोजे उही अद वांयो तद मनें
वा वाखेबाके वारीसदीनासू श्रीमखोहाथ दीनो के नै

- दूजादेअवाल्यांकरने वा वां सून्यांकरने जावे वाखी वां देज
- १० करो के ने म्हायां लोगांने चितारां उपिख करतनेंज
 - ११ हिमववालोणे । खेर पितर आतिघोखमें पोतीपणे में
 - १२ सामोई उंको नेंर कथो कोस उ वामीदार खवे । कोष याअनुवर्के बनासू किताक लोगांके आवबके पेंलवा उ दूजा देअवाल्याभेकी जोम्यो पख नें पोवा पठें-सूनतो लोगांने
 - १३ बीबर उ नेहर एकत खवे । खेर यिजवांपिख उंके भेले तोत कथो उंसू वार्खवापिख वांका तोतसू वाखो गवो ।
 - १४ खेर नद में देघो के वां ठोकसू मंगलीक कथाको साव यखोईसी रीत करी बही में समजाके सामी पितरनें करो के तू यिजदो जयर अर दूजादेअवाल्यासरोवो रीत कठेंरे खेर यिजदो इलो न करेंते तो दूजादेअवाल्यांने
 - १५ कोबिई यिजवांसरोवो रीत करावेते ने आफेईसू यिजदो
 - १६ दूजादेअवाखी पायो नही के आद्रमी तौरेंतका कास सू सिबकथो न जायते पख यिजुखीएमें प्रतीतसू सिब कथो जायते आ जांखर नेपिख खीएमें इतवार कथो के ने यिजु खीएने प्रतीतसू वा तौरेंतका कामसू नही सिब कथो जावां कोस तौरेंतका कामसू कोई लोग सिब
 - १७ कथो जायते नही । खेर खीएसू सिब होखकी सोभना अर ने आफेई पायो जाखपावे तो काई खीए पाय
 - १८ को पाखबवालो सी बही । कोस में अको कोत्र गमावे ते उ अर अं फेर बयांउ तो आपनें दोखी बडेंतु ।
 - १९ कोस अं तौरेंतका करणसू तौरेंतकरनें मखोणुं के भगवांन
 - २० की सेवारें न काटुं । अं खीएके मेंलो हखवांकी उपर मायो गयो खेर अं वधुंतुं तो अं बही पख नारें निचारें खीए वधेंते खेर अं डीबमें बही जारी भोगुंतुं उ भगवांनका हावडामें प्रतीतसू अं भोगवुंतुं के बीं मेंतुं
 - २१ आर कथो वा नारेंनेईं आयनें दोने । अं भगवांनको

अनुपद निकमो कदं नही कौस सिद्धाई कर तौरेंतसूं
 देतें वो खीर निकमो मयो ।

- ३ तीजो यात्रो ।—ये डोफा गालाती यात्री साचता
 न मानखवेई काई याको मन मोथोनें के ज्याके विषमें हब
 बांखीउपर माथोडा यिन्मुखीर याके सांमो चोडे कयो
 ४ गयो डे । याकेकनें कं घाली आ यांयां चाउंउं ये काई
 तौरेंतका कामसूं आआ काघोनें अथवा प्रतीतकी कथा सुब
 ५ बसूं बाधेनें । ये काई इं तरेंका डोफा डे आआसूं
 ६ मांडर काई डोबसूं परवारें डे । ये काई निकमो यतो
 ७ कष्ट जाघोनें कर अनाइतोडी उ निकमोके । इवेई जको
 लोग बर्बाब करर याकेउपर आआ देवेनें वा याके
 विषमें अरेरिक्काम करेनें उ काई तौरेंतका कामसूं
 ८ अथवा इवीनकी कथा सुबबसूं उ करेनें । विषो आब
 रहाम् भगवाननें प्रतीत करी वा उ सिद्धाईकेउधि
 ९ हारे उकेउपर गिष्ठा गयो इवेई जांखयो के प्रतीत
 १० करखवाला आवरहामुका डावडाके । भगवान जको प्रतीत
 सूं दूजादेनवाल्यानिं सिद्ध करसी धर्मयथ आ पैखडा
 नाबर पैलडोवेकामे आवरहामुके आ कथा केर मंम
 कीक कथां छंटेरो कयो के तेंसूं सगला देनवालो आजीव
 ११ साधसी । इवेई प्रतीतकरखवाला जके वे प्रतीतो आवर
 १२ हामुके भेखो आजीव जाघेनें । तौरेंतका कामका उब
 अठ विता खोम तिताखोम फिटकारके आधीनें
 कीस डो विषोनें के तौरेंत चोपडोमें अकेर विषोनें उ
 करबके जको खोम रोखीना खेखोन व रचे उही चवेसे
 १३ लोग फिटकारको याखोडेनें । खेर तौरेंतका कामसूं
 काईपिब भगवानके करबा सिद्ध कसा जायनें नही इवे
 १४ सावतेनें कौस सिद्ध यतोतसूं नबसी । खेर तौरेंत

- प्रतीतके उलमबने नही लेर जको लोग उ काम करेते
 १२ उ उंसू बचसो । जोरु न्हिके एवजसरीको फिटकार
 साधर न्हिके तौरैतके फिटकारसू बुटकारो कयोने कौंस
 विद्योने के जको पावेसा लोग बंधउपर टयो रैते उ फिट
 १७ कारको याथोने के आवरहामको जका आमोष उ यिमु
 जोरुको नाइसू द्वादेमवात्या लोगाउपर आवे जोर
 १५ नेपिख प्रतीतसू करार कयोडी आमा जाधे । हे
 भायां जं आदमोसरोको कउनुं बाकी आदमोको सरतंत
 पर के तो उ ठीक कयोडा जवांसू उ निकमो करे
 १६ नही जोर उंसू कृहि बतोपिख करेते नही । आवर
 हामकने वा उंका डावडाकने करार कयो गयो उ डावडा
 कने मोकजा बचनसू कयो नही लेर एकबचनसू धारा
 १७ डावडाकने अथवा जोरुकने । जको सरतंत भगवांन
 के करारसू ठीक कयो गयो ते उंका चारसो सोम बरसा
 यते उपखोडा जका तौरैत उ जीसू करार निकमोके
 १८ तियो उ सरतंतने निकमो करसके नही । कौंस अर
 तौरैतका उकराससू केठार मिले तो करारसू उ जको
 नही लेर करारसू उ भगवांन आवरहामके दोना तो
 १९ तौरैत कावेई वा आग्या साधबने जको उं करार ठैरा
 थोडा डावडाके आबबतोडी पिगडी दीना गयो जोर
 इलकारसू एक लोग बोचवांनका साधसू भाजायोडे ते ।
 २० बीजवांन एक लोगको केते नही लेर भगवांन एकते ।
 २१ तो तौरैत काई भगवांनका करारके बंद सो नही कौंस
 अर जीवतय देबवातो तौरैत दीनीडी रैता तो मुकर
 २२ तौरैतसू सिख कयोडे जयो । लेर धर्मपिंधमें संगला
 लोगाने पापके आधीन करर बुंघोने के यिमुजोइमें
 जका प्रतीतते उंका उकराससू जको करार उ प्रयो
 २३ याने दीना जाय । लेर प्रतीतको कथाके आबबके पंचवट

हे तौरेंतके आधीन ऊपर चौडे देखहार प्रतीतके देख
 २१ तोडी जगाना । इबेई खोष्ट होखतोडी तौरेंत नाको भखा
 २५ वखवाको जे के हे प्रतीतसू सिद्ध कया जावा । पख
 प्रतीत आयांपणे हे भखवालाके आधीन और रेंवांगी
 २६ नही । क्वांस खोष्टयिमुउपर जका प्रतीत उंसू ये समज
 २७ भगवानका डावडा ऊवाणे । क्वांस घाके विधने जित्त
 लोग खोष्टमे दुवोडा जे तित्तालोगी खोष्टने पेंखोणे ।
 २८ यिऊदो नही यीक नही बंद नही नुटा नही मोठ्यार
 नही जुगारं नही क्वांस खोष्टयिमुमे ये सगळा एकी
 जे और अर ये खोष्टका लोग को तो आवरहामका
 डावडा वा करारमाफक कोठारी जे ।

१ चोघे पाने ।—ऊं आकथा कउंनुं कोठारी जित्त
 दिन डावडा रहें तित्तदिन उ सगळाको धखी ऊपर
 २ पिब घाकरसू क्वांस आंतरो नही । पख बाभासू निखें
 क्खेणोडी रीत पूरोहोखतोडी गुरुके वा धखीके तावें रेंने ।
 ३ तित्त्या हेपिब डावडाईकी रीतमें संसारीके कामके सुध
 ४ के ताके गोलाना जेर रितको भराव ऊवांपणे तौरेंतके
 ५ आधीन देखवालाके नुटकारो करखबेई भगवान लुगाईसू
 लुपजो वा तौरेंतके आधीन कखो गयो आपका डावडा
 ६ ने देखो के हे पाछोफड डावडो लाया । ये डावडा
 ऊवा इबेई बाभोर केर बुजावेंने जको उंका डावडाकी
 ७ आका उने घांका मनमे भेल्योणे । इबेई अवाहंसू तू
 और गोको नणे जेर डावडो ऊवोणे और अर डावडो
 ८ ने तो खोष्टका वाहंसू भगवानने कोठारीने । उंकेवा
 ये अद भगवानने न जाखर जको सांचे भगवान नणे वाकी
 ९ पूजा करीने । जेर अवे ये भगवानने जाखोणे पख
 भगवानसू जानकारणे वन जीं निवका वा निवमाके केवा

- वतसूं ये गोखानें जहां घाघोणि उंकें पिछागीर ये कुं
 १० फिरोजे । ये कदेक वा मास वा बेजा वा भाख मयो
 ११ जे । घाघो फायदामें जं डबडुं काजावा में घाघेवेदे
 १२ जका मेंनत करीजे वा निकमीके । हे भाई जं बीबती
 फडडुं के ये नारा साधनीं को कीस जं घाघो साधनीं
 १३ नुं ये नारो खुदि बिगायो नही । ये जाधोणे हें
 येवडा में डोकको निवजाईसूं मंगलीक कथा घाघेके
 १४ घाठे करी नारा डोकमेंपख जहां परघोणे सो ये निवमो
 कर नाखो नही खीर बिगरखीरे कयो नही खीर मम
 बांनका एक हवकरा हसे पख सांगी खीर विमुसरीके
 १५ मनें कोनी । इवेई जो आनंदको कथा ये उंवेजा कयो उ
 आनंद कठें कोस घाघो घासवेकोमें जं साधवी देवुनुं
 के अर आख्यां योखदेख सके तें आपकी आख्यापिब
 १६ उपाडर मनें देवे । घाकेकनें साधी कथा में कहीजे उंवेई
 १७ काई जं घाघो बेरो जवेलुं । वे घाकेकनें मोटो प्यार
 देवालेंजे सही जेर चौधीतरें नही वे नानें बारबें कथा
 १८ पख न घावेजे के ये घाकेकनें प्यार देवावे । घाके वेडो
 नारें प्यार होखकोबिलामें घोषाकीमनें प्यार होखो ठीकजे
 १९ घाली को नही पख रोजीनापिब ठीकजे । हे नारा
 मांनडावडा के जोसूं खीरको निकल घामें उपजावयो
 २० ठो जं दूजावार आघान होखकी योड पाउंनुं । जं घाके
 कनें पोखर दूजोतरें कथाया कथा पाउंनुं कोस घाका
 २१ फायदामें मनें अदेह जे । ये अर तौरेंवकें आधीव
 २२ जवा घावेजे मनें कहे ये की तौरेंत सुधी नही । कोस
 को लिथोनें के आवरहामका दोख डावडाज एक खोज
 गोखीका पेटको उपज्योडे वा दूजा बडका पेटसूं उप
 २३ ज्योडेजे । जको खोज गोखीसूं उपज्यो उ डोकका मव
 सूं उपज्योणे जेर बडको डावडे करारसूं उपज्योजे ।

- २० यो रव यदयोते योस यो दैत्युं सरसंयते येकस्य योवादे
- २१ करववासा निवर्त यस्वतको सरसंय उडे आकारा । योस
- यो आकारा करवो देजयो निवर्त करवयते योद ययो
- यने विदमयम् मेयो निवेते ये जने वावडा समेव मोवा
- २२ हेमेटे । केर ववा ही सगवाही माड उपरयो विद
- २३ जयम् न योयोयोते योस दयो वियो ययोते ये हे
- विमरवाधानी याम् यू राजो ये हे विमरवयो यू
- माठायुं योस उपड योस विमवाकुगारकी वावडे
- २४ यामिन कुमार्देका डवडासुं यो । यवे हे भायां वियो
- विमवाकुगे वियोदे करारसुं उवयोडे वावडे ये ते ।
- २५ केर यियो उ रीयने ययो योस योसमायव ययोते उ
- योस योसमायव वावडाये यवयो उयोदे यवे हे ।
- २६ यव यमयंयने योरे येते यववा सुवा मेयोवे वाडवे योस
- योयोथा यवयो यउवा यववा मेयो योयोरी ययो यही ।
- २७ देवेरे हे भायां ये योयोका वावडा यही यव यउयो
- वावडा यो ।

१ योचयो योति ।—देवेरे यवा तुट देर योड याने
 तुडायाते उमे निवय यो केर योवादेये कुवडासुं
 २ योद यडको ययो । हेयो यं यउयुं याने या यवा यउ
 तुं ये यर ये सुमयो यो यो योडवी योसुं याने
 ३ योधि यव ययो यही । योस यं यवयो देवुतुं ये
 यवे यो योमयो सुनय येते उ योस योरेययो यमयो याम
 ४ यववायको देवदारते । योति ययो योरे योरेयसुं
 यिव ययो यवते उमेयने योड योचयो योयो यमुयव
 ५ सुं यड यो । योस ययोयसुं ययो यवाये येते उयो
 ६ यरेयो ये ययो यवायो उ योवासुं यवाये । योस

- यिसुखोष्टमें सुगत कुंदि नदी सुगत बकरबोपिब कुंदि
 बशी केर प्यारसू काम करवालो जका मतोव बाई
 ७ समझी । ये बोबा दोबाना सही धनि सपमानबको
 ८ विगाड दिब करो । जी धनि बुबाया उंसू आ आसा
 ९ नही । धिनसा गोबो समझी बोदाने बाढो करेते ।
 १० मभुका उकराससू बाकेउपर मने आ प्रतीबते के धाबो
 मन दूजाकागो न पेरसी केर नको लोग धाबो बह
 करेते उ बोई लोग को उही लोग व्योतमें आयको यब
 ११ धाबली । ये भाया अंधिब पर सुगत करबी मबाउं
 तो अठ गोबो दुसमबो की बाधुं उ बैबसू कुपकी
 १२ बासवेजीकी बाधा अलगी करी जावते । नारी बचते
 १३ के के पैसाक के के बको धाबो मन अदावेते । कोस हे
 भाया ये नुटोवेई बुबाया गयाना सही यब डोखका
 बीठाकांमवेई नुटकी रीत मती करो केर प्यारसू रब
 १४ लोग दूजाएक लोगकी सेवा करो । कोस समझी तौदेव
 रब बधासू परवादेते वा कया आ के आयके इहो आय
 १५ वा चाराकांगीका लोगने प्यार करो । केर पर धाबे
 रब लोग दूजा रब लोगने बाढो वा बाव धाबो तौ बिने
 बाव के आजाका यब लोग दूजाएक लोगने पैसाकमें लिखो ।
 १६ इवेई अ आ बडंनू आजासू रीत करो तो डोखकी रब
 १७ परवारयो नही । कोस आजाका नेरमें डोख कसी आवेते
 वा डोखका नेरमें आजा करवा आवेते के दीसु आयसमें
 १८ नेरते उमें ये बको कया आवोते उ करी नही । केह पर
 ये आजासू बबाबोका रो तो ये तौदेवके आधीन बने ।
 १९ धने डोखका काम पोवेते उ को परलोगमन नारी
 अडता संगत देवपूजा बीसोका नेरता भगडे सेबो
 २० रीत नेर मसानकीकरबी अथम्मे दुजबी बधा मसान
 २१ यती मतरमकी इजादि जीके आयदामे पैसाका आवेते

६ पांचमो पांचो जाजातिवाकने पाठकनी कायद । ११३

चिथो जं अवे घाने जबाउंठुं वे नवे इंतरेका चान करे
२२ ठे वे भगवानके रामको कोठार न बासी । खेर चाभा
का फल से म्यार चांगंद सहा मोषका दिनतोडो सेवे
२३ गीलो दिव भजाई प्रतीकययो । सेवमाफक रीव करयो
२४ इवेरमें कोई चाभा नही । नके खीटका बोग वा इंधा
२५ वा संगतके मेका खीटको अलवायो उपर भासोते । ने
अर जाकसू नचांगी तो चावे चाभामे रीव करा मे
चापकी प्रजसा करबवाजा नही एक बोग दुभायक बोग
२६ ने रीसठ करबवाजा वा एक बोग दुभायी विजाकरब
वाजा नही ।

६ ठठो पांचो ।—वे भावा अर कोई जजावयकरे
दोपमें पडे तो चाके जको घरमार्थे चाजांका चापयिब
कीमत कयोडा के जो ध्यान करर गीवासुमावसू इंतरेका
२ आदम्याने फेर घोषा करी । एक बोग दुभायो भार उ
३ बलो खोर इतरे खीटके जाकयो चान परबारा । खीस
अर कोई क्विचि न ऊयद आपने मोटी करर गाडे उ
४ बोग आपने पेच देवेते । खेर चावे तो बोग चापका
चानको साबती देवे तद खोर खीटो बोगसू नही पब
५ आपसू चांगंद पासी । खीस चावेनी बोगने आपकोर
६ भार उबयो पडयो । नको बोग कचासू भजायोते उ
ही बोग भजाववाकने समकी घोषी कचासू चिनसार
७ देवे । ये भरममें मती पडे भजावन भुजायो जायते
८ नही जको बोग नकोर वावेते उ उंकोर पक पासी । न
को बोग डोबनेदे बीन गावेते उ डोबसू विजाणीफक
पासी खेर जको बोग चाभावेदे बोग गावेते उ चाभासू
९ अनंत आठवायो फल पासी । नेपिब घोषेकीम करब
वे न चकर कींअ अर न चावां तो वेजाविर फल काइ

- ५७ जी। इधेदे जावो विधी बाये ठाकपीउं विधी जगतीबाये
मंगलीच करी विजेव इतवार वरववावा साधनीचा ।
- ५८ जीवेवेवे अं जावका हासुं विधी मोठा बाजद विध्ये
५९ उं होर ये वेवेवे। जिता जेज ठीकवा हासुं मोठा घर्मी
बाजीच जवो बावेउं वे वच वरद बायो सुवत वरुंउं
जाजुंवा जीउका मुजको जावनीं जेजसुं मवा दुसमवा
६० वे बावे बाकी हो । जीत जे सुवत करी मई उं
वे होवेवेवे बावे वही वच बाका ठीकने लेवी वरववेदे
६१ जेवि वे सुवती हो या बावेवे। होर उ जवे वे प्रभु
विनु जीउने वचवतीविजद जोर बावेवे लेवी वर वे
जीतुं जेसाद बावेवेवे जेयो जेवेवेवे वा अं संवारवने ।
- ६२ जीत जीउ विनुने सुवत मुधि वरुं वही विजदसुमवा
६३ विज मुधि वरुं वही वच बाकी मवीउपव । जिता जेज उं
जाजुंवावेवे रीव वरुंउं जीवे उरद जोर मजवावेका व
६४ मज विजरावेवेवे उरद जति वा जवा वे । जवावेवे
जेवे वेवे विरावी मजवे जीव अं प्रभुविनुकी जेजव व
६५ वेका ठीकने उववुं । वे जवा प्रभुविनुकीकरी जनु
वच बाकी जेवका जेवकी हो । बाजिन् ।

बाउबू वनो बाउबू दकिजिवाकने विन्ही लीको ।

१ वैलको संको ।

- १ भगवानकी बचसुं विमुखीहकी बचकारो बाउबू एके ससुपा रेवपाका निर्मल सीमा वा खीह विमुने विला वली
- २ वी चोत ते वकिंके बागद विवेते । भगवान वरका बागसुं वा वनु विमुखीहसुं अनुग्रह वा भावि वाके उ
- ३ वर के । वावो वनु विमुखीहकी भगवान वा वरको के के वी विन्ही वंकारको नीव देकेने वेंकडा वाने खीहने
- ४ वन सरावसुं के वी निर्मल वा बाउबू उके खाता विगद वानो वा विन्ही वरको वासवेनीमें खीहके वीहसुं वन
- ५ वी परमावकी कधीव हेर वाने खाजीव दीनीते । वा
- ६ वी बावका वी अनुग्रहसुं वाने वरद वीहसुं वरदे कया उके सुतोको वरकाके वेदे बावका नवको दचमाकव वावोवड डाक्यापयो वावके वारव वाने विमुखीहका
- ७ उकरासुं बावकेवेदे वेंकडा विन्ही कयाते । वी वासा सुं वे उका जोरसुं उका अनुग्रह वनके माकव मुक्त वच
- ८ वा वावकी मुठकारो बावोते । वी अनुग्रहसुं उ वन को वचव वा वान वकिं उकर नीकलो निन्ही दीवार अ
- ९ वेते । वी बावका भवने वका वच विन्ही वरको वा वा वेंके मुदरार्द उके माकव वावका दशाकी वावोवडी ।
- १० वचवा के वेवाके भरीदुरी वेवके वडवीवके उ वरके वा वरतीसुं विन्हा वसु वाने खीहने वेंको वरसी वीने

११. येपिब वे नको आपवे मयवे सखा साफक समखा चाम्
करेते उंभीमगी पैसडा निखे जयर बोठार चाघोने
१२. वे खीडवे पैसडा सरबागत वे उंको खुवीको करीकनेई
१३. ते भीमे येपिब सापताको कथा अथवा थावे उबार देव
वाचो मंत्रखीव कथा सुकर सरखो बीनेते भीमे ये
कथापते उं करारकरबवाका इभीका उजिहारे जपसु
१४. प्रतीव जोखेडा ते वे नको उंको खुवी वा तारीकवे
साफक उं जोखेडा बोठारका नुडकारतोडी कावे बोठा
१५. रको भारतेते। इवेदे प्रभुविभुमे चाकी कथा प्रतीव
१६. वा समखा युयवीवाउपर नको प्यार को सुकर नं आप
की वाचनाकोवेका चावे नाव खेर चावेवेई खुतो करबवे
१७. तेडू नको। वे कावे प्रभु विभुखीकवे भगवान अथवा
खुतोको वाभो खीकवा जामसू जामदाका वा जोडे साठई
१८. वे थाने देवे वे चाकी अकसरोवा चाप्या चाखखो कवा
थते ये चावे वे उंका पूजावबसू नको भयेको उ भरेई
से काई दूजापुनवान खोगासू आपका केजारकी
१९. खुतीको माया उ काई। नके समखा मोटा बखियां
खीकवे पिचावे जोडे कथा उं माफक इतवार करबवाका
मवे वे कावे उपर उंवे पीपकी मोककी मोठी वपारई
२०. काईरे ते खोर खीकने मोतसू उपाडबसू वा समखो
राज वा बज वा सामथे वा बखियाथ वा ई संसारने
२१. वाको नही खेर चोखवाका संसारनेपिब नके चावेखो
नाव कथा नाते वा समखासू मोकका उंका कर्मकी जामने
२२. आपवे मोखो उंवे वेठायो खोर समखा उंवे पनावे
भीवे कथा खोर ठोखोवेई उंवे समखावे यकी होखवे
२३. निखे कथाते वे नको उंको डीव अथवा नको समखावे
समजा परवारतेते उंको परवारकी।

- २ दूजोपागो।—घोर घनिं उं जीवता कखा के जका
- १ आम्हा जांखसूं वा घायमें मखाजा के बीमें से पेंखडी
 बेकामे इ संसारकी रीतका माफक आकाजसरीयो बख
 की राज अथवा नमानबवाला डावडामें काम करबवाला
- २ जका आभा उंके माफक से आचार कखो । ज्यामें
 डीलकी वा मनकी दब परवारबवाला ने पेंखडा आयका
 डीलके कामसूं रीत करी वा दूजार बीगामें इसा आब
- ३ वा सुभावसूं बजरायके आयक डावडा ज । घोर भगवान
- ४ के जको जपासूं मायावांनते आयका जको मोठी जपासूं
 जामें सेह कखो उं सेहसूं ने जीवेका घायसूं मखा
 ज उंइवेका खीटके भेला जामें जीवता कखाते अनुयह
- ५ सूं घाकी उबार । घोर जामें भेला उपाखोते वा खीट
 ६ विजुमें खगकी जागामें जामें भेला बेठायाते । के
 खीटविजुकी वाहसूं उंकी जका कया जामें उपरते उंसूं
 होबहार समयमें आयका जपा उखिहारें मोषकी मे.टि
- ७ माया पेडे बदे । कोस पतीतसूं से अनुयहसूं उबार
 कखीजे उ जतीत आयसूं नही घोर भगवानका देखासूं
- ८ कामसूपिब नही आबाबा कोर सेपी बदे । कोस जामें
 रीतनेई जको जीवोकाम पेंखडा भगवान निखें कखीजे उ
- ९ घोषोकाम करबवेई ने खीटविजुमें उपजर उंकी कखीडी
- १० बखते । इ कारब पितारो के हींसूं कखीडी डीलकी
 इतरें आदर्यामें विख्यातडीलकी जका सुतन उंसूं विगर
- ११ सुतनसरिया डीलके दूजादेजवाली जके से पेंखडा पुजमें
 ज उंइवेका से खीटविना विजसुयकके बरोबर कोठारी
 बडासूं अलगग खोम वा करार उखिहारें सरतंविगार वा
- १२ विनाउमेव वा भगवानविगार खोम संसारमें ज । सेरपे
 लडी पुजमें अलगग रेंखवाला जके से जे अने से खीटविजुमें
- १३ खीटका कोरसूं नेडा ल्यायोडाजे । कोस उही जामो

- मिजाव वें जी कजा करर बापके विषमें दोयसू एक नवी
 १६ कररनी कररवेदे और मुम्में उकराससू उं नैरने मार
 बाहर खेई उकराससूपिड दस हिससू दोयसो भगवान
 १६ मेजे मेव कररवेदे आसवा डोयमें उं नैरवाने कसक आसा
 सू येयो कपडोडासरिवो आसा दोरेवने कस करर
 दोयने एक कसाउं और गारा कररवाको विषाकी भीव
 १७ भांजवावीने। और आयर कसमाया देववाया बावेवने
 १७ वा नैवायाया बावेवनेविष मिजयो छेरेो कखेने। कीस
 उंको वाहसू वध्यावने एक आजाते नई दोयने मीक
 १८ का मारगने। इनेदे अने से दूजे गारो माव का करदेजी
 २० नयो ने और पुन्यवागके एक गारके क भगवानके
 कविता जोन वा विमुखीए आयो कीसयो पुर्वो अवर
 कसकारा वा निमित्तियासरोवा, मोववा अवर कांठ
 २१ कयोडा ने। के जीके विषमें समझि नैवावत ठिक
 मायव सांठज वर वभुमें एक निमैक शिराके देविवाए
 वधा वा जीके विषमें से पिय वसैकाके उकराससू
 भगवानकी रहसि एक आमा होखवेदे मेवि सांठ कयो
 डाने।

३ तीजे धरयो।—इनेदे दूजादेववाको बावेवेदे क
 १ पाउल विमुखीएको बदिवाव नुं। कीस बावेवेदे नुंकेके
 भुलाई भगवानके कनुपहसरीयो कसा दोनोडी सेवाकी
 २ कथा ये सुखेने के उं चोरे करर जो प्रंत विजय अने कसयो
 ३ और विखो में येसडा चोडे विखो वा जीका भवक
 सू खीएका तंत वासवेकीसू गारो नये आन उं मां
 ४ सकयो। के अने आजासू उंका पुन्यवत कसकाराके
 वा निमित्तियाकने विखो कने चोडेने विखो और समवने
 ५ आदयाकने चोडे नये। कसवा के मंगखोड अजासू

- दूजादेजवादी कोठारका साधो वा एक बीबका बबिका
 वा खोचसू उंको जकेर करारने उंका अरोक जसा ।
 ७ जीको एक सेवक ऊं भगवानको जके अनुग्रहसरीयो दान
 मने दोनो गयेने वा उंका बबका फायदावंत करबसे
 ८ पिब उंके साफक बखो गयेने । सगला पुन्यनासासू
 जानि जको ऊं मने जो अनुग्रह दोनो गयेने के ऊं ग्याव
 के बारबे जको खीचको धन उ दूजादेजवाल्याकने छंटेरो
 ९ कर । ओर विमुखीछने करबसू सगलाने उपबाया
 श्री भगवान उंमे संसारके ठेटसू जको तल पाबोकड ये
 लं पाबोकड करारको जको बराबर पिराड उ सगला
 बोजाकने दिवाबसरीयो जको सोधो वा जयापिब
 १० मने दीयो गयेने । वा न्हाका प्रभु विमुखीछने जको
 अनसनेम भगवान बखोने उं माफक भगवानको मोखली
 ११ यरेको ग्यान टोखीकी बाहसू सर्गको जागाको राज वा
 १२ योचकने अने गुदरयो जाय । जीको वासवेलीमे एक
 बारकेपिब उबराससू ने बिडर वा ध्यावसू समि
 १३ नाचको कोठार जाघान । उं थाकी बडाई अथवा
 थाकेनेई नारी जको कड ये उंसू न थकी अर
 १४ कच बसंनु । इबिई नकिं प्रभु विमुखीछने बाभाके
 १५ नेडा ऊं गीठो गाडुनु । के जीका नावसू सर्गका वा
 १६ घरतीका सगला अविजा असिबने के उ आपकी
 खुलोके मायामाफक आपकी आमासू मांवाका बडेराके
 १७ योचसू बलवंत बखोडा होबने धामे देवे कि प्रतीवसू
 १८ खीच थाके मबने वसे ओर थारे पारसू जडजने वा
 १९ काठी नीवकयर सगला पुन्यना भेला समभवसको के
 खोपब कितो वा खोडापब कितो वा उंठावब कितो
 वा उंचययो कितो वा के थे खीचको प्यार जाबो के जको

मानसू मोठोठें खोर वें भगवावका भरोपूरोप्यसू घे
 २० भसाधूसू को । खरें बी न्हकें विचारें आपकी कायदा
 वाको योचवें माकक न्हकी चावबासू वा पिंता करबसू
 २१ मोकका बत्तो करयनें योचवान्ठें उकें खोदविभुके उकरास
 सू समखा योठिपोठि अमन्त बेलापोडो टोखोमें सुतो दे ।
 आमिन् ।

- पोधा यागे ।—खरें जं वें अकी प्रभुको बंदिवान
- २ घासू गोवयो कबंठुं वें ये समखी बीबबी वा बीखार्द वा
 मोकका दिन सेंर आपतमें प्यार सेंखवाका ऊयर निगर
 - ३ हेंरकी डोरीकी बंधससू आभाको एकतरद बेजत करयवें
 उचम करर ये जी बुलावससू बुलायोडा ने उ बुलावक
 - ४ सावक दीव करबनें देनगो करे । ये जी बुलावससू बुला
 बोडा कवागे उंका एक अरीससू घे जिखा बुलायोदाने
 - ५ वियो एक डोव वा एक आखा वा एक प्रभु वा एक प्रतोव
 वा एक हुबो मारवो खोर सगकोसू उंचो वर संगखामें
 - ६ पसयोडो वा घी समखीके बिचमें रेंखपरवो सगखीको एक
 - ७ भगवान वा बामिठें । खेर खोदके दानके प्रमांनमाकक न्हकें
 आवेंजी खोत्रनें सपादीनी गरंठें कोस उ केठें वें मद उ
 उखरमें उपयो वद उ सुठनें सुटायर खेजयो वा आदखीनें
 - ८ दान दीगे । उ उंवर मबो उंको उंकेविगर काई अरंठें वें
 - ९ उ येंखडा घरतीके बिचकीदि निजी नामामें उचयो । बको
 उचयो उ उंची खोत्र वें अको सगखामें घरकारबेई
 - १० संगखा सगसू मोकका उंचामें उंचा । खोर यूधवंव
 कोमकोत घरकारबेई वा सेवके कान्ठेबेई वा खोदवा
 खीचवें घरकारबेई उं कित्तक लोग हलकारा वा कित्तक
 विमविया वा कित्तक लोग मंगखीककषी केववासा वा
 - ११ कित्तक हवासा वा भयववासा दीवा । वें ने सगखी

- १२ बसू जदतोडो पूरा आदनी अथवा खोडका, पूरापयकी
- १३ लावारको प्रमाळ नकाधे के के इंपते डारडा न का और
- आदमाको जको भूजावि वा पोटी अकबसू के भुजावदेकेने
- जियाघोडा रेते उंतू चावेसो भजावके सरौवा वावरासू
- १४ उंधोसुंधो न कुं । यक जको माथो अथवा खोड पाका
- १५ प्यारमें साधो कथा चेंता२ सनखीवरेंसू उंमें नधे के
- जीसू सगला डोव ठोकमाफक जोडो वा चावेसी गिर
- १६ हका सरतंत करबसू उ चावेसो विराड आपके प्रमा
- बसू आपको२ नाम सिम करबसू प्यारसू आपके पग२
- १७ वधावखनेई डीकने वधारेंते । इवेई अं प्रभुसू कउंउ वा
- उंको सावतो देवुंउ के के इंपते और दूजादेमवाल्या
- इसो रीत न करो के जके आपका मनका वाखीप्रबसू चाके
- १८ ते । वा वाकी बुज अंधारासू भरर आपके विचमें
- रेखवासा अंधायबासू वा अंधायका मनका डोकाईसू भग
- १९ वांनको जोवतयसू खिवरविषर चेंते वा निप्रवोध अवर
- मोक्का काळयसू सगलो भिवटकाज करवने सोघाई
- २० सू आपने भजाधीते । और पर के उंको हवाक
- २१ सुधो के वा यिअने जिती जातरते तिसी उंकी वास
- वेलीमें ताकीम अय र्हो सो के इसा खोडने नई
- २२ सोधोते । और पिब कउंउ के पेंडडाको चकके जके२
- २३ के उंकी वासवेलीमें उ कपट अमजावा माफक मेके देदा
- आदमाके तेडे वा थाका मनका चकवसू नको कथी
- २४ जको । और के नको आदमीने पेंरो के जको भगवांनके
- २५ सरौवे वाघार्थ वा साच पुन्यमें उपखोते । इवेई के
- कडीकथा केखी तेडर चावेसो लोग आपके२ चारा
- वाजी रेखवाखने भेला साधो कथा कही कीस ने
- २६ आपवमें अंगते । के रीसमें अवर पाप मतो करी थाकी
- रीस रेवा सुदज अख नके और मोहाके जमा मती

- २७ दीर्घो । जो लोग चोरी करोते उ खेर चोरी न करे
- २८ खेर बल आपका हाथसू मैलत करर चोकेमैम करे
- २९ के म्याराने देवने उके कुंइ बरती के । कोई जेठी कथा याका मूंडासू न निकले लेर सुखबकालाको फायदे हासू के इबेई धर्मबधरबकली जका कथा सो कहो ।
- ३० भगवानके धर्माखाने जैकवान मती करव्या के जोसू के
- ३१ मुत्तकरवके दिनातोडी गपसू चेषोडा गे । सगली मारी कथा वा बजराव वा रोस वा भगडो वा बीठोकेबो कर वा दुष्टपयो हासू अलगा के । खेर आपतमें यार वा आपवान को जियो खीष्टकेबेई भगभान धने माफ कयोते विधा के आपतमें माफकरबकथा को ।

- ५ पापनो पानो ।—इबेई वाका डावडाईसा भगवानका
- ६ पिनाडिवाकनवाका को । खेर जियो खीष्ट नाने प्यार कयोते वा एक उपसंगे वा बलीदान भगवानके सुमंड बलासरोयो आपने नानेबेई भलायोते तियो धेपिब
- ७ प्यारकी रीत करो । लेर साधारं वा सगला बीठी काम वा लोभ जियो पुन्यनानाके विचाले के सगली कथा न केवी ठोकते तियो एक बारपिब चाके
- ८ विचाले आ कथा न कही जाय । खेरपिब गैरबोब वा मसकूकरीकी कथा वा हासकी कथा ठोक नही खेर
- ९ सुती करबो ठोकते । जोस के जाखोते के खीष्टके वा भगवानके राजमें कोई अतरवाज अथवा सोधो अथवा लोभो के जको देवपूजबवाला लोगको कोठार
- ६ मते । कोई निवामीकथा केर धने नभुलावे जोस की सगली कामसू भगवानको रीस न माबबवाका
- ७ डावडाउपर आवेते इबेई वाके भेला सरीकी मतीको ।
- ८ जोस कुंइ दिनाके पबडा के अंधारणे पब अवे प्रभुमें

- ८ पांचनी उ इंसुं प्रभुमें आरे करबके कामको साईंदी
 १० देतार पांचनीका ठावडाके इसा चलो । कोस आभाबो
 ११ सब सगळी भकारे वा सिबारे वा साचमेंते । अंधारा
 का निबमकांमके मेका खुदि लगवाउ मती करो केर
 वने भडो । कोस जको लुकोडो जांगमें वंसुं बरयो
 १२ जावते उको बेबोई काजको कारबते । केर जको निगर
 १३ ठोकेते उ पांचनीमें चोडे केते कोस जको चोडे करेते
 १४ उ पांचनी । इबेई उ केते के हे सुतोडा जाय मेतसुं
 १५ उपड और खोच तने प्राणनी देनी । घोरौ घोटो जवो
 ते इबेई निषेवान के ये डोफासरीया नही केर बुदि
 वानसरीया घोरौ फाबदावत करता सावचेतीसुं चलो ।
 १६ इबेई डोफा मती जव्या केर प्रभुकी राजीपब कारेइ जो
 १७ जानकार को । और दाब के जीसुं पगर बतो पीबयोते
 १८ उने पीबबसुं मसानी मतीजव्या । और गीत वा
 १९ सुतोकी गीत वा परमार्थकी गीतकि कथा करताइ वा
 गावताइ वा आपका मनसुं प्रभुके उपर राजि करताइ और
 २० हाके प्रभु यिभुखीचका नावसुं सगळी बखबेई भगवान
 वा वाभाकने सुती करताइ आभांसुं भयापूसा को ।
 २१ और भगवानका बीहसुं आपतमें आघाकारि को ।
 २२ हे सुगाया ये जिसी प्रभुके आघाकारी को तिसी आपकार
 २३ थकीकी आघाकारी को । कोस डोखको तारखवाको खोच
 वा जियो उ टोलोको माघोते तीयो थकी सुगारके माघो
 २४ ते । इबेई जिसी टोकी खोचके आघाकारीते तीयो चवेसा
 २५ बासवेजोमें सुगाया आपके थकीके आघाकारी के । हे
 थकी जिसी खोच टोलोने पार कयोते और पांथीसुं जि
 २६ यो चवेते तिसी कथासुं उ साफ करर उने निर्मल करर
 २७ वेई और दागा अथवा संकोच अथवा और खुदी इ उदि
 हाराको न रहें पय उ पांचनी टोकी के इबेई आपकेकने

१. देवदेवें और उ सिद्ध वा विगर्हकैः शैत्यवेरें आपनें उकेवेरें
 २. दीनेते तिस्रो आपकी जुगारनें ये प्यार करो । जिखा
 माथार आपका डोलनें प्यार करेते तिसीं आपकीर बड
 ३. ने प्यारकरको ठीकते जकी लोग आपकी बउसूं प्यार
 ४. करेते उ आपनें प्यार करेते । कौस कोखी कोखीनेका
 ५. आपका डोलकी विभंजवा करो वही खेर तिसी प्रभु
 ६. टोलीमें बडेते तिसी उकी पाखन वा रक्षा करेते ये
 ७. उका चेरों वा मांस वा ज्राहको अंगते हनेरें आदमी आप
 ८. का माउ वाभक्षणें न हेंर आपकी जुगारनें हेंसी वा चें
 ९. दान्युं एक डोल जसो । आ मोठी उंडी बघाते खेर खीर
 १०. की वा टोलीकी वासवेक्षीमें कं बउरुं । यह विदेव
 ११. थाका चावेसी लोग आपकीर जुगारनें आपनें बीरके
 १२. इसो प्यार करो वा जुगारें विवेवान के के आपका बखीनें
 मानें ।

१. उठो पाणि ।— ये डावडा प्रभुमें आपका माउ-कामनें
 २. मानो कौस को ठीकते । करारमाफक पैलडा आपखते
 ३. को ते के धारो मंगलवेरें वा धरकीमें मोखला दिन धारें
 ४. रेंखवेरें आपका माउ कभाकी मर्याद करो । हे वामा
 ५. येपिख आपका डावडाने रोसटी मधी करो खेर भम
 ६. वानकी नीतसूं वा सोवसूं बनें पावो । हे मोखी
 ७. जकी थाका डोलका बखी ये बीर वा घृजखसूं वा तिस्रो
 ८. खीरनें मानो ते तिस्रो आपका मननें फेरायर बनें
 ९. मानो । आदमीका राजो करखावाबाके इसा समीसेवा
 १०. करखसूं सो नही खेर मनसूं भगवानके राजीपख काम
 ११. करवा खीरकी सेवका इसा करो । बकेर चेवा
 १२. काम जकी कोरें करेते उ मोखी के अथवा तिस्रो को प्रभु
 १३. सूं उमाफक फल पासी आ ज्राखर जिखा प्रभुकेन और

- आदमीकमें वही उंहितरे राजीसूं सेवा करइ बांकी कथा
 ८ मांको । हे धयी थांको एक धयी जकी खर्गमें नें वा उंके
 कमें बाढजोको वही आ जांखर दकबाबबसूं फेररेर के
 १० उंके उपद उसीतरें करो । हे भायां सच झांके प्रभु वा
 ११ उंकी पौचका बलसूं बलिया को । वा भगवानको
 सगलो सरंजाम पैरो के मोडाको समझी तातवा देवहमें
 १२ पिय थे निखल रहे । क्योस मांस लोहभेको न्हाकी कु
 मती नउं लेर राज वा बल वा इंसंसारके अंधाराको न्हा
 मन करइवालो वा खर्गी जागमें जका आत्माकी दुर्जन
 १३ प्रमाको भेकोपिय थे कुमती करांग । इनेई भगवानको
 सगलो सरंजाम लेवे के थे चाटोदसाकेवेवा अड सकी
 १४ कीर वा सगला कथासूं के थे निखल जय सको । इंसूं
 थांकी कमर साचसूं बंधर वा सिझाईको बगतर पैरद
 १५ वा कुमलकी मंगलीककथा उद्यम करीवे पगरवी आपके
 पगमें देर कीर दुर्जनाका सगला बलताजवा सर
 १६ बुभावब सकसो इनेई प्रतीवकी छल सगलाके उपर लेद
 १७ निखल रहे । कीर उजारको टोप वा आत्माकी याती अद्य
 १८ वा भगवानका जचन लेवे कीर सगली याचवा वा आत्म
 में करडा काठा मेलाबव कीर सगला निर्मल कोगांवेई
 वा न्हारेवेई के जी मंगलीककथाकेवेई अ बांधोडो उ
 १९ कीखण्ड उं मंगलीक कथाकी कुबासोडो कथा चोई कारब
 वेई अ आपको मुंडो बाखर निडर कथा केणको मुंडे
 २० लाधं के मने जियो ठीकजे जियो डोफासूं कउं वा याचना
 वेई लेकोन होखमें पोरौ देर रोजीना याचना करो ।
 २१ न्हारो सगलो इवाब वा अं जको कदंनुं थांको उ जांखनेई
 न्हाकी बालो भाई वा प्रभुमें इतवारकरइवाका सेवक तिखो
 २२ बस न्हाकी सगलो बलब धाने जयासी के जीने में थांको
 २३ मग वाधरी करइनेई मेळोले उ धाने सगलो जयासी ।

भगवान् बाभासू वा प्रभु विष्णुश्रीकृष्णं कुञ्जल वा प्यार वा
 २७ प्रतीव सगती भार्याकर्म हैं । जिता लोग मनवा सुधा
 पयो प्रभु विष्णु श्रीकृष्णें प्यार करेणें वीकें उपर अनुग्रह
 हैं । आसिन् ।

फिलिपियाकनें पाउल् जको कामद लिब्या ।

१ पैलडो यानि ।

- १ खीष्ट यिज्जुमें फिलिपीका जिता रेंखवाला निर्मलजोगी
नें वा भंडारकानें वा दिक्कानें यिज्जुखीष्टको सेवक पाउल्
- २ वा तिमोतिसस् कागद लिबेंतें । अनुग्रह वा जीति न्ही
का बाभा भगवानसूं वा प्रभुयिज्जुखीष्टसूं थाकें उपर को ।
- ३ जीं थाकें विचाले घोषाकाम सह कयातें उ यिज्जुखीष्टकें
दिनां तोडो उ परवारसी ऊं इं वासवेलीमें बिगर सन्देश
ऊपर राजीसूं रोजीन याचना करतार थाका फायदामें
- ४ न्हांरें चावेंसो आर्थनामें थाकी वासवेलीकें चावेंसो पिता
- ५ रसूं पैलडा दिनांनूं आजतोडो मंगळीक कथामे थाकें
- ६ बरोबर हकदारीसूं आपका भगवाननें सुतो करंतुं ।
- ७ कोस थां सगळीकें वासवेलीमें आ मनमें त्यावडो मनं ठीक
तें कोस न्हांरो बांधो जियो वा मंगळीक कथासूं निखें
करबो वा ठीक साबतो देंबो यां देयांसूं ये न्हांरो लाघो
- ८ डा अनुग्रहका मरीकी जे इंसूं ये न्हांरो मनमें जे । कोस
भगवान न्हांरो सायदोतें कें यिज्जुखीष्टकें मनको प्रीतसूं ऊं
- ९ थां सगळीकें चाडंतुं । ओर ऊं आ याचना करंतुं कें
ग्यानसूं वा सगळा ध्यानसूं थाको प्यार पगर वधे कें जकें
- १० वासवेली घोषीतें ये वानें सरावो ओर यथार्थके फल कें
- ११ जकें यिज्जुखीष्टकी वांसूं भगवानकी साहाय वा सुतिवेई

- केंडें वां फाजांसूं भयापूया, ऊयर खीछवें दिवतोडो
- १२ पाघरो मन वा न छटकाखवाखा जो। लेर हे भायां ऊं
 धांनैं ओ जानकार करखनें पाउंउं कें नरें उपर जकोर
 आणपडो उें वे मंगलीक कथाकें सफल होखवेई पख
- १३ ऊवां उें क्वांस खीछमें न्हारो जको बंधखउें वे बंधख
- १४ राजका घरमें वा खोर सगली जागामें घोडेंउें खोर प्रभुमें
 जकेर भाईउें वाकें बिचालें मोकला आदमी न्हारा बंधखामें
 धाडसी ऊयर निडरसूं कथा केंखनें बत्ती हिम्मत करेउें।
- १५ कोईर घोटाप्रकतसूं वा बेरसूं खीछको छठेरो फेरेउें
- १६ सही वा कोईर मनकी चाहसूं पख उ करेउें। जको
 बेरसूं खीछको छठेरो देवेउें वे पाघर मनसूं नही देई
 उें लेर न्हारें बंधखाकें उपर खोर कछ देखनें ठेरायर दे
- १७ वेउें। लेर ऊं कें मंगलीक कथाकें थापनवेई जिखेउं
- १८ दूजोतरेंका लोग वे जाणका प्यारसूं वे करेउें। तो काई
 उजसूं कें अथवा साचसूं कें खीछ बिख्यातउें इवेई जों
 कियो उनिहारे कें ऊं उंसूं राजी करेउं खोर राजीपिख
- १९ करसूं। क्वांस ऊं जांखुं कें में जका बत्ती नाडजेई वा
 भरोसा राखुं कें कामेईपिख लाजवाखो नही ऊखुं
- २० लेर जियो रोजीना तियो अवेपिख। जीवतामें जो
 अथवा मोतमें जो कें सगली हिम्मतमें खीछको क्षुति
 न्हारा डोलमें जांखी आसी उं भरोसाकें माफक थांकी याच
 नासूं खोर यिमुखीछकी आत्मा देखसूं जो न्हारा उबारको
- २१ उद्यगार करसी। क्वांस मनें जीवतो रेखो खीछउें वा
- २२ मरखो लाभउें। लेर अर ऊं डोलमें दिनकाटुं तोपिख
 न्हारो देनगोको ओ फायदे जो लेर जको सराखुं उ ऊं
- २३ जांखुं नही क्वांस अठे रेखसूं मोकलो घोषो जको लखो
 वा खीछके भेजो होखो उंसूं धानवाखा ऊयर ऊं ता देवतां
- २४ सू-देवतां कानो ताखोडा उं। लेर डोलमें रेखो अकिवेई

- २५ अघिको निखेने । और इमें निखल मन ऊपर ऊं आंखुं
 के मने रेखो उसी वा घांकी प्रतीतसूं उपशोढा आनंदका
 २६ यगर वधतोके कारख मने घांसगजाकं भेला रेखे पडसी
 के घांकेकने दूजीवार न्दारा आंखसूं न्दारेनेई यिमु खीछ
 २७ में घांको आनंद मोकलो बतो फे । वाली घांकी वाल खीछ
 को मंगलीक कथाके लायक जको फे सी करो के ऊं घांके
 देवखने जावर अघवा गेरहाजर रेरे घांका मवर सुगने
 पांनु के ये एक आत्मासूं वा एक मनसूं मंगलीक कथाके
 २८ प्रतीतकेनेई उषम करसार निखल रहे । और घांका
 वेसांसूं प्रीमेरेपिख डरनवाला नको के जको वाकेकनं
 समजावोअको चोडे अघाखे लेर घांकेकने उडारको लक्ष ३
 २९ अघवा भगवानके करखसूं उडारको लक्ष ३ । के म
 जका राठ ये न्दारेमें देवी वा न्दारेमें जको अवाहंपिखने
 ३० आ सुखके पावे ने । घांने खीछही वासवेलीमें उमें
 प्रतीत करखने दीने गयोने वाली को नही पब उकेनेई
 कष्ट भोग करखनेपिख घांने दीने गयोने ।

२ दूजा पानो ।—इनेई जको खीछमें क्धि घातराी
 ३ अर प्यारमें क्धि सुवने अर आत्माने क्धि एक
 ४ सुभावने अर क्धि खे अघवा इया रहे । तो ये बरो
 ५ अर प्यार करर और एक सोभयो वा एकमन ऊपर एक
 ६ सोभयवाका होखसूं न्दारी आनंद परवारो । न्दरसूं अघवा
 सागी तारीफसूं क्धि न कयो जाय लेर मनका नागाई
 सूं चावेसो लोग दूजाबोगने आपसूं चोवो समभे ।
 ७ कवेसो लोग वाली आपकी मंगल सोभना न करर लेर
 ८ चावेसो लोग दूजाकी मंगलनेपिख सोभना करे । इंसूं
 ९ जको मन खीछयिमुने ने उ घांने फे के जी भगवानरयो
 ऊपर भगवानके तरोवर होयो चोरी समजा बही ।

- ७ पख सेवाको सूरत कपडर वा आदमीकी सूरत अनर आपने
वाली कखो वा आदमीके उखिहारें ऊपर मोतके आशाका
८ रो ऊपर अघवा हलवांकी उपर सरको आपने नांनो कखो ।
९ इवेई भगवानं उनें मोकलो मोटो कखोनें वा सगला नांवसूं
१० मोटो नांव उनें दीनेनें के विन्नु नांवसूं खगंके वा धरतीके
११ वा धरतीके मोचला चावेसा गोडा भुकासी । ओर भग
वानं वाभाके बडार्नेई विन्नुखोछ जको प्रभुनें आ चावेसा
१२ जीव आरे करसी । इवेई हे न्हारो बाला ये जिखा न्हारो
हजूरमें जा बाकी सो नही लेर अने न्हारें गेरहाजारमें
ये रोजीना बत्ता आम्माकारी अगाठ'तिखो बोइ वा धूज
१३ खसूं आपकी उझार आंजाम करो । कीस जी आपकी
रुचसूं धाने इच्छा करबनें वा काम करबनें बैखीननें उओ
१४ भगवानं । कचकच वा भगडाबिगर सगला काम करो
१५ के ये जी बांका वा मोटोमारग जोगाके विचालें संसारके
घानखाइसो दीवा देवेने वा खोगाके विचालें बिगर घामो
वा हिंसा न करबवाला ऊपर बिगरबिन्दाइपी भग
१६ वानका ठावडा जो । ओरपिख ये जीवतख देनवाला बावां
चोहें करबवाला जो के ऊं खोछके दिनमें राजी कबं के ऊं
निकमो दाओ नही ओर निकमीपिख देंगो करी नही ।
१७ जको ऊंपिख घाके प्रतीत उखिहारें बलदानके वा सेवाके
उपर पांखीकीवर कूखो गयोनुं तोपिख घां सगला
१८ भेको ऊं आनंद वा राजी कबंनुं इवेई येपिख न्हारें भेला
१९ आनंद वा राजी करो । लेर ऊं घोडा दिनपनें तिमोति
यसनें घाके नेंडो मेळखनें प्रभुविन्नुमें भरोसो कबंनुं के
२० घाके चलख आबर काठोपातरी ऊवुं । कीस उके
इसो मनवालो कोई लोग न्हारें नेंडो ननेंके जको आपकी
२१ सुभावसूं घाके पांयदामें चिंता करसी । कीस सगला
कोई आपकीर नख सीभना करेनें वा विन्नुखोछको

- २२ बकोर उ सोमं नही । खेर उंको साबतो धे जाबोने
 के त्रियो बाभाके भेबो डावडो त्रियो उ न्हारे भेबो मंग
 २३ बाक कथाको सेवा करीने । इंवेई न्हारे बाईर जसी
 उ जांगवार कयर घोडा दिनापने उने मेखबको अं भरो
 २४ सो कबंनु । खेर अं प्रभुमें मतीत कबंनु के अंपिब
 २५ घोडा दिनापने जाब पाखुं । यख न्हारे भाई वा एको
 कार वा एकोफौज खेर थाकी इखकारो वा न्हारे म्भारा
 यखमें जको गावखवाजा इपायफोदीतसने मेखबो में निखे
 २६ समजो । कोस उ थां सगलावेई उषमी ग खोर धे उके
 मांदि होबको बबर जाधी उ मोकला पिन्वावान ने ।
 २७ उ मरखलावक मांदि ने सही यख उके उपर भगवान
 को छपा नी खोर वाकी उके उपर बही खेर न्हारे उपर
 २८ पिब नी के मने सोगउपर सोग बने । इंवेई में उने
 बतो यतनसूं मेल्योने के उंसूं खेरदेखबसूं थाकी राजी
 २९ के वा मने सोग घोडा के । इंवेई धे मोकला राजी कयर
 उने प्रभुमें आरे करो खोर इंतरेका आदर्याकी मर्यादा
 ३० करो । कोस न्हारेकने थाकी सेवा जका घटतीनी वा पूरे
 करखने उ आयको जीव निक्सा जाखर खोचका कामसूं
 मोतको नेडो ने ।

३ तीजे माने ।—साच धे भायां धे भगवानमें आनंद
 करो बाई कथा नारइ थाकेकने लिखबी मने तीसीस
 १ नही सही खेर थाकी बघाकी केने । ऊपरसूं निघेवांन
 रहो घोटाकामकर खवाकांसूं निघेवांन रहो वा काटनायब
 २ वाकांसूं निघेवांन के । कोस ने सुनतो ग के बका आखत
 सूं भगवानका सेवक वा खोचयिमुमें आनंद करखवासांने वा
 ३ डोलमें इतवार न करेने । डोलमें मनेपिब हिम्मत करख
 को कारखने अर निहं ध्यान करे के डोलमें उके हिम्मत

- ५ करबको करबते तौ नारें उंसू बतो करबते । अं जाठ
 में दिनमें सुवती जो बिजराहके कूबको वा बेव्यामिन्का
 ६ डावडाको वा यत्री गोथमें उपज्योडे यत्री वा भासका नाम
 में फारिजी धर्मको मन्देनवालाका घासवेजीमें टोलीको
 बेर करबबाजी वा भासके माफक धर्मसू बिजराषामीने ।
 ७ खेर मनें जकोर फावदे जे वा खीरकेवेई अं बिगाड
 ८ ईसो मानुनु । खेर नारो प्रभुखीरबिभु जकेवेई में
 सगलाको बिगाडे जाघोते उंको ग्यानकी उत्तमत्त वेई अं
 खजवता सगलाको बिगाड जाबुनु खेर अं वे सगला
 ९ भिसट जाबुनु के खीर जाधु । वा तौरेंतसू उपज्योडे
 नारी आपको सिबाई राखवालो बजु खेर जको
 खीरमें प्रतीतसू केते अथवा प्रतीतसू भगवानसू उपज्यो
 १० जको सिब उ जाधु वा उंमें जाघो जावु । के अं उंके सोत
 सरीषो कखो जाघर उंने वा उंके फेरउपडबमें पीघ
 वा उंके तोसीसके इक सुभाव जाधु के कौतरेंसू मुडदा
 ११ आदम्याको फेर उपडबो जाध सके । जिखो अं अके
 १२ जाधतो अथवा अवाह परवारतो सो नही खेर पिग
 डीर दोडोनु के जी करबमें अं खीरबिभुमें कपयोडा नुं
 १३ उ कपडु । हे भाया में जको जाघोते उ अं मानुननु खेर
 जो एक काम अं कबनु पीते जको ते अं उ भुवर खेर
 १४ अगाडी अकेते उ जाधबकी उद्यम करर खीरबिभुसू
 भगवानकी जका मोटा मुखावसरीषो ताजीवेई अं कोट
 १५ कपडबनें ईच्छा कबनु । इवेई जिता लोग परवारें तेने
 इमें मन लगवां खेर जको ये कौबोघासवेजीमें घातह
 फियो रहो तो खीरबिभु भगवान धाकेकनें चेडे करसी ।
 १६ खेर अठातोडी ने जाघोते ने उंदि आघामाफक रीत करी
 १७ वा उही काम माना । हे भाया नारें पिगडी अजवालां
 १८ दो ने धाकी वानगो नई इवेई नाना पिगडीअजवालांने

देवो कोस मोकला लोग इतरे रीत करेते के अ्याके वास
 वेलीमें में घाने बारर कयोते और अवेपिख रीतोए कउ
 १८ नु केवे खीछके इखवाखोका बेरो केते । अ्याको तेवडे पोज
 जायो अ्याको भगवान वाको आपकोए पीठ वा अ्याको गुमान
 वाको लाजका वासवेलीमें ते और जको संसारीक काम माने
 २० ते । खेर न्हाके रीत खर्गमेंते के बठासू न्हे तारेखवाजा प्रमु
 २१ यिमुखीछको जाउजेवाजा । के जको जी करखसू सगला
 आपका आज्ञाकारी कर सकेते उंही करखको माफक न्हाके
 माटिका घेरो दूजेसरीयो करसी के उ उंके तेजवंत डोलके
 सरीयो कयो जाय ।

४ गोघो पानो ।—इनेई न्हारे बसावाजा वा यार भाया
 न्हारो आनंद वा न्हारो मुगट हे न्हारा बसावाजा ये
 २ प्रभुमें इसा निखल को । ऊं इउयोदिअस्ने विनती
 कइंनु और संसखिने विनती कइंनु के वे प्रभुमें एक
 ३ सुभाव के । हे साया एक ज्वाडोखिया ऊं तेंसूपिख
 विनती कइंनु जी सुगार मंगलोक कथामे न्हारो भेखी
 मेनत करि वाको और खेमेसको वा जीवन पोथीमें अ्याको
 नाव जिख्योते इसा जके न्हारा दूजाए उपरसरा वाकोपिख
 ४ उपरसरा कर । प्रभुमें रीजीना आनंद करो दूजी
 ५ बारपिख ऊं कउंनु के आनंद करो । थाकी गीनाई
 ६ सगजांकने गुदरावे प्रभु नेडेते । कोकी वासवेलीमें
 चिंतावान मतो र्हे खेर सगली वासवेलीमें मुवाखन
 वा प्रार्थनासू सुती करर थाकी सगलो गुदरावको भग
 ७ वानकेकने जनाजाय । और भगवानके करखसू जका
 माति अकलके चिंता करखके बारखेते वा माती खीछ यिमु
 ८ को बाइसू थाकी मांयको वा मन बषाजो करसी । साय
 हे भाया जकोए काम सायो वा जकोए काम मयादा सायक

- वा जकोर काम यथार्थ वा जकोर काम निर्मल वा जकोर काम पारका हितकारी वा जकोर काम सुव्याप्त अर कोई ८ पुन्य अर कोई प्रभंसा करयको रें तो उमें अर को । नारो जको काम ये सोचोने वा प्रगट कसोने वा सुबो ने वा मेंमें जको देखोने उ करो और शांतिदायक भगवान
- १० थाको भेषपी कसो । लेर ऊं मभुमें मोठी राजी बडनु के अवे नेवडामे नारेंवेई थाकी जका चिंवा जी जीमें से पिन्तावान न लेर ठालपी न जी वा चिंता दूजीवार बघोने ।
- ११ ऊं जको म्यारताके कारख को बडनु सो नहीं कोस नारो जका चावेसो दमा कोने उमें आवरेखने ऊं भयोडोनु ।
- १२ ऊं म्याखो होख जाखुनु वा मायापात्रपिख होख जाखुनु सगली जागामे वा समखी दमामे म्याप्या वा भुको जखने वा मायापात्रपिख वा म्यारता भोग करयने ऊं भयोडो
- १३ नु । ऊं खीरकी वाहसू सखला करयने सकुनु के जको
- १४ मने सामर्थ करेने । लेर ये चोचो कसो के नारा दुखमें
- १५ ये उपगार कसो । हे क्लिपियो अवे ये जाखयो के मंगलीक कथाके पेंलडा जद में माकीदोनिवासु डेरो लखो उनेला थाकेविगर देखलैखमें कियो टोखी नारें
- १६ भेला कुंदिपिख उपरसरो न करो । कोस तेसलोणीका
- १७ में ये एक बार दोसवार नारें उपगारवेई मेल्यो । ऊं जको दान चाउनु सो नहीं लेर ऊं फल चाउनु के जको
- १८ थाकेवेई मोकलो के । लेर नारो समलो ने और मोकली पिखने घासु जका बख मेल्योडी जी अथवा सुांधकी वास भगवानके आरे करखसायक वा राजी करखवाला बाकला
- १९ एपायप्रोदीतसके हाथसू लाधर ऊं थाप्योडो नु । लेर प्रसापमें चापको जको धन उं माफक खीरियुकी वाहसू
- २० भगवान थाकी गरजी सगली बख संपसी । अवे भगवान अथवा नको बाभाको महाज रोजीना चारें

- २१ जीबेला बिघ्यातको । आमीन् । डीछयिमुमें जके चावेसो
 लोग निर्मल्ले उ चावेसीलोगने बंगला करो न्हारं भेला
 २२ जके भाइंते वे घाने बंगला करेते । सगला निर्मल्ल लोग
 बिनेव काइंसारके कनीलामे जके ते वे घाने बंगला करेते ।
 २३ प्रभु यिनुखोछको अक्युय घां सगला उपर के आमीन् ।

Vikane.

SK

म

पाउख् हलकारे जको कागद कलसियां कने लिखे ।

१ पैखडे पाने ।

- १ पाउख् के जको भगवानकी रूपसू जिमुखीएके हल कारेते वा न्हाके भाई किमोतियस् कलसोको रेखवाखे खीएमे निर्मल वा एतकारी भायांकने कागद लिखेते ।
- २ भगवान् न्हाका वाभासू वा प्रभू जिमुखीएसू अनुग्रह
- ३ वा जात घाबे उपर फे । ने के जके घाबेवेई रेखीवा याचना करबवाखाते खोएयिमुमे घाकी प्रतीक वा समका
- ४ निर्मल लोगांकने घाके प्यारकी कथा सुबेर भगवान वा न्हाके प्रभुजिमुखीएके वाभाकने उ भरोसासू खुती
- ५ करीजे के जको भरोसा घाबेवेई खगेमे राखी मखेते वा जीके वासवेखीमे छे मंगलीक कथावेई साथी कथा
- ६ मे सुधीते के जको जियो समका संसारमे तियो घाबे कनेपिब कायोते वा जीदिनसू छे उ सुखे वा साध सरीखे भगवानको अनुग्रह नाब पाये उं दिनसू जियो घाके बीचमे फलवानते तियो संसारमेपिब फलवानते ।
- ७ जियो न्हाके बाले छोछे हपाप्रोसुकने छे सुखे के
- ८ जको घाबेवेई खीएमे हक प्रतीकी सेवक वा जी आजा
- ९ मे घाके प्यार न्हाकेकने जणायो । इवेई ने जी दिनासू उ सुब पाये उं दिनासू घाबेवेई याचना करबने वा चावखने जेडा नही के घाके सगलो ग्यान वा परमाथेकी बुद्धमे उके राजीपखाका कामका ग्यानसू परवाखा के ।

- १० कोर के ये चावे जी भलाकामसू कलवाक वा भगवानका ग्यानमें कलवाला जो वा राजीसू वा सगली सेवी वा मोटा
- ११ काम करवसू उके प्रतापके मुंडामाफक सगली जी वसू पीच वाव ऊपर सगली रजामदीसू प्रमुलायक होत करो।
- १२ के वाभाकेने सुखी करववाला जी के जी यावयाकेने निर्मल
- १३ कोगाके कोठारके जरीक होखवायक न्हाने करपाते। जी अंधाराके पीचसू न्हाने बुढावाते कोर उके म्यारा डावडा
- १४ के राजमे न्हाने जे हडबडाई बखीते के जीमें उंका कोरसू न्हाने मुक्त करखो अथवा पाप बुढावो लाधांगी
- १५ के जका निगरदिगतो भगवानकी मूरत वा समखी सखे
- १६ पैलडा ते। कोस खगको वा भरतीको जकी ते दिगतो वा निगरदिगतो सगला उके करवसू उपन्याग तखत के अथवा हाकमी के अथवा राम के अथवा पीच के सगलाई
- १७ उके करवसू वा उकेवेई सखीते। उ सगलाके अगा
- १८ डी वा उंसू सगला कायम ते। कोर उ डीलको अथवा टोलीको माघो के जको पैलडा वा मैतसू पैलडा उपन्याते
- १९ के सगली वासवेजीमें उंकी ठाकुराई के। कोस वाभाको
- २० राजीयखते के सगलो परवारखो उंमें रे वा उंकी हल वाखीका कोरंधू मेव करर उंका करवसू सगला वल संसारकी के अथवा खरगकी के सगलामें आपके मेला
- २१ मिलावडकीपिख राजी जी। कोर ये के जने पैलडा केर वा बोटाकामसू मगमें केरीछा घावे उ भरवका उक
- २२ राससू आपका मांससू डोळमें अब मिलायाते के उ घावे पाक वा निगरवासी वा निगरअपवाद कखीडो करर
- २३ उके हजूर देवे। जको ये प्रतीतमें काठा लागो वा क यम ऊपर रडो कोर जके मंगलीक कथा ये सुखीते वा सगके नीचेरेखवाला सगला उपन्याडा आदमी केने छेरी दोने गयो उंकी मंगलीक कथाके भरीसखू

अर घे नहिजो भी मंगलोक कथाको एक सेवक जं पाउल
 २७ नुं । के न्हारो जका तोसीस थाकेवेई जें वामें राजीनुं
 और खीएको जको नाको कछ उ न्हारें डोखमें उंका
 २५ डोखकेवेई अथवा टोलीवेई परवाहनुं । और जका
 रोस थाकेवेई न्हारेंकेने भलायोडो जें भगवानके जंहर रोस
 के माफक भगवानकी कथा परवारसरोवासू चोहें करब
 २६ वेई जं जंको एक सेवक निखल कखेडो नुं । जको भेट
 बलडा समयसू वा पेंखडाका जोगासू पालोकडीगी
 और केने उंके निर्मल जोगाकेने चोहें जें थाकेकेने भग
 वान जलायां चावेजं के दूजादेनवाल्याके बीचमें जो भेद
 को खुतीको मया कारे के जको खीए थाके बीचमें मुक्त
 २७ को भरोसीने । के जंने ने चावेजी लोग सीधवब कर
 तार वा ग्यानसू भखावताभखावता छंटेरे करानां के
 चावेजी लोगने खीएयिअमें भरीपुरोसरोषो सामो देवे ।
 २८ और भीको जं उंका जको प्रभाव में सफलकाम करेजे
 उं माफक यतन करर देंगो कबनुं ।

२ दूजो यानो ।—कोस जें जं पाउनुं के घे जखी के जं
 थाकेवेई वा काओदोकेषाके रेखवालावेई वा जिषा लोग
 न्हारो मुंडा न देयो जे वाकेवेईविष न्हारें किसो मोटो
 २ राडने । के बाको मन प्यारमें बुद्धिअर और अकलको
 परवायो ठीक होबजा धनसू परवारर वा भगवान अथ
 वा बाभो वा खीएका भेदने आरे करबसू यातरी के के
 ३ जंके बीचमें विद्या वा ज्ञानरूपो जगलो धन जियायोडो
 ४ केने । और जं आ कउनुं जें कीरे मनमाफक कथा केब
 ५ सू धानें नई भुलावे । कोस जं अर डोखसू मेंदहाअर
 को तोपिब राजी करतार वा थाको घोषीरोस वा खीए
 ६ में नतीव निखल देबतार मनसू थाकेकेने हाअर नुं ।

- इबेई जिथी ये यिमुखीठ मभुने आरे कयोनें लीसी उंके
- ७ बीचे जठ गाडे । वा सांठजयर बीर जिथा भवायागया
- ग उसाई प्रतीवसूं निखल वा मोकली खुति करतार
- ८ सगली सरेंसूं उंसूं रेंड उंमें रीत करी । निघेवान कां
- जांखा विधाके इच्छा वा निकमी रूपटाईसूं कोई धानें वि
- गाडे केर संसारके यवचार संसारकी ग्यानकी रीतमाफक
- ९ केनें बीर खीरके माफक नही । कोस पूरोभगवान
- १० पयो सोखेखाना उंमें रेंगे । बीर उंके बीचमें ये परवा
- ११ खाणे के जको सगली समाख्य वा दलको घणीगे । जीमें
- पिख ये हुनोसूं उंके भेजा घोरमें सुवोडा जयर खीर
- की सुनत करबसूं डोलके प्रापसरीयो जमानें गेडबसूं उं
- १२ बिगरहाथाके कयोडी सुनतसूं सुनती को । जी हुनी
- में ये मोतसूं उंनें उपाडखवाला भगवानके करबसूं प्रती
- १३ तका उकराससूपिख उंके भेजा उपाडोडा को । बीर
- ये आपके प्रापमें वा आपका डोलकी बिगरसुनतीमें
- मया जयरपिख उं धानें सगली आग्याउलखखी माफ
- १४ करर वा न्हके बेर वा उंधे जको मतवाइयो हाथाका
- लिखोडा उ भिसालर वा आपकी हलवांखोउपर वुं
- १५ दबसूं अलगो करर धानेंपिख उंके भेजा जिजायागे । बीर
- समाख्य वा दल वोजगमावर उंसूं वाके उपर फते करर
- १६ वानें व्यालसरीयो चेडे कयोनें । इबेई घुराक वा पीव
- खको वा तिवाह वा अभावस वा दोतवार इके वासवेलीमें
- १७ कोई धको विचार न करे । के जको भावी विषयके जाया
- १८ तरीयो नें केर डोल खीरके नें । कोई आरे कयोडा भा
- खापयमें केजीव जयर केर आपके कररीरहाको मनमें गुं
- माखी जयर जको उं देयो नही उंमें बडर हलकाराकी
- १९ सेवाकरखनें प्रायबवाला जयर बीर मायो न कयडर को
- तसूं याको पायदे न निदले के नीं जायासूं सगलो

- डोक गांठ वा पाडसूं पाळोडो वा भोडी ऊपर भमवांन
 २० कें वधारखसूं वधेणें । इवेईं अर घे खीछके भेवा व
 वधारसूं वेजीसंसारका ग्यांनको जडसूं मखा रडो वो
 २१ मतो भोटो मतो चाघो हाथमें मतो जेवो । आ कथा केंर
 दुनिघांमें कालकाटखसरोवो घे आदमीको आग्या वा सीवा
 २२ वसुजे माफक आसांनखवाळा खो कियो । कें ज्यां
 में राजीसूं उयणोडो भजन वा दीवपखो वा डोलके उपर
 करवो थवहारकरखसूं ग्यांनकोवरें केंनें खेर डोअनें
 आपसकें यतकसूं सो नही ।

- २ वीजा पानि ।—इवेईं अर घे खीछके भेवा उठें
 रडो वो उपरको जकोर ७ उ सोमो कें जठें भमवांनकें
 १ जीवखा खीछ बेंठेणें । उपरको जकोर ७ वांकें उपर
 मम जमाय खेर धरतीको जकोर ७ वांकें उपर नही ।
 २ खीस घे मखेरौओ ओर घांकी जीवतथ खीछके भेजे
 ३ भमवानके बीचमें खुकायोडीणें । खीछके जकोर न्हावे
 जीवकठें जद घोटें कें तद घेपिख जकें भेवा मुक्तमें देखा
 ४ जाखो । इवेईं घांकी जकोर अंग धरतीमें ७ अथवा
 पातरवाजी वा घोटेंमारम चारतुआखा घोटोसंगव
 ५ वा जोभ अथवा दिवपूजा यांसमखानें मार जावो । कें
 ग्यांसूं भमवानकी वजदाथ ममांनखवाळा कावडांउपर
 ६ पडेणें । कें ज्यांमें घेपिख श्रीविखा उ करखसूं दिन काटो
 उंहेनेका उ थवहार कखो खेर अनें रोस वा खालखो
 ७ जोवा हिंसाकी रुच वा काकरो कथा वा घोटोवघां को
 सगखो घे मुडासूं काछर निदाकादमांके उकें कामने भेवा
 ८ ठोडो । खेर नवोआदमीमें पेंदर एक लोग दूजाएकलोग
 ९ कनें कुडो कथा मतीबेज्यो कें कको आपके वसावखवाळा
 १० की सरांसाद्वय ग्यांनमें नवो कखी गथीणें । जींमें

- योक नही वा यिकदी नही सुनतो नही वा विगर
सनतो नही वा छेठ नही वा खतो नही दंद नही वा
- १२ नुटा नही पख खोच सगकांमि सगलोतें । इवेई भग
वानके सरावण्या लोग पुन्यवंत वा प्यार जकेतें बाके
इसी मनकी दया वा प्यार वा मनको विगरगुमाव
- १३ वा गीतार्इ वा मोक्खो सेवी येरो । खोर अर कीकेई
भेवा कीकोई भगडो रे तो वे आपतमें सेवी वा मफो
करखवावा जयर तिसो खोच धाने माफ कयो तिसोई
- १४ धे करो । खोर भयापूयासरोको बंधव अछवा प्यार
- १५ वा सगकांसु कता येरो । खोर भगवानकी कर्म धा
का मनमें ठाकराई करे के बीमें भोगवहमें छे विजेन इक
डोलमें तिसोअ कयोडानो खोर सुतो करखवाका को ।
- १६ धे नीत वा सुतोकी गीत वा परमार्थकी बोड मभवसुं
आपतमें सिवाकार खोर मोवेजेई केताइ वा अरवक मनके
बीचमें गुबी जयर प्रभुके याक्का खोचो कथा सगका
- १७ गीतसुं सगलीतरें धामें रहें । खोर कथासुं अरवा
कामसुं धे जकी करोगे के सगली खोचका उकराससुं
भगवानके अछवा कामके सुतो करताइ प्रभुविजुवा
भावसुं करी ।
- १८ हे जुमाया तिसो प्रभुमें कथाकारी होखो ठीकतें
- १९ तिसो आयकार धबीकी आगाकारी को । हे धबी
धे आगकीइ नउने प्यार करो वा बाके बेर बारा मतो
- २० जखो । हे डावडा समखा काममें काका मउ यभा
जी कथा मनि नीस प्रभुके के मोटोरणी करख
- २१ कि कामतें । हे बरभ काका डावडाउपर रोस मतो
- २२ करो काकाका वे न जमेइ के । हे बरभ डीकके माफक
अयो धाके खबी वाने सगका काममें मानो अदमोने
रखी करखकावा तिसो करेते तिसी समीसेवा करख

- सू. नही लेर भगवानसू बीहर मरका एकासू उ करो।
 २२ और थे के प्रभुसू कोठारउबिहारें फल साधो या जांवर
 जका थे करो जो उ जियो प्रभुवनें करेणें तिया मनसू
 २३ करो। और आदर्शकनें तिया करीणो तिया नही
 २५ कोस थे प्रभुखोऊकी सेवा करेणो। लेर जको लोग
 दोष करेणें उ आपका बया दैवको फल साधसो और
 भेर खुंइ नही।

- ४ चोघो पानो।—हे धको सर्गमें धाको एक धकीणें का
 जाणर बने ठीक वा कामके इयो सो थे आपका गोचानें
 १ देवो। औरपिय थे याचनामें रोजीण लैकीन रथो।
 २ और सुतोकरबसू योरोशेवमेंपिय सैखीक को औरपिय
 नाकेवेई याचना करे। के खीउको तल कंबवेई भगवान
 नाकेकेन कयाकेबको बारही पोससो के जोकेवेई क
 ३ बंधोको सुं। मनें उ तल चोडे करयो तियो ठीकणें
 ४ के क तियो उ चोडे कर। जका करखेणें थे समक
 सार्थक करता२ वाकेकेन गानसरोकि धवहार करो।
 ५ धाकी केबो खुबसू खुबो अवर रोजीणा मुखसू मखोरो
 के थे चारे जी लोगनें ठीक उचको देखनें जावो।
 ७ प्याराभारं वा प्रदीती सेवक वा प्रभुमें समी चार
 तिखोकसू चारो समलो इवाक धानें बबसो के जोवे
 ८ में इवेई प्रतीचो वा बालाभारं ओमेसिमंसेजेखोमेत्यो
 ९ सु के जको धाकेपिय एक लोगणें के उ धाकी इवाक
 जावे वा धाकी मनकी घतरो करे छठे बकार जयो
 १० ठे वे समका वे धानें गुदरासी। चारो संगीवेवासरो
 आदिछाखेसू वा बर्यनाको भावेज मार्कसू के जीकी वाक
 वेजीमें थे आप्या साधोणी उ अर धाने तो उनें मयादसू
 ११ करे करयो। और यिमु के जीको वाक जठसू के कियक

- कोग के जके सूनतीने वें घाने बनबा करेने भगवानके
 राजवेई न्हके भेजपोयाके विघमें जका न्हारि वातरि
 १३ करणवाकाका घालि वें कित्तक जोग । ये सगलितरेसूं भग
 वानका सरावण्यां सगला काममें सगलोतरेंसूं कायम
 जो इवेई खीष्टको सेवक श्याप्रास घाने एक जोग बाधनी
 में थाकेवेई, रोजोगा उद्यमी जघर उद्यम करतार घाने
 १४ बनबा करेने । कीस उकी सायदी जं देवुनुं के थाके
 वेई और लाओदिकिया वा हियेराफोतिसके रेबवाकावेई
 १७ उकी मोटो घेष्टाणे । अजोग वेद लूक वा देमास
 १५ घाने बनबा करेने । लाओदिकीयाके रेबवाका भायाने
 वा नफास वा जका टोली उका भूपामेने धानेपिब बनबा
 १६ करो । ओ कागद थाके विचाले बांधा गयापने तद
 लायोदिकीयाकी टोलीमें उ बचाओ और लाओदिकीया
 १७ सूं जको कागद आथेने उ धेपिब भब्यो । और आरि
 यस्ने केओ के जका सेवा ते प्रभुसूं लाधीने वा परवार
 १८ यने मोकलो निघेवान क्यो । जं जकी पाउज् न्हारे,
 हाथको लिखो आबनबा । न्हारी पंधयो मनमें त्याओ ।
 अनुयष्ट थाके भेलो जो । आसिन् ।

Viknora

३ L

गु

पाउळ जका पेकडे कामद तेस्जोनीयाकनें लिख्यो जे ।

१ पैखडे पाने ।

- १ पाउळ वा सखोनसु वा तिमेतियसु तेस्जोनीयाकीं टे लोकनें कामद लिखेजे जका टेखी भगवान बाभो वा प्रभु यिमुखीलमे जे भगवान न्हाको बाभो प्रभु यिमु खीलसुं
- २ अनुग्रह वा जाति धाके उपर जे । हे बाबा भावां भम
- ३ वांगसुं धाको जको सरावयो उ जांवर भगवान वा न्हाके बाभाकी दृष्टमे हे धाको प्रतीतसुं काम वा प्यारसुं जबा देनगी वा प्रभुयिमुखीलमे उमेदसुं जको सेखो जो सम
- ४ जो रोजोना पितारता न्हाकी याचनामे धाकी नांव छे तार धां सगळाकेवेई रोजोना भगवानकनें स्तुति मेखां
- ५ जा । कोस न्हाकी मंगलीक कथा बाबी कथासुं धाके कनें आरे नही केर बलसुं वा घर्माळासुं वा मोफला नि खेसुंयिख आयो कोस धे जाणोजे हे धाके भेला ऊवर
- ६ धाकेवेई जीतरेका लोग जा । कोर धे मोटा कलमे घर्माळाके आनंदसुं कथा आरे कर न्हाको वा प्रभुको इसा
- ७ उपरसोरा जा के धे माकिदेनियाके वा आखायाके सगळां
- ८ प्रतीतकरखवालाके वांगो जा । कोस प्रभुके कथा की सुखसुख बाकी माकिदेनिया वा आखायामे धासुं नीकली से नही केर धावेजी जामा भगवानसुं धाके प्रतीत इसो फल रहे के न्हाके कथा केबकी गरब कुंइ नही ।
- ९ कोस वे सांगी न्हाके फावदामे जोडे करेजे के धाकेकनें वा

को आंखो कीवरे जे और जीवता वा साचा भगवानको
 १० सेवा करबनेई और जीने उ मोतसू उपाया अथवा
 विष्णु के जको होखहार रोससू न्हाको हिकाजत करेने
 खगैसू उने ई डावडाके आवणको बाडजेवबनेई धे देवता
 जेडर औररे भगवानकानो मुद्या जे ।

२ दूजो यानो ।—कौंस धे भावा धे जाबेजे के था
 २ केकने न्हाको आंखो निकमो न जे । कौंस धे जियो जा
 खेजे तियो न्हाके कष्ट वा लाज देखवाला अपमान फिदि
 यीमे लासांपजे मेकली उताबल करर भगवानको मंगलीक
 ३ कथा घाने केकने आपका भगवानमे निडर जा । कौंस
 न्हाको वोनती करखी कपटसू अथवा भिस्टपयांसू
 ४ अथवा भुलावबसू नजे ।- खेर जियो ने भगवानसू
 मंगलीक कथा भलायाजाखलासक सरादण्णा तिया
 आदमीके राजी करखवाला इसा नही पब न्हाके मनको
 कोमत करखवाला भगवानमे राजी करखवालाके इसा
 ५ ने कथा काना । कौंस जियो धे जानेजे तियो ने
 कदेई बुनामदोको कथा अथवा खोभ छाकलको थोपार
 ६ कयो नही इमे भगवान सायदीने । वा खीछका ईल
 कारा आपने जाखर बद ने घाने भारदेख सकता तद
 पिय आदम्यांसू अथवा घांसू अथवा औरकिबोसू
 ७ आदम्याकी मयाद न सोभी । खेर जिसी माउ आपका
 डावडाने पालेने तिया ने घाकेकने गोका मनसू जे ।
 ८ इवेई घाकी वासवेखोमे मेकला घानवाला ऊयर ने वाखी
 भगवानकी मंगलीक कथा नही खेर धे न्हारा बाखाना
 ९ इवेई आपका जीवपिय घाने देखने आरजा । धे भावा
 न्हाकी देनगी वा तोसीस धे पितारेजे कौंस घाके विष
 मे कीकोरे पिय बरच नके इवेई ने रातरदिब काम

- १० करर भगवानकी मंगलीक कथा थाकेबनें घाडे करी । ये सायदी डे वा भगवानपिब के नाने प्रतीत करबवाला थाकेबनें जीतरें निर्मल वा बघार्थ वा निर्दोष रीत करी ।
- ११ कोस ये जांबो डे के जियो बाभे आयका डाकडाने करे डे तियो ने थाका चावेजी लोगनें जीतरें वीनती करी
- १२ वा वातरो करी वा सायदी दीनी के ये भगवान सायक व्यवहार करी के जीं आयका राज वा वैश्वर्यमें
- १३ घाने बुजायाने इनेई ने रोजीना भगवानकनें सुती करां जं कोस न्हाको बोलीसूं घे भगवानकी जका कथा सुखी जद ये वा कथा थारे करी तद आदमीको कथा इथी उ थारे कथो नही छेर जका साचनें जिसी भगवान की कथा के जके प्रतीतकरबवाला थाके बोचमें काम
- १४ सिब करेनें हे भावां यिऊदाइ देनका खोष्ट विमुनें भगवानकी जका टोलीनें घे उं टोलीमें भेलयो खबोने कोस विऊदियांसूं वा जको कष्ट लाधो घे पल उतेई
- १५ कष्ट आयका सागोदिनवाल्यांसूं लाधो । के थ्यां यिऊघां प्रभु विमुनें और आयका निमित्तियाने मारनांघ्या व नाने गोसीस दीनी और भगवानकी राजोपब करेनें
- १६ नही और सगका लोगके बरमेंपिबनें । और वें आयके तोसिसकी नाप जीसूं रोजीना परवासा जसी दूजादेन वाल्याके उबार खाबबनेई वकिंकनें कथा केबनेंपिब नाने इथा बरनें छेर यिऊघाउपर बडो बजराघ पडोनें ।
- १७ हे भावा ने डोलसूं मनसूं नही घोडा दिन थांसूं थारा ऊपर मोटी बघ करर थाको मुंडो देषबनें मोकली
- १८ उघम करीनें । इनेई ने विभेय अं पाउल थाके कनें जाननें बार२ थयो छेर मोडे न्हाकी डीवप करी ।
- १९ न्हाके भरीसी वा अनंद वा चेंवसरीमो टोप उ काई न्हाके

२० प्रभुविजुखीके घरवां उंको आवबकीबेला काई ये नहो
कोस न्हाको सुतो वा आनंद ये जे ।

- ३ तीजो पानो ।—इंवेई जद हे ओरथावच कपट
नसका तद आतेनसमें एकलो रेंको घोरो ओ ध्यान
२ कयो । ओर धानें निखल करखनें वा धांकी प्रतीतके
आयदानें धानें वातरौ करखनें न्हाको भाई वा भगवान
को सेवक वा खीटकी मंगलीक कथामें न्हाको उपरसरा
३, तिमोतियसुं मेल्यो कें इं कटसूं कोईपिब नही हिलाये
जाय कोस ये जाबोजे के हे ओ कट भागवतके
४ निखीजा । कोस जियो ऊवोजे वा जियो ये जाबो जे
तियो जके न्हांके कट यावबो ऊतो आ हे पैसडा धांके
५ कने रेंबकोबेला धानें कयो जे । इंवेई ऊं ओरसेखनें
नसकर धांकी प्रतीत जाखनें मेल्यो काजाया कोमती
६ धांकी कोमत करे वा न्हाकी देनगी निकमोके । ओर
अने तिमोतियसुं धांके कनासूं न्हाके अठे आयर धांके
७ प्रतीत वा प्यारकीमंगल ववर जायां पनें वा जिया हे धानें
देव्यां जावांजां तिया कं धे न्हांके मोकजा देवबे, आयर
न्हांके रोजीना घोधीतरें चितारोजे हे भायां हे धांकी
८ प्रतीतसूं आयका सगला दुखमें वा आयदानें धांकी वासबेलो
९ में वातर करखवालाजा । कोस अर धे भगवानमें निखल
१० रहो तो न्हे उवरां । जीं कारख धांकी मुंडो देवबनें वा धांका
११ इतवारमें जका कसूरनें वा परवारखनें रातरदिन बत्तोकर
खवाला हे जीं सगला आनंदसूं धांकेवेई भगवानकी याचना
घरवां राजी जांजां उंसूं हे भगवानके काई सुतो धांकेनेई
१२ ओर कर सर्वा । अने भगवान सागो वा न्हाको बाभो वा
१३ न्हाके प्रभुविजुखीके धांकेनेंडो जाखनें न्हांके मारंग दिवावे ।
ओर भगवान करे के जिया हे धांकेकनें तेषा के धे आयतमें

१३ वा सगला खोगाकने प्यारमें बघो वा पसररो। के न्हाको प्रभु यिमुखोट आपका सगला संभेगी खोगाके कारे खेर जी नेला आसी उंबेला गभशान न्हाका बाभाके सामे निर्मेज वासूं धाको मन निगरघामी निखल करे।

- ० चोथो पानि।—ओरपिख हे भायां होत करखमें वा भगवानकी राजीपब करखमें धाने जकीर ठोकजे आ से न्हाकेकने लाधोजे प्रभुयिमुका उकराससूं हे धाकेकने विनती करींजी वा सीषावख करींजी के हंसूं धे ओर २ वता उखमी जो। क्हीस धे जाबो जे के प्रभु यिमुसूं हे ३ धाने जका आग्या दीनी। क्हीस भगवानको मन ओर ४ धाको मुज होखो विनेष धाकी पातरबाजी जेडखो। ५ ओर पवित्रपखोमें वा मर्यादामें धाके चविंजी खोगको ६ आपकोर डोल कोठार करखो। भगवान नजाखखवालो ७ दूजादेनवाल्यां हसो संगतकी रीतसूं उ नहो। ओर कोर्डिशिख किबो वासवेखीमें आपका भार्दकने धरम लंघनो वा भुलो न देखी क्हीस भगवान हंकारखको तोसीसि देखुवाखोजे जितो हे पैलडा सोषावख करो वा सावदो ८ दीनोजे। क्हीस भिसठकाम करखने भगवान न्हाके ९ बुलाया नही पख चोषाकाम करखने बुलायाजे। हवेडे जको लोग निकमो करर जाखे उहो लोग आदमीके निकमो कर जाखे नही खेर भगवानने के जी आपको घर्षे १० आत्मापिख न्हाके दीनोजे। यारीको वासवेखीमें क्हुदि गरज नहो के जं धाकेकने लिख्युं क्हीस आपतमें प्यार कर ११ खने धे सागी भगवानसूं भखाबोडाजे। ओर माकि दोनीयाकी सगली जागा जके भार्दजे वा सगखाने धे वा पिख करोजे खेर हे भायां हे वोनती करींजी के धे १२ हमें पगर बघो। ओर निगरदुवमखी होखने वा

आपकेर काम करबने वा जिखो नै आग्या दोनो तिखो
 १२ आपका इतथसू काम करबने । वा बारखेमें जके लोग
 ॐ बाकेकने पाधरो व्यवहार करबने वा भीमें धाको कुंछि
 घटतो नरहे तिख्या करबवेई उद्यम करबने के सगला
 धाकेकने नै वीनतो करींगी ।

१३ जेर हे भाया जके नौदमें सूताके वाका फायदामें जं
 धामें नजाखकार रया पाउंनु नही के ज्वा दूजादेमवाली
 लोगको कुंछि प्रतीत नउं छे वाकी वासवेलीमें वा लोगो

१४ इया पिन्तावान भसो छो । कौस अर नै प्रतीत करेउं
 के यिनु मयो वा जेर उपयो तो जके यिनुमें सूता पयउं

१५ धामेंपिख भगवान उंहिसरे आपके भेखो खासो । कौस
 प्रभुकी कथासू भीमें नै कवींगी के नै जको जोवतागी
 वा भगवानता धावखतोडी रेउं जके नौदमें सूताके

१६ वाको पिन्ताडीजाखवाला न असो । कौस जैजकारवाखो
 वा सिलेदार हलकारको साद वा भगवानको वाको बजा
 वता प्रभु आप खगैसू उतरसो ओर खीरमें जके मखाउं वे

१७ पैलडा उपडसो । उंपने नै के जको जोवता वा संसार
 में नौ प्रभु भेला मिलबने वाके भेला मेमे ताण्यो जाया

१८ उंसू प्रभु भेला रोजीना रेखा । इवेई आ कथा केखसू
 आपने आपतमें घातरी करो ।

५ पांचमो पांनो ।—जेर हे भाया भेला ओर जिखो
 भेलाको वासवेलीमें कुंछि गरज नही के जं धाकेकने
 १ बिधुं । कौस छे आय ठोक जाखोने के जिखो रावका
 २ ओर आवेउं तिखो प्रभुको दिन खासो । कौस जांभेला
 लोग जातो वा विगरटटाको कथा केउं उवेला भिसो
 ग्याभख जुगारं जखबको दद उपजेउं तिख्या वाका धोज
 ३ हक बारपिख असो ओर वे नपसो नही । जेर हे भाया

- ये अंधारामें न जा के उ दिन चौरसरीया धाके उपर आखफ
 ५ हें । ये सगला जानणाका डावडा वा दिनका डावडाजे न्हे
 ६ रातका अथवा अंधारका नहो । उवेई आवो न्हे दूजा
 लोगा ईसो नीदनसूता लेर न्हे पोरो देवा वा साबघेत
 ७ रचा । कौस जके नीदमें सूताहें वें रातमें सूताहें वा जके
 ८ मखानाहें वें रातका मखाना चेंहें । लेर दिनका जके न्हाका
 प्रतीत वा प्यारउखिहारे आगि और उबारका भरोसा
 ९ सरिवा डेप पेरर साबघेत चां । कौस रोसको भोग
 करबनें भगवान न्हांने निखक कखा नही लेर न्हांके प्रभु
 १० यिमुखीछनी बाइसूं उबार जाअयनें वें जको न्हांकेवेई
 मयो के जागता के अथवा सूता के न्हे उके भेजा बघां ।
 ११ इवेई जियो धे करेजे तियो अमूममें आपनें वातरी करो
 वा पगर बघारे हे भायां जका धाके विचाले देंनगी
 १२ करेहें वा प्रभुमें धाके उपर निखेहें वा धाने नंधा करेहें
 १३ वाने जाबबनें । और वाका कामसूं वाने प्यार करर
 मोठी मर्याद करबनें और आपतमें विगरबेर होबनें न्हे
 १४ धासूं वीनती कसंगी । हे भायां अनें न्हे सो सोषावब
 धाने करांगी जके ठोठनें वाने सोषाव दुबलामनाको
 वातरी करो निबजाने कपडर रावे सगला खोगांनें
 १५ सेबवाला को । हिंसाके कारख कोई किंकोई हिंसा नकरे
 लेर आपकेर नीचमें वा सगलाकवे रोजोना घोषो थवहार
 १६ करो रोजोना आनंद करो । रोजोना प्रार्थना करो सगली
 १७ वासवेजोमें झुति करो कौस धाका फायदामें खीछयिमु
 १८ में भगवानको आ राजीपख हें । आआनें नुभाव मती
 १९ निमितियाको कथा निकमी मती जाखे । सगला कामको
 २० कोमत करो जको घोषो के उनें काठो करर कपडो । घाटा
 २१ कामको समखी उगखो जेडो । और जातकरबवालो भम
 २२ वान आपो धाने सेवेअना निर्मल करे । वा प्रभुयिमु

५ पांचमो पांनो पाउलको पैखडो कामद तेस्कोगीको । 511

२३ खीछकेँ आवबतोडी चांकी सगली कामा वा मन वा डोष

२४ विमरखेन बघाजो कर्या जाय । जीं घनिं बुझावातेँ उ

२५ यतवार करबवाला तेँ ओर उ उ काम करसी । हे भायाँ

२६ न्हिंकेँई याचना करो । सगला भायाँकेँ निर्मलबाकी

२७ देर बनवा करो । प्रभुवा नावसूँ ऊँ घनिं कामा देई

तुं केँ ओ कामद सगला संमिमीभायाँकेँ वांचो जाय ।

२८ नाकेँ यभुविमुखोछको अनुग्रह घाँकेँ उपर चो । धामिन् ।

Vikarsa.

3 M

वि

तिस्रोनिर्वाकन पाउलको दूजे कागद ।

१ पैलडो पानि ।

- १ भगवान् न्हाका बाभामें वा प्रभुयिमुखीछमें तस्वी
- नियाका जका टोलीने उंकेकमें पाउख् वा सखानस् वा
- २ तिनोवियस् कागद लिखेने । न्हाके बाभो भगवान् वा
- ३ प्रभुयिमुखीछसूं अनुग्रह वा जाति धाके उघर के । हे
- भाया जिसो ठीकपियने तिसो धाकेवेई न्हांने रोजीना भग
- वान्कमें स्तुती करखको निखलने कोस धाको प्रतीत मोक
- की वधै कीर धाके चावे जी लोलाकमें धाको आपसमें
- ४ प्यार रोजीनार इसो बघतो केने के थे जके समला बेर
- वा कष्ट पावोने उमें धाको जको संखी वा प्रतीतने उमें
- हे भगवान्की डोलीमें धाको पासवेखीमें सेवी करीनी ।
- ५ के जको कष्ट भगवान्के याधार्य विचारको एक चोडे
- ६ लखलने के थे भगवान्के राजका जायक गिहे जति के
- धीकेवेई थे कष्ट पावोने कोस जको धाने कष्ट देवेने
- वाने फेर कष्ट देखो कीर जको कोई भगवान्के जखि
- नही कीर न्हाके प्रभुयिमुखीछकी मंगलीक कथा मने
- ७ नही वाने तोसीस देखने । जद प्रभुयिमु आपके
- जकिया हलकारनि जारेलेर बलसी पासदेखुवा खनेसूं
- ८ चोडे जसो उबेला कष्ट पावखवाका जके थे धाने न्हाके
- ९ भेला चेखदेखोपिख भगवान्के ठीकने । कोस जी दिन
- हे जको सावतो धाकेकने दीनो उ प्रतीत कखीडे ने

जद प्रभु आपका साधु लोगके विषमें सुती पावबवेई वा
 जोता लोग प्रतीत करेते वा सगलानिमें भोक्खा मीया जाब
 १० वेई आसी। तद उं दिन उंका सांमासू वा उंकी पीचका
 ११ तेजसू वांकी अमंती विनाअसूरत तोसिस ऊसी। ईसू
 ने रो-ीना याचना करांती के न्हाने भगवान धाने ई
 बुझावा लायक जाबसी वा आपका भलाईकी अभिलाषी
 १२ वा प्रतीतसरीनो काम पीचसू परवारसी। के न्हाने
 प्रभुयिजुखीएकी नांव धाने विषमें सुतीपावे जोर न्हाने
 भगवान वा प्रभुयिजुखीएकी अनुग्रह मांकक धे पिब उंके
 विषमें सुती लाधे।

- २ दूजेपनि।—हे भाया न्हाने प्रभुयिजुखीएके आव
 यका फायदामें वा उंकेकने ने भेख अंवा होखकी वास
 वलीमें अने न्हे घासू आ वोनती करांती के धांकी आकासू
 २ अथवा कथासू अथवा न्हानेकनासू जियो कागद ऊतो
 तिसाई खीएका दिन नेंडा होखकी वासघेकीमें कामदसू
 पिब मनमें बेगा हिलायोडा नको वा हदथाया न को।
 ३ कींतरे कीनेईपिब धाने भुलावखने मती दीख्ये कींस मारग
 भुलखो पैलडा न होखसू उ पापपुरव अथवा घोजगयाकी
 ४ डावडे चोडे न होखसू को दिन आसी नही। के न्हाने भगवा
 नका नांवसू विख्यात जिता वा पूज्योडा जिता यां सगलां
 के नेरमें वा यां सगलांउपर आपनि उंधे करेते के आपी
 नको भगवान आ चोडे करताए भगवानइया भगवान
 ५ के देवरामें बैठेते। धेकाई पिसारी नही के जद ऊं
 धांकेकने ते तद में धाने आ कथा कहीती जोर धे जाखी
 ६ ते के उ पापपुरव आपकाकालमें चोडे होखने नके २
 ७ बरबेते। कींस अयथार्थको भेद फायदावालो अने होख
 लागे माजो बरअणवालो नको लाग उधी विषमासू

५. जे गयोडे जेज्जेवोही बरवणी । उ ऊतायने उ विगर
 मवववावो भोडे ऊयो ने जीने बभु ममसो आभासुं
 संभार बरणी वा सायका आववका वेजसुं विजगमा
 ६. सो ने जीने आववो मोकाके बरवकेमाकक समजो
 ७. जेच वा ज्जव वा बूडा ज्जवेरा ज्जमासुं । वा विगाड
 ने सायक ज्जवाइजे जोगांनेपिय मग्गधार्थका समखा पेवसुं
 जे जोगा खण्डार जायवनेई न सायकी मीव आदे बरी
 ११. बरो । ईसुं भजवान मोडो मरगामे वाकेवने जेतसी ।
 १२. जे बूडो मधियादो बरे जे वे लमसा इंदवेम जे जे आ
 सायने प्रतीव बररी खेर अयवाकेवामे राणो जवा ।
 १३. खेर हे प्रभुने बालाभयां थाका फायदामे भगवाव
 केवने रोलीका सुवी करवने थाने निखेजे जेस आका
 को निर्मजतासुं वा सायको प्रतीव करवसुं भजवान उ
 १४. जाह जायवनेई पैसडाता थाने सरावाटे । जीकेवेई उ
 थाने प्रभुविमुखीकको सुतो जायवने थाने मंगलीक कथा
 १५. सुं बुजावाटे । ईवेई हे भायां जे निखत जे वा जी
 यावहारमें जे कथासुं अथवा कामदसुं सीधोडाणे
 १६. उही अथहार मानो । अने नाने प्रभुविमुखीक साय
 वा बभो भजवान जे जी थाने प्यार कयो जे वा अनुयह
 १७. सुं अलय वाधरो वा उत्तम भरोसी दोनेजे उही थाका
 मगणी वातरी करे खेर आवेसी मोखीकथा वा कामसुं
 थाने निखत करे ।

२. मज्जे मज्जे ।—जेवे हे भायां नानेवेई वा
 सायका बरे जे भजवानको कथा बिधी सुके निचा
 जे वाजेजे उरतरे विगरकोवपसुं वाजे अ महात्म
 २. जे । खेर ने विगरकको वा दुरजनलोमासुं बुटकारो
 २. जे जेसो सरावां जोगांने प्रतीव जे । खेर भजवान

- प्रतीक लायकते के जो थाने निर्र्णय करती वा पापसू दया
 ० कृती । प्रभुमें ने चाको वासविहीमें यतोव कराना के
 ५ न्हाका जकर काम थाने आग्या कराना ये वे काम करो
 ५ जो वा करयो । और भगवानका प्यारसू वा खीरवेई
 ६ सेबसू नाडजेवखने प्रभु थाको मन बतावे । हे भाया
 ने प्रभुयिसुखीरका नावसू थाने आग्या देवीना के
 चविसे भाई वेटेपलक चालेते वा जका रीत ये न्हके
 कने लाघीते उता नही ये उं चवेजी लोगसू न्यारा हो ।
 ७ ये जखीजे के न्हके पिनाडो चालकको थाको काईर
 निर्र्णयते कोस चाके निचमें ने वेटीचाल चाला नही ।
 ८ और कीरीरपिण बसुमुफत खाई नही और रातर दिन
 उद्यम वा देनगी करर काम कयो के थाके निर्र्णयउपर
 ९ पिण भार न देवा । न्हको मुंडो जको नही तो नही
 १० यख थाके वांगी होखवेई के ये न्हके पसरो हो । कोस
 जद ने थाका साधना तद आग्या करीजे के अर कोई
 ११ लोग काम न करे तो उ पावखे नपासी । कोस ने सुहा
 ना के थाके निचमें कोईर ~~विधि~~ रीतमें चालेते वा
 १२ काम करेते नही और दूजाके कामको चरपा करेते । ईवेई
 न्हका प्रभुयिसुखीरको नाव और थाने आग्या वा सोवा
 वख कराना के वे विगरदुसमखी अयर काम करे
 १३ वा आयकोर बसु धावे । और हे भाया ये घोषा काम
 १४ करखने मती थाको । और ई कामदसू न्हको जका
 कथा वे कथा अर कोई न माने तो उ आदमीको ठिकाखो
 लगयो और उके नेखा कथावाली मती करो के उ जजर्वा
 १५ हो के । तोपिण उने वैरीसरियो मती गिबी और
 १६ भाईके इतो उने भडो । अब जातिदायक भगवान
 सगला उखिहारासू वा सगलीतरसू थाने जाति
 १७ देवे प्रभु था सगला भेवो रवे । न्हरे आपके हाथको

516 १ तीजे यात्रे वेस्त्रोनिमें पाउलकी दूजे कागद ।

द्विषोडे में पाउलकी बनहा चार्वेजी कागदमें चारो
१८ को संनाबडे रं सरीके जं लिपेनु । प्रभुयिमुबीरकी
अनुयह यां सगलाउपर को । आम्नि ।

याउलु नको पैलडो कागद तिमेतियसूकेने लिख्योने ।

१ पैलडो पाबो ।

- १ ऊं याउलु के अको भगवान् न्हको तारखवाको वा प्रभु
- यिमुखोच न्हका भरोसाकी आग्यासूं यिमुखोचको इख
- २ कारोनुं । भगतसूं न्हरें घघार्ध डावडा तिमेतियसूकेने
- लिखुनुं न्हकिं वाभो भगवान् वा प्रभुयिमुखोचसूं दया वा
- ३ अनुग्रह वा आती घारेंउपर के । में माकिदेनियांकी
- आखकीवेखा तनें यफीमन्में रेबनें जिखो कयो उसोई कर
- ४ के किमई खोगानें दूजोसोबावख न करखनें वा असयेदो
- वा अनंतीपीठी न मानेने आग्या देवो के अको भगतसूं
- ५ पयरे नधारखसूं पख भगडो उपजावेनें । आग्याको ओर
- तंत साकमनसूं वा चोवामनसूं वा निरदोषो इतवारसूं
- ६ पार के जीनें कोईर गेडर ओर अकेर केनें वा अकेर
- ७ जिखे नेलेनें आ नजांखर तौरेंतका सिपावखवाका खेखकी
- ८ इच करर निकमोअदलेबदलेउपर मुखोनें । जेर तौरेंत
- साचलोगावेई नही जेर फतवा वा न मानखवाला वा
- घोटेंमारम वा सेवा न करखवाला वा पापो वा असाधु वा
- धर्मरहित वा पितानें मारखवाला वा माउनें मारखवाला
- ९ वा खुनी वा यातरबाजी वा घाराद्वारखा वा आदमीनें
- घोरीबरखवाला वा भुठो वा कूडी सीस करखवाला
- यां सगलानेई ओर सच्चिदानंद भगवानको अको महात्म
- १० मखोडो मंगखीक कया न्हरेंकनें भलायोडो गे उं

- माफक जका घोषोसोवावखणें उकें बेर खोर जकेर उें वा
- ११ सगलकिबेईपिखणें आ जांखर ने जांखानें के जको आदसो
ठोबनाफक तौरंतकी रीत करे तोही तौरंत घोषोणें।
- १२ जं हाका प्रभुयिभुखोचकनें सुतो कडणुं के जीं मनें बखियो
कयो, फोस उं मनें सेवामें काथम करर विन्हासो गिण्योणें।
- १३ के जके विंदा करखवाजा वा बेरकरखवाजा वा हिंसाकरख
वाजा जा खेर में दया खाधी फोस में बिगरहेस ऊपर उ
- १४ काम बिगरइतवारसू कयो । खोर खोचबिभुमें घवीत वा
- १५ प्यारके भेजा न्हानें प्रभुको अनुग्रह बोधे जे आ कथा
प्रतीत लायक वा सगलओतरेसूं आरेखायकणें के खोचबिभु
पापीलोगानें मुक्त करखनेई संसारमें आयो के खोचो
- १६ ठाकुर जंतुं । खोरपिख जं इबेई कथा खाधोके जको
अनंत आउपातोडो उकें करखामिठ अंती पाकेबेई बांगरो
घोषणें विभुखोच पैलडा न्हानें विषमें सगलओतरेई भोवजा
- १७ दिवातोडो सेबो जोठें करे । अनें अनंत वा अजर वा
अदेष राजा वा ओकेबिगर अखजवंत खोर कोई कही छो
जको ममबांन उकें उपर मर्घादा वा माहात्म्य रोजीवा
घावें अद के आभिणु ।
- १८ हे विमोतियस् डावडा धारी वासवेखीनें अका निम
तियाकी कथा पैलडा कईगई के तूं वासूं जेयोदइ करे
- १९ वाके माफक जं धारकनें आ आग्या भलाउणुं । के तूं
भगत वा जको घोषोमन किताक जोगी जेडर भगत
को जिहाज भांज्योणें अ्याके विषमें हमेनियस् क आबेइ
सांजणें अ्या मनें मोडाफनें भलायोणें के वे उखंडपयो वा
करखनें सीके ।

२ दूजो पांनो ।—अनें जं सगलकि पैलडा कडणुं के
सगला लोमानेई मांगयो वा याचना वा दोनतो वा सुतो

- २ करी जाय विभेव राजाके वा सगलो जासनकरखवाला बेई के ने साधुरीतमें वा साधारमें जाति वा बिगर
- ३ बेरसू दिन काठी । कौस न्हिकें तारखवाला भगवानकी दख
- ४ में आ ठोक वा आरें करखयोग ठे के नको चावें के सगला
- ५ आदमी मुक्त के वा साधता आरे करें । कौस एक भगवान और भगवानके वा आदम्याके बिचमें एक लोग मनसोपी
- ६ पिबेने अथवा उ आदमी खीर बिनु के भी ठोकबेलामें सायदी करजाखबेई सगलाके नुटीपीखको मोलबेई
- ७ आपने दीना । अं खीरमें सापी कथा कउंनुं अं भूठ कउंनुं नही उ साबतो करखबेई अं छंटेरो करखवाला वा हलकारा अथवा खीरकी रीतमें वा साधता दूजादेन
- ८ वालाके एक सोषावखवाला सेवामें निखल नुं । इंवेई न्हारी बचने के लोग रीस वा अकबिगर निमंकाहाथ
- ९ सगलो जागा उधाडर वाचना करें । जुगायीपिख सरम सूं वा गांभीरतासूं आपने सतीबरीषो कपडा पेंदवे चोर्टियटियासूं अथवा सीना अथवा मोतोयासूं अथवा
- १० घोषा किमतका कपडासूं सेत नही । खेर भगवानके सेवा मानखवाली जुगायामें जियाठीकने भवाकामसूं समें ।
- ११ सगलो वरें जुगायी वज होयर अबेला करर सीधें ।
- १२ खेर सोषावखने अथवा मोठ्यारउपर जासनको काम करखसूं अं जुगारने करखने देते नही खेर अमोत्यो रेखने
- १३ आग्या देवुंनुं । कौस आदम पैलडा उपजायो ने उपने
- १४ खावा । खेरपिख आदम भुजायोडी न ने पख रंड
- १५ भुजायोडी अयर आग्या जाधी । खेर अर वे अकलवतीसूं प्रतीत वा धार वा संमैगोके काममें रोजोना खेकोन रहे तो भावडो जखबसूं उबरसी ।

- ३ तीजो पानो ।—आ सापो कथाते के अर कोई भडारको काम पावे तो उ लोग चेवोकांम पावे ते इंसू
- ४ पाइजे के भडारक विगरेअव एकरांको घणी पेरदेक वाली संयमो घोषीवालपासबवालो संविभाज करखवा
- ५ सुभाव सिवावखनेवायक दादघोर नही । मारखवाले नही विगरेठीककांमसू मायाभेलीकरखवालो नही यख ठीककरखवालो वा कभियो नकरखवालो कोभो नही आप का डावडाने वन्न करर सगलीतरेसू सेखसू आपके भूंया
- ६ को काठो भासनकरखवालो ते । कोस कोई अर आपका
- ७ भूंयाको घणीयाप करजाखे नही तो वे भगवानकी टोली को काम उघमसू कीतरे करसी । घोडे दिनांको भगत
- ८ पिख नही काजाखा गुमानसू मख ऊवर मोडके दोममे
- ९ पडे । ओरपिख अदरेते के वारजाका कोमांके उंको
- १० भलाई रहे के बदनामीमे वा मोडाका कासमे न पडे । अदर पिख ते के दोकन् सेनवालाते दोष बोलीवाला नही वा मोकलो दादघोर नही विगरे ठीककांमसू मायाभेली
- ११ करखवाला नही यख साफ मनमे खीछकी रीतको भेद
- १२ दाखवाला के । ओपिख पेलको कोमत कखेडा के उं
- १३ पते विगरेअव जांगया उपर दोकन् सेवामे काम करे ।
- १४ ओरपिख निखेते के नाकी लुगाया सेनवाला के वा टंटे देखवाला नही यख पोरो देखवाली वा सगला काममे
- १५ प्रतीत ही । दोकन् एकर लुगाइके घणी ओर आपका डावडाने वा घरांका भासनकरखवाला के । कोस अरी
- १६ द.कन्के सेवामे घोषीरीत करी ते वे आपकेवेई घोषीखिद मत वा खीछयिसुकी भक्तिमे मोटी हिम्मत धाधेते । घोडा
- १७ दिनां पते घारेकेने आवखने भरोसो करर जं घा घारे
- १८ कने लिपुट । के अर जं ढोल कं तौ तू जते
- के भगवानका भूंयामे रीतकरखने कांरे ठीकते के

जका जीवता भगवानकी टोकी वा भगतको घामि वा जीव
 १६ ठे । और निखय भगवानकी सेवाको तत्वको उंढायको
 मे-टोठे भगवान डोलमें चोडे आत्मासूं सिद्ध कयोडे इल
 काराकने चोडे दूजादेभवाल्याकने छंटेरो कयोडे संसारमें
 विश्वासी प्रतापमें ल्याबोडे ठे ।

- ० चोथो पानि ।—आत्मा ठीक केठे के भरम जखंख
 १ वालो आत्मा वा देवताकी सोधावख मानखवाला कपट
 सूं कूडोकथा दोबखवाला उंनालोहसूं बाल्योडे मन
 २ यावको बरजखवालो वा जका घीयको बख साचप्रतीतो
 वा साचसमभंखवालाके सुतो आरे होखवेई भगवान
 उपख्योठे वाबख गेडंखके आग्या देखवाला कित्ताक
 ३ लोग ठेवडामें भक्ति गेडसी । भगवानकी बखाई सगली
 बख चोथोठे और अर सुतो करखसूं लीजो जाय तो
 ४ नलेखकी क्युंइ नठे । क्योस वा भगवानकी कथासूं वा
 ५ याचनासूं विमंज करी जायठे । ते आ सगली कथा
 भायाने चितरायर जका भक्ति सोधावख लाधोठे उं भक्ति
 की कथा वा चोथोसोधावखसूं पाल्योडा यिमुखीएके एक
 ६ उचम सेवक जसी । और अघभी वा डोकरो राडाकी
 सोधावख न सुखर आप भगवान सेवाके काममें उचम
 ७ करो । क्योस डीजके उचम मेकजी घोडे फायदे देवे
 ठे पख संसार वा परलोककी वासवेलीमें करारके योगी
 ऊवर भगवानकी सेवा सगलीतरेंसूं फायदावालोठे
 प्रधोतकरबकी वा सगलीतरेंसूं आरे करनलायक कथा
 ८ आठे । औरपिख ने ईकेवेई देजगो कराना वा गोई
 ९ कयोडा काना क्योस नै जीवता भगवानके उपर भरोसा
 राधानाके जको सगला लोगकी तारबखलाठे विनेष
 १० इत्वारिका अे सगली आग्या दे वा भखाव । कारे घारो

- १२ जवानी निकमी करर न बाबें खेर कथा वा रीत वा
 प्यार वा आत्मा वा प्रतीत वा निर्मलपबासूं रचबाराका
 १३ नानगी हो । नारें आवबतोडी भखबमें वा मन सोबा
 १४ वखकरबमें वा सीधमें उचमी रहो । जका पोच घारें
 धोचमें उं उंमें गाफली मती करबें कें जको बोदाकें पांचाय
 तकें हाथ देखकें भेखो निमिनिवाकी कथासूं दीना गयोउं ।
 १५ या सगलामें चिंता कर वा सगलीतरेंसूं खेंचीन हो कें
 घारो फायदो सगलोकमें चोडें कें आपकें उधर वा आप
 १६ की सीधमें मन खगाय उंमें रोजीना खेंचीन रहो क्वांस
 उ करबसूं आपकें वा आपका सुखबवाचानें उदार
 करखे ।

- ५ पांचमो पानो ।—बोदाडा आदम्याने बोधीवे मती
 खेर बाभाकमें जिष्ठा ठोक तिसी उंकेकमें चीजती करें
 २ जवमोव्याराकने भाषां इखे । वा डोकरो लुगायाकने माउ
 कने जिष्ठा ठोक तिसो वा सगजातरेंसूं सुझरोत करर
 जिष्ठा बेनकने ठोक निष्ठा मोव्यार लुगायाकने रीत करे ।
 ३ जका लुगई ठोक लुगईउं वाकी आदर करें । घब कीखी
 ४ रांड कें अर डावडा वा भतित्रा रें तो वे पैलडा आपकें
 भूंघामें घोषाकामकरणसूं वा आपका माउबाभाको उचटो
 उपगार करबमें ताकीम कें क्वांस भगवानकें घरखां हो
 ५ काम चोखेउं वा भको घारेउं । जको लोग ठोक रांड वा
 विधवा वा भगवानको आझरो करेउं वा रावदिन याचना
 ६ वा वीजती करबमें रोजीना खेंचीन केउं । खेर जवे
 चैन भोगमें दिनसोडेउं वे जीवतयकी नेजामेंपिख मखो उं
 ७ वाकें विगरघामी होखवेई आ कथा आग्यार कर । खेर
 ८ अर कोई आपका जोतीयावेई विनेष आपका भूंघाका
 खेगावेई उचम व करे तो उं दोग भक्तीने निकमि करर

१. जांखीं ओर बिगरइतप्रारसूंपिख नोदें । किबी रांड
नें ओल्लोमें मती बिषजे के जका साठां बरसां उमर
सूं ओलीं एक मोठ्यारकी जुगारें जका ऊई जी पोवा
कामसूं मोटी चोषारें के डावडानें पाल्लोनें वा अतिथी
२०. नें जागा दीनीं वा संमेयाका पग धुवायां वा दीनांका
उपगार कएोनें वा आवेंसेा चौंषाकाम यतमसूं कएोनें ।
२१. ओर मोठ्यार जुगांयानें आरे करज्यो मती कौंस जद खीर
२२. का बैरमें मोठ्यारकी संगत पांयण लागसी तद भें घांमी
२३. दार ऊयर आयकी पैलडोप्रतीत डेडर परखसी । वैपिख
भूंयेंर भठकतांर आलम ऊयां सीवेंनें ओर घाली आलम
सा नही पख न केंखकी कथा केंतीर मोटी वृत्तकड वा
२४. अकारख घर्षकरखवालीपिख होखनें सीखेंनें । ईवई
ऊं पाउंनु के मोठ्यार जुगायां परखें वा डावडा जखें वा
२५. भूंयडाकी धंधा करें वा बैरीलोगाकी नंधा करखनें कारख
न देवें कौंस अनेंकोईर मोडाके पिगडीर जांखनें भठकी
२६. नें । किबी प्रतीतकरखवानामेठ्यारकी अथवा जुगारेंकी
अर रांडरें मो वैवनें पालें वा टोलीकी खरघ करखो
२७. मार नके के उ ठीकरांडाको उपरसरो करें जको बोदोडा
घोषी वरें भासन करेंनें वै दूनीमयादाकायक सुमार के
२८. विज्ञेय जके कथामें वा सीषणमें देनगी करेंनें । कौंस
घमंयंघमें ओ केनें धान खुंदखवाला बलदकी मुंडो मती
२९. बांधी ओर नूनर लोग आयकी नूनरी लायकनें । दोय
तीन सायदयाके मुंडाबिगर बोदोडाउपर टंटे आरें
३०. मती करो । पाप करखवालांनें सगलाके सांमां बीषाय
३१. के दूजार लोगपिख बीछें । भगवान वा प्रभुयिजुखीर
वा सरावणीं इलकाराके सांमा वातर रावबसूं कुंछि
नकरर वा आनाकानी कुंछि नकरर आ कथा पालखनें
३२. ऊं धामें आग्या देउंनु । शकोवार कौकेइं उपर हाथ

मति फेंको धोर लोगांके पापका बिराडीपिण भती ख
 ३३ त्रियो आपवे साफ राव । वाखीयांखी धोर मती पि
 खेर धारा पेटवेई वा धारी करर मांदगीनेई खोडोर
 ३७ द्राफको भोळ पी । कींकेईर पाप विचारकेनेई वांके
 अगाकी जानवासा अवर पोडे केने खोर कींकेईर
 पिनाडी जानवासा केने उंईतरे कींकेईर जेव्याकाम
 पैखडा वेडे केने वा अके दूजोतरे केने वें लुकावोडा अवर
 न सकसी ।

६ उठो धांचो।—जिता घउयां ज्वाडाके धांचो न के
 ७ वें आपकेर धांचोनें समली मर्बादाकायक संख्या करो
 के भगवानके नांवको वा सीसावळकी गोई मर्जे धांचे
 २ पिण प्रतीत करखवासा धांचोनें । वें वांके भाई होखसूं
 वांके नाकारा कर न जांखें यख वांके मातमद वा अला
 वा धळका सरीकी होखसूं यख वांकी नखेसेवा करे
 ३ आ कथा भलाय धोर सोपावळ कर । अर कोईपिण
 दूजोतरे भयें वा परेज कथा अथवा नाखें प्रभुविभु
 खीष्टकी कथा वा भगवानको सेवाका काममाफक साळोम
 ७ आरे न करे तो उ लोग गुमांतीनें । वा कुंहे वांके
 नही खेर पूज्जे वा कथाकी वास्तवेजीमें कजियासूं मल्लने
 अवर गुमांतीनें जीसूं दुन्नमनी वा भगडो वा दूजाको
 ५ टेंटो वें नेरता वा भिन्नट मन । वा साचताबिर
 लोगांके अदलेददले उपय्या नें के अके लोभनें भगवानको
 ६ सेवा मानेनें हसा लोगांसूं नाकी सांख । खेर अजो
 ७ के भेला भगवानको पूजा मेकको फायदो नें । कोस
 इ संसारनें ने कुंहे लारे ल्याया नही धोर आ ठीक
 ८ ने के उंसूं कुंहे लारे लोजांण सकसी नही । इनेई
 ९ न्हाने धांचोपेरयो भवांसूं ने अवापी कां । खेर अजे

- मायापात्र होखको उधम करेंगे वै कीमतमें वा काखदामें
 वा दीवानोसररिषो वा हिंसाकरखवाला मोक्का कर्म
 काषमें पडेने के जको वीजजाणमें वा हलाकीमें कोतगने
 १० कुत्रावेने । कींस धनलोभ सगला मोटाकामकी जड
 ने के जीको लोभ कियो करर प्रतीतको मारग भुख्या
 ११ ने और आपने मोक्का कछसूं वीध नांथ्योने । खर हे
 भगवानका लोग तूं वा सगलासूं भाग और सिबाई वा
 भगवानकी पूजा वा प्रतीत वा प्यार वा खारे वा नरमोके
 १२ पिगडी जगवाला को । प्रतीतसरिषो घोषीराड कर
 अनंत आउषो कपड के भीने भोग करखने तूं बुलायोडेने
 और मोक्कासायबांके सामा बोधोकरार खारे कयो ने ।
 १३ सगलाके प्रांखदाता भगवान और यिभुखीछकेपिय
 १४ सामो के जी पंतिथस्पीलात्के सामो घोषे साबतो दोने
 तने जं आग्या देवुने के तूं नाके प्रभुयिभुखीछके घोडे
 १५ होखतोडी के आग्या बिगरखेब वा निखुंतीसूं पालो जीने
 आपकोनेलामें उ घोडे करसो के जको धन्य वा अदुजे
 धखी राजाधिरज वा प्रभुवाका प्रभु जीकेबिगर अमर
 १६ पयो और कीकोई नही । के जको नजांख सकखके पान
 कामें रेंखवालो ने जीने कीखो देख्यो नही वा देखख सके
 पिय नही के जोकेके मयादा वा अनंतबलकी प्रजसा
 १७ को । आमिन ।

इ संसारमें मायापात्रने आग्या दे के वै अहंकारी नके
 और नटेकनवाखा मायाउपर प्रतीतपिय नकरें और
 १७ जीवता भगवानउपर प्रतीत करे के जका न्हीका भोगवेई
 सगली वख मोक्कातरसूं देवेनेके वे घोषाकाम करे
 १८ और घोषाकामतरे मायासूं धनवान के और दानदेख
 ने प्यार के वा दानकरखने पानवाला के । और अनंत
 आउषो आभाकरखने होखहार पुचवेई आपकेनई

526 ६ ठो पांनो तिमोतियस् पाउज्नें पैलडा कागद ।

- २० उत्तम नीव देवें । हे तिमोतियस् धर्म जेथोडा वा निवमी
कथा वा भूठी विद्यासरोके विद्यातविद्या कें जॉनें कोरें
प्रतीत करद भक्तिनी वासवेजीमें भूष्योळें यां सगळानें
२१ जेठर जको धारेंकनें भाकायोळें सो पाव । अनुग्रह
धारें उपर कें । आमिन् ।

भाउल जको दूजे कागद तिमेतिवसकने दिखीये ।

१ पेंखडे पाबो ।

- १ जको जीवतथको करार खीटयिनुमें उं माफक भगवानकी बचसू थिनुखीटको इजकारो पाउल बाबो
- २ डावडो तिमेतिवसकने कागद बिथीये । भगवान बाभो वा न्हाका प्रभुयिनुखीटसू अगुयइ वा दया वा भांसि जो ।
- ३ भगवानकने अं सुतो कबंउं के जीने न्हारे पेंखडा पुरव सू निर्मल मनसू अं सेवा कबंउं धारा आंसुं चितारर वा आनंदसू भयापूया होखवेई तने देवखने मोकखो
- ४ धारर वा जको निखपटी प्रतीत पेंखडा धारे नांनो जोइंसुं में डो वा धारी माउ इजनिकीमें डो वा इमें अं बिगर
- ५ प्रतीतपिख उं के उ तेंमेंपिख डें के चितारर अं रोजीना
- ६ रातदिन आपकी थापनाकी सेवा तने चिताइंउं । इवेई भगवानको दोनोडो वा पोच घोटाखने अं तने चितारर
- ७ उंउं के जको न्हारे हाथ देणसू धारे बिचमें डें । कींस भगवान न्हाने डरखकी आत्मा न दोनीये पख बख वा प्यार
- ८ वा जोषोखीतको आत्मा दीनोये । ईसू न्हाने प्रभुके साबदीओ बधामें वा उंको बंधुवान के अं उं न्हारेवेई पिख बाजा मती मरजे लेर भगवानके पोचके माफक वूं
- ९ मंगलिककधानें सामल कइभागो जो । के जी न्हाने उकार क्योये और संमेग्याका बुलावासू न्हाने बुलायाये न्हाने कामके माफक सो नही पख आपको जको करार

Vikanera.

30

म

- वा अनुयह संसारके पैलडा खीरविजुमें नहिं दीनागवा
 १०. जे नहिं माफक । जेर नहिं तारक विनुखीर उंचो
 दिवालो देखसुं मोडेने के जी मोव गुम करोने वा मंग
 लीककथासुं पांगवो वा अमरपयो मोडे बखोने ।
 ११ जी मंगलोव कथाको छंडेरो करबवालो वा हंसवा
 रा वा दूजादेववाल्याको भखाववालो अं निखे तुं ।
 १२ इनेई अपिय के सगला भोग करवुं जेर अं बखवालो
 ननुं कोस अं जायुनुं के जोकी बाह बपडीने चोर अं
 ठाक जायुनुं के में उंचे जाये जको भखावेने उ उं दिव
 १३ तोडी उ दवाली कर सकेने । जका परेजकी कथा मेंसुं
 ते सुखीने उंची रोव खीरविजुमें जका प्रताव वा पार
 १४ उंसुं उ काठो करवुं कपड । जका मोषीबख घारेके
 भखायेली जी उ नहिं बिचाले देखवालो धर्मभासुं
 १५ दवाली कर । तूं जाबेने के आसिअका बिता कोर
 ने सगला मेंसुं मुखाणे के ध्याने बिषमें फगेसुं वा
 १६ इर्मगेनिसुं । कोनेसोपोरसुं भूयाके कोयाउपर
 प्रभु प्रया करो कोस उं मने वारर आराम बखो जे
 १७ वा न्हारो साकखसुं अमरतो व जे । जेर इंममें रेर
 उखससुं न्हासी ववरदारी करी जे वा मने बाबोने ।
 १८ जोर प्रभु अनुयह करे के उ उं दीन प्रभुसुं दया बाधे
 यकोससुं पिब उं जोता नाममें न्हारी सेव करी का
 नूं मोषीकरे बाबेने ।

२ दूजो पाँचो ।—इनेई ई न्हारा डावडा तूं खीर
 विजुके अनुयहमें बखियो जे वा जका कथा मोफका
 ३ सायसाके बिचाले न्हारो जीभसुं ते सुखीने वा इतवारी
 कोगाकने भलाय के जका दूजाइ कोगाके सिवावक
 ४ सफसा । इनेई तूं विनुखीरका मोषा इक डीठवाखा

- ३ इथी तोसोस सें । राठ करववाळो किरां लोम हं संसार का काममें आपनें अटवाचें नही कें उंकी राजीपण करे
- ४ कें जीं डोडनाण्यांमीरीकें सेवामें उंनं कराये । कोडे पिय अर जीतनवेई उचम करे तोपिय अण्णया इतो उचम नकरर मूगठ पेंरबनें अभिवेष कयो जास नही ।
- ५ देंनगी करववाळो खेतवड जको लोम उंनं सगळाकें
- ६ पेंलडा फल भोगी घोबजो ठीक उें । अं जको कउंनु खो पितार राम अोर प्रभु सगळो वासवेळीसें सनें ग्यांव
- ७ देवें । दाउद्रकें कूलको उपजोडोमेंसूं पाडें कखोडो सगळीक कथाकें माफक सोतसूं उमजोडो यिजुनें पितार
- ८ र । नोंकेवेई अं बींवाकामकरववाळाइथो बंधयतोडो
- ९ कए लाधुंनु लोर भगवांनकी कथा बंधी नउें । इंसूं अं सदखणीवेई सगळो सउंनु कें वें खोएयिजुमें जको
- १० उखार अनंतसुवी समेस वाधें । आ प्रतीत करववाळी कथा कोंस अर न्हे उंके भेला नउें तो उंके भेला
- ११ जीवतय भोग करयां । अर कए संख सकें तो उंके भेला राखपिय करसी अर उंनं फिटकार करे तद उ
- १२ नाने अिटकार करसी । अर न्हे प्रतीत न करां तो पिय आ प्रतीत करववाळो नें वा आपकी कथा नद
- १३ सकें नही । सुखववाळाको उंधावखनिगर निकमी जका कथा वांकी वासवेळीमें कजियो नकरवनें प्रभुके सांमो
- १४ आ आग्या वानें देर आ कथा वानें चितरावें । सरावखार ना जिसरडोकांम करववाळा कें जको साधकें उखिचारे कथाको राखविराठ करेणें वूं आपनें भगवांनके सांमो
- १५ देंखको उचम कर । लोर घमंरखिव वा निकमी कथा सूं अखगे रें कोंस वें भगवांनकी सेवा अोर न करय
- १६ तोडी नधसी । अोर वांकी कथापिय काटसरोषी वाय की ज्वाके निघमें हुमेनाइसू वा फलीतसूं उें कें ज्वाको केई

- १८ उपडखो अवे नइ गयोउं आ कथा करे साचकी वासवेलीमें
- १९ भुल्याना वा कौकीर प्रतीत उंधारुं । लेर भगवानकी कथोडी भोव निखलउं के जीके उपर ओ गायसू चेषी के प्रभु आपके लोगने शीलवेउं ओर जके चावेसा लोग
- २० खोरको नाव वेउं उ लोग अयघाघेपखो गेहें । लेर मीटा भुंपामें घाली सीनो अघवा रूपो ठाव जके केउं से नही लेर काठका वा माटोकापिण उं ओर कित्तक मर्यादा
- २१ केवेई वा कित्तक अमर्यादावेई पिय । ईवेई कोई आप ने यासू साफ करर निर्मल वा प्रभुका कामधायक वा चावेसां सोपाकाममें लार मर्यादावेई एक ठाव खसी ।
- २२ मोत्तारोबेलाको उपज्योडे संगतसू भाग लेर जके साफ मनसू प्रभुकेने वीनती करेउं वाके भेजा प्रघार्थपखो वा प्रतीत वा प्यार वा विगरदुसमखो उचम करे ।
- २३ यथ अग्रान वा अविधा पूज्यो कजियाने उपजार्थेउं अ
- २४ जाणर ओ गेडे । लेर प्रभुके सेवकको बेरकरखो ठीक नही यथ सगलाकने गीलो शेखो भखावबने लार
- २५ होखो सेणवालो होखो ओर गीलासरोधो बेरीकाराने भखावखवालो होखोपिण ठीकउं के साफ आरेकरखतोडो
- २६ कियोतरें वाने भगवान व मखा देवे । वा मोडाका दावसू जीवता कपडा गथासू जके वे उंकी मरजी करखने होअ वाखे के ।

३ तोजा पांनो ।—ओरपिण आ जाखे के उेवडा
 २ दुखको काज ऊसो क्योस आदमी सागोप्यारकरखवाला
 लोभो सेधीकरखवाला गुमानकरखवाला भगवान निंदा
 ३ करखवालो माउवाभाने न मानखवालो नई किरियावर
 वंत अधमी गोवीप्याररहित सरतंतनेटणवाला कूडो
 जोघादेणवाला जितन्द्रियरहित करडो संमेमी लोगाने

- ७ निकमी कर जाणखवाळा । निष्वासघातो एक गूया अहंकार
सूं उपखोळा भगवानसूं बत्तो सुखने प्यारकरखवाळा भग
- ८ वानने सेवाको डोस रासखवाळा खेर उंधी घोच निकमी
- ९ कर जाणखवाळा इसा आदम्यासूं मुडो । कोस वे इधी
तरेंका ते के जके भूंयामें जावर पायसूं बाळोडी वा
तरेंको संगतसूं बिगरेस रीजीना सीवावख करता ।
- १० खेर साचको वासवेळोमें ग्याननेपिख लेणसके मही इसी
११ जका डोफाई खुगार्दने भुखावेंते । जिथो यमैस् वा
यांत्रसने मोनहकी दुसमणी करोते तिया छे घोटेंसुभाव
वा भक्तिको वासवेळोमें बगावखछायक साचताकी बेंरता
१२ करेते । खेर वे खोरआगे बघवपासी मही कोस
जिसी वापी तिसी वाकी मखी सगलाकने घोडे जसी ।
- १३ खेर न्हारी सीवावख वा रीत वा ठेंराथो वा भक्ति वा
- १४ मोकलादिनाशिडो सेधी वा प्यार वा आरे करखो । खेर
आठियोखमें वा इकोनियमें वा लक्षामें में जका दुस
मखी वा कूट सयो छे सगली तूं घोषीतरें जाबेंते खेर वां
- १५ संगलासूं प्रभु मने नुडायो । खोरपिख जिता लोग खोष्ट
यिजुमें भगवानकी सेवा करखमें दिन बाळखे चावेंते वे तो
- १६ सीस् पासो । खेर दुष्टलोग वा मोतबाज तोख करता २ वा
- १७ तोतमें पडतार प्रग २ बीठा जसो । खेर ते जको सीव्योते
- १८ वा जके धारेंकने झलाया गयाते वाने ते सगलाकने सीव्योते ।
आजाखर खोर के तूं डावडोहीखकी बेजासूं धर्मनाखको
जाखबेवालो कवोणे आपिख जाखर वाने रे के जको धर्म
नाख खोष्टयिजुकी वासवेळोमें प्रतोवसूं तने उखारको जाख
- १९ खवालो कर सके । सगलो धर्मनाख भगवानके लेखिख करखे
दीना गयाते खेर सीवावख वा अनुयोग वा आसन वा यथार्थ
कामका उपदेशवेई कलदेखवालोते के भगवानका आदमी
भूसापूया के वा सगलोतरेंसूं घोषाकाममें सजा रे ।

- ० घोषो यानो।—इसुं भगवानके सांमा और प्रभु यिनुबोएकेपिख सांमा जं तने आ आग्वा देवुनुं के जके आपके घोडाकोबेला वा आपका राजमें जीवता वा
- २ मुडदाखोगाको विचार करसो। कथा उठेरो फेरो बेला अवेला थार रहे मोकला दिन सेखो वा सोषावख
- ३ भेजो अनुयोग कर वा इटक वा उपदेश कर। कौस जीबेला वा साचसोषावख से नसकसो जेर कान खुज काखवालो अयर आपके मनमाफक आपकेवेई सोषावख
- ४ बालाने भेला करसो उ बला आसो। वे साचसुं कांब
- ५ मुडायर गयके कथाउपर मुडसी। जेर तू सगली वासवेजामें पोरु दे कष्ट चारे कर मंगलीककथा करखवालाको काम कर आपको सेवाको पूरेसावतो दे।
- ६ कौस जं अने उपसर्ग कयो घोखने थार उं न्हारे
- ७ लदखकीबेला नेंडी आईने। में उत्तमराड करीने में
- ८ कौटमें दोडख परवासीने में भगत पालीने। अबावसुं यथार्थपखे उखिहारे मुगठ न्हारेवेई राख्यो गयो ने के जीने ठोकखीतकरखवाला प्रभु उं दिन मने देओ वा बाली मने सोपिख नही जेर जिना लोग उको पीठे होखे
- ९ अरावेने वानेपिख देओ। न्हारे अठे बेगो आवणकी
- १० अगत कर कौस देमसुं इ अवारका संसारसुं प्यारकरर मनने जेओने वा वेसलोनोकामें गयोने वा केकेसुं गाखा
- ११ तियामें क तीतसुं दाल्मासीयामें गयोने। बाली लुक न्हारे कनेने न्हारेने आपके भेला लियाजे कौस सेवामें उ न्हारो
- १२ न्हारे घोषोउपगारीने। तिखिसने में शफोससने मेल्यो ने अके पेरखका गामा में जोयासने कार्यसकने राख्याने वा और जका पीधी उठेने जेर सगलीसुं बतो वा बाल
- १३ कोपीधी चारे आवखकीबेला चारे खोयाजे। आजेकसांज ठठारें मने मोटी तोसीस दीनीने प्रभु उंका काममाफक

- १० उनें फल देसो । मूपिब उंसू निर्वेवान रहजे कोस
 १५ उं न्हार्के कथाकी मोकली बरता करोणें । न्हारें पेंलडा
 १६ उथलोदेखकी बेला कोई न्हारें साधे न रयो पब सगला
 १७ लोग मनें गेड गया वाबें हिसाबमें लिख्यो न जाय । बेर
 प्रभु न्हारें भेलो गे वा मनें बलियो करियो के न्हारो
 वाहसूं मंजलीककथां सोलेंआनां छंटेरो के वा दूजा
 देनवाली संगला सुयें और उं नारका मुंडासूं गेटोने ।
 १८ औरपिब प्रभु मनें चाबेंसी घाटाकामसूपिब गुठकारो
 करसो वा आपका खर्गका राजतेढो बघाली करसो
 १९ रोभोनाघनें जी बेला उंकी सुतो के । आमिन् ।
 २० प्रखलाने वा आल्लाने और ओनेसिफोरसके गोती
 लोगाने बंध्या करे एरासस करंतियामें रयो बेर जोफो
 २१ मस् मांदो ऊवासूं में उनें मिलेससमें गेयो । सीयाकाकी
 बतमें पेंलडा आवलकी जुगत करवे । इउनुसस वा पुदेन
 स वा कोवस वा खदिया वा सगला भाई धाने वंनडा
 २२ करेणें । प्रभुयिमुबोष्ट धारें आलाके भेजपो के । अनु
 यह धाके उयर के । आमिन् ।

पाउल हलदारे जेको कागद तोतस्कने लिख्योने ।

१ पैलडो याने ।

- १ भगवानका संरावण्यांजोगाके भगसमाफक और अनंत आउयाके भरोसाको वासवेलीमें भगवानको सेवा माफक साधता आरे करणके माफक भगवानको सेवक वा यिमुखीरुको हलदारे पाउल भगतसू आपका डावडा
- २ तोतस्कने कागद लिख्योने । कूड केव न सकखवाले भगवान जेको अनंतआउयो संसारके ठेटके पैलडर
- ३ करार क्यो । जेर भगवान न्हिके तारककी आया माफक जेको छट्टेरो ओधो न्हारेकने भलायोडोने उंसू
- ४ आपकी कथा ठोकवला अवे चोडे क्योने । भगवान काभो वा न्हिके तारक प्रभुयिमुखीरुसुं अनुग्रह वा स्या
- ५ वा जाति के । मे जेतमे तने इचिरे राष्यो के असम्पूडे जकेरने उ ठोक करे जियो मे तने कर निखल क्योने ।
- ६ तियो जेको कोरे बिगरखेव एक जुगाईको घडी वा जीके डावडो विश्वासी वा बेधेकरखसू वा बीठासू अपवादोत नने इसा लोगाने चावेजी नगरमें बोदोडा ओधामे
- ७ निखल करे । कोस भगवानके दोवानसरोयो बिगर घामो वा सागीअरावडी नही एकीवार रीछो नही दाहकीपख सुभाव नही मारखवालो नही भिसटलाभमे
- ८ लोभो नही । जेर संबोभागकरखवालो वा संमेगाने प्यार करखवाला वा संयमी वा साधे वा साधु वा ठोक

- २ माफक चाखवाला । और जीयो सीवायोडोने तियो
 प्रतीतयोग कथाने काठीराखवालो के बिगरखेव सीवावख
 सू बैरता करखवालादे सीवावख और रदकरखने सके
 १० इसाये भडारक चाखकी विखेडे । जीस बेवखयोग वा
 निकमी कथा केनवाला वा भरम जबाखवाला मोफका लोग
 ११ ॐ विखेव सुनतीलोगाके बीघाजे के ज्याको मुंडो मुकर मुंदखो
 पडती जको भिसटलोभवेई सीवखकी न सायक कथा
 १२ सीवाता२ समला कनीबादे उंधाय नावेडे । वाके एक
 लोग अथवा वाकेपिख आपने भडारक एकलोग कयो के
 केती रोजीमा कूडी केबवालाडे दुष्ट जोपद होखेर चाख
 १३ वाला पेट ॐ । ओ सावयो सापने इवेई वाने करडा
 भांडर के वे धिखदी अससेदो वा सायता उधावखवाला
 १४ आदमीकी आग्या नमानर खीटका मतमें काठा के ।
 १५ यविजलोगाकने सगलो यविजने । प्रख भिसट वा बिगर
 इतवारोकेकने क्विहियख यविजने लेर वाकी मन वा जीव
 १६ भिसट ॐ । वे आरे करेडे के भगवानेने जांजांन एख
 मोईसायक वा नमानखवाला वा चावेजी चावाकामके
 प्रायदामे निकमो कर जांखखसायक जयद वाममें फिट
 कार करेडे ।

२ दूजी घांनो ।—लेर सू भखीसीव्याखवाक जकार
 २ कथाडे वा के । के डोकरा मोट्यार विनेकी वा उंडा वा
 अटकलीमाफक चाखवाला वा मगतसू वा ग्याइसू वा
 ३ सेखसू काठा के । डोकरा खुगाथा पिख के वा करे
 के जका घमसू यवप्रार सीमा लार्डे कूडीअथवादी न के
 वा बलो दाखेवर नके चावीवासवेलोमें भखखवाली
 ४ के । के मोट्यार खुगाईने विनेकडखिहारें होखने वा

- आपकार घखीने वा डावडाने प्यार करणने वा खींच
 ५ करखवाजी वा सती वा आपके भूपेरेखवाखी वा चोवी
 वा आपका घखीकी आग्याकारी होखने भखाय के
 ६ भगवानकी कथाकी बदनामी न के । जोत्वार खोगांबेपिब
 विवेकसुभाव होखने सोषावख कर सगला कामसुं आप
 ७ वे चोषानामकी बानगी दिषायर सोषावखसुं विगर
 जोम उंडापणी वा साचता और विगरखेय परेजकी
 कथापिब दिषाय के दुसमनलोग धाकी बदनामी करखके
 ८ कुंदि न काधर लखित के । घडखाने सोषावख
 करिये के वे आपकेर धखीके आचकारी वा सगलीवास
 घेलीमें राजीकरखवाला के उचलो नदेता और चोरी न
 ९ करता । खेर चोषीतरेसुं विश्वासकी रीत करता के
 न्हाके उदारकरखवालो भगवानकी सोषावख सगला
 १० कामसुं सोभा देवे । क्योस भगवानने नमानखी वा
 ११ संसारकी संगतने अलगो राधर न्हे उंचेन देखवाला भरोसा
 को और भगवानके अथवा न्हाके तारखवालो यिअखीर
 के पानखीके घोडाका बाडजोथर इहवालका संसारने
 १२ विभेकीसरीषो वा सिघाईसरीषो वा भगवानकी सेवा
 १३ करखकीसरीषो रीत करे न्हाके खो भखाखवालो उदार
 उचजाखवालो भगवानको अनुग्रह उ अत्यह सगला
 १४ आदम्याकने चोडेने के जी न्हाकेबई आपने दीने के न्हाके
 सगला अथधार्थपखासुं जुडावे वा आपकेबई चोषाकाम
 १५ करखने त्थार विभेय एक गोती निर्मल करे । आ कथा
 के वा सोषावख कर वा सगला सेजेदारीसुं फजिहत कर
 काई धाने निकमा करर नजाये ।

३ तीजे पांजे ।—राजाधिराजाके वा नलियाके आग्या
 २ कारी होखने वा घखीने मानगने पावे जी चोषाकाम

- सू. प्यार होखने वा कीकीई बीठी नकरखने वा भगडानु
 न होखने जेर गीजा होखने वा संगवा लोगांकरने गीजाई
 ३ दिवावखवाला होखने वाके मनमें दे । कौस न्हे आपपिख
 येलडा दिनमें असमभ वा नमानखवाला भुल्लाडा वा
 सरेंतरेंको संगतके वा सुखका सेवक वा घोटाकार वा
 दुसमणीकरखवाला वा जोईलायक वा आपतमें जोई
 ४ करखवाला न । जेर आदम्यांकरने न्हिके तारखवालो
 ५ भगवानको बेह वा प्यार घेठें ऊवापिउं उं न्हिका कपो
 डा सिद्धाईका कामसुं नही पख केरखखे उखिधाराका
 धुनावखसुं और धर्मात्माका करखसुं दूजोबार नवे
 ६ करखसुं पिय न्हिको उबार कपोउं धर्मात्मा के जीने न्हिका
 तारखवाला यिभुखोएकी बाहसुं न्हिके उपर भाकला
 ७ कूछोयेउं । के न्हे उंका अनुग्रहसुं सिद्ध कया जाय
 अनंत आउवाके भरोसाकेमाफक कोठारो के आ कथा
 ८ इतबारकरखको उं । और ऊं काउनुं के तूं रोजोना
 काठाईसुं आ केर के ज्या भगवानमें प्रवीत करीउं वे
 घोवाकाम पाखने उद्यमो के आदम्यांकेनेई घोषे वा
 ९ फायदावत और उं । जेर दोवानपणके पण्डयो वा कुलको
 बखान वा भगडे वा तोरैतको घासवेकोमें भगडे जेड
 १० कौस वे निकमा वा बिगरगरजुं । जवो लोग हेरेतिक
 उं उ लोग उंधो वा आपसुं दोषीकरय पाप करेउं
 ११ आ जांयर इसा आदम्यांने एकबार वा दूजोबार भांडकरख
 पउं जेड ।
 १२ जद ऊं आतेमासुं वा तिखीकसुं धारेंकरने मेखुं तद
 १३ निकपजिसुं न्हिकेकरने आवखको जगत करये । कौस
 सोयाजाका दिनमें उठें रेखको न्हारो मनसोवो उं जेनसुं
 अहलेफकीह वा आपससुं वाके डेरौखदनमें बघाकोसुं
 १४ यारी करजे के वाके किणीफायदामें कसुर न के । न्हिके
 १५ लोगपिख बेगाकामनेई उद्यमसुं भवाकाम करखने

भयाने के वे निकमां न के नारे भेखा जिता खोगडे वे संम
 का घावे वंगया करेते । यकी कोरुं खोछका घर्ममे नारे
 थार करेते वाने वंगया करेते । आं सगखाउंवर अनु
 यह को । कामिन ।

पाउल् जके दागद फिलिमोनकेकने लिब्या सौ छे ।

१ पेंलडे। पांनि।

- १ यिमुखीछको बंदीवान पाउल् वा तिमोतियस् भाई
- २ न्हिके बाबो वा साथी फिलिमोन् वा प्यारो आदकी अथवा
- न्हिके साथीलखर आखिपस् वा धारे भूपामें जका टोलीजे
- ३ वा संगलाकने कागद लिखेंजे । भगवान न्हिके बाभा
- सू वा प्रभुयिमुखीछसूं अनुग्रह वा स्थिरता धामें उपर
- ४ छे । प्रभुयिमुको वा संगला पुन्यदानाउपर धारो जको
- ५ धार वा प्रतीतकी कथा सुखर अं आपकी याचनाकी
- बेला धारो वाव सदाई लेर न्हारा भगवानकी सुती कहं
- ६ नुं । और अं याचना कहंनुं के खीछयिमुका एलाकेमें
- जके संगला गुण तेमें जे उंको धारे करणसूं धारो प्रतीत
- ७ को प्रवेन काठो छे । कोस हे भारी धारो धारसूं न्हाने
- मोटा आनंद वा घातरो जे कोस समेगी लोगाको मन
- ८ धारे करणसूं चैन कयो जायजे । जकेर ठीकजे वै तने
- ९ आग्या देखने अं खीछमें हिमती जय सकुंनुं भोपिख अं
- पाउल् डेकरो और अनेपिख यिमुखीछको एक बंदीवान
- १० जयर धारसूं यख तने वीनती कहंनुं । में आपका औ
- डावठाने अटककोनेला जयायोजे अथवा कोनिसीमस्ने
- ११ उंकेवेई अं तने वीनती कहंनुं । के जके पेंलडा धारो
- निकमेकारजे लेर अने धारो वा न्हारो फायदाकार
- १२ जवोजे । उं मने और मेल्योजे इवेई उंने के के जके न्हारे

- १२ आपके आतासरीवे जे । उनें में आपकेने राषतने पायो के उ धारे नारबसरोवे मंगलोक कथानेई बंध
- १३ हांसू नारी सेवा करे । यथ धारो मरजीबिना अ कुंहि करणे चांउ नही के धारो उपगार करबो निखे
- १४ जवो उपगार इयो नके पख मनसू के । कोस जव सकेजे के उ तने जेडर कुंहि दिन गया के तू उनें
- १५ रोजीनावेई लेसी । अबे घडयाइयो धारे करसी से नही लेर घडयासू बतोबाला भाई इयो विभिष नारे उपर पख डोलकी घासपेजीमें वा प्रभुके फायदमें उंछे
- १७ किता बसा धारेकनेजे । इवेई तू अर मने सहभागी
- १८ कर जांवेजे तो उंसू नारे आपके इसा धारे कर । अर उं कुंहि धारे बिगाड कयो के अथवा धारो कुंहि
- १९ देयो धरातो के तो उ नारा लेषामे लिष । में पाउळ आपका हाथसू को लिष्येजे के अं उ चुकाब देसू लेर अ तने कउंनु नही के तू नारेकने आपका - जानको
- २० लेबायतजे । हे भाई प्रभुमें तेंसू नारो आवंद के
- २१ प्रभुमे नारा मनने आराम कराय । धारो आगा कारी होखसू प्रतीती जयर वा तू जको नारे केबसू बतोपिख करसी आ जांवर में धारेकने लिष्येजे ।
- २२ लेर नारेवेई ठिकाणोपिख धार करजे कोस मने को भरोसोजे के धांको याचनासू अ धांकेकने दीनो जायु ।
- २३ जोछियिनुमें नारे संगीबदीवान यपाफास वा नारो
- २४ जंगोयो मार्केस वा अरिष्टाकेस वा देमास वा लूक तने
- २५ बनया करेजे । नुके प्रभुयिनुखीचको अनुग्रह धारे आकाके भेनो के । आमिन् ।

आइए जकी कागद एजियाकने कियेगे सी की ।

१. पेंकडो मानो ।

१. भगवान के जी नाना युजमें वा नाना प्रकारसूं निम्न
२. तीयाकी बांसूं पेंलडाकीबेलामें बडेराने कयो उं इडेवडा
की बेलामें आपके डावडांकी बांसूं न्होंने कयोउं के जीने उं
सगलाको कोठारी कयोउं के जीके करबसूं पिय संसार
३. ने उपजायो । जी उंके माहात्मको प्रताप वा उंके
डोलके ठीक मूरस ऊयर और आपके पेंचकी कंधा
४. सूं सगला रावता आपकी बांसूं न्हिको पाप नुडायर
उपरला ऐश्वर्यके जीवखो नेठो उं कोठारीपयांसूं हल
काराका नावसूं जकी बडो नाव लाधेगे उंमाफक बांसूं
उत्तम कयो गयो गे ।

५. कोस उं हलकाराके वीचमें कोकेइकने कियोबेला
कयोउं के तूं न्हारो डावडो आज तने जबायौने और
पिय ऊं उंको बाभो ऊसुं वा उ न्हारो डावडो ऊसी ।
६. औरपिय जद पेंलडाउपशोडाने संसारमें ल्यावेउं तद
कहेउं के भगवानका सगला हलकारा उंको भजन करें ।
७. हलकाराका फायदामें उ कहेउं के जकी आपका हलकारा
ने आत्मा वा आपका सेवकाने वासदेकी भाल करेउं ।
८. खेर डावडाने उ कहेउं हे भगवान धारो तखत रोजीना
घावेजद बेला रेउं धारा राजको राजदंड यथार्थतरे
९. राजदंड ने ते यथार्थपयो सरायेउं और अयधार्थ

- नें मोई करों ईबेई भगवान अथवा घारें भगवान घारा
- १० लंगोल्यांसू तनें आनंदकेतरे तेल पोपडोनें । ओर
 - पिय हे थिअइ तें पेंलडा संसारको नीव दीवीनें ओर
 - ११ सर्ग घारें हाथको कामनें वाकी विगाडे जसो खेर तूं
 - खोर रेनें उ सगजां कपडांसो बोदो अ जाती ।
 - १२ ओर तूं गाभाइसो उ सांबलांसू उ दूजोतरें जसी
 - खेर तूं एकउखिइहारेनें वा घारो बेलाको घाज जसो
 - १३ नही । खेर उ हलकाराकें वीपमें किनेई कियोबिवा
 - क्योनें कें अठातोडो घारा बेण्यानें घारें यगां अं न लागउं
 - अठातोडां नारें जीवयो बँठ वें काई खादम आत्मा नही
 - वाकी सेवा करखबेई हलकारा कें अके उदारका कोठरी
 - जसो ।

- २ दूजो पांनि ।—ईबेई हे अकीर सुखोनें उकेउपद
बत्तो मन देनें ठीकनें कजांयां उ कियोबिवा चुवयें देवें ।
- ३ कोस जका कथा हलकारासू कही गईनें वा अर निखब
 - ४ ऊई वा पावसेो जाप्रयो वा नमांननेो ठीकफल लायेो । वो
 - इसो मोकलीमोटी उदार अर हे गाफल जां तो किवि
 - ५ तरें बचपां कें अके पेंलडा प्रभुकी वांसू कही गई होखसू
 - भगवान लक्ष्य वा अठेरोकाम वा आपकी रुचसरीये
 - मोकला अठेरोकाम वा धर्मात्मासू दोनाडेो वल देर उकेो
 - साबतो कियो यनें ज्यां वाकी कथां सुखी वांसूपिय न्हिं
 - ६ कनें आकथा कयोडोनी । कोस जका होखहार संसार
 - को कथा हे कामां उसंतर उ हलकाराकें आधीन करर
 - ७ वीकेकनें भजायो नही । पय कियोआगा एक लोग की
 - साबतो दोना कें आदमी काई कें तूं उकें फायदामें जितो
 - रसो ओर आदमीको डावडेो कुशनें कें तूं उकेंके
 - ८ दिपालो देवनें । उनें तें हलकारांसू कुंइ नीधो क्योनें

ते उने बडाई वा मयादासरोषो मुगटसूं जोभा दीनेते
 ओर आपके हाथके कसोटी जिता वें उकेउपर निखल
 कस्योते तें उके पगके नीचे सगलाने आग्याकारी कस्यो
 ८ तें। कोस सगला उके आग्याकारी करबसूं उं उके
 कांही बिगरआग्याकारी राख्यो नही तेर अने नै सगला
 ९ उके आग्याकारी देखता नही । पब नै विभुने देवांगी के
 जको भगवानका अनुग्रहसूं पावेजी लोगवेई मोतकी अस
 भोग करबके कारण घोडा दिन हलकारासूं नीचे कस्यो
 गयोते मोतभोग करबसूं सुती वा मयादासरोषो मुगट
 १० सूं सोभितते । कोस जीकेवेई सगला वा जीके करबसूं
 सगला उने ठीक नै के मोकला डावडाने मत्तमे ल्यावब
 ११ सूं वाके उदारके समपतीने कष्ट देर परवारें । कोस
 जको सुब करेते वा जके सुब कस्यो जायते वे सगला हक
 के इवेई वा आ केर वनि भाई केर बुलावबने अजवाबो
 १२ नते के जं आपके भाईकेकने धारी नाव घोडे करसूं
 १३ टीकीके बोधमे धारी सुतोकी गीत जं गासूं । फेरपिब
 जं उकी सरखी लेसूं ओरपिब मने वा भगवानसूं दीने
 १४ डा न्दारा डावडाने देव । इवेई डावडा मास जोईको
 मिलाव ऊवासूं उपिब उकी मिलाव नै के मोतका उकरा
 ससूं मोतका प्रभावका कोठाइने अथवा मोडाने थर्ष करे ।
 १५ वां जके मोतका उरसूं आपके सगली जीवतथके बेला
 १६ तोडी गोलाइके आग्याकारी नै वाने तारे । कोस उं किख
 तरेसूं हलकाराकी सुभाव न भाखर आनरहामका डाव
 १७ डाकी सुभाव कपयो । उंसूं सगलोतरेसूं आपके भावा
 इसो कस्योजाखो उने ठीकते के लोगके पापकेवेई
 प्रायश्चितकरबने भगवानकने जिती कामते वा सगलाने उ
 १८ छपाजू वा विश्वस्थ प्रधानप्राहित के । कोस उं आप

परष कखोडी जवर कल लोधी उंसुं जके परष कखोडी
केते पांनो उपगार करखने पोषवान ते ।

- १ तीजे पांनो ।—इनेई हे संमेगी भाषां खगके बुका
शकीसरीवी न्हिके मतको हलकारो वा बडोडापोरिव
२ खीटविसुने चितारो । के जिखो मोअइ आयका सगला
३ भूंयामे विषय ते तिसो उके निखल करखवालाकेके
४ विषय ते । कोल ले आदनी मोअइसुं मयीदाकेलावक
सुमार कयो मयोते जीकारख जको भूंयो उपाडेते उंको
५ मयीदा भूंयासुं बलीते । चावेसो भूंयो किंकेई करखसुं
उपायो मयोते खेर जी सगली बल निर्माख कयोते उ
६ भगवान । खोरपिख जकेर कवा जासी उके सापूतके
वेई मोअइ आयके भूंयाकी सगली जागामे चाखरइयो
७ विषय ते सही । खेर डावडा जिखा आयका सागो
का भूंयामे तिसो खीटते जीकी भूंयो के जं कर उं
८ थावष वा भरोसाकी वासवेलीमे गुमान उवडातोडो काठरं
९ सुं कपडे । इनेई जिखो धर्मीआ कहेते के आअ जब उंकी
कथा सुखोतेर तद धांकी मन करडो मतो करो तिसो
जोडमे परषकी नेला रीस प्रकाअ होखसुं कयो मयोते ।
१० के जठे धांका बडेरी घालोस बरसातोडी न्हारी कोमव
११ करो खोर न्हारी ख्यांत करो वा न्हारा काम देखा । उं
वेई जं उं नेलाके लोमाके फायदामे कडवेमन ते वा
कयो के वे रेजीना मनमे भुंजेते वा न्हारो मारव
१२ जाखबे लाषो नही । इनेई मे आयकी रीसमे सुंसवागे
१३ के वे न्हारे चैनमे जाख न पासी । हे भायां पोखस को
क्याजांवा जीसुं जीववा भगवान नुटे इसी विगरइष
१४ वारी मन धांके किंकेई धोचमे के । खेर जदतोडी बाअ
कयो जायते तपतोडी रेजीना आयतमे सोवावष करो

- काजीबां यपका कपटसुं घांके कींकेई मन करडे। कयो
 १७ जाय । कींस घर नें आपके प्रतीतसरीबो नीवको
 सह करयो नेवडातोडी करडे करर कपडे तो ने
 १५ खीटकासरीकी कयोडा कांजां । इ कथासुं जियो
 जांयो जायने के आज जद उंकी कथा सुबयो तद रोस
 प्रगठ होखमें जोयो ने तिथो आपको मन करबी मतो
 १६ करो । कींस किबीर जुवर रोस उपकारें सही खेर
 मोनहके करखसुं जिता बोम मिजरसुं बारखे आवा
 १७ वें सगळा नही । खेर उ चालीस बरसांशिडी कींकेई
 वासवेलीमें विहाजी ने आं पाप कयो ने वा. आंका
 मुढा जोडमें यद्याज वें काई बांको वासवेलीमें गे ।
 १८ खेर आं इतवार न कयो उं • आदमीबगर उं काई
 १९ खेरकींकेईकने सुंसकाठीने के वें उंके चैनमें बढे पासी
 नही इनेई ने जांयने पावाजा के वां बिगरइतवारीसुं
 बढयो काबो नही ।

७ कोथो घांता ।—इनेई उंका चैनमें जांको करार
 न्हिकने निखल जवांसुं नें जो डरा काजाणा घांके
 २ कींकेई उ जाधयसुं कसर करंखके इयो के । कींस न्हिके
 कने भंगलोककथा छंटेरो कयो जायने जिखा वांके
 कने छंटेरो कयो गयोने खेर छंटेरो कयोडोकथा
 सुखवालांके निचालें प्रतीतसुं मिखायोडी न होखसुं वांको
 ३ क्वहि फायदे न ने । कींस उं कथो के ने प्रतीत
 करखवाका उंको चैनमें बडेने खेर संसारको नीव करख
 सुं काम पूरो के सही तोपिख जियो कयो के नें
 विराजी ऊयर आ सुंसकाठी के खर वें न्हिके चैनमें
 ४ बडे । कींस अमुकी जागा उं सातमें दिनका फायदामें
 आकथा करे ने के भगवान सातमें दिन आपका सगळ

- कामिसुं चैन कखा औरपिख इं जागा के वें अर नारा
 ५ चैनमें बडसी । और दाउदमें उ आकथा कर रखवेवा
 ६ की निखय करेणें । वें आज इत्तादिना घणें निखो
 कयोडोणें के आज अर ये उंकी कथा सुखसो तो आय
 ७ को मन करडो करख्योमती । क्योस अर यिहोसुवा वानें
 चैन देतो तो उंके घणें औरएक दिनकी कथा उंकेणें
 ८ नही । इसुं भगवानका खोगावेई शेणघार एक चैनणें ।
 ९ क्योस जको खोग उंका चैनमें बडोणें उं खोग भगवान
 १० इसो आपकी काम करयोपिख गेडोणें । कोथीर
 खोगाने उंमें बडखो यडसी वा यकिंकेने कथा पेंखो
 छंटेरो करोगई वें विगरइतवारीके कारख बडे नही ।
 ११ इवेई ने उं चैनमें बडखवेई उखमसुं देनगी करा का
 जाखा उं विगरइतवारीको बानभीमाफक कोइ पडे ।
 १२ क्योस भगवानकी कथा जीवतो वा मोटोपेज वा दोधारा
 पातोसुंपिख चोखो जाखो वा मनने वा गांठ वा मगज
 में दोयबटका करखतोडो बडखेवाखो वा मन जांठ
 १३ खो वा यिन्नाको विचार करखवालो । उंकी दृष्ट
 सुं कोइ खलीपिख गेरहाजर नही खेर जकिंकेने
 नाकी कथा केखो पडे उंके आसके सामा सगलो उघयो
 १४ वा खुलीये । इवेई सर्गमें बडोडा भगवानको डापडो
 यिन्नाको मोटो प्रधानप्रीहित ऊवासुं ने आपयो
 १५ घमें काठो करर कपडी । क्योस नाके इसो बडा
 प्रीहित नही केजको नाकी दुबखार्हेसुं दर्दवंत ऊव
 सके नही खेर जको नाकेइसो परव कयोखोणे खेर
 १६ विगरवामो गे । इवेई ने प्रसाद तखतके केडा निबर
 सुं जावा के कथा खेर जरकीवेखामें उपमार करर
 वें अनुयह जाखा ।

- ५ पांचमो पांनो ।—आदम्यांसुं लीवोडो उं के जके चावेंसो बडा घोषित वें आदम्यां कांनो भगवानकी वास वेजीमें वामके कारखदान वा पापवोजगमाखवालो बलदान
- ६ उपसर्ग करखने निखें । उ आयपिय दुबलाईसुं घेयो जाइसुं डोफाने वा मारगसुं निकल्योडाने दया करख सकें
- ७ उं । इवेई जियो लोगानेई तिया आयकेवेई पापवोजग
- ८ मखतालो बलदान उपसर्ग करखको उंने निखें । और आइरोखइयो जको भगवानसुं निखें कयोडोडो उंविगर
- ९ कोइपिय आयकेवेई आ मयंदा लेउं नही । इतरें खीर पिय बडामोषित घोनवेई आय आयने मोटो कयो नही
- १० और जीं उंने कयो के तूं हारो डावडोडो आज में तने उप
- ११ जावे उ उंने मोटो कयो । जियो उ दूजीएक जाग केउं
- १२ के तूं मेल्कोसेदेकके रीत इसी रोजीना कारख उं । उ आय को डोन कपडखकोनेजा उंकेकने मोकलो रोवयो वा आसुं भरो आध्यासुं याचना वा बोनती उपसर्ग कयो जे के जीं उंने मोतसुं बचावखसको और इरपखदमासुं नूटो ।
- १३ उ डावडोडो सही तोपिय जको कट लाधो उं कटसुं
- १४ आग्याकारोपको सीधो । और परवाखो कयो गयो
- १५ जयर मेल्कोसेदेकके रितिसरोधो भगवानसुं निखें कयो
- १६ डोबडापिहित जयर जिता लोग उंके आग्यावरदारउं वा
- १७ सगलाकी अनंत उबारको उपजाखवालो जवे । उंके कावुदामें खाने मोकलो कया केबीउं और वें कथां समझ
- १८ हो करडीउं जींस घे सुखनेभारोडो । कोस इतीवेला सुं घाको भखखवालो होखो ठोकउं यह तोपिय निखेंउं के दूजेकोई घाने दूजीवेला सीमाने के भगवानको कथाके येलडो सूत्र काईउं उं और खाने दूध पीवखो निखेंउं वा करडोमीमख जोमखो ठीक नही घे इसा जो ।

१२ जको चावेसो लोम दूध पिबेते उलोम बयार्थजबिहारेवे
 १३ कथाके फाबदामे डोफाते कोस उ कोम डावडेते । खेर
 करडो नोमख वाकेवेईते के आंकी मोव्यारी उमरते जको
 ग्यानइंजीबाका बवधारसूं घोषोबोठो जांख्यके मुंढो
 हावेते ।

६ उठो पानो ।—इवेई मयेडोकामसूं धामखा करडी
 वा भगवांनके उपर प्रतीत वा डुबोकी वासवेसोमें जीवावख
 २ वा हाथ देखो वा मयालोगाको खेरउपडडो वा अनय
 विचार इं सगलाको नोवसरीवे सीवावख खेर नही करर
 खीरके सीवावखको पेलडो सूत्र गेडर ने मयापूयाकांनो
 ३ आवां वा भगवान आग्या देखसूं ने आपिब करयां ।
 ४ कोस जको एकवार रोजन कया गयाज वा खर्गका
 ५ दामने चाखोते वा धर्मात्माका सरीको ऊवाज वा भग
 वांनकी उत्तम कथां वा हाणहार संसारके बलने चाखो
 ६ गेते अर खीरका धर्मसूं पडतल ऊवा रहें तो वाके
 वीचने खेर धामखा उपजाखो बिगरमुंढेते कोस वें
 आपकेकने भगवानके डावडाने खेर हलवांणीउपर मारे
 ७ ते वा उनें चोडे लाज देखकी वस्त करेते । कोस जका
 धरती धापके उपर कारर आयैडी मेहने घोवेते
 वा आपका हलघडावेई ठोऊ तरकारी जखवेते वा भग
 वांनसूं काजीव लाखेते । खेर जके घांट वा छोडाबोटे
 जखेते वा निकमो जाखोडी वा सरांफोइसी ते शकी
 ८ वेवडे बजखो जसो । खेर हे बालां ने इयो केवांग
 सरी तोपिय धांकी वासवेसोमें इंसूं चोषोकाम वा उंकार
 ९ के दफोके काम मंगमें कायम बुभेते । कोस भगवांन
 अमधार्थ नते के जका पुन्यवांनको पुत्रा ये करीजे खेर
 अबेपिय करेजे उमें धांके ध्याका जको काम वा देवयो

- ११ घे उंका नांवउपर चोडें करीउं वा भुजा । ओर हींकी
 हचने के धाके बीचमें पावेसो लोग जेवहातोडो भरोसा
 को पूरा निस्सल करखवेई उं तरका कारगुजरो देवा
 १२ वे के घे आलसूं न जो पख जका प्रतीत वा लावी
 सेखसूं करारको कोठार भोग करानां वकी उपरसरा
 १३ वाको के । क्योस जद भगवान आवराहामकेबने करार
 कयो तद आपसूं मोटा नांवलेर सुंसकाछबने नसकर
 १४ उं आ कथा केर आपको नांव लेर सुंस काछी के
 मुकर आसोव देखसूं ऊं तवे आसोव देखूं ओर मोटो कर
 १५ खसूं तने मोटो करसूं । ओर हंसूं उं मोकवा दिन सेर
 १६ उ करार कयोडो नस जाधो । जको सगवासूं मोटो
 उंकी नांव लेर आदमी सुंस काछेउं सही ओर निस्सल
 करखवेई सुंस सगला ठंटाको जेवडो करखवाछेउं ।
 १७ हंसूं भगवान करारके हकाने ओर २ चौधोवरे
 आपके करारको मुखोडो न ऊखो घेडे करखने पाहर
 १८ सुंससूं उंने निस्सल कयो के जोसूं भगवानको कूडीकथा
 केही विगदमुडेउं इस्या मुखोडा न ऊखवालो दोव
 विषयसूं ने मोटोघातरो खाधा के जको भरोसिने कय
 डखने आभरो करखवेई भागेउं के जको नाके सांभो
 १९ कयोडो उं । के जको भरोसा काठो वा कायमसरोको
 आभाका संगर हयो न्हाकोउं ओर जके घोचला परदामे
 २० बधाउं के जठे अगाडोजाखवालो अथवा विमु बडोउं
 के जको मेल्कीसेदेक्के रीतमाफक रोओना बडाभोहित
 कया गयाउ ।

७ सातमे यानो ।—क्योस जचोबडो भगवानको चारख
 आलिम्को ओ मेल्कीसेदेक् राजा राजाका मारखसूं मुडख
 बाखा आवरहामके भेलो मेलायो वा उंने आसोव करो

- २ आबरहाम् जीने सगलाको दसमो विराडपिब दीने ।
मर्यदासुं पैलडे उंको नांव घरमको राजा दूजो आलेमको
अथवा सलामतीका राजा उंको बाभो नही उंकी माउ नही
- ३ पहावली नही आउघाको पैलडे वा जीवतयकोबेलाको
जेवडेनने ओर भगवानके डावडाके बरोबर कयोडे
- ४ जयर राजीना चारखसरीयो रेंगे । अने ओ आदमी
कियो मोटी खवोने के जीने बडेराका आबरहाम् सागो
- ५ लुटकी दममो विराड दीने । ओर आ ठीकने के लेवकी
कुल जको प्रोहितको काम लेवे ने वाको लोगांकरने अथवा
आबरहाम्की कडसुं निकल्योडा आपका भायांकरने तोरेंत
- ६ इसो दममो विराड लेवकी आग्याने । जेर जीको कुल वासुं
गियो नजाय उं आबरहाम्करने दसमो विराड खियो ओर
- ७ करारके हकदारने आसीध दीनी । ओर ओ निघडक ने के
८ नांनलोग उत्तम पुरवांकरने आसीध लाये ने । ओपिब मरब
वाला आदमी दसमो विराड लेवेने जेर उठे जीको जीवतो
- ९ होखको साबतोने उ लेवेने । जियो केलेपिब सकुनुं के
जको लेव दसमो विराड लेवेने उंपिब आबरहाम्को बाह
१० सुं दसमो विराड दीने । कोस जीवेला मेख्कीसेदेक
उंके भेला मिल्यो उंवेला उ आपका बडेराकी कडमे जे ।
- ११ इबेई अर लेवका दफामे चारखपयांसुं भयोपूयो अ
तो कोस उं पुब लोगां तोरेंत लाधीने तो काई निकसेने
के मेख्कोसिदेके रोत इसो जेर आहरोप्यके दीव
- १२ इसो विव्यात नही ओर एक प्रोहितकी पैदास के । कोस
लेवके चारखपयांकीबेला लोगां तोरेंत लाधी चारखपयां
ओरउधिघारे कया गयापने तोरेंतको दूजोउबिहारी
- १३ कयो जांबको गर्जने । कोस जीको वासवेलांमे ओ
सगलो कयो गयोने उ दूजोएक गोतीने के जी भावके
- १४ किबो जेमचीवरीको पूजा करी नही । कोस के कोडेने

- के विजदाहका गेससुं न्हीको प्रभु उपज्योणे चारब
 पखो करबके फायदामे मोसह जीको वासवेकीमे क्खि
 १५ कयो नही उ चोरपिब मोकखो चोडेणे कोस मेल्की
 सेदेकके अरिवासुं दूजो एक प्रोहित उपज्योणे के जको
 १६ संसारकी आम्याके उखिहारें तोरेंतकेभाफक कखो
 गयो नही खेर अक्षय चाउवाके पेंचमाफक कखो
 १७ गयोणे । कोस उ को साबतो देवेणे के तूं मेल्को
 १८ सेदेकके रीतमाफक सदा प्रोहिते । उं आगबी आम्या
 की दुबकारे वा विगरफायदावतीसुं उ गुम ऊरो सही ।
 १९ कोस तोरेंत क्खिपिब पूखो कखो नही खेर उ
 दूजाएक चोवाभरोसाको बढाव जे के बांसुं ने भन
 २० वानके मेढा जावांजां । चोरपिब जीमे उ सुंसविगर
 २१ चारबके सेवामे निखें ऊवो न जे । कोस वें प्रोहित सुंस
 विगर निखें कखा गयाज खेर को लोग सुंससुं प्रोहित
 कखो गयोणे उंके करयसुं के जीं उने कयो के विजह
 सुंस काछोणे वा वामखा करसी नही तूं मेल्कीसेदेकके
 २२ रीतमाफक रीजीना एक प्रोहिते । उंसुं विजु चोरे
 २३ चोवासरतंतको जामन कखो गयोणे । तदपिब मोकखा
 प्रोहित जे कोस मरखके चारब निखल जय न सखा ।
 २४ खेर को लोग रीजीना निखल चोखसुं उंके मुजोडा न
 २५ चोखको चारखपखो जे । उंसुं जको उंके बाहसुं भमवान
 के मेढा आवेते वाने उ सगलीतरेंसुं उजार दें सके
 जे कोस उ वानेवई अरज करबने रीजीना जीवतोणे ।
 २६ कोस इसा बडाप्रोहित न्हीकी वासवेकीमे सोभा जावेणे
 के जके पुन्यवान वा विगरअंभ वा सुब वा पापीछोगां
 २७ सुं न्यारा वा खगंसुं उंचा कखोडा । वा वी बडोडाप्रोहि
 ताके इसा पेंछडा आपके पापकेवेई वा उपणे लोगकेनेई

उपसर्ग करवनें मीना रोमीना गरजणें तो वही क्रीस
 २८ जायनें उपसर्ग करव उं हकीवार उ कयो । क्रीस तोरेंव
 की दुबवाईंभेला मोमानें वडाप्रोहित करेणें बेर तोरेंव
 के पिगाडोरेंववाली सुंसकी कथा रोमीना अभिवेक
 कथोडा डावडामें चारव करेणें ।

८ साठमो पांगो ।—अबे जबर ने कथाणें उको वंत
 को के हलो एक वडाप्रोहित नाकोणें के जको खर्मकी
 २ वडाईके तपसके जीवबेबागी बेठो वा निर्मल वख कथवा
 जके साथी यविज डेरा भगवान निखल कथा बेर
 ३ आदमी नही उको सेवक । क्रीस चावसेा वडाडाप्रोहित
 दान वा बलिदान उपसर्ग करवनें निखल कथा गयाणें
 इनेई निखलणें के इं लोगको उपसर्ग करवको खुंदि रहें ।
 ४ क्रीस उ अर घरतीमें रेंतो तो चारव ऊव नसकणे
 क्रीस तोरेंवमाफक दान उपसर्ग करववाला याजकणें ।
 ५ खोर वें सर्गके वखकी पांगती वा ग्याा हलो सेवाकरेंणें
 मोसह जियो निर्मल डेरोगार करवनें थार ऊवर
 भगवानका करवसूं उपदेन कथो मयोणे क्रीस उं कवी
 के परवतमें जका वांगती तनें दिसाको मईणी उके हली
 ६ समली बला कर । खेर उं उंसूं खोर उचमसेवा जाधी
 णें क्रीस उ खोर मोयोसरतंतकी वीपमानें के जको
 ७ उंसूं उतम करारके उपर निखल कथो मयोणें । क्रीस
 उ पेंकडोसरतंत विगरसेव अर जयो तो दूजाकेवेई
 ८ जागाकी सोभना नकतो । खेर उंकी खेन बाहर उ
 केणें के यिऊह केणें के देयो वा नेला कथेणें के जद ऊं
 यिभराएल क विऊदाहके मुखके भेला एक कयोसरतंत
 ९ करणु । यिऊह केणें के जद बाके मिसरसूं काठबवेई में
 वाक वडेरके हाथे कथयो तद जको सरतंत में वाके भेला

- कस्यो ठो उं मायक बही कीस वा नारो उ सरतंत
- १० पास्यो नही कीर में वंको आदर कस्यो नही । कीर किछकके
उं के उबिवापेपते अं विभराबलकी बुबके भेको जयो सर
तंत करसुं उ श्री अं प्रापकी आग्या वंके दिखमें बडबया
की करसुं वा वंके मगमें विवसुं अं वंको भगवान
 - ११ अकुं कीर वें नारा आदमी कसी । कीर वें चावेंसो
कीम आग्या पाडोमी कोगाने वा चावेंसो कीम प्राप
का भारने जा कया कीर भवासी नही वें विअहमें नाब
 - १२ कीस हाकी वा मुहाकी सगका मने जाबसी । कीस
वंके अयघाघके उपर अं अयाबु अयुं कीर वंको
 - १३ याप वा अयघाघ नाम कीर मगमें रावसुं नही । नवेर
सरतंत वेंबसू उं वेंबडाने जोदो कस्योते अवे जयो ठोकरे
वा जोदोका अवाते उ जोप होबने पारते ।

- ८ नवमो पाणि ।—पेंबडा निर्मल डेराने भगवान
सेवाविही यवस्था वा संसारकी निर्मलजागा पिब जो ।
- १ कीस एक निर्मल डेरो कस्यो नयोठो उं पेंबडो वार जीको
नाम निर्मल जागा वेंते जीके विचाले इतकर वांठ वा वां
 - २ जोठ वा दिवाखलकी वाठी आर दूजापडदाउपर निर्मल
 - ३ डेरा अथवा जीने मोठी निर्मलजागा वेंते जीमें सोनाकी
कूपेडो वा सोना जयो सरतंतकी पेरें जीके विचाले माग
की सोनाकी हांडीया आहरोकी कुपया फूटोडी चाबडो
 - ४ वा सरतंतके वाजोठ रेंताग । कीर उंके उपर अयाके
आसबको गया करबवाको प्रकापके करबी जीकी हनी
 - ५ गत कया वे अवे वेंबसकी नही । अं सगका इतरें
निखलअवांसुं मोहित भगवानकी पूजा परवारकने पेंबडा
 - ६ निर्मल डेरामें दोजीना जाताग । प्रब दूजामें अवे जी
७ वरस इवार अजी बडोठमोहित जावताग वेंपिब

- कोरके विगर नहीं उ कोर आयकेवेई वा कोगाके भमके
 ८ वेई उपखर्ग करतो जे । यम्माजा को अर्थ करेजे के
 उ येखडा निर्मलडेरेके रेंता मोटा निर्मल डेरामें बडब
 ९ वा मारग उबेखामें चोडे नहीं जी डेरामें काम उंइवाव
 के समेको एक वांगगी जी जामें दाम वा बखिराव उप
 खर्ग कयोखे ज के अके मनको वासवेखीमें सेगकरब
 १० वाखीमें परवारखने न सखो । उ कोखीसुभावके बेखा
 तोडी निखें कितक घाखो वा पीखो वा न्हाखो वा डीखया
 ११ थवख्यासूं जे । कोर खीछ होखहार मंगलीक वास
 वेखीको बडेभोहित पोखर मोकलोमोटो वा मोटो
 भयोपूरो वा हातके विगरकयोखे अथवा इं जुडाई
 १२ का नहीं के एक निर्मल डेरामें । कोर वाजह वा कोर
 डोका कोरसूं नहीं कोर न्हाकेवेई जनती मुक्त जाखर
 १३ आयको कोर देर निर्मल जागामें एकवार बयो । कोस
 प्रतोख वा वाजहको कोर वा दुअतीगायाको खाक भिसटा
 उपर जिउकता चेंरो साफ करबसूं अर निर्मल करेजे
 १४ तो घाके जीवता भगवानकी सेवा करबवेई उंसूं बयो
 खीछका कोर काई घाके मन मुददाकामसूं साफ करसी
 के जी अवंती आत्मासूं आयने विगरखीउनिधारे भमवांग
 १५ कने उपखर्ग कयोने । कोर इवेई नवासरतंतको बीच
 वांगजे के येखडासरतंतकीबेखा अके अलंघनज के खंखन
 जुडावखवेई मरखसूं बुलायोडा काम अवंताकोठारको
 १६ करार जाधख सके । कोस उठे करारपत्रजे उंधी
 १७ जागा खिखेईगवाखाको मरखो निखेजे । कोस आदमी
 मखापने करारपत्र करडो केजे कोर करारपत्र करब
 १८ वाखाको जीवतयरेता उ क्खुहि करडो नहीं । इंसूं
 उ येखडा करारपत्र कोरविगर निर्मल कयोखे न जे ।
 १९ कोस मोमह तौरेंतमाफक घाकेजी अमरसीगाखने

केर खेरडाको वा घाजडाको छोड वा पांशो वा गाड
 रांको लाखपभम वा आर्हज्व बंध खेर आकाग केर पोथो
 २० उपर वा सगला जोगा उपर ङिडको के जको सरतंत
 भगवान थाके भोषो कसोने उ निखल करबको जोई
 २१ जोगे । उ निर्मल डेरो वा पूजाका सगला ठांवाउपर
 २२ यिख छोड ङिडकाये । खेरपिख तौरेंतमाफक प्राय
 सगली बख छोडसुं निर्मल करी अयने खेर छोड
 २३ पटकखेनिगर कोई पापनुटको नही । इवेई सर्ग
 के बखकी वांगी निखेगे सही के या सगलासुं
 निर्मल कसोडी के खेर सर्गकी बख आयी यंसुं पोषा
 २४ बलियासुं । कोस साय निर्मल जागको वांगी अथवा
 हाथसुं बसायोडी जागमें खीट नयो नही खेर न्हाके
 वेई भगवानके घरडा ब्यार होखवेई सागो सर्गमें नया
 २५ जे । खेर बडोडाघोहित जियो दूजाको छोड खेर
 निर्मल जागमें चावे जी साख जाये उके इतो बार
 २६ आपने उपसर्ग जको करसी सो नही । वा होखसुं संसार
 को नोवदेबसुं उके मोकलीबार मरबको निखे अतो
 खेर अने संसारके जेवडाकीबेला आयका बखदानसुं पाप
 २७ नुडावबवेई उ एकवार चेडे जोगे । खेर जिया
 आदम्याको एकवार मरबो वा उकेपने विचार निखल
 २८ कसोडो केने तिसा मोकलाके पापभोग करबवेई खीट
 एकवार उपसर्ग कसो गयोने खेर नको उको बाड
 जोगेने वाकेकने उ पापनिगर उदारवेई दूजीबेला दिवा
 को देसी ।

१० दसमो पांशो ।—कोस तौरेंत होखहार मंगलीक
 को वाखी साया अथर वा आयी उके उखिहारें न अथर
 नको बखदान के साखकीसाख दोजीना उपसर्ग करताग

- २ उंसू उंके आभरावाकावे परवारके व सखा । नीस
 उ ऊर्ध्वसू उ उपसर्गपरयो कांरे मदा नकेते नीस
 पूजा करवाका एकवार निर्मल ऊर्ध्वसू वांरे दूजे वाव
 ३ गान न ऊतो । खेर उ बलदीनसू परसावरस याव
 ४ पिताया जावते । नीस बनेल वा वाजवको खेर पाव
 दुडावक सके नही इवेई वे संसारमें बडयो करसकेते के
 ५ बलिदान वा उपसर्ग में एकवरी नही खेर नारैवेई
 ६ एक डील चारे क्योते । धोम वा पाप धोजगमाखवाका
 ७ उपसर्गमें धारी कृहि रात्रीपय नगी । तद में कयो
 के पोधीया एक प्रकारमें नारै फायदामे लिखीते के
 देव हे भगवान धारा कचयो काम करवने ऊं चाउंनु ।
 ८ अग्राडी उपरमें जद उं कयो के खेरैतसू उपसर्ग कयो
 उपसर्ग वा होम वा पापधोजजाखवाको उपसर्ग में चावो
 ९ नही खेर उंसू राजी नगे तव उं कयो के हे मत्र
 वांग देव धारा कचयो धोम करवने ऊं चाउंनु उ
 दूजे सरतत निखल करवकेई पेंकडाने भिसाकेते ।
 १० उं एकवा कामसू अथवा विमुक्तीके डील एकवार
 ११ बलदीन देवसू हे निर्मल कयोडा चांगी । चावेतो
 मोहित पूजा करता वा पाप दुडावक सिख न करव
 वाका उही एकतरैको बलदीन वार उपसर्ग करता
 १२ रोजीनार उभाकेते । खेर इं कादलीमें पाप दुडावक
 १३ एक बलि एकवार दियापते तदसू उंका वेरी उंके यमी
 तन नडातोडी न के तदगोडी वाकजोतार भमवावके
 १४ जोमके हाथ कानी बेंठे । नीस अके निर्मल कया मवा
 उं वाने उं एक उपसर्गसू वेवाकवरें परवाकेते ।
 १५ नीस यिजह केते के धमोका वाकधा केर नारैवने इका
 १६ सायदीते । नीस कयो सरतत ऊं उंकेवा वाने मेवा
 करसुं उ जो वाने मनने ऊं आययो कचका रावसुं

- १७ खोर वार्के मनमें वा लिपसुं । खोर वार्के पाप वा
- अवधार्य कं खोर मनमें त्यागुं नही आवारः पैलडा
- १८ क्यापते अने वार्के नुटकारि जडेते उते पापनामंगवाका
- १९ उपसर्गने खोर कांन वही । इवेई भायां विमुक्ता खोर
- २० सुं मोटे निर्मल कामांने प्रांबने नाकी डोकारे ऊपर खोर
- विपारने पडदे अथवा आपका डीनसुं जसो एक नवी
- २१ वा जीवो मारग उं नाकिवेई निर्मल कसोते उपिख ऊपर
- खोर भगवानके भूपाके वही नाके एक वडोपोहित
- २२ पिख ऊपर वा नाकी मन नीठाविक्कसुं छिणकोडे
- ऊपर वा नाकी डीख साधपांखीसुं बोयो जापरपिख
- नाके पवीतको बुरो विमल करर बोषामना ऊपर नेंडा
- २३ जावा । ने चंचल न ऊपर आपका भरोसाको करार
- करडे करर कपडे कोस जी करार कसोते उ विपख
- २४ ते । विपख लोगांनेयवहार इसो भेको आवडो गेडर
- २५ से वही पख इइजोमने दूजाएक लोग सीषापख करता
- प्यार वा बोषोपाम करबने एकजोम दूजाएक लोगने
- प्यार करबने कोस करे खोर दिन जके नेडा कांवेते
- २६ आजावर उंसुं वतोपिख करे । कोस साचकी वास
- वेकीमें गान कावडपते अर ने आपकी राजीसुं पाप
- करा से पाप वैजगमांनवालो दूजेकोई, बलदीन
- २७ नरेते । खोर वीह उपजाववाका इंडकी खोर बेरी
- वैजगमांनवाका वासदे भरी दोसके वासकी वाली
- २८ वाडजेवेते । जी लोग मोनखको चवखा विकमी करर
- नांखो उं खोरके दोयतिव सायदोका सावतासुं निर्दय
- २९ मरखो जवो । इवेई उंइजोगने उंसुं वती कितो भाय
- विपकेसायक मिडो जाती के जी भगवानके डावडाने
- यमानिने मुंभोते खोर सरवंतको खोर के नीसुं आप
- निर्मल कसोते ते उ भिसड कर नांयोते खोर अनु

- २० यह करखवालाके आत्माको उंधो कखोने । कोस ने
 उने जाखांन के जी कयोने के यिजह कहेने के प्रतिपक्ष
 देखो न्हारे कामने ऊं कामको पक्ष देखुं और दूजो
 २१ बेलापिख यिजह आपके लोगांको व्याव करसी । जीवता
 २२ भगवानके हाथमें पडखो मोटा डराव विभेने । बेर
 पेखडादीन पितारो के जामे घे पांखो ऊवांउपर हह
 विराडसूं जिता दिन घे नंधा वा कइसूं व्याजकी तरे
 २३ ऊनाग वा दूजाविराडसूं बांकी इसी हावाज घे जिता
 दिन वाके संगोव्या ऊयर मोकला मोटा दइखो राड
 २४ सधी । कोस न्हारे बंधवामे घे मंसूं दया करी और
 र्गमें घांकी और उत्तम वा अक्षय बखने घे आपके
 आठीक करर राजीसूं आपकी माया विगाडखो आरे
 २५ करी । इंसूं घांके को जका हिम्मतमें मोकखो मोटा
 २६ पायदी केने उ बगाय दे मती । कोस घांको आरे
 करखको निखने के भगवानकी राजोपख परनाखांयने
 २७ घे आरे कखोडी बख जाघो । कोस और घोडा दिवां
 २८ पने खांखवालो आखो वा छीव न करसी । यथार्थिक जीव
 प्रतीतसूं दिन तोडसी खेर और कोई हटे तो उने
 २९ उपर न्हारे मन क्युंइ राजी जसी नही । वाके
 विषमें न नही के जके विगाडखोखोडी हटे पक्ष जको
 आत्माको उखार खाघबनेई प्रतीत करेने वाके विष
 मेंने ।

११ इग्यारमो पांनि ।—इतवारी उम्मेद कखोडा बखी

- १ के उखिधारे और विगरनामूद बखीकी नामंदीने कोस
 २ उंसूं बोदी लोगाने नेकनामी खाघो । ने इतवारसूं बांबां
 ३ के भगवानकी कथीसूं संसार इसा बखाबीडा न के
 ४ नांवीकबख विगरनाकोकनसांसूं कखोखीनी । इतवारसूं

हावेज् काविन्सूं चोषीवधि भगवान्कने उपसर्ग वस्ये
 उंसू भगवान् उंका दानका कायदामे सावतो देखसू उ के
 सिद्ध इको सावतो उं कायो उंसू उ मुहदा ऊयरपिछ
 ५ कबावतोडी कर्षाया केने । इतवारसू खनेक् मोतने नदे
 वखवेई डोखके कारे खर्ग गयो और न ने कोस भग
 वान् उने डीलके कारे खर्गमें कोना कोस उके डोखभेखा
 खर्गमें जावखके पैलडा उंको ओ सावतो ने के उं-भगवान्
 ६ ने राजो कयोने । खेर बिगरप्रतोत् भगवान्ने राजो
 करयो असाध्यने कोस अको लोग भगवान्कने आवेने
 उंको इमें इतवार करयो निखेने के उ ने वा अके उने
 ७ उचमसू कोभेने उ वाको कायदोदेखवाकोने । इत
 वारसू नूख उवेजाका बिगरभावीक कामकी पासवेकोमें
 भगवान्सू उपदेअ साधर बोहसू चाख्योडे ऊयर आय
 को कुल वषावखवेई व्याज कयो जीके करखसू उं आवमने
 दोषदोना और इतवारसू अको यथार्थ उंको कोठारी
 ८ कवे । शानरहाम् जीजागामे कोठार उकेपने साध
 सो उं जागा जांखने बुलायो गयोडे ऊयर इतवारसू
 ९ मांको और कठे जायने आ नजांखर वारखे गयो । ऊ
 परदेअमें रेखके सरीयो आपके भेको उ आरे कयोडर
 को कोठारी यिसवाक् वा यष्ठाकूक्के भेको डेरामे रेरे
 १० करार कयोडा देअमें इतवारसू रयो । कोस जी
 नमरकी नोवने जीको वखायो वा अठकरखवाजा भग
 ११ वांक् उं नगरकी वाडकोखो उं करो । इतवारसू आराह
 आप पेदसू घोखको मुंडो कायोने और विसूचका अ
 गयापने डावडे अखी कोस जी करार कयोने उ
 १२ अको इतवारी आ ठोक करो । उंमें मुहदाअरीयो एक
 कोगसू आकाअका यहीअरीयो मोकला वा दरियावके

- किराडेके ब्रेकलू इया विमरसंध्या खोराकी ओपल
 १२ ऊई । यां सगजां खोरा आरे कखोडो बस न काधर
 इतवारमें मखा कोस वां उ अलमासूं देवर खोर उंसूं
 निखंक जयर खोर वा केपडर आरे कखो के आष घरती
 १७ उपर परदेओ वा मारगुने । कोस जको इंतरेकी
 कथां केने नें खोडे नोकेने नें आष एक देअकी सेअना
 १५ करेने । नें पिख घर आपका ओओडा देअका वास
 खेओमें मुतफिकर केने हो उं देअमें वाके जांअको सुभीते
 १६ जय सकसो । खोर अने नें उंसूं खेओ अथवा सर्गो
 एक देअ चावेने इंसूं भगवांन वाके भगवांन नाभीक होख
 सूं अजवाओ भने खोस उं उंइवेई एक बगर आरकखो
 १७ ने । इतवारसूं आनरहाम् जद कोमन कखोडो ओ
 तद यिखवाकने उपसर्ग कखो खोर जीं करार आधोने
 १८ उं आषका एकला डावडाने बलदान दीनो के जींकी वास
 खेओमें कही गईने के यिखवाकका नोवसूं धारा डवडा
 १९ प्रतोपीक ऊसी । कोस उं विचार कखो के भगवांन
 उंने मोससूं पिख उपखड सकसो उंसूं पिख उं एक
 २० परमासूं उंने लाधो । इतवारसूं यिखवाक होख
 बाओ पावनके वासखेओमें यअकून् वा यनावने अमीष
 २१ दीनो । इतवारसूं यअकून् आपकी मरखकोबेला युसफ
 का दोय डावडाने आमीष दीनो वा आपकी लाकडोके
 २२ मेगराउपर भारदेर भजन कखे । इतवारसूं युसफ
 आपकी मरखकी बेला यिअराएलके डावडाने उं जागासूं
 जांअकी कथन कही खोर आपके हडके प्रायदामे आया
 २३ दीनी । इतवारसूं मोसह आपका अन्धकोबेला आष
 का माउबाभासूं तीनमास लुक्खोडो ओ कोस वां देव्या
 के उं फूटरो डावडो खोर पातशाईकी आयासूं बोहो
 २४ नही । प्रतोतसूं जद मोसह मोटेओ ऊवो तद पाप करखसूं

- २५ जको सुख उ कही दिन भोगवसू भगवानको लागी भेलौ कछ भोगवसने सरायर मिसरकी सगवी मावासू
- २६ खीलकी वासवेजीमें नया मोटोमावा मानर फरोवाह की डावडोको डावडो प्रतापीक होखो आरे नकरयो कोस
- २७ उं कामका फायदाको दिखो । उं इतवारसू पातया की रोससू नडरर मिसर होखो कोस जके विगारप्रता
- २८ पीक उं उने उ शियो दीवावेने तिखो सेर ठेखो । इतवार सू उं पोसाध वा कोई जिडकबको आग्र पावी काजांखा
- २९ जो पेलडा जखोडाने विगाड कयो उ वने भीटे । शियो सुको धरतीउपर जावने तिस्रा वे इतवारसू अरबोदरिधाव के निपमे गया मिसरीयाने उ करयने चार ऊयर डुब
- ३० मखा । इतवारसू विरोखुकी भीत साव दिन फियांपने
- ३१ पडी इतवारसू राखाव भगतण सेसुबाने सजामतीसू संघ
- ३२ भाग करर विगारइवजायां भेलौ मारी व गई । ऊं कोर कोई कसु कोस गिदिओन वा बाराक वा निमओन वा यिपतख वा दाउद वा अमुयल वा निमितियाके वासवेखी की कथाकोको देखा नही के ज्या इतवारसू राज पते
- ३३ कयो यघार्थ कयो करार कयोडाने बाधा नाराका मुंडा
- ३४ बुधा वासदेको बल्लो नुजाथी पातीकी धारसू उबया निबलाईसू बलिया कया गया राडमें पंगर जठो ऊवा दूजादेअवाल्याके फोजने भगार्ई बुगायां आपका डावडाने
- ३५ फेद जिवहा बाधा वा दूजाजिगा फेर उपडखी बाघकके
- ३६ बेई यातना नुडावखा आरे नकरर यातना भोगकरी धारर कीको गोई वा मारपीटघाखी व-बंघखी वा अटकमें रेखखी
- ३७ तरें कीमत बाघाज । वे भाठावगावखसू माखो गयाज वे करोतसू दोयनिराइ कयागयाज वे कीमत कयागया ज वे पातीसू बाखागयाज वे गाडरा वा वाजडको वास पेखोडा ऊयर दलमि वा दुषी वा बीसीस बाघर

- २८ मुखा । संसार ज्योके रेंहकी भागा होखकी सायब
 बसो वें भोडमें वा परबतउपर वा धरतीका वाडामें वा गुफा
 २९ में मुखा । जें सगला लोग ज्योके विना परवाया न जें
 ३० इवेई भगवान न्हकें कारब उंसूं कोई घोषीचीज प्यार
 कखीसूं वा इतवारसूं सुध्याती साधर करार कखोडो
 खाधो नही ।

१२ बारमो यानो ।—इंसूं जे इता मोटा सावदीतरे
 मीसूं घेया ज.यर न्हकी प्रतीतको उपजाखो वा परवारब
 २ बाजो यिज्जुके जको आपके अगाडी रयोडा आनंददेई अय
 मान निकमी जांढर इलवायीकी वोसीस सही और भय
 यानके सधतके डानो बेठोने उंकेकानी देघर पावेसा भार
 वा जका पाप न्हकें मोकला सोरासूं घेरे उ जांढर आरे
 ३ करर न्हके आगला दोड भरदोडा । कोस जी आपके वेंर
 तामें पापीलोगकी इतो वेंरता सही उंने मममें गोर करो
 ४ कें ये कायला और मनमें घोडी हिमती न्हो । ये पापका
 ५ वेंरमें उचम करर लोई पडखतोडो अटको नही । और
 ये आ सो सावब भूल्यागे कें जको धानें डावडाइसी कें
 कें जे न्हारा डावडा यिज्जुकी प्रायश्चित्तने निकमी कर
 भती मानजे वा उंसूं भांड कखोडो ऊपर चखोडो मतो
 ६ जो । कोस यिज्जु जीने एपरत देवेने उंने प्यार करेने
 और जी पावेजी डावडानें आरे करेने उंने मारने ।
 ७ अर ये प्रायश्चित्त आरेकरो तो भगवान थावे डावडाके
 ८ इया करेने कोस बाप जीने डंड नदेवेने इया कुब
 ९ डावडो ने । और अर ये डंडविगर जो कें जीका
 भागी सगला कोई कें तो ये कमसब डावडा ने
 १० वा सुत्रका उपज्या डावडा न्हो । औरपिब न्हकें
 डीसको नभोने कें आं न्हानें डंड दोवो उंसूं जे

- वाकी मरयादा करीजे तो उंसू वषा नै काई आलोयाके
१०. बाभाके माफके न जसी वा बचसी । कौंस वा कितक दिन आपका मनमाफक नाने प्रायचित दोनो खेर उ न्हके मलाइवेई करेजे के नै उंके निर्मलपखाका सरीयो का ।
११. अवे काई प्रायचित आनंद देखवालो देखमें आवेजे नहो यख कछ देखवालो खेर उंके पजे अके वे भोगवेजे वाके उपर उ सिद्धाईके सरीयो जात परबवालो फल उष
१२. आवेजे इवेई टूटा हाथ वा निबलो गोडो उपाड ।
१३. और आपके पगावेई पाधरो मारग करो के जको बोडो
१४. जे उ नमुडर खेर यख ताजा कयर जाय । सगला लोगा भेलो मिलाय वा समेगोपणाको सोभना करो के जीके विगर भगवानको देवालो काई लाधखे सके नहो ।
१५. मोकला निवेवान को क्वाजाखा भगवानके अमुग्रह लाधख की वासवेलोमें कीकोपिख कसर के क्वाजाखा वारा पखीको काई जड बधर कछ देवे वा उंसू मोकला आदमी
१६. भिसटके । क्वाजाखा काई लुखो अथवा रभाव सरीयो धर्मरहित काई लोगपिखके के जको एक बटको खुराक
१७. वेई आपका मोटाभाइपखको कोठार बेचो । कौंस ये जाखोजे के उंकेपजे अद उं आभीष भोगे करखे चाये तद विगरभारे कयो मये जे और उद्यम करर आप का आंसू पटकखसू वामखाकी जागा सोअरपिख उ लाधो
१८. नहो । कौंस भीटखको परबत वा बजतीबासदे वा मोटो
१९. मे वा आंधारी वा आंधी वा बांखोवजाखो और कथा की सादके नैडा ये न आया के जी कथाका सुखवाला सुखर याचना करो के वा कथा और वाकेके कई के
२०. जाय । कौंस जका आग्वा दीनी गरु वा वे सेख सख्या नही काई वसुपदपिख अर परबत वाली भीटे तो भाटा
२१. सुं इकाक अथवा सरसू बांधोडे के । और इतो मोटो

- बीहखो उ देवालो जे के मैल्ले चयो के ऊं मावले
 २२ बीजंजुं वा धूजंजुं । जेर ये ओजोन् परबत वा
 ओवता भागवानका जगरमें अथवा स्वर्गमें यिहआलममें
 २३ ओर कियोडर इनकांराकने वा स्वर्गमें खियोडो येजडा
 उपज्याकने वा समलो पाचिया वा टोलीकने वा संगलांकी
 विचारकरखवालो भगवानकने वा संभोगो जोमीको पर
 २४ वाखोडो आभाकने वा नवा सरतंतको ओपवांन यिमुके
 कने ओर हजलने छोईसू जोकीकथा केलवालो जिहकई
 २५ वाखा छोईकने ये पोताजे । निघेवांन रहे के कथा
 केलवालांने निजमा मती समभो कोस संसारमें केल
 वालांने ज्हां निकमा कर जाण्यां वे अर न उबरें तो जे स्वर्गमें
 कथाकेखवालांसू मुठर उबरखां नही के जीकी कथा तद
 २६ धरती हिजाई । जेर अवे करार क्योउं के इवेपउं
 दूजीएकवार उं वाजो धरती हिजाणुं नही पख सरगयिख
 २७ हिजाणुं । अवे ओर एकवार उंको अर्थ का वनीयोडो बख
 सरीयो दिखयोडो बखने दूजोआगा करखी के न हिजा
 २८ वणकी बख निखल रहे इवेइ जे विगरहिजावखो एक
 राज काधर अनुग्रह कपडे के जीसू आगतसू वा परेअसू
 २९ बीहर राजोआरेसू भगवानकी सेवा करसकां । कोस
 नहीके भगवान मान करखवालो वासदे जे ।

१३ तेरमे पाने ।—भायीके प्यार रहें । पर
 २ देओजोगाने संबोभाग करखने बीसरो मतो कोस जे
 कीबोइ विगरज्याणां इककाराने संबोभाग क्योउं ।
 ३ जिसु वाकेभेजा अटकमेंजे हिसा बंदीवांनने चीतरें आर
 जिखा आयके डोलमें ऊपर तिखो वोटाहवाकने तप
 ४ पितारो । संगलां आदर्याके निचाके सादी मरवादाको
 काम वा उंको निववने सुध जेर सोधा वा जारीवाबनि

- ५ मगवान उंड देसी । यको यवहार कोम विगर
 के ओर यको यको कुहिने उंसुं कासुदा के कोस उं
 कुयोने के अं तने कदेईपिब न ओडसू ओर कदेईपिब
 ई न ओडदेसू । इवेई काकथा के बिदर कर सकांग के
 यिकर नारो उपगारीने कं नडरसू पादमो नारो काई
 ७ कर सकेने । यको यको उपर सविशाम दरमे काभर भम
 वाक्यो कथा याने कहेने वाने रोयको नेवडो शीत कररु
 वाने प्रतीवके पिगडोअनुवाला ऊयर वाने चितारो ।
- ८ विभुखोड अमितकामने वा काज वा रोओना याने
 ९ अरु रको तरेने । नवार वा विगरउंग सीवावबसू
 भूको मती कोस के कोने के मन अनुयहसू निखल के ओर
 वाकसू नही के आं वा रीत करीने व को कायदेो नकयो ।
- १० एक होमपोवरी न्यायोने के श्रीका बल निमलडेराके
- ११ सेवकाको सुराक बने । पाप वासकवेई का जीवाको कोई
- १२ बडोडापोहित निर्मलभागामे सेआवेने वको होल डेरई
 के बरखे बाल्यो आयने इवेई कायका कोईसुं बीगाने
 निर्मल करबवेई विभुपिब बरखाके बाहेर मखो इवेई
- १३ उके अपमानका सेबवाका ऊयर के गवखीके बरखे उके
- १४ कने जावा । कोस नाने रेखको नगर अठे नने केर
- १५ होबहार एकको सोभना करीना । इवेई उका नव
 को क्षुती करर क्षुतीके उपसर्ग करबको बल अथवा नाने
 होठाका फल के उका उकराससू भगवानकने रेओना
- १६ उपसर्ग करी । केर पारकाको उपगार करबने वा
- १७ दान करबने बीसरो मती । कोस इतरकेका उपसर्ग
 संभगवान राजी केने यको यको उपर सिबेदारी करे
 ने वाने मानो ओर वाने काग्याकारी को कोस याने
 कायके कामको पोवोनीठा केखो पडेने वे तिया याने
 काभाको पोरो देवेने के वे राजी ऊयर ओर दुयी न

- १८ ऊपर वें करें कौंस उ धाँकने निकमो करें । न्हिनेई
याचना करो कौंस न्हे ठीक जाँबाँज के यथायं रीत कर
- १९ खने पावखवाला ऊपर न्हिको घोषोविवेकते । पखलेर
उ करो के ऊँ और वेगो धाँकने दोनो जाँउ आ ब
- २० बीनती करदुं । अबे आवकरखवालोभगवाँन के जी
विगरअंत सरततका जोईसूँ माडरहि उ घोषो दसाखो
- २१ न्हिके प्रभु यिमुने मोतसूँ दूजीबेला ल्यायेते । उंआपके
साँमो मोटोराभीकरखवालोकाँम धाँके विषमें करर आप
के राजीको काम करखने धाँने चावेँजी घोषा काममें यिनु
खोइकी बाँहसूँ सिद्ध करो के जोनें राजीना चावेँजी बेला
बडाई को । आमिन् ।
- २२ हे भायाँ ऊँ बीनती करदुं केँछे उपदेअसो कथाँ
- २३ सघो कौंस में घोडो कथाँसूँ धाँने कागद लिख्योते । न्हिको
भाई विमोतियसूँ नुटोते आ जाँबख्यो । अर उ घोडा दोन
- २४ घने आवेँ तो उँके भेलो ऊँ धाँने देवसुं । जके धाँके
उपर खीजेदारी करेते वाने वा सगला पुन्यवँचाने
बनबा करो इछानोमे जकेते वें धाँने बनबा करेते ।
- २५ धाँ सगनाँ उपर अनुकइ को । आमिन् ।

ब्रह्माकुबको समझाने का मंद :

१ पेंलडो पाना ।

भगवानको वा प्रभु ब्रह्माकुबको सेवक ब्रह्माकुब विष्णु
 १ व्यावस्था बारी मोताने बंधका करेंगे । हे नारा भायी
 थाकी प्रतीतकी कीमतसू के सैयो उपजावेंगे आ बाबर
 २ थे जद नांना कीमतमें पडो तद उ सगलोतरेंसु आनंद
 ३ ईसो गिखे । खेर सेंबको काम परवारख देवो के थे भखा
 पूया वा सगळामें संपूरख को और किसुई थाकी कसर
 ४ न रहे । पर थके विषमें किंकेइपिह अकलकी कसर
 रहे तो उ लोग भगवानकने मगि के जको राजीपखसु
 सगळाने देवेंगे वा भांड न करेंगे उसुं उकेकने देंगे । यह
 ५ सी । खेर उ लोग कुंहि चंचल नऊयर प्रवीत करर
 याचना करे कीस जको लोग चंचल केने उ लोग दरिबा
 वके किलोअसरोवे बाधरासु कायो वा टलमजावे
 ६ गे । यह उ लोग बाड न जावे के उ भगवानसु
 ७ कुंहि साधसी । देवडो मन आदमी आपकी समलो
 ८ घाससु न कायम जे म्याराभाई आधकी उमंगीसु
 और मायापात्र आपके नीचे कयोडा होखसु राजी
 ९ करो । कीस घासका फूलसरोवे उ बीव जासो ।
 १० कीस सूर्य मोटोवेअ देर उगतोही घासने सुकावेंगे
 वा उका फूल भठपडेगे वा उके रूपको सुंदरपयो
 विगडेगे उहीवर मायापात्र लोग आपका चखख

- १२ सूं सुख जासी । जेणे योग कीमत सेणें उरि वय
 कीस प्रभु जेणे जीवतयसरोषी मुगट आपकें प्यारकरव
 वाळानें करार क्योणें उधी योग कीमत काखेडो जयर
- १३ उ पासी । कोरेंपिण्ण कीमत क्योणो जयर नरें वरें कें
 अं भगवांनकें करवसूं कीमत क्योणोणूं कीस भगवांन
 वीठो करवसूं कीमतक्योणो नणें उ-कीकोरें कीमत वरें
- १४ नही खेर चर्वेसा योग आपका कामसूं वाखेडो जयर
- १५ वा भरममें पडर कीमत क्योणो कें । उपणें योग पेटमें
 कपडर पाप ज्वावेंणें वा पाप भयोपूयो जयर मोव
- १६ ज्वावेंणें । जे नारा वजा भाया बीसरी मतो चर्वेसा
- १७ उत्तम वा संपूरखंदीन उपरसूं ज्वावेंणें खेर तेजवांन वाभा
 कें कनासूं उतरेंणें कें जीको मुणोडो वा दूजीतरें होळ
- १८ की जयापिण्ण नही । उ आपकी वचसूं सावताउबि
 हारे कथासूं न्हिं जन्म-दीना कें जे उकें वटका एक ठोव
- १९ वा पैलडो फळ फां । इवेई नारावाळा भाया चर्वेसा योग
- २० सुखवणें वेगो केंबनें धीरज वा रीससूं धीमा कें कीस आद
- २१ मोकी रीस भगवांनको यथार्थ उपजवें नही । इंसूं
 सगळा मेंव वा वेढासुभावकी क्ताई जेठ देवे खेर
 गीली जयर जका कारीकथा ल्याकें आळा उबार वर
- २२ सवेंणें वा कथा हारे करो । खेर कथाकें इयां करव
 वाला को वा आपनें सेत करता वाकी सुखववाळा मतो
- २३ को । कीस कोरें योग अर कथा सुखववाळोणें वा उं
 को करववाळो नणें तो जेणे योग आपको सुभावी मुंडो
- २४ गटामें देवें उ उं योग इखोणें । कीस उ योग आपनें
 देवर जायणें वा आप कीतरेंको योग का कट भुवेंणें ।
- २५ खेर जेणे योग मुंगवकें पूरा फतवाउपर दिसट करेंणें
 वा उंमेंरोजोना खेळोन रहेंणें उ योग-भुलखवळो सुखव
 वाळो नही जयर पण काम करववात्रो जयर आपका

२६ कामनू धन्य जती । धर्मि विषमें जको कोरे धर्मी रखा
 देवयमें आवें वा आपको भीम न सांवरें पय आपको मन
 २७ भुलावें उही लोगको धर्म निकसी दें । भगवान वा
 बाभाके सीमा जको धर्म थाक वा सम्पत्ते उई को बाभा
 रहितु वा जेतेने वानें कछकीकेका देमयजखि जोर संसार
 सूं आपने विगददामें राखे ।

२ दूजो पांनो।—ई न्हारा भायां ये न्हकि माहाज
 वालो प्रभुयिजुखीकृके पासवैखीकी प्रतीत आदम्याकी
 ३ नाडभोत्तर मतिराखे । कीस अर सोनाको नींठी
 और सोपागाभा पेंखोडे एक लोग धाकी पांचिया
 हेंमें आवें और मेंजागाभा पेंखोडे एक भारी अर उं
 ४ जागा आवे उंसू अर ये जोपागाभा पेंखोडे लोगने मर्यादा
 करर कही के आप अठे इंचोवीजागा बेंठो और म्यास्यानें
 अर कही के तूं उठें उभी रहें अथवा अठे न्हारे धर्मा
 ५ नीचे बेंठ ती कां ये आपसें भीर और इकनाकको फिनारको
 ६ याव करबवाला जे । ई न्हारा बाबाभायां ये सुखो
 प्रतीतसूं मायापात्र और जको राज भगवान आपके
 प्यारकरबवालाके देखको करार क्योते उई राजका
 जोठारी जके हंसंसारका न्हारा उं काई वानें सराया
 है नही । पय ये म्यास्यानें निकमा कर जाण्यानें मायापात्र
 काई धाके उघर विगदभाव न करेते वा कसेंहीमें काई
 ७ धाकी भोजनी न करेते । जी मर्यादाका नीवसूं ये विख्यात
 को जे काई उं नाचउपर निम्दा कथा केंते नही ।
 ८ धर्मयंघमें जियो की विखोते के धाई मेंजावालाके
 आपके बहिनर पार कर उंमायक अर ये ई राज
 ९ को फलको पावो जे तो नीचे करेते । और अर
 ये जोगाको नाडभोते तो ये आपका उंचवर्षेबाका को

- गे इंसुं तोरेंतसूं साबतो बयोडा जयर पाप करेजे ।
- १० कौस जको कोई समझी तोरेंत मानेंजे पब एक वासवकी
- ११ में दीव करेजे उ सगखाने वांमोदार जे । कौस जी
- कयो के भासी मती करो उंही कयो के भारबधि मयो
- इनेई अर तूं जारी न करे पब खून करे तो तूं तो
- १२ रेंत उखंघनवालो जवोले । मुगत आसूसूं विचारयोडी
- १३ लोगाने इया धे कथायां कहे वा काम करे । कौस
- जी लोग खुंदि दया न करीजे उंको विचार दयाबगर
- १४ असो और उंडके उपर दसा सेवी करेजे । हे भार्या
- अर कोई कहे जका मने प्रतीवजे उं आदमीको अर काम
- न के तो कोई फायदे प्रतीत कोई उने तारने सकेजे ।
- १५ अर कोई भाई अथवा बेंन नागा वा रोओनावाबारहिब
- जवा रुहे और धाको एक लोग कहे के भलीतरें जा तूं
- १६ खालके वा धापीडोके तोपिय डोलकी जका तलुकी जरह
- १७ उ वाने अर न देवे तो उंको कोई फायदे उंइतरें प्रतीत
- अर कामसूं भेल्योडो नके तो एकलो जयर मुब्दो
- १८ जे सही कोई आ के सकेजे के धारी प्रतीवजे वा नारी
- कामजे धारे कामबगर धारी प्रतीव देवाध और ऊं
- १९ आपका कामसूं आपकी प्रतीव तने देवालसूं । तूं
- इतवार करेजे के एक भगवान जे तूं पावो करेजे मोडा
- २० पिब इतवार करेजे वा धूजेजे । जेर हे अकलदारीका
- गुमानी आदमी तूं कोई आ ध्यायां पावेजे के काम
- २१ विगद प्रतीव मरोजे । न्हाका बडेरा आवराहाम् जद
- अथवा डावडा बिबबाकने होमप्रोतरौउपर उपसर्ग करो
- २२ तद कोई उ कामसूं सिब कस्योगयो नही । तूं देवेजे के उंके
- कामने इतवार उपरसरो करो और कामसूं इतवार
- परवायो गयो जे और उ धर्मयंघ परवायो जे के जको
- कहेजे के आवराहाम् भगवानसूं प्रतीव करो और उ यथार्थ

- उत्तिहारें उक्तेकने संख्या करी गइगी और उ भगवान्को
 २३ खंगोयो विख्यात हो। इवेई आदमी कामसूं सिद्ध
 कयो जायतें और बाबो इत्वारसूं नयो आ थे देवोने ।
 २४ राघाव पातर जद इत्कारानि संयभाग करर दूजामारग
 सूं लदाय दीना तब काई वा कामसूं सिद्ध कयोठी गयो
 २५ गयी । कोस जिखो जीविगर डीख मुंडदो केने तिथोई
 कामविगर प्रतीत मुंडदीने ।

- ३ तीजो याने।—हे नारा भायां ने बती तोसीस
 पायां आ जाकर भोक्ता भुखावणवाला मती जण्यो ।
 २ कोस नोकली वासवेकीमें ने सगला खेव करानां घर
 कोई कथासूं वामी न करे तो उ लोग संपूरखे वा सगलो
 ३ डीख बसु कर सकेंगे । देवो ने घोडाका मुंडामें लगाम
 देवानां के वें नाने मनें और वयो समजो चरो मुडा
 ४ वांन । आग्रपब देवो वे किला मोटाके और वाधरासूं
 अठीउठो इलायोठा केने पब तोपिण जो जागा धशोको
 ५ मन उ जागा बाजीपतवालासूं मुडाया जायतें इतरें
 जीभ नाने एक अंगने और मोटाकामकी कथा सेधी
 करेते देवो चिनसी वासदेसूं किला 'मोटीबस्ता बनें
 ६ ते । जीभ एक वासदे वा घोटाकामको एक संसार
 नाने अंगामें जीभ इतरेंकीने के वें सगला अंग भिसट
 करेते वा कृकी सगली रीत बानेते और आपपिब
 ७ नरब वासदेसूंवालेते । कोस सगलीतरेंका छांछा
 वा धंवी वा साप वा दरियवका रेंखवाला पोन्न माने
 ते वा आदमीका करखसूं पोन्न मानखवाला कया मया
 ८ ते । पब जीभने कोई पोन्न मनावब सकें नहीं वा धीठ वा
 ९ मोत देखवाला जैरसूं भोजोठी एक घोटीबस्त ते । उसूं
 ने भगवान् वाभाकी प्रभंसा करानां वा उसूं ने भगवान्

- १० सरोपो कयोडो आदमीनें फिठकार दीवांगी वर मुडासूं
आमोव वा फिठकार निकळेंतें हे न्हारा भावां उखी
- ११ शोबो ठोव न्हो । वा काई एक जागासूं मोठो वा वसा
ग्रलोपांणी कळेंतें हे न्हारा भावां अंगूरको वंश काई
- १२ वेतानका कळ फळखें सकेंतें । अचरा अंगूरको वेतां
काई अंगीरका फळ फळखें सकेंतें तिस्रो काई कीर खारो
वा मोठो पांथो काळखें सवळें न्हो ।
- १३ थाकें वीचमें ग्यांनवंत वा विद्यावांन कुळेंतें उ जोर
लोषावखखसूं ग्यांनको मीलाईकेभेका आप्पा काम
- १४ वेळें करे । जेर अर थाकी धारो हिंसा वा दुसमणी अंत
- १५ रंगमें रचे तो सेवो मबो करखो । वा साचीकथावें
वेरमें कूडीकथा वेंजो मती वा विद्या उपरसूं नें जेर
- १६ संसारी वा अरीरवालो वा मीलाई नें । - कीस
जठें हिंसा वा दुसमणी उठें उधोसूंधोपळ वा सगळा
- १७ भोटाकामेंतें । जेर उपरसूं न्हो विद्या वा थेंखडा
यक्त उंपेंतें सांनकरखवालो वा मीलो वा खोरपसूं थापना
कजोडी वा दया वा उत्तम फळासूं शिळोडो जोर घामरो
- १८ वा वयठसूं वाजीतें वा सजावांन खोखसूं वधार्थें
सरामो कळ सास्तवाने मयो जावतें ।

- ० चोघो घाने ।—वीचें वीचमें जका राठ वा भगडे
केंतें उ कठासूं तें आका अंतमें जकर काम राठ करेणें
- १ वा काई घासूं नें । ये हच करोणें पळ काघो न्हो
ये न्हावनवि जे कीर हच करोणें, पळ काघेंतें सवो
जे न्हो ये राठ जेडो करोणें पळ ये काघो न्हो कीस
- २ थापना करी न्हो । ये वचना करीतें पळ काघो न्हो
कीस आपको हारद पंशकारणें वरपकरखेई जे किमर
- ० ठीकजुविहारे थापना करीतें । हे पंशजोगमनवाका

- वा जारी ये काँई जकी नही केँ हं संसारकी भीत भग
 वाँची बँहताउँ इनेई जकी कोई संसारवा संगोटा जवाँ
 ५ चाँची उ भगवाँनकी बँरीउँ । ये काँई ध्याँन करोउँ
 केँ घर्मीमाँस निकमी केँउँ न्हिँकेँ विषयकेँ रँबवाँकी जका
 ६ आत्मा उ काँई ईवाँ करखनेँ वाँजवारउँ । वा उ बँसा
 लया करेँउँ उँईवेई उँ कयोउँ केँ भगवाँन गुमाँनानेँ
 धलगी करेँउँ जेर नवनवाँसालीगनिँ अनुग्रह करेँउँ ।
 ७ इनेई भगवाँनकेँ आग्याकारी की मोडाकेँ बँरमेँ रीत करो
 ८ तद उ घाँसुँ भागसो । भगवाँनकेँ नँडा जाँवा तद उ घाँसेँ
 कनेँ ऊँसुँये घाँची घाँची हाँत साँफ करो और हेँ दोसवा
 ९ घाँची ममसाँफ करो । दुगी की वा जोअ करो वा रोवे
 घाँची इसकी आँगकेँ वा घाँकी अँस दलगीर केँ प्रभुकेँ दिख
 १० आपनेँ नवाँवा तो उ घाँनेँ उठासो । हेँ माई कोई कीकोई
 बाँठा न कहँ जकी कोई आपका भाईनेँ बाँठा केँउँ वा उकी
 दोष कहँउँ तो उ तौरँतनेँ बाँठी केँउँ वा तौरँतकी दोष
 ११ केँउँ जेर तौरँतकी दोष अर तूँ कहँ तो तौरँतकी कयोडाँ
 १२ कामकरवाँवालो नउँ जेर ध्याँत करखवाँसोउँ । एक आग्या
 रँबवाँसो उँ केँ जकी तारख सकेँउँ वा मारख सकेँउँ हेँ
 १३ रूजाकी ध्याँत करखवाँसा तूँ कुलउँ । हेँ येँ केँ जकी कही
 उँ केँ आज अथवा काल हेँ एक नगरमेँ जाँयाँ वा उँई
 सालीक रँसा और मोललीयेबेचयोँ करर नजो करयाँ ।
 १४ जेर काल काँई जसो आँ येँ जाँयो नही कीस घाँकी आउ
 की काँई उँ बीरो एक जयाउँ केँ जकी घाँडाँ दिन नावोक
 १५ वा मूठ विगारजाँवीकउँ । कीस घाँनेँ घाँकेँगी ठोक केँ अर
 १६ प्रभुकी कचकेँ तो हेँ कचकी और जी वँ करसी । जेर अनेँ
 घाँकी सेबीसुँ घाँकी आतन्देँ केँ सगली आतन्देँ करजाँउँ ।
 १७ इनेई जकेँ लोग भजोकाँम कर जाँयेँउँ और कहँउँ नही
 उँही उँकी पायउँ ।

१. पांचमी पांचो।—हे मायापात्र आदर्यां जावो
 थांका हेव्यहार दुखको वासवेजोमें रोवो वा जोखरे
 २ करो। थांको माया विगडी वा घांका गामा जेवो काठ गये।
 ३ थांको सोनो वा बपो अंगाल काठ गईं। ओर कांकी
 अंगाल थांको बरमें एक मायदी असो वा वासदे रओ थांको
 ठोच पावनावसो ये जेवडाको बेलावेई माया जोडोते ।
 ४ देवो ज्यां नूनरलीगां थांका खेत काद्यां वींको जका नून
 राई पेचसूं बुंद रे वा नूनराई कूका करेते वा वाळववाळ
 ५ कां हेजा खसकरके येजइके कानमें ज्योते। ये सुवभोगसूं
 संसारमें दिन तोषाते वा रातमें जेकोन अंशो ये मार
 ६ खके दिनके इजा आयको मन मोटो कयोते। ये सिजांनि
 अंधदार वा मारनाव्याते पख उ थांकि कंधि दुममलो करे
 ७ ते नही। इवेई हे भायां प्रभुके आवणतोडो सेंबवाळा
 को देवो हलषड धरतीकी पोषोकीमतका फलाको
 वाड जोवेते ओर अगाडो वा जेवडे म्मे पाववतोडो उंके
 ८ वेई मोळे आवच रावेते। ये पख सेंबवाळा को वा
 थांको मनपिख निखल करो कोस प्रभुको आवडो नेडो
 ९ ज्योते। हे भायां कोई कानिं उपर मोटोगुमान
 करज्यो मती के ये अंधदार न को देवो ध्यंत करववाळे
 १० वारखाकने उभोते। हे न्हारा भायां ज्यां निमतीयां प्रभु
 के नावसें क्योते वाने मोकपो कष्ट खासणे वा सेंबके
 ११ वानसोइसा करजावो। देवो जको कष्ट सेते वाने
 ने सुधीकर मिजांनि ये आयोवके सेंबकी कथा सुबीते
 ओर भगवानको तंत देख्योते के प्रभु मोटो छपाणु वा मेर
 १२ वानते। ओर हे न्हारा भायां आ संग्रामसूं जहर के ये
 कोई सुंसमवी काठो सर्गका नांव ओर अथवा धरतीको नांव
 ओर अथवा दूजीकाई सुंसकाठरपिख ओर ये दोवने
 १३ नपठखवेई थांको हारके वा थांको नहरके। थांके वीषाणे

१०. अर बोई दुषी जवी रहें तो उ याचना करें बोई अर रसी
 ११. वो जवी रहें तो उ लोग चम्मैगौत गावें याँके विषमें अर
 बोई मंगी जवी रहें तो उ टोखीबा बोटोडासोमनिं बुवा
 वें ओर वें प्रभुता नावसूं उंनें तेव बोपडर उंकेवनें रेंद
 १२. याचना करें । ओर प्रतीवसूं उमथोठी याचना मांदाने
 तारसी ओर भगवान उंनें आरम करसी उं अर यापकला
 १३. के तो वांकापिख माफ़ जसी । याँकी एक लोग ओर एक
 लोगकनें आपकी याँनी आरे करे ओर ये आपके आराम
 होखेई एक लोग दुःखएक लोगबेनेई बाचना करो यथा
 धंकरखवावा आदमीको सफल एकाव्य याचनासूं मेढो
 १४. फायदेनें । यकीयाह् काँके इखी जाँकखवाखो आदमी जो
 ओर उं मेकखी याचना करी केँ मी वकेँ ओर तीनसाख
 १५. वा ज्मास तोडी उं देअमें मी व बरखी । उं दूजीवार
 पिख याचना करी ओर आंकाज बरखी ओर धरती
 १६. आपका फल उपजाया । हे भायाँ अर याँके विषमें बोई
 १७. साचोक्खासूं भरम व करें वा बोई उंनें मुडावें तो जकी
 लोग कियो यापीसोमनिं उंकेँ वांसका भरमसूं मुडावें । उ
 जाँकेँ केँ उ लोग मोवसूं एक आमानेँ बघाणी करसी व
 मोकखा याप जखसी ।

पितरको संगलाने पैसको लागद ।

१ पैसको प्रणि ।

- १ पितर के अने विमुखीरुके एक एककारोउ उ भास्य
याबबवेई आकारे निर्मल करवसुं वा विमुखीरुके छोड-
- २ डिडकवसुं भगवान वाभाके वैकडा गानमाफक सरायोदे
यंतसुं वा गालातिया वा कायादेविया वा आस्तिना वा
बोतनिया देअने विषयाविषया परदेसी खोगाकेबने बाअ
इ लिदेने चाके उपर अनुग्रह वा कति रीतीना बती के ।
- ३ आके प्रभुविमुखीरुके भगवान वा नामो अथ के के श्री केत
गारपी भरोसो काधबवेई चापके मोकली मोटोछपासी
- ४ एक विमुखीरुके मोतसुं फेर उपाइवसुं संगे राखोडे
अविनामी वा निर्मल वा गिर कमलाया कोठार काधब
- ५ वेई आने फेर उपचायाने के अने भगवन्की पीपसुं उ
घार काधबवेई राखोडाने अके उहलीवेवा मोई होबवेई
- ६ प्यारने । जेमे अर रेंबसुं ये मोकली कोमवसुं छोडा दिव
कटसुं गदगदा अर मोकली मोटोरुओ करो के चाके
- ७ प्रतीतकी कोमव वासदेसुं कोमव कखोडे अथहीबवाओ
कोमा कोमवसुंपिब उत्तम अर विमुखीरुके मोडे होब
की वेलाअुती वा मर्यादा वा बडाई देबबलो काधो जाय ।
- ८ के जेने न देवरपिब ये प्यार करोने प्यार जेने अबाई
९ अर न देवो तोपिब प्रतीत करर ये चापके प्रतीतका कब
अथवा चापके आकारो उदार काधतो केब नसकबवाया वा

- १० सुतोसुं बोधा आतंसुं आनन्द करोते । श्री उदारको वासवेजीमें धाके उपर जको अनुग्रह होखवालो ते उके
- ११ फायदामें श्री निमित्तिबां कयो ते, जद आपके मनसे रेंखवा या खीटको आत्मानें खीटकी तोसीस वा उके फायदा सरो वे रेंखवार बहारको सावलो पेंखडा दीयो तद उ कांई वा कीतरको समब गूदरायो का सोभना करता, पुत्र्यो
- १२ वा मोटी बतनसुं सोजो । धाकेकने चोडेगे के वा आप को वासवेजीमें नही पब धाके वासवेजीमें उ कथाकी पूजा करोते के श्री-खर्मसुं हलकारा भूमोआका उवराससुं संग खोवकधा धाकेकने छेटी कयोते वासुं आकथा धाकेकने करे जायते वाके उपर हलकारा भोयोतरें देकने मोकसा
- १३ चावेते इवेई विमुडीकने चोटे होखकीवेखा जको अनुग्रह धाकेकने क्वाथि जासी उ अनुग्रहवेई धी मनकी कमरबंदी
- १४ करर सोसवालो जयर जेवडातोको प्रतीत करो । आग्या कारी हावडाइसा जयर पेंखडा जवा धाको बचनी उमा
- १५ फक आपने न रपर खेर श्री धाके लिखल कथा उ जियो
- १६ निर्मलते लिखा धे सखली सोतमें निर्मल हो । कीस धेर
- १७ लिख्योते के धे निर्मल हो कीस अ निर्मल नू । धर धे नाभाके कने बाचना करो के जको घायरी न रावर चावे श्री सोग के आपकेर कामकेमाफक विचारेंते तो बीइता धे
- १८ इजागा रेंखने दिव तोडे । कीस धे जायोते के धाका रडे रासुं लिख्योडे विवमी रीतसुं धे सोनारुपा ईयादि विनाभी
- १९ बससुं मोल कोया बग । खेर खीटका मोलकोमोलकर जोइसुं मोल कोया ग के जको विगारखेव वा दागाविगार
- २० माडराका बचाइसो ते । के जको संसारकी मोव देबके पेंखबा निखे बखोडेगे सही पब धाकेवेई इनेडकी वेखा
- २१ में चोडेगे । के जको उसुं भगवान उपर प्रतीत करोते के श्री उने मोतसुं उपायो वा मोट्टाई दीयो के धाको प्रतीत

- २२ वा भरोसो भगवानमें रें । इंसुं भायाने निबपटी प्यार करखवेई ये साचीकथा याअनसुं आळाका उकराससुं आय को मन निर्मल करर विनाओ अन्नसुं नही । खेर अविना
- २३ श्रीसुं अथवा रोजीना बचखवाका वा निखल भगवानकी कथासुं फेर उपजर साफमनसुं उतापसुं आयतमें प्यार
- २४ करो । श्रीस समजा जीवदार घासके बरोबर वा आदमी
- २५ वा समजा प्रताप घासका फुल इखोते । घास अन्न जाव ते वा उकाफुल विरपडेते खेर प्रभुकी कथा रोजीना रेंते खेर जना कथा मंत्रजीकथायाने पाकेकने छंटेरो दीनोगई ते सो था ।

२ दूजे याने ।—इनेई सगली हिंसत वा कपट वा खबर पठपडो वा घोटीखिमाक वा सगली घोटीकथा बेंखो जे

१ डर घोटादिगाका उपख्येठा हावडाइया थाको उंसुं बचख

२ वेई कथासरोयो यथायथुध मारो । श्रीस ये पाखोते के प्रभु अयाकु ते जीकेकने ये आदमीसुं बिगरखारे खेर भग

३ वानसुं खरावणी वा घोषीकीमत जीवताभाठाइया आवर जीवताभाठासरोया परमार्य एक घर सरोयो जेठ दीना

५ गथाने खेर विमुखीकरी बाइसुं भगवानकने खारेआय क परमार्यका उपखर्ग करखके अन्न एक चारखसरोयो निखे

६ पिखते । इंसुं धर्मीयधमें ओ लिखोते के देघो मूखावेई सरा वखा वा घोषीकीमत एक सिखेदारभाठा में सोओअमें राबु नुं खेर जके लोग उके उपर प्रतीत करेते उने काज कसी

७ नही । इकेवेई थाकेकने के जको इतवार करोगे उ घोषी कीमत ते खेर जके नमानखवालाते हीलावटी जके भाठा

८ निक्कमा कथा उ वानेकने मूखाकी सोखेदार खोते वा था मडवाखको भाठो वा दिक्करखको परेवत कथो गयोते न मानखवाला कथासुं आवड वावते जीनेईपिख वे निखेगा ।

- ६ लेर घे सरावियां एक जात वा राजको एक धारबपयो खोर
निर्मल एक गोती खोर विवेध एक लोग ने के उंका मुख
प्रगठ करे के जी अंधारासूं आपका अनेरा चामखाजे धांके
बुलायाजे के जके पैलडीमुखमें लोग नगे पख अने भगवान
- १० का लोग अवाणे खोर दया नही लाधीगे पख अने दया
- ११ लाधीगे । हे मोटावाला अं धांसूं वीनती कबंठुं के घे
दूजादेनवाली लोगके धोचमें यथाथे रीत करर वरदेभी
वा मारगुइया मनके बेरता राडकरखवाला डीलका काम
- १२ सूं वाजमांदा रघे के जीसूं लोग मोटाकामकरखवालाइया
थीके बिंठा कहेजे उंसूं वे धांका भलाकाम देवखसूं दिअठ
- १३ करखका दिव भगवानको क्षुती करे । आदमीका कसोडा
चावे जी फतवाका आग्याकारी प्रभुकेवेई को उ सनखीउपर
- १४ रेखवाली राजाके अथवा मोटाके डराखा वा भलाकाम
करखवालाके तारोकेवेई उंसूं बलकारा सामन करखवा
- १५ का को । कीस आ भगवानकी राखीपखजे के घे नुठासरो
वे अयर खोर आपकी नुठी मोटाकाम लुकाखवेई रीव
- १६ कसोडो न करर खेर भगवानके सेवकाके इया अयर घोषा
काम करखसूं घे अग्यानी लोगकी डोफाईके निदतर
- १७ करो । सगला लोगाने मर्यादा करो भाईपखामे प्यार
- १८ करो भगवानसूं बोधो राजाकी मर्यादा करो । हे घइया
सगलीतरें बोधर आपकेर धखीके आग्याकारी को घोषा
वा कोमल प्रखामांसूं वाली आग्याकारी से नही पख डरा
- १९ खवालाके पिय । कीस अर जके भगवान उपर मन लगा
वखवेई कोरे आदमी कष्ट लाधर कष्ट सहे ई प्रअंस
- २० लायकजे । कीस घे जके आपका दोषसूं कूट वावर वा
आरे करी तो वा काई बडाईजे लेर घोषाकाम करर वा
उकेवेई कष्ट लाधर अर घा सहे तो आ भगवानके आरे
- २१ लायक जे । आ करखजं पियघे निसें ज कीस धांका उंका

- पगल्या पिगढीजाववाजा होखनेई न्हिकेवेई एक बांझी
 देर खीरु न्हिकेवदले तोसीस काधी के जी क्वि पाप बखी
 २२ नही वा जीके फायदामे भुजावे काधो गयो नही । जी
 २३ गोइ काधरपिख फेर गोइ न करी जी तोसीस काधरपिख
 बजरप करी नही पख बखे ठीकतरे विचार बरेते उबेक
 ने आपने भलायो के जी हं व उपर आपका डोलमे सामी
 २० न्हिके पाप भोगयो के ने पापका काबदामे मुडदासरीवा
 ऊपर सातरका फायदामे रीत करे जीके मारबसुं ने ताजुर
 २५ जवांजी । कींस ये गमीयोडा गाढराइया न खेर कने काप
 की काभाकी इयाकी वा आपायके नेडा दूजीवेका थाया
 ने ।

- ३ तीजे पानो ।— हे वजवां ये इसीतरें आपकार कही
 २ का बसमे रहो के अर कोर कोर कथा न सुबे तो वे धाके
 बीहके भेलो ओखत्रतपबाको धवधार देवबधुं वजवाके
 ३ यवहारसुं कथाबिना ताखां जावां । ज्योको सिखमार बेकी
 डंड वा सोखाका गेया वा गाभापेयां सरीयो बारुबेमे सिख
 ४ गार न के । खेर अतरंगमे लुकोडा आदमी गीला वा
 सात आभासरीयो अविनामोगेबासुं उ सिखगार के के
 ५ जको भगवांनकी सिजरमे घोषीकिसत ते । कींस ज्यो
 पुन्यवंत कुमायां भगवांनमे प्रसीत करी वे आपके र खीकी
 आग्यामे ऊपर आपने ठेठमे इसी सिखगारी जिखो मारा
 ६ ह आमरहामने प्रमुद्धर मान्यो ये जठतोडी घोषोनाम
 करी वा कोखी बीहसुं डरखवाला न को वठतोडी जीकी
 ७ डावजांने । हे धर्यां येधिय वाने निवधा ठांवेइछो जाबर
 उमाफक मथांदा करर कोर औवतथसरोयो अनुयइको
 आपतमे भागी ऊपर खानके माफक बाके भेखा रहो के
 ८ धाकी आपका अटकी न जाय । मुदो ये आनीवको कोठार

सायबवेईं के इमें निखल हो या जांबर समजा यकमना
 को एक लोग दूजा एक लोगउपर छपालु को भारपाटो
 १ पासो गीलेमन को घोषोकेबवाला को हिसाके बदले हिसा
 अथवा मोईके बदले मोईकरबवाला मतोको पस उके वेर
 १० में आसोस करबवाला हो। कोस जको लोग आउपामे
 भागया चावेंते वा सुखसुं दिन त्राया चावेंते उ लोग आप
 को भीमने गौठासुं वा आपका होठामे तातकीकथा केकी
 ११ बरने। उ लोग मोटो काम गेडे वा भलोकाम करे उ लोग
 १२ सायबा सोभे वा उको पिगडो के। कोस पुयबंता
 उपर विरुहको दृष्ट वा कांकी यापनाउपर उको काम
 सुल्योते करे जके मोटाकाम करेते वाने वेरमें विरुहको
 १३ मुडोते। ये अर घोषाकाममें पिगडीमानवाला को सो
 १४ यांको विगडो कस करसो। लेर अर ये यथाधनेईं कष्ट
 काधो तो ये भाग्यवान गे अर कांका डरसुं मतो बीसो
 १५ अर धिसावांनपिस मती कसो। लेर आपका अंतरंगमें
 विरुह भगवानने निर्मल करमानो अर घोषेमन अथर
 जको याके निखलके भरोसाके कारब पूते उ चावें जी
 लोगामेपिस गीकारके भेसो वा बीहके भेसो हवाल अथर
 १६ उथको देखमें रोजोना ब्यार रहा। के खीष्टमें याके घोषी
 रोषका बूडो टंडो जके देवेते वे जीमें याके मोटाकाम करब
 १७ वालांइया मनिंते उमें काजवाला के। कोस भगवानकी दृष्ट
 अर इसी के तो घोषोकांम करबसुं कष्टयावसो वा गौठा
 १८ काम करबसुं कष्ट पांसुं घोषोते। कोस खीष्ट डीबमेंमाखी
 आधर लेर आभासुं जीवसाधर वामे भगवानकने न्यावण
 नेईं हकीनार यथाध अथर अथथाधीयाके बदले कष्ट काधो।
 १९ जीज्याजके विचाले धिनसा अथवा साठ प्ररिखा यांयोमें
 उधार साधा मुखकी नेलामे बद उ ब्याज ब्यार करबकीनेसा
 में भगवानकी कांकी सेहने नाइजोपकी करीजे उ काव

- जवा आआ नसाखनवाखी ओ उ कटका आआअने उ भावर
 २० आआसुं कबोडी कथा चेडे करी । कने मोतोडे भमवांन
 के जीवता हाथमें बेठोडे और जीवो आधीन हखदारा
 २१ और सामनकरखवावा वा बबने ईसो विजुडोड के उंचो
 २२ केर उपडखके बाहसुं तिलोरे परभा विजिष हुभोदिरावकी
 धने नानि उदार करे डोखी भडवा निर्मल करबो सु नही
 केर भंगवांनके सामो घोवा मवको उपरो छही ।

- ० चोचो पाणे ।—खीड नाकेवेई डोखमें कड आचोरे
 इंसुं घे आपने उहि मनसुं सभो कोस जीं लोम डोखमें
 १ मोत भोग करीने उं पाप जेखीने । के डोखकी रोवसुं
 आदमीको मनसा परवारबने बाकी दिव न तोडे पब भम
 २ वानके हकके माफक दिन तोडे । कोस ने सोघाई वा संमत
 वा मोकरो दाकपियो वा मदावेल वा तिगदकरबो वा मोई
 आखक देवताने पूजवा आं दिवाने कयो मबो नहीको
 उमरकी वा पांती पूजा देनवाख्याके राजीपबके काम परवा
 ३ रबने बसने । बीठो केर इमें वे अठेरा दिवेने के चोवाके
 ४ इया भटखवा कादामे न देखे । आं कामीकी घासवेडीमें
 वे जीवता वा मुठदाको विघार करबने आर भमवांनबने
 ५ धनि आपके कामको कारब वेखो पडती । कोस इवेई
 मुठदाकने मंगलीक कथा छंटेरी कयो मबो के वे डोखमें
 रेखवावा आदम्याके इसा खीत कयोडा के केर आआमें
 ६ लोगाके इया भमवांनके माफक रोव करे । केर समजा
 को जेवडे नेडेने इवेई सोसवाखो चो वा बाधता करबसुं
 ७ पोरो देवो । समजासुं मोटी आपके बीचमें मोटी मोतके
 ८ भेवा चो कोस प्यारसुं मोकवा पाप छका जावने । मर
 गदाविगर एक लोग दूजा एक लोगकने संभभाग रीत करे ।
 ९ धाके बीचमें चावेजीं लोम जिको मुंडो काषोने उंचीतरें भम
 वांनके मोकलीतरें अनुपदके उत्तम दिवांवाइया घे आपवने

- ११ दीज्यो । अर कोई कथा कहें तो वे भगवानका प्रत्यादेशो कथाके इत्या कथो कोई अर दान करें तो भगवानको मुंडो उनें दीमोउं उंदि मुंडामाफक उ देवें के विदुखीयका उख राससूं समझा कामसूं भगवान महात्मा जाधें वे जीने सुतां वा राज देखीन जाधें जीबेका दीना जाय । अमिन् ।
- १२ हे बाबा जी बासदेकी परवसूं थाकी परवकरकी जसो थाको कोई अउरी इवान जिसो जतो तिसी वा अउरी
- १३ थांग मती करे । केर खीटके गोलाकेसरीको रोखसूं पख राजी करे के उंकी बढाई कोउ रोखको बेका ये मोफका
- १४ आबदसूं राजीपये को । अर खीट का नावनेई ये मंसा कसा जावे तो ये घन्य कोस बढाई वा वा भगवानकी आत्मा थाके भेकी रेंउं वाके फायदामें उ बोठीतरेंसूं बयो
- १५ जायउं केर थाके फायदामें उ मोठीतरें मान्यो गयोउं । पख थाको कोईपिख मारखवालो अथवा केर अथवा कुमारगो
- १६ अथवा पारकी चर्खवाला इया तोसिम नजाधें । केर अर कोई खीटियानको तरें तोसिम जाधे तो उ लोग सजवा हो नके पख इंसूं भगवानको सुती करे कोस भगवानके
- १७ देवरामें उंड देखकी सखकोबेला ऊरेंउं और नकिंकने अर उ पेंकाडा के तो जको भगवानकी मंगलीक कथा मनि नहीं
- १८ वाको उवठे काई जसो । औरपिख यथाधिंयाको उदार अर कठारेंसूं के तो असेवक वा पापो लोग कठें देव्या
- १९ जासो । इनेई जको भगवानकी खमामफक तोसिम खाधेंउं वे उनें विशय सिरजखवालो जाखर भलाकाम करखसूं साफ को आत्माको बवाली उंकेकने भजावे ।

५ पांचमो पांनो ।—जके बोदोडा लोग थाके शीघर्म उं वाने ऊंपिख बोदोडा लोग वा खीटके तोसीसको एक

Vikaneer.

3 V

वा

- सायदो वा जाका सुतो चोडे करबको उंको यक सरीको
 २ जयर आ सोबावख वाने कहंउं के भगवानकी जको टोली
 घाके बीचमें उंने रुवाली करबको सेवा बलसूं नही लेर
 आपका सुभावसूं मेंलाको भसूं नही लेर राजो मनसूं लेर ।
 ३ और जोठारके प्रभुवाके उखिहारे नही लेर टोलाके
 ४ वानमी इस्यो जयर उंटेखाने चरावो । और सिबेदाद
 रुवाली जद आसी तद थे अविनामी बडाईको मुमठ पाखो ।
 ५ हे मोल्यारी ये नोदोडाके आग्याकारी को और आपवमें
 सगलाको ईषिय आग्याकारी को और डीकाईसूं पैखोडा
 को कीस भगवान गुंमानाकी बरखा करेउं लेर सैनवाका
 ६ लोगाने अनुग्रह करेउं । इन्नेई भगवानके मोषवाकें हाव
 के मोचें आपने भुकावो और उठोक बेखामे घाने उघाड
 ७ सी । इन्नेई घाको सगलो फिर भगवानके उपर भयो
 ८ कीस उ घाके इन्नेई चिंता करेउं । होसवाका को योरोदेब
 को सुभाव कपडो कीस कीने चावनाघख सकसो आ सोम
 ना करवा करता घाको बेरी मोडो गाबखवालो नारूसरी
 ९ वो फिरेउं । घाके जके भाई संसारमें उं वाके बीचमें के उंई
 तोसिन परवारैउं आ जाबर प्रतोतमें निखल जयर उंको
 १० बरता करो । लेर सगलो अनुग्रह देखवाको भगवान के
 जको डीठ यिमुकी बांहसूं नाने आपके अनंती बडाईमें
 बुजायउं उ घाके घोडादिन तोसिन पावखयउं घाके भया
 ११ पूखा वा कायम वा बलिया वा करडा करे । उंके उपर
 मघात्मा वा धखियाप वा सुतो रोजीता को । आमिन् ।
 १२ न्हारी व्येतने विषय भाई सलवानस्की बांहसूं ज
 सोबावख करता वा जी अनुग्रहमें थे उभो जवो ने उ के
 भगवानके साथ अनुग्रहउं को साबतो देवो सवेपने घाने
 १३ लिख्येउं । घारे मेला सरावण्या बाने लकी टोली तने
 १४ बंनवा करेउं विखे इ घारे डावडो मार्क करेउं । प्यारका

॥ मांभनो मांभे सितरबी सगलानि पैसरो कागद । 585

बापसुं एक लोग दूआक सोमसुं बांभगोरी को चाके
भिता लोग मभुयिमुखीछमे देते वा सोमाकी भावना के ।
आमिन् ।

सकलानेवेई पितर जको दूजाकागद लिखो सो को ।

१ पेंडो पांनो ।

१ ॥ भगवानको वा न्हिके तारखवाला यिमुखीएका यथा
२ थंसु न्हिके इयो चौवीकीमत प्रतीत लायीने वाकेकेके यिमु
३ खीएको सेवक वा हलकारो श्रीमेन् पितर कागद किने
४ ॥ भगवान वा न्हिके प्रभु यिमुके ग्यानसुं थाके उपर
५ अनुग्रह वा जांत पगर बघे के जो बडाई पावखने वा
६ प्रभावभेला होखवेई न्हिके बूलायाते के उंची वासवेकीका
७ ग्यानसुं जिखो उंचो भगवानको पराक्रम आउवे वा भग
८ वान सेवावेई सगली बस्त न्हिके दीनीने के जीसुं न्हिके
९ मोकली सोवोतरें वा चौवीकीमत करार दीना जायते के ये
१० वोटासुभावसुं उपख्या संसारका वोटा चलबसुं रुडावर
११ भगवानके सुभावके सरीकी को । इवेई इकेविगरपिब से
१२ उखम करर आपके प्रतीतके भेला प्रभाव वा प्रभावभेला
१३ ग्यान वा ग्यानकेभेला जितेद्रियपखो वा जितेद्रियपखकेभे
१४ ला सेखो वा सेखकेभेला भगवानसेवा वा भगवानसेवाकेभेला
१५ भाईपारो वा भाईपारोभेला प्यारने भेलाकरो । कोस
१६ कर के सगला थामे के कोर बत्ता के तो के थानेकरसी
१७ के न्हिके प्रभु यिमुखीएका वासवेकीके ग्यानसुं ये अथल्यो
१८ वा निकमा न को । केर जीने के न केते उई कोर
१९ आधि वा आपकी आधी मोचोडोते वा उसुं भूल्योके

- आप आपका बोदोडापापसुं निर्मल ऊवो इवेई हे भायी
 य आपके बुलावयो वा सरावयो उकें उपर देवयो
 १० घाने घोषो । कोस पैलडा होखनें कायम करववेई
 प्रथ वत्ती बतन करो कोस पर से को काम करो ती
 ११ कदेई पडयो नही । ओर इखितरें न्हिके प्रभु वा तारक
 यिमुखीके अविद्याओ राजमें मोकली पसोरोतरें घाने
 १२ बडय देयो पडसो । इवेई ये आक्या जानकार ऊवा
 तेओर इ हालकी साचतामें कायमपिब ऊवा हो सही
 तोपिब घाने आ कथा रोजीना चितरावखनें ऊं गावदी
 १३ ऊसुं नही । न्हिके प्रभुयिमुखीके जियो मनें देवाव्योनें
 के मनें घोडा दिनापनें ओ न्हारे डेरो पैलडो इसो ऊं
 १४ आपिब जांबकार ऊसरू जठतोडो इ डेरामें रऊं
 तदतोडो घाने चितरावखसुं घाने सेभखो ठीक ऊं
 १५ विचारुं । ओरपिब ऊं उद्यम करणुं के न्हारे सरख
 १६ के पनें आ कथा घाके मनमें रोजीना रहे । कोस न्हिके
 प्रभुयिमुखीके पराजाम वा आवयो जद ने घाकेबनें चोडे
 कयो तद ने कपटसुं रचोडो कथायोके पिजाडीजानवाका
 १७ न न ओर उकें महिमाके चोडेसायदी न । कोस जद
 आ कथा समभाखवावो अइ उकेकनें उं उत्तम तेवसुं
 नीकयो के तू न्हारे बालो डावडे जीके उपर न्हारी मोटी
 राजीनें तद भगवान बाभेसुं उं मर्यादा वा बडाई लाधी ।
 १८ ने जीवेजा निर्मल परबत उपर उकें भेवा न उवेवा ने
 १९ समुं आवोडो ओ साद सुण्यो । न्हिके इंसुपिब
 कायम आचारव्यकी कथाते ओर धर्मयंघकी काई आचार
 व्यकी कथा के आदमोके आपका मनकी उपयोडो न ते
 आ पैलडा जांखर जठतोडो घाके मनमें राव प्रभात न
 २० के । वा प्रभातको तारो जठतोडो उमें नही तदतोडो
 जिसे अंधाराकी आगा घानयो करववाजा घानयो

वहको कर देवो आव तिसीबेका आदमीकी हथसू
आधारथकी कथा जोड़े गई जो खेर धर्मामें चाखेडा
ऊपर भगवानके पुन्यवत लोगी कयो ।

- १ दूजेपांगे ।— खेर लोगाके धीधाले कूडाजिमि
विश्रायिष ज के जिया अको प्रभु वाने मोल खोना उंकी
प्रभवेलीमें फिटकार करखवावा खेर आपके उपर
बेगो मोजगमावखवावा बिगाडकरखवावा खेरसो सुकोडा
बडावखवावा कूडासिवावखपिष घाके वीधमें जसी ।
- २ खेर वाके बीठाकामका पिडाडोआखवावा मोकला जसी
जी कारण साधीकथाको मारगकी बदनामी जसी ।
- ३ खेर वें लोभसू तोतकी कथा केर घने मोल लेखकी बख
करसी के ज्याके प्रायचित्त अने मोकलादिनांसुं छीब
करे नही वा वाको मोज उंधावे नही । कोस खर
भगवान पापकरखवावा हलकाराने दया न करी खेर
विचारबेई राधा जावखबेई वाने मारकीमें बगाव देर
- ४ अंधारासरिषी साकलमें भाजाया । खेर नेदोडाबगव
नेपिष दया न करी खेर भगवानको सेवा न करखवावा
- ५ संसारउपर पाखी उमटखो ल्यायर यथार्थको छंडेरो
करखवालो आठमें आदमी नूखमें उबार दीना खेर
सदोम वा अमराह मगर धूलघांणी करर उपने भगवांन
- ६ सेवा न करखवावा यवहारी जिता लोग वाको वांकीगी
- ७ करर विनाअसुं वाको दंड कयो । खेर डरानवाको लोगी
- ८ के भिसटआचाबसुं लेलीन यथार्थकोटने विरायो । कोस
उ यथार्थ मोठ्यार वाको भेखो रेंर वाके अभासका काम
सुं वा उंके देवसुबखसुं आपका यथार्थमगने रोजीनार
- ९ तोसीस दीवी । भगवानसेवकाने कीमतसुं उबार कर
वने खेर अयथार्थने दंड खानबनेई विचारके दिगीदी

- बवाली करखने भगवान जायेने लेर जके डीलका सुभाव
 माफक बीठोसंगत रीत करेने वा राजको साजन निकमा
 करर जायेने सगलासु बसो वाने वे निहर वा सागीसदरे
 वण्णा वा भारीबोधाको बदनामी करखने बोहता नही ।
- ११ लेर वासुं पोषवान वा बलवान हलकारा प्रभुके सांभा गोई
 १२ करखवाला टंटे वाके बेरतामें करेने नही । लेर के
 कपथा जाया वा छलाक कया जायेवेई प्रकतसु हिंडोको
 १३ हांडा इसा ऊपर जके न समभेने उंको टंटे देवेने । वा
 यथायेका कल साधर आपकी भिसटतासु सांखेआनी
 घोत्र जसी आ दिनका बीठोयवधारीने सुब केने वे दागा
 वा सेवदार केने वे धरिमेला जीकास वायेने उंवेला आप
 १४ का तातेपथासु मजरखा करेने । वाको आंध्या रंडि
 बाजीमें पूरोने वा पाप गेडख सके नही वे चंचलमनवाला
 का भुलावधवाला केने वे लोभी अंतरंगवाला केने वे दाब
 १५ पायोडा डावडापिख केने । ठीकमारग गेडर वा बीसर
 का डावडा नलखामके मारग पाकर भरमं कथेने के जी
 १६ अयथायेकी नूनराईमें थार कथेने । लेर आपके अयथा
 वेई भांडकयोडो गुंगागथा आदमीकी कथाकेर उं निर्मित
 १७ या दीवावगी बरजी । के पायोनिगर कूवे वा भइडमें
 डाल्योडोभेने के आकेवेई रोजोगा चावे जी बेला अंधारा
 १८ की अंधारो राख्योउने । आभरमो लोभाने गेडर नथा
 ग वाब डीलको संगत वा मोटीलुचाईसु मोटीउपसतो
 १९ ऊई बीठीकथा केर भुलावेने । अद वे वाकेकने मुगतको
 करार करेने उंवेलापिख वे आपकी भिसटताके सेवेने
 कोस जोसुं कीई ममे उंसुं उ सेवाके तावे कयो जायेने ।
- २० न्हाके प्रभु वा वारखवाला थिनुखोरुको घासवेजामे ग्यावसुं
 संसारकी भिसटता गेडर वचापने कर वे कटक रहे वा
 २१ ममे दो वाको गेडो मैकडासुं पिख बीठो । कोस यथाये

सरीबो मारग जांखा पने जका निर्मल आग्या बाने दीनी
 गई वा आग्या जेडबसूं पख यथार्थतरें मारग न जांबबो
 २५ चोवोने । खेर बाके उपर वा साधी बांहाबोरसो पडोने
 के ऊचखा आपकी उलटो पांबने वा चोयोसूवर कादाहे
 छोटपोट करबने मुयोने ।

२ तोजे पानि ।—हे बाबा ओ दूजेकामदे जं अवे थाके
 कने बिधुनुं धामे जं पितरावखनेई थाको सुदमन चोबस
 ३ कदनुं के ये पेंलडा जका कथा पुन्यवंत निमित्तिवाके जीभ
 सूं कयोडीने वा कथा खेर प्रभु वा तारबवाखाका हल
 ३ कारा न्हाको आग्या पितार राधो । ये पेंलडा जांहर के
 जेडलीबेजामे आपके राजीका मतका पाखबवाजा गोर्दकरब
 वाका खेर उके आवखके करार कठे कीस बडेराकी मोद
 ४ गयोपने सलकी बेजाके पेंलडासूं जियो जे तिसी संगखे
 ५ बस रेंगी आ कथा पिख केबवासा ऊसो । कीस के आप
 की राजीसूं ई वासवेजोमे डोफोने के सग वा पांखीसूं
 निबकी वा पांखीमे होखहारी धरती पेंलडा भगवानको
 कथासूं जी जीसूं पिख उं कासको संसार पांखीसूं डुबर
 ६ विगाडने । पख विघारके दिन वा भगवानके सेवा न करखी
 ७ लोगके विगाड के दिनतोडो वासदेबेई राख्योडो आ प्यार
 ८ खगे वा धरती उंही कथासूं हवालोंने । खेर के बाबा
 ये ई एक वासवेजोमे डोफा मती ऊध्या के एक दिन प्रभुके
 मेला हजारबरसा इयो वा हजार बरस एक दिनइस्योने ।
 ९ जीखा आदमो हीलो समझे तिसो आपके करारकी
 वासवेजोमे भगवान हीलो गने खेर कीली लोगके विमान
 न आवखवालोने खेर सगला लोग के वांमखा करे उंके
 पांखवालोपिख ऊयर न्हाके उपर मोकला दिन सेबवाले
 ने । पख जियो रावने खेर आवेने तियो भगवानका

- १० दिन आसी जीमें मोटा सादसुं छाकाभ भिसख जाती
घोर मोटीगरमोसुं बख्योडी बख गल जासो घोर घरती
- ११ उंको सगलां कामां सूधो बल जाती । इवेईं के सगला
घर गल जासो तो भगवानके जीं दिनमें खग बल जाती
- १२ वा बख्योडी बख मोटीगरमोसुं गल जाती उं दिनके
नाडजोखी वा वेगोचालखवाला जयर सगली तरे पुन्य ख
हार वा भगवानको सेवा करखसुं न्हिको कीतरेको आदमी
- १३ होखो ठोक । पख न्हें उंके करारमाफक नाडजोवींग के
जीके विषमें यघार्थपखी रेंगे इखो मवोखग वा गवी
- १४ घरती जती । इवेईं हे नाला घे इंतरेकी बखको नाड
जोवो उंवेईं उधम करो के घे घेनसुं विगरदामे वा विगर
- १५ खेन उंसुं लाधा आखो । घोर गिबो के यभुकी कावो
आरे उवारवेईं जितो न्हिको बालो भाई पाउख जकी
ग्यान उंने दीने गयोउं उंमाफक थाकेकने लिखोउं ।
- १६ घोर उंके सगला जागदमें इ वासखोकी कथा लिखोउं के
आमें करडीसुं समभणकी कथाउं के न्हिके अग्र्यां वा चं
चल लोग जितो धर्मास्त्रकी घोर कथाका दूजे अरथ
करेंगे तिसो आयके विनाअवेईं जोरसुं दूजे अरथ करेंगे ।
- १७ इवेईं हे नाला घे वा पैलडा अंखर निघेवान रहे काजा
खां बीठाके भरमसुं भरमोखा जयर घे आयकी निखलता
- १८ सुं सुखोडा के । जेर अनुयधमें वा न्हिके प्रभु वा नारख
नाका यिन्नु खीरकी दासवेजोमें म्यांमें बखो उंको महाका
अने वा दोजोवा कवे जीं बेला के । आमिन् ।

Vikars.

8 W

सगळ्यांवरुं वाचनको पेंजडो कागद ।

१ पेंजडो पानो ।

- १ जकोर पेंजडासुं जे जीवतथदेखवाळा कथायाकी जकोर ने सुखोने वा आयकी आय्यासुं जकोर देखेने वा जीके उघर ने दृष्ट नाथीने वा आयका हाथसुंयिळ
- २ जकोर चोडे कसोने उ ने चोडे करांगी । कोस जीवतथ चोडे कसोगयो कोर ने उ देखेने वा उंसुं साबता देवांगी कोर जको अनंत आययो बभाकेकने जे कोर नाकेकने
- ३ चोडे जे उ धाकेकने ने देवावांगी । ने जकोर देखेने वा सुखोने उ धाकेकने ने चोडे करांगी के नाके भेकी धाकी एक सुभाव के कोर आ ठात्रीने के नाकी एक सुभाव बाभा
- ४ वा उको डावडो यिमुखीचके भेकीने । ने धाकेकने आ
- ५ कथा जिवांगी के धाकी आनंद भयोपूयो के । जको सदे जो ने उकेकने सुखर धाकेकने चोडे करांगी उ संदेजो को
- ६ के भगवान चांगवो वा उंमे कृधि अंधारो नही । अर ने केवा के उके भेका नाकी एक सुभावने कोर अंधारामे मुडे
- ७ तो ने कडोकथा कांगी वा साचकाम करता नही । कोर जिखो उ चातनांमे जे उहीतरें अर ने चांगनांमे अवहार करा तो नाके आयतमे एक सुभाव केने कोर उको डावडो
- ८ यिमुखीचको कोर नने सगळा पापसुं निर्मळ करेने । अर ने केवा के नाकी पाप नही तो ने आय आयको भरम
- ९ उपजावांगी वा साचता नांमे नने । अर ने आयको

याप आरे करी तो नही याप माय करवने वा नही
समजा अवघाईसू याक करवने उ विचय वा सिवने ।
१२ कर ने कीवा के ने याप नखा नही लेर उंचू कूड नेवव
वाको करवने वा उंची कथा नही वने ।

- २ दूजो यानो ।—हे नहीरा नांवा डावडा घाबेकने अ
घां कथा विवुनु केये याप मती करे कर कोबी यापनयो
ने तो कभाकने नहीरा एक उलोकेते उही विवुनु वधा
३ रीं कोर उ न्हाकःयाय गुंडाकनेई प्रामचितने वा कती
४ नही तो नही केर समजा नमसको विवु कर ने उंची
आया पांचां को ने उंचू जांजां उं ने उंचे जांकोते ।
५ कर कोई लोग कहे के में उंचे जांकोते वा उंची आया
याचन व करे उही लोग कहेते वा साचता उमें नही ।
६ लेर कर कोई उंची कथा घाबेते भगवानको प्यार उमें कल
वस पूरोते ने उंचू जांजां के ने उंचे विचमें गी जको
७ लोग कहेते के न उंचे विचमें देववाको उ सागो जसो
८ रीत करी उ लोगको विषो रीत करवो विषेते । हे भायां
घाबेकने अ विवु नही आया विवु नही लेर कका नेप्री
आया येकहासू घाबेकने गी वार्ड विवुनु कका कथा घे
९ पेंसडासू सुबीने वा बीदी कथा वार्डने । कोरपिअ अ नमो
एक आया घाबेकने विवुनु वा कथा उंचे विचमें वा घाबे
विचमेंपिअ साचिने कोस कंधारे गयोते वा साचोचानको
१० प्रकास करे देवेते । कको लोग आयाका भारने मोई करवने
के अं चानकने रउंउ उ लोग कवाककोडी कंधारामे ते ।
११ कको लोग आपके भारने प्यार करवने उही चानकामे रउं
१२ वा उंचे विचमें आवडयोको कंधि नरुते । लेर कको लोग
आपका भारको मोई करवने उही कंधारामे रउं वा कंधारा
में घाबेकने वा कहेर जायते उरं गाबे नही कोस अ अं

- १२ धारें उंकी आंध्यां प्राधी करीणें । हे नांना डावडा जं घांके
 कने लिपुंजुं कोस उंका भाववेई घांको घाय माफः जवेणें ।
- १३ हे नाभा जं घांकेकने लिपुंजुं कोस जको पेंडडासूं उें उंने
 ये प्रांध्याणें हे मोट्यारां घांकेकने जं लिपुंजुं कोस ये दुष्ट
 ने हरायोणें हे नांनाडावडा घांकेकने जं लिपुंजुं कोस ये
- १४ नाभाणें जखयोणें । हे नाभा घांकेकने में लिप्योणें कोस जको
 पेंडडासूं कें उें उंने ये प्रांध्याणें हे मोट्यारां में घांकेकने लि
 चोणें कोस ये बलियाणे वा भगवानकी कथा घांके विप्रमें
- १५ देव वा ये दुष्टने हरायोणें । संसारने वा संसारकी बंधने
 प्यार भो करण्यो अर कोई संसारने प्यार करेणें तो नाभा
- १६ को प्यार उंने नही । कोस संसारके विप्रमें शिक्ताणें अथवा
 डोलकी बांठा अ आंधकी बांठा वा विषयवेई मुमान उ
- १७ नाभासूं नही लीर संसारसूं उें । लीर संसार वा उंकी
 बांठा जायणें यख जको लीग भगवानके राजीपणको काम
- १८ करेणें उ राजीगा रेसी हे नांना डावडा आ ठेडली बेलाणें
 लीर शिक्ता ये सुणीणें कें उंधो खीष्ट जसी तिखी आनई
 पिख मोकलो उंधो खीष्टणें इंसूं ने जांवांगी कें आ ठेडली
- १९ बेलाणें । वें न्हिके कनीसूं मयाणें सही लीर वें न्हिके कानो
 का नगा कोस लीर निरुणें कें वें अर न्हिके कानोका जता
 सो न्हिके भेजा रेता लीर वें समलाके न्हिका लीग नही आ
- २० मोडें होणवेई वें गघा । लीर समनेकनीसूं घांको एक
- २१ अभिवेवणें लीर ये समलां जनिणे । घांधी साचता न
 जायवसूं जं घांकेकने जको लीपुंजुं सी नही लीर लीके
 उंने जांखसूं लीर साचतासूं काई कूडाकघापीख नही
- २२ आपीख जांखसूं लिप्योणें । विमु जको उ खीष्ट जको
 लीग इं वासवेलीमें फिटकार करेणें उही लीगविंगर
 कूड केंखवालो कुणें उही लीग उंधो खीष्टणें कें जको
- २३ नाभाके वा डावडाके वासवेलीमें फिटकार करेणें । जको

- कोई डादडावेँ प्रायदामेँ छिटकार करेँ बाभोपिख उँको
 नही पब जको डादडानेँ अरे करेँ बाभोपिख उँको ।
- २० इँदेइ थे जको पेलडासुं सुखोतेँ उ थाकेँ विचमेँ रेँ पेखडाता
- २५ जको थे सुखोतेँ उ अर थाकेँ विचमेँ रेँ तो थे बाभो वा
- २६ डादडाकेँ विचावेँ रेँखो । जको ताखीपटको उं न्हकिँकनेँ
 कखोतेँ सो छो अनंत आउवे । जको थानेँ भुलावेँगे थाकेँ
 प्रायदामेँ मेँ थाकेँकनेँ आ कथा लिखोतेँ । अर जको अभि
- २७ येव थे उँकेँकनेँ साधोतेँ उ थाकेँ विचमेँ रेँ वा थाकेँ निखे
 नही केँकोई लोग थानेँ सिबावेँ अर जिखा उ अभिवेव
 थानेँ सज्जकाकीई भबावेँगे वा साफने वा कूड नही अर
 जिखो उ थानेँ सीघायेतेँ तिसाई थे उँकेँ विच रेँखो ।
- २८ हे नांनाडावडा अने उँकेँ विचमेँ रेँखो केँ जद उ चोडे जसी
 उवेला न्हानेँ छिमत केँ वा उँकेँ आंखणी बेला उँकेँ सामे
- २९ कज्जखो न केँ । थे अर आ प्रांखो ने केँ उ यघार्थ तो
 थे प्रांखोने केँ जको आवे तो लोग यघार्थ करेँ उही उंसुं
 कवेतेँ ।

३ तीजे पने ।—देवी बामे कौतरेको प्यार न्हाने
 दोनेतेँ केँ न्हें भगवानका डावडा विख्यात कां संसुं संसार

२ न्हानेँ जांखेँ नही कौस उनेँ प्रांखो नही । हे बालां अने
 न्हें भगवानका डावडा न्हें अर काई जखां तो अने जांखां
 जायतेँ नही पय न्हें जांखां न्हें केँ जद उ चोडे जसी तद
 उँकेँ इया जसी कौस उ जिखोतेँ तिसाई न्हें उनेँ देवयां ।

३ अर जी चावेँ जी लोगकेँ विचालेँ छो भरोसेतेँ उही चावेँ
 जी लोगइसे उ याकने तिसो आपने याद करेँगे । जको
 लोग याप करेँगे उही तैरेतपिख साधेतेँ कौस तैरेत
 साधबी जको उही यापतेँ । अर थे जांखो ने केँ उ
 काँकेँ पाप टुबावखेई चोडेतेँ वा उँकेँ विचालेँ पाप नही ।

- ६ जको लोग उमें रेंगे उही लोग पाप करेंगे नही जको लोग पाप करेंगे उ लोग उमें देख्यो नही वा जांख्यो नही ।
- ७ हे नावाडावडा कोई धर्मि न भुलावे जको लोग यथायं काम करेंगे उ जिथो यथाधी उपिब इथोई यथाधी ।
- ८ जको लोग पाप करेंगे उही मोडासूं जवोते कोस मोडो पेलडासूं पाप करेंगे इकारब मोडाको काम नान करब
- ९ वेई भगवानको डावडी मोडे जे । भगवानसूं उपज्यो जको लोग उ पाप करेंगे नही कोस उके विचारें उही बीज रेंगे और उके भगवानसूं उपजयने उ पाप करेंगे
- १० नही । इंसूं भगवानका डावडा वा मोडाका डावडा मोडे जे जको लोग यथायं काम करेंगे नही वा जको लोग पाप का भाईने प्यार करेंगे नही उई लोग भगवानको नही ।
- ११ कोस जको संदिनो वे पेलडाता सुथीजे उ ओ के वे आपत
- १२ में प्यार करा । कोनइथो नही के जको उ दुष्टसूं ऊवो और आपके भाईने मारनाथो उ उने कीकारब माथो उको काम बीडो जे वा उका भाईको काम सांतर
- १३ जे इवेई । हे न्हारा भायां और संसारका लोग धर्मि मोई करे तो विमें नतो को । हे जांबांजं के हे मोत ओइर जीवतयमें आपाजी कोस न्हिके भाई लोगनि प्यार करेंगे जको लोग भाईने प्यार नकरेंगे उ मोतमें रेंगे ।
- १४ जको आपका भाईने मोई करेंगे उई हथा करखवाकोजे और वे जांखी जे के हथा करखवाकोके विचमें धनव
- १५ आउवे रेंगे नही । हे भगवानको प्यार इंसूं देखें पावांजां के उ आपको जीव न्हिके वेई होने और मावा
- १६ के वेई न्हानेपिब आपको २ जीव देवो लिखीजे । जेर जी लोगको इ संसारको धनने और आपके भाईको म्यारपवो देवर आपकी दया उके उपर रोकर उही लोगके विच
- १७ में भगवानको प्यार कीतरे रेंगे । हे न्हारा नावाडावडा

- हे घाली कथा अथवा जीभसुं प्यार न करी खेर कांससुं
 ८ वा साचतासुं विव । हे उंमै जांबांजां वें हे साचताका
 दकापा लोग जां वा उंके सामे आयको मन निडर करख
 २० सकांजां । कीस कर हाको मन हाको खेवसावती देवें
 तोपिख भगवान हाके मनसुं मोटोते वा सगला जांखेते ।
 २१ हे बाबां जका हाको मन हाके दोषको सावती देवें बही
 २२ तो भगवानसुं हाको हिम्मनते । खेर हे जकार याचना
 करांजां वाई मावांजां कीस हे उंको आया मानांजां
 वा जको उंके घटवां राजी करखनाजे उ काम करांजां ।
 २३ आ उंको आयाते वें हे उंका डाकडा यिसुखीएका नांवेम
 प्रतीत करां वा उं जिखी न्हिं आया दीनो विखेई आयत
 २४ में प्यार करी । खेर जका लोग उंको आया घालेते उही
 लोग उंके विषमें रेंते वा उ उंमें रेंते खेर उं आयकी जका
 आया न्हिं दीनीते उंसुं हे जांबां जां वें उ हाके विषमें
 रेंते ।

३ घोघे पांने ।— हे बाला पांने जीं आत्मामें प्रतीत
 मती करी पख आत्मको विचार करी वे भगवानसुं उं
 अथवा नही कीस मेकसा कूडाभिमिविया संसारमें बारखें
 २ गयाते । इंसुं हे भगवानको आत्मामें जाखिं जके चावेसे
 आत्मा डोलमें उपया यिसुखीएनें आरे करेते उही भग
 २ वानसुं जवाते । खेर जके चावेसे आत्मा देहीमें उप
 या यिसुखीएनें आरे करे नही उ भगवानसुं नही जीं
 उघो बीएके होखको कथा ये सुबोते उइ उंकी आत्मा उ
 ३ अबादपिख संसारमेंते । हे नांनाडाकडा ये भगवान
 सुं जवाते वा वाने हरायाते कीस हाके विषमें जका
 ४ लोगते उ उं लोगसुं मोटा के जका संसारमेंते । ये संसारते
 इनेई संसारको कथा वेंते वा संसारका लोग वाको कथा

- ६ सुखेते । हे भगवानसू ऊवागं जको लोग भगवानने जाते
 ७ उ लोग नाकी कथा सुखेते जको लोग भगवानको नही
 उही लोग नाकी कथा सुखेते नही इसू हे सावधानको
 ८ आत्मा वा भरमकी आत्मा शकंत कर जायां गी । हे
 बाला हे आपतमें प्रार करी क्योस भेम भगवानसू ऊवा
 ९ उ जको लोग प्रार करेते उ भगवानसू ऊवाते वा
 ८ भगवानने जाखेते । जको लोग प्रार करेते नही उ भम
 ९ वानने जाखेते नही क्योस भगवान भेमते । नाके उपर
 भगवानको प्रार इसू चोडे ऊवाते के भगवान आपके
 अदुजो जनम डावडाने संसारमें मेल्यो के हे उंसू कथा ।
 १० इसे प्रारते के हे भगवानने प्रार कयो जे सो नही पब
 के उ नासू प्रार कयोते और नाकी पाप नुडावखवेदः
 ११ प्रायश्चित होखके कारण आपके डावडाने मेल्योते । हे
 बाला अर नाके उपर भगवान इखितरे प्रार कयो
 १२ रहे तो नाके आपतमें प्रेम करखको निखेते । कीयो
 कीयोनाल भगवानने देयो नही अर हे आपतमें प्रार
 करी तो भगवान न्हामें रहे वा उकी प्रार न्हामें पूरो के
 १३ ते । इसू हे जायागं के हे उके विचमें देवांगी वा उ
 नाके विचमें रहे क्योस उ आपको आत्मा न्हाने दीनी
 १४ ते । आ अवे हे देघोते वा सावधानिये देवांगी के
 नामे संसारको तारखवालो होखवेदः डावडाने मेल्योते ।
 १५ जको प्रार करेते के यिनु भगवानको डावडोते भगवान
 १६ उके विचमें रहे वा उ लोग भगवानने रहे । भगवानवा
 जको प्रार नाके उपरते हे जाखोते वा उके उपर प्रतीव
 करीते भगवान भेमते वा जको लोग प्रेममें रहे उही लोग
 १७ भगवानने रहे और भगवान उके विचमें रहे । इसू
 नाके विचमें प्रेम भयोपूरो केते के हे मंडीके दिन विहर
 बाधा क्योस उ जियोते हे संसारमें विद्याई पांगी ।

- १७ प्यारमें कंठि उर नहीं लेर परवायोडोप्यार बीचमें काठ
 नावेउं कौस बीच बंजनाके भेलोउं नको लोग उरेंउं उ
 १८ लोग प्यारसुं नोखी नही । उं पैलडा नहिं प्यार कयो
 २० इधेरें नै उंसुं प्यार करीगी । जर बोरे आपका भारेंनें
 मोरे करर कहे के अं भगवानसुं प्यार कबनुं तो उ लोग
 कूडोउं कौस जर बोरे आपका भारेंनें प्यार न करेंउं
 के जोने देखोउं तो भगवाननें कियतरे प्यार करसी के नीनें
 २१ देखी नही । आ आग्या नै उंसुं जाधीउं के जको लोग
 भगवाननें प्यार करेंउं उ लोग आपके भारेंनेंपिब प्यार
 करें ।

५ पांचमो पात्रो ।—जको बोरे प्रतीत करेंउं के जको
 विभु बह खीउंउं उही भगवानसुं जवोउं प्यार जमदेख
 वाखीनें जको लोग प्यार करेंउं उ लोग उंसुं उपखोडाके
 ६ पिस प्यार करेंउं । नै उंसुं जाबांगी के भगवानका डावडा
 में प्रेम करीगी जद नै भगवानसुं प्यार करीगी वा उंकी
 ७ आग्या याजन करीगी । कौस भी भगवानको प्रेम के नै
 उंकी आग्या याजांगी प्यार उंकी आग्या सोसास देबवांकी
 ८ नही । कौस भगवानसुं जवो जको लोग उ संसारमें जीवें
 उं प्यार संसारमें फते करखवालोको फते आ जावो प्रतीत ।
 ९ जको लोग प्रतीत करेंउं के विभु भगवानको डावडोउं उं
 १० लोगविमर संसारकी फतेपानवाका कुब । जो उ के जको
 सोरे वा पांथीके भेजे जवर आयो अथवा विभुखीउं यांकी
 यांकीके भेलो नही मब पांथी वा सोरेके भेजे जवर प्यार
 ११ आजा सावत देवेंउं कौस आजा साचवाउं । प्यारपिब
 जनें आपतो देबवाका सोनें नामो वा कथा वा धर्माका
 १२ प्यार में तीव रद । प्यार करतोमें जानतो देबवाका तीव

- कं न्हे भगवानसूं जं वा सवसो संसार पायनें सूता रेंगे ।
२०. ओरपिब न्हे जांजांन न्हे भगवानको डावो साचोने वा
नानें अदस दीनीनें न्हे वको साच उनें जांनें ओरपिब
वको साचोनें उंसूं न्हेपिब जं अथवा उंवा डावडा विजु
२१. बीडनें ओ साच भगवान ओर अमंन साउचोनें । न्हे
नांजाडावडा देवसांन आयनें दावो । अमिन् ।

बौद्धिकी समाजार्थे द्वेजा बागद ।

१ अं श्रीमन्महाप्रज्ञ बोधी वा उंका डावडार्थि साधतासूं प्यार
 २ कइंउं छोर बाधी अं छी नही छेर जिता आदमी साध्या
 ३ अं छेउं वे पिब नका साधता नकिं विचमेंउं वा नकिं
 ४ भेकी रोजीना चरिं जी बेजा रेंउं उं साधतासूं प्यार करी
 ५ अं नकिं केदेछे जकी लोक उं ज्ञानद विचेंउं । भगवान
 ६ बामासूं वा बाभासो डावडो कें जको प्रभु विभुखोउ उंउं
 ७ साधतासूं वा प्यारसुजा अनयद वा ज्ञया वा धार्मि बाधें
 ८ उपर के । में अद जांखो कें ने जामासूं किसी आग्या बाधी
 ९ जो उंमाफक धारे डावडार्थि विचमें कोरेंर साधरीय करे
 १० उं वा जांबयायर मोकजो हाजी मन जे । छोर के
 ११ बीवी अं वेसूं नोनवी कइंउं कें ने आपसमें प्यार करी अं
 १२ जियो कोरें नही आग्या धार्मिकमें विचेंउं छी नही छेर
 १३ ने जका आग्या पेंकडासूं पारंगी वार्ह । छोर प्यार छोउं
 १४ कें ने उंकी आग्यामाफक चार्हा छे पेंकडावा जियो खुजो
 १५ उं किसी आ आग्याउं कें छे उंमाफक बाधी । कोस
 १६ मोकजा मुजावबवाका संधारमें बडलि कें जके डीकमें उं
 १७ वा विभुखोउकें आरे करे नही मुजावबवाका वा उंका
 १८ खोउ उंछोउं । जिधेवाक हो कें ने नकी बखोउं उं ननकी
 १९ वा छेर पुरोम्वन बाधें । नकी लोक आग्या धार्मि
 २० वा खोउकी सीमावबमें रेंउं नही उं भगवानको कोठारी

- नही छेद नको खोज डीहको सीमावर्तमें रेंडें उ खोज
- १० नभो वा डाबडो यां दोबायो केठारोडें । अर कोरें रं
 सीमावर्तमें कार न छेद धरिंकरें धरिं तो उने आयका
 भूयामें संविभाग मती करो छेद भगवान धारो मंगलीक
- ११ करें आ कथापिब उने मती कयो । कोस उने कयो खोज
 कथेडें के भगवान धारो मंगल करें उ खोज उने चोटा
- १२ कामको सरीको डें । तने नाने मोक्षका विषय विवर्ता
 ऊवाखूं वेपिब में कामद वा खार्डसूं किय्यां धारो नही
 पत्र धारकरने जानने वा सामी केबने मने भरोछोडें के
- १३ शक्ति आनंद परवारें । धारें ममसाक केंका डाबडा
 तने वगडा करेडें । आसिन्

होना सतना के लीके आकर ।

१. जं बीरो मीपलोवाकी गायलने कामह सिधुं' के जीने
२. जं सापताको वासवेकीने प्यार करुं । हे बाबा जं
- समकारुं बली चाउं' के जीवरे चारे मगकी बली दीओ
- नार के उंवरे समकी वासवेकीने चारी बचतीके वा डीव
३. आराम के । कोस मने मोकली राबि ऊरे के जद माता
- आयर जीवरे वूं साधीदीस करेउं उंखूं चारे विचकी साप
४. ताको साबतो दिओ । चारे डाका बली साधीदीस परे
५. हूं चारे ओर मोटी रापी बयो । हे बाबा वूं भावनि
- वा सन्धिभगी लोगाने बली करेउं उ प्रतीवके वायक करे
६. उं । वीं टीकीने अरबबपिब चारा प्यारको साबतो दीगे
- उं वाने अर वूं भगवान सेवाने ठीकमाफक वाने जाबकेने
७. उपमार करे तो चोपेकाम करली । कोस उंका नामसूं
८. वां दूजादेनवाल्यासूं कुहि व लेता गया । इनेरे इसा
- आदम्याने आदरसूं चारे करयो न्हाके ठीकउं के ने साप
९. ताभेका उपमारी वा । नें टीकीने विधी यक दिवजिपील
- के जकी व'के विचमें सिधेदारी पायां चारेंउं उ वाने
१०. चारे करेउं नही । हूं जं जद आउं तद न्हाकी दुसमकी
- में दुसमकी बघासूं मोकली बकर उ जको काम करेउं उ
- काम जं पितारसूं उं उ कररपिब चापीडो व ऊवर
- आपी भावनिं चारेकरे नही ओर जके चापी चारेंउं

११. वीरपिछ बरजेते वा टोलीसुं बारबे काठ देवेते। वी बाबा
 बबो बौठोते उबे पिठोली मली को बोर बबो बाबोते उबे
 पिठोली अणियो बबो बोज भबोबाम करेते उं भगवानसुं
 ते बबो बोज बौठोबाम करेते उं अणियो देयो नही।
१२. सगला बोगाबे अभिसुं वा साधवासुं देमेभियसुं बुभगा
 मते नेपिख उबो साधतो देवांगी और नही साधतो साधो
१३. को धी जायो ने। मने मोषको विषयोते बोर अने खाई
१४. वा बोरबसुं धामे अ विषयुं नही। बोर धोडा दिमा पते
 तने देवयने वा अरबब कथा बनेने मने मरोसोते धारी
 जात को नही लगीया तने बनबा करेते नाप बोर लगीया
 ने बनबा कर।

समर्थावैरे विजराहको कागद ।

- १ विजराह के जको विजुखीरको सेवक वा बंधाकुकी मरि
वाकेकने कागद लिखे के जको भगवान वाभासू निमंज
बसीरठा कांठा वा विजुखीरमें राखेठा वा निखतरया ।
- २ जया वा भाति वा प्यार चाके उपर बतो के । हे वाखी
- ३ जद सोबारह उबारको कषा घाने लिखने में उचम कखो
वद सीवावब करता घाने लिखने में निखे समजो के जका
प्रतीतको रीत पेंबठा संमैर्याकने भखायोठी जो उंई
- ४ प्रतीतवैरे के जोव वा मंगसू उचम करो । कोस कोरेद
काम मुकायोठासू मांयबडे के जको अगाडीसू ई लेखीस
वेई लिखा गया अथवा भगवानको सेवा न करबवाखा
सोघाईसू चाके भगवानको अनुग्रहको नैर करबवाखा
कोरे जको भगवानविगर कोरे कोरेपिब नही उही प्रभु
भगवान वा चाके प्रभु विजुखीरको फिटकार करबवाखा
- ५ जे । इवेई के पेंबठा को बाखी सही केर ज घाने लिख
राया चाउंउ के दिखइ कोराने मिसर देमसू नूहाकर
पिब उंके पने था प्रतीत न करी वाको वाज गमावोने ।
- ६ कोरे था चखकारा आपको पेंबडी दमापाखी नही प्रब
आपको चख जेथो वाने उ मोठा दिवका विचारताठी
- ७ उ अक्षयसांखसू बांधर अंधाईके नीके राखोने । कोर
सदेम वा अमराह वा चाके चाइकागीका मगर उंईवरे
सोघाईमे खेजीन ऊवर वा विगरठीके भेजे ऊवर चबब

- वासदेसरीयो फल जायसुं धागमीसरीयो बोडे कया
 ८ गयाडे । उसे वें मुयगे देवकवाळा होसने भिसटवडे करे
 ९ ने सोमन विकसो कर जनिने चोर मोटोको वाकी मोडे
 करेडे ।
- १० चोर सिजेदार हलकारी मिसरकने जद मोडासुं बदखे
 बदखे करर मोमहके डोककी वासकेलोमे जायसाय कयो
 उडेवेला उके वरमे मोडेकी टेटो देखने जागो नही चोर कवेर
 ११ वें विजह तने डरावे । चोर वने वें जाडे कही धे भांड
 करेडे चोर बेसूरलाहा देखी जके सुमारसुं बाजेडे उसुं
 १२ वें आपने भिसट करेडे । वाकी संताप जसी कोसे वें
 कोनको हमराही जवाडे चोर लोभमें लेलोव जयर बज
 आमका भरममें भटकेडे वा कोराखयो बरवा करसुं वाज
 १३ गयाडे । की जद धाके भला रसाडे भीमें सट निडरसुं
 धाके प्यारसुं वाखको घोटोदागो घेडे वें वायरासुं वात्सो
 डा निजलेमे चोर सकाफलावाला वा फलहीन वा दीव
 १४ वार मर्या वा जहासधा उवाजो देवडे । आयको लाज
 सरीयो भागकाडेबवाला गाजकवाळा दरियावका किलोव
 निरखकेला तारीसरीया घेडे वें आविनेई अधारेकी
 १५ अथरी अनेतनेलातोडो राघोडोडे । चोरपिय आदमके
 मोचकी सातमी पीछो खानेक निमित्तियाकी कथा चोर वाके
 वासवेोमे आ कथा कही वें देवे सगलाने ठीक तोसीज
 देखने वा वाके विषमें भगवानकी सेवा न करखवाला जिला
 कोम भगवानकी न सेवाको काम भगवानके न सेवाइसो
 १६ कयोडे । चोर भगवान सेवा न करखवाला पापीजोग
 जिची करडोकथा उकी बरसामे करेडे वाके चोर देव
 देवधने भगवान आयके हजारर पुन्यवत चारे आवेडे ।
 १७ आ सगला चकर करखवाला आयके हासुं बेजार आवके

हाथीके शरीर दीर्घकरव्यक्ताने । चेत चोपभसुं कस्यभीषो
 मुखात्ते करत शोभे मुनेः विमलको भेडे उदकाव्यालो
 १७ कर्ण-त्रेणैः । चेत-चे-कर्ण-का-कथा-भित्त-राषे-के-जने
 १८ नयने प्रभुकीकका हलकाराके बोझीसुं बदीदो । के-
 ही-करो-के-उप-कामे-भगवान्को-सेवा-य-करव्यक्त-का-के-आप्त
 श्री-रानीमा-क-दी-कर-बवा-का-भेद-करव्यक्त-का-कसी ।
 १९ के-के-के-के-कामे-का-पने-क-क-के-के-की-क-का-वा-का-क-
 २० फिर । चेत-के-का-के-का-पने-का-पके-मि-दि-वि-के-क-क-
 २१ कदीके-नी-उ-उ-उ-का-क-क-क-क-क-क-क-क-क-क-क-क-
 क-क-क-क-उ-उ-उ-के-के-के-के-के-के-के-के-के-के-के-के-
 २२ का-का-का-के-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-
 २३ की-ना-ने-पि-क-वि-कार-सुं-या-रा-कर-क-पा-क-रो । का-भोर
 की-ने-के-की-का-क-क-सुं-का-क-का-को-दो-क-प-के-के-मा-के-कर
 २४ इ-र-यो-दो-क-क-र-का-स-दे-सुं-ता-म-र-उ-का-र-क-रो । क-के-
 क-क-क-सुं-क-नि-क-का-की-कर-क-स-के-के-के-भोर-ने-की-रा-की-सुं
 क-नि-वि-गर-के-के-क-दी-के-का-प-की-म-दि-मा-क-ने-सि-खा-प-कर-क-
 क-के-के-क-क-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-भ-
 २५ क-की । उ-की-क-प-ना-क-के-क-र-क-का-का-की-क-का-के-का-मा-क-का
 का-प-दा-क-क-का-का-क-क-के-के-के-के-के-के-के-के-के-के-के-
 का-प-नि-क-

अमरकी ज्यो सौवकी सौवकी ज्यो ज्यो ज्यो ज्यो ।

१. पंचको पयो ।

१ अथर्व विषय चोदादिनीयते शौचहार उ चापका सेव
जाने बडावकीने विमुखादकी अथर्वविदे शौचा भमवनि उके
२ कने कयो उ चोदे शौचकी कथा प्रा । शौर आपके हक
कारके जोमसु नेकर उ चापका सेवक योहनने जबावे
के जो मजकीनकी कथा वा विमुखादके पासकेकीकी सावता
३ वा चाप अथर्व देयो वा संगकेचित सावता दीयो । उ
लोम कथने के बडा भयो वा कयो के निमित्तमापी कथा
सुहेते वा उके विषये जयो विधीते उ याले कीस पाख
केहेते ।

४ जके सात ठोकी आसीयानेते वा टोस्थाने कोहन नामद
विधीते जके अतित वा अनागत वा वर्तमान उचु वा उके
५ तपके सप्तिका जके सात आजा वासु वा विमुखाद विषय
साधदी वा श्रुतको येलडे उपस्था वा धरतोके राभाका
६ राभाके उचुपिब अनुयध वा अत चाके उपर वे । श्री वासु
कार कथोते वा चापका कोरेसु शौका पाय शौचकीकोते
वा भजवीव वा चापके वाभाकेकेने जने राभा वा चारब
जिके कथाते उकी नडादे वा सामन दीजोना चाके जीवेव
के । अजिम् ।

७ देयो उ जीने काने वा चाकेतो आयापिब उके देवकी
वा कोउके कीको कपिब उके देवकी शौर धरवीका विधा

- कुन वें उको वासवेखोमें मूरया करसी वेई वें । आनिव ।
- ८ बभु वेडे वें जं वतमान वा बीवो वा होबहार घोर
- ९ सभवाशि प्रोचवान क वा ल । जं बोचन वें जको घी
- को भाई, बौद, कष्ट वा त्रिभुवनेकी राज वा सेवने चारे
- भोगवंधवाशि नुं जं भगवानको कथा वा विभुकीछने साव
- १० वासूं यातमक्ष बवेका सांफसमें जे । धमुके दिवमें जे
- आत्मानें जे वा नारें पिनाडीसूं बाबो वा बबइखो मोटे
- ११ साद में सुखो वें उं कयो वें तूं जको देवेते उ एव जोपडो
- में कियो घोर एखीसस बः कर्षा वा यर्षामस वा तिया
- विरा वा कारिह वा किरादेखविया वा अन्नेदिक्किया
- जं साज टेखीकने निव जी साद मने कथा कही उः कारे
- को वेवबने में मुंडो मुंदाये वा मुडर कस सोवैको जोठव
- १२ देखा । वा सादमीके हावडाके इखा बह मोखसमें वं
- सास जोठवाके विजाके में देखा उ यमातोको जभभसूं
- १३ पेखोडे वा नारीउपर सेनाको पहको बांधोदे छो उंको
- १४ मायो वा केज माडराको खंवाजी इखो घोखो याकसरयो
- १५ जोखो रंग वा भाय्या वासदेका भाड इखो । वा उंका पम
- विमडीके सेकीडा मोव।पोतव इखो वा उंको कथा मोकंको
- १६ पाबोका साद इखो । वा उंके जीवका हाथमें साव तारा
- वा मुंदासूं दुधारे तेजवाडे निकलेखो वा उंको मुंडो सुरम
- १७ सरीयो मोटे तेजखे । उंने देवर जं मुंदाकी वरे उंने
- यमा उपर पखे उं वेका उं आपको जीवयो हाव नारें
- उपर मेखर कयो जें मवी बीजे जं आदो वा घांत वें जको
- जीवतो नुं वा जं मखो जे वा देव दोखीना जावें जीविका
- जीवतो रजंनुं । आनिव ।
- १८ घोर नारकी वा मोतको कुंवा नारेंकनेते । वें जको
- १९ देवीते वा जको कवाड ते वा रंपते जको कसी वें सतवा
- विष नारें हाथमें जके सत वारा जें देखाजें उंको चारद

२० वा उं साव सोवाका सोवय उंवेपियः हास्य सोर ने ।
 के वं साव सोवाका साव सोवका हावकारा ने सोर नके साव
 सोवड वं देव्या ने वं साव सोवको ।

२ सुवोपाने । — इति सप्तमे अक्षरे डोषी उंवेपियः हावकारा
 रावेकने सा कथा विष नको जीवसाहायने उं साव सोवाका
 रावेने सा हा सोवाका साव सोवका ने सुवोने उ वेने वं घारे
 ३ काम या घारी देनसो वा घारे वा के अं श्रीवा साहायने
 से सवे नही सोर नं जायुं सु सोर नके आयने हावकारा
 करर वेने वेर सावीवरे उ नही केने वायोः शीत करर
 ४ जायो वेने सुवोने । सोर ने वे सरोने सोर सोवका रोत
 करेने वा घारे नावेके काम सुवोने सोर सायको सुवो
 ५ नही । वेर घारे वेरने सुवो सुवि ने सोव सोवके येव
 ६ डो प्यार ने सोवोने । इवेने अवासुं सु पयोने उ घितार
 सोर सुका कर सोर घारे येवहा काम सुवो सोर कर उ न
 अवासुं उं वेने घारेवने सायरे से कामकर नकयां घारा
 ७ सोवड उं जायसुं सरकायुं । वेर घाली इव सोवोने
 ने उंवे निवसाहायिको काम सु गोरे करेने वं नको उं
 ८ पिय गोरे करेने । नीके सोवने उ सुवो ने इत्योने आयवा
 नको कथा केने नको सोग फते करेने उंवे घारे भगवान
 ने कारदीसने सोवको जीवतय देवपत्ता देवपत्ता फल जी
 वांयने देयुं ।

९ अक्षरे अक्षरे टोषी उंवेपियः हावकारावने सा कथा विष
 १० नको ठेठ वा ठेठको नको सुवोने सोर जीवता ने उ नके
 ने वं घारे काम वा कथ सोवकाराफयो नं जायुं वे
 पिय सुं घनवांयने सोरपिय नको आयने विवदी करर
 वेने साव विवदी न ने वेर मोडाके तिमगग्या ने सोवो
 १० गोरेपिय नं जायुं । नको कथ सुं सावको उंवे सुवि

१०. भोदजे मती देवो धाकी परंय करबनेई थाई विताक बोम
 ११. धीं मेडो मेत खरसें बगली भोर धीं दसदिन कड असी
 १२. यख तू मरखतोही धोसि जे भोर जीसंतयतरयो जुगट
 १३. धीं देखु । आका टोलीने जवो बहेउे जीवो बाग रहे
 १४. उखीग-उ सुखे अका सीम धीं करेउे पूजासितसुं उकी
 १५. कधि ईसा कसी मही।
१६. यथेमसनें अका टोली उका हलकारकनें जा कया
 १७. म्हाव दुबारी कधि कयडकाले जवो उ कहेउे के क
 १८. धादे कौम जासुउे का धाई देकेनें आमा धयका जो
 १९. म्हाव जीठयो बसतुं धोररेवब तू नारो बाव करडो
 २०. धरए बाउडेई धोर धई मेडयो कसी उठे थाके विचनें
 २१. धाई विचल हायदे आसियास जीवला माया अघोडे
 २२. उवेकापिय धरदे धासयेकायो धरतवार के फिटवार कसी
 २३. महीन । धोर धाई केरनें नारो कधिदरेउे जीव बज्जाम
 २४. की सीकिलेय कयडकवाका विताक बीग धीके विचनेउे के
 २५. जो धिस्तकी म्हाव कौमधरे वा धासदवासी करबनेई विज
 २६. हाइके डाकडके म्हावकी काबडकोयकी ठुंठी म्हावकनें
 २७. धालोकनें देसबायो न किरपिय भियोकाईतिवादे सोव कय
 २८. उखीकाया बीगनिष धमि ठे। यामहाकर उ न दोबसुं क
 २९. धादेकनें बेतो म्हाव धावका मुडाकी म्हासिं कधि मेला
 ३०. रंख करहु । टोलीनें आसम जवो कहेउे अकिं बाव के उे
 ३१. उ सुखे मतेवंत जवो जोग उनें क उ पावोकेड म्हाव बाव
 ३२. मे देखु धोर एक बोको म्हादेविष क उनें देखु धोर रंख
 ३३. म्हावमि उ म्हाउपर विचनेउे के अकी बीग उ धाकेउे
 ३४. उके धिगार धोरे जनें नही।
३५. म्हावकीरनें अका टोलीउे उका हलकारकनें जा कया
 ३६. कधि सगनीको उखडे के जीवो धीवी वासदेवा धोरा
 ३७. असी भोर म्हाव पोयाजीसक दया उ कहेउे के धारा धीमक

- १० धार वा मतीव वा सेवा वा सेवे वा में धारें जेववा
 ११ काम देवका वास्तवमें वक्त को लगती अं जाकुनु । धार
 १२ धारा वरमें नारी वास्तवमें नीका वृ उं सुभाई विवे
 १३ केलमें से सर्वेमें के कृपा धारमें विविधिया धार वेंमें धार
 १४ वा भवनेमें धार वा धारकाही वा देखावा प्रसाध वा
 १५ में धार सेवामें मुखावेंमें । धार वास्तव धारमें में
 १६ उमें धारकोनेका सेवीमें धार उं कायका कसविवा काम
 १७ की वास्तवमें वास्तवकारने व वायो । देव उमें अं एक
 १८ विवका उधर नारी धार वा वाके मेही धारकाही
 १९ करीमें में धार कायका वास्तव कसकेसेमें वास्तव न धार
 २० वा वावेविध उमें केका सेवा कइमें प्रभासुं । धार मेतसुं
 २१ उका वास्तवमें अं ववाका वास्तव धार समकी टोही वा
 २२ वी में अं मनेवा सुकोही विवका वा धारमेंसे विचार
 २३ कइवाकेहुं धारविध धारें धारेंभी धारमेंविध वाकेर
 २४ काममात्रक प्रका अं देसुं । धार धारें विवकाके विव
 २५ में विवका कइवा केकाके वा सीमावय नवे वाके वा वाके
 २६ कथवि मनेवा मेवाकी उकाके व काकीमें वावेविध अं वा
 २७ धारा कउनुं के धारेंउधर अं धार भाद न देसुं ।
 २८ धार जके धारा में वे धारा कायकेको वाठारेंसुं
 २९ कथके जके जकेके वा धारकाकोही धारें काम मनेमें वाके
 ३० मेवाउधर सात्रम करवने अं देसुं । में धारका वभा
 ३१ कूं विवका उ वाकेके विवका उ केकाकी कामकोसुं धारें उधर
 ३२ धारका करसी वा में धारकाके ठाका रखा भूवा कइी ।
 ३३ धारविध अं प्रभावी धारेंविध उमें देसुं । धारकाके
 ३४ धारा कइा कइेंमें धारें वाव में में उ सुवे ।

२ गोमे मनि ।— धारिसमें वका टोहीमें उमें कइ
 ३ धारा कनेके विव । धारकाकी धार काका वा में वाव

- तारा जीके कनेउं उ कहेउं बे धारा काम अ जिकुं
 घोरपिब जीबुं बे तू जीवतासरीयो विद्यातउं यह मुं
 ३ दोउं । घोरौ देखी सुभात कपड घोर मरखसरोके
 जकोरउं उ काठो कर कोस भगवानके सामे धारो
 ४ काम मे परघायो देखी नही । इनेदेते निसी लोचोउं
 वा सुखेउं उने पितार वा काठो कर कपड वा कामका
 कर तू अर चोको न देवे तो निसी घोर घरेउं तिलो क
 घारे उपर घायु घोर जे भी घनी घारे उपर घायु वा
 वू जांखसी नही । सादिसमे घारे चिनको कपडे के घा
 आपका गामा भिठ न कपाउं इवेरे मे बीखा गामा येयो
 ५ डा कघेर नारे लारे फिरसी कीस के सांरकउं । जको फते
 वाउं उ घोलगामा येयोडा जसो घोर जीवलयको घेपडी
 सुं उको नाव अ बाडकुं नही । यह नार वाभाके सामे वा
 ६ उके चलकारके सामे उको नाव अ घारे करखुं । जीवो
 काम के टोल्याके आकां जकोर नहेउं उ सुबे ।
- ७ फिजदेन नियामे जका ठे लोउं उके चलकारकने घा
 कथा लिय जको घनखरपी जको साके जको दाउबके बुंके
 तो जोदारी जके घोरहसुं केई कडे नही वा जकासुं कोरे
 घेके नही उही घा कथा तवेउं के घरी काम अ जिकुं
 ८ देव घारे सामे मे एक मुल्ले वाखो राखेउं के जको
 कोरे अठ सके नही कोस घारे घेडा बलउं घोर नारी
 कथा ते पालीउं वा नारे नाव निकतो कर कपडो
 ९ नही । देव जके मोहाके चिनमगाका देउं के जके घापडे
 विहारी कर केउं लोह धिजदी नही यह कहीं कथा के
 उ देव अ घा घादम्याने घारे मगाके मगाडी चनावर
 बनजा करासु घोर वे जांखसी के मे तेसुं पार कयोउं ।
- १० नारे सेखी कथा ते पालीउं इवेरे घरेतीका सेखवावा
 कोसामे परवकरवने जका परवकीविधा संगी घाकम

२१ उ चोग नारे मेका वासी । अं जिही पते वरर चापवे
 वाभावे मेका उवे तवतउपर वेठुतु पतेवत ज्यो चोग
 उवे अं चापका तवतउपर अं वरिं भिही विहा वेठव दे
 २२ सु । जीवे काम वे आजा दोबीवर्मे वका तथा वरे ॥
 उ चोग वा सुवे ।

३ चोषो पतिो ।—इयंते मे देवो चोर देव खर्गमे एक
 युवो वा रवो वा ज्यो साद येवहा मे सुयो उ साद वाकी
 वायवदखी नारे मेकी वका वेववा जी उं साद वयो वे
 ४ अठे उपर चाप होवहार वका अं तमे देवावधु । उवेकी
 अं आकामे उं चोर देव खर्गमे एक तवत रावोडाते वा
 ५ तवतउपर एक पुदव वेठेहीते । उवे उपर वेठेही ज्यो
 पुदव उ हीरो वा अवीव रथि दीवाउ चोर यमसरो
 ६ वो देवाउ एक मे अनुक तवतवे चारीवावी उं वा चवत
 वे चारीवावी चोदस घंडका उं चोर मे घंडकाउपर
 वेठेही चोकागभा येयोडा वा माथाउपर सेमेकर मुग्ध
 ७ चोरेस वेदोहा चोगाने देव्या । उं तवतसु जीवकी वा
 मेवेः मसक वा साद बोवस्यो चोर तवतवे सानो चव
 ८ चोकागभासास दीका अथवा भमेवागवा साव चोका उं ।
 ९ तवतवे सानि फिटसरोयो वाचके एक दरिवाव उं
 चोर तवतवेविचमे वा तवतवे चारीवावी अगाडेविजडी
 १० जीवकीसु वेछोडा चार जिवावर उं । येवही जिवावर
 चारसरोयो इजो जिवावर टोमडांसरोयो तीजा जिवावर
 ११ कामुको अममीका मुंडादखी चोर चोषा जिवावर उडव
 १२ वाके कुरकपपीदकी उं । वा चार जिवावराने चवेजी
 १३ जिवावरवावेरामे उ पतिो उं वा मवि वे चोवरीसु वेछोडा
 १४ चोर चर्म चर्म चर्म अतित मरु कर्ममान वा अकामत विजव
 १५ वरयो यो चवान भगवाने चाकधा वेवा वे रावरदिन भादा

१. न जेने । वा तवत उपर बेंठोडा रीजोना चामे जीवेला
 २. जीवतापुरवली मयार वा मयोदा वा भवार्थी प्रमंसा जीवे
 ३. वा जे । जनावर करतान् उरेंवेला वस्ताने उपर मुरवके
 ४. सा मादवेईस मेहेइहा खोम भुवर देवोना, भवेजोवेला
 ५. जीवसाकी मुरा वस्ताने वा वा आपणे मुरा वस्ताने सामे
 ६. वसायो जीव वसो जे जे प्रभु व मादवस्ताने वा मयोदा वा
 ७. वस्ताने प्रमंसा वायवने खोस ते सयस उपजावने चोर
 ८. मारा मयसुं वे जेने वा उपरवा ना ।

१. पांचसो मने ।— में तवतके उपर बेंठोडा पुरवके
 २. जीवने हाथसे मांय वा चारसे खिया सात विठव कसोडी
 ३. एक पोपडी देवी । चोरपिख मोटासादसुं ठंडेरो करव
 ४. वासा एक वज्रिया चक्रकारानेपिख, में देवो जे जो बयो
 ५. जे पोपडी वोलबने वा उकी पीडव वोलबसायव बुव ते ।
 ६. चोर खगेने अथवा धरतीमें अथवा धरतीके गोसे पोपडी
 ७. वोलबने वा उके उपर दिसठ करवने पोचवंत बोईपिख
 ८. न जे । चोर जं मोकबो देवो खोस पोपो वोलबने
 ९. अथवा उके उपर दिसठ करवने बोई जायो गयो नही ।
 १०. चोर वा बोदोडा कोमके विचमें एक खोम मने कयो जे
 ११. रोवे मती देव विकुदाएके कबोलाबो सिंह दाउदको जड
 १२. जकाते उ पोपो वोलबने वा उका सात पीडव वोलबने
 १३. पोचवंत जवोते । उपरें में देवो चोर देव तवत वा चार
 १४. जनावरके विचमें चोर वा बोदोडाके विचमें मारा
 १५. जाहसुं जियो जेने तिस्सा सात खोम वा सात आप्याने
 १६. भिल्योडा एक गाडराको मनी उमे जवो बेंठे सात काकाई
 १७. सगली धरतीमें मेखोडी भमवांनको सात काकाते । उं
 १८. चांवर तवत उपर बेंठोडा उं पुरवके जीवने हाथसुं वा
 १९. पोपडी खोनी । जड उं वा पोपडी खोनी जी वद वा चार

जिनोवर वा कीरेस कोदोडा कोमनिं पति वा कोम-दीवस
 वा बांसवा मजोसुं बधवा मुसुसव जोगनिं कंधगासुं
 भयापूया सीजाको ठवि कुँर मोडरीको बचोके सोमा
 ८ यथा । कोरुं रुदं जवा नीव गावर बोसोके से सुं पापको
 केवने वा उंची कोडके कोलबने साधनेके कोसिं सुं भोसोडो
 जो कोरुं जविहा कुँर वा बोसोवार्क वा कोरुं वा मेवी
 सुं पापका कोरुंसुं भग्नेवाभिकेके सोमिं मास कोवाने ।

९० कोरुं नाने भगवनिबने सोमिं सोमा वा सोहिसे दीयाते
 ९१ कोरुं ने घरतीउपर धबियाप करखा । उपते में देखा
 कोरुं तवत वा के जिनावरे वा कोदोडा कोमनिं चारुं
 दिनामें में मासको इकाकारनिं साद सुखा वा बोकीं सुखा
 दसचकार गुबी दसचकार वा चकार गुबी इकारुं गी ।

९२ वा मोटासुं बयो के बल वा धन वा सोमिं वा कोरुं वा मेवादा
 वा मेवादी वा सुती माधवकेकायके मोसोडा गाडरीका
 ९३ बचोके । सगके वा घरतीके वा घरतीके मोषका वा दरिवाव
 के जविसी मोष वा उके विपका रीसवाका जिता वा सेमका
 में में पापका सोसा सुखा के तवतउपर धोडापुस वा
 गाडरीके बचाकी सुती वा मयादा वा कोदोडा वा बल सोमा
 ९४ ना चारे जविहा के । उपते वा कोरुं जिनावरी बचोके
 सोमिक कोरुं वा कोदोडा कुँर भग्ने बयो ।

९ उठा यानी ।—जदे गाडरीको बचा उंची इका
 कोडके वाणी जो तद में देखा कोरुं सोके गाजबके इयो
 वा कोरुं जिनावरेके इका जिनावरेको साद सुखा के वा
 १० बयो के भाव देव । में देखा कोरुं देव इका सोसोडो वा
 उके उपर अलवार इके सोम उके इके देखा जो कोरुं उके
 इका मुगठपिह दीमा गयो कोरुं में पतिवव सुतीजवा वा
 कोरुं करसबेके गयो ।

५. उंयरी उंयरी बौडब बौल्योपिउं बजाजिनावरकी घा
 कथा में सुबी के आवे देव और राती एक घोडा नीकल्यो
 और उके असवार पुरवने धरतीके जाते बौयको मुडी दीनी
 जेवो में लोग एकजोम देखा एक लोगमें मारनावे और
 एक मोटीपातीपिखे उके दीनी गई ।
६. उं तीजी वीस बौल्योपिउं तीजे जिनावरकी घा कथा
 में सुबी के आवे देव उंयरी में देखा और देव एक कजि
 घोडा और उकेउपर असवार एक पुरवने बाघमें एक
 है ताकडी जे । बाघरी जिनावरके विचमासू एक सांदपिख
 में सुबी उं कथो के दाय कीमासू एक पायखी गोखं वा दोय
 कीमामें तीजे पायखी येव और निवेवान को तेज वा दाघका
 रसको निगाडो मती करो ।
७. उं चौथो बौडब बौल्योपिउं चौथा जिनावरकी कथा
 में सुबी के आवे देव उमें में देखा और देवो भुरा रंग
 को एक घोडे में देखा उके उपरका असवारको नावे मोत
 वा उके पिगडी नारकी और वाने पाती वा भूख वा मोत
 वा धरतीका जिनावरसू मारनावबने धरतीका चोघाई
 ८. विरही लोगोउपर बल उमें दीजे गयो । उं पांचमी
 बौडब बौल्योपिउं भगवानकी कथा कपडबसू वा आय जी
 सवितकी आसरी कपयोडोने उं साधतसू बके माखो
९. बाग वंकी आमा में चोमचोतरके निजे देवी । और
 वा मोटासादसू कथो में से बम्ब खरयो साधपभु विचार
 करवने वा धरतीके रेंखवाकाउपर नके मारबके न्याव
११. देखने तू कित्तक दिन छलय करेने । वाने पावेनी
 लोगने घोलामाभा दीवा गया और वाने कयोगोने में वं
 आपके साधीपाकर वा वाने भाई के बको वाकेहसो माखो
 आसी वंकी गिबति नदतोडी परपारी व जाय बहतेडी
 कोण दिन घावच कपडा ।

- १२ उं ठो बीरबु भोलापने में देखी के मोती धरतीधूमन
 जके घोर घुरब केसाके सिन्धपदीसदीमे जके का अंजमा
 १३ जोरू रडो जवे । घोर मोटा बाघरासू हिलबबभोर अंजोर
 जो रंघ जिमो करितके फल पटकने तिमो खमबद तारा
 १४ धरतीउपर पया । वा जिमो कागद पलेयो जायने तिमो
 बाबल पलेयो गयो घोर चर्वेसो परबब वा विंठ बाप
 १५ कार ठोठासू दूजीजाया बलाया गया । घोर संसा
 दीक राजा वा मोटाआदमी वा मायरापच केस वा हजार
 फोजका घयो वा बलियालोग वा चर्वेसो लोह जोका
 वा ठुटा यां परबतकी गुफामें वा भाठाका परबतमें बाप
 १६ सुबायो । घोर वा परबतने वा भाठाका परबतके
 कयो के कके उपर पडे घोर तमतउपर बठोडा घुरब
 वा मुंडासू वा गाठराका बचाका रोससू नान सुबायो ।
 १७ कीस उंके रोसके मोटा दिम समिते घोर चेंब जव सबसी
 कुब ।

- ७ सातमो पानो ।—इंयने धरतीका चारिं वृत्तेमें उभो-
 चार बाघरो कपडलवाका चार हलकारने में देखी के
 धरती अथवा दरियाव अथवा कोथी रंघउपर बाघरो
 २ न बाजे । घोर जीवता भगवानके उपदार दूजाएक हल
 कारने घुरबसू उपडतो में देखी घोर जके चार हलका
 रा धरती वा दरियावकी हिंसा करयने दीना गयाते वने
 ३ उं मोटासू कयो के जदतोडो ने आयका भगवानके सेवगी
 के वने निजाडउपर उप नही करीते सदतोडा धरती
 अथवा दरियाव अथवा रंघकी हिंसा मती करो जके
 उप घेपी गई वकी एकजाई में सुखी यिभराएलके सम
 का मोलाके एकसो धिमालीस हजार आदमी पैयागया ।
 ४ यिकदाएके मोलाके चारें हजार पैया गया । रिउनेबके

३. भास्करके वारे हजार चेया गया बादके गोव्याके वारे हजार चेया गया आसिरका गोव्याके वारे हजार चेया गया।
४. प्रतापके गोव्याके वारे हजार चेया गया। मनके वना गे
५. व्योके वारे हजार चेया गया। अमिषके गोव्याके वारे हजार चेया गया लंबीके गोव्याके वारे हजार चेया गया।
६. विष्णाकरके गोव्याके वारे हजार चेया गया। जिवलुके गोव्याके वारे हजार चेया गया। युसके गोव्याके वारे हजार चेया गया जेनामिन्के गोव्याके वारे हजार चेया गया।
७. इके पटे में देखी और देवा सगली ईशके वा सगली कृष्के वा सगली क्षीयके वा सगली ग्राणीकी हसी मोकलीमाटी एक जमात ऊर के जकी कोई उंका संख्या कर लकी मही के घोबागामासू येयोडा के ताड का पान हाथके छेपरा सवत वा गाडहाका वचके सीमा उमा जवा। और मोटासादेसू कायथा वात्सा सवत उपर येठोडो वकी भगवान का गाडहाका वचकेकने उंकारकी
११. कारोके । और पिब सगली वचकारा सवतके वा हादा हा जेनाके वा और जिनाधराके चारीकानी उमा ऊपर सवतके सीमा उंका ऊपर येका और भगवानकी पूजा करर वेत्वा।
१२. क आमिन् सुतो वा महासा वा ग्याव वा ग्याव वा मथादाकी वा घांफकी वा बछकी वमंसा रेजो
१३. वा घांफकीनेका वचके भगवानकेकने के। तद उं वादे का आदम्यके विषमें एक लोग उंघलो दोना वा मन कये के घोबागामासू बहाव कयोडा के दुयठे वा कठासू कावा
१४. उं । उमें में कये के है चारा प्रभु तू जायजा केर उंममें कये के वचके जके मोटाकेदेसू कायके और गाड हाका वचका लोईसू कायका गोभा घुपाथर घोलाकख
१५. उं । इ कारके वं भगवानके सवतके सीमा रते और उंके देवरासेरातर दिन उंको सेवा करेते और जके सवत

१६ अथ नेंहे नें उ वाडें विपने रेंसी । नहिं चीर सुनस-रिक्ख
 न नानसी चीर वावडे अथवा मोडे सरवी वाडें अथ
 १७ चीर वावगती । मो अथसे विपना नाडराचा दनुअकें
 फासी चीर वांसीको अथवा नेंहेअने सुनि येतल्लो चीर
 वांही अथवाचूं अथवाच समावा अथचूं सुनवावये ।

८ साहजो पानि । - ७ साहजो चीरव केअसंभते अथ
 २ अथवे अठवाची अथवे विगदसाह हे । चीर अथवाच
 ची अथवाच अथे अथ अथवाच अथवाच वाडें नेंहे देतो
 ३ चीर अथे वात वावक सीवा अथवा । चीर चीरवाचो अथवे
 अथसे अथिठे अथ अथ अथवाचो अथवा अथवाचोचरी
 अथे अथे अथे अथवाचें अथवाचो चीरवाचो अथवाचोचर
 अथवाच पुनवाच अथवाचें अथवाचो अथवाच अथवाचें
 ४ अथवाचो अथ अथे चीर अथे । चीर अथ अथवाचअथ
 अथवाच अथवाचें अथवाचो अथवाच अथवाचें अथवाचें
 ५ अथे अथे । अथे अथवाचो अथे अथे अथवाचोचरी
 वाचदे अथे अथे अथवाच अथवाच अथे अथे अथे वा
 ६ अथे अथवाचो वा अथवाचो अथवाचो अथे अथे । अथे वा
 अथवाचो वा अथवाचो अथवाचो अथवाचो अथे अथे ।
 ७ अथे अथवाचो अथवाचो अथे अथे अथे अथवाचो
 वाचदे अथे वा अथवाचो अथे अथे अथे अथवाचो अथे
 विराड वा अथवाचो अथे विराड अथे अथवाचो अथे अथ
 अथे अथे ।
 ८ अथे अथवाचो अथवाचो अथे अथे अथे अथवाचो अथे
 अथे अथवाचो अथे अथे अथे अथे अथे अथवाचो अथे
 ९ अथे अथे । वा अथवाचो अथे अथवाचो अथे अथे अथे
 अथे अथे अथे अथवाचो अथे अथे अथे अथे अथे अथे
 अथे अथे अथे ।

१०. तोमें हलकारें बजायो उंसू दीयाइयो प्रबान एक मोटा तारो सर्गसूं पड गयो वा नदो वा पांखोका चीरका
११. तोभा किराड उपर यथो उं तारकी नांव बगदो इनेई पांखोको तोजे किराड बगदो चीर उ पांखो तारो जवो उ घेबसूं मोकजा आदमी उ घोर मया ।
१२. घोठें हलकारें बजायो उंसू सरबको वा चंभराके वा तारको तोजे किराड भायो मखे उंसूं बांको तोभा किराड चंभरो जयो मयो चीर दिनका तोभा किराडमें चंभरो
१३. जवो नही चीर रावनेविच उरैतरे, जवो । उंयने में देखी चीर सर्गमें विचमें उडबवाका मोटा हलकारामें मोटासूं आकषा जेवा सुखा के बजावका मके चीर तोज हलकारा ने वके बांभाका सादसूं धरवाके देबवाको संवाय सं वाय संवाय कसी ।

६. बवमो पांगो ।—पांगमें हलकारें बजायो उंसूं सर्गसूं धरतीउपर एक तारो पडतो में देखी वा उंमें अघाज

२. उंडाकी मुंथा, दीनो गरं । उं अघाज उंडो घोली उंसूं मोटा वासदेका टांकासूं जियो धुंवे उपरें उं हयो धुंवे उं उंडासूं उपरी उं उंडाका धुंवासूं सुरज वा आकाज चंभा

३. रासूं भर गयो । उं धुंवासूं टिढीयां धरतीउपर नोक को चीर वनिं धरतीका बीनुवाके मुडाइयो मुंडो दीनो

४. गयो । चीर आं बोगाके नेकाडउपर भववांजको गप बही उं आदमोविचर संसारको वास अमवा वारं हरी

५. बल अयवा किडी बंधको हिंसा व बरबमें वनिं आया

६. दीनो गरं । वा वा बोगाकी मार व नांबकी आया

७. वनिं दीनो गरं । बेर काको के वें पांच मासतोडी

तोसीस आधे वा आया वनिं दीनो गरं किनु आदमनिं

- काठबलु जिस्ती वासीस चें उस्ती वासीस देववावाचें
 ७ जे । उं काच कोम मात सोमसी यव वें ब काचसो वें
 मरनेपिय चासो खेर मात वासुं भागसी । राठ करबवें
 थार घोडको थियो चेंरो थियो चेंरें वें टीडोवां जई वा
 वाकें माथाउपर सोनाका मुमठ वा वांका मुंडा आदम्या
 ८ वा मुंडा ह्या जरा । वा वांका केज कुगावांका केमांसरीवा
 ९ खेर वांका दांत मारखा दांता ह्या । खेर घोडका बक
 तर इस्ती वांकी जालीकी बकतरजी खेर राठकरबनें दोठ
 जवाको रथ वा मोतळा घोडाकें सादंसरीवा वांकी पांशी
 १० को सादजे । " खेर विजुके पुंज हसी वांकी पुंज जई वा
 वांकी पुंज ठंकवाली जई खेर आदम्यांमें पांचमासतोडी
 ११ हिंमाकरबनें वांकी पोचजी । खेरपिय वांका रावाठें
 जें जको अघाग उंठाको हलकारो जें हकी बोळीमें उंठा
 नाव आबहन यव मीक बोळीमें उंठा नाव आपत्यव जें
 एक संताप गयो देवो दूजादोष संताप होवहारजें ।
 १२ जठें हलकारें बजावो उंसुं भगवांनके सांमाका सोवाकी
 १३ चंबरोका थार ठुकासुं एक साद में सुणो । खेर वांका
 १४ वावा उं जठें हलकारनें उं साद बघो के करायपदीमें
 जके थार हलकारा बुदिष्यातें वा हलकारानें जुडवो ।
 १५ उंसुं आदम्यांके तीजो विराठ मारबनें जके थार हलकारा
 एक घडो वा एक दिन वा एक मास वा एक साखबेंदेई
 १६ थार बघ्या गयान्ज वें हलकारा जेघा गया । उं घोडा
 आसवांरको असकर बीस जोड जे में वांकी संख्या सुबो ।
 १७ उं दर्भननें में घोडामें वा वांके असवारानें ह्या देव्या के
 आके बकतर वासदे वा नीलन वा मंधकका जे वां घोडा
 वा माथा मारका माथा हसो वा वांके मुंडासुं वासदे वा
 १८ धुंके वा मंधक नीकल्या । खेर वांतीनां घासकुं अजवा
 वांका मुंडासुं कळवाका वासदे वा धुंके वा मंधकसुं आदमी

१८ वो वीजा विराड माखी पयो । कौंस वकिं मुंडामें वा
 पुंजमें वविं मुंडांजें और नागइखा माधावाला वकिं पुंज
 १९ जें और उंसुं वें हिंसा करीजे । और उवखा लोग कें
 जवे यां सगळीं ठंडामें मखा व ही वा आपका हाथका
 कयोडा वखकी वासवेळीमें घामळां पखा नही कें वें देवा
 की वा सेना खयो पीतख भाठा लकडीका कयोडा पूतळां
 की पूजा न करे कें जके देवे नही सुखें नही चालख सके
 २० नही । और वा आपका लुन वा बीखोद्याधयांका काम
 में वा कुधीच वा चोरोको वासवेळीमेंपिख घामळा पखा
 नही ।

१० दसमो पानो ।—और खगंसुं उत्तरखवाला और
 एक वलिया हलकारानें में देखी उं झेसुं पेंयोडो और उंको
 माघो आकाशकें धनुइसुं सोभा जाधतो वा सूरज इखो उंको
 २ मुंडो वा वासदेके घांभाइखा उंका पग जे । उंका हाथमें
 एक मुली नामो चोपडी जे और उं दरियाव उपर जोव
 जो पग वा घरचीउपर डावो पग राखर नारके गाजब
 ३ कें इसी मोठा सादसुं कयो । और उंके साद कयां पडे
 ४ झीको सात गाजब आपको साद चोडे कयो । उंमे सात
 गाजब आपको साद चोडे कयांयजे जं लिखकने थार जवो
 उंसुं जं आकया भोलखवाली आकाशवांयो सुखी कें झीके
 सात गाजब अवेर कयो चोडे करीजे वं बीडन करर वुं
 ५ दर वा मती लिखे । उंपजे दरियाव वा घरतीमें उभा
 रंखवाला जी हलकारानें में देखी उं हलकारे खगंकाजी
 ६ हात उपाडर रोजोना थार वा खगं वा उंके विचाले वा
 घरती वा उंके विचाला वा दरियाव उंके विचाला वखके
 वखाववावाकिर नाव और सुंस काळी कें दूजिकाज कसी
 ७ नही । और आपका निमित्तिथर सेवककने भंगघाम लिखी

चोडे जयोडे तिथोडे उं सावने हजकाराकीनेवा कथवा
 उ मद वजावबने मीठसी वद भगानवी मुठार्थ परबारे
 सी । जयो आबामबो साद में सुखो उं साद केर मने
 कयो के दरिवाव वा घरतोउपर उभारेबवाळा हजका
 ८ राके हाथमें जका नावी बुबो चोपडी जे वा खे । उंसुं उं
 हजकाराके नेडा जावर में उने कयो के वा नावी चोपडी
 मने दे उं कयो के वा खे वा वा उंपने वा घारा घेटने वारे
 १० करसी केर घारो मुठो सेतसरीयो मीठो कसो । वद
 वा नावी चोपडी में उं हजकाराका हाथसुं केर चावनावी
 वा नारा मुठ में सेत इसी मोठो ऊर केर वा चावताई
 ११ नारो घेट वारो जवो । उंपने उं मने कयो के मोकवा
 जोग वा देवो वा बोधी बोलबवाळा वा राधाके घरवा
 वने निमितियाकी कथा केर केधी पडसो ।

११ दमनो यानि ।—उंपने जाकडी हयो रव सर
 कने मने दोयो गयोडे ओर उं हजकारे कयोके उध
 भगानबो देवरो वा होमचोतरो वा उके विचचाने पूजा
 २ करवावाका माप । केर देवराके वारवो पागलो जेठदे
 वा मती मापे कोस दूजादिअवास्याने उ दोनो गयोडे ओर
 वे कयाकोस मशीनातोडी विमैलमरने पगावीके मुंद
 ३ सी । जं आपके दोस सावचाने वद देसु ओर वे
 सिलपटोसुं बखव करर रव हजार दोयसे साठ दिवा
 ४ तोडी निमितियाकी कथा केधी । समबो घरतेके प्रभु
 के सामो जके दोस जेतानका दोस वा दोस दोबा राखा
 ५ जे वेहे जे दे मुजे । अर कोडे वाकी हिंसा कयां चवि
 तो वाका मुंडासुं वासदे कठर पाका नैसांने चावनाविसी
 ओर अर कोडे वाने हिंसा कयां चवे तो इसीतर उने
 ६ मरनावयो पडसो । समे जडभने क्षीमो मुंडोने के वके

११ हमारमो मनो धावनकरे जको चिडे जवो जे । 627

- निमित्तियाके कथा केबकीवला म्मे नवरे ओर पाबीने कोरे
करवने ओर जीको वार वाकी रथ तीजी बेबा घरतीने
७ सगले घात देखनेपिय वाकी मुझे । ओर जद वाकी
सावतो देखो परवाये जाती तब अघाग उंठासुं उपडख
वाको जिनावर वाके भेरी राठ करसी वा घरासी वा मार
८ नावसी । उं मोटा नगरका मारम्मे वाका मुहदा पडतो
के जीने परचा देर सदेश वा मिसर केजे जी जामा वाकी
९ प्रभुपिय हकवाकीउपर माये गयो । वा लोग वा कुल
वा भावा जाइववाला वा देववाकी जिता श्री साछा तीन
दिनातोकी वाकी जोघ देवसी ओर वाकी जोघ घोरमे
१० गडख देगी नही । ओर घरतीका देखवाला लोगवाके
उपर आनंद करसी वा राती वाजी देयादी रीत करसी
वा आपतमे बीनडी मेवसी कोस जके घरतीउपर रेजे
११ वाने वा देवा निमित्तिया तोसीस दीनीजे । साछा तीन
दिन गवापजे भगवानसुं जीवाला वाने बयो ओर वे आय
वा यगासुं उभा जवा उंसुं जा वाने देखी वाकेउपर मोठे
१२ बीह पयो । वाने आकषा केबवाली आकाशको मोटोसाद
वा सुये के अदी आव उपजे वे म्मेजे बडर खर्गमे गया
१३ वाके नेखापिय वाने देखी । उं बडी मोटो घरती धूजकी
जे उंसुं नगरको दहमी निराठ पडगयो उं घरती धूज
सुं सात हजार आदमीको नाव गुम नाव जवो ओर जके
लोग वाकीरवा वा बीह साधर खर्गके भगवानको प्रजसा
१४ करी । दूजे संताप गयो देखो तीजे संताप बेगो चोडे
जसी ।
१५ सावमे हककारे बजायो उं पजे वा कथा केबवाली
मेकलो साद खर्गमे जवो के इं जमवयो राज वाका प्रभु
को वा उंवा बीहको राज जवो वा उ रीजीवा चावे जी
१६ नेक धरिसाप करसी । उंपजे भगवानके सामाका आसन

उपर बेंठाडा वां चोवीस बेंदोडां लीगां उंधा ऊपर पहर
 १७ आ कथा बेंदोडां भगवानको भजन कयो के से बर्तमान
 वा भोथा समको योचवान भगवान प्रभु ने धारेंकनें सुतो
 बरांगे नीस ते आपको मोटी पोच खेर खबियाप करी
 १८ ते । देनका आदमो विराजो जको खोर धारी रोस ऊई
 वा जीवेका मुठदाका कामाकी धोत केते वा तुं आपका
 निमित्तियां सेवकानें वा पुन्यवानेनं वा जाना मोटा जिजा लीग
 धारा नावसूं बोहेंते यां समकानें जद फल देसो खोर
 धरतीके योज गमावखवाहां जीबिका योज गमासो वा
 १९ बेजा समो ऊईते । उपतें खगेके विषमें भगवानको
 देवरो बोल्यो गयो उमें उंका देवरानें थिअरका सरतंतको
 धेई देवयमें धारें उंसूं बीजकी वा सादां वा जेको गाजको
 वा धरतीधुजयो जवे वा मोकदा भाठा बरघ्या ।

१२ बारमो यानो । उपतें खगेमें मोटो एक अचमेो
 देख्यो गयो सूर्यसूं बयाव कयोढी वा पगके नीचे चंद्रमा वा
 २ वारे तारांकी याजसूं सोभित माथा एक जुगारें जी । उं
 जुगारें पेटसूं ऊपर वा जबाबकीवेका समो होबसूं
 ३ बखखके दर्दमें दोरी ऊपर कामी । खगेमें एक दूजे अर्ध
 भापिख देख्यो गयो देवे साथ माथा वा दस जीग वा साथ
 मुगठसूं सोभित माथा दावारंमको मोटा डीजको एक नाम
 ४ जे । उंकी पुंज खगेके तारांकी तीजे विराठ ताबर
 संसारमें बगयो जखखके वार उं जुगारेंके डावडानें जख
 ५ वारें बांखबेई उ साथ उके समो उभो जवे । वा एक
 डावडानें जखो के जको समकानें देजवाल्यानें धोहकी कामकी
 सुं साधन करसो उपतें भगवान वा उके तपतकेके उं डावडो
 ६ तांयो गयो । वा जुगारें जीडमें भोजी के जठें भगवानसूं
 उकेवेई एक जामा पार करी नई जी के ते धारें से साठ

- ७ दिनसोही उने पावें । उपरें सर्गमें राड जई मीखायल
 आयका हलकारने छेर उं नागके मेजो राड करी छोर
 ८ नागपिख आयका हलकारने छेर राड करी । वा हराव
 न सको छोर सर्गमें बनिं दूजोनागापिख मीली नघे ।
 ९ छोर उं मोटेरो नाम बाजोगयो अथवा उं डोकरो नाम
 भीको नांव पापाजा वा मेडोके के जको सगला संसारके
 भुजावखवाछोउं उं बरसोउपर बगायो गयो छोर उंको
 १० हलकारोपिख उंके कारें बगायो गयो छोरपिख से सर्गमें
 आ कथा केंबवाली मोटेो साद सुखी के अने उमार वा
 सांमरघ वा नाके भगवानको राज वा उंके खोडको वख
 सामे जवोउं कोस नाके भायाके टंटी देखवाला तरे पट
 को गयोउं के जी रातरदिन नाके भगवानके सामी धाकी
 ११ टंटी दोने । छोर वा गाडराका बघाने कोरंसुं वा आयके
 सायदोतरे कर्घासुं उने हरायो छोर उं मरबताडी अथवा
 १२ जीवनेपिख प्यार कयो नही । इवेई हे सर्ग वा उंके विष
 में देखवाला से रापी करो हे संसार वा दरियाव थकी
 संताप जसी कोस मोटेो मोखलो रोस करर थाके विषमें
 उतखोउं कोस उं बाजेके के आयको वाली छोर घोडा दिन
 १३ जे । छोर उं नाम जद देखो के आय संसारउपर तले
 पटकी गयो तद उं जुगारंका दुसमर्षो करी के जका डाक
 १४ डाने नही । छोर मोठा करबके उडका सरीषा होय उहे
 जे उं जुगारें दोना सबा के वा जोडमें आयको उं जमा
 आवे के अठेनागका मंडसुं एकवेका वा दोयवेका वा आधी
 १५ बेलाघोडी पाकी आव । छोर उं जुगारंके पिठोडी उं नाग
 आयका मुंडासुं बेससरोयो पांखी उमाखी के उने बेससुं
 १६ बुवावे । यब बरसो उं जुगारंको उगगाद कयो छोर बरसो
 आयको मुंडो काडर नागका मुंडासुं जको बेस उखडो खरे
 १७ वा उं बेसने ककनाओ । उपरें उं जुगारं उपर नाम रोस

करकर उन्हें ब्राह्मणों के भोजन के लिए रात भर खाने के लिए भगवान्‌को आग्रा पातनवासी वा यिजुर्के साथसाथ बैठाने दोने ।

- १२ तैत्तिरीय ब्रह्मसूत्र में ब्रह्म वेदों के अर्थ ।— अं दक्षिणावर्तं वेदुत्तर उभे ऊवो और दक्षिणावर्तं उपदक्षवासा इव त्रिनावरने में देखी ओके सात माथा वा दस जीर्गण वा जीर्गके उपर दस मुगट वा उन्हें माथे उपर भगवान्‌को मंथासरांको नांव दो । जी त्रिनावरने में देखी उ त्रिनावर चौथाइणी उका घाग रीठ के पगीके इला वा उको मुठो नारका मूंडा इको चार आय को बल वा आयको तघत वा मोठेय साजन नाम उन दोने ।
- ३ उको इत माथे मरखसरीवे माथेठो में देखी उंघउं उकी मोत देखवाली चांदी चाथी ऊई उं त्रिनावरउपर संसार
- ४ का सागला जीर्गनें चमत्कार ऊवो । और वा उं नागकी पूजा करी कीरस उं त्रिनावरनें बल दोने और आर कथा केर उं त्रिनावरकी पूजा करी के त्रिनावरके बरोबर कूब
- ५ उं मेथी राह कर सकेंगे । औरपिथ मोठी कथा वा भगवान्‌की गोई करवावको इत मूके उंने दोने गयो और बेयाजीस मासतोही देवनें पिथ बल उंने दियो गयो ।
- ६ भगवान्‌का नांव वा डेरा वा खर्गनें देखवाकाउपर मंथा करवनेई उं त्रिनावर भगवान्‌के बेंदमें मंथाकी कथा केवनें
- ७ मूंडो उघाणो । पुन्यंवा मेका राह करवनें वा वाकें करवावनें उंने बल दोने गयो सगला कूब वा वेथो वा देम
- ८ वाला जीर्ग उपरपिथ उंने बल दोने गयो । और संसारके देखवाकाके विषमें जित्तः खोनाइस नांव प्रगतकी नीव देखवतू गाडराकी माथेठो कथाके भीमवसराके
- ९ घोपडोमें लिखा गयो वें समका उंने पूजा करतो । जी केई सुंघनें काव प्रर रहें वा उ सुंघें जीवो लोग कथकर

- १० धारका देअने जेआयते उ दूजादेअने लोगी जाती नको
 लोग पातीसूं मारेंते उ लोग पातीसूं मारो पंडसी इमें
- ११ पुष्पान्त लोगीसो संखो वा भगतते । उपते धरतीसूं
 नीकलतो दूजादक जिनावरनेमें देयो और माडराके बचा
 के हया दोय सींग उंका ज वा उंनागनरोधी कथा कही ।
- १२ उके अगाडी नको पेंचडी जिनावर उंको जितो साकन उं
 सगला सामनसूं जो जिनावर करेंते वा जी पेंचडा जिना
 वरको मोतदेववासी चांदी मोपी अहे धरती वा उंका
- १३ रेंबवाला लोगाने उं जिनावरको पूजा करावेंते । और
 पिख उ मोटे अचंभो करेंते वा आदमीके देवघने खरेंसूं
- १४ आखमउपर वासदे बरवावेंते । और इं जिनावरके सामी
 नको अचंभो करबने उंको मुंडोते वासूं पातीसूं भाखेडि
 वा बचा हांछाको चेंरो करबने धरतीका रेंबवाकर्मि केर
- १५ उंअटेरा कामसूं संसारके रेंबवाकाने भुजावेंते । वा उं
 जिनावरकी प्रसमाने जीव देबने उंको मुंडोते के जिनावरके
 प्रसमा कथा बोलावे वा जिता लोग उं जिनावरके प्रसमाकी
- १६ पूजा नकरें वने मारनवावे । और उं नानेमोटे वा
 मायापाव वा म्याखे नुटे वा ज्यो सगला लोगाने वाने
 जीवका हाथमे अथवा जिनाउउपर सेंनाख लिवावेंते ।
- १७ और के उं सेंनाख अथवा उं जिनावरको नांव अथवा उंके
 नांवकी संख्या बीनोडा लोगीबिनर कोइं मोकलेवी नेचो
- १८ न करे । विद्या आ ते विद्यांत नको लोग उं इं जिनावर
 की संख्या गिबे नीस उंकी संख्या आदमीकी संख्याते और
 उंकी संख्या उंके ज्यासठते ।

१९ चवदमो पातो ।—ने देयो और देव सीबोव पर
 वतउपर हक माडराकी बयो उंभो ज्यो और उंको नाव
 Vikara- 4 B ३

- १ वा उंका बाभाको नांव निजाडमें लिखी रहसो चीमखीस
- २ हजार आदमी उंके चारें उभा जवा । वा मोकका पांयो का सादसरीयो वा म्मेके गाजखके इयो साद में आकाज में सुखो और बोबा नजावता बोबा बाजावालाको साद
- ३ पिख में सुखो । तपतके वा चार जिनावरके वा बोदोडा कोगाके धामा वा नवोगीत इयो एक गीत गायो केर सं चारसूं मोख खोना वे रहसो चीमखीस हजारें चोग बिगर
- ४ कोरपिख उ गीत सोख न सक्या । से वे के था रींढी भेका आपने भिसट कया नही कोस के चारा और गढ राका नचा जी बोली जामा जायने उं जामा उंका पिग डीजाखवाला केने के ईअर वा गाडराके नचाकेकेने येखटा
- ५ खजखवर आदम्याके विषमांसूं मोख खोना गयाने । वाका मुंडामें कोर कडोकथा खाधी गई गई कोस वे बिगर
- ६ दागेने । औरपिख घरतीका रेणवाला वा चो जी देन वा छोग वा कुज वा बोलीवाला वा कोगाकेने अनंन मंग खोक कथाको छंडिरावाला खर्गके विषमें उडहवाला और
- ७ एक हलकाराने में देखो । उं मोटासूं कथे के भगवानसूं बोहो वा उंने मरयादा करो कोस उंका विचारसूं उंडकी केका सामीने और जी खर्ग वा घरती वा दरियाव वा
- ८ पांबीका सोर बलायो उंको भजन करो । उंयने आ कथा केता और एक हलकारें उंकेकेने पिगडी अयर कवे के यथेने मोटे बाभेल यथेने कोस उं आपने मोटे बबले
- ९ पातरपखाको दाहसूं समला देनकल्यानि पायाने । और पिख मोटासूं आ कथा केता तीजे हलकारो उंके पिगडी गयो के उं जिनावरने वा उंको मूरतकी पूजा घर कोर करे वा निजाडउपर अथवा हाथके उपर अर उंको दामो
- १० केवे । वे भगवानकी जका रोस बिगरमिल्लोडा दाह उंने रोस वा नगरावसरे बाटकीमें कूपो जायने उं चोगके

- उही दाह पीवबो पडसी वा पुयवंत हलकाराके वा गाढ
 राका बचाके सामा वासदे वा गंधकसूं उंके तोसीस देवी
 ११ पडसी । वाके तोसीसबो धुंवा रोजीना, चावेजी बेला
 उपडेउं ओर जका उ जिनावरकी अघवा उंके मूरतकी
 पुजा करेउं वा जको लोग उंके जांवको सेनाख लेवेउं वांने
 १२ रातरदिनमे कदेई घेन नही । पुयवंत लोगांकी सेखी
 आ देवो भगवानकी आग्या वा जोरुमें प्रतीत पानक
 १३ वाखामें आ देवो । न्हारेकमें आ कथाके वो आकाअसूं
 एक साद में सुखो के लिय, प्रभुमें जके लोग अबाहसूं मरेउं
 वे घन्ये आत्मापिय बेउं के उ सही के वे आपका
 कांसूं घेन लाधा ओरपिय वांका काम वाके पिन्गडी
 १४ केउं । उपडे में देखो वा देव बोलो एक म्मेउं उं म्मेमें
 बेठोडो आदमोका डावडाके हया एक मे.ट्यारने में देखो
 के जीके माघाउपर सोनाको एक मुगद जे वा हाथमे
 १५ एक बाहवाली कतरखी जे उपडे देवरासूं दूजाएक हलका
 रो नीकल्यो के जी म्मेउपर बेठोडा मोट्यारने मोटासूं कवी
 के धारी कतरखीसूं वेत लूब कीस वेत लूबने धारी बेका
 १६ सामी ऊई कीस संसारको वेत पाबोउं । उसूं म्मेमें टि
 कलवाला मोट्यार संसारउपर आपकी त्रिजकतरखी लगाई
 १७ ओर संसारको छेत बाजो गयो । उपडे तेजकतरखीवालो
 १८ ओर एक हलकारो सर्गका देवरासूं कजो ओरपिय दूजे
 एक हलकारो होमपीतरोसूं कजो के जीको पीच वासदे
 उपरउं ओर मोटासूं उं हलकारे तेज कतरखीवाली मोट्यार
 रने कवी के धारी कतरखी लगायर संसारकेदाबको भूमको
 १९ भेलो कर कीस संसारका दाघ पाकाउं । उसूं उ हलकारे
 बाह कतरखी संसारमें अगायर संसारकी अंजोर भेकीररी
 ओर भगवानके बभरावतरें मोठी दाहकी चरघोमें उ बगा
 २० जे । उपडे नगरके वारखें उ अंजोरकी चरखी बुंदोगई वा

उं वाचके चरवीसुं एक ज्ञानघोषो उंचवामं घोडाको जग
मयिषो बोर्न कजि ।

१५ चन्द्रमो पात्रो ।— मोटो वा चमत्कार जोर एक
सक्यपिब में सममें देखो जेवठें बजा यंत्रना असो वें साव
यंत्रकारणा सात हलकारानें में देखा कोस वामें भगवांन
२ को बमदाव भयोपूयो जेठें । जोर वासदेसुं निजाघोषो
वाचका एक दरियावसरोषो एक वस्यपिब में देखी जोर उं
जिनावर वा उंची सूरव क उंको दागो वा उंके नांवा सेबाब
को जेकरववाका बसे जेठें वें भगवांनको मोका जोर वाचका
दरियावउपर उभासेठें जोर वा कथा सेवा वा भगवांनका
मोका मोअधो मोव वा आठराका बजाको मोव जायो जे
३ जे प्रभु सगलो पौचवाक भगवान चारा वाम मोटो वा जेठे
राजें हे पुत्रवंतका राजा सारी दीव बघार्थ वा सापोठें हे
प्रभु जे सुवठें जे ज्वे तेसुं व इरें वा चारें नांवा महाका
न चरें मोस चारें बिबर सादक दूजे कोर्नपिब बही ।
४ मोका सगला दिनवाची मोम सायद चारें सांता भजन
५ चरवी तेसुं इंडदेको जेठें । उंचठें वें देखो जोर चरमें
६ सायदोकरें हेरो मोली मजे । जोर साफ वा मोका
कमडा जेसा जवीउपर सोबाको घटको पखेडे उ सात
यंत्रका देवका कोठारी सात हलकारा देवरासुं मोकल्या ।
७ उंचठें वा चार जिनावरमें एक जिनावर दीजीव चरें
जीवेका जीवता भगवांनकी दीससुं भयोपूयो सात सोबा
८ वा हां व वा सात हलकारानें दीव । जोर भगवांनको
जहाज वा वस्युं देजरो प्रुसुं जेठि जोर वा सात हल
कारांची सात मोसोस ज्ञानोको चरवारी तही चरवोही
जेठें देवरामें वड व सयो ।

- १५ सोलमी पानि।—घोरपिब वा सास हलकारने
 केंतो एक मोठो सास में देवरासू सुखो कें धे जावे भम
 २ वांनके बजरामसरें ठाव संसारमें कूछे । उंसू पेंलठें लोग
 बाबर उंका ठाव संसारमें कूछो उंपने उं जिनावरका दाग
 दार लोग वा थां उंकी सुरत पूजा करी वा योगाउपर
 ३ मोक्षको दर्द वा तोषीस देबवाको चांदो पनी । दूजे हल
 कारें दरियावउपर आपको ठाव कूछो उंसू दरियाव
 मुहदा आदम्याके जोरेंचरीवे अंध वा दरियावका रेंव
 ४ धाका चावेंशो जीव मया । तीजे हलकारें पांथीकी नदी
 वा नीरउपर आपको ठाव कूछो उंसू वे जोरें जवा ।
 ५ उंपने पांथीका हलकाराकी आ कथा में सुखी कें धे नर
 माक वा अतीत प्रभु तू यथाधेने कौस में इथो विचार
 ६ ठें । कौस वा युत्थवंत लोग वा निमितियांको जोरें पटक्यो
 ७ ठें जोर वावे तें जोरें पायेठें कौस वें जायकठें । उंपने
 धामचोतरीसुं दूजा एक मोठ्यादको आ कथा में सुखी कें
 हे प्रभु भगवान सगळांसुं पोंचवान आ सची थारो विचार
 ८ साधो वा बधार्थ । उंपने जोधें हलकारें आपको ठाव
 सुदचउपर कूछो उंसू आदम्याने वासदेसू वासबको बल
 ९ उंने दीजे गयो । उंसू मोठा बाबसू आदमी वासा मया
 घोर भगवानके नावकी कुपाजाई करी कें या सगळां घात
 उपर जीवो बघठें वा उंकी महात्म जेठें करवने वा घात
 वा कया नही ।
 १० उंपने पांथमें हलकारें उंका ठाव उ जिनावरके तपसउपर
 कूछो उंसू उंको राब संघारासू नोळोणो घोर आदम्या
 ११ विरागो असर आपकी जोभ काठी । घोर वाके पोडके
 वा चांदोके कारव लळें भगवानकने कुपाजाई करी वा
 वाके कौमकी वासवेजीमे वांनबा कया नही ।
 १२ उंपने उठें हलकारें उंका ठाव मोठी नदी फोरानउपर

- कूखो उंसू उंको पांखो सूक गयो के परबके कांतीका राजा
 १३ को मारंग प्यार के। नागका मुंडासू वा जिमावरका मुंडा
 सू वा कूडानिमित्तियाका मुंडासू कखोटो मोडका इखा
 १४ तोन भट आमाने में देखा। वे मोडाका अठेरा काम
 करखवाला आकाठे के जके लगकासू पोचदांन भगवांनके
 उं मोटी राठके दिनबेबेई राजाने भेजा करखवेई संसार
 १५ वा समका संसारका राजाकने आयणे। देवा ऊं चोरइछो
 आवुंउ उ धयणे के जकी घोरी देवेणे वा आपका गभा
 रावेणे के नागडो न के वा आदमी उंको अपमान न देवे।
 १६ चोर उं वनि एक जांगामे भेजा कथा के जोको नांव यज्ञो
 मोलीने चारमिगोदेन ने।
 १७ उंपणे सातमे हलकारे उंका ठाव आकाधमे कूखो उंसू
 घरवाखाणे आकाघाकेखवालो एक मोटो साद खर्मका देवरा
 १८ सू तबतसू नोकल्यो। उंपणे साद वा मोको गाजयो वा बीन
 ली वा इछो मोटो धरती धूजी के संसारके उपर आदमके
 १९ होखसू उंतरेको मोटो वा बलिया धरती धूवन नजी चोर
 उ मोटो नगर तोन विराठ ऊवर चारो१ अवी चोर गोथी
 का नगर यथा चोर भगवांनके रीसकी नक्षतीतरे दादका
 नाटकाने मोटी बानेकने देखेई उ नगर भगवांनको
 २० पितायो। उंपणे चावैसी बीट भागा वा परबतपिब काका
 २१ नही। चोर आदमके उपर आकाजसू एक मखो
 अटकका मेकला मोटा भाठा बरव्या चोरपिब वी भाठी
 सू लोगने भगवानुपर कुपाचार करी जोस के भाठा
 बरवयसू मोकली मोटी तोसोच उपजी।

१७ सतरमो पाणि।—जा सावहणकारीका वे साव
 ठाव जे वके विषयो एक हलकारो आवर चारे भेकी आ
 कथा नही के अठी आ उं मोटी पावरकी गोलीव ऊं फे

- १ देवायु के जका मोकवा पाबीउपर बैठेने । के जीका भेला संसारका राजा भोठाकाम कखने और जीका पातर
- २ पयो दाबसु संसारका रेबवाका मखाना ऊवाने । उसुं उं आभासु उने मने जाडमे जोगया और कुपाभाईका नावसु सगला अंगपूरा सात माथा वा दम सींगवालो सींदूरी गरका एक जिनावरउपर बैठेडो एक कुगाईनेमें
- ३ देवी । वा कुगाई वेंगखी वा सींदूरी रंगका गभासु बखाव कखेडो जी वा सेने वा माखक वा मोतोबांसुं सजी ऊई जी वा उके हाथमें आका पातरपखाका वा मोई
- ४ तरे एक भेलसुं बोछो एक सोनाकी बाठकी जी । वा जो नाव उका जिनाडमें बिछोने के गूछथे मोटो बावेक
- ५ पातरा वा संसारका मोई कखेडो कामकी माउ । उपने पुन्यबंत लोगके वा यिमुके सायथाका जोईसुं मखानो उं कुगाईने में देवी और उने देवर मोटा अर्चभासुं विखय
- ६ ऊवे । उं इखकारे मने कके की विखय ऊवेने उं कुगाई जो वा वें सात माथा वा दम सींगवालो उके वेंबकलो
- ७ उं जिनावरको चारद अ तने कसुं । जको जिनावर तें देखेने उ जे वा अवे नने वा अथाइ उंठासुं उपडसो वा सगलाधोजमें जासी और संसारका रेबवाका जिना लोगकी नाव संसारकी नाव देबसुं जीवतयकी घोपडोमें बिछो नही गथेने वें लोग बीहा वा विगरकार वा कार
- ८ जिनावरके देवर विखय ऊसी । विधा भेले जको मव उ मव सो देव वें साव मथा सात परबतने के अके
- ९ उपर वा कुगाई बैठेने । औरपिब सात राजाके वके विधमें पांच पथाते एक वर्तमानते वा दूजो एक लोम
- १० अबादने पब ऊवांसुं उने कंदि दिन रेबो पडसो । जको जिनावर जे उ अवे नही उही आठमे वा वां सावांसुं
- ११ उपखो वा सगलाधोजमें जासी । अके दम सींग तें देखाते

१६ ईदम राजाके के ज्यो अनाथ राज लाधा नही बेट
 उं जिनावरके भेलो एक छडी राजा इछो मुडो काधसो ।
 १७ याको एक मनने वा आपको मुडो वा जेर उं जिनावरके
 १८ दीसो । के सगला गाडरोका बचाके भेला रांड करसो
 वा गाडरोका बचा उंने चरासी कीस उ भभुवाको प्रभु वा
 राजावाका राजा वा उंके भेला जकोके वै निखल कखोडर
 १९ वा सरविष्णी वा विषख्ये । उं मने कबो के जको पांनो के
 देखाके जठे पातर बेटेके उही लोग वा जमाका वा गोती
 २० वा बीलीवालाके । जिनावरके उपरका जदि ईम सींग के
 देखाके वै पातरके गोई करसो वा उंके अनाथ वा नागो
 करसो वा उंको मास बासो वा उंके वासदेखू वाससो ।
 २१ कीस आपकी रुच परवारकेने वा भगवानकी कथा घद
 वारखतोडी एको करकेने वा आपकी राज उं जिनावरके
 २२ देखके भगवान वाके अंतरंगके दीजेके । जी बुगाईके के
 देषोके वाई संसारके राजावाके उपर कथिबाप करबवाकी
 उ मोठो बगरके ।

१८ अठारमो पांनो ।—ईसमजापके समसुं उतखो
 मोटे बजरायकखो दूजा एक बसकारके मे देखे उंका
 १ चांगखसुं संसारके चांगखो जवो । उं बसकारे मोटे साद
 करर कथो के माथा बनेल पडोकेर ओर भूताको वासो
 वा चावे जी भिसठ आकाको आसरो वा चावेजी भिसठ
 २ वा गोई लायक पंथको पीजरो जवोके । कीस उंको
 बलतो पातरबाभीपकाकोतरें दाह सगला देमवाका पीयो
 के वा संसारका राजा उंके भेलो संगत करीके वा उंके
 कोलीपूराके मोकजाईसुं संसारीका बांधा माथापाप जका
 ३ के । ओरपिल आ कथा केता दूजा एक साद मे समसुं मुखो
 के के नारा लोगी घे उंसुं कठो के उंका पापका बिराडी

- ५ मतो को वा उंकी सोसीस नवायो । सोस उको पाप
- ६ खगं भीठेते वा भगवान उको अयथाथे समे राथेते । उं
- मिथो दोनेते उंमाकक पक्ष उने दे उंवे वामनेमापक
- उंते दूगवा दे उं जके डोव भोषाते उंवेकने वं ठाव दूवा
- ७ बोधो । उंमिती आपकी गिरवारः करीते वा रावो करी
- मिती वेसीस वा कछ उने दे सोस उ आपका मने
- वेते वे उं राणीरयो वेतुनु वा वेवा नदी वा कंधि कछ
- ८ नदेकनु दिनेरे मोत वा मोक वा मुंगारे कोर भावा
- ९ एक इनेने उने उपर पक्षी कोर वे सोसेभाना वासदेवुं
- वाधोपिब जासी कोस उने उंको देववाको प्रभु भगवान
- १० पोषवानते । धरतोका अतरावो उने भेकी पातरवाजी
- करीते वा भोत्रविधास जगाते वे जर उने वासवेको
- धुवो देवतोत्तद वे उंको सोसीसवा नीहसु कसगा उमा
- ११ उवर उने वासवेयोमे धूरका करसी कोर हावर कर
- सी वा वेसो वे हावहाय उ मोटा नगर वावेर उ पक्षी
- १२ नगर कोस एक चडीमे घाटी उने अवेते । संसारीको
- वायाधिब उने उपर दोसी वा भूरवा करसी कोस कोर
- १३ वाकी कक्ष मेक सेवे नवी । अथवा सीमा अथि मार्क
- मिथो मीगामा केग्या वा रेकने वा नारया रमका
- गामा वा संगडी सुअवकया वा दातकी सजकीतरेकी
- हमी वा मोबकी वापीकीमतेकी कक्यावा वा पोवकवा
- १४ वा कोरका वा मकरकावा संगकीतरेकी नखा वा
- दावधियो वा सुगंध वा वेक वा कोवान वा दाव वा तव
- १५ वा मीथो वा मोर वा हाडा वा नारवा वा घोडा वा रथ
- १६ वा जोका वा आदमीकी काया । जके पक्ष घाटे मव
- मोकाय चया वे पक्ष तसु मवाते वा जकेर नखा वादो
- १७ वा कोपी उं वे सजकी नखापिब तसु मवाते वा वुं

१५. वेच करे उ वाचसी नही । यां सगळी वस्त्यां वरी वाचसी
उंच वाचोवण्य कणा नें उंची तीवरीसका खीचूं वाचन
१६ उभादेवो । हेवार वा हायर वाचनार वा वेचनार वेचनार
उ मोठी वनारणे कने मीमात्रा वा वेचनार वा वंचीवण
भायूं वकाव वचोटीर ते वा वेचनार वा मीमात्र वा मोबांयूं
१७ मोभिय ते । मोभिय वच वचोनें हाका वचनो वाच वचोनें
वेच वचनार वा वचोनें वचनार वा वचनार वचनार वेच
वा वचनार वचनार वेचनार वा वचनार वा वचनार वचनार
१८ वेच वचनार वचोनें हे वचनार उचनार वा । वेच वच उंचे
वचनार वचोनें वचोनें वचनार वा वचनार वेच वचोनें मीमा
१९ वचनार वचोनें वचनार वचनार । वेचनार वा वचनार वाचनार
वचनार वेच वचनार वा वचनार वा वचनार वचनार वचो
वे वचनार उ मीमात्रा वचोनें उंचे वेचनार वचनार वचनार
वचनार वचोनें वचनार वचनार वचोनें वचनार वचनार
२० वचोनें वचनार वचोनें उ उचनार । वेच वचोनें वचोनें वचनार
वचनार वा वचोनें वचनार वेच वचनार वचोनें वचनार
वचनार वचोनें वचोनें वचनार वचनार वचोनें वचनार ।
२१ वचोनें वचनार वचनार वचनार वेचनार वचनार वचनार वचनार
वेच वचनार वचनार वचनार वेचनार वचनार वेचनार वचनार
वचनार वेचनार वचनार वचनार वेचनार वचनार वचनार वचनार
वचनार वेचनार वचनार वचनार वेचनार वचनार वचनार वचनार
२२ वेच वचनार वचनार । वा वचनार वचनार वचनार वेचनार
वचनार वा वचनार वचनार वचनार वा वचनार वचनार वचनार
वचनार वेचनार वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार
वचनार वेचनार वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार
२३ वा वचनार वेचनार वचनार वचनार वचनार वचनार । वा
वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार वा
वचनार वा वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार
वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार
वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार वचनार

२३ जोखेता समजा देनवाची भरजोका ज । जोदपिच निमि
विधा वा संमैजो जेम वा धरलीने जिना जेम मया गया
ज वा समजा देनवाची जोदपिच जमे मिल्यो ।

२४ अक्षरजो यानि ।—जे जमेने वा कथा केंववाची
मोवजा जोगी मोटा साद सुणो के हाकिमूया जांब वा
१ मयाजम वा कथाची प्रबंसा नाके मयाजमची के । कीस
उंचो विचार साचो वा राखेजे कीस जी मोठी पावर
कायबा मोटाकासुं धरयो निमाची उं पावरमे उं उं
दोतोजे जोर उंचे हापमे जापके देवनाजे कृपेची अविपक्ष
२ दीजेजे । जोर वा जोर कथा के हाकिमूया जोर उंचे धूवी
३ दोजीवा चावे नां वेबा उंचेजे । जोर के जोबीस मोटोटा
जोग वा चार जिनावरी कासिन् हाकिमूया जोर मुकर
४ कथतउपर केंवो मगवाकको मयव कथि । का कथा
केंववाची रज साद मयसुं कधी के हे उंचा जमेका सेवका
वा मयाजोका जिना जेम उंचे धीजेजे के नाके मयाजम
५ जी सुली करी जोदपिच मोटी कलात वा मोतका यांची
को वा मोका मोकाका मोका मयव रशी वा जेसा कथव
६ वाचो साद मे कुणे । के हाकिमूया कीस जमु मगवाज
समजाके पीचरान राज करेजे के रशीचा वाचिभ मुजारा
वा उंचा मयाजोकी मयासा करी कीस गजिराया कथाके
७ काव साजेजे वा उंची रीकची जात्रे चारी कसेजे । उं
करे उंचेकने दोकोकचो के वा जी शेका जात्रा येखेची
८ के कीस के जी मया साधु जेमाके कथाकेजे । उंचेजे
उं मने कथा के जिना कथा गजराके कथाके कावके राव
का वाचिके जेभ्यारेजे के कथजे जोर उं मने कथा के
९ मगवाकची साधी कथा केजे । उंचे उंची कृपे परबवेरी
के उंचे कथाके उंचर प्रथो वा उंचे कथा के निर्विवाव

- का मती भरमे के धारे सामीबाबर उ बीर विमुके
 सावताको कोठारी धारा भायामे एक लोग उ भगवान
 को मजन कर कोस विमुकी वासविलीको सावता निमि
 ११ तियाको बघाको भोवने । उपने मे सर्गेको बारको बुल्यो
 देखो बीर देव घोको एक घोडे वा उके असवारको बांव
 विशय वा साय वा यथाथे बरर उ सिबेदारी वा राठ
 १२ करेने । उकी आषा वासदेवा बोरी रसी उके माघ
 उपर मोकला मुगटने वा उके एक नवि लिखो जे के
 १३ बकी आयबिगर कोई बखे नही । बीर उ कोरेमे हुवा
 घोडी एक गाभासुं पेलोडोडो वा उकी नाव भगवानको
 १४ कथा केर विख्यातने । बीर मी घोला निर्मल गाभासुं
 पेलोडो घोला घोडाउपर असवार सर्गेको बसकर उके पि
 १५ गडो जे । वा उका मुंडासुं तेजसी एक पातो कछी के उं
 देमवासीने मारे बीर उ वीके उपर लोहाको कामडोसुं
 सिबेदारी करसी बीर समलासुं पोचवान भगवानको
 १६ मोटा बजराव वा बोधतरने दाखको यत्र उ मुदेने । वा
 उका गाभासुपर वा उकी सायलेउपर बी नवि लिखी
 १७ ने के पातपाकि पातया वा प्रभुवकि प्रभु । उपने सुरज
 मे उभे रेबवाको एक हलधारामे मे देखो वा सर्गेके वा
 कर्गेके विचमे उडवाका सगला पंचने उ मोटासुं बुधा
 यर कबो के धावा परनेबरको रातवा मोटा बीमबवेहे
 १८ भेबा को । के घे राजाकीका मसि वा लसकरने सिबेदारी
 को सोस वा नखिवाको मसि क घोडाको वा उके असवारी
 को मसि वा नटा वा मोला वाजामीठा विवा आदर्या
 १९ कोपिब मांस कोबो । उपने उ विनाकरने वा बरवीका
 राजाने वा वाकी लसकरने उ घोडसवार मोडारके वा
 उके कोबके भेला राठ करबवेहे भेडोको मे देखो ।
 २० वा वे विनाकर कपकाराया वा उके समी कनेरे काम

करववाजी बडा निमित्तियापिउ उके भेवा कवथा मया र्हे
ज्यासुं उ उंभिवारके संजाव रावथवालां जोगाने वा उंको
सूरस वृजवकाक्षीने भुजवनेजे से दीव्य जीववारेता मंधवसुं
२१ ककव वासुदेवा इरिपीवने नयाया गया । चोर उतरवा
जके वे चोडाका असवार मेव्यारवा मुडासुं जीवस्थोडी
यापीसुं मायापया वा सगला वधी वीका मांससुं याओला
का ।

२० वीरवर्ष पत्नी ।— उंके उंभिय उंडाकी कुवा रा
कववाला एक इलवारके समेधु उंभयनेने देवी उंके हाथ
२२ में मोडी सावकडी । उं कामने कवथा उं वीरवा साव
ने उं कथने के कनो मायएवा कनेजे से चोर इजार वरसा
२३ होडी उंके वेतासरमें राको । वा उंके अथाग उंडाके
२४ कनाके वा उंके कडर रथी वा उंके उपरं मापयेवी के
२५ वे इजार करस पूरा चाकिगय मेव्याने चोर नही मुकावे
२६ उंके पडे चोडा दिनवेरे उं उंडाकी मासी । उंके उंके
२७ तपनेने देवी वा जोग वने उपरं चोडा वा वने विचार
२८ कइकी मुझे दीना गवो चोरपिउ चिभुको सावनेने देव
२९ सुं वा भववागनी कथा चोरे करवसुं ज्योको माघो नाछो
३० कनेजे वा ज्यो उंभिवारकी वा उंको मूरतकी घूजा करी
३१ नही वा ज्यो कायवेर विधाउउपर कववा हातउपर
३२ वकी राजो जीवे नही वकी जाजाने में देवी चोर वा
३३ इजार वरसतिडी जोरुके भेवा दिन काणा वा राव
३४ कयो । चोर उं इजार वरसा परवायाविना नाकी मुडहा
३५ जीववथ कात्रो नही येकडे चोरउपडखो भी । येकडा
३६ चोरउपडखने भक्ति चोडारुं उं जोग वय वा समीगेने
३७ उंकेवा चोडाउपर दूधीमिषकी कंसि घोष नही चोर
३८ के भववागनी वा जीवका चारथ जसी वा उंके भेवा एक

- ७ बजार परसतोही राज करतो । उ बजार परस गया
- ८ पते मोठा साकस नेतासरसू मुयायोडो असो । चोर
- ९ भरतोका चार निदाकास मोधीने से बाकी सुमार
- १० दरियावके देव असोते अमक भाग वा नजोतने मुजा
- ११ कबने वा राहवेहे भेजा करसने से नासो । चोर से चरवी
- १२ का प्रसरावमें गया का समेगी जिताने ससवरने वा बाबा
- १३ नगरमें चाराकासी घेरो वा चगेसुं मगवांसुं वासदे
- १४ घडर वाने चावनाथा । वा मोठा से जीने वा भुक्त्वा उ
- १५ वासदे वा गंधका दरिद्राकमें बजायो खीर से मठे से जिवा
- १६ पर वा बूजा जितितिया सेते चोर से राखर पिन रोजीना
- १७ चालेनीनेका लेखीका बासो । उंभणे सेके एक मोटे
- १८ ससके से सेकी वा वीने परवासुं चरवी का चगे भागे वा
- १९ वाने भागाको ठेठ चोर काकी मने उंउपर जितेका वडे
- २० राने में देखा । चोर पिन धामेसुंरवी वांगका मुडदा
- २१ में सपतने सीमा उभा जता में देखा चोर भेयकी बोकी
- २२ गहे उंपते चोर एक घोसकी बोको मने वेहे चौकथ घोष
- २३ को वा वा घोसका में जका निष्काणे उंसू आपचेर कामने
- २४ साफक मुडदाके विपर कने । का दरियावके आपका
- २५ विपला मुडदाने जेड दीवा वा मोसक वा नारकी वाने विप
- २६ का मुडदाने जेड दीवा वा अपचेर वाने मसक चाने
- २७ की जेगाकी मीव कखा गया । उंभणे कसदेका दरियावमें
- २८ मोसक वा चरवी नगार्ने मने मुजी मोसक वा । वा जीवसक
- २९ का घोसकीमें वीको वाव सिधी मीव वही उ विव वास
- ३० दीवा दरियावमें नगारी मने ।

२१ इकीसने पानि ।—उंभणे मने कने का कनी चरवी
 में से देवी सीस पेंचडो कने वा पेंचडी चरवी वे मने जी
 २ वा दूजोदरियाक कने । उंभणे मिकी मीवनेर वीदकी

सन्धीडी वेति विद्या उ निमल मगर अथवा नवो यिदमात्म
 ने भगवन्मने परदासे अथवा संगसु उत्तरवो मे धावने
 २ देवी। संगसु या अथावेववाली मोठी साद मे सुष्यो
 वे देवी भगवन्मनो केरो आदम्यनि मेकोडे वा वाणि मेको
 उ देवी वे उवा आदमी जसी वा भगवान् आय वाके विष
 ७ मे देर वक्ति भगवान् जसी। और वाकी आवांसु
 भगवान् समवा आवाको पाती जसी वा और मोव
 अथवा मोव अथवा रोवो अथवा और पीड जसी गरी
 ५ कोस येवडावा विषय वे गयाडे। उंपडे उ मवतउपर
 वेडिडी आदमी वाली वे देव जं समवा वल नवी बकुलु
 उ मनेविष देवी वे विष कोस आदया मतीव दरउवी
 ३ वा सावीडे। और उ मने देवी वे परदासीडे अ व वा
 अ आदि का अंश सु मदी केता विसायी उने जं जीवत
 ७ सदीके औरवा पाती मुफत देवु। नवी कोन की बरे
 उ उ कोम समवा वलवो हवदार जसी वा अ उकी मम
 प नम जसु वा उ चारो जसडे असी। और विद्या वा
 निवदमन्त्र वा वापी वा मुरयो वा यूनी वा केवा वा
 पीदेव्या वा देवमन्त्रमन्त्रा वा समवा वुड वेववालीवा
 वेडार वेसदे वा मेषकुं वालीके हरिवावनेडे पूजी
 ६ मेष वा। उंपडे उ सात उडकी मेसीसुं वेठी साव
 उवावासा सात प्रववादीने विमने एक हववादी नाटे
 १० मने अंपदे नाटे मेवो नवा वेर वाली। वे उठीने
 वावडी वाकरवा नवासी मउने अथवा नमदीने अं वने
 विप्राकसुं। मव आदमीसुं उ मने एक मीठो वा उवा पर
 उ उपर जेवकर कोसुं अथवा भगवन्मसुं उत्तरवो उं
 मित्त मन्त्रे अथवा विमने यिदमात्मने उ मने देवायो।
 ११ व भगवन्मनो वावणी मेकी वा मित्त इके साव प्रवरमद
 इके अथवा मेकी वेकी दरव नमदे इके वाववागे।

- १२ ओर मोटो वा उभी बार देवारोसूं बेकीडा वा बार
 बारबावाजोने वा बारबाउपर बार बारबारा विरें
 कसोडाज उके उपर नवो विरियो वे बाबा विमराएखे
 १३ ठावडाका बारें गोव्याका नाव । पूरकानो तीन बारबा वा
 उत्तरकानो तीन बारबा वा दक्षिणकानो तीन बारबा वा
 १४ पश्चिमकानो तीन बारबा जे । उं नगरके भीतकी, बारें
 भीत वा उके विरले गाहराका बचाका बारें बारबारा
 १५ वा नांव । जी नारें मेकी कथा कही उके एक सेना
 की भुंगकी उं नगर वा बारबा वा भौव मापबवेई जे ।
 १६ उ नगर चोवुटी खविचोडे नरोपर उंगे उं भुंगकोसूं
 उं नगर माथो साठे सात से कोम बाबा वा चोवुई वा
 १७ उंघाई बरोबर जे । उंपने कादमीका हाथका प्रमाबसूं
 कथवा उं बारबाराका हाथका प्रमाबसूं उं भीत माथो एकसे
 १८ पाजोस हाथ करे । भीतकी साठे नवरबंदकी या नगर
 १९ साफ काचसरीमे चोवो जेवको । वा नगरके भीतकी
 भीत सगकोतरकी चोवीकीमत कुंवारसूं कहीजे बेवठी
 २० तीव नवरबंदकी दुभी बीजमकी तीमी वा बाकी चोवो पत्रा
 की चीचमी देवुयको जठी कथोवकी सातमे पुहराजकी
 काठमी खसधियाकी नवमी प्रमाबकी दसमी जेमेदकी
 २१ इगारसी प्रोरनाकी बारुकी नरवीसकी । उं कहे वि
 वाड बारें सोबाका एक २ निर्वाह रंग २ मेतोसूं बबाचोने
 जे ओर उं नगरकी नगर केवा कथसरिकी सेनासूं
 २२ बबावेहे जे । उं विरमे के विर देवशि विरि बही
 कोस प्रभु भगवान सगकाने के चान वा गाहराका बचा
 २३ वेई उका देवराजे । उं नगरके प्रमाबके परबवेई सर्व
 वा प्रमाको काम नही कोस भगवानके सेना उं भीतकी
 २४ करेजे वा गाहराको बचा उंभी प्रमाबके । ओर उं प्रान
 वामे जोकी कावुची वा थरतीका रावा कथको महाज वा

२५ मरबादा उमें ल्यासा । दिनका उंका बिनाड बदेई ज्वा
 २६ बसी नही वा उं जागा रात ज्वासी नही । वा गोष्वादि
 २७ मचाअ वा मथादा उमें वे आसी । वा ज्वा काई बस
 भिसट करेउं अथवा घोटा बान करेउं अथवा बूडी बर्षा
 केउं अं सगली बर्षा कीबीवरें उमें बइसी नही केर ज्के
 गाडराके बर्षा के जीवतअसदीवा घोपडीमें लिखीदे। जाब
 उं वे बइसी।

२२ वाईसमी पानि।—धीरपिख भगवान वा गाडरा
 का बर्षाका वषतसू निकल्योडी फिटकरसी निर्मज अखत
 २ पाखीकी नदी उं मने देवाई । उं नगरके मारगमे वा
 नद्याके दोनु जेपडा चावेजो महिनामें एकतर तरे इतरें
 बारे महानामे बारेतराका फलदेबवाका जीवतय देख
 वाका बंध रेउं उं बंधका पान घोगाके घेव करबवेई ज्वा
 ३ उं । धीर फिटकार रेसो नही केर भगवानको वा गाड
 राका बाबाका तयत उंके विषमें रेसी वा उंका सेवक उंको
 ४ सेवा करसी । वे उंको मुंडा दंघसी वा वाकी माघो
 ५ वाका नावसू सन्धेओ ज्वा । उंके धीर रात ज्वासी नही
 धीर वाने वाटकी अथवा सूर्यके चानवाके धीर गरजपिख
 नही कोस प्रभु भगवान वाने चानको देवेउं धीर वे
 ७ रोजीना राज करसी । अंपउं उं मने कयो के के बर्षा
 इतवार करबकी वा साचउं धीर निमितियाके आआबो
 प्रभु भगवान घोटा दिनके विषमें होडहाड ज्के विषय वे
 विषय आपका दांसाने देमाकबवेई आपका हलकाराने
 ६ मेल्येउं । देव जंवेगे आवणू ज्को लोग इं घोपडीकी
 ८ निमितियाको कथा पालेउं उं अथ । जं घोहन जी विषय
 को देववाको वा सुखवाको नुं वा देखा वा सुखा पउं जी

- हलकारे मने ओ विषय दिवालो उके यमके सामो मजब
 १८ करबवेई अं प्रथो । वद मने उं कवो के निघेवाव आ मय
 करके अं धारो संगके सेवक नुं खोर धारा त्रिमिविधा
 भाई वा अके इं चोपडीकी कथा पावेउं वक्ति एक लोग अं
 १९ भगवानको भजन कर । उंपते उं मने कयो के इं चोपडीकी
 २० कथा बोटव करर बुदजे मतो समय नेडो आसोते । अको
 लोग अयधार्थीते उ अयधार्थी जयर रहे वा अको लोग भि
 सटते उ भिसट जयर रहे वा अको लोग साचेते उ साचे
 जयर रहे वा अको लोग संमेगोते उ संमेगो जयर रहे ।
 २१ देवो अं वेगो आवुनुं खोर त्रिको काम ऊसी उंमाफक
 फल पावेजी लोगने देखवेई नारे देखवाओ फल वारे
 २२ भेजो ते । अं क वा ल । आदि वा अंत वा ठेट वा उेडवो ।
 २३ अको उंकी आग्या मनेते वे धनते के वे जोवतय देखवाला
 बंधवा फल वांखको कोठार जावे खोर वारबासुं नगर
 २४ में बडे । कोस ऊधया वा विरोधा वा पावरवाज वा खूबो
 वा देववाजा घूजखवाला वा अको कोई कूडवा सरावेते
 अथवा केते वे वारके रते ।
 २५ इं कथाको सावतो धाने टोलीमें देखने अं यिमुने भाप
 का हलकाराने मेख्योनुं अं दाउदको जह वा उंसुं उपज्यो
 २६ वा प्रांतवो वा प्रभातो तारोनुं । परमात्मा खोर बिदबो
 केतेके आवो अको लोग मुनेते उ लोग कहे के आवो
 अको लोग तिसावे उ लोग आवे जीके बधके ते उ मुफव
 २७ अयव पांथी खेवे । कोस अको लोग इं चोपडीके विमि
 तियाको कथा सुबेते उं आवेजी लोगकने अं को साववो
 देउनुं के अर कोई इंकथाके भेडो खोर कुडि भेखे वो अत्रा
 २८ तोसीस इं चोपडीमें विधीगईते भगवान उने वा तोसीस
 कतो करर उने देसी । वा इं चोपडीके निमिविधाकी कथा
 को अर कोईपिय मिटावे तो जोवतयसरोवो बंध वा मुय

३२ वाहसमी यानो योहमनं नको चोहं कवेः ॥ 649

नमर वा हं चोपडोमें नको विद्यो मयोने हं समखासुं उंको
३० कोठार भमवीन उपाहसी। नको यी घाको सापयो देवे
३१ उहं केने के निखे उं वेमो वरर काउंनुं कामिन् हे
३२ यमु विमु आव। यमु विमुवीहको अपुयह समखा पुंन्य
नवाउपर हें। कामिन्।

